इस्लामी हीरे

यानी

सुन्नी कुइज़

मौलाना सेराजुल कादरी बहराइची

नाज़ बुक डिपो
मुहम्मद अली रोड, मुम्बई

786/92

हो अगर शौके तलब ढूँडने वालों में तो फिर
सैंकड़ों मन्ज़िलें राहों की गुबारों में हैं।

इस्लामी हीरे
यानी
सुन्नी कुइज़

जदीद ऐडीशन मअ इज़ाफ़ा

लेखक :
मौलाना सिराजुल्क़ादरी बहराइची

बानी व मुहतमिम
साबरी यतीम ख़ाना जामिया सरकारे आला हज़रत
गँगवल बाज़ार ज़िला बहराइच शरीफ़ यू.पी. (इन्डिया)

प्रकाशक :
नाज़ बुक डिपो
दुकान नं. 1,2 मोहम्मद अली रोड, भिन्डी बाज़ार, मुम्बई नं. - 3

निशाने मंजिल

1	शरफे इन्तिसाब	10
2	नजरानए अक़ीदत	11
3	नज़रे ख़ुलूस	11
4	किताब और साहिबे किताब	12
5	तक़रीज़े जमील	13
6	कल्मए तहसीन	15
7	कलिमाते ख़ैर	16
8	अर्जे हाल	17
9	मारुज़ह	20
10	नअते पाक	21
11	अबुल बशर हज़रत सैयदना आदम (अलैहिस्सलाम)	22
12	क़ाबील व हाबील	31
13	शैताने रजीम	32
14	हज़रत सय्यदुना नूह अलैहिस्सलाम	35
15	हज़रत सय्यदुना इदरीस अलैहिस्सलाम	41
16	हज़रत सय्यदुना हूद अलैहिस्सलाम	44
17	हज़रत सय्यदुना सालेह अलैहिस्सलाम	46
18	हज़रत सय्यदुना इब्राहीम अलैहिस्सलाम	49
19	हज़रत सय्यदुना इस्माईल अलैहिस्सलाम	58
20	हज़रत सय्यदुना इस्हाक़ अलैहिस्सलाम	61
21	हज़रत सय्यदुना याक़ूब अलैहिस्सलाम	63
22	हज़रत सय्यदुना यूसुफ अलैहिस्सलाम	65
23	हज़रत सय्यदुना लूत अलैहिस्सलाम	74
24	हज़रत सय्यदुना अय्यूब अलैहिस्सलाम	76
25	हज़रत सय्यदुना शुऐब अलैहिस्सलाम	79
26	हज़रत सय्यदुना मूसा अलैहिस्सलाम	80
27	बनी इसराईल	88

28	हज़रत सय्यदुना हारून अलैहिस्सलाम	94
29	हज़रत सय्यदुना दाऊद अलैहिस्सलाम	95
30	हज़रत सय्यदुना सुलेमान अलैहिस्सलाम	98
31	हज़रत सय्यदुना इल्यास अलैहिस्सलाम	103
32	हज़रत सय्यदुना अल्यसा अलैहिस्सलाम	104
33	हज़रत सय्यदुना जुलकिफ्ल अलैहिस्सलाम	105
34	हज़रत सय्यदुना उज़ैर अलैहिस्सलाम	106
35	हज़रत सय्यदुना यूनुस अलैहिस्सलाम	107
36	हज़रत सय्यदुना ज़करिया अलैहिस्सलाम	109
37	हज़रत सय्यदुना यहया अलैहिस्सलाम	110
38	हज़रत सय्यदुना लुक़मान अलैहिस्सलाम	111
39	हज़रत सय्यदुना सिकन्दर जुल्क़रनैन	112
40	हज़रत सय्यदुना खिज़्र अलैहिस्सलाम	112
41	हज़रत सय्यदुना ईसा अलैहिस्सलाम	113
42	मुतफर्रिक़ अंबिया-ए-किराम और उन के तअल्लुक से	119
43	असहाबे कहफ़	127
44	अय्यामे जाहिलियत	129
45	वाक़अऐ फ़ील	132
46	मेरे आक़ा सय्यदुल अंबिया सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम	133
47	ऐलाने नबूवत रहमते दो जहां सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम	157
48	सफ़रे मेअ़राज आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम	160
49	रहमते आलम सल्लल्लाहु अ़लैही व सल्लम की मक्का से मदीना की तरफ़ हिजरत	165
50	रहमते आलम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की दावते इस्लाम	172
51	फ़ातहे मक्का आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम	176
52	मोजिज़ाते रसूलुल्लाह सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम	179
53	विसाले मुबारक और मस्जिदे नबवी	183
54	ख़ान-ए-काबा और उस के तअल्लुक़ से	190
55	मसाजिद और उनके तअल्लुक़ से	198
56	क़िबल-ए-अव्वल और उसके तअल्लुक़ से	201

सरवरे कायेनात की अज़वाजे तय्यिबात

57	हज़रत सय्यदा ख़दीजतुलकुबरा रज़ियल्लाहु अन्हा	202
58	उम्मुलमोमिनीन हज़रत सय्यदा आइशा सिद्दिका रज़ियल्लाहु अन्हा	205
59	उम्मुलमोमिनीन हज़रत उम्मे हबीबा रज़ियल्लाहु अन्हा	207
60	उम्मुलमोमिनीन हज़रत हफ़सा रज़ियल्लाहु अन्हा	208
61	उम्मुलमोमिनीन हज़रत मैमूना रज़ियल्लाहु अन्हा	208
62	उम्मुलमोमिनीन हज़रत उम्मे सलमा रज़ियल्लाहु अन्हा	210
63	उम्मुलमोमेनीन हज़रत सौदा रज़ियल्लाहु अन्हा	211
64	उम्मुलमोमिनीन हज़रत ज़ैनब बिन्ते जहश रज़ियल्लाहु अन्हा	212
65	उम्मुलमोमिनीन हज़रत ज़ैनब बिन्ते ख़ुज़ैमा रज़ियल्लाहु अन्हा	213
66	उम्मुलमोमिनीन हज़रत सफ़िया रज़ियल्लाहु अन्हा	213
67	दीगर अज़वाज़े मुतह्हरात रिज़वानुल्लाही अन्हुन्न	214
68	रहमते आलम सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम के फ़रज़न्दाने मुहतरम व दुख़्तराने मुकर्रम	216
69	अहले बैते अतहार रज़ियल्लाहु अन्हुम	220
70	ग़ज़वात व सराया	224
71	सामाने हरब आक़ा सल्लल्लहो अलैहि वसल्लम	225
72	ग़ज़व-ए-बद्र और उसके तअल्लुक़ से	228
73	सफरे ताइफ और ग़ज़व-ए-ताइफ	233
74	ग़ज़व-ए-उहद	236
75	सुल्हे हुदैबिया	240
76	ग़ज़व-ए-ख़न्दक़	242
77	ग़ज़व-ए-ख़ैबर	244
78	ग़ज़व-ए-तुबूक	246
79	जंगे मौता	249
80	जंगे हुनैन	250
81	फत्हे मक्का	252
82	मुतफर्रिक़ ग़ज़वात व सराया	255
83	मुद्दईयाने नबूवत	259

84 दुश्मनाने इस्लाम और साजिशें 262

खुल्फ़ा-ए-राशिदीन

85 ख़लीफ़ए अव्वल हज़रत सय्यदुना सिद्दीक़ अकबर रज़ियल्लाहु अन्हु 266
86 ख़लीफ़ए दोम हज़रत सय्यदुना उमर फ़ारूक़ रज़ियल्लाहु अन्हु 274
87 ख़लीफ़ए सोम हज़रत सय्यदुना उसमान ग़नी रज़ियल्लाहु अन्हु 284
88 ख़लीफ़ए चहारुम हज़रत सय्यदुना अ़ली रज़ियल्लाहु अन्हु 290
89 जंगे जुमल व सिफ्फैन हज़रत अमीर मआविया रज़ियल्लाहु अन्हु 297

सहाब-ए-किराम

90 हज़रत सय्यदुना अमीर हमज़ा रज़ि यल्लाहु अन्हु 300
91 हज़रत सय्यदुना बिलाल हब्शी रज़ि यल्लाहु अन्हु 303
92 हज़रत सय्यदुना ख़ालिद बिन वलीद रज़ियल्लाहु अन्ह 304
93 हज़रत सय्यदुना सअद बिन अबी वक़ास रज़ियल्लाहु अन्हु 306
94 हज़रत सय्यदुना सलमान फ़ारसी रज़ियल्लाहु अन्हु 309
95 हज़रत सय्यदुना ज़ैद बिन हारिसा रज़ियल्लाहु अन्हु 310
96 हज़रत सय्यदुना हन्ज़ला रज़ि यल्लाहु अन्हु 313
97 हज़रत सय्यदुना ज़ुबैर इब्नुलअव्वाम रज़ियल्लाहु अन्हु 314
98 हज़रत सय्यदुना अब्बास रज़ि यल्लाहु अन्हु 315
99 हज़रत सय्यदुना अबुज़र ग़िफ़ारी रज़ि यल्लाहु अन्हु 317
100 हज़रत सय्युदना ख़ब्बाब इब्नुल्अरत रज़ियल्लाहु अन्ह 318
101 हज़रत सय्यदुना अब्दुल्लाह बिन ज़ुबैर रज़ियल्लाहु अन्हु 319
102 हज़रत सय्यदुना अबु अय्युब अन्सारी रज़ियल्लाहु अन्हु 320
103 हज़रत सय्यदुना सुहैब रुमी रज़ि यल्लाहु अन्हु 321
104 हज़रत सय्यदुना अ़दी बिन हातिम रज़ियल्लाहु अन्हु 322
105 हज़रत सय्यदुना ख़ुबैब बिन अ़दी रज़ियल्लाहु अन्हु 322
106 हज़रत सय्यदुना सअ़द बिन मुआज़ रज़ियल्लाहु अन्हु 323
107 हज़रत सय्यदुना ज़रार बिन अज़वर रज़ियल्लाहु अन्हु 324
108 हज़रत सय्यदुना अब्दुल्लाह बिन मसऊद रज़ियल्लाहु अन्हु 325
109 हज़रत सय्यदुना हुज़ैफ़ा रज़ि यल्लाहु अन्हु 326
110 हज़रत सय्यदुना अ़म्मार बिन यासिर रज़ियल्लाहु अन्हु 327

111	हज़रत सय्यदुना अबू मूसा अशअरी रज़ियल्लाहु अन्हु	329
112	हज़रत सय्यदुना अबुहुरैरह रज़ि यल्लाहु अन्हु	330
113	हज़रत सय्यदुना अबूसुफियान बिन हरब रज़ियल्लाहु अन्हु	330
114	हज़रत सय्यदुना अनस बिन मालिक रज़ियल्लाहु अन्हु	331
115	हज़रत सय्यदुना अबू तलहा रज़ि यल्लाहु अन्हु	332
116	हज़रत सय्यदुना अबू क़तादह रज़ि यल्लाहु अन्हु	333
117	हज़रत सय्यदुना अब्दुल्लाह बिन उमर रज़ियल्लाहु अन्हु	333
118	हज़रत सय्यदुना हस्सान बिन साबित रज़ियल्लाहु अन्हु	334
119	हज़रत सय्यदुना सलमह बिन अक्वअ रज़ियल्लाहु अन्हु	335
120	हज़रत सय्यदुना मुसअब बिन उमैर रज़ियल्लाहु अन्हु	336
121	हज़रत सय्यदुना मुसन्ना बिन हारिसा रज़ियल्लाहु अन्हु	336
122	मुतफ़र्रिक़ सहाबऐ किराम रिज़वानुल्लाहि अलैहिम अजमईन	337
123	सहाबियात	365
124	ताबेयीन	370
125	मुतफ़र्रिक़ ताबिईन	371
126	सानेह-ए-करबला और क़ातिलाने अहलेबैत	374
127	हुसैनियत और अन्जामे यज़ीदियत	378

औलिया-ऐ- किराम

128	सरकार सय्यदुना गौसे आज़म दस्तगीर रज़ियल्लाहु अन्हु	384
129	हिन्द के राजा यानी मेरे ख़्वाजा	387
130	हज़रत सय्यदुना शैख़ ख़्वाजा फरीदुद्दीन गंज शकर व ख़्वाजा कुतबुद्दीन बख़्तियार काकी रहमतुल्लाह अलैहिम	391
131	हज़रत ख़्वाजा निज़ामुद्दीन औलिया व अमीर ख़ुस्रू रहमतुल्लाहि अलैहिमा	392
132	हज़रत ख़्वाजा अलाउद्दीन साबिर पाक अलैहिर्रहमा	394
133	हज़रत औरंगज़ेब आलमगीर रहमतुल्लाहि अलैहि	395
134	हज़रत बूअली शाह क़लन्दर रहमतुल्लाहि अलैहि	397
135	हज़रत ख़्वाजा बाक़ी बिल्लाह व मुजद्दिदे अलफ़े सानी रहमतुल्लाहि अलैहिर्रहमा	397

136	हज़रत मौलाना जलालुद्दीन रूमी अलैहिर्रहमा	399
137	हज़रत इब्राहीम बिन अदहम व राबिआ बसरी रहमतुल्लाहि अलैहिमा	400
138	हज़रत मनसूर हल्लाज व ख़्वाजा हसन बसरी रहमतुल्लाहि अलैहिमा	400
139	हज़रत बा यज़ीद बुसतामी व ज़ुन्नून मिस्री रहमतुल्लाहि अलैहिमा	401
140	हज़रत सय्यद हाजी वारिस अली शाह रहमतुल्लाहि अलैहि	402
141	सरकार सय्यदुना सालार मस्ऊद गाज़ी रहमतुल्लाहि अलैहि	403
142	मुतफ़र्रिक़ औलिया-ए-किराम.	404

अइम्मा-ए-किराम

143	हज़रत इमाम आज़म अबू हनीफ़ा रज़ियल्लाहु अन्हु	412
144	हज़रत इमाम मालिक रहमतुल्लाहि अलैहि.	416
145	हज़रत इमाम शाफ़ई रहमतुल्लाहि अलैहि.	417
146	हज़रत इमाम अहमद बिन हम्बल रहमतुल्लाहि अलैहि	418
147	मुजद्देदीने मिल्लत	419
148	मेरे आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि.	422
149	हुजूर सय्यदुना सरकार मुफ़तिऐ आज़मे हिन्द	453
150	शेख़ेशऐ अहले सुन्नत रहमतुल्लाहि अलैहि.	455

आसमानी किताबें

151	कुर्आन मजीद	457
152	तौरेत	475
153	ज़बूर	476
154	इन्जील मुक़द्दस	476
155	मलाइका	477
156	नमाज़ अफ़ज़लुल इबादात	480
157	रमज़ानुल मुबारक	491
158	वजू तयम्मुम और अज़ान के तअल्लुक़ से	493
159	गुस्ल व तहारत और नजासतें	496
160	क़यामत व हश्र व नश्र	497
161	जन्नत और जन्नती	499

162	दोज़ख़ और दोज़ख़ी	502
163	मसाइल व अक़ाइद	504
164	कुछ तवारीख़े इस्लाम	516
165	कुछ यादें, तसनीफ़ात और इदारे	517
166	हज़रत तारिक़ बिन ज़ियाद व मूसा बिन – नसीर रज़ियल्लाहु अन्हुमा	525
167	सुलतान नूरुद्दीन ज़ंगी व सलाहुद्दीन अय्यूबी रज़ियल्लाहु अन्हुमा	526
168	फ़ातहे सिन्ध मोहम्मद बिन क़ासिम रज़ियल्लाहु अन्हु	527
169	फ़ातहे अफ़्रीक़ा यूसुफ़ बिन ताशकैन	529
170	मुसलमानों की सुन्हरी तारीख़	530
171	तवारीख़ मुतफ़र्रिक़ ग़ज़वात व सराया	536
172	गुस्ताख़ क़लम	540
173	मुतफ़र्रिक़ मुख़तलिफ़ मालूमात	563
174	बक़िया अंबिया-ए-केराम अलैहिमुस्सलाम	591
175	बक़िया मुतफ़र्रिक़ात	602
176	हदिय-ऐ-सलाम	623
177	मुनाजात	625
178	किताबियात	627
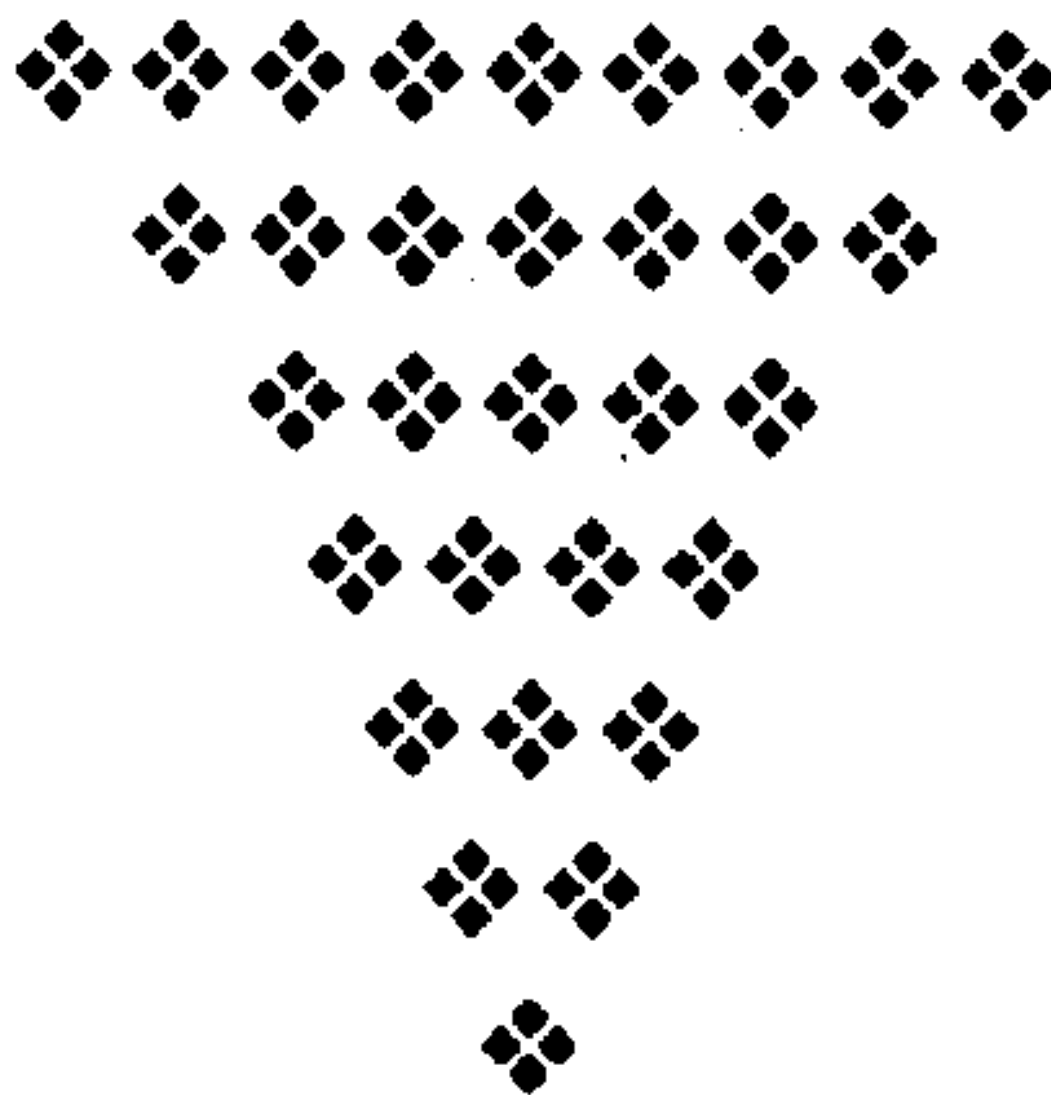
शर्फ़े इन्तेसाब

उस अज़ीम मुजाहिद के नाम जिस ने अपनी जवानी की सारी रंगीनियाँ और जिस्म का आख़िरी क़तरह-ए-ख़ून भी परचमे इस्लाम की सरबुलन्दी के लिये कुर्बान कर दिया जिसे अहले इस्लाम सय्यदे सालार मस्ऊद गाज़ी के नाम से याद करते हैं और जिन के आस्तान-ए-फैज़ से अन्धों को आँख, बेचैनों को चैन, जुज़ामी और अबरस मरीज़ों को सेहते आजिला मिलती है।

मेरे सालार मस्ऊद पर रहमतें!!
गाज़िऐ दीन व मिल्लत पे लाखों सलाम
और

आबरूए दुनियाऐ सुन्नियत शहज़ाद-ए-आला हज़रत हुज़ूर सय्यदी अल्लामा अलहाज मुहम्मद मुस्तफा रज़ा ख़ाँ रहमतुल्लाहि अलैहि जिसे सेहतमन्द दिल मुफ़्ती-ए-आज़मे हिन्द के नाम से याद करते हैं जिसने ज़ईफी में भी मिल्लते इस्लामिया की आबयारी खूने जिगर से की जिनके छोड़े हुए अनमिट नुकूश अहले अकीदत व ईमान को ता क़यामे क़यामत रोशनी देते रहेंगे।

ज़माना ढूँड ले अब कौन उनकी मिस्ल लाए गा
यक़ीनन रहनुमाए कामिलां थे मुफ़तिए आज़म
गर क़बूल उफ़तद ज़हे इज़्ज़ो शरफ

ख़ाक पाए औलिया

सिराजुल कादरी बहराइची

नज़रान-ए-अक़ीदत

नबीरए आला हज़रत जानशीने मुफ़्ती-ए-आज़मे हिन्द ताजुल इस्लाम हज़रत अल्लामा **मुफ़्ती अख़तर रज़ा खाँ** साहेब क़िबला अज़हरी दामत फ़ुयूज़ुहुम खुदा करे मेरे पीर व मुर्शिद का साया ता देर सलामत रहे – आमीन।

ऐ खुदा अख़्तर रज़ा को चर्ख़ पर इसलाम के
रख दरख़्शाँ हर घड़ी अपनी रज़ा के वास्ते

तालिबे एनायत :
सिराजुल क़ादरी बहराइची

नज़रे ख़ुलूस

मेरे शफ़ीक़ वालिदैने करीमैन मोहम्मद हशमत अली साबरी व ज़ैबुन्निसा मरहूमा जिन की अच्छी तरबियत और मेहनते शाक़्क़ा की बुन्नियाद पर उलूमे दीने मुस्तफ़ा सल्लल्लाहू अलैहि व सल्लम का हुसूल हुआ मौलाए क़दीर उन्हें अपनी जवारे अक़्दस मे जगह अता फर्मा कर दरजात बलंद फर्माए – आमीन!

और

बिरादराने हक़ीक़ी यार मोहम्मद व ताज मोहम्मद सहिबान जिन की देरीना ख़्वाहिश रही कि मैं आलिमे दीन बन कर दीन की ख़िदमत करूँ। अल्लाह तबारक व तआला इन्हें आसेबे रोज़गार से महफ़ूज़ फर्माए आमीन।

दुआ गो :
सिराजुल कादरी बहराइची

किताब और साहिबे किताब

मुहक़्क़िके अस्र हज़रत अल्लामा मुफती मोहम्मद हबीबुल्लाह खाँ साहेब क़िबला नईमी। शैखुलहदीस दारुलउलूम फज़ले रहमानिया पचपेड़वा बाज़ार, बलराम पुर युपी।

किताब "इसलामी हीरे" अपनी नौइयत की मुनफरिद व बे मिसाल है इसलामी उलूम का ख़ज़ानए बे बहा है मुतअद्दिद किताबों के मुताला से यह किताब मनस-ए-शुहूद पर आई। पढ़ते जाइए, नई-नई बातों का इंकिशाफ़ होता जाऐगा। कसीरुलमुताला हज़रात भी इस से फैज़याब होंगे और उन्हें भी इस हक़ीकत का बरमला ऐतराफ़ करना पड़ेगा कि इसमें कुछ बातें ऐसी हैं जो हमें मालूम न थीं काश कि अज़ीज़म मौलाना सिराजुल क़ादरी साहेब ज़ीदा मजदहुम किताब की तरतीब में हवाला का इल्तिज़ाम भी किए होते तो किताब की अहमियत कुछ और होती और उन पर किताब में मरकूम बातों की जो ज़िम्मेदारी आएद होती है वह न होती मेरी गुज़ारिश है कि मौलाना मौसूफ आइन्दह एडीशन में हवाला का ज़िक्र ज़रुर करें ताकि अपने और पराए किसी को भी शक व शुब्हा की कोई गुंजाइश न रहे।

मौलाना सिराजुल क़ादरी ज़ीदा मजदहुम मुतहर्रिक व फ़आल नौ उम्र आलिम हैं मज़हबी कामो में जुनून की हद तक दिलचसपी रखते हैं जो सोच लेते हैं कर गुज़रते हैं। फितरी तौर पर शरीफ़ व अच्छी तबीअत के मालिक हैं। अपने तौर पर मज़हब की नश्र व इशाअत मस्लके आला हज़रत की तरजुमानी करते रहते है मौलाना मौसूफ का यही वह वसफे जमील है जो इन्हें ग़ैरों की नज़रो में ख़ार बनाये रखता है। मौला तआला की बारगाहे अली जाह में दुआ कुनां हूँ कि अपने हबीब सल्लल्लाहू अलैहि व सल्लम के सदक़े व तुफैल में इन्हें मज़ीद ख़िदमते दीन का जज़्बा अता फरमाये और सआदते दारैन से नवाज़े और इन के मज़हबी कामों में जो मुश्किलात दरपेश हों उन को दूर फरमाये। आमीन बिजाहे हबीबिहिल करीम सल्लल्लाहू अलैहि व सल्लम।

फ़क़त वसल्लाम

मोहम्मद हबीबुल्लाह ख़ाँ मिसबाही

ख़ादिम दारुलउलूम फज़ले रहमानिया

पचपेड़वा बलराम पुर यूपी इन्डिया (15 रमजानुलमुबारक 1422 हिजरी)

तक़रीज़े जमील

शमसुल उलमा हज़रत अल्लामा मुफ़्ती शमसुद्दीन अहमद रज़वी साहिब क़िब्ला शैखुल हदीस व सदरुल मुदर्रसीन जामिया अशरफ़िया मस्ऊदुल उलूम छोटी तकिया बहराइच शरीफ यूपी०

शुमाली हिन्द का मरकज़ी शहेर बहराइच शरीफ जहाँ सुलतानु शुहदा फ़िल हिन्द मज़हरे ईसा अला नबीयेना व अलैहिस्सलाम हज़रत सय्यदुना सालार मस्ऊद ग़ाज़ी रज़ियल्लाहु अन्हु का मज़ारे पुर अनवार हज़ारो साल से मरजअे ख़लाइक़ है। हुज़ूर मुजाहिदे कबीर सालार मस्ऊद के फ़ुयूज़ व बरकात की बरसात से सैकड़ों हज़रात हर रोज़ शराबोर होते रहते हैं। बार गाहे ग़ाज़ी से अब तक लाखों ला अेलाज मरीज़ शिफायाब हो चुके है। यहीं से तक़रीबन 32 किलो मीटर दूर एक तारीखी क़स्बा गँगवल बज़ार के नाम से मशहूर व मारूफ है।

अजीजे गेरामी हज़रत मौलाना सिराज अहमद सिराजुल क़ादरी साहिब की विलादत क़स्बा गँगवल बज़ार के एक शरीफ़ घराने जनाब हशमत अली साबरी साहिब के घर में हुई। वालिदे गिरामी ने सिराज अहमद नाम रख्खा। यक़ीनन सरवरे कौनैन सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के नाम की निस्बत इस अम्र पर दाल है कि जनाब हशमत अली साबेरी, सिराजे बदरूल मुनीर का लकब पाने वाले आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के सच्चे पक्के आशिक़ थे। बई वजा मौलाना मौसूफ का नाम सिराज अहमद रख्खा। आप के वालिद ने मकतब की इबतेदाई तालीम दिलाने के बाद आप का दाख़िला मदरसा उसमानिया नियाजुल उलूम बड़का गांव पयाग पुर बहराइच शरीफ़ में करवाया। बादहु दारुल उलूम यतीम ख़ाना सफविया करनैल गंज गोन्डा में बा सलाहियत व मुशफिक़ असातिजा की निगरानी में हिफ़्ज़ व क़िरत की तालीम मुकम्मल फरमाई।

मजीद तरक्क़ीये तालीम के लिये जामिया अरबिया अनवारुल क़ुर्आन बलराम पुर तशरीफ़ ले गये। जहाँ उलूमे नक़लिया व अक़लिया से फराग़त हासिल कि। बादे फराग़त मुहल्ला करबला बलराम पुर में मदरासा सिराजुर्रज़ा की बुन्याद रख्खी और 6 साल तक तदरीसी ख़िदमात अनजाम देते रहे। बर वक्त सिराजुर्रज़ा दुसरे नाम से आज भी क़ायम है। बलराम पुर के बाद अपने वतने मालूफ क़स्बा गँगवल बज़ार के मदरसा वज़ीरुल उलूम में रह कर मुसतक़िल तीन साल तिशनिगाने उलूमे नब्विया

को इल्म व हुनर से सैराब फरमा कर अपनी इल्मी इसतेअदाद का लोहा मनवाया। इस के बाद आप ने दारूल उलूम गुलशने मदीना जोगेश्वरी में दर्स व तदरीस की ख़िदमत अनजाम देना मनजुर किया और वहां भी तीन ही साल तक रहे। मौजूदा वक़्त में मौलाना सिराज अहमद सिराजुल क़दारी साहिब इस्माईल हबीब मस्जिद बोहरी मुहल्ला जे जे मुम्बई में इमामत व ख़िताबत का काम बहुस्नु व खुबी अनजाम दे रहे हैं।

इन तमाम मस्रूफ़ियात के बावजुद मौलाना मौसूफ ने दीने रसुले आज़म सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के फरोग़ व मसलके अहले सुन्नत की बका़ की ख़ातिर तहरीरी सफर में वह कार हाये नुमायाँ अन्जाम दिये हैं। जो सय्यदी सरकार आला हज़रत रज़ि यल्लाहुल मौला तआला के मिशन पर खरे उतर रहे हैं। आप के तहरिरी कारनामों को फरामोश नहीं किया जा सकता है। मौलाना तक़्रीबन एक दरजन से जा़इद किताबों के मुअल्लिफ हैं। आप की किताबों में पयामे रहमत, अनवारे कुरआनी, गुसताख़े कलम, मुजरिम अदालत में, बरके वहदत बर फितनए नजदियत, बरक़े रज़्वियत बर फित्नए वहाबियत, तोहफये रमजा़न जैसी मकबूल तरीन तसनीफात के साथ " इस्लामी हीरे (सुन्नी कुइज़) को भी अरबाबे इल्म व दानिश ने मनसबे सरफ़राज़ियत बख़्शा। अब तक "**इसलामी हीरे**" की इशाअत दो मरतबा अमल में आ चुकी है। मक़्बूलियत के सबब तीसरी मरतबा इशअत की मंज़िल में है।

यह किताब अमबिया अलैहिमुस्सलाम, अहले बैते अतहार, खुलफाये राशेदीन, सहाबये किराम, सहाबियात रिज़वानुल्लाहि तआला अनहुम ताबेईने केराम, औलियाए अिजा़म अइम्मए किराम, मुजददेदीने मिल्लत रहमतुल्लाहे अलैहिम, आसमानी किताबें, इसलामी तारीख़ औ कुछ यादें के अनावीन पर मुश्तमिल है जो अपने मौजूअ में बसूरते सवाल व जवाब एक अजी़म पेश कश है। जबान सादा और सलीस है। तहकी़क़ात व तदकी़कात का बेश बहा मजमूआ है जिस की ज़रूरत हर ख़ास व आम को है। दुआ है कि मौला तआला इस किताब के साथ अजी़ज़े गिरामी मौलाना सिराजुल का़दरी साहिब की तमाम किताबों को मक़्बूले आम फरमाये। (आमीन)

अल-फ़की़र अबुल ख़ैर शमसुददीन
का़दरी बरकाती रज़वी
जामिया अशरफ़िया मसऊदुल उलूम
छोटी तकियाबहराइच शरीफ यूपी

❖❖❖

कलिम-ए-तहसीन

गुले गुलज़ारे जमालुल औलिया हज़रत अल्लामा सय्यद अब्दुल ख़ालिक़ साहिब क़िबला रज़वी – मुम्बई

नहमदुहू व नुसल्ली अला रसूलिहिल करीम अम्मा बाद

ज़ेरे नज़र किताब "**इस्लामी हीरे यानी सुन्नी कोइज़**" अंबियाए किराम अलैहिमुस्सलाम से लेकर फर्ज़न्दाने तौहीद के गूनां गूँ अहवाल व वाक़िआत से पुर है। फाज़िले मुरत्तिब हज़रत मौलाना सिराजुल क़ादरी साहिब बहराइची ने समन्दर को कूज़े में समोने की अन्थक कोशिश की है। और बड़ी जाँफशानी, मुहब्बत अक़ीदत व तहक़ीक़ के साथ कलम बंद फरमाया है। किताबे हाज़ा के मुताला से मालूम होता है कि तारीख़ व सीरत व बुजूर्गों के अफआल व किरदार का हसीन इम्तिज़ाज है। बिला मुबालग़ा कारेईन कैफ़ व सुरूर के एक ऐसे चमने ज़ार में पहुंच जाएँगे जिस के गुल्हाए रंगारंग से आँखों को तरावत, जबानों को हलावत व शीरीनी हासिल होगी और जिन की दिलआवेज़ खुशबुओं से मशामे जाँ मुअत्तर होगी।

दुआ है कि रब्बे क़दीर किताबे हाज़ा को मक़बूले ख़ास व आम फरमा कर फाज़िले गिरामी को दारैन की नेअ्मतों से सरशार फर्माए। आमीन बजाहिन्नबीइल करीम सल्लल्लाहू अलैहि व सल्लम।

फक़ीर सय्यद **अब्दुल ख़ालिक़** रज़वी

गोरे गाँव वेस्ट, मुंबई - 90

❖❖❖❖
❖❖
❖
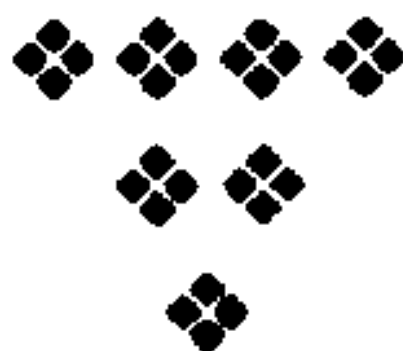
कलिमाते ख़ैर

मुफ़क्किरे मिल्लत हज़रत अल्लमा मुफ़्ती मोहम्मद अशरफ़ रज़ा साहिब क़िबला इदार-ए-शरईया, महाराष्ट्र

मुहिब्बे गिरामी हज़रत मौलाना सिराजुल कादरी रज़वी बहराइची पुर अज़्म जवान हौसिला मसलके आला हज़रत के सरगरम सिपाही हैं। क़ौम को बेदार करने और उन में इस्लामी लहरें पैदा करने में इम्तियाज़ी हैसियत रखते हैं। इस सिलसिला में वक़्त व हालात के पेशेनज़र मुफ़ीद व मालूमाती दीनी लिट्रेचर भी शाए करते रहते हैं। **"इस्लामी हीरे बनाम सुन्नी कोइज़"**,**"गुसताख़े कलम"**,**"अनवारे कुरआनी"** इसकी ज़िंदह मिसालें हैं दुआ है कि मौला तआला रुहुलक़ुदुस के ज़रिऐ इन की मदद फ़र्माए, दीन व सुन्नियत की ख़िदमत की तौफ़िक़ दे – आमीन!

बेहुरमते अशरफ़ुल मुरसलीन अलैहि व आला आलेही अफ़ज़लु स्सलातु व अकरमुत्तसलीम अल्फ़ा अल्फ़ा मर्रतिन फी कुल्लेलम्हतिन इला यौमिद्दीनी।

उबैदुल मुस्तफा **मोहम्मद अशरफ** रज़ा सिद्दीकी क़ादरी

इदारह शरईया महाराष्ट्र, मुम्बई – 1

11 रमजानुल्मुबारक 1422 हिजरी 27 नवंबर 2001 ई०

❖❖❖❖
❖❖
❖
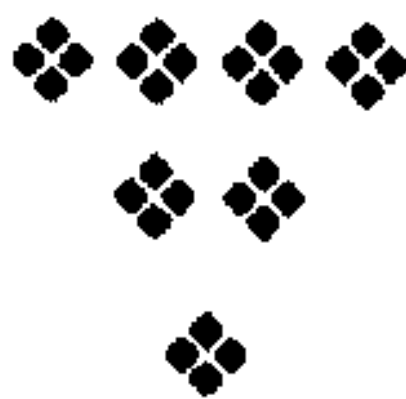
अर्ज़े हाल

सब से अहम मीरास जो क़ौम अपनी आइन्दा नसलों के लिए छोड़ती है वही तारीख़ के सफ़हा पर सब्त होकर नुक़ूशे तारीख़ कहलाती है । हमारे अस्लाफ़ और अकाबिरीने मिल्लत ने क़िरतासे अबयज़ पर जो नुक़ूश मुरतसिम किए हैं वह क़ाबिले फ़ख़्र और लाइक़े तक़लीद हैं। ज़िन्दा क़ौमें अपने अस्लाफ़ के रोशन कारनामों को मिशअ़ले राह बनाती हैं मगर दौरे हाज़िर में ज़्यादा तर लोग अपनी बर्बादियों के मातम कुनां और नौहा ख़्वानी में इस क़दर मुस्तग़रक हैं कि मुस्तक़बिल की फ़िक्र नहीं-अपनी ख़ामियों और लगजिशों का जाएज़ह नहीं लेते और अपनी क़ीमती ज़िंदगी का एहतेसाब और तजज़िया नहीं करते और सबसे बड़ा अल्मिया यह है की अपनी नस्ले नौ को सही ख़ुतूत पर तरबियत नहीं देते जबकि आज ज़रुरत इस बात की है नौजवान मुस्तक़बिल के मिमार बनने की सलाहियत पैदा करें और हमारे बुर्जुग उन्हें हयाते नौ का मुज़दह-ए-जाँ फ़िज़ा सुनाकर सिराते मुसतक़ीम की तरफ़ राग़िब करें, अख़्लाक़ सोज़ लिट्रेचर, मुख़र्रिबे अख़्लाक़ कहानियों के दलदल से नौजवानो को निकाला जाए जिसमें वह धंस्ते चले जा रहे हैं और अपना तशख़्ख़ुस खो बैठे हैं, नई नस्ल के सामने तारीख़ का आइना रख दिया जाए ताकि वह देखें कि हमारे इक़बाल मन्द अकाबिरीने मिल्लत और अस्लाफ़ ने दुनिया की किन किन रिफ़अ़तों पर अपनी मसनदें बिछा दी हैं और अपनी ज़िहानत, इल्मो फज़्ल, जाह व हशम, अज़मत व सतवत, अदल व हिकमत की कैसी कैसी मिश्अ़लें रोशन की हैं जिनकी फतह व नुसरत का परचम नाक़ाबिले उबूर बलंदियों पर आज भी लहरा रहा हैं, हालात के पेशे नज़र मैंने अपनी किताब की तरतीब में अंबियाए किराम अलैहिमुस्सलातो वस्सलाम, सहाब-ए-किराम, औलियाए उम्मत व उल्माए मिल्लत की तारीख़ व सीरत और उनके तबलीग़ी व इस्लाही कारनामों के अेलावा मुसलमानों की सुनहरी तारीख़ के उन गोशों को उजागर करने की कोशिश की है जिन्हें पढ़ने के बाद इस्लाह और एहतेसाब का जज़बा पैदा होगा और बुजूर्गों के अहवाल व अक़्वाल व सहाब-ए-किराम व मुजाहिदीने इस्लाम के हालाते ज़िन्दगी

और कौमों की रोशन तारीख़ के मुताला से उक़ाबि रुह बेदार होगी जिससे अपनी मंज़िल आसमानों में नज़र आने लगेगी।

बक़ौल डॉ. इक़बाल

उक़ाबी रुह जब बेदार होती है जवानों में
नज़र आती है उनको अपनी मंज़िल आसमानों में

तारीख़े इस्लाम पर एक नज़र ड़ालें तो मालूम होगा कि जब भी मुसलमानों पर ज़ुल्म व सितम के पहाड़ तोड़े गए और तख़्तए मश्क़ बनाया गया तो रब्बे क़दीर अज़्ज़वजल ने ऐसा मर्दे जरी पैदा कर दिया जिसकी ज़र्बे हैदरी से तागूती कूवतों के सर पाश-पाश हो गए और मुसलमान गर्दाबे बला से निकल आए। तारीख़ी कारवाँ में 14वीं सदी हिजरी में एक ऐसे फ़ातहे ज़माना और आशिक़े रसूल का नाम आफताब से कहीं ज़्यादह रोशन और ताबनाक नज़र आता है और क्यों न हो।

तेरा दर्द, दर्दे तन्हा मेरा ग़म ग़मे जमाना
जो दिलों को फ़तह करले वही फातहे ज़माना

यक़ीनन उस की ज़ाते बाबर्कात को देखने से रुह को ताज़गी मिलती है। वह ज़ातेगिरामी इमामे अहले सुन्नत मुजद्दिद दीनो मिल्लत हुजूर पुर नूर सरकारे आला हज़रत इमाम अहमद रज़ा क़ादरी रहमतुल्लाह अलैह की है। जब तहज़ीब व तमद्दुन का जनाज़ह निकाला जा रहा था दीन व मज़हब से लातअल्लुक़ी और बेज़ारी का ये आलम था कि मिस्टर गांधी को बाबे नबूवत वा होने पर नबूवत का ताज पेश करने की बात की जा रही थी, आँग्रेज़ी गवर्नमेंट के नमक ख़्वारों, बिही ख़्वाहों ने हयात के दरख़्शाँ बाब पर बद अक़ीदगी का दबीज़ पर्दा डालने की नापाक कोशिश की थी, इस्लाम वसुन्नियत का शीराज़ह मुनतशिर हो रहा था, ज़ुअफे एतिक़ाद का यह आलम था कि ईमान जैसी अज़ीम दौलत पर नज़ा का आलम तारी था, हक़ गोई और बेबाकी का ख़ातिमा अन्क़रीब था ऐसे माहौल में ताजदारे अहले सुननत सरकारे आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि तसर्रुफात की करवटें लेते हुए ज़ुलफिक़ारे हैदरी का मज़हर **अशिदादु अलल्कुफ़्फ़ार** का पैकर बन कर सीना सिपर हो जाते हैं और दुश्मनाने इस्लाम से नबुर्द आज़मा हो कर इश्क़े मुस्तफ़ा की ऐसी क़िन्दीलें रोशन करते हैं कि जिस से पूरा बर्रे सग़ीर रोशन हो गया। ऐसे

मुहसिन और ऐसे क़ाइद की ख़िदमाते जलीला का ऐतेराफ़ ना करना मोहसिन कुशी नहीं तो और क्या है। हमारा फर्ज़ बनता है कि हम सरकारे आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि की तज्दीदी कारनामों और आपके मसलके हक्क़ा से अपनी क़ौम को रोशनास कराने के साथ-साथ पूरी दुनियां में आपकी तालीमात को आम करें और आपके फिक्रो नज़र की शमा जलायें ताकि हमारी क़ौम के बच्चे और बच्चियां आपके ख़ुतूत पर चल कर अपनी सही सिम्त मुतअय्यन कर सकें।

बिला शुबह आपकी ज़िन्दगी हमारे लिए नमूनए अमल है महबूबे जाने जानां से सच्ची अक़ीदत और उनके गुस्ताख़ों से नफरत व दोस्तों से मोहब्बत ईमान की सलामती की अलामत है।"**इस्लामी हीरे यानी सून्नी कोइज़**" में बारगाहे आला हजरत में इख़्तेसारन ख़िराजे अक़ीदत पेश करने की सआदत हासिल की है मगर वह ना काफी है। हिन्दी एडी शन शाए करते हुए हम फ़ख्र महसूस कर रहे हैं क्योंकि आप के ज़ौक़े तलब ने हमारे हौसिलों को बुलन्द किया है। नाचीज़ दूआ गो है कि अल्लाह तआला अपने महबूब सल्लल्लाहू तआला अलैहि व सल्लम के संदक़े व तूफैल में दारैन की दौलतों से माला माल फरमाए। आमीन।

गदाए कूचए मसऊदे ग़ाज़ी अहक़र
सिराजुल्क़ादरी बहराइची

❖❖❖❖❖❖❖❖❖❖
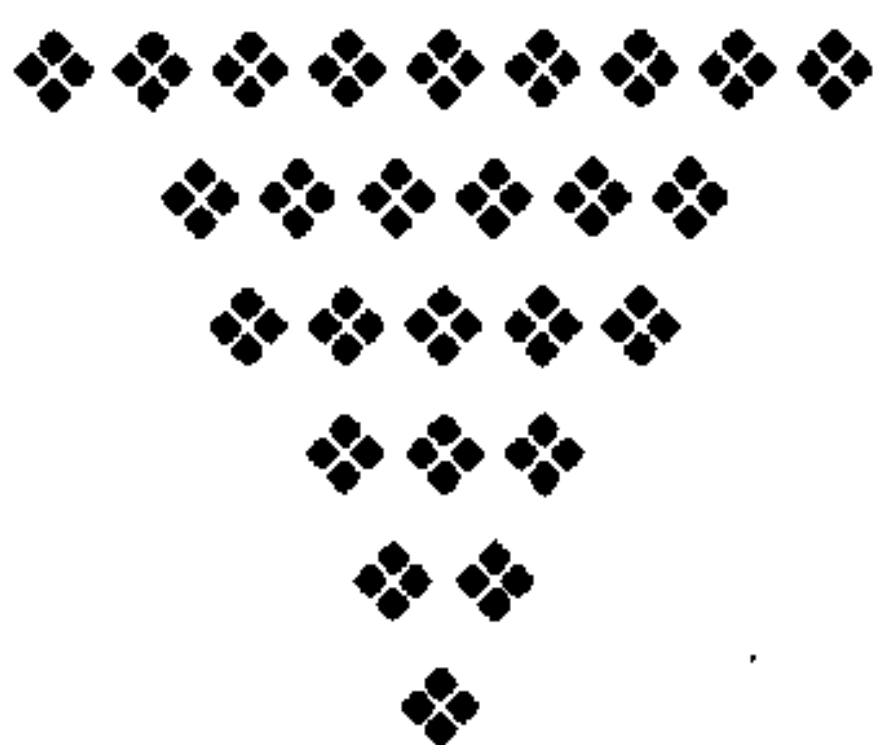
मारुज़ह

बसा औक़ात एक छोटा सा अ़मल भी बहुत बड़ी ख़ूबियों का हामिल हो जाता है। कुछ ऐसे ही मेरी ज़िन्दगी की इस तरतीब की पहली काविश है। जिस को सफहए क़िरतास पर सपुर्दे कलम कर रहा हूँ। वफ़ूरे ग़म और जज़्ब-ए-अक़ीदत ने बेदार किया। इसी आलम में नब्बाज़े फितरत ख़तीबे मिल्लत हज़रत अल्लामा अल्हाज मो. अकबर अली साहब क़ादरी मिसबाही ख़तीब व इमाम रसूल मस्जिद तेली मोहल्ला को रफ़ीक़े सफ़र पाया। इन्तेहाई अदीमुल फुरसत में इस काम को शुरू किया जो बेहमदिही तआला पाए तक्मील तक पहुंच गया। किताब की तरतीब का मक़सद सिर्फ उलूमे इस्लामिया का फ़रोग़ और दीनी मालूमात में इज़ाफा है।

मैं वह काम न कर सका जिसकी आरजू रखता था। और शायद इसका कल्क़ ता हीने ह़यात बाकी रहे इसके अलावह ज़िन्दगी में कुछ न कुछ तो खला रह ही जाता है।

अगर मैं इस किताब की तरतीब को अपनी ज़िन्दगी की तल्ख़ियों का मजमुआ कहूं तो दुरुस्त होगा। कारेइने किराम हम आपकी ख़िदमत में दिलचस्प व मुफीद और नसीहत आमेज़ मालुमात अफजा किताब पेश कर रहे हैं। इस किताब में चौदह चौदह सवालात व जवाबात का इन्तेखाब कर के मुख्तसर पैराए में समेटने की कोशिश की गई है। फिर भी अगर कोइ ख़ामी बतक़ज़ाए ब ारी नज़र आए मुत्तला फर्मा कर शुक्रिया का मौका फराहम करें। ताकि अगले एडिशन में हुक्म की तामील की जा सके।

वस्सलाम,

मुहताजे करम **सिराजुलकादरी** बहराइची,

❖❖
❖

नाते पाके
मुस्तफ़ा सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम

अज़ः रज़ा बरेलवी

उनकी महक ने दिल के गुन्चे खिला दिए हैं
जिस राह चल गए हैं कूचे बसा दिए हैं
जब आ गइ हैं जोशे रहमत पे उन की आंखें
जलते बुझा दिए हैं रोते हंसा दिए हैं
एक दिल हमारा किया हैं आज़ार इस का कितना
तुम ने तो चलते फिरते मुर्दे जिला दिए हैं
उन के निसार कोई कैसे ही रन्ज में हों
जब याद आ गए हैं सब ग़म भुला दिए हैं
हम से फकीर भी अब फेरी को उठते होंगे
अब तो ग़नी के दर पर बिस्तर जमा दिए हैं
असरा में गुज़रे जिस दम बेड़े पे कुदसियों के
होने लगी सलामी परचम झुका दिए हैं
आने दो या डिबो दो अब तो तुम्हारी जानिब
कश्ती तुम्हीं पे छोड़ी लंगर उठा दिए हैं
दुल्हा से इतना कह दो प्यारे सवारी रोको
मुश्किल में हैं बराती पुर्खार वादिए हैं
अल्लाह क्या जहन्नम अब भी न सर्द होगा
रो रो के मुस्तफा ने दरिया बहा दिए हैं
मेरे करीम से गर क़तरह किसी ने मांगा
दरिया बहा दिए हैं दुर्बे बहा दिए हैं
मुलके सुख़न की शाही तुमको रज़ा मुसल्लम
जिस सिम्त आ गए हो सिक्के बिठा दिए हैं

❖❖❖

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहीम

अबुलबशर हज़रत सय्यदुना आदम अलैहिस्सलाम

सवाल 1 : दुनिया के सबसे पहले इन्सान का नाम बताइए?

जवाब 1 : हज़रत आदम अलैहिस्सलाम।

सवाल 2 : इन्सान दोएम का नाम बताइए?

जवाब 2 : हज़रत हौव्वा रजियल्लाहु अन्हा।

सवाल 3 : हज़रत आदम अलैहिस्सलम के वालिदैन का क्या नाम था?

जवाब 3 : वह वालिदैन के बग़ैर ही वजूद में आए थे अल्लाह तआला ने उन्हें अपनी कुदरत से पैदा किया था।

सवाल 4 : हज़रत हौव्वा रज़ियल्लाहु तआला अन्हा के वालिदैन का नाम बताइए?

जवाब 4 : हज़रत हौव्वा रज़ियल्लाहु तआला अन्हा भी बग़ैर वालिदैन के वजूद में आइ थीं।

सवाल 5 : नसले इन्सानी के मां और बाप कौन थे?

जवाब 5 : बाप हज़रत आदम और मां हज़रत हौवा अलैहिमुस्सलाम।

सवाल 6 : क्या आदम अलैहिस्सलाम के पैदा होने से पहले यह दुनिया मौजूद थी?

जवाब 6 : हाँ, अल्लाह तआला ने सारी दुनिया पैदा करने के बाद आदम अलैहिस्सलाम को वजूद बख़्शा।

सवाल 7 : अल्लाह तआला ने हज़रत आदम अलैहिस्सलाम को किस चीज़ से पैदा फर्माया?

जवाब 7 : मिट्टी (अनासिरे अर्बा) से।

सवाल 8 : हज़रत आदम अलैहिस्सलाम की तख़लीक़ किस दिन हुई?

जवाब 8 : यौमे आशूरह जुमा के दिन।

सवाल 9 : अबुलबशर किस नबी को कहा जाता है?

जवाब 9 : हज़रत आदम अलैहिस्सलाम को।

सवाल 10 : हज़रत आदम अलैहिस्लाम की ज़ौजए मोहतरमा (बिवी) किस चीज़ से पैदा की गईं?

जवाब 10 : हज़रत आदम अलैहिस्सलाम की बाईं पिस्ली से।

सवाल 10 : हज़रत आदम अलैहिस्लाम के ज़ौज-ए-मोहतरमा (बीवी) का नाम बताईए?

जवाब 11 : हज़रत हौव्वा रज़ियल्लाहु अन्हा।

सवाल 12 : हज़रत आदम अलैहिस्सलाम ने हज़रत हौव्वा का महेर कैसे अदा किया?

जवाब 12 : हुज़ूर सल्लल्लाहू अलैहि वसल्लम पर दस मरतबा दरुद पढ़ कर (नशरुत्तीब सफह 110)

सवाल 13 : वह कौन से नबी हैं जो बग़ैर मां बाप के पैदा हुए?

जवाब 13 : हज़रत आदम अलैहिस्सलाम।

सवाल 14 : अल्लाह तआला ने आदम अलैहिस्सलाम को पैदा करने से पहले फरिश्तों से क्या फरमाया था?

जवाब 14 : मैं ज़मीन पर अपना ख़लीफ़ा बनाने वाला हूँ।

सवाल 15 : कुर्आन मजीद में हज़रत आदम अलैहिस्सलाम का इस्मे ग्रामी कितनी बार आया है?

जवाब 15 : 25 मरतबा।

सवाल 16 : कुर्आन मजीद में सबसे पहले किस नबी का ज़िक्र किया गया है?

जवाब 16 : हज़रत आदम अलैहिस्सलाम का।

सवाल 16 : जब अल्लाह तआला ने फरिश्तों को हुक्म दिया कि हज़रत आदम अलैहिस्सलाम को सजदह करें तो उन्हों ने क्या किया?

जवाब 17 : इब्लीस के इलावह सारे फरिश्ते सजदे में गिर गए।

सवाल 18 : सबसे पहले नबी का नाम बताईए?

जवाब 18 : हज़रत आदम अलैहिस्सलाम।

सवाल 19 : क्या आप बता सकते हैं कि अल्लाह तआला ने सब से पहले अपना ख़लीफ़ा किस को बनाया?

जवाब 19 : हज़रत आदम अलैहिस्सलाम को।

सवाल 20 : जब अल्लाह पाक ने आदम अलैहिस्सलाम को पैदा करने से क़ब्ल उन की ख़िलाफ़त का ऐलान किया तो

फरि तों ने क्या अर्ज़ किया?

जवाब 20 : "क्या ऐसी हस्ती को ख़लीफ़ा बनाये गा जो ज़मीन पर फ़साद और ख़ूँरेज़ी करे।"

सवाल 21 : फरिश्तों के फसाद और फितना के अन्देशा ज़ाहिर करने पर अल्लाह तआला ने क्या फर्माया?

जवाब 21 : "मेरी नज़र जिस हक़ीक़त पर है तुम्हें उसकी ख़बर नहीं।"

सवाल 22 : उस शजरे मम्नूआ का नाम बताईए जिस का फल हज़रत आदम अलैहिस्सलाम ने खाया था?

जवाब 22 : गन्दुम (गेहूँ) या इन्जीर बाज़ ने अंगुर बताया है।

(अलबदाया वननहाया सफहा 74)

सवाल 23 : हज़रत आदम अलैहिस्सलाम जन्नत में कितने साल रहे?

जवाब 23 : सौ (100) साल।

सवाल 24 : हज़रत आदम अलैहिस्सलाम के साथ जन्नत से और कौन लोग आए?

जवाब 24 : हज़रत हौव्वा के अलावह सांप और मोर।

(तफसीर इब्ने कसीर सफह 126)

सवाल 25 : हज़रत हौव्वा का निकाह हज़रत आदम अलैहिमुस्सलाम से किस दिन हुआ?

जवाब 25 : जुमा के दिन।

सवाल 26 : जन्नत में हज़रत आदम और हौव्वा अलैहुमस्सलाम पर क्या पाबन्दी आएद थी?

जवाब 26 : एक दरख़्त (पेड़) का फल खाने से रोक दिया गया था।

सवाल 27 : हज़रत आदम अलैहिस्सलाम दुनिया के किस हिस्से में उतारे गये?

जवाब 27 : सरअन्दीप में जो हिन्दूस्तान का एक जज़ीरह है। (श्री लंका) (सावी औव्वल सफह 23)

सवाल 28 : हज़रत हौव्वा रज़ियल्लाहु अन्हा दुनिया के किस हिस्से में उतारी गईं?

जवाब 28 : साहिले दरियाए हिन्द पर। (जि ह)।

(सावी औव्वल सफहा 23)

सवाल 29: हज़रत आदम अलैहिस्सलाम ने कितने बरस तक शर्म व हया की वजह से आसमान की तरफ नहीं देखा?

जवाब 29: सौ (100) साल तक।

सवाल 30: हज़रत आदम अलैहिस्सलाम की लग़ज़िश कितने साल के बाद मआफ़ हुई?

जवाब 30: साढ़े तीन सौ साल के बाद।

सवाल 31: हज़रत आदम अलैहिस्सलाम ने अपनी ख़ता पर क्या रद्दे अमल ज़ाहिर किया?

जवाब 31 : इज्ज़ो इन्केसारी की, तौबा की, अल्लाह ने मआफ़ फर्मा दिया।

सवाल 32 : क्या हज़रत आदम अलैहिस्सलाम ने मम्नूआ (मना किया हुआ) फल खा कर गुनाह किया था?

जवाब 32 : यह गुनाह नहीं बल्कि भूल थी।

सवाल ३३ : हज़रत आदम अलैहिस्सलाम की मुलाक़ात हज़रत हौव्वा रज़ि यल्लाहु अन्हा से कहाँ हुई?

जवाब 33: मक़ामे अरफ़ात में।

सवाल 34: हज़रत आदम अलैहिस्सलाम की तोबा कैसे क़बूल हुई?

जवाब 34: रहमते आलम सल्लल्लाहो अलैहि व सल्लम के वसीले से। (अलबदाया वन्नहाया स. 81)

सवाल 35: हज़रत आदम व हौव्वा अलैहुमस्सलाम के मुलाक़ात की तारीख़ बताइए ?

जवाब 35: 9/ ज़िलहिज्जह – इसी लिए इस दिन को अर्फा कहा जाता है।

सवाल 36 : हज़रत आदम अलैहिस्सलाम पर कितने सहीफे नाज़िल हुए?

जवाब 36: दस सहीफे। (अशअतुल लमआत अव्वल स. 40)।

सवाल 37: हज़रत आदम अलैहिस्सलाम की बारगाह में हज़रत जिब्राईल अलैहिस्सलाम कितनी दफा तशरीफ़ लाए?

जवाब 37 : 12, मर्तबा। (नुज़हतुल्क़ारी जिल्द अव्वल सफहा 191)

सवाल 38: हज़रत आदम व हव्वा अलैहुमस्सलाम ने जन्नत के किस दरख़्त के पत्तों से अपना सत्र छुपाया था?

जवाब 38: इन्जीर के पत्तों से।

सवाल 39 : हज़रत आदम अलैहिस्सलाम जन्नत से कौन कौन सी चीज़ लाए?

जवाब 39 : हजरे अस्वद, जन्नती दरख़्तों की पत्तियां या फूलों की पंखड़ियां, वह असा जो जन्नत के दरख़्त से था, बेल्चा, कुदाल, कुन्दरयां, असफन्दान, (अहरान), हथौड़ा, सन्डासी। (माखुज़ तबक़ाते इब्ने सअद)

सवाल 40 : हज़रत आदम अलैहिस्सलाम ने दुनियां में सब से पहले कौन सा फल खाया ?

जवाब 40 : बेर। (न रूत्तय्यब सफा नं 191)

सवाल 41 : हज़रत आदम अलैहिस्सलाम का क़द कितना लंबा था?

जवाब 41 : 60 हाथ और बाज़ ने 60 ग़ज बताया है।

सवाल 42 : हज़रत आदम अलैहिस्सलाम की कुल उम्र कितने साल की हुई?

जवाब 42 : तक़रीबन एक हज़ार साल। (तबक़ाते इब्ने सअद अव्वल सफा 10)

सवाल 43 : हज़रत आदम अलैहिस्सलाम के बवक़्ते विसाल औलाद की तादाद कितनी थी?

जवाब 43 : चालीस हज़ार। जिन में पोते और पड़पोते शामिल हैं (इब्ने कसीर सफा नं.96)

सवाल 44 : हज़रत आदम अलैहिस्सलाम का विसाल किस जगह हुआ?

जवाब 44 : मक्का मुअज़्ज़मा में जुम्आ के दिन। (माहनामा आला हज़रत अगस्त 2001 ई.)

सवाल 45: हज़रत हव्वा रज़ि यल्लाहु अन्हा के बतन से कितने बच्चे पैदा हुए?

जवाब 45 : चालीस या एक सो बीस।

सवाल 46 : हज़रत आदम अलैहिस्सलाम की ज़बान पर सबसे पहले कौन सा कलिमह सादिर (जारी) हुआ?

जवाब 46 : अलहमदुलिल्लाहि रब्बिलआलमीन।

सवाल 47 : जब जन्नत में आदम व हव्वा अलैहुमस्सलाम मम्नूआ दरख़्त का फल खा गए तो अचानक क्या महसूस किये?

जवाब 47 : इन्सानी लवाज़िमात का ज़हुर हुआ और बरहना महसूस करके सत्र छुपाने लगे, गोया इन्सानी तहज़ीब का अग़ाज़ था।

सवाल 48 : हज़रत आदम अलैहिस्सलाम की तख़लीक़ के कितने और कौन से मराहिल (दरजे) थे?

जवाब ४८: मिट्टी से एक इन्सान की तख़लीक़ फिर ाक्ल व सूरत और आज़ा को तक़वियत बादहू रुह फूंक कर जीता जागता इन्सान।

सवाल 49 : हज़रत आदम अलैहिस्सलाम के विसाल के बाद हज़रत हव्वा रज़ि यल्लाहु अन्हा कितने साल तक ज़िंदह रहीं?

जवाब 49 : सिर्फ एक साल ।

सवाल 50 : बवक़्ते विलादते हज़रत शीस अलैहिस्सलाम, हज़रत आदम अलैहिस्सलाम की उम्र क्या थी?

जवाब 50 : एक सौ बीस साल। (अलकामिल ज. 1 सफह 44)

सवाल 51 : सबसे पहले सूत कात कर ऊन किसने तैयार किया?

जवाब 51 : हज़रत हव्वा रज़ि यल्लाहु अन्हा ने। (अलबदाया वन्निहाया ज. 1 सफह 92)

सवाल 52: हज़रत आदम अलैहिस्लाम ने हिन्दूस्तान में रह कर कितने और कैसे हज अदा फरमाए?

जवाब 52: हिन्दूस्तान से मक्का तक पैदल चल कर 40 हज अदा किए। (अल्कामिल फित्तारीख़ ज. 1 सफह 28)

सवाल 53: सबसे पहले ज़मीन पर किसने अपना सर मूंडा?

जवाब 53 : हज़रत आदम अलैहिस्लाम ने।

सवाल 54 : दूनिया में सबसे पहले मुर्ग़ किसने पाला?

जवाब 54 : हज़रत आदम अलैहिस्सलाम ने।

सवाल 55 : हिबतुल्लाह का लक़ब किस को अता हुआ?

जवाब 55 : हज़रत शीस अलैहिस्सलाम को।

(तबकात इब्ने सअ़द औव्वल सफहा 14)

सवाल 56 : हज़रत शीस अलैहिस्सलाम पर कितने सहीफे नाज़िल हुए?

जवाब 56 : हज़रत शीस अलैहिस्सलाम पर पचास सहीफे नाज़िल

हुए। (अशअतुल्लमआत औव्वल सफहा 40)

सवाल 57 : हज़रत शीस अलैहिस्सलाम का पेशा क्या था?

जवाब 57 : आप कपड़ा बुन कर फरोख़्त करते थे।

सवाल 58 : नूरे मोहम्मदी सल्लल्लाहू अलैहि वसल्लम पेशानिये आदम अलैहिस्सलाम से किस की पेशानी में मुन्तक़िल हुआ?

जवाब 58 : हज़रत शीस अलैहिस्सलाम के।

सवाल 59 : हज़रत शीस अलैहिस्सलाम का मज़ार कहां वाक़े है?

जवाब 59 : अयोध्या ज़िला फैज़आबाद में। (बइख़तिलाफ़) (तफ़सीर नईमी प. 3 सफहा 664)

सवाल 60 : हज़रत शीस अलैहिस्सलाम की उम्र कितने साल की हुई?

जवाब 60 : तक़रीबन 912 साल की।

सवाल 61 : इल्मुलहिसाब किसने किसके लिए ईजाद किया था?

जवाब 61 : हज़रत शीस अलैहिस्सलाम के लिए उलूस ने।

सवाल 62 : हज़रत आदम अलैहिस्सलाम के ख़लीफ़ा बनने का ऐलान जमीन में किसने किया?

जवाब 62 : हज़रत जिबरईल अलैहिस्सलाम ने।

सवाल 63 : अल्लाह तआला ने हज़रत आदम अलैहिस्सलाम को मलाएका पर अफज़ल होने का शर्फ़ किस चीज़ से अता फरमाया?

जवाब 63 : इल्मे अस्मा के ज़रिए।

सवाल 64 : अल्लाह पाक ने हज़रत आदम अलैहिस्सलाम के ख़लीफा बनाने की ख़बर फरीश्तों को क्यों दिया ?

जवाब 64 : ताकि ख़लीफ़ा बनाने कि हिकमत मालूम करें और ख़लीफा की अज़मत और शान ज़ाहिर हो जाए।

सवाल 65 : पहली मरतबा काबा की बुन्यिाद किस नबी ने डाली?

जवाब 65 : हज़रत आदम अलैहिस्सलाम ने और बादे तुफाने नूह, हजरत इब्राहीम अलैहिस्सलाम ने उसी बुनियाद पर दोबारा तअमीर फरमाया।

सवाल 66 : तख़लीक़ (पैदाइश) आदम अलैहिस्सलाम के बाद अल्लाह ने सबसे पहले फरीश्तों को क्या हुक्म दिया?

जवाब 66 : सब फरिश्ते आदम अलैहिस्सलाम को सजदह करें।

सवाल 67 : सबसे पहले नार-ए-तकबीर किसने बुलन्द किया?

जवाब 67 : हज़रत आदम अलैहिस्लाम ने।

सवाल 68 : जिस वक्त हज़रत आदम व हव्वा अलैहुमस्सलाम जन्नत से रवाना किए गए तो ताजे शराफ़त व करामत किसने उतारा?

जवाब 68 : हज़रत जिबराईल अलैहिस्सलाम ने।

(अल्बदाया वन्निहायह ज.1 सफह. 79)

सवाल 69 : हज़रत आदम अलैहिस्सलाम ने ज़मीन पर जो सबसे पहली इबादत की वह क्या थी?

जवाब 69 : तौबा।

सवाल 70 : दुनिया में बादे मुलाक़ात हजरत आदम व हव्वा अलैहुमस्सलाम शब में कहां रहते थे?

जवाब 70 : मुज़ दलिफ़ा में।

सवाल 71 : हज़रत आदम अलैहिस्सलाम के विसाल पर मख़लूक़ कितने दिनों तक रोती रही?

जवाब 71 : सात दिन तक। और सात रोज़ तक चाँद और सूरज गहन में रहे।

सवाल 72 : जन्नत में हज़रत आदम अलैहिस्सलाम की कुन्नियत क्या होगी?

जवाब 72 : अबू मोहम्मद। (अल्बदाया वन्निहाया)

सवाल 73 : आदम अलैहिस्सलाम का पुतला बनने के कितने साल बाद उसमे रुह डाली गइ?

जवाब 73 : चालीस साल बाद। (अल्बदाया वन्निहाया ज० 1 स० 86)

सवाल 74 : हज़रत आदम अलैहिस्सलाम ने दुनिया में आने के बाद जो खाना खाया वह क्या था और कहां से आया?

जवाब 74 : हज़रत जिबराईल अलैहिस्सलाम जन्नत से गन्दुम के सात दाने ले कर आए और उनको ज़मीन पर बेखेर दिए अल्लाह तआला ने हर दाने के बदले एक लाख दाने उगाए। उन को काट कर दाने निकाले और फिर साफ कर के रोटी पका कर खाए।

(अल्बदाया वन्निहाया ज० 1 स० 92)

सवाल 75 : नस्ले इन्सानी में इज़ाफ़ा के लिए हज़रत आदम अलैहिस्सलाम ने अपनी औलाद में शादियों का क्या तरीक़ा जारी किया था?

जवाब 75 : हज़रत हौव्वा रज़ि यल्लाहु अन्हा से जुड़वां बच्चे पैदा होते थे एक बार पैदा होने वाले लड़के और लड़की का निकाह दूसरे हमल से पैदा होने वालों के साथ कर देते थे।

सवाल 76 : क्या आप बता सकते हैं कि हज़रत आदम अलैहिस्सलाम ने अल्लाह पाक के बताए हुए किन अल्फाज़ में तौबह की ?

जवाब 76 : रब्बना ज़लमना अन्फुसना व इल्लम तग़फिरलना व तरहमना लनकूनन्ना मिनल ख़ासिरीन।

सवाल 77 : अल्लाह पाक ने कुरआन मजीद में हज़रत ईसा अलैहिस्सलाम की मिसाल किस नबी से दी है?

जवाब 77 : हज़रत आदम अलैहिसलाम से। अल्लाह पाक ने हज़रत आदम अलैहिस्सलाम को मिट्टी से पैदा फरमाया और हज़रत ईसा अलैहिस्सलाम को बग़ैर बाप के।

सवाल 78 : दुनिया की सबसे बेहतरीन मख़लूक़ कौन सी है?

जवाब 78 : इन्सान, जिसे अल्लाह पाक ने मुकर्रम और इज़्ज़त वाला बनाया है।

सवाल 79 : हज़रत आदम अलैहिस्सलाम की नमाज़े जनाज़ा किसने पढ़ाई?

जवाब 79 : जिबरईल अलैहिस्सलाम ने इमामत की और फरिश्ते मुक़तदी थे।

सवाल 80 : हजरत आदम अलैहिस्सलाम का मज़ार कहाँ वाक़े है ?

जवाब 80 : मिना में मस्जिदे खीफ़ के क़रीब। या जबले अबुकुबैस या सरअन्दीप में(ज़रकानी अव्वल सफह 65,तफसीरे अज़ीज़ी सूरेह बक़रह सफह 172)

सवाल 81 : हज़रत हव्वा रज़ि यल्लाहु अन्हा की क़ब्र कहाँ वाक़े है ?

जवाब 81 : जद्दह में।

सवाल 82 : हज़रत आदम अलैहिस्सलाम का पेशा बताइए?

जवाब 82 : काश्तकारी। और कपड़े भी बुनते थें।

(अल्बदाया वन्निहाया अव्वल 80)

सवाल 83 : तौबा कबूल कर लेने के बाद अल्लाह तआ़ला ने हज़रत आदम अलैहिस्सलाम को ज़मीन पर ही क्यों रहने दिया?

जवाब 83 : अल्लाह तआ़ला ने आप को ज़मीन ही पर ख़लीफ़ा बनाने के लिए पैदा किया था। आप को जन्नत में सिर्फ इम्तिहान की ग़र्ज़ से रखा गया था।

सवाल 84 : हज़रत आदम अलैहिस्सलाम ने फरिश्तों से अस्सलामु अलैकुम कहा तो फरिश्तों ने किस तरह जवाब दिया ?

जवाब 84 : वस्सलामु अलैका वरहमतुल्लाह।

क़ाबील व हाबील

सवाल 85 : क़ाबील व हाबील किसके बेटे थे?

जवाब 85 : हज़रत आदम अलैहिस्सलाम के।

सवाल 86 : दुनिया में सबसे पहले पहला क़त्ल किसने किसका किया?

जवाब 86 : क़ाबील ने हाबील का ।

सवाल 87 : क़ाबील की उस बहेन का नाम बताइए जो उसके साथ पैदा हुई थी ?

जवाब 87 : अक़लीमा।

सवाल 88 : हाबील का निकाह किसके साथ होना तै पाया था ? जिसकी वजह से आप को क़ाबील ने शहीद किया?

जवाब 88 : क़ाबील की बहेन अक़लीमा से।

सवाल 89 : हाबील की बहेन का नाम बताइए जो आप के साथ पैदा हुई थी?

जवाब 89 : लियोज़ा।

सवाल 90 : हज़रत आदम अलैहिस्सलाम की औलाद में सबसे पहले आग की इबादत क़िसने की थी ?

जवाब 90 : काबील ने। (अल्कामिल फित्तारीख़ लिइब्ने लअसीर जिल्द 1 सफहा 56)

सवाल 91 : हज़रत आदम अलैहिस्सलाम के बेटों का झगड़ा किस बात पर हुआ था?

जवाब 91 : क़ुर्बानी के क़बूल या ना क़बूल होने पर।

सवाल 92 : क़ाबील को हाबील की लाश दफनाने के लिए तरीक़ा कैसे मालूम हुआ?

जवाब 92 : कौवे के ज़रिये जिस ने अपनी चोंच और चंगुल से कब्र खोद कर कौवे को दफ़न किया था।

सवाल 93 : हाबील के क़त्ल के जुर्म में क़ाबील को किस क़द्र अज़ाब मिलेगा ?

जवाब 93 : अज़ाबे जहन्नम का निस्फ़ हिस्सा ।

सवाल 94 : क़ाबील ने हाबील को जिस जगह दफ़न किया था उस जगह का नाम बताओ ?

जवाब 94 : दमिश्क़ के शुमाली जानिब क़ासियोन पहाड़ के क़रीब जिस का नाम मुफ़ारतुद दम है।

सवाल 95 : बवक़्ते वाक़अए कत्ल हाबील व क़ाबील की उमरें क्या थी?

जवाब 95 : हाबील की उम्र बीस वर्ष की और क़ाबील की पचीस साल।
(अल्कामिल फित्तारीख जि. 1 सफहा. 44)

सवाल 96 : हज़रत आदम अलैहिस्सलाम के दो बेटों का क़िस्सा कुरआन की किस सूरत में बयान किया गया है?

जवाब 96 : सूरतुल माइदह में।

सवाल 97 : दूनिया में सबसे पहले कौन सा आदमी दफ़न किया गया है?

जवाब 97 : हज़रत आदम अलैहिस्सलाम का क़त्ल होने वाला बेटा हाबील ।

शैताने रजीम

सवाल 98 : कुरआन मजीद में जिन, जान, जिन्नह (यानी जिन्नों) का तज़किरह कितनी बार आया है?

जवाब 98 : कुरआन मजीद में 31 आयात में 32 बार उन का ज़िक्र आया है।

सवाल 99 : इब्लीस का अस्ल नाम बताइये

जवाब 99 : अज़ाज़ील।

सवाल 100 : इब्लीस का लफ्ज़ी माना बताइये

जवाब 100 : इन्तेहाई मायूस।

सवाल 101 : इब्लीस ने जन्नत से निकाले जाने के बाद अल्लाह पाक से किस चीज़ की मोहलत मांगी थी?

जवाब 101 : क़्यामत तक नस्ले इन्सानी को बहकाने और उन्हें

गुमराहियों की तरफ़ तरग़ीब देने की।

सवाल 102 : इन्सान के सब से बड़े अज़ली दुश्मन का नाम बताइए?

जवाब 102 : इब्लीस (शैतान)।

सवाल 103 : इब्लीस (शैतान) कौन था?

जवाब 103 : एक जिन्न था।

सवाल 104 : अल्लाह पाक के दरयाफ्त करने पर सजदह न करने की वजह इब्लीस ने क्या बताई?

जवाब 104 : मैं आदम से बेहत्तर हूं, तू ने मुझे आग से पैदा किया और आदम को मिट्टी से।

सवाल 105 : इब्लीस के हज़रत आदम अलैहिस्सलाम के सजदह न करने में कौन सा जज़बा काम कर रहा था?

जवाब 105 : तकब्बुर।

सवाल 106 : तकब्बुर का लाज़मी नतीजह क्या होता है?

जवाब 1036 : ज़िल्लत व ख़्वारी।

सवाल 107 : सजदह न करने के जुर्म में इब्लीस को कौन सी सज़ा मिली?

जवाब 107 : उसे जन्नत से ज़लील व ख़्वार करके निकाल दिया गया।

सवाल 108 : इब्लीस ना फरमानी कर के नादिम क्यों न हुआ ?

जवाब 108 : उसके गुरुर और घमण्ड ने ऐसा करने से रोक दिया था।

सवाल 109 : इब्लीस ने एक गुनाह सज़दह न करने का किया बताइये उस ने दूसरा कौन सा गुनाह किया ?

जवाब 109 : मआफ़ी माँगने के बजाऐ तकब्बुर किया और अपनी ग़लती पर अकड़ा रहा।

सवाल 110 : इब्लीस ज़लील व ख़्वार होने से क़ब्ल किस मक़ामे अरफा बलन्द पर फाइज़ था?

जवाब 110 : फरिश्तों का उस्ताद था।

सवाल 111 : हज़रत आदम अलैहिस्सलाम को सजदह करने से किस ने इनकार किया था?

जवाब 111 : इब्लीस लईन ने।

सवाल 112 : इब्लीस ने कितने साल तक सजदह किया?

जवाब 112 : छह लाख बरस तक इब्लीस ने सजदह किया।

सवाल 113 : सब से पहले आतिशी लिबास किस को पहनाया जाएगा?
जवाब 113 : इब्लीस को।
सवाल 114 : आसमाने अव्वल पर इब्लीस को किस नाम से पुकारा जाता था?
जवाब 114 : आबिद के नाम से। (जुमल जि. 1 सफह 41)
सवाल 115 : दूसरे आसमान पर इब्लीस का नाम क्या था?
जवाब 115 : ज़ाहिद। (जुमल जि. 1 सफह 41)
सवाल 116 : इब्लीस का नाम तीसरे आसमान पर क्या था?
जवाब 116 : आरिफ।(जुमल जि. 1 सफह 41)
सवाल 117 : चौथे आसमान पर इब्लीस का नाम क्या था?
जवाब 117 : वली। (जुमल जि. 1 सफह 41)
सवाल 118 : पाँचवें आसमान पर इब्लीस का नाम क्या था ?
जवाब 118 : तक़ी। (जुमल जि. 1 सफह 41)
सवाल 119 : छटे आसमान पर इब्लीस का नाम क्या था?
जवाब 119 : ख़ाज़िन।
सवाल 120 : सातवें आसमान पर इब्लीस का नाम क्या था?
जवाब 120 : अज़ाज़ील। (जुमल जि. 1 सफह 41)
सवाल 121 : लौहे महफ़ूज़ पर शैतान का ज़िक्र किस नाम से किया गया?
जवाब 121 : लौहे महफ़ूज़ पर शैतान का ज़िक्र इब्लीस के नाम से किया गया।
सवाल 122 : इब्लीस जन्नत का ख़ाज़िन कितने साल तक रहा?
जवाब 122 : इब्लीस जन्नत का ख़ाजिन चालीस हज़ार साल तक रहा। (सावी जिल्द 1 सफह 22)
सवाल 123 : शैतान ने अर्श का तवाफ़ कितने साल तक किया ?
जवाब 123 : शैतान ने अर्श का तवाफ़ 14 हज़ार साल तक किया। (तफसीरे सावी जि. 1 सफह 22)
सवाल 124 : मर्द व औरत को शहवत पर बरअंगेख़्ता करने वाले शैतान का नाम बताइये?
जवाब 124 : मर्द व औरत को शहवत पर बरअंगेख़्ता करने वाले शैतान का नाम आऊर है। (सावी जिल्द 3 सफह 17)

सवाल 125 : शैतान की औलाद लाफिस और विलहान का काम बताइये?
जावब 125 : नमाज़ व तहारत में वसवसा पैदा करना।
(सावी जि. 3 सफह 17)
सवाल 126 : इब्लीस मलऊन अल्लाह तआला की किस मख़लूक़ से था?
जवाब 126 : जिन्नों से।
सवाल 127 : शैतान और उस के लश्कर की रिहाइशगाह बताइये?
जवाब 127 : सिज्जीन जो सातवीं ज़मीन के नीचे है।
सवाल 128 : शैख़ नजदी का लक़ब किस जलील व ख़्वार को मिला है?
जवाब 128 : शैतान को।
सवाल 129 : शैतान फरिश्तों का उस्ताद कितने साल तक रहा?
जवाब 129 : 80 हज़ार साल तक वअ़ज़ व नसीहत करता रहा 3 हज़ार साल मलाइका कर्रोबीं का सरदार रहा एक हज़ार साल तक मलाइका रूहानीन का सरदार रहा।
(जुमल जिल्द 1 सफह 3)
सवाल 130 : शैतान को औलाद किस तरह होती है?
जवाब 130 : इब्लीस की दाहिनी रान में ज़कर और बांऐं में फर्ज है दोनों रानों को मिला कर जिमा करता है। रोज़ाना दस अंडे देता है हर अंडे से 70 शैतान मुज़क्कर व मोअन्नस पैदा होते हैं। (सावी 3/24 पारा 16-17)
इब्लीस ने मरदूदे बारगाह होने से क़ब्ल 50 हज़ार साल तक इबादत की यहां तक कि अगर उस के सजदों को फैला दिया जाऐ तो ज़मीन व आसमान में जगह बाक़ी न रहे। (ज़रक़ानी जिल्द 1 सफह 59)
फिर के गली गली तबाह ठोकरें सब की खाए क्यों
दिल को जो अक़्ल दे खुदा तेरी गली से जाऐ क्यों

हज़रत सय्यदुना नूह अलैहिस्सलाम

सवाल 131 : क्या आप बता सकते हैं कि किस नबी के ज़माने में बहुत बड़ा तूफ़ान आया था ?
जवाब 131 : हज़रत सय्यदुना नूह अलैहिस्सलाम के ज़माने में।
सवाल 132 : शैखुल अंम्बिया का ख़िताब किस नबी को अ़ता हुआ ?

जवाब 132 : हज़रत नूह अलैहिस्सलाम को।

सवाल 133 : आदमे सानी किस पैग़म्बर को कहा जाता है?

जवाब 133 : हज़रत सय्यदुना नूह अलैहिस्सलाम को।

सवाल 134 : हज़रत आदम अलैहिस्सलाम के बाद अल्लाह तआला ने किस को रसूल बना कर भेजा?

जवाब 134 : हज़रत नूह अलैहिस्सलाम को।

सवाल 135 : नौअे इन्सानी के सब से पहले रसूल का नाम बताइये?

जवाब 135 : हज़रत नूह अलैहिस्सलाम।

सवाल 136 : क्या आप नबी और रसूल में फर्क़ बता सकते हैं?

जवाब 136 : नबी को जदीद शरीअ़त अता नहीं होती। सिर्फ वही का नुजूल होता है। जबकि रसूल को जदीद शरीअ़त अता की जाती है। हर रसूल नबी होता है मगर हर नबी रसूल नहीं होता।

सवाल 137 : कुरआन मजीद में हज़रत नूह अलैहिस्सलाम का इस्मे गिरामी कितनी दफ़ा आया है?

जवाब 137 : कुर्आन मजीद में हज़रत नूह अलैहिस्सलाम का इसमे गिरामी 43 मरतबा आया है।

सवाल 138 : हज़रत नूह अलैहिस्सलाम और उन की क़ौम के लोग कहां रहते थे ?

जवाब 138 : हज़रत नूह अलैहिस्सलाम और उन की क़ौम के लोग मौजुदा इराक मे रहते थे।

सवाल 139 : हज़रत नूह अलैहिस्सलाम की कुल उम्र कितने साल की हुई?

जवाब 139 : हज़रत नूह अलैहिस्सलाम की कुल उम्र तक़रीबन एक हज़ार छ सो साल की हुई। (अलमलफूज़ 1 सफह 74)

सवाल 140 : अम्बिया में तवीलुल उम्र (लम्बी उमर वाले) आदम अलैहिस्सलाम के बाद कौन से नबी हुऐ है?

जवाब 140 : हज़रत नूह अलैहिस्सलाम।

सवाल 141 : हज़रत नूह अलैहिस्सलाम की क़ौम आप को किस तरह परेशान करती थी?

जवाब 141 : पत्थर बरसा कर। हत्ता कि आप की पसुलियां शिकस्ता हो जाया करती थीं।

सवाल 142 : अंगूर की काश्त सब से पहले किसने की?

जवाब 142 : हज़रत नूह अलैहिस्सलाम ने।

सवाल 143 : हज़रत नूह अलैहिस्सलाम की क़ौम में से कितने लोग आप पर ईमान लाये?

जवाब 143 : चालीस मर्द और चालीस औरतें।

सवाल 144 : अल्लाह तआ़ला के हुक्म के मुताबिक जब हज़रत नूह अलैहिस्सलाम कश्ती बना रहे थे उन की क़ौम क्या करती थी ?

जवाब 144 : कश्ती और आप का मज़ाक उड़ाती थी।

सवाल 145 : क्या आप बता सकते हैं कि क़ौमे नूह अलैहिस्सलाम पर अज़ाब की इबतिदा किस निशानी से हुई थी?

जवाब 145 : एक तन्दूर में से पानी उबलने लगा था।

सवाल 146 : हज़रत नूह अलैहिस्सलाम ने ईमान लाने वालों कों कश्ती में सवार करते वक़्त क्या फरमाया था?

जवाब 146 : सवार हो जाओ इस में अल्लाहा ही के नाम से चलना और ठहरना भी है। मेरा रब बड़ा ग़फूरूर्रहीम है?

सवाल 147 : कशति-ए-नूह अलैहिस्सलाम की लम्बाइ और चौड़ाई कितनी थी?

जवाब 147 : लम्बाइ तीन सौ गज़ और चौड़ाई पचास गज़ और ऊँचाइ तीस गज थी। सावी दोम स. 12

सवाल 148 : कशति-ए-नूह़ कितने अर्से में तैयार हुई।

जवाब 148 : दो साल की मुद्दत में।

सवाल 149 : कशति-ए-नूह़ अलैहिस्सलाम में सवार होने वालों की तादाद क्या थी?

जवाब 149 : 78 अफराद निस्फ़ (आधे) मर्द और निस्फ़ औरतें और जज़्बुल क़ुलूब सफह 51 पर 80 बताया गया है।

सवाल 150 : बताइये हज़रत नूह़ अलैहिस्सलाम के ख़ान्दान का कौन सा फ़र्द (शख़्स) उस कश्ती में सवार नहीं था ?

जवाब 150 : आप का बेटा किन्आन। (और आप की काफिरह बीवी)

सवाल 151 : नूह़ अलैहिस्सलाम पर ईमान लाने वाले लोग कैसे थे?

जवाब 151 : ग़रीब मफलूकुल ह़ाल नौजवान अगरचे तादाद में बहुत कम थे।

सवाल 152 : नूह़ अलैहिस्सलाम के ख़ानदान में से कौन से लोग तूफ़ान में ग़र्क हो गये ?

जवाब 152 : आप का नाफ़र्मान बेटा और काफिरह बीवी।

सवाल 153 : तूफ़ाने नूह़ अलैहिस्सलाम की तारीख़ बताइये?

जवाब 153 : रजब की दूसरी तारीख़ जबकि तफसीरे सावी पारह 18 जि. 3 सफह नं. 116 में 10 रजब बताया गया है।

सवाल 154 : कशति-ए-नूह़ अलैहिस्सलाम कहां ठहरी थी?

जवाब 154 : जूदी पहाड़ पर।

सवाल 155 : कश्ती जूदी पहाड़ पर किस तारीख़ में ठहरी थी?

जवाब 155 : 10/ मुहर्रमुलह़राम को। (सावी जि. 3 सफह नं. 116)

सवाल 156 : ह़ज़रत नूह़ अलैहिस्सलाम कश्ती में कितने अर्से तक रहे?

जवाब 156 : छह महीना आठ दिन।

सवाल 157 : कशति-ए-नूह़ अलैहिस्सलाम जब मैदाने कर्बला मे ठहरने लगी थी तो बारगाहे इलाही से क्या इर्शाद हुआ था?

जवाब 157 : ऐ नूह़ (अलैहिस्सलाम) यह ज़मीन वह है जहां अहले बैत अतहार की कश्ती गर्दाबे ख़ून में ग़र्क़ाब होगी।

सवाल 158 : तूफ़ाने नूह़ में कितने दिनों तक मुसलसल बारिश होती रही ?

जवाब 158 : 40 दिन, 40 रात और पांच माह तक पानी चढ़ता रहा।

सवाल 159 : तूफ़ान में तन्नूर से पानी निकलने का वाक़्या कुरआन मजीद की किस सूरत में है?

जवाब 159 : सुरेह हूद में।

सवाल 160 : वह तन्नूर जहां से तूफ़ाने नूह़ शुरु हुआ कहां वाक़े है?

जवाब 160 : कूफ़ा में।

सवाल 161 : जूदी पहाड़ पर कश्ती ठहेरने के बाद ह़ज़रत नूह़ अलैहि॰ ने किस परिन्दे को हालात मालूम करने के लिए रवाना फरमाया था?

जवाब 161 : फाख़्ता को जिसने चोंच में ज़ैतून का पत्ता ला कर अम्न व सलामती का इशारह किया था।

सवाल 162 : कश्ति-ए-नूह अलैहिस्सलाम की ह़रकत व तवक़्क़ुफ़ का अन्दाज़ क्या था?

जवाब 162 : ह़ज़रत नूह़ अलैहिस्सलाम चलने की ग़र्ज़ से बिस्मिल्लाह पढ़ते तो चलने लगती और ठहेरने की नीयत से पढ़ते तो ठहेर जाती।

सवाल 163 : हज़रत नूह़ अलैहिस्सलाम ने तवील (लम्बी) तब्लीग़ के बाद मायूस हो कर कुफ़्फ़ार की सर्कशी की रिपोर्ट अल्लाह तआ़ला की बारगाह में पेश करते हुए कौन सी बद्दुआ की?

जवाब 163 : "ऐ अल्लाह ज़ालिमों को गुमराही के सिवा किसी चीज़ में तरक्की न दे।

सवाल 164 : तूफान के बाद ह़ज़रत नूह़ अलैहिस्सलाम ने कौन सा शहेर आबाद फरमाया?

जवाब 164 : ख़स्रान।

सवाल 165 : बादे तूफ़ान ह़ज़रत नूह़ अलैहिस्सलाम ने जूदी पहाड़ पर एक मस्जिद तामीर फरमाई क्या आप उस मस्जिद का नाम बता सकते हैं?

जवाब 165 : मस्जिदे समानीन।

सवाल 165 : ह़ज़रत नूह़ अलैहिस्सलाम का असली नाम बताइए?

सवाल 166 : अल्यश्कर बाज़ ने अब्दुल्ग़फ़्फ़ार बताया। और बाज़ ने अब्दुलजब्बार (सावी जि. 3 सफह नं. 115 पारह 18)

सवाल 167 : ह़ज़रत नूह़ अलैहिस्सलाम की बारगाह में जिबरईल अलैहिस्सलाम कितनी मर्तबा तशरीफ लाए?

जवाब 167 : पचास मरतबा। (नुज़हतुलक़ारी औव्वल सफह 191)

सवाल 168 : ह़ज़रत नूह़ अलैहिस्सलाम की काफिरह बीवी का नाम क्या था?

जवाब 168 : वाहेला।

सवाल 169 : वह कौन से नबी हैं जिन की बीवी अपने शौहर को

दिवाना कहती थी?

जवाब 169 : हज़रत नूह अलैहिस्सलाम।

सवाल 170 : हज़रत नूह अलैहिस्सलाम के वालिद का नाम बताइए?

जवाब 170 : लमक।

सवाल 171 : वह कौन से पैगम्बर हैं जिन्होंने मवाक़ीते सलाते लैल व नहार की चौबीस साअतें मुक़र्रर फरमायी हैं?

जवाब 171 : हज़रत नूह अलैहिस्सलाम।

सवाल 172 : तूफ़ाने नूह अलैहिस्सलाम के बाद क्या हुआ?

जवाब 172 : कश्ती में सवार लोग और जानवर ज़मीन पर उतर आए और दोबारह आबाद होकर ज़िन्दगी बसर करने लगे।

सवाल 173 : हदीस शरीफ में अव्वलुर्रुसुल किन को कहा गया है?

जवाब 173 : हज़रत नूह अलैहिस्सलाम को।

सवाल 174 : हज़रत नूह अलैहिस्सलाम का पेशा क्या था?

जवाब 174 : खेती के इलावह बढ़ई का काम करते थे।

सवाल 175 : अम्बिया में सबसे पहले साहिबे शरीअत कौन से नबी हुए?

जवाब 175 : हज़रत नूह अलैहिस्सलाम।

सवाल 176 : हज़रत नूह अलैहिस्सलाम के उन बेटों के नाम बताइए जो कश्ती में सवार हुए थे ?

जवाब 176 : साम, हाम और याफ़िस।

सवाल 177 : हज़रत नूह अलैहिस्सलाम के किन साहिबज़ादे की औलाद से अरब और रूम फ़ारस के लोग हैं?

जवाब 177 : साम की औलाद से।

सवाल 178 : अहले तुर्क और याजूज माजूज किस की नस्ल से हैं ?

जवाब 178 : हज़रत नूह अलैहिस्सलाम के बेटे याफिस से। जबकि सूडान के लोग हाम से हैं।

सवाल 179 : बादे तूफ़ान हज़रत नूह अलैहिस्सलाम कितने साल ज़िन्दह रहे?

जवाब 179 : साठ साल तक ज़िन्दह रहे।

सवाल 180 : हज़रत नूह अलैहिस्सलाम के पड़ पोते का नाम बताइए?

जवाब 180 : आद बिन इरम।

सवाल 181 : हाम बिन नूह अलैहिस्सलाम कि कब्र कहां वाके है?

जवाब 181 : हिम्स के आगे चन्द मील के फासिले पर शहरे हामा में। अल्बदाया व वन्निहाया सफह 120 में शहरे बका बताया गया है जिस को कर्क नूह भी कहा जाता है।

सवाल 182 : हज़रत नूह अलैहिस्सलाम की कब्र कहां वाके है?

जवाब 182 : कस्बा ख़लीलुर्रहमान दोपहर के रास्ता पर।

सवाल 183 : किस नबी का बेटा अज़ाबे इलाही का शिकार हुआ?

जवाब 183 : हज़रत नूह अलैहिस्सलाम का।

सवाल 184 : हज़रत नूह अलैहिस्सलाम की कश्ती किस दरख़्त कि लकड़ी की थी?

जवाब 184 : साज (साल) या सनूबर यानि चीड जो 100 साल बाद काटा गया था।

हज़रत सय्यदुना इदरीस अलैहिस्सलाम

सवाल 185 : हज़रत इदरीस अलैहिस्सलाम का इस्मे ग्रामी कुरआन मजीद में कितनी बार आया है?

जवाब 185 : सिर्फ दोबार बाज़ ने 4 बताया है।

सवाल 186 : हज़रत इदरीस अलैहिस्सलाम का इस्मे ग्रामी कुरआन पाक की कौन सी सूरेह में आया है ?

जवाब 186 : सूरेह मरियम में एक बार और सूरेह अम्बिया में एक बार।

सवाल 187 : हज़रत इदरीस अलैहिस्सलाम का अस्ल नाम बताइए जो सुरयानी ज़बान में था?

जवाब 187 : अख़नूख़, सबसे पहले दर्स देने की वजह से इदरीस पड़ा। (सावी जि. 3 सफह नं. 41)

सवाल 188 : हज़रत इदरीस अलैहिस्सलाम की बारगाह मेंहज़रत जिबरईल अलैहिस्सलाम कितनी बार तशरीफ लाए ?

जवाब 188 : सिर्फ चार मर्तबा। (नुज्हतुल कारी अव्वल सफा 191)

सवाल 189 : वह कौन से पैग़म्बर हैं जो इल्मे नुजूम में ख़ूब माहिर थे?

जवाब 189 : हज़रत इदरीस अलैहिस्सलाम।

सवाल 190 : दुनिया में सबसे पहले सिलाई किसने की?

जवाब 190 : हज़रत इदरीस अलैहिस्सला म ने।

(तफसीरे ख़ाज़िन सफा 238)

सवाल 191 : हज़रत इदरीस अलैहिस्सलाम से क़ब्ल सत्र पोशी किस तरह होती थी?

जवाब 191 : चमड़े वग़ैरह से। (कन्जुलईमान पारह 16 सूरेह मरियम आयत 55)

सवाल 192 : सबसे पहले कलम से किसने लिखा?

जवाब 192 : हज़रत इदरीस अलैहिस्सलाम ने। (सावी सफह 41)

सवाल 193 : दुनिया में सबसे पहले हथियार तराज़ू और पैमाना किसने ईजाद किया?

जवाब 193 : हज़रत इदरीस अलैहिस्सलाम ने।

(तफसीरे ख़ाज़िन सफा नं. 238)

सवाल 194 : हज़रत इदरीस अलैहिस्सलाम का पेशा बताइये ?

जवाब 194 : सिलाई। (तफसीरे अज़ीजी सूरेह बक़रह सफह नं. 170)

सवाल 195 : वह कौन से पैग़म्बर हैं जो मौत का ज़ाएका चखने के बाद ज़िन्दा हैं?

जवाब 195 : हज़रत इदरीस अलैहिस्सलाम।

(कन्जुलईमान पारह 16 सूरेह मरयम आयत 55)

सवाल 196 : हज़रत इदरीस अलैहिस्सलाम को कितनी ज़बानों का इल्म था?

जवाब 196 : हज़रत इदरीस अलैहिस्सलाम को बहत्तर ज़बानों का इल्म था।

सवाल 197 : हज़रत इदरीस अलैहिस्सलाम कहां पैदा हूए?

जवाब 197 : बाज़ रिवायात के मुताबिक़ बाबिल में।

सवाल 198 : हज़रत इदरीस अलैहिस्सलाम ने अपनी नाफर्मान और शरीर क़ौम से तंग आकर कहां हिजरत की थी?

जवाब 198 : मिस्र की तरफ।

सवाल 199 : सबसे ज़्यादा बोलियां जानने वाले पैग़म्बर का इस्मे ग्रिामी बताइए?

जवाब 199 : हज़रत इदरीस अलैहिस्सलाम।

सवाल 200 : इल्मे हिकमत और नुजूम की इब्तिदा करने वाले पैग़म्बर का नाम बताइए?

जवाब 200 : हज़रत इदरीस अलैहिस्सलाम। (हाशिया जलालैन सफा नं. 503)

सवाल 201 : हज़रत इदरीस अलैहिस्सलाम पर कितने सहीफे नाज़िल हुए?

जवाब 201 : हज़रत इदरीस अलैहिस्सलाम पर तीस सहीफे नाज़िल हुए। (कन्जुल्ईमान पारा 16 मरयम आयत 55)

सवाल 202 : दुनिया में सबसे पहले सुई किसने ईजाद की?

जवाब 202 : हज़रत इदरीस अलैहिस्सलाम ने।

सवाल 203 : हज़रत इदरीस अलैहिस्सलाम ने कितने शहेर आबाद किए?

जवाब 203 : एक सो अस्सी (180)

सवाल 204 : हज़रत इदरीस अलैहिस्सलाम ने इल्म व अमल के लिहाज़ से खुदा की मख़्लूक़ को किन तबक़ात में तक़सीम किया था?

जवाब 204 : बादशाह, शरिअैयत और काहिन।

सवाल 205 : हज़रत इदरीस अलैहिस्सलाम ने कितनी उम्र पाई?

जवाब 205 : इस सिलसिले में बहुत इख़्तिलाफ है।

सवाल 206 : हज़रत इदरीस अलैहिस्लसाम की अंगूठी पर कौन सी इबारत कन्दह (लिखी) थी?

जवाब 206 : अल्लाह पर ईमान और सब्र फतेह मन्दी की अलामत (निशानी) है।

सवाल 207 : मुफस्सिरीन ने बाइबिल (इन्जील) की रोशनी में किसको हज़रत इदरीस अलैहिस्सलाम समझा है?

जवाब 207 : उख़नूख़ को।

सवाल 208 : हज़रत इदरीस अलैहिस्सलाम के वालिद का नाम बताइए?

जवाब 208 : शीस बिन आदम अलैहिस्सलाम।

(कन्जुल्ईमान पारा 16 मरयम आयत 55)

❖❖❖

हज़रत सय्यदुना हूद अलैहिस्सलाम

सवाल 209 : हज़रत हूद अलैहिस्सलाम के अहेद में किस क़ौम पर अज़ाबे इलाही नाज़िल हुआ?

जवाब 209 : क़ौमे आद पर।

सवाल 210 : हज़रत हूद अलैहिस्सलाम की क़ौम कहां रहती थी?

जवाब 210 : अहक़ाफ़ में जो उम्मान और हज़रमौत के दर्मियान यमन का रेगिस्तानी इलाक़ा है।

सवाल 211 : हज़रत हूद अलैहिस्सलाम की क़ौम का नाम बताइये?

जवाब 211 : क़ौमे आद।

सवाल 212 : आद जिन बुतों की इबादत करते थे उनका नाम बताइये?

जवाब 212 : सदा, समूद और काहिबा।

(अल्बदाया वन्निहाया जि. 1 सफा नं. 121)

सवाल 213 : हज़रत हूद अलैहिस्सलाम का पेशा बताइए क्या था?

जवाब 213 : तिजारत। (तफसीरे अज़ीज़ी सूरेह बक़रह सफा नं. 70)

सवाल 214 : बताइए हज़रत हूद अलैहिस्सलाम, साम बिन नूह अलैहिस्सलाम के कौन थे?

जवाब 214 : पड़ पोते। (अहवालुल अम्बिया सफा नं. 210)

सवाल 215 : क्या आपको मालूम है कि हज़रत हूद अलैहिस्सलाम के क़ौम के लोग कितने गज़ लम्बे होते थे?

जवाब 215 : अस्सी (80) गज़। (अहवालुल अम्बिया सफा नं. 211)

सवाल 216 : हज़रत हूद अलैहिस्सलाम ने अपनी क़ौम से क्या कहा सूरतुलआराफ़ के हवाले से बताइए?

जवाब 216 : ऐ बिरादराने कौम अल्लाह की इबादत करो उसके सिवा कोई खुदा नहीं क्या तुम अपनी ग़ल्तियों से परहेज़ न करोगे।

सवाल 217 : कुरआन मजीद मे हज़रत हूद अलैहिस्सलाम का इस्मे ग्रामी कितनी मर्तबा आया है?

जवाब 217 : सात मर्तबा।

सवाल 218 : कुरआन मजीद में कौन कौन सी आयात में हज़रत हूद अलैहिस्सलाम का ज़िक्र आया है ?

जवाब 218 : सूरऐ आराफ़ में आयत नं. 65, हूद, आयत नं. 50, 53, 58, 60, 89, सूरेह शोरा में आयत नं. 124।

सवाल 219 : कौमे आ़द का ज़िक्र कुरआन की कितनी सूरतों में आया है?

जवाब 219 : सत्तरह सूरतों में।

सवाल 220 : आद कौन थे?

जवाब 220 : ये अरब की क़दीम तरीन कौम थी जिनकी शान व शौकत ज़रबुल मसल थी अब इनका नाम व निशान तक मिट चुका है।

सवाल 221 : कौमे आद क़ा मज़हब क्या था?

जवाब 221 : यह लोग बुत परस्त थे।

सवाल 222 : हज़रत हूद अलैहिस्सलाम आद की किस शाख़ से तअल्लुक़ रखते थे?

जवाब 222 : ख़ुलूद से।

सवाल 223 : कुरआन मजीद में आदे इरम किस को कहा गया है?

जवाब 223 : इरम हज़रत नूह अलैहिस्सलाम के पोते और साम के बेटे का नाम है इन्हीं की नस्ल से आद थे इसी लिए उन्हें आद इरम कहा गया।

सवाल 224 : आद को ज़ातुल्इमाद क्यों कहा गया ?

जवाब 224 : क्योंकि उन्होंने बलन्द व बाला इमारात बनाइ थीं।

सवाल 225 : हज़रत हूद अलैहिस्सलाम पर कितने अफराद ईमान लाए थे?

जवाब 225 : सत्तर (70) कबीले से सत्तर (70) अदमी।

सवाल 226 : क़ौम की हलाकत के बाद हज़रत हूद अलैहिस्सलाम कहां तशरीफ़ ले गए?

जवाब 226 : मक्क-ए-मुकर्रमा। और अख़ीर उम्र तक वहीं रहे।

सवाल 227 : सात रोज़ तक मुसलसल तेज़ हवा की सूरत में अज़ाबे इलाही किस क़ौम पर नाज़िल हुई?

जवाब 227 : क़ौमे आ़द पर।

सवाल 228 : हज़रत हूद अलैहिस्सलाम का दूसरा नाम क्या था?

जवाब 228 : हज़रत हूद अलैहिस्सलाम का दूसरा नाम आबिर था।

सवाल 229 : हज़रत हूद अलैहिस्सलाम का मज़ार कहां वाके है?

जवाब 229 : हज़रूल मौत का इलाक़ा मकला नामी शहेर में जहां लोग कसरत से हाज़िर होते हैं।

सवाल 230 : बताइए कुरआन मजीद के किस पारे में सूरेह हूद है और इस के कितने रुकु और आयात हैं?

जवाब 230 : बारहवें पारह में, इसमें दस रुकू और एक सो तेईस 123 आयात हैं।

सवाल 231 : हज़रत हूद अलैहिस्सलाम कि कुल उम्र कितने साल की हुई?

जवाब 231 : हज़रत हूद अलैहिस्सलाम की कुल उम्र 365 या 465 साल की थी। और सावी दोम सफा 64 पर चार सो चौंसठ साल बताया गया है।

हज़रत सय्यदुना सालेह अलैहिस्सलाम

सवाल 232 : क़ौमे समूद की तरफ भेजे जाने वाले पैग़म्बर का इस्मे ग्रिामी बताइए?

जवाब 232 : हज़रत सालेह अलैहिस्सलाम।

सवाल 233 : क़ौमे समूद कहां रहती थी?

जवाब 233 : हजर के इलाक़े में जो हिजाज़ और शाम के दरमियान वादिउल कुरा तक फैला हुआ है।

सवाल 234 : क्या क़ौमे समूद की कुछ निशानियाँ अब भी बाक़ी हैं?

जवाब 234 : पहाड़ों में ख़ोदी हुई उनकी इमारतें अब भी मौजूद हैं।

सवाल 235 : क़ौमे समूद किसकी पूजा करती थी?

जवाब 235 : मुख़्तलिफ़ बुतों की।

सवाल 236 : ऊँटनी का मोजिज़ह दिखाने वाले पैग़म्बर का इस्मे ग्रामी बताइए?

जवाब 236 : हज़रत सालेह अलैहिस्सलाम।

सवाल 237 : नाक़तुल्लाह (अल्लाह की ऊंटनी) कैसे वजूद में आई?

जवाब 237 : हज़रत सालेह अलैहिस्सलाम की दूआ से।

सवाल 238 : हज़रत सय्यदुना सालेह अलैहिस्सलाम के अहेद में अज़ाबे इलाही किस क़ौम पर नाज़िल हुई?

जवाब 238 : क़ौमे समूद पर।

सवाल 239 : हज़रत सय्यदुना सालेह अलैहिस्सलाम की ऊँटनी का नाम बताइए?

जवाब 239 : नाक़तुल्लाह।

सवाल 240 : आदे सानिया किस नबी की कौम को कहा जाता है?

जवाब 240 : हज़रत सालेह अलैहिस्सलाम की कौम को, और समूद भी कहते हैं।

सवाल 241 : साबुन किस नबी की ईजाद है?

जवाब २४१: हज़रत सालेह अलैहिस्लाम की।

सवाल 242 : उस जानवर का नाम बताइए जो एक क़बीला के बराबर पानी पी जाया करता था ?

जवाब 242 : हज़रत सालेह अलैहिस्सलाम की ऊंटनी नाक़तुल्लाह।

सवाल 243 : हज़रत सालेह अलैहिस्सलाम की ऊंटनी की कोचें किस क़ौम के लोगों ने काटी थी ?

जवाब 243 : क़ौमे समूद के।

सवाल 244 : क़ौमे समूद के लोगों ने नाक़तुल्लाह की कोचें किस दिन काटी थी?

जवाब 244 : बुध के रोज़ और बाज़ ने मंगल बताया है।

(हाशिया जलालैन सफा नं. 314)

सवाल 245 : हज़रत सालेह अलैहिस्सलाम का पेशा क्या था?

जवाब 245 : तिजारत (कम्बल बनाते थे)।

(तफसीरे अज़ीज़ी सूरेह बक़रह सफा नं. 170)

सवाल 246 : हज़रत सालेह अलैहिस्सलाम ने अपनी क़ौम की तबाही के लिए कौन सी निशानी मुक़र्रर की थी?

जवाब 246 : जब नाक़तुल्लाह को नुक़सान पहुंचाएंगे तो तबाह व बर्बाद हो जाएंगे।

सवाल 247 : हज़रत सालेह अलैहिस्सलाम की ऊंटनी नाक़तुल्लाह के क़ातिल का नाम बताइये?

जवाब 247 : क़िदार बिन साइफ़। (रुहुलमआनी सफा 89)

सवाल 248 : किस जानवर का सीना साठ गज़ चौड़ा था?

जवाब 248 : हज़रत सालेह अलैहिस्सलाम की ऊंटनी नाक़तुल्लाह का।

सवाल 249 : हज़रत सालेह अलैहिस्सलाम की क़ौम का कौन सा शख़्स अज़ाबे इलाही से महफ़ूज़ रहा?

जवाब 249 : अबूरिग़ाल नामी शख़्स जो मक्का में था और बाक़ी ईमान लाने वाले लोग।

सवाल 250 : किसके कहने पर हज़रत सालेह अलैहिस्सलाम से ऊंटनी का मोजिज़ा सादिर (वाक़ेअ़) हुआ?

जवाब 250 : जुन्दा इब्ने उमर के कहने पर। (यह मोजिज़ा देख कर ईमान लाया)

सवाल 251 : कड़क बिजली और दहशतनाक चीख़ की सूरत में किस क़ौम पर अज़ाबे इलाही नाज़िल हुआ?

जवाब 251 : क़ौमे समूद पर।

सवाल 252 : हज़रत सालेह अलैहिस्सलाम की ऊंटनी को जहां क़त्ल किया गया उस जगह का नाम बताओ?

जवाब 252 : मदाइने सालेह।

सवाल 253 : हज़रत सालेह अलैहिस्सलाम का मज़ार कहां वाके है?

जवाब 253 : वादिये नजफ के एक क़स्बा में।

सवाल 254 : कुरआन मजीद में हज़रत सालेह अलैहिस्सलाम का इस्मे ग्रिामी कितनी बार आया है?

जवाब 254 : आठ बार।

सवाल 255 : जब नाक़तुल्लाह को हलाक कर दिया गया तो उस का बच्चा कहां चला गया?

जवाब 255 : चीख़ता चिल्लाता हुआ पहाड़ों में ग़ायब हो गया।

सवाल 256 : क़ौमे समूद ने जब अल्लाह की ऊंटनी को हलाक करदिया तो उसका अन्जाम क्या हुआ?

जवाब 256 : पूरी क़ौम तबाह हो गई सिवाए उनके जो ईमान लेआये थे।

सवाल 257 : क़ौमे समूद की बस्तियों में फन्जहुन्नाक़ह कौन सी जगह है?

जवाब 257 : यह एक दर्रा है जहां से नाक़तुल्लाह पानी पीने के लिए आया करती थी।

सवाल 258 : बताइए हज़रत सालेह अलैहिस्सलाम की कुल उम्र कितने साल की हुई?

जवाब 258 : बरवायते कअ़ब अह़बार, दो सो अठ्ठारह साल की हुई। (अहवालुल अम्बिया सफा नं. 232)

हज़रत सय्यदुना इबराहीम अलैहिस्सलाम

आज भी हो जो इबराहीम सा ईमां पैदा
आग कर सकती है अन्दाज़े गुलिसताँ पैदा

सवाल 259 : हज़रत इबराहीम अलैहिस्सलाम का इस्मे ग्रामी कुरआ़न मजीद में कितनी दफ़ा आया है,

जवाब 259 : हज़रत इब्राहीम अलैहिस्सलाम का इस्मे ग्रामी 67 बार आया है।

सवाल 260 : वह कौन से पैग़म्बर हैं जिनको आग में डाला गया?

जवाब 260 : हज़रत इब्राहीम अलैहिस्सलाम।

सवाल 261 : हज़रत इब्राहीम अलैहिस्सलाम के वालिद का नाम बताइए?

जवाब 261 : हज़रत इब्राहीम अलैहिस्सलाम के वालिद का नाम तारुख़ था।

(**नोट:** अक्सर मकातीबे फिक्र के लोगों ने आज़र बताया है और (लिअबीही आज़रा से मुराद बाप लिया है हालांकि आज़र चचा था और चचा बाप ही के मानिन्द होता है लिहाज़ा तह़क़ीक़ व तदक़ीक़ से साबित होता है कि बाप का नाम तारूख़ था और आज़र चचा था।

सवाल 262 : ह़ज़रत इब्राहीम अलैहिस्सलाम कि वालिदा का नाम बताइए?

जवाब 262 : ससली, शिली या मतली या ऊफी।

सवाल 263 : हज़रत इब्राहीम अलैहिस्सलाम का इस्मे ग्रामी कुरआ़न मजीद की कितनी सूरतों में आया है?

जवाब 263 : पचीस (25) सूरतों में आया है।

सवाल 264 : उस पैग़म्बर का नाम बताइए जिन्हें अल्लाह तआ़ला ने हज़रत नूह अलैहिस्सलाम के बाद इसलाम की आलम गीर दावत के लिए मुकर्रर फरमाया?

जवाब 264 : हज़रत इब्राहीम अलैहिस्सलाम।

सवाल 265 : हज़रत इब्राहीम अलैहिस्सलाम ने तबलीगे हक़ के लिए शर्क़े उर्दुन में किस को अपना ख़लीफ़ा (नाइब) बनाकर भेजा।

जवाब 265 : अपने भतीजे हज़रत लूत अलैहिस्सलाम को।

सवाल 266 : हज़रत इब्राहीम अलैहिस्सलाम ने दीने हक़ की तबलीग के लिए शाम और फिलस्तीन में किस को ख़लीफा बना कर भेजा?

जवाब 266 : अपने बेटे हज़रत इसहाक़ अलैहिस्सलाम को।

सवाल 267 : हज़रत इब्राहीम अलैहिस्सलाम ने अपने बड़े साहिबज़ादे हज़रत इस्माईल अलैहिस्सलाम को किस इलाके में मुक़र्रर फरमाया था?

जवाब 267 : अरब के अंदरूनी इलाकों में।

सवाल 268 : हज़रत इब्राहीम अलैहिस्सलाम के उन दोनों शहज़ादों के असमाऐ गरामी बताइये जो पैग़म्बर थे?

जवाब 268 : हज़रत इस्माईल अलैहिस्सलाम, हज़रत इसहाक अलैहिस्सलाम।

सवल 269 : हज़रत इब्राहीम अलैहिस्सलाम के कौन से पड़पोते पैगम्बर थे उन का इसमे गिरामी बताइये?

जवाब 269 : हजरत यूसुफ बिन याकूब बिन इसहाक बिन इबराहीम अलैहिमुस्सलाम।

सवाल 270 : क्या आप बता सकते हैं कि ख़लीलुल्लाह, लक़ब किस पैग़म्बर का था?

जवाब 270 : हज़रत इब्राहीम अलैहिस्सलाम का।

सवाल 271 : हज़रत इब्राहीम अलैहिस्सलाम के अहेद में कौन सा बादशाह था?

जवाब 271 : नमरूद।

सवाल 272 : अल्लाह तआला ने हज़रत इब्राहीम अलैहिस्सलाम की क़ौम पर कौन सा अज़ाब नाज़िल फरमाया?

जवाब 272 : मच्छरों का।

सवाल 273 : हज़रत इब्राहीम अलैहिस्सलाम कहां पैदा हुऐ?

जवाब 273 : सर ज़मीनें अहवाज बमक़ामे सूस (बाबिल)

सवाल 274 : पाजामा पहेनना किस नबी की सुन्नत है?

जवाब 274 : हज़रत इब्राहीम अलैहिस्सलाम की।

सवाल 275 : वह कौन से पैग़म्बर हैं जिन्हों ने सितारों को देख कर फरमाया मैं बीमार हूं तुम्हारे साथ नहीं चल सकता ?

जवाब 275 : हजरत इब्राहीम अलैहिस्सलाम।

सवाल 276 : दुनिया में सब से पहले हक़ीक़ी गुलज़ार किस शख़सियत की वजह से वजूद में आया?

जवाब 276 : हज़रत इब्राहीम अलैहिस्सलाम की वजह से।

सवाल 277 : उस बाप का नाम बताइये जिस ने अपने बेटे के गले पर अल्लाह की रज़ा के लिऐ छुरी रख दी ?

जवाब 277 : हज़रत इब्राहीम अलैहिस्सलाम।

सवाल 278 : कंघी ईज़ाद करने (बनाने) वाले पैगम्बर का इस्मे गिरामी क्या है?

जवाब 278 : हजरत इब्राहीम अलैहिस्सलाम।

सवाल 279 : हजरत इब्राहीम अलैहिस्सलाम की बारगाह में हज़रत जिबरईल अलैहिस्सलाम कितनी द़फा तशरीफ लाऐ?

जवाब 279 : बयालिस (42) मरतबा। (नुज़हतुल क़ारी अव्वल सफहा 191)

सवाल 280 : नमरूद बदशाह ने हज़रत इब्राहीम अलैहिस्सलाम को किस ज़रिऐ से आतिश कदा में डाला?

जवाब 280 : मिनजनीक के ज़रिए। (गोफन)

सवाल 281 : मिनजनीक़ बनाने का मश्वेरा किस ने दिया?

जवाब 281 : शैतान लईन ने।

सवाल 282 : जद्दुलअमबिया का लक़ब किस नबी को अता हुआ?

जवाब 282 : हज़रत इब्राहीम अलैहिस्सलाम को

सवाल 283 : हज़रत इब्राहीम अलैहिस्सलाम कहां के रहने वाले थे?

जावबं 283 : इराक़ के शहेर उर के बशिन्दा थे।

सवाल 284 : हजरत इब्राहीम अलैहिस्सलाम के दोनों भाइयों के नाम बताइऐ?

जवाब 284 : नहूर और हारान।

सवाल 285 : नमरूद के बाप का नाम क्या था?

जवाब 285 : किनआन बिन नूह। (मुख़्तलिफ रिवायत है)

सवाल 286 : नमरूद की उस बेटी का नाम बताइए जिस ने अतिश कदा में दाख़िल होकर इसलाम कबूल किया था?

जवाब 286 : रग़फा।

सवाल 287 : उस बाप का नाम बताइये जिस ने अल्लाह की खुशनूदी के लिए अपने बेटे और बिवी को अरब के रेगिसतान में बे यार व मददगार छोड़ दिया था?

जवाब 287 : हज़रत इब्राहीम अलैहिस्सलाम।

सवाल 288 : हज़रत इब्राहीम अलैहिस्सलाम का कलिमह क्या था?

जवाब 288 : लाइलाहा इल्लल्लाहु इब्राहीमु रसूलुल्लाह

सवाल 289 : हज़रत इब्राहीम अलैहिस्सलाम के वालिद का पेशा क्या था?

जवाब 289 : आप रियासत के सब से बड़े ओहदे दार थे।

सवाल 290 : हज़रत इब्राहीम अलैहिस्सलाम अतिश कदह में कितने दिन तक रहे?

जवाब 290 : चालीस दिन तक। जबकि शरहे फिकह अकबर 130 पर सात दिन बताया गया है।

सवाल 291 : काबा शरीफ़ में सब से पहले हजरे असवद किस ने नसब फरमाया?

जवाब 291 : हज़रत इब्राहीम अलैहिस्सलाम ने।

सवाल 292 : हज़रत इब्राहीम अलैहिस्सलाम पर कितने सहीफे नाज़िल हुए?

जवाब 292 : दस। (अशअ़तुल्लमआत अव्वल सफह 40)

सवाल 293 : वह कौन से नबी हैं जिन्हें आसमान व ज़मीन की बादशाही दिखाई गई?

जवाब 293 : हज़रत इब्राहीम अलैहिस्सलाम।

सवाल 294 : हज़रत इब्राहीम अलैहिस्सलाम ने बाबुल से किस तरफ हिजरत फरमाई?

जवाब 294 : किनआन की जानिब।

सवाल 295 : दयारे मिस्र के उस हाकिम का नाम बताओ जो हज़रत

सारह रज़ि यल्लाहु अन्हा से नाजेबा हरकत करने का मुतमन्नी था?

जवाब 295 : रकयून या अख़यून।

सवाल 296 : हाकिमे मिस्र ने हज़रत सारह रज़ि यल्लाहु अन्हा की ख़िदमत में बहैसियत कनीज़ किस ख़ातून को पेश क्या था?

जवाब 296 : हज़रत हाजरा रज़ि यल्लाहु तआला अन्हा को।

सवाल 297 : बुत शिक्नी यानी बुतों को तोड़ने का काम सब से पहले किस नबी ने अंजाम दिया?

जवाब 297 : हज़रत इब्राहीम अलैहिस्सलाम ने।

सवाल 298 : इतमीनाने क़लबी के लिए मुरदों को जिंदा देखने की तमन्ना किस पैग़म्बर ने की ?

जवाब 298 : हज़रत इब्राहीम अलैहिस्सलाम ने की।

(कन्जुल ईमान पा. 3, अलबक़रा आयत 542)

सवाल 299 : अल्लहा तआला के हुक्म से हज़रत इब्राहीम अलैहिस्सलाम को किन किन मुर्दा परिंदों को ज़िंदा देखने का मौक़ा मिला?

जवाब 299 : मोर, मुर्ग़, कबूतर, कौवा।

(ख़ज़ाइनुल इरफान अलबकरा आयत 542)

सवाल 300 : दुनिया के बुत कदह में अल्लाह तआला का पहला घर किस ने तामीर किया?

जवाब 300 : हज़रत इब्राहीम अलैहिस्सलाम ने।

सवाल 301 : तामीरेकाबा में हज़रत इब्राहीम अलैहिस्सलाम के साथ पत्थर उठाने की ख़िदमत किस ने अंजाम दी?

जवाब 301 : हज़रत इसमाईल अलैहिस्लाम ने।

सवाल 302 : अतिश कद-ए-नमरूद का अर्ज़ व तूल बताइये?

जवाब 302 : पत्थर की तीस गज़ लम्बी और बीस गज़ चौड़ी दीवार थी। (हाशिया जलालैन स. 377)

सवाल 303 : हज़रत इब्राहीम अलैहिस्सलाम जिस वक़्त आतिश कदह में दाखिल हुए क्या उम्र थी?

जवाब 303 : सोलह साल और बअज ने छब्बिस साल बताई है।

(सावी जि. 3 सफह 12 प. 17)

सवाल 304 : आतिश कदह ए नमरूद में कितने दिनों तक लकड़ियाँ जमा की गयीं और उसे दहकाया गया?

जवाब 304 : एक माह तक लकड़ियाँ जमा की गयीं और सात रोज तक दहकाया गया। (सावी सोम सफह 96)

सवाल 305 : हज़रत इब्राहीम अलैहिस्सलाम अपने बेटे हज़रत इसमाईल अलैहिस्सलाम को कुरबान करने के लिए कहां ले गए थे?

जवाब 305 : वादिए मिना में।

सवाल 306 : बवक़्ते विलादते इसहाक़ अलैहिस्सलाम, हज़रत इब्राहीम अलैहिस्सलाम की उम्र क्या थी?

जवाब 306 : सौ साल और उन की बीवी हज़रत सारा रज़ि यल्लाहु अन्हा की उम्र नव्वे साल थी।

सवाल 307 : हज़रत इबराहीम अलैहिस्सलाम की बीवियों के नाम बताइये ?

जवाब 307 : हज़रत सारा, हज़रत हाजरा रज़ि यल्लाहु अन्हुमा और क़तूरह व हुजून बिन्ते ज़हीर। (अलकामिल जि. अव्वल स. 123)

सवाल 308 : हज़रत इब्राहीम अलैहिस्सलाम के साहिबज़ादे मदयान की वालिदा का नाम क्या था?

जवाब 308 : क़तूरह।

सवाल 309 : क्या आप बता सकते हैं कि जुलहिजरतैन किस का लक़ब था और क्यों था?

जवाब 309 : हज़रत इब्राहीम अलैहिस्सलाम का। क्योंकि उन्होंने दो हिजरत की पहली हिजरत कूफा की तरफ की और फिर कूफ़ा से शाम की जनिब।

सवाल 310 : हज़रत इब्राहीम अलैहिस्सलाम ने क़तूरह की वफात के बाद किस से निकाह किया ?

जवाब 310 : हुजून बिन्ते ज़हीर से। (अलकामिल फित्तारीख़ जि. अव्वल स. 123)

सवाल 311 : हज़रत नूह और हज़रत इब्राहीम अलैहुमस्सलाम के फरक़े ज़मानी की मुश्त क्या थी?

जवाब 311 : दो हज़ार चालीस साल।

सवाल 312 : सब से पहले मिम्बर पर खुतबा किस ने दिया?

जवाब 312 : हज़रत इब्राहीम अलैहिस्सलाम ने।

सवाल 313 : सब से पहले मोंछें और बग़ल के बाल, नाखुन किस ने काटे?

जवाब 313 : हज़रत इब्राहीम अलैहिस्सलाम ने।

सवाल 314 : सब से पहले जुमा के दिन गुस्ल किस ने किया?

जवाब 314 : हज़रत इब्राहीम अलैहिस्सलाम ने।

सवाल 315 : दुनिया में सब से पहले किस के दाढ़ी के बाल सफेद हुए?

जवाब 315 : हज़रत इब्राहीम अलैहिस्सलाम के।

सवाल 316 : दुनिया में सब से पहले किस नबी ने मेंहदी का ख़िज़ाब इस्तेमाल किया?

जवाब 316 : हज़रत इब्राहीम अलैहिस्सलाम ने।

सवाल 317 : सब से पहले औरतों में सिलाई किस ने की?

जवाब 317 : हज़रत सारा रज़ि यल्लाहु अन्हा ने।

सवाल 318 : हज़रत इब्राहीम अलैहिस्सलाम के साथ नमरूद का क्या झगड़ा था?

जावब 318 : आप उसे क़तई तौर पर रब तसलीम नहीं करते थे।

सवाल 319 : हज़रत इब्राहीम अलैहिस्सलाम ने नमरूद से अपने रब के बारे में क्या फ़रमाया था ?

जवाब 319 : मेरा रब वह है जिस के कब्ज़े में मौत व हयात है।

सवाल 320 : ज़िंदगी और मौत मेरे हाथ में भी है नमरूद की इस बात का जवाब इब्राहीम अलैहिस्सलाम ने कैसे दिया?

जवाब 320 : आप ने फरमाया मेरा रब सूरज मश्रिक़ से निकालता है तू मग़रिब से निकाल दे। यह सुन कर नमरूद हैरान और लाजवाब हो गया।

सवाल 321 : मौत व हयात की गुफतगू पर नमरूद ने हज़रत इब्राहीम अलैहिस्सलाम को क्या जवाब दिया?

जवाब 321 : मौत व हायत मेरे भी कब्ज़े मे है जिस को चाहूँ तख़्ताए-दार पर सूली दे दूँ और जिस को चाहूँ छोड़ दूँ।

सवाल 322 : ख़तना का हुक्म नाज़िल होने पर सब से पहले अपना ख़तना किस ने किया?

जवाब 322 : हज़रत इब्राहीम अलैहिस्सलाम ने।

सवाल 323 : हज़रत इब्राहीम अलैहिस्सलाम ने अपना ख़तना किस उम्र में किया?

जवाब 323 : एक सो बीस साल की उम्र में। (कन्ज़ुलओमाल जि. । स. 485) (तफसीरे नईमी में अस्सी साल बताया गया है।)

सवाल 324 : मेराज की शब उम्मते मोहम्मदिया सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम को सलाम किस ने कहेल वाया?

जवाब 324 : हज़रत इब्राहीम अलैहिस्सलाम ने।

सवाल 325 : वह कौन से पैग़म्बर हैं जो बग़ैर मेहमान के खाना नहीं खाते थे?

जवाब 325 : हज़रत इब्राहीम अलैहिस्सलाम।

सवाल 326 : अबुज़्ज़ैफान यानी मेहमानों को खाना खिलाने वाले किस का लक़ब है?

जवाब 326 : हज़रत इब्राहीम अलैहिस्सलाम का।

(तफसीरे अज़ीज़ी अव्वल 373)

सवाल 327 : सब से पहले कान किस ने किस का छेदा?

जवाब 327 : हज़रत सारा रज़ि यल्लाहु अन्हा ने हजरत हाजरा रज़ि यल्लाहु अन्हा का।

सवाल 328 : उम्मुल अरब किस को कहा जाता है?

जवाब 328 : हजरत हाजरा रज़ि यल्लाहु अनहा को।

सवाल 329 : हज़रत इब्राहीम अलैहिस्सलाम की वालिदा का नाम बताइए?

जवाब 329 : ओमीला या बूना बिन्ते करबना बिन करसी।

(अलबदाया वन्निहाया जि. 1 स. 140)

सवाल 330 : हज़रत इब्राहीम अलैहिस्सलाम की ज़ौजए मोहतरमा क़तूरा से पैदा होने वाले बच्चों के नाम बताइये?

जवाब 330 : बक़शान, ज़मरान, मदाऐन, मदयन, यशीक़ नूह।

(अलकामिल फित्तारीख़ ज 1 स 123)

सवाल 331 : इस्तिंजा और मिस्वाक करना किस नबी की सुन्नत है?

जवाब 331 : हज़रत इब्राहीम अलैहिस्सलाम की।

सवाल 332 : हज़रत हाजरा रज़ि यल्लाहु अन्हा की क़ब्र कहां वाक़े है?

जवाब 332 : हतीम के अंदर मीज़ाबे रहमत के नीचे।

(मुख़तलिफ अक़वाल हैं।)

सवाल 333 : हज़रत इब्राहीम अलैहिस्सलाम की कबरे अन्वर कहाँ वाक़े है?

जवाब 333 : मकफीला बनी गुफ़रान में क़स्बा हिबरून जो बैतुल मुक़द्दस के क़रीब है जिसे कस्बऐ अलख़लील भी कहा जाता है। (उमदतुल क़ारी हफतुम सफह 345)

सवाल 334 : हज़रत इब्राहीम अलैहिस्सलाम के अ़हेद (ज़माना) में उर में सब से बड़ा बुत कौन सा था?

जवाब 334 : ननार।

सवाल 335 : हज़रत इब्राहीम अलैहिस्सलाम की ज़बान कौन सी थी?

जवाब 335 : अस्ल ज़बान सुरयानी थी हिजरत के इरादे से निकलते वक़्त जब नमरुद को इत्तिला मिली तो नमरुद ने जासूसों को गिरिफतारी के लिए रवाना किया हत्ता कि बवक़्ते दरिया उबूर वह पहुंच गए तो अल्लाह तआला ने आप की ज़बान को इबरानी कर दिया वरना मुमकिन था कि आप पकड़ लिऐ जाते। (शरेह बुख़ारी जि. 1 स. 52)

सवाल 336 : बैतुल्लाह शरीफ़ की तामीर मुकम्मल होने पर हज़रत इबराहीम अलैहिस्सलाम को किस चीज़ का हुक्म दिया गया?

जवाब 336 : अल्लाह पाक ने फरमाया की हज का ऐलान कर दें।

सवाल 337 : हज़रत इब्राहीम अलैहिस्सलाम ने जब अपनी क़ौम से फरमाया कि इन बुतों की पूजा क्यों करते हो जब कि न यह बोल सकते हैं न सुन सकते हैं तो क़ौम ने क्या जवाब दिया?

जवाब 337 : हमने अपने बाप दादा को इ न की इबादत करते पाया है इस लिऐ हम भी इन की पूजा करते हैं।

सवाल 338 : बवक़्ते हिजरत हज़रत इब्राहीम अलैहिस्सलाम का साथ किस ने दिया?

जवाब 338 : आप के भतीजे हज़रत लूत अलैहिस्सलाम ने।

सवाल 339 : दुनिया के उस वाहिद इंन्सान का नाम बताइए जिस की नस्ल में मुसलसल चार नबी हुए है?

जवाब 339 : हज़रत इब्रराहीम अलैहिस्सलाम।

सवाल 340 : बताइऐ हज का तरीक़ा सब से पहले किस ने बताया था?

जवाब 340 : हज़रत इब्राहीम अलैहिस्सलाम ने।

सवाल 341 : कुरआन मजीद में आख़िरी किस सूरतों में हजरत इब्राहीम अलैहिस्सलाम का जिक्र आया है?

जवाब 341 : सूरतुल आला में अख़िरी आयत नं.१६।

सवाल 342 : कुरआन मजीद में किस नबी को इमामु न्नास कहा गया है?

जवाब 342 : हज़रत इब्राहीम अलैहिस्सलाम को।

सवाल 343 : बताइए हज़रत इब्राहीम अलैहिस्सलाम की कुल उम्र कितने साल की हुई?

जवाब 343 : एक सो पचहत्तर साल। (सावी दोम सफह 345)

सवाल 344 : अपनी आंखो से मुर्दा परिंदों को जिंदा होते किस पैगम्बर ने देखा?

जवाब 344 : हज़रत इब्राहीम अलैहिस्सलाम ने।

हजरत सय्युदना इसमाईल अलैहिस्सलाम

सवाल 345 : हज़रत इसमाईल अलैहिस्सलाम की नस्ल से होने वाले सब से बड़े पैग़म्बर का इसमे गरामी बताइए?

जवाब 345 : सरवरे काएनात मोहम्मदुर रसूलुल्लाह सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम।

सवाल 346 : हज़रत इसमाईल अलैहिस्सलाम के वालिदे मोहतरम का इसमे गिरामी बताइए?

जवाब 346 : हज़रत इब्राहीम अलैहिस्सलाम।

सवाल 347 : हज़रत इसमाईल अलैहिस्सलाम की वालिदह माजिदह का नाम क्या था?

जवाब 347 : हज़रत हाजरा रज़ि यल्लाहु तआला अन्हा।

सवाल 348 : हज़रत इसमाईल अलैहिस्सलाम की वालिदह किस ख़ानदान से थीं?

जवाब 348 : आप शाहे मिस्र की बेटी थीं। (याबाँदी)

सवाल 349 : हज़रत इसमाईल अलैहिस्सलाम का ज़िक्र कुरआन मजीद में कितनी बार आया है?

जवाब 349 : बारह 12 बार।

सवाल 350 : अरब के मशहूर क़बीला क़ुरैश के मोरिसे आला का नाम बताइये?

जवाब 350 : हज़रत इसमाईल अलैहिस्सलाम।

सवाल 351 : हज़रत इसमाईल अलैहिस्सलाम को हज़रत इबराहीम अलैहिस्सलाम उन की वालिदा समेत अरब की जिस गैर आबादी में छोड़ गए थे अब उस का नाम क्या है ?

जवाब 351 : मक्का मुकर्रमा।

सवाल 352 : हज़रत इसमाईल अलैहिस्सलाम कहां पैदा हुए?

जवाब 352 : मुल्के शाम के इलाका किन्आन में।

सवाल 353 : हज़रत इसमाईल अलैहिस्सलाम नबी बना कर किस क़ौम की तरफ़ मबऊस किये (भेजे) गए?

जवाब 353 : अ़ेमालीक और क़बाएले यमन की तरफ।

(ज़ियाउन्नबी अव्वल सफह 394)

सवाल 354 : किस नबी की ऐड़ियाँ रगड़ने की बरकत से आबे ज़म ज़म का चश्मा नमूदार हुआ?

जवाब 354 : हज़रत इसमाईल अलैहिस्सलाम।

सवाल 355 : चश्मए ज़म ज़म के क़रीब सबसे पहले आबाद होने वाले क़बीले का नाम क्या था?

जवाब 355 : क़बीलए बनी जुरहुम।

सवाल 356 : हज़रत इसमाईल अलैहिस्सलाम कि पहली शादी किस क़बीले की लड़की से हुई ?

जवाब 356 : क़बीलये बनी जुरहुम की।

सवाल 357 : ज़बीहुल्लाह किस पैग़म्बर का लक़ब है?

जवाब 357 : हज़रत इसमाईल अलैहिस्सलाम का।

सवाल 358 : हज़रत इसमाईल अलैहिस्सलाम के बाद आप के जांनशीन कौन हुए?

जवाब 358 : आपके साहिबज़ादे नाबत।

सवाल 359 : हज़रत इसमाईल अलैहिस्सलाम का ख़तना किस उम्र में हुआ?

जवाब 359 : तेरहवीं (13) साल में।

सवाल 360 : हज़रत इसमाईल अलैहिस्सलाम का लक़ब ज़बीहुल्लह के अेलावह और क्या था?

जवाब 360 : अबुल अरब।

सवाल 361 : जिस वक़्त हज़रत इसमाईल अलैहिस्सलाम की वालिदह हज़रत हाजरह रज़ि यल्लाहु अन्हा का इन्तिक़ाल हुआ, उस वक़्त आपकी उम्र क्या थी?

जवाब 361 : बीस साल थी। (अहवालुल अम्बिया ज. 1 सफह नं. 275)

सवाल 362 : हज़रत इसमाईल अलैहिस्सलाम के कितने साहिबज़ादे थे ?

जवाब 362 : बइख़्तिलाफे रवायत बारह (12)।

सवाल 363 : वह कौन से पैग़म्बर हैं जो अल्लाह की राह में ज़बह होने के लिए पत्थर पर लेट गए?

जवाब 363 : हज़रत इसमाईल अलैहिस्सलाम।

सवाल 364 : बताइए ईदुल अज़हा में कुरबानी किस की याद गार है ।

जवाब 364 : हज़रत इब्राहीम अलैहिस्सलाम के उस वाक्आ की जब अपने फरज़न्द हज़रत सय्यदुना इस्माईल अलैहिस्सलाम को बहुक्मे अल्लाह ज़बह करना चाहा था।

सवाल 365 : इस्माईल के लफज़ी माना बताइये?

जवाब 365 : यह इबरानी लफ्ज़ है इसका माना है वह फरज़न्द जिसके लिए अल्लाह ने बाप की दुआ सुन ली।

सवाल 366 : आबे ज़म ज़म के क़रीब आबाद होने की इजाज़त हज़रत हाजरा रज़ि यल्लाहु अन्हा ने क़बीला बनी जुरहम को किस शर्त पर दी थी?

जवाब 366 : इस शर्त पर कि वह पानी में मिल्कियत के हिस्सेदार नही हो सकते।

सवाल 367 : हज़रत इसमाईल अलैहिस्सलाम ने अपने वालिद माजिद के हुक्म के मुताबिक़ अपनी बीवी को तलाक़ देने के बाद जिस ख़ातून से निकाह फरमाया उनका नाम बताओ?

जवाब 367 : अस सय्यदह बिन्ते मुज़ाज़ बिन अम्र अलजुरहुमी।

(ज़िया उन्नबी ज. अव्वल सफह नं. 394)

सवाल 368 : इसलामी तारीख़ में ज़िबहे अज़ीम के मिस्दाक़ कौन नबी हैं?

जवाब 368 : हज़रत इस्माईल अलैहिस्सलाम।

सवाल 369 : हज़रत इस्माईल अलैहिस्सलाम की कुल उम्र कितनी थी?

जवाब 369 : 136 साल या 137 साल। और सावी दोम 27 पर 130 बताया गया है।

सवाल 370 : हज़रत इसमाईल अलैहिस्सलाम की क़ब्रे अनवर कहां वाके है ?

जवाब 370 : मक्का में मीज़ाबे रहमत के नीचे।
(फतावा रज़विया दोम स. 453)

सवाल 371 : हज़रत इस्माईल अलैहिस्सलाम की बीवी अस्सैयदह बिन्ते मुज़ाज़ के बतन से पैदा होने वाली औलाद की तादाद और नाम बताइये ।

जवाब 371 : बारह नाबत, क़ैदर, अदबील, मीशा, मस्मा, दामा, दमास, उदुद,वतूर,नफीस, तमा, क़ैदमान। (ज़ियाउन्नबी अव्वल सफा नं. 394)

सवाल 372 : हज़रत इस्माईल अलैहिस्सलाम ने दूसरी शादी कब और क्यों की

जवाब 372 : आपने पहली बीवी को अपने वालिद माजिद के इरशाद से मुतअस्सिर होकर तलाक़ देदी थी इस लिए दुसरी शादी की

सवाल 373 : हजरत इस्माईल अलैहिस्सलाम का पेशा क्या था?

जवाब 373 : आप तीर व कमान से हलाल जानवर का शिकार करते थे। (तफसीरे अज़ीजी सूरेह बक़रह सफा नं. 402)

हज़रत सय्यदुना इसहाक़ अलैहिस्सलाम

सवाल 374 : हज़रत इसहाक़ अलैहिस्सलाम के वालिद माजिद का इस्मे ग्रिामी बताइये?

जवाब 374 : हज़रत इब्राहीम अलैहिस्सलाम।

सवाल 375 : हज़रत इसहाक़ अलैहिस्सलाम की वालिदह माजिदह का नाम बताइए ?

जवाब 375 : हज़रत सारह रज़ि यल्लाहु अन्हा।

सवाल 376 : हज़रत इसहाक़ अलैहिस्सलाम की पैदाइश की बशारत हज़रत इब्राहीम अलैहिस्सलाम को कब दी गई?

जवाब 376 : जब फरिश्ते इन्सानी शक्ल में हज़रत लूत अलैहिस्सलाम की तरफ़ भेजे गए थे तो वह पहले हज़रत इब्राहीम अलैहिस्सलाम के घर आए और उन्हें एक बेटे की पैदाइश की खुशख़बरी दी।

सवाल 377 : हज़रत इसहाक़ अलैहिस्लाम का ख़तना कितनी उम्र में हुआ?

जवाब 377 : जब आप सात या आठ दिन के थे।

सवाल 378 : इसहाक़ के लफ़्ज़ी माना बताइए?

जवाब 378 : हंसता हुआ या हंसता है। हज़रत सारह रज़ि यल्लाहु अन्हा खुशख़बरी सुनकर हंस दी थीं।

सवाल 379 : हज़रत इसहाक़ अलैहिस्सलाम के ज़ौजये मोहतरमा का नाम बताइए ?

जवाब 379 : रफ़का।

सवाल 380 : हज़रत इसहाक़ अलैहिस्सलाम कहां पैदा हुए?

जवाब 380 : किनआन में।

सवाल 381 : हज़रत इसहाक़ अलैहिस्सलाम का निकाह किस नबी की साहिबज़ादी से हुआ था?

जवाब 381 : हज़रत लूत अलैहिस्सलाम की।

सवाल 382 : हज़रत इसहाक़ अलैहिस्सलाम हिदायत के लिए किस मुल्क की जानिब तशरीफ ले गए?

जवाब 382 : मुल्के शामकी तरफ।

सवाल 383 : हज़रत इसहाक़ अलैहिस्सलाम के उन दोनों साहिबज़ादों के असमाये ग्रमी (नाम) क्या हैं जो एक ही कब्र में दफ्न हैं?

जवाब 383 : हज़रत याकूब अलैहिस्सलाम और हज़रत ईस। बाज़ ने ईस की जगह ईसू बताया है।

सवाल 384 : हज़रत इसहाक़ अलैहिस्सलाम की उम्र निकाहे अव्वल के वक्त किया थी?

जवाब 384 : 40 साल की।

सवाल 385 : कुरआन मजीद में हज़रत इसहाक़ अलैहिस्सलाम की तारीफ़ किन अल्फाज़ में की गइ है?

जवाब 385 : गुलाम, अलीम (ज़ी इल्म या सयाना लड़का)

सवाल 386 : हज़रत इसहाक़ अलैहिस्लाम कहां रहा करते थे?

जवाब 386 : फिलस्तीन की वादिएहिबरुन में जहां उन के वालिदे ग्रिामी रहते थे।

सवाल 387 : हज़रत इसहाक़ अलैहिस्सलाम की पूरी ज़िन्दगी कितने साल की हुइ?

जवाब 387 : 180 साला। (सावी दोम सफा नं. 27) हिबरुन में अपने वालिद के क़रीब दफ्न हैं।

नोट : आप चौबानी किया करते थे यही आप का पेशा था

(आइ-न-ए-तारीख़ सफा नं. 84)

हज़रत सय्यदुना याक़ूब अलैहिस्सलाम

सवाल 388 : हज़रत याकूब अलैहिस्सलाम के वालिद माजिद का इस्मे ग्रिामी बताइए?

जवाब 388 : हज़रत इसहाक़ अलैहिस्सलाम।

सवाल 389 : कुरआन मजीद में हज़रत याकूब आलैहिस्सलाम का नाम कितनी मर्तबा आया है?

जवाब 389 : सोलह बार।

सवाल 390 : हज़रत याकूब अलैहिस्सलाम का लक़ब क्या था ?

जवाब 390 : इसराईल। (खुदा का बन्दह)

सवाल 391 : इसराईली कौन हैं?

जवाब 391 : हज़रत याकूब अलैहिस्सलाम की औलाद हैं।

(तफसीरे आज़ीज़ी सूरेह बक़रह सफा नं. 176)

सवाल 392 : हज़रत याकूब अलैहिस्सलाम कहां रहा करते थे?

जवाब 392 : फिलस्तीन की वादिऐ हिबरुन में। जबकि हाशिया जलालैन में लिखा है कि आप किनआन के रहने वाले थे।

सवाल 393 : हज़रत याकूब अलैहिस्सलाम के दादा का नाम बताइए?

जवाब 393 : हज़रत इब्राहीम अलैहिस्सलाम।

सवाल 394 : हज़रत याकूब अलैहिस्सलाम के चारों बीवियों के नाम बताइये?

जवाब 394 : लया, जुल्फा, बिल्हा और राहील।

सवाल 395 : क्या आप ऐसे पैग़म्बर का इस्मे ग्रामी बता सकते हैं जो अपने बेटे के फिराक़ में इस क़दर रोये कि नाबीना हो गए?

जवाब 395 : हज़रत याकूब अलैहिस्सलाम।

सवाल 396 : हज़रत याकूब अलैहिस्लाम की बीनाई कैसे वापस आई?

जवाब 396 : हज़रत यूसुफ अलैहिस्सलाम के कुरता शरीफ की बरकत से।

सवाल 397 : हज़रत यूसुफ अलैहिस्सलाम की क़मीज़ हज़रत याकूब अलैहिस्सलाम की बारगाह में कौन लाया था?

जवाब 397 : आपके बड़े साहिबज़ादे यहूदा।

सवाल 398 : हज़रत याकूब अलैहिस्सलम की कुल उम्र कितनी थी?

जवाब 398 : 145 साल (ख़ज़ाइनुल इरफान सफह नं. 358) अपने वालिद के क़रीब दफ्न हैं।

(अलबदाया वन्निहाया अव्वल स. 175)

सवाल 399 : हज़रत याकूब अलैहिस्सलाम मिस्र में अपने साहिबज़ादे यूसुफ अलैहिस्सलाम के साथ कितने साल रहे?

जवाब 399 : 23 साल और बाज़ ने 24 साल बताया है। जबकि एक क़ौल 17 साल है।

सवाल 400 : बाईबल के बयान के मुताबिक़ बवक्ते दाख़िला मिस्र याकूब अलैहिस्सलाम की उम्र कितनी थी और अहले ख़ाना की तादाद क्या थी ?

जवाब 400 : अहले ख़ाना की तादाद 67 थी और आपकी उम्र 167 साल थी।

सवाल 401 : हज़रत याकूब अलैहिस्सलाम के साहिबज़ादगान की तादाद बताइये कितनी थी?

जवाब 401 : 12 बारह। (नुज़हतुल क़ारी अव्वल सफा नं. 417)

सवाल 402 : हज़रत याकूब अलैहिस्सलाम की वालिदह का नाम क्या था?

जवाब 402 : रफक़ह।

सवाल 403 : वह कौन से पैग़म्बर हैं जो अपने पैग़म्बर बेटे की जुदाई

बरदाश्त नहीं कर सकते थे?

जवाब 403 : हज़रत याकूब अलैहिस्सलाम हज़रत यूसुफ अलैहिस्सलाम की जुदाई बरदा तश्नहीं कर सकते थे।

सवाल 404 : फिराक़े पिसर में हज़रत याकूब अलैहिस्सलाम कितने साल तक रोते रहे?

जवाब 404 : अस्सी साल तक। (ख़ज़ाएनुल्इरफान)

सवाल 405 : हज़रत याकूब अलैहिस्सलाम की बारगाह में हज़रत जिबरईल अलैहिस्सलाम कितनी दफा हाज़िर हुए?

जवाब 405 : सिर्फ चार मरतबा। (नुज़हतुलकारी अव्वल सफा नं. 191)

सवाल 406 : याकूब अलैहिस्सलाम के साहबिज़ादों के नाम बताइए ?

जवाब 406 : यूसुफ, बिन्यामीन, दानी, बक्ताली, ज़ायेलून, यस्ताख़र, अशीर, रुबेल, यहूदा, शमऊन, जावू, लावा (इन्हीं को इस्बात भी कहते हैं)। (नुज़हतुल्कारी अव्वल सफा नं. 417)

सय्यदुना यूसुफ़ अलैहिस्सलाम

सवाल 407 : हज़रत यूसुफ अलैहिस्सलाम के वालिदे मोहतरम का इस्मे ग्रामी बताइए?

जवाब 407 : हज़रत याकूब अलैहिस्सलाम।

सवाल 408 : हज़रत यूसुफ अलैहिस्सलाम के दादा का नाम बताइए?

जवाब 408 : हज़रत इसहाक़ अलैहिस्सलाम।

सवाल 409 : हज़रत यूसुफ अलैहिस्सलाम के पड़ दादा का नाम बताइए?

जवाब 409 : हज़रत इब्राहीम अलैहिस्सलाम।

सवाल 410 : हज़रत यूसुफ अलैहिस्सलाम की वालिदह माजिदह का नाम बताइये?

जवाब 410 : राहील बिन्ते लाबान या लायान।

सवाल 411 : हज़रत यूसुफ अलैहिस्सलाम कितने भाई थे?

जवाब 411 : बारह भाई।

सवाल 412 : क्या आप हज़रत यूसुफ अलैहिस्सलाम के सगे भाई का नाम बता सकते हैं?

जवाब 412 : बिनयामीन।

सवाल 413 : हज़रत यूसुफ अलैहिस्सलाम का इस्मे ग्रामी कुरआन मजीद में कितनी बार आया है?

जवाब 413 : 27 मरतबा।

सवाल 414 : हज़रत यूसुफ अलैहिस्सलाम ने उस ख़्वाब में क्या देखा था जिसका ज़िक्र सुनकर आपके वालिद माजिद ने भाइयों से पोशीदा रखने का हुक्म दिया था?

जवाब 414 : आपने देखा था कि ग्यारह सितारे और चाँद सूरज आपको सजदह कर रहे हैं।

सवाल 415 : हज़रत यूसुफ अलैहिस्सलाम की विलादत किस शहेर में हुई?

जवाब 415 : किनआन में।

सवाल 416 : हज़रत यूसुफ अलैहिस्सलाम ने बनी इसराईल को कहां आबाद किया था?

जवाब 416 : जश नामी इलाका में और बाज़ ने जुश्न बताया है ।

सवाल 417 : वह कौन से पैग़म्बर हैं जिन्हें उनके भाइयों ने कुंए में डाल दिया था?

जवाब 417 : हज़रत यूसुफ अलैहिस्सलाम।

सवाल 418 : वह कुँआ जिस में हज़रत यूसुफ अलैहिस्सलाम को डाला गया किनआन से कितनी दूरी पर है?

जवाब 418 : 3 मील के फासिले पर। (हाशिया जलालैन सफा नं. 190)

सवाल 419 : हज़रत यूसुफ अलैहिस्सलाम कितने दिन तक कुंए में रहे?

जवाब 419 : 3 दिन।

सवाल 420 : हज़रत यूसुफ अलैहिस्सलाम को कुंए से निकालने वाले शख़्स का नाम बताइये

जवाब 420 : मालिक बिन ज़अर ख़ुज़ाई

(अल्बदाया वन्नेहाया सफा नं. 202)

सवाल 421 : वह कुँआ जिसमें हज़रत यूसुफ अलैहिस्सलाम को डाला गया कितना गैहरा था?

जवाब 421 : 70 गज़ । (हाशिया जलालैन सफा नं. 190)

सवाल 422 : हज़रत यूसुफ अलैहिस्सलाम के बाहर आने पर आप के भाइयों ने कितने दिर्हमों में गुलाम की सूरत में आप को फरोख़्त किया?

जवाब 422 : 17 या 20।

सवाल 423 : हज़रत यूसुफ अलैहिस्सलाम के भाइयों ने आपको किस के हाथ फरोख़्त किया?

जवाब 423 : मालिक बिन ज़अर ख़ुज़ाई के हाथ ।

सवाल 424 : हज़रत यूसुफ अलैहिस्सलाम के भाइयों में से किसने दिरहमों में हिस्सा नहीं लिया था?

जवाब 424 : यहूदा ने।

सवाल 425 : बाज़ारे मिस्र में फरोख़्त होने वाले नबी का इस्मे ग्रामी बताइए?

जवाब 425 : हज़रत यूसुफ अलैहिस्सलाम।

सवाल 426 : दुनिया में सबसे पहले किस शख़्स को तराज़ू में तौला गया?

जवाब 426 : हज़रत यूसुफ अलैहिस्सलाम को।

सवाल 427 : बाज़ारे मिस्र में हज़रत यूसुफ अलैहिस्सलाम को किसने ख़रीदा था?

जवाब 427 : अज़ीज़े मिस्र ने ।

सवाल 428.: अज़ीज़े मिस्र ने हज़रत यूसुफ अलैहिस्सलाम को कितनी क़ीमत में ख़रीदा था?

जवाब 428 : आपके वज़न के बराबर का सोना और उतना ही चाँदी और उतना ही मुश्क और रेशम के बदले।

(अल्बदाया सफा नं. 202)

सवाल 429 : अज़ीज़े मिस्र जो वज़ीरे आज़म था उसका अस्ल नाम क्या था?

जवाब 429 : क़ितफीर मिस्री।

सवाल 430 : मुल्क और सब्र दोनों मरतबे साथ में किस नबी को अता हुए

जवाब 430 : हज़रत यूसुफ अलैहिस्सलाम को।

सवाल 431 : हज़रत यूसुफ अलैहिस्सलाम कितनी ज़बानों के आलिम थे?

जवाब 431 : 72 बहत्तर।

सवाल 432 : हज़रत यूसुफ अलैहिस्सलाम की बहेन का नाम बता सकते हैं?

जवाब 432 : दीना, जबकि एक क़ौल है कि रहमत नाम था।

सवाल 433 : हज़रत यूसुफ अलैहिस्सलाम के दोनों साहिबज़ादों के नाम बताइये ?

जवाब 433 : अफरासीम और मीसा।

सवाल 434 : जिस वक़्त हज़रत यूसुफ अलैहिस्सलाम मिस्र के बाज़ार में लाए गए उस वक्त वहां का बादशाह कौन था?

जवाब 434 : रय्यान बिन वलीद जबकि ज़ियाउन्नबी ज. 5 सफा न. 380 में अपूफश बताया गया है।

सवाल 435 : किस्सये यूसुफ अलैहिस्सलाम को कुरआन मजीद में किस नाम से याद किया गया है ?

जवाब 435 : अह्सनुल क़सस से।

सवाल 436 : हज़रत यूसुफ अलैहिस्सलाम की कुल उम्र कितने साल की हुई?

जवाब 436 : 120 साल। सावी दोम सफा 27 अपने वालिद के पहलू में दफ्न हैं।

सवाल 437 : हुसूले बरकत के लिए अहले मिस्र ने किस नबी के ताबूत को दरयाए नील में रखा था?

जवाब 437 : हज़रत यूसुफ अलैहिस्सलाम के।

सवाल 438 : हज़रत यूसुफ अलैहिस्सलाम के ताबूत को किस ने निकाल कर दफ्न किया था?

जवाब 438 : हज़रत मूसा अलैहिस्सलाम ने चार सौ साल के बाद।

सवाल 439 : हुस्ने यूसुफ पर परेफता होने वाली ख़ातून का नाम बताइए?

जवाब 439 : हज़रत जुलेख़ा।

सवाल 440 : जुलेख़ा का अस्ल नाम क्या था?

जवाब 440 : राईल।

सवाल 441 : हज़रत जुलेख़ा पहले किस के निकाह में दाख़िल थीं?

जवाब 441 : अजीज़े मिस्र के।

सवाल 442 : ख़्वाबों की ताबीर बताने में कौन से पैगम्बर खूब माहिर थे?

जवाब 442 : हज़रत यूसुफ अलैहिस्सलाम।

सवाब 443 : जमाले यूसुफ अलैहिस्सलाम को देख कर मिस्री औरतों ने बजाए लेमूं के क्या काट डाला था ?

जवाब 443 : अपनी उंगलियाँ।

हुस्ने यूसुफ पे कटीं मिस्र में अंगुशते ज़नाँ
सर काटाते हैं तेरे नाम पे मरदाने अरब

सवाल 444 : मिस्री औरतों ने हजरत यूसुफ़ अलैहिस्सलाम के बारे में क्या कहा?

जवाब 444 : वकुलना हाशा लिल्लाही मा हाज़ा बशरा। और बोलीं अल्लाह की पाकी है ये तो जिंसे बशर से नहीं कोई मोअज़्ज़ज़ फरिशता है।

सवाल 445 : हज़रत यूसुफ अलैहिस्सलाम जब मिस्र में दाख़िल हुऐ उस वक्त किस ख़ांदान की हुकूमत थी?

जवाब 445 : हकसूस खांदान के बादशाहों की।

(हकसूस बमाना चरवाहा।)

सवाल 446 : हज़रत यूसुफ अलैहिस्सलाम की पाक दामनी की गवाही किस ने दी?

जवाब 446 : चार माह के बच्चे ने।

सवाल 447 : वह बच्चा जिस ने यूसुफ अलैहिस्सलाम की पाक दामनी की गवाही दी थी किस का बच्चा था?

जवाब 447 : हज़रत जुलेख़ा के मामूं का।

सवाल 448 : हजरत यूसुफ अलैहिस्सलाम की गवाही में बच्चे ने क्या कहा?

जवाब 448 : अगर यूसुफ अलैहिस्सलाम का कुर्ता अगे से फटा हो तो जुलेख़ा सच्ची हैं और अगर पीछे से फटा हो तो झूटी हैं।

सवाल 449 : हज़रत यूसुफ अलैहिस्सलाम कितने साल तक क़ैद खाना में रहे?

जवाब 449 : मुकम्मल सात साल तक । और बअज ने 8 या 9 साल बताया है।

सवाल 450 : हज़रत यूसुफ अलैहिस्सलाम किस मुल्क के बादशाह हुए?

जवाब 450 : मिस्र के।

सवाल 451 : हज़रत यूसुफ अलैहिस्सलाम ने कितने साल तक मिस्र पे बादशाहत की?

जवाब 451 : 80 साल और बअज ने 90 साल बताया है।

सवाल 452 : हज़रत यूसुफ़ अलैहिस्सलाम के अहेद में मिस्र के अंदर कितने साल तक क़हेत साली रही?

जवाब 452 : सात साल तक।

सवाल 453 : वह कौन से पैगम्बर हैं जिन के चेहरे की ज़ियारत से अय्यामे क़हेत साली में भूख व पियास ख़त्म होजाती थी?

जवाब 453 : हज़रत यूसुफ अलैहिस्सलाम।

सवाल 454 : क़ैद खाना से निकलते वक़्त यूसुफ़ अलैहिस्सलाम की क्या उम्र थी?

जवाब 454 : 30 साल।

सवाल 455 : हज़रत यूसुफ़ अलैहिस्सलाम ने अपने वालिदे बुजुरग्वार याक़ूब अलैहिस्सलाम का इस्तिक़्बाल कितने खुद्दाम के साथ किया ?

जवाब 455 : चार हज़ार ख़ादिमों के साथ।

सवाल 456 : हज़रत याक़ूब अलैहिस्सलाम ने हज़रत यूसुफ अलैहि० के पैराहन की बू कितनी दूरी से महसूस कर ली थी?

जवाब 456 : अस्सी 80 मील की दूरी से। (अलबदाया वन्निहाया)

सवाल 457 : वह क़मीज़ जिस की बरकत से हज़रत याक़ूब अलैहि० की आंखें मुनव्वर हुईं कहां की थी और किस ने पहले ज़ेब तन फरमाया (पहना) ?

जवाब 457 : वह कमीज़ हरीरे जन्नत की थी जिस वक़्त इब्राहीम अलैहिस्सलाम को आतिश कदा में डाला गया तब हज़रत जिबरईल अलैहिस्सलाम ने आप को पहनाई थी।

सवाल 458 : वह कमीज़ हज़रत यूसुफ अलैहिस्सलाम को कैसे हासिल हो गयी?

जवाब 458 : वह कमीज हज़रत याक़ूब अलैहिस्सलाम ने आप के गले में तावीज़ की सूरत में पहना दी थी।

(हाशिया जलालैन सफा 190।)

सवाल 459 : भेड़िये ने हज़रत याकूब अलैहिस्सलाम से अपनी बरअत का इज़हार किस तरह किया था?

जवाब 459 : या रसूलल्लाह! तेरे यूसुफ को हमारी जमाअत से किसी ने नही खाया है अल्लाह तआला ने हम पर अंबिया और सुलहा व सय्याह का गोश्त हराम क़रार फरमाया है।

सवाल 460 : हजरत यूसुफ अलैहिस्सलाम के भाई बिन्यामीन के साहिबज़ादे का नाम बताइए?

जवाब 460 : तालूत।

सवाल 461 : हजरत युसुफ अलैहिस्सलाम की ख़ाला का नाम क्या था?

जवाब 461 : लया।

सवाल 462 : हज़रत यूसुफ अलैहिस्सलाम का लक़ब क्या था?

जवाब 462 : सिद्दीक़।

सवाल 463 : क़ैद ख़ाना से बाहर आने के बाद हज़रत यूसुफ अलैहि० ने बादशाहे मिस्र से सब से पहले किस ज़बान में गुफ़्तगू (बात) फरमाई?

जवाब 463 : अरबी में और बाद में सुरयानी, मगर वह समझ न सका बावजूदे कि सत्तर ज़बानें जानता था?

(हाशिया जलालैन जं. 1 सफह 194)

सवाल 464 : हज़रत यूसुफ अलैहिस्सलाम ने बचपन में किस के बुत को तोड़ कर नजासत की राह पे डाल दिया था?

जवाब 464 : अपने नाना के।

सवाल 465 : हज़रत यूसुफ अलैहिस्सलाम अपने वालिदे मोहतरम के जनाज़ा को अतिब्बा व हुकमा की मदद से कितने दिनों तक रोके रहे?

जवाब 465 : चालीस रोज़ तक बादहु मक़ामे हिबरून में दफ्न फरमाया जिस को खोदने में सात दिन लगे।

(अलबदाया वन्निहाया जि. 1 स. 120)

सवाल 466 : हज़रत यूसुफ़ अलैहिस्सलाम के ताबूत को हज़रत मूसा अलैहिस्सलाम ने कहां दफ्न फरमाया?

जवाब 466 : गारे अंबिया (बैतुल मुकद्दस)में।

सवाल 467 : हज़रत यूसुफ अलैहिस्सलाम को जिस कूएं में डाला गया था वह कुँआ किस ने खुदवाया था?

जवाब 467 : शद्दाद ने। (हाशिया जलालैन ज. 1 स. 190)

सवाल 468 : दुनिया में सब से पहले कागज़ किस ने ईजाद किया?

जवाब 468 : हजरत यूसुफ अलैहिस्सलाम ने।

सवाल 469 : वह काफिला जिस ने हज़रत यूसुफ अलैहिस्सलाम को कूऐं से निकाला और ख़रीदा वह कहां से आ रहा था? और कहां जा रहा था?

जवाब 469 : वह जल्आद (मश्रिक़े उरदन) से आ रहा था और मिस्र जा रहा था।

सवाल 470 : हज़रत यूसुफ अलैहिस्सलाम अज़ीजे मिस्र के घर कितने अरसह तक रहे?

जवाब 470 : तीस साल।

सवाल 471 : हजरत यूसुफ अलैहिस्सलाम ने अपनी हुकूमत के कौन से साल अपने अहले ख़ानदान को किनआन से मिस्र बुला लिया था?

जवाब 471 : नवीं या दसवीं साल।

सवाल 472 : हज़रत यूसुफ अलैहिस्सलाम ने जिस इलाका (जुश्न) में अपने अहले ख़ांदान को अबाद किया था वह कौन सा इलाका था?

जवाब 472 : दमयात और काहेरा का दरमियानी इलाका था।

सवाल 473 : अज़ीजे मिस्र ने हजरत यूसुफ अलैहिस्सलाम को ख़रीदने के बाद कौन सा काम सपुर्द किया था?

जवाब 473 : अपने घर का मुख़्तार और जागीर का मोहतमिम बनाया था।

सवाल 474 : जब जुलैख़ा के इश्क की दासतानें चारों तरफ फैलने लगीं तो उन के शौहर ने मजबूर हो कर क्या किया?

जवाब 474 : हज़रत यूसुफ अलैहिस्सलाम को क़ैद ख़ाना में डलवा दिया, हालाँकि आप बेगुनाह थे।

सवाल 475 : हज़रत यूसुफ अलैहिस्सलाम के साथ कैद ख़ाना में दो गुलाम और दाख़िल हुए, बताइये वह कौन लोग थे?

जवाब 475 : एक बादशाहे वक़्त का साक़ी और दुसरा नानबाई।

सवाल 476 : हजरत यूसुफ अलैहिस्सलाम ने साथी गुलामों के खुवाबों की क्या ताबीर बताई थी?

जवाब 476 : तुम में से एक बादशाहे मिस्र को शराब पिलाएगा और दूसरा सूली पर चढ़ाया जाएगा।

सवाल 477 : क्या आप बता सकते हैं हजरत यूसुफ अलैहिस्सलाम के क़ैद ख़ाना के ज़माना में मिस्री बादशाह ने किया ख़्वाब देखा था?

जवाब 477 : सात मोटी गाएं हैं जिन को सात दुबली गाएँ खा रही हैं और अनाज की सात बालियाँ सूखी हैं और सात बालियाँ हरी।

सवाल 478 : क्या आप बता सकते हैं कि हज़रत यूसुफ अलैहिस्सलाम की मुलाक़ात मिस्र में बिन्यामीन से कितने अरसा बाद हुई थी?

जवाब 478 : तक़रीबन 22 साल बाद।

सवाल 479 : हज़रत यूसुफ अलैहिस्सलाम ने जब अपने भाईयों से बताया कि मैं तुम्हरा गुम शुदा भाई यूसुफ हूँ तो उन्होंने क्या कहा?

जवाब 479 : खुदा की क़सम तुम को अल्लाह ने हम पर फज़ीलत बख़्शी हम वाक़ई ख़ताकार हैं।

सवाल 480 : हज़रत यूसुफ अलैहिस्सलाम ने अपने दग़ाबाज़ भाईयों के इक़रारे जुर्म कर लेने के बाद क्या सुलूक किया?

जवाब 480 : आपने फरमाया की तुम पर कोई गिरिफ़्त नहीं। अल्लाह तुम्हें मआफ करे वह सब से बढ़ कर मआफ करने वाला है।

सवाल 481 : हज़रत यूसुफ अलैहिस्सलाम के भाई उन्हें क़त्ल करने के मन्सूबे बना रहे थे तो उन में एक ने दूसरी तजवीज़ पेश की थी, बताइये वह क्या थी?

जवाब 481 : यूसुफ को क़त्ल न करो किसी अन्धे कूऐं में डालदो

ताकि कोई क़ाफ़िला निकाल ले जावे

सवाल 482 : बताइऐ हज़रत यूसुफ अलैहिस्सलाम ने अपने भाई बिन्यामीन को रोकने के लिए क्या तजवीज़ की?

जवाब 482 : बिन्यामीन के सामान में अपना शाही पियाला रखवा दिया बादहू चोरी के इलज़ाम में अपने पास मिस्र में रखा।

हज़रत सय्यदुना लूत अलैहिस्सलाम

सवाल 483 : हज़रत लूत अलैहिस्सलाम का जिक्र कुरआन मजीद में कितनी बार आया है?

जवाब 483 : 27 मरतबा।

सवाल 484 : हज़रत इब्राहीम अलैहिस्सलाम का हज़रत लूत अलैहि० से क्या रिश्ता था?

जवाब 484 : वह आप के चचा थे।

सवाल 485 : हज़रत लूत अलैहिस्सलाम के वालिद का नाम क्या था?

जवाब 485 : हारान।

सवाल 486 : हज़रत लूत अलैहिस्सलाम की बीवी जो काफ़िरा थी उस का नाम बताइए?

जवाब 486 : वाएला।

सवाल 487 : किस नबी की बीवी अपनी क़ौम के लिए जासूसी करती थी?

जवाब 487 : हजरत लूत अलैहिस्सलाम की।

सवाल 488 : किस नबी की कौम पर पत्थरों का अज़ाब नाज़िल हुआ।

जवाब 488 : हजरत लूत अलैहिस्सलाम की क़ौम पर।

सवाल 489 : हज़रत लूत अलैहिस्सलाम हिदायत के लिए किस तरफ भेजे गए?

जवाब 489 : उरदन अहले सुदूम की तरफ।

सवाल 490 : हज़रत लूत अलैहिस्सलाम की क़ौम कहां रहती थी?

जवाब 490 : शहरे सदूम में।

सवाल 491 : सब से पहले हज़रत इब्राहीम अलैहिस्सलाम की तसदीक़ ईमान के साथ किस ने की?

जवाब 491 : हज़रत लूत अलैहिस्सलाम ने।

सवाल 492 : हज़रत लूत अलैहिस्सलाम की साहिबज़ादीयों की तादाद क्या थी?

जवाब 492 : दो 2।

सवाल 493 : अल्लाह की राह में सब से पहले जिहाद करने वाले नबी का नाम बताइए?

जवाब 493 : हज़रत लूत अलैहिस्सलाम।

सवाल 494 : हज़रत लूत अलैहिस्सलाम का पेशा कया था?

जवाब 494 : खेती।

सवाल 495 : वह कौन से पत्थर थे जिन पर हलाक शुदगान के नाम लिखे थे?

जवाब 495 : हज़रत लूत अलैहिस्सलाम की क़ौम पर बरसने वाले पत्थर।

सवाल 496 : क़ौमे हज़रते लूत अलैहिस्सलाम की सब से बड़ी खुबासत क्या थी?

जवाब 496 : बजाए औरतों के मरदों से इख़्तेलात (मिलाप) को तरजीह देते थे?

सवाल 497 : क़ौमे लूत को किन फरिशतों के ज़रिए हलाक किया गया।

जवाब 497 : हज़रत जिबराईल, मीकाईल, इसराफील अलैहिमुस्सलाम के ज़रिए। (अलबदाया वन्नेहाया जि. 1 स. 179)

सवाल 498 : हज़रत लूत अलैहिस्सलाम के पास फरिश्ते किस सूरत में पहोंचे थे ?

जवाब 498 : इन्सानी सूरत में। खूबसूरत लड़के।

सवाल 499 : हजरत लूत अलैहिस्सलाम की क़ौम पर अज़ाब किस वक़्त आया था?

जवाब 499 : सुबह के वक़्त।

सवाल 500 : हज़रत लूत अलैहिस्सलाम की तर्बियत किस के जेरे साया हुइ थी?

जवाब 500 : हज़रत इब्राहीम अलैहिस्सलाम के।

सवाल 501 : हज़रत लूत अलैहिस्सलाम को तबलीग के जवाब में क़ौम ने क्या धमकी दी थी?

जवाब 501 : ऐ लूत अगर तुम बाज़ ना आवोगे तो शहेर बदर कर दिए जावोगे। अगर तुम सच्चे हो तो हम पर अल्लाह का अज़ाब ले आवो।

सवाल 502 : क़ौमे लूत को अज़ाब से बचाने के लिए किस ने अल्लाह पाक से बार-बार दरख़्वास्त की थी?

जवाब 502 : हज़रत इब्राहीम अलैहिस्सलाम ने।

सवाल 503 : इसलाम में इग़्लाम बाज़ी, लिवातत या ग़ैर फितरी फेल की सज़ा किया है?

जवाब 503 : फाएल और मफऊल दोनों वाजिबुल क़त्ल हैं। इसलाम में अपनी बीवी से भी ये फेल हराम है। अफसोस है कि सज़ा ना होने से वत्ने अज़ीज़ में इस का चलन बढ़ गया है।

सवाल 504 : किस नबी की बीवी अज़ाबे इलाही का शिकार हुई है?

जवाब 504 : हज़रत लूत अलैहिस्सलाम की।

सवाल 505 : किस नबी के ज़िक्र में क़ौम की बसतियाँ ज़मीन में धंसा देने और पथराव का ज़िक्र आया है?

जवाब 505 : हज़रत लूत अलैहिस्सलाम के ज़िक्र में।

सवाल 506 : वह कौन सी किताब है जिस के मानने वालों ने उसे मज़हबी और इलहामी किताब होने का दावा किया है लेकिन उस में हज़रत लूत अलैहिस्सलाम की ज़बरदस्त किर्दार कुशी की गई है और घिनावने इलज़ाम लगाए गए हैं?

जवाब 506 : बाइबल की मौजूदा किताब।

❖❖❖

हज़रत सय्यदुना अय्यूब अलैहिस्सलाम

सवाल 507 : हज़रत अय्यूब अलैहिस्सलाम का इसमे गिरामी कुरआन मजीद में कितनी दफा आया है?

जवाब 507 : चार 4।

सवाल 508 : हज़रत अय्यूब अलैहिस्सलाम का तअल्लुक किस ख़ान्दान से था?

जवाब 508 : हज़रत इसहाक अलैहिस्सलाम की नस्ल से चौथी पुशत में से थे।

सवाल 509 : हज़रत अय्यूब अलैहिस्सलाम कहां रहते थे?

जवाब 509 : अरब के शुमाल मगरिब में ख़लीज अक़्बा के क़रीब कोहे शओीर पर।

सवाल 510 : हज़रत अय्यूब अलैहिस्सलाम की औलाद और माल के तअल्लुक से कुछ बताइए?

जवाब 510 : आप की औलाद कसरत से थी और माल मवेशी भी ज़्यादा थे।

सवाल 511 : हज़रत अय्यूब अलैहिस्सलाम को किस क़ौम की तरफ मबऊस (भेजा) किया गया था? और उन की तबलीग़ी सगर्मियों का अंजाम क्या हुआ?

जवाब 511 : कुरआन मजीद में इन दोनों बातों का ज़िक्र नहीं है जब कि बअ़ज़ का ख़्याल है कि मुलके ख़ूरान की तरफ।

सवाल 512 : हज़रत अय्यूब अलैहिस्सलाम ने बीमारी की फरयाद अल्लाह पाक की बारगाह में किस तरह की थी?

जवाब 512 : ऐ अल्लाह मैं दुख और मुसीबत में गिरिफतार हूँ तू ही सब से ज़्यादा रहम करने वाला है।

सवाल 513 : अल्लाह तआला ने हज़रत अय्यूब अलैहिस्सलाम की बीमारी का क्या इलाज बताया था?

जवाब 513 : फरमाया, ज़मीन को लात मारो यह (चश्मह) नहाने को ठंडा और पीने को शीरीं मौजूद है।

सवाल 514 : हज़रत अय्यूब अलैहिस्सलाम का ज़माना कौन सा था?

जवाब 514 : तक़रीबन 1500 सो साल कब्ल अज़ मसीह अलैहि०।

सवाल 515 : हज़रत अय्यूब अलैहिस्सलाम की मुद्दते बीमारी बताइए?

जवाब 515 : हज़रत अनस रज़ि यल्लाहु अन्हु की रिवायत के मुताबिक़ तेरह (13) साल तक।

सवाल 516 : हज़रत अय्यूब अलैहिस्सलाम की ज़ौजए मोहतर्मा का इसमे गिरामी बताइए?

जवाब 516 : बीबी रहमत।

सवाल 517 : दुनिया में सब से ज़्यादा सब्र करने वाले पैग़म्बर का नाम बताइए?

जवाब 517 : हज़रत अय्यूब अलैहिस्सलाम।

सवाल 518 : हज़रत अय्यूब अलैहिस्सलाम किस क़ौम से थे

जवाब 518 : बनी इसराईल से।

सवाल 519 : हज़रत बीबी रहमत के वालिद का नाम क्या था?

जवाब 519 : अफरासीम बिन यूसुफ अलैहिस्सलाम और बाज़ ने हज़रत यूसुफ अलैहिस्सलाम को बताया है।

सवाल 520 : हज़रत अय्यूब अलैहिस्सलाम की ख़िदमत में जिबराईल अलैहिस्सलाम कितनी मरतबा हाज़िर हुए?

जवाब 520 : तीन बार। (नुज़हतुल क़ारी अव्वल स. 192)

सवाल 521 : हज़रत अय्यूब अलैहिस्सलाम के वालिद का नाम बताए?

जवाब 521 : रूम बिन ऐस।

सवाल 522 : हज़रत अय्यूब अलैहिस्सलाम की बीमारी की इबतिदा किस दिन हुई?

जवाब 522 : बुध के रोज़ से। (मिश्कात शरीफ 391)

सवाल 523 : हज़रत अय्यूब अलैहिस्सलाम की कुल उम्र कितनी थी?

जवाब 523 : मुख़्तलिफ अक़वाल हैं, 57 या 93 या 140 साल जब कि एक क़ौल 400 साल का है। मज़ार मुलके शाम के एक गॉवं में है। (उमदतुलक़ारी दोम स. 51)

सवाल 524 : हज़रत अय्यूब अलैहिस्सलाम के दादा का नाम क्या है?

जवाब 524 : हज़रत इसहाक अलैहिस्सलाम।

सवाल 525 : हज़रत अय्यूब अलैहिस्सलाम की वालिदह किस की साहिबज़ादी थीं?

जवाब 525 : हज़रत लूत अलैहिस्सलाम की।

सवाल 526 : हज़रत अय्यूब अलैहिस्सलाम के बड़े साहिबज़ादे का नाम बताइए जो आपके वलीअहेद हुए?

जवाब 526 : हौल।

सवाल 527 : कुरआन मजीद में हज़रत अय्यूब अलैहिस्सलाम का ज़िक्र सब से पहले कहां किया गया है?

जवाब 527 : सूर-ए-सॉद की आयात नंबर.38 ता 41 में।

सवाल 528 : ज़्यादा अरसा तक बदनी तौर पर बीमार रहने वाले नबी का इसमे गिरामी बताइए?

जवाब 528 : हज़रत अय्यूब अलैहिस्सलाम।

हज़रत सय्यदुना शुअ़ैब अलैहिस्सलाम

सवाल 529 : हज़रत शुअ़ैब अलैहिस्सलाम का ज़िक्र कुरआन मजीद में कितनी मर्तबा आया है ?

जवाब 529 : गियारह 11 मर्तबा।

सवाल 530 : हज़रत शुअ़ैब अलैहिस्सलाम को किस कबीला की तरफ मबऊस किया गया?

जवाब 530 : बनी क़तूरा जिन्हें मदयन भी कहा जाता है और असहाबुल ईका (झंडे वाले) भी कहते हैं।

सवाल 531 : किस नबी की क़ौम पर ज़लज़ले और आग की बारिश का अज़ाब नाज़िल हुआ?

जवाब 531 : हज़रत शुअ़ैब अलैहिस्सलाम की कौम पर।

(हाशिया जलालैन स. 315)

सवाल 532 : किस नबी की कौम कुँवें के क़रीब आबाद थी?

जवाब 532 : हजरत शुअ़ैब अलैहिस्सलाम की ।

सवाल 533 : क्या आप उस नबी का नाम बता सकते हैं जिन की कौम नाप और तौल में कमी बेशी करती थी?

जवाब 533 : हज़रत शुअ़ैब अलैहिस्सलाम

सवाल 534 : हज़रत शुअ़ैब अलैहिस्सलाम के वालिद का नाम बताइए?

जवाब 534 : मदाइन।

सवाल 535 : हुज़ूर सल्लल्लाहू अलैहि वसललम को किस नबी ने ख़तीब के लक़ब से याद फरमाया था?

जवाब 535 : हज़रत शुअ़ैब अलैहिस्सलाम ने।

सवाल 536 : हज़रत शुअ़ैब अलैहिस्सलाम जिस क़ौम की हिदायत के लिऐ तशरीफ़ लाए उस का नाम बताइए?

जवाब 536 : बनी क़तूरह।

सवाल 537 : हज़रत शुऐब अलैहिस्सलाम के अहेद में जो कौम बअल नामी बुत की इबादत करती थी उस का नाम बताइए?

जवाब 537 : क़ौमे अस्हाबुल ईकह।

सवाल 538 : हज़रत शुऐब अलैहिस्सलाम की कौम किन बुराइयों में मुब्तेला थी?

जवाब 538 : नाप तौल की कमी बेशी, बुत परस्ती, डाका ज़नी वग़ैरह।

सवाल 539 : हज़रत शुऐब अलैहिस्सलाम का पेशा क्या था?

जवाब 539 : जानवरों के बालों और ऊन वग़ैरह की। और भेड़ें चराया करते थे।

सवाल 540 : हज़रत शुऐब अलैहिस्सलाम की क़ौम जब अज़ाबे इलाही से तबाह हो गई तो आप क्या कहते हुए उन बस्तियों से निकल गए?

जवाब 540 : ऐ बिरादराने क़ौम ! अपने रब के पैग़ामात मैं ने पहुँचा दिए।

सवाल 541 : बताइए हज़रत शुऐब अलैहिस्सलाम की उम्र कितने साल की हुई?

जवाब 541 : 140 साल की। मज़ारे पाक मक्का मुकर्रमा में है।

(उमदतुलक़ारी हफतुम स. 415)

हज़रत सय्यदुना मूसा अलैहिस्सलाम

किस को देखा ये मुसा से पुछे कोइ
आँख वाले की हिम्मत पे लाखों सलाम

सवाल 542 : कुरआने पाक में हज़रते मूसा अलैहिस्सलाम का नाम कितनी दफा आया है?

जवाब 542 : 135 मर्तबा।

सवाल 543 : कुरआने पाक में किस नबी का नाम सबसे ज़्यादा आया है?

जवाब 543 : हज़रत मूसा अलैहिस्सलाम का।

सवाल 544 : हज़रत मूसा अलैहिस्सलाम को कौन और कितनी निशानियाँ दे कर फिरऔन की तरफ भेजा गया?

जवाब 544 : दो निशानियाँ। (1) असा का अज़दहा बन जाना

(2) हाथ का बग़ल से निकलने के बाद चमकना।

सवाल 545 : हज़रत मूसा अलैहिस्सलाम के वालिद का नाम क्या है ?

जवाब 545 : इमरान बिन यस्हर बिन फाहिस बिन लावा बिन याकूब। (हाशिया जलालैन सफा नं. 621 ख़ज़ाअेनुल इरफान)

सवाल 546 : हज़रत मूसा अलैहिस्सलाम की वालिदह का नाम क्या था ?

जवाब 546 : यूहांज़ और बअ़ज़ ने यूकाहद बताया है।
(हाशिया जलालैन सफा नं. 269)

सवाल 547 : वह कौन सी ख़ातून हैं जिन्होंने हज़रत मूसा अलैहिस्सलाम की परवरिश की?

जवाब 547 : हज़रत आसिया रज़ि यल्लाहु अन्हा जो फिरऔ़न की बीवी थीं।

सवाल 548 : हज़रत आसिया रज़ि यल्लाहु अन्हा जिस फिरऔ़न की बीवी थीं उसका नाम बताइए?

जवाब 549 : रअ़मीस।

सवाल 549 : हज़रत मूसा अलैहिस्सलाम के भाइ का नाम बताइए जो नबी थे ?

जवाब 549 : हज़रत हारुन अलैहिस्सलाम।

सवाल 550 : हज़रत मूसा अलैहिस्सलाम की ज़ौजए मोहतर्मा का नाम बताइए?

जवाब 550 : हज़रत सफूरा-अ-और बअ़ज़ ने सफूरह बताया है और एक क़ौल है सफूरिया। (हाशिया जलालैन 261)

सवाल 551 : हज़रत मूसा अलैहिस्सलाम की बहेन का नाम बताइए?

जवाब 551 : कुल्सूम और बअ़ज़ ने मरियम बताया है।

सवाल 552 : हज़रत मूसा अलैहिस्सलाम के ससुर का नाम बताइए?

जवाब 552 : हज़रत शुअैब अलैहिस्सलाम।

सवाल 553 : हज़रत आसिया रज़ि यल्लाहु अन्हा के वालिद का नाम बताइए?

जवाब 553 : मुज़ाहिम।

सवाल 554 : हज़रत मूसा अलैहिस्सलाम अपने ससुर की बकरियाँ कितने दिनों तक चराते रहे?

जवाब 554 : दस साल तक। (तफसीरे आज़ज़ी सूरेह बक़रह सफा नं. 203)

सवाल 555 : वह कौन से नबी हैं जिन्हें उनकी वालिदह ने सन्दूक़ में रख कर दरया में डाल दिया था?

जवाब 555 : हज़रत मूसा अलैहिस्सलाम।

सवाल 556 : हज़रत मूसा अलैहिस्सलाम के ज़माने के फ़िरऔने मिस्र का नाम क्या था?

जवाब 556 : वलीद बिन मुस्अ़ब बिन रय्यान। यही वह फ़िरऔन है जिस को आपने हलाक किया। (नुज़्हतुलकारी अव्वल स. 416)

सवाल 557 : वह कौन सी ख़ातून हैं जिन्हें अपने ही बच्चे को दूध पिलाने के लिए एक अशरफी रोज़ाना मिलती थी?

जवाब 557 : हज़रत मूसा अलैहिस्सलाम की वालिदह।

सवाल 558 : हज़रत मूसा अलैहिस्सलाम कितने दिन तक फ़िरऔन का लिबास पहेनते रहे और उसकी सवारी पर सवार होते रहे और उसके फरज़न्द भी मशहूर रहे?

जवाब 558 : तीस साल तक। (तफ़सीरे अज़ीज़ी सूरेह बक़रह सफा नं. 203)

सवाल 559 : हज़रत मूसा अलैहिस्सलाम के क़िब्ला का नाम बताइए?

जवाब 559 : क़अ़बा मुअज़्ज़मा।

सवाल 560 : फ़िरऔनियों में से हज़रत मूसा अलैहिस्सलाम पर सबसे पहले कौन ईमान लाया ?

जवाब 560 : ख़रबील नामी एक शख़्स।

(अल्कामिल फ़िल्तारीख़ ज. 1 सफा नं. 175)

सवाल 561 : हज़रत मूसा अलैहिस्सलाम का नाम मूसा किसने रख्खा?

जवाब 561 : हज़रत आसिया रज़ि यल्लाह अनहा ने। (तफ़सीरे ख़ाज़िन)

सवाल 562 : फ़िरऔन के ख़ौफ़ से हज़रत मूसा अलैहिस्सलाम की वालिदह ने कौन से दरया में किस दिन आपको डाला?

जवाब 562 : जुमा के दिन दरिया-ए-कुल्ज़ुम में।

(हयातुल्हैवान ज. 2 सफा नं. 26)

सवाल 563 : हज़रत मूसा अलैहिस्सलाम की बारगाह में हज़रत जिब्राईल अलैहिस्सलाम कितनी मरतबा हाज़िर हुए

जवाब 563 : चार सौ मर्तबा।

सवाल 564 : वह कौन से पैग़म्बर हैं जिन की दुआ से नहरों, च मों

और दरयाओं का पानी ख़ून बन गया था?

जवाब 564 : हज़रत मूसा अलैहिस्सलाम।

सवाल 565 : किस नबी के पत्थर पर असा मारने से 12 चश्में जारी हो गए थे

जवाब 565 : हज़रत मूसा अलैहिस्सलाम।

सवाल 566 : वह कौन से नबी हैं जिनकी दुआ से उनके भाई को ताजे नबूव्वत अता हुवा?

जवाब 566 : हज़रत मूसा अलैहिस्सलाम की दुआ से हज़रत हारुन अलैहिस्सलाम को।

सवाल 567 : हज़रत मूसा अलैहिस्सलाम ने फ़िरऔ़नी जादूगरों का मक़ाबला किससे किया था?

जवाब 567 : अपने असा से।

सवाल 568 : वह कौन से नबी हैं जिन्हें शरहे सुदूर जैसी नेमते उज़मा तलब व आरज़ू के बाद अता हुई ?

जवाब 568 : हज़रत मूसा अलैहिस्सलाम।

सवाल 569 : फिरऔन की बीवी हज़रत आसिया रज़ि यल्लाहु अन्हा किस क़बीला से तअल्लुक़ रखती थीं ?

जवाब 569 : क़बील-ए-लख़म या नबात।

सवाल 570 : हज़रत हारुन अलैहिस्सलाम हज़रत मूसा अलैहिस्सलाम से कितने साल बड़े थे?

जवाब 570 : चार साल। (हाशिया जलालैन सफा नं. 41)

सवाल 571 : यदे बैज़ा का मोजिज़ह किस नबी को अता हुआ?

जवाब 571 : हज़रत मूसा अलैहिस्सलाम को।

सवाल 572 : मिस्र के जादूगरों ने हज़रत मूसा अलैहिस्सलाम से शिकस्त (हार) खाने के बाद क्या किया?

जवाब 572 : वह सब सजदे में चले गए और कहा हमने मूसा व हारून अलैहुमस्सलाम के रब को मान लिया।

सवाल 573 : वह कौन से नबी हैं जो हाथ बगल से निकालते तो सूरज की तरह चमकता था?

जवाब 573 : हज़रत मूसा अलैहिस्सलाम।

सवाल 574 : हज़रत मूसा अलैहिस्सलाम की क़ौम को क्या कहते हैं?
जवाब 574 : हज़रत मूसा अलैहिस्सलाम की कौम को यहूदी कहते हैं।
सवाल 575 : हज़रत मूसा अलैहिस्सलाम पर नाज़िल होने वाली किताब का नाम बताइए?
जवाब 575 : हज़रत मूसा अलैहिस्सलाम पर नाज़िल होने वाली किताब का नाम तौरेत है।
सवाल 576 : हज़रत मूसा अलैहिस्सलाम को तौरेत किताब कहां मिली?
जवाब 576 : कोहे तूर पर।
सवाल 577 : असाए (लाठी) मूसा अलैहिस्सलाम कहां की लक़ड़ी थी?
जवाब 577 : जन्नत की, हज़रत आदम अलैहिस्सलाम लाए थे जो पुश्त ब पुश्त ख़ान्दानों में आती रही। (रुहुल्मआनी सफा नं. 174)
सवाल 578 : हज़रत मूसा अलैहिस्सलाम को अ़सा कहां से दस्तियाब हुआ?
जवाब 578 : हज़रत शुअ़ैब अलैहिस्सलाम ने बकरियां चराने के लिए अता फ़रमाया था।
सवाल 579 : किस नबी का असा था जो जादूगरों के मुक़ाबले में अज़्दहा बन गया था?
जवाब 579 : हज़रत मूसा अलैहिस्सलाम का।
सवाल 580 : हज़रत मूसा अलैहिस्सलाम के असा का अज़दहा बनने का मोजिज़ह किस इज्तिमा में हुआ था?
जवाब 580 : अस्कन्दरिया के इजतिमा में।
सवाल 581 : हज़रत मूसा अलैहिस्सलाम का अ़सा किस लकड़ी का था?
जवाब 581 : जन्नत के, दरख़्त पीलू या रैहान का। (रुहुल्मआनी सफह 174)
सवाल 582 : वह कौन सी लकड़ी थी जो सफर में अपने साहिब से बात करती थी और प्यास लगने पर पानी और भूक लगने पर फल फराहम करती (देती) थी?
जवाब 582 : हज़रत मूसा अलैहिस्सलाम का असा।
सवाल 583 : हज़रत मूसा अलैहिस्सलाम के अ़सा का नाम बताइए?
जवाब 583 : नबअ़ह। (इब्ने कसीर)
सवाल 584 : हज़रत मूसा अलैहिस्सलाम व ख़िज़्र अलैहिस्सलाम की मुलाकात किस जगह हुई।

जवाब 584 : मजमउ ल्बहरैन में।

सवाल 585 : एक दरया के संगम पर हज़रत मूसा अलैहिस्सलाम की मुलाक़ात किस बरगुज़ीदह शख़सियत से हुई ?

जवाब 585 : हज़रत ख़िज़्र अलैहिस्सलाम से।

सवाल 586 : हज़रत मूसा अलैहिस्सलाम की कुल उम्र कितने साल की हुई?

जवाब 586 : एक सो बीस 120 साल की।

(हाशिया जलालैन स. 138 प. 9)

जब्कि नुज़्हतुलक़ारी अव्वल सफह 416 पर 160 साल बताया गया है)।

सवाल 587 : हज़रत मूसा अलैहिस्सलाम का विसाल कहां हुआ?

जवाब 587 : मैदाने तीह में। (नुज़हतुलक़ारी अव्वल सफा 416) वहीं मज़ारे पाक है। (उमदतुलक़ारी चहारुम 166)

सवाल 588 : हज़रत मूसा अलैहिस्सलाम का क़द कितना लम्बा था?

जवाब 588 : 13 हाथ।

सवाल 589 : वह कौन से नबी हैं जो पत्थर पर लाठी मार कर पानी निकाला करते थे?

जवाब 589 : हज़रत मूसा अलैहिस्सलाम।

सवाल 590 : हज़रत मूसा अलैहिस्सलाम का विसाल (वफात) तूफाने नूह के कितने साल बाद हुवा ?

जवाब 590 : 1620 साल के बाद। (नुज़हतुलकारी अव्वल सफा 416)

सवाल 591 : फिरऔने मिस्र वलीद बिन मुसअब बिन रैयान ने कितने साल की उम्र पायी?

जवाब 591 : चार सौ साल की। (नुज़हतुलकारी अव्वल सफह 416)

सवाल 592 : सब से पहले किस नबी की शरीअत में जिहाद का हुक्म हुआ ?

जवाब 592 : हज़रत मूसा अलैहिस्सलाम की शरीअत में।

सवाल 593 : हज़रत मूसा अलैहिस्सलाम का लक़ब क्या था?

जवाब 593 : कलीमुल्लाह।

सवाल 594 : वह कौन से नबी हैं जिन्हों ने जलव-ए-रब्बी देखने की

ख्वहिश की थी?

जवाब 594 : हज़रत मूसा अलैहिस्सलाम।

सवाल 595 : हज़रत मूसा अलैहिस्सलाम ने अपने परवरदिगार का जलवा कहां देखा था?

जवाब 595 : कोहेतूर पर। नवीं ज़िलहिज्जा को जुमेरात के दिन।

(सावी जिल्द दोम सफा 84)

सवाल 596 : हज़रत मूसा अलैहिस्सलाम ने अपने रब का जल्वा किस वक़्त देखा था ।

जवाब 596 : चा त के वक्त।

सवाल 597 : जल्व-ए-रब्बी देख कर बेहो । हो जाने वाले पैग़म्बर का नाम बताइए?

जवाब 597 : हज़रत मूसा अलैहिस्सलाम।

सवाल 598 : दुनिया में सब से पहले चिल्ला किस ने किया?

जवाब 598 : हज़रत मूसा अलैहिस्सलाम ने।

सवाल 599 : कोहे तूर जिस जगह वाक़े है उस का नाम बताइए?

जवाब 599 : सीना।

सवाल 600 : हज़रत मूसा अलैहिस्सलाम का मज़ारे मुक़द्दसह बैतुल मुक़द्दस से कितनी दूरी पर वाक़े है ?

जवाब 600 : पाँच कोस के फासिले पर।

सवाल 601 : हज़रत यूशअ बिन नून अलैहिस्सलाम किस की औलाद से थे?

जवाब 601 : हज़रते यूसुफ़ अलैहिस्सलाम के।

(नुज़्हतुलक़ारी अव्वल सफा 417)

सवाल 602 : हज़रत यूशा बिन नून अलैहिस्सलाम को कब नबुव्वत मिली?

जवाब 602 : हज़रत मूसा अलैहिस्सलाम के विसाल के 40 साल बाद

(नुज़्हतुलकारी अव्वल सफा 417)

सवाल 603 : क्या सारे जादूगर मोजिज़ा देख कर ईमान ले आए थे?

जवाब 603 : जी हां सब के सब ईमान ले आए थे।

सवाल 604 : हज़रत मूसा अलैहिस्सलाम के असा के मोजिज़ा को देखकर साहिरों (जादूगरों) के साथ कितने अफराद

(लोग) ईमान लाए?

जवाब 604 : छे लाख अफराद। जादुगरों की तअ़दाद 80 हजा़र थी।

सवाल 605 : हज़रत मूसा अलैहिस्सलाम के जानशीन का इस्मेगरामी बताइए?

जवाब 605 : हज़रत यूशअ़ बिन नून अलैहिस्सलाम ख़ादिमे ख़ास और सहाबी व तिल्मीज़ थे। (नुज़हतुल्क़ारी अव्वल सफा 417)

सवाल 606 : मूसा का लफ्जी माना बताइऐ?

जवाब 606 : यह इबरानी लफ्ज है जिस के माना हैं नेजात देने वाला।

सवाल 607 : हज़रत मूसा अलैहिस्सलाम का तअल्लुक़ किस ख़ान्दान और नस्ल से था?

जवाब 607 : आप का नसब चंद वासतों से हज़रते इसहाक़ अलैहि० तक पहुँचता है।

सवाल 608 : हज़रत मूसा अलैहिस्सलाम का ज़माना कौन सा था ?

जवाब 608 : तकरीबन 1272 क़ब्ल अज़ मसीह़।

सवाल 609 : आशूरा का रोज़ा सब से पहले किस पैग़म्बर ने रखा?

जवाब 609 : हज़रते मूसा अलैहिस्सलाम ने।

सवाल 610 : फिरऔन के शाही महलों में पलने वाले मूसा अलैहिस्सलाम मदयन पहुँच कर क्या करते थे?

जवाब 610 : एक बुजु़र्ग हज़रत शुअ़ैब अलैहिस्सलाम की मुलाज़िमत करते हुए जानवरों की चरवाही करते थे।

सवाल 611 : हज़रत मूसा अलैहिस्सलाम को अल्लाह तआला ने किस किस के पास पैग़ामे ह़क और बनी इसराईल की आज़ादी के लिए भेजा था?

जवाब 610 : फिरऔ़न, हामान और क़ारून की तरफ।

सवाल 612 : हज़रत मूसा अलैहिस्सलाम की वालिदह ने जिस बढ़ही से अपना संदूक बनवाया था उस बढ़ही का नाम बताइए?

जवाब 612 : सालूम।

सवाल 613 : हज़रत मूसा अलैहिस्सलाम की सरबराही में मिस्र से निकल कर फिलिसतीन जाने वाले इसराईलियों की तअ़दाद बताइए?

जवाब 613 : छे लाख।

सवाल 614 : समंदर में से गुज़र कर दूसरे किनारे तक पहुंचने वाले नबी का नाम बताइए?

जवाब 614 : हज़रत मूसा अलैहिस्सलाम।

सवाल 615 : बैतुल मुकद्दस के महाज़ (मुक़ाबला) पर किस नबी के लिए सूरज वापस हुआ था?

जवाब 615 : हज़रत यूशअ़ बिन नून अलैहिस्सलाम के लिए आप का विसाल 616 साल की उम्र मे हुआ, जबले इब्राहीम में दफ्न हुए। (नुज़्हतुल कारी अवल स. 417)

बनी इसराईल

सवाल 616 : हज़रत मूसा अलैहिस्सलाम के अहेद में मशहूर जादुगर कौन था?

जवाब 616 : सामेरी।

सवाल 617 : सामेरी का अस्ल नाम बताइये?

जवाब 617 : मूसा बिन ज़फर। (सावी स. 62)

सवाल 618 : सामेरी की परवरिश किस ने की?

जवाब 618 : हज़रत जिबराईल अलैहिस्सलाम ने।

सवाल 619 : हज़रत मूसा अलैहिस्सलाम के कोहे तूर पर जाने के बाद बनी इसराईल ने कौन सा जुर्म किया था?

जवाब 619 : एक बछड़े की इबादत करने का जुर्म। बछड़े से बैल की सी आवाज़ आती थी।

सवाल 620 : बछड़े की इबादत करने वालों की तोबह करने की क्या सूरत रख्खी गयी थी?

जवाब 620 : बछड़े की इबादत न करने वालों ने इबादत करने वालों का सर क़लम किया।

सवाल 621 : बछड़े की इबादत करने वालो में कितने लोग कत्ल किए गए?

जवाब 621 : सत्तर हजार 70,000।

सवाल 622 : गऊ साला की उज़्र ख़्वाही के लिए हज़रत मूसा अलैहि०

कितने लोगों को कोहे तूर पर ले गए?

जवाब 622 : सत्तर (70) अदमियों को।

सवाल 623 : बहरे कुल्जुम में ग़र्क होने वाले फिरऔन का नाम बताइऐ?

जवाब 623 : मिनफताह ।

सवाल 624 : मन् व सलवा किस दिन नाज़िल नही होता था?

जवाब 624 : शंबह के दिन जो बनी इसराईल के लिए ख़ास इबादत का दिन था। (ख़ाज़िन ज. अव्वल सफा 60)

सवाल 625 : फिरऔन अपने महेल में क्यों हलाक न हो सका?

जवाब 625 : उस ने अपने महेल के दरवाज़ह पर बिसमिल्लाह लिख रखा था जिस की वजह से महफूज़ रहा।

सवाल 626 : वह कौन सी जगह है जहां सूरज की किरन सिर्फ एक बार पड़ी?

जवाब 626 : बहरेकुलजुम की वह जगह है जो गुज़रगाहे मूसा बनी थी और जहां हज़रत मूसा अलैहिस्सलाम ने पत्थर पर लाठी मार कर बारह चशमें निकाले थे। (हयातुल हैवान)

सवाल 627 : बनी इसराईल ने एक साअत में कितने नबियों का क़त्ल क्या था?

जवाब 627 : 45 नबियों का और शाम में 12 आबिदों को शहीद किया था।

सवाल 628 : फिरऔनियों पर हज़रत मूसा अलैहि० की नाफरमानी की सज़ा में कौन कौन सी बलाऐं नाज़िल हुई थीं?

जवाब 628 : तूफान,टिड्डियां,सरसरयां,मेंडक और ख़ून की बारिश और ख़ूराक की कमी मुख़्तलिफ अवकात में अलग अलग नाज़िल की गयीं जिस की मीआद एक हफता होती थी?

सवाल 629 : क़ौमे बनी इसराईल कितने साल तक फिरऔन की गुलामी में रही?

जवाब 629 : चार सो साल (400) तक।

सवाल 630 : मन व सलवा किस क़ौम पर नाज़िल हुवा?

जवाब 630 : बनी इसराईल पर।

सवाल 631 : मन व सलवा को ठुकराकर बनी इसराईल ने क्या तलब किया था?

जवाब 631 : ज़मीन की पैदावार, साग, तरकारी गेंहु, लहसुन, पियाज, दाल वगैरह।

सवाल 632 : सब से ज़्यादह नबी व रसूल किस क़ौम में मबऊस किए गए?

जवाब 632 : बनी इसराईल में।

सवाल 633 : बनी इसराईल की बदआमली की वजह से ताबूते सकीना को छीन लिया गया।(नजिस और गंदे मक़ामात पर रख्खा था।) वह कौन लोग थे?

जवाब 633 : क़ौमे अेमालिक़ा के लोग। (ख़ज़ाइनुलइरफान सफह 504)

सवाल 634 : बनी इसराईल ने बछड़े की इबादत कितने दिनों तक की थी?

जवाब 634 : चालीस (40) दिन तक। (हयातुल हैवान ज. दुवम सफा 17)

सवाल 635 : हज़रत यूसुफ अलैहिस्सलाम के ताबूत की निशान देही करने वाली ख़ातून का नाम बताइए?

जवाब 635 : मरयम बिन्ते मूसा सात सो साल तक ज़िंदा रही।

(हाशिया जालालैन सफह 382)

सवाल 636 : बनी इसराईल के ख़ानदानों की तअ़दाद बताइए?

जवाब 636 : बारह 12।

सवाल 637 : सब से ज़्यादा नाफरमान क़ौम कुरआन मजीद में किस को बताया गया है?

जवाब 637 : बनी इसराईल को।

सवाल 638 : फिरऔन के बाप का नाम बताइए?

जवाब 638 : मुसअब बिन वलीद बिन ज़ियाद या मुसअब बिन रय्यान।

सवाल 639 : हज़रत मूसा अलैहिस्सलाम के अहेद में गाय ज़बह करने के बाद उस के जिसके टुकड़े से मुर्दे को छू करके दोबारा जिंदा करके क़ातिल का नाम मालूम किया गया, क्या आप क़ातिल का नाम बता सकते हैं ?

जवाब 639 : आ़मील नामी एक मालदार शख़्स था।

(ख़ाज़िन ज. अव्वल सफह 60)

सवाल 640 : हज़रत मूसा अलैहिस्सलाम के बाद बनी इसराईल पर कौन सा बादशाह मुक़र्रर हुवा

जवाब 640 : जालूत।

सवाल 641 : किस नबी को क़ौम ने कहा कि तुम और तुम्हारा परवर दिगार लड़ो हम यहीं से देखते हैं?

जवाब 641 : हज़रत मूसा अलैहिस्सलाम की क़ौम ने।

सवाल 642 : हज़रत मूसा अलैहिस्सलाम के चचाज़ाद भाई का नाम बताओ जिस ने खुदाई का दावा किया था?

जवाब 642 : क़ारून।

सवाल 643 : क़ारून ने इलमे कीमियां किस से सीखा था?

जवाब 643 : हज़रत मूसा अलैहिस्सलाम से।

सवाल 644 : रांगे,चांदी और ताँबे को सोना बनाने का फन किस बादशाह को हासिल था?

जवाब 644 : क़ारून को।

सवाल 645 : क़ारून ज़मीन में क्यों धंसा दिया गया?

जवाब 645 : ज़कात देने से इनकार करने की वजह से।

सवाल 646 : क़ारून पर किस क़दर ज़कात वाजिब हुवा था?

जवाब 646 : हज़ारवाँ हिस्सा।

सवाल 647 : बनी इसराईल ने जिस गाय को ज़बह करके मक़्तूल को जिंदा किया था उस गाय का नाम बताइए?

जवाब 647 : हुज़ैहब्बह। (तफसीरे ख़ाज़िन अव्वल सफा 60, हाशिया जलालैन सफा 11)

सवाल 648 : क़ारून किस की दुआ से ख़ज़ाना समेत ज़मीन में धंसा दिया गया?

जवाब 648 : हज़रत मूसा अलैहिस्सलाम की बद दुआ से।

सवाल 649 : बहरे कुल्जुम में फ़िरऔनियों के ग़रक़ाब की तारीख़ बताइए?

जवाब 649 : दसवीं मोहर्रमुलहराम।

सवाल 650 : किस क़ौम के लोग बरहना गुस्ल करते थे?

जवाब 650 : बनी इसराईल के लोग।

सवाल 651 : सफर में किस क़ौम के कपड़े पुराने नहीं होते थे?

जवाब 651 : बनी इसराईल के।

सवाल 652 : किस क़ौम के मुसाफिरों के बच्चे लिबास के साथ पैदा होते थे और क़द के हिसाब से लिबास भी बढ़ा करता था?

जवाब 652 : बनी इसराईल के।

सवाल 653 : बनी इसराईल पर मन् व सल्वा किस मक़ाम पर नाज़िल होता था?

जवाब 653 : मक़ामे क़ादिस पर।

सवाल 654 : बनी इसराईल मैदाने तीह में कितने साल तक भटकते रहे?

जवाब 654 : मुसलसल चालीस साल तक।

सवाल 655 : उस क़ौम का नाम बताइए जिस ने गाय ज़बह करने के हुक्म में हील व हुज्जत (बहानाबाज़ी) से काम लिया था?

जवाब 655 : बनी इसराईल।

सवाल 656 : उस क़ौम का नाम बताइए जो इस ग़लत फहमी में मुबतिला थी कि दोज़ख़ की आग उसे ना छुऐगी?

जवाब 656 : बनी इसराईल।

सवाल 657 : शाहाने मिस्र का लकब क्या होता था?

जवाब 657 : फिरऔन।

सवाल 658 : बनी इसराईल को मसाइब में मुबतिला करने वाले फिरऔन का नाम बताइए?

जवाब 658 : रअ़मीसे दोम।

सवाल 659 : क्या आप बता सकते हैं कि मिस्र के अजाइब घर में किस फ़िरऔन की लाश रखी है?

जवाब 659 : फ़िरऔन मिनफताह की।

सवाल 660 : बनी इसराईल में से जिन लोगों ने सनीचर के दिन की मछलियाँ न पकड़ने की पाबंदी तोड़ी थी उन की क्या हालत हुई?

जवाब 660 : सूरतें मस्ख़ हो गयीं चेहरे बंदरों जैसे होगये ।

सवाल 661 : फ़िरऔन के पास जब हज़रत मूसा अलैहिस्सलाम दावते हक़ ले गए तो उन के साथ कौन थे?

जवाब 661 : आप के भाई हज़रत हारून अलैहिस्सलाम ।

सवाल 662 : हज़रत मूसा अलैहिस्सलाम और उन की क़ौम के तअक्कुब (पीछा) में जब फिरऔन समंदर में डूबने लगा तो क्या अर्ज़ किया?

जवाब 662 : मैं ने मान लिया कि खुदावंदे हक़ीक़ी के सिवा कोई नहीं है जिस पर बनी इसराईल ईमान लाए।

सवाल 663 : बनी इसराईल पर ख़ूराक का काम देने के लिए मन व सलवा का इनतिज़ाम किया गया था क्या आप बता सकते हैं कि मन व सलवा क्या था?

जवाब 663 : मन बारीक दानों की तरह सफेद और मीठी चीज़ और सलवा बटेर की तरह जानवर जो बकस्रत जमा हो जाते थे ख़ेमों में।

सवाल 664 : बनी इसराईल के नौमौलूद लड़कों को मरवाने और लड़कियों को जिंदा छोड़ देने का हुक्म किस फ़िरऔन ने दिया था और क्यों दिया था?

जवाब 664 : रअमीसे दोम ने दिया था उसे नुजूमियों ने बताया था कि एक इसराईली लड़के की वजह से तेरी सलतनत को ज़वाल आ जाएगा।

सवाल 665 : फिरऔन के सरदारों ने हज़रत मूसा अलैहिस्सलाम को जादूगर क्यों कहा था?

जवाब 665 : दो मोजिज़े देख कर (1) असा का अज़्दहा बन जाना (2) हाथ का बग़ल से चमकते हुए निकलना।

सवाल 666 : क़ुरआन मजीद के मुताबिक़ फ़िरऔन का किरदार क़यामत के दिन क्या होगा?

जवाब 666 : सूरेह हूद की आयत नबर 18 के मुताबिक़ वो क़यामत के रोज़ अपनी क़ौम को अपनी रहनुमाई में दोज़ख़ की तरफ ले जाएगा।

सवाल 667 : बताइए इसराईली सेठ क़ारून अपनी क़ौम से बाग़ी होकर किस से मिल गया था?

जवाब 667 : फिरऔनियों से मिल गया था यह मिस्र में बड़े असर व रुसूख़ और दौलत वाला था?

सवाल 668 : कुर्आन मजीद में सब से पहले किस कौम का ज़िक्र आया है?

जवाब 668 : बनी इसराईल का।

हजरत सय्यदुना हारून अलैहिस्सलाम

सवाल 669 : कुर्आन मजीद में हज़रत हारून अलैहिस्सलाम का इस्मे गिरामी कितनी दफा आया है?

जवाब 669 : उन्नीस (19) बार।

सवाल 670 : हज़रत हारून अलैहिस्सलाम के वालिद का नाम क्या था?

जवाब 670 : इमरान।

सवाल 671 : हज़रत हारून अलैहिस्सलाम की वालिदह का नाम बताइये?

जवाब 671 : यूकाहद या यूहान्ज़

सवाल 672 : हज़रत हारून अलैहिस्सलाम का हज़रत मूसा अलैहि० से रिश्ता क्या था?

जवाब 672 : मूसा अलैहिस्सलाम के भाई थे।

सवाल 673 : हज़रत मूसा अलैहिस्सलाम ने हज़रत हारून अलैहिस्सलाम को कहाँ की रियासत तफवीज़ फरमायी दी थी?

जवाब 673 : मज़बह की।

सवाल 674 : हज़रत हारून अलैहिस्सलाम की क़ब्र कहाँ वाक़े है?

जवाब 674 : जबले उहद पर। मगर ज़ियारत बहुत दुश्वार है या जज़ीरा नुमा-ए-सीना के पहाड़े हौर पर ।

सवाल 675 : बताइए नुबुव्वत के काम में हज़रत मूसा अलैहिस्सलाम के साथी और मदद गार कौन थे?

जवाब 675 : आप के भाई हज़रत हारून अलैहिस्सलाम।

सवाल 676 : बताइए बैतुल मुक़द्दस यरोशलम में खुश्बू और पाक तरीन चीज़ों की तक़दीस का काम कौनसा ख़ान्दान करता था?

जवाब 676 : हज़रत हारून अलैहिस्सलाम का ख़ान्दान।

सवाल 677 : हज़रत हारून अलैहिस्सलाम की कुल उम्र कितने साल की हुई?

जवाब 677 : एक सो चौबीस (124) साल की। (तफसीरे जुमल सुवम सफा 67)

हज़रत सय्यदुना दाऊद अलैहिस्सलाम

सवाल 678 : हज़रत दाऊद अलैहिस्सलाम का इस्मे गिरामी कुरआन मजीद में कितनी बार आया है?

जवाब 678 : सोलह (16) बार।

सवाल 679 : हज़रत दाऊद अलैहिस्सलाम पहली बार कब मंजरे आम पर आए?

जवाब 679 : जब एक लड़ाई में तालूत के लशकर में शामिल हो कर जालूत को क़त्ल किया था।

सवाल 680 : हज़रत दाऊद अलैहिस्सलाम का ज़माना कौन सा था?

जवाब 680 : 1004 क़ब्ल अज मसीह़ 1065 क़ब्ल अज़ मसीह़ तक।

सवाल 681 : हज़रत दाऊद अलैहिस्सलाम के वालिद का नाम बताइए?

जवाब 681 : अलीशा। (ख़ज़ाइनुल इरफ़ान अलबकरह सफह 509)

सवाल 682 : हज़रत दाऊद अलैहिस्सलाम कहां के रहने वाले थे?

जवाब 682 : बैतुल लहम (इसराईल) के।

सवाल 683 : बांसुरी और बरबत बजाने में कौन से नबी माहिर थे?

जवाब 683 : हज़रत दाऊद अलैहिस्सलाम।

सवाल 684 : हज़रत दाऊद अलैहिस्सलाम ने किस बादशाह के जुल्म से तंग आ कर हिज़रत की थी?

जवाब 684 : समाइल के जुल्म से।

सवाल 685 : हज़रत दाऊद अलैहिस्सलाम पर नाज़िल होने वाली किताब का नाम बताइए?

जवाब 685 : हज़रत दाऊद अलैहिस्सलाम पर नाज़िल होने वाली किताब का नाम ज़बुर है।

सवाल 686 : हज़रत दाऊद अलैहिस्सलाम की बीवियों की तादाद बताइए?

जवाब 686 : सौ 100, बअ़ज ने एक हज़ार बताया है।

सवाल 687 : हज़रत दाऊद अलैहिस्सलाम की कुल उम्र कितने साल की हुई और आपने कितने साल हुकूमत की?

जवाब 687 : कुल उम्र सौ साल की हुई और हुकुमत 40 साल तक की। (अलकामिल ज. अव्वल सफह 228, अलबदाया

वन्निहाया ज. दोम सफ़ह 16)

सवाल 688 : एक ऐसे नबी गुज़रे है जिन के साथ पहाड़ चला करते थे क्या आप उन का नाम बता सकते हैं?

जवाब 688 : हज़रत दाऊद अलैहिस्सलाम।

सवाल 689 : हज़रत दाऊद अलैहिस्सलाम के मेहराब के पहरेदारों की तादाद कितनी थी?

जवाब 689 : छत्तीस 36।

सवाल 690 : जालूत को किस ने क़त्ल किया था?

जवाब 690 : हज़रत दाऊद अलैहिस्सलाम ने।

सवाल 691 : ज़िरह बनाने का पेशह किस पैग़म्बर का था?

जवाब 691 : हज़रत दाऊद अलैहिस्सलाम का।

(तफसीरे अज़ीज़ी सूरेह बक़रह स. 170)

सवाल 692 : हज़रत दाऊद अलैहिस्सलाम के साहिब-ज़ादगान की तअ़दाद क्या थी?

जवाब 692 : उन्निस (19)। (अलकामिल फित्तारीख़ अव्वल सफह 228)

सवाल 693 : किस नबी के हाथ में लोहा नर्म हो जाता था?

जवाब 693 : हज़रत दाऊद अलैहिस्सलाम के हाथ में।

सवाल 694 : बाशिंदगाने ईला के सनीचर के दिन शिकार करने पर किस ने बद दुआ कि?

जवाब 694 : हज़रत दाऊद अलैहिस्सलाम ने।

सवाल 695 : बाशिंदगाने ईला पर हज़रत दाऊद अलैहिस्सलाम की बद दुआ का क्या असर हुआ ?

जवाब 695 : बंदर और खिंज़ीर की शक्ल में मस्ख़ कर दिए गए।

सवाल 696 : हज़रत दाऊद अलैहिस्सलाम ने बैतुल मुकद्दस की बुन्याद किस जगह डाली थी ?

जवाब 696 : जहां हज़रत मूसा अलैहिस्सलाम ने अपना ख़ेमह नसब फरमाया था।

सवाल 697 : हज़रत दाऊद अलैहिस्सलाम ज़बूर की तिलावत कितनी आवाज़ों में करते थे?

जवाब 697 : सत्तर (70) आवाज़ों में। (अलबदाया ज. दोम सफह 16)

सवाल 698 : वह पैग़म्बर कौन से हैं जो एक दिन रोज़ा रखते और एक दिन इफ़्तार करते थे ?

जवाब 698 : हज़रत दाऊद अलैहिस्सलाम।

सवाल 699 : बारगाहे इलाही में मीज़ान देखने की दरख़्वास्त किस नबी ने की ?

जवाब 699 : हज़रत दाऊद अलैहिस्सलाम ने।

सवाल 700 : हज़रत दाऊद अलैहिस्सलाम की तौबह को कुर्आन मजीद ने किन कलिमात से तअबीर फरमाया?

जवाब 700 : फ़ग़फ़रना लहू ज़ालिका व इन्ना लहू इन्दना लज़ुल्फा।

सवाल 701 : हज़रत दाऊद अलैहिस्सलाम का पेशा क्या था ?

जवाब 701 : लोहारी (ज़िरह साज़ी)

सवाल 702 : परिन्दे और पहाड़ किस नबी के साथ तस्बीह पढ़ा करते थे?

जवाब 702 : हज़रत दाऊद अलैहिस्सलाम के साथ।

सवाल 703 : हज़रत दाऊद अलैहिस्सलाम का मज़ार जहाँ वाके है वह जगह किस नाम से मशहूर है?

जवाब 703 : बालाए कोहे तूर के नाम से।

सवाल 704 : हज़रत दाऊद अलैहिस्सलाम के ससुर का नाम बताइए जिन्होंने अपनी बेटी का निकाह भी कर दिया और सल्तनत भी अता कर दी?

जवाब 704 : तालूत।

सवाल 705 : वह कौन से नबी हैं जिन के जनाज़ह के साथ चालीस हज़ार उलमाए राहिबीन शरीक थे ?

जवाब 705 : हज़रत दाऊद अलैहिस्सलाम। (अलबदाया ज. दोम स. 17)

सवाल 706 : बताइए हज़रत दाऊद अलैहिस्सलाम के वारिस कौन हुए?

जवाब 706 : आप के नामवर फरज़ंद हज़रत सुलेमान अलैहिस्सलाम।

सवाल 707 : अल्लाह तआला ने हज़रत आदम अलैहिस्सलाम के बाद किस को अपना ख़लीफ़ह कहकर याद फरमाया?

जवाब 707 : हज़रत दाऊद अलैहिस्सलाम को।

सवाल 708 : वह कौन से पैग़म्बर हैं जो 40 रोज़ तक इस क़दर गिर्या व ज़ारी से मअज़ेरत ख़्वाह रहे कि आँसुओं की नमी से

घास उग गई?

जवाब 708 : हज़रत दाऊद अलैहिस्सलाम।

हज़रत सय्यदुना सुलेमान अलैहिस्सलाम

सवाल 709 : क्या आप बता सकते हैं कि हजरत सुलेमान अलैहिस्सलाम का इस्मे गिरामी कुर्आन मजीद में कितनी बार आया है?

जवाब 709 : सत्तरह (17) बार।

सवाल 710 : हज़रत सुलेमान अलैहिस्सलाम के वालिदे मुकर्रम का इस्मे गिरामी बताइए?

जवाब 710 : हज़रत दाऊद अलैहिस्सलाम।

सवाल 711 : हज़रत सुलेमान अलैहिस्सलाम की वालिदह मुहतरमा का नाम बताइए?

जवब 711 : बत्शना बिंते हुन्ना और बअ़ज ने ओरिया बताया है।

(अलबदाया ज. अव्वल स. 15)

सवाल 712 : वह कौन से नबी हैं जो परिन्दों की बोलियाँ जानते थे?

जवाब 712 : हज़रत सुलेमान अलैहिस्सलाम।

सवाल 713 : हज़रत सुलेमान अलैहिस्सलाम कितनी उम्र में बाद ाह हुए?

जवाब 713 : तेरह (13) साल की उम्र में।

(अल्कामिल फित्तारीख़ ज. अव्व्ल स. 229)

सवाल 714 : जिन्नों और परिन्द। पर हुकूमत करने वाले पैग़म्बर का इसमे ग्रामी (नाम) बताइए?

जवाब 714 : हज़रत सुलेमान अलैहिस्सलाम।

सवाल 715 : मलक-ए-बिलक़ीस को तख़्त समेत कौन लाया था?

जवाब 715 : वज़ीर आसिफ बिन बरख़िया। (ये किताब का इल्म रखते थे)

सवाल 716 : हवा किस पैग़म्बर के ज़ेरे फर्मान थी?

जवाब 716 : हज़रत सुलेमान अलैहिस्सलाम के।

(कुर्आने मुक़द्दस सूरेह सॉद)

सवाल 717 : मलिक-ए-बिल्क़ीस का तख़्त दरबारे सुलेमान अलैहि० में

कितने वक़्फा में पहुँच गया?

जवाब 717 : पलक झपकने से पहले।

सवाल 718 : वह कौन से नबी हैं जिन के लश्कर में इन्सान के एलावह जिन और परिन्दे भी शामिल थे?

जवाब 718 : ह़ज़रत सुलेमान अलैहिस्सलाम।

सवाल 719 : ह़ज़रत सुलेमान अलैहिस्सलाम चिंवटी और हुद हुद में से किसकी बात सुनकर हँस पड़े थे?

जवाब 719 : चिंवटी की।

सवाल 720 : ह़ज़रत सुलेमान अलैहिस्सलाम की क़ब्र कहॉ वाक़े है ?

जवाब 720 : सख़्रह शरीफ के इहाता में। (बैतुलमुक़द्दस)

सवाल 721 : मलक-ए-बिलक़ीस कहाँ की हुक्मराँ थी?

जवाब 721 : मुलके यमन के इलाक़ा सबा की।

सवाल 722 : बाल सफा पावडर सबसे पहले किसने तैयार करवाया?

जवाब 722 : हज़रत सुलेमान अलैहिस्सलाम ने जिन्नों के ज़रिये।
(हयातुल हैवान ज. दोम स. 35)

सवाल 723 : बिसमिल्लाहिर्रहमानिर्रहीम सबसे पहले किस नबी पर नाज़िल हुआ ?

जवाब 723 : ह़ज़रत सुलेमान अलैहिस्सलाम पर।

सवाल 724 : अहले सबा ह़ज़रत ईसा अलैहिस्सलाम से कितने हज़ार साल क़ब्ल और कहाँ आबाद थे?

जवाब 724 : तक़रीबन डेढ़ हज़ार साल क़ब्ल जुनूबी अरब में आबाद थे।

सवाल 725 : मलक-ए-बिलक़ीस ने ह़ज़रत सुलेमान अलैहिस्सलाम की बारगाह में कितनी तलवारें पेश की थीं ?

जवाब 725 : नौ (9) तलवारें।

सवाल 726 : मलिक-ए-बिलक़ीस ने तलवारों के इलावह और कौन सा हदिया पेश किया था?

जवाब 726 : पाँच सौ गुलाम, पाँच सौ ख़ूबसूरत बांदियाँ और पाँच सौ सोने की ईंटें।

सवाल 727 : ह़ज़रत सुलेमान अलैहिस्सलाम को अल्लाह पाक ने जिन नेमतों से नवाज़ा था उन में से चंद बयान किजिए?

जवाब 727 : नबुव्वत, हिकमत, सल्तनत, जिन्नात, चरिन्दो परिन्द, हवा की तसख़ीर परिन्दों की बोलियों का इल्म, तांबे की कानें, बैतुल्मुक़द्दस की अज़ीमु शान तअमीर वग़ैरह।

सवाल 728 : मल्क-ए-बिलक़ीस के वफद आने से क़ब्ल हज़रत सुलेमान अलैहिस्सलाम ने क्या इन्तेज़ाम फरमाया?

जवाब 728 : 9 मील तक चांदी सोने की ईंटें बिछवा दीं।

सवाल 729 : हज़रत सुलेमान अलैहिस्सलाम से मलक-ए-बिलक़ीस का अहवाल किस ने बयान किया?

जवाब 729 : हुद हुद ने।

सवाल 730 : हज़रत सुलेमान अलैहिस्सलाम का ख़त मल्क-ए-बिलक़ीस की बारगाह में कौन ले गया था ?

जवाब 730 : हुद हुद ले गया था।

सवाल 731 : दरबारे हज़रते सुलेमान अलैहिस्सलाम और तख़्ते मल्क-ए-बिलक़ीस में कितना फासिला था?

जवाब 730 : दो महीने की राह का।

(हाशिया जलालैन स. 320, बहवाला सावी)

सवाल 732 : लशकरे हज़रत सुलेमान अलैहिस्सलाम के आगे चल कर पानी की खोज करने वाले हुद हुद को क्या कहते हैं?

जवाब 732 : हुद हुद सुलेमानी, अस्ल नाम याफूर था।

(हयातुल हैवान ज. 2 सफह 392)

सवाल 733 : मल्क-ए-बिलक़ीस के बाग़ में हुद हुद सुलेमानी की मुलाक़ात जिस हुद हुद से हुई उस का नाम बताइए?

जवाब 733 : हुद हुद यमनी अस्ल नाम अफ़ीर था। (सावी 192)

सवाल 734 : लशकरे हज़रत सुलेमान अलैहिस्सलाम को देख कर चिंवटी ने क्या कहा था?

जवाब 734 : अपने बिलों में घुस जाओ। मुबादा हज़रत सुलेमान अलैहिस्सलाम का लशकर तुम्हें रौंद डाले।

सवाल 735 : हज़रत सुलेमान अलैहिस्सलाम ने चिंवटी की आवाज़ कितनी दूरी से सुन लिया था?

जवाब 735 : तीन मील की दूरी से।

सवाल 736 : हज़रत सुलेमान अलैहिस्सलाम की कुल उम्र कितने साल की हुई?

जवाब 736 : (53) त्रिपन साल की या एक सो अस्सी साल।

सवाल 737 : मल्क-ए-बिलक़ीस के वफद (नुमाइन्दा) के अमीर का नाम बताइए?

जवाब 737 : मुन्सिर बिन अम्र।

सवाल 738 : हज़रत सुलेमान अलैहिस्सलाम से गुफतगू करने वाली चिंवटी का नाम बताइए?

जवाब 738 : ताख़िया, या जर्मा, और बअ़ज ने ताहिया और जदमा बताया है। (जलालैन)

सवाल 739 : चिंवटी ने हजरत सुलेमान अलैहिस्सलाम की बारगाह में कौन सा तोहफा पेश क्या था?

जवाब 739 : बेर।

सवाल 740 : सब से पहले कबूतर पालने वाले नबी का नाम बताइए ?

जवाब 740 : हज़रत सुलैमान अलैहिस्सलाम।

सवाल 741 : सब से पहले हम्माम किस ने बनवाया ?

जवाब 741 : हज़रत सुलेमान अलैहिस्सलाम ने।

सवाल 742 : सब से पहले तांबे की सन्अत (काम) करने वाले शख़्स का नाम बताइए?

जवाब 742 : हज़रत सुलेमान अलैहिस्सलाम।

सवाल 743 : हज़रत सुलेमान अलैहिस्सलाम की बीवियों की तअदाद क्या थी ?

जवाब 743: एक हज़ार जिन में बांदिया सात सो और तीन सोआज़ाद कुंवारीयाँ थीं और बअ़ज ने सात सो बताई है।
(अल्बदाया वन्नहाया ज. दोम स. 29)

सवाल 744 : हज़रत सुलेमान अलैहिस्सलाम ने बैतुल मुक़द्दस की तामीर किस से करवाई?

जवाब 744 : जिनों से।

सवाल 745 : वह कौन से पैग़म्बार हैं जिन की मौत अ़सा पर वाक़े हुई?

जवाब 745 : हज़रत सुलेमान अलैहिस्सलाम।

सवाल 746 : हज़रत सुलैमान अलैहिस्सलाम के विसाल की ख़बर जिनों को कितने अरसे बाद हुई?

जवाब 746 : एक साल के बाद।

सवाल 747 : दुनिया में सब से पहले दरया से मोती किस ने निकलवाया?

जवाब 747 : हज़रत सुलेमान अलैहिस्सलाम ने।

सवाल 748 : हज़रत सुलेमान अलैहिस्सलाम के विसाल के बाद आप की सलतनत पर कौन सा बादशाह हुआ?

जवाब 748 : आप का ना खल्फ़ बेटा रज्आम।

सवाल 749 : हज़रत सुलेमान अलैहिस्सलाम ने अपनी किस बीवी के लिए उस के बाप का मुजस्समा बानवाया था और कितने दिन उस ने उस की इबादत की?

जवाब 749 : जरादा के लिए 40 दिन उस ने मुजस्समा की इबादात की। (सावी अव्वल स. 358)

सवाल 750 : किस नबी की शरीअत में तसवीर बनाना जाएज़ था?

जवाब 750 : हज़रत सुलेमान अलैहिस्सलाम की।(सावी अव्वल स. 358)

सवाल 751 : उस जिन्न का नाम बताइए जिस ने हज़रत सुलेमान अलैहिस्सलाम की अंगूठी चुरा कर 40 दिन हुकूमत की?

जवाब 751 : सँखर नामी जिन्न ने जिस का माना चटान होता है। (जलालैन स. 382)

सवाल 752 : हज़रत सुलेमान अलैहिस्सलाम को आप की बीवी के गैरुल्लाह की इबादत करने की इत्तेला (ख़बर) किस ने दी थी ?

जवाब 752 : वज़ीर असिफ बिन बरख़िया ने।

सवाल 753 : सब से पहले ज़मीन में धातों का पता किस ने लगवाया?

जवाब 753 : हज़रत सुलेमान अलैहिस्सलाम ने।

सवाल 754 : हज़रत सुलेमान अलैहिस्सलाम ने अपने जंगी व तिजारती बेड़े का सदर मकाम किस शहेर को बनाया था?

जवाब 754 : मकामे ईला या ईलात को जिस जगह पर आज कल अक़बा की मशहूर बंदरगाह है।

सवाल 755 : हज़रत सुलेमान अलैहिस्सलाम की सीरत ने मल्क-ए-सबा पर क्या असर डाला?

जवाब 755 : बेहतरीन पाकीज़ह ख़स्लत देखकर मुसलमान हो गई।

सवाल 756 : हज़रत सुलेमान अलैहिस्सलाम का पेशह बताइए?

जवाब 756 : दरख़्तों के पत्तों और छालों से पँखे, बोरीया, ज़म्बील, (टोकरी) बना कर गुज़ारा करते थे।

(तफ्सीरे अज़ीज़ी सूरेह बक़रा स. 170)

सवाल 757 : किस नबी के ज़िक्र में एक मलका का तज़किरा है मलका और नबी का नाम बताइए?

जवाब 757 : मलका बिलकीस और नबी हज़रत सुलेमान अलैहि० हैं।

सवाल 758 : मल्क-ए-सबा ने जिस फर्श को पानी का हौज़ समझा था दर हकीक़त वह क्या था?

जवाब 758 : शीशे का फर्श था।

हज़रत सय्यदुना इल्यास अलैहिस्सलाम

सवाल 759 : कुर्आन मजीद में हज़रत इल्यास अलैहिस्सलाम का ज़िक्र कितनी मरतबा आया है?

जवाब 759 : दो बार।

सवाल 760 : हज़रत इल्यास अलैहिस्सलाम का ज़माना कौनसा है?

जवाब 760 : 875 क़ब्ल अज़ मसीह ।

सवाल 761 : हज़रत इल्यास अलैहिस्सलाम कहां के रहने वाले थे?

जवाब 761 : जलआद के यह इलाक़ा मौजूदा उरदन के शुमाली अज्लाअ़ पर मुश्तमिल है।

सवाल 762 : हज़रत इल्यास अलैहिस्सलाम किस शहेर में हिदायत के लिए मबऊस हुए ?

जवाब 762 : शहरे बअलबक के लिए।

सवाल 763 : हज़रत इल्यास अलैहिस्सलाम के अहेद मे किस बुत की पूजा होती थी ?

जवाब 763 : बअलबक की।

सवाल 764 : हज़रत इल्यास अलैहिस्सलाम के वालिद का नाम बताइए?

जवाब 764 : यासीन बिन मुख़ास।

सवाल 765 : कुर्आन पाक की उस सूरत का नाम और आयत नंबर

बताइए जिस में फरमाया गया है कि इल्यास भी यक़ीनन मुरसलीन में से थे?

जवाब 765 : सूरतु स्साफ्फात आयत नंबर 123।

सवाल 766 : हज़रत इल्यसा अलैहिस्सलाम ने अपने बाद किसे जानशीनी के लिए तैयारी करने का हुक्म दिया?

जवाब 766 : हज़रत अल्यसा अलैहिस्सलाम को।

सवाल 767 : हज़रत इल्यास अलैहिस्सलाम के अहेद में इसराईली बादशाह कौन था?

जवाब 767 : अख़ी अब।

सवाल 768 : हज़रत इल्यास अलैहिस्सलाम को क्यों जिलावतन होना पड़ा?

जवाब 768 : जब यहूदियों को बअल बुत की पूजा पर मलामत करके तौहीद की दावत दी तो इसराईली बादशाह अपनी मुशरिका बीवी की वजह से आप के पीछे पड़ गया।

❖❖❖

हज़रत सय्यदुना अल्यसा अलैहिस्सलाम

सवाल 769 : कुर्आन मजीद में हज़रत अल्यसा अलैहिस्सलाम का इस्में गिरामी कितनी मरतबा आया है?

जवाब 769 : सिर्फ दो मरतबा।

सवाल 770 : कुर्आन मजीद की सूरेह सॉंद की आयत नंबर 48 में हज़रत अल्यसा अलैहिस्सलाम के बारे में क्या फरमाया गया है?

जवाब 770 : वह नेक लोगों में से थे।

सवाल 771 : कुर्आन मजीद की आयत नंबर 86 सूरेह अलइन्आम में हज़रत अल्यसा अलैहिस्सलाम के मुतअल्लिक़ (बारे में) क्या फरमाया गया है?

जवाब 771 : उन को दुनिया वालों पर फज़ीलत दी। (फी ज़मानेही)

सवाल 772 : क्या आप बता सकते हैं कि हज़रत अल्यसा अलैहिस्सलाम कहां के रहने वाले थे?

जवाब 772 : दरयाए उरदन के किनारे मकामे अबील महोला के रहने वाले थे।

सवाल 773 : हज़रत इल्यास अलैहिस्सलाम के जांनशीन होने वाले पैग़म्बर का नाम बताइए?

जवाब 773 : हज़रत अल्यसा अलैहिस्सलाम।

सवाल 774 : हज़रत अल्यसा अलैहिस्सलाम ने इसराईल के हुकुमराँ ख़ानदान को जिस की वजह से शिर्क और बुराइयाँ फैल गयी थीं तबाह करने के लिए किस को खड़ा किया था ?

जवाब 774 : याहू बिन यहू सक्त बिन नमसी को।

हज़रत सय्यदुना जुल्किफ्ल अलैहिस्सलाम

सवाल 775 : हज़रत जुल्किफ्ल अलैहिस्सलाम का इस्मे गिरामी कुर्आन मजीद में कितनी मरतबा आया है?

जवाब 775 : सिर्फ दो बार।

सवाल 776 : जुल्किफ़्ल के लफ़्ज़ी माना बताइए?

जवाब 776 : साहेबे नसीब (यह आप का नाम नही है बलकि लक़ब है)।

सवाल 777 : सूरे सॉद की आयत नंबर 48 में हज़रत जुल्किफल अलैहिस्सलाम के मुतअल्लिक़ (बारे में) क्या कहा गया है?

जवाब 777 : वह नेक लोगों में से थे।

सवाल 778 : हज़रत जुल्किफ़्ल अलैहिस्सलाम का अस्ल नाम बताइए?

जवाब 778 : हिज़क़ील।

सवाल 779 : हज़रत जुल्किफ़्ल अलैहिस्सलाम का कुब्बा शरीफ कहां वाक़े है?

जवाब 779 : करबला-ए-मुअ़ल्ला और नजफ़ अशरफ के बीच मौज़ा किफ्ल में।

सवाल 780 : हज़रत जुल्किफ्ल अलैहिस्सलाम को किस ने गिरफ्तार करवाया था?

जवाब 780 : बुख़्ते नुस्सर ने।

सवाल 781 : बुख़्ते नुस्सर कहां का रहने वाला था?

जवाब 781 : शहेर बाबिल का।

हज़रत सय्यदुना उज़ैर अलैहिस्सलाम

सवाल 782 : वह कौन से नबी हैं जिन का ज़िक्र कुर्आन मजीद में सिर्फ एक बार आया है

जवाब 782 : हज़रत उज़ैर अलैहिस्सलाम

सवाल 783 : सौ (100) साल तक मुर्दा रहने के बाद कौन से नबी ज़िन्दा हुए?

जवाब 783 : हज़रत उज़ैर अलैहिस्सलाम।

(ख़ज़ाइनुल इरफ़ान सूरेह बक़रह स. 540)

सवाल 784 : तौरेत के गुम हो जाने पर दोबारा तौरेत किस ने लिखवाई?

जवाब 784 : हज़रत उज़ैर अलैहिस्सलाम ने।

सवाल 785 : हज़रत उज़ैर अलैहिस्सलाम का मज़ारे मुक़द्दस कहाँ वाक़े है?

जवाब 785 : बसरा से बग़दाद के रास्ता पर इराक़ के दैरे हिज़क़ील के क़रीब साएरा आबाद में या दमिश्क़ में।

सवाल 786 : हज़रत उज़ैर अलैहिस्सलाम को यहूदी क्या कहा करते थे?

जवाब 786 : अल्लाह का बेटा।

सवाल 787 : कुर्आन मजीद की किस आयत में यहूदियों के बेटा कहने का ज़िक्र है?

जवाब 787 : सूरेह तौबा आयत 30 में।

सवाल 788 : हज़रत उज़ैर अलैहिस्सलाम का ज़माना कौन सा था?

जवाब 788 : 450 क़ब्ल अज़ मसीह।

सवाल 789 : क्या सब यहूदी हज़रत उज़ैर अलैहिस्सलाम को खुदा का बेटा कहते थे?

जवाब 789 : नहीं सिर्फ एक गिरोह ऐसा कहता था।

सवाल 790 : क्या आप बता सकते हैं हज़रत उज़ैर अलैहिस्सलाम किस की नस्ल से थे?

जवाब 790 : हजरत हारून अलैहिस्सलाम की सोलहवीं पुश्त में से थे।

❖❖❖

हज़रत सय्यदुना यूनुस अलैहिस्सलाम

सवाल 791 : हज़रत यूनुस अलैहिस्सलाम के वालिद का नाम बताइए?
जवाब 791 : मता।
सवाल 792 : हज़रत यूनुस अलैहिस्सलाम का इस्मे गिरामी कुर्आन में कितनी मरतबा आया है?
जवाब 792 : चार मरतबा ।
सवाल 793 : साहिबुल हूत किस नबी को कहा जाता है?
जवाब 793 : हज़रत यूनुस अलैहिस्सलाम को।
सवाल 794 : हज़रत यूनुस अलैहिस्सलाम ने ग़म व अन्दोह के आलम में अल्लाह को पुकारा था बताइए अल्लाह को कहां से पुकारा था?
जवाब 794 : मछली के पेट से जहाँ आप ज़िंदा थे।
सवाल 795 : हज़रत यूनुस अलैहिस्सलाम ने मछली के पेट के अंदर से अल्लाह तआला को किस तरह पुकारा था?
जवाब 795 : ला इलाहा इल्ला अन्ता सुब्हानका इन्नी कुन्तु मिनज़्ज़ालिमीन।
सवाल 796 : हज़रत यूनुन अलैहिस्सलाम को किस क़ौम की तरफ भेजा गया?
जवाब 796 : अशूर की तरफ जो इराक़ में थी। (अहले नैनवा की तरफ)
सवाल 797 : अपनी क़ौम से निकल कर हज़रत यूनुस अलैहिस्सलाम किस दरिया में कश्ती पर सवार हुए थे?
जवाब 797 : दरियाए फुरात में।
सवाल 798 : हज़रत यूनुस अलैहिस्सलाम जिस कश्ती में सवार थे वह ऐन दरिया में डूबने लगी तो कश्ती वालों ने अपने अक़ीदे के मुताबिक़ क्या कहा?
जवाब 798 : कोई गुलाम अपने आक़ा से भाग कर कश्ती में सवार हो गया है।
सवाल 799 : हज़रत यूनुस अलैहिस्सलाम की क़ब्र कहां वाक़े है?
जवाब 799 : नैनवा में। (आइनए तारीख स. 136)

सवाल 800 : हज़रत यूनुस अलैहिस्सलाम को किस किस लक़ब से कुर्आन मजीद में याद किया गया?

जवाब 800 : साहिबुलहूत, ज़ुन्नून। (सावी ज.सोम स.73)

सवाल 801 : वह कौन से नबी हैं जिन पर से अल्लाह तआला ने अज़ाब टाल दिया था?

जवाब 801 : हज़रत यूनुस अलैहिस्सलाम।

सवाल 802 : कद्दू का दरख़्त क़द्दे आदम के बराबर किस नबी के अहेद में होता था?

जवाब 802 : हज़रत यूनुस अलैहिस्सलाम के अहेद में।

सवाल 803 : वह कौन से नबी हैं जिन्हें मछली ने निगल लिया था?

जवाब 803 : हज़रत यूनुस अलैहिस्सलाम।

सवाल 804 : अल्लाह तआला ने हज़रत यूनुस अलैहिस्सलाम की सिहत व तंदुरुस्ती के लिऐ क्या इन्तिज़ाम फरमाया?

जवाब 804 : कद्दू के दरख़्त का साया और एक बकरी जो सुबह व शाम दूध पिला कर चली जाती थी?

सवाल 805 : हज़रत यूनुस अलैहिस्सलाम की क़ौम को क्या कहते हैं?

जवाब 805 : क़ौमे अशूर।

सवाल 806 : हज़रत यूनुस अलैहिस्सलाम ने किस उम्र में अपनी नबुव्वत का ऐलान फरमाया?

जवाब 806 : 28 साल की उम्र में।

सवाल 807 : हज़रत यूनुस अलैहिस्सलाम क्यों मछली के पेट में चले जाने वाले दुख से दो चार हुए?

जवाब 807 : क़ौम के तौबा न करने पर वहि-ए-इलाही का इंतज़ार किऐ बग़ैर वहां से रवाना हो गए। अल्लाह तआला को यह बात नापसंद हुई चूंकि आप नबी थे इस लिऐ गिरिफ़्त की गई।

सवाल 808 : हज़रत यूनुस अलैहिस्सलाम चालीस दिन के बाद मछली के पेट से ज़िंदा निकल कर तंदुरुस्त व तवाना हो गऐ तो कहां तशरीफ ले गऐ?

जवाब 808 : अल्लाह पाक के हुक्म से दोबारा अपनी क़ौम अहले नैनवा के पास चले गऐ और वह लोग बहुत खुश हुए।

हजरत सय्यदुना ज़करिया अलैहिस्सलाम

सवाल 809 : कुर्आन मजीद में हज़रत ज़करिया अलैहिस्सलाम का इस्मे गिरामी कितनी बार आया है?

जवाब 809 : सात बार।

सवाल 810 : हज़रत ज़करिया अलैहिस्सलाम किस नबी की नस्ल से थे?

जवाब 810 : हज़रत दाऊद अलैहिस्सलाम की नस्ल से।

सवाल 811 : हज़रत ज़करिया अलैहिस्सलाम के उस आली मरतबत फरज़न्द (बेटे) का नाम बताइए जो नबी थे?

जवाब 811 : हज़रत यह्या अलैहिस्सलाम।

सवाल 812 : बवक़्ते विलादते यह्या ज़करिया अलैहिस्सलाम की क्या उम्र थी?

जवाब 812 : 120 साल की। (ख़ज़ाइनुल इरफान आले इमरान स. 82)

सवाल 813 : क्या आप ऐसे पैग़म्बर का नाम बता सकते हैं जिन्हें आरे से चीरा गया?

जवाब 813 : हज़रत ज़करिया अलैहिस्सलाम।

सवाल 814 : हज़रत ज़करिया अलैहिस्सलाम का पेशा क्या था ?

जवाब 814 : लोहारी। (अलबदया वन्नेहाया दोम सफा 49 पर लकड़ी का काम बताया गया है।)

सवाल 815 : हज़रत मरयम रज़ि यल्लाहु अन्हा किस पैग़म्बर की जौज़ह मोहतरमा की भांजी थीं ?

जवाब 815 : हज़रत ज़करिया अलैहिस्सलाम की जौ़जए मोहतरमा की।

सवाल 816 : हज़रत ज़करिया अलैहिस्सलाम की ज़ौजए मोहतरमा बवक्ते विलादते यहया अलैहिस्सलाम कितने साल की थीं?

जवाब 816 : 98 साल की। ख़ज़ाइनुल इरफान आलेइमरान (सफा 83)

सवाल 817 : हज़रत मरयम रज़ि यल्लाह अन्हा की परवरीश किस ने की?

जवाब 817 : हज़रत ज़करिया अलैहिस्सलाम ने।

सवाल 818 : हजरत मरयम रज़ि यल्लाह अन्हा के ख़ालू का नाम बताइये?

जवाब 818 : हज़रत ज़करिया अलैहिस्सलाम।

सवाल 819 : हज़रत ज़करिया अलैहिस्सलाम की ज़ौजए का नाम बताइए?

जवाब 819 : ओशा बिन्तो फाकूज़ा और बाज़ ने अलीशा बताया है।
(जलालैन सावी ज. सोम स. 31)

सवाल 820 : हज़रत ज़करिया अलैहिस्सलाम किस मुक़द्दस इमारत के निगराँ (रखवाले) थे?

जवाब 820 : हैक़ले सुलैमानी के।

सवाल 821 : हज़रत ज़करिया अलैहिस्सलाम की क़ब्रे अनवर कहां वाक़े है?

जवाब 821 : हलब की जामा मस्जिद में।

सवाल 822 : हैकले सुलेमानी में मुक़ीम वह कौन सी जलीलुल क़द्र हस्ती थी जिस की तरबियत व परवरिश हज़रत ज़करिया अलैहिस्सलाम किया करते थे।

जवाब 822 : हज़रत मरयम रज़ि यल्लाहु अन्हा।

सवाल 823 : हज़रत ज़करिया अलैहिस्सलाम की मौत किस तरह वाक़े हुई थी?

जवाब 823 : यहूदियों ने आप को शहीद कर दिया था।

सवाल 824 : हज़रत ज़करिया अलैहिस्सलाम की उम्र क्या थी?

जवाब 824 : 180 साल या 207 साल की।

हज़रत सय्यदुना यह्या अलैहिस्सलाम

सवाल 825 : क़ुर्आन मजीद में हज़रत यह्या अलैहिस्सलाम का ज़िक्र कितनी मरतबा आया है

जवाब 825 : पाँच मरतबा।

सवाल 826 : हज़रत यह्या अलैहिस्सलाम की उम्र क्या थी।

जवाब 826 : 195 साल की।

सवाल 827 : हज़रत यह्या अलैहिस्सलाम के वालिदे मुकर्रम का इस्मे गिरामी बताइए?

जवाब 827 : हज़रत ज़करिया अलैहिस्सलाम।

सवाल 828 : हज़रत यह्या अलैहिस्सलाम हज़रत ईसा अलैहिस्सलाम से उम्र में किस क़दर बड़े थे?

जवाब 828 : छह माह बड़े थे और एक रिवायत में छह साल है।

सवाल 829 : हज़रत ईसा अलैहिस्सलाम के मब्ऊस होने की बशारत कौन नबी दिया करते थे?

जवाब 829 : हज़रत यह्या अलैहिस्सलाम।

सवाल 830 : हज़रत यह्या अलैहिस्सलाम कहां अपना वक़्त गुज़ारा करते थे?

जवाब 830 : जंगल और सहरा में।

सवाल 831 : हज़रत यह्या अलैहिस्सलाम की वालिदा का नाम बताइए?

जवाब 831 : अेशा बिन्ते फाकूज़ या अलीशा।

सवाल 832 : हज़रत यह्या अलैहिस्सलाम के पास वही की इबतिदा किस उम्र में हुई?

जवाब 832 : तीन साल की उम्र में।

सवाल 833 : हज़रत यह्या अलैहिस्सलाम के ख़ाला ज़ाद भाई का नाम बताइए जो नबी थे?

जवाब 833 : हज़रत ईसा अलैहिस्सलाम। (सीरतुन्नबी दोम स. 434)

सवाल 834 : हज़रत यह्या अलैहिस्सलाम का मज़ारे मुक़द्दस कहां वाक़े है?

जवाब 834 : दमिश्क़ की जामा मस्जिद के क़रीब मेहराबे हनफ़ी में।

सवाल 835 : दुनिया में सब से पहले यह्या किस का नाम रखा गया?

जवाब 835 : हज़रत ज़करिया अलैहिस्सलाम के फरज़न्द हज़रत यह्या अलैहिस्सलाम का।

सवाल 836 : हज़रत यह्या अलैहिस्सलाम की मौत कैसे वाक़े हुई?

जवाब 836 : आप को यहूदियों ने शहीद कर डाला।

सवाल 837 : अहले किताब हज़रत यह्या अलैहिस्सलाम को किस नाम से पुकारते हैं?

जवाब 837 : योहन्ना नाम से।

हज़रत सय्युदना लुक़मान अलैहिस्सलाम

सवाल 838 : हज़रत लुक़मान अलैहिस्सलाम का सिलसिलए नसब बयान किजिये?

जवाब 838 : लुक़मान बिन बाऊर बिन नाहूर,बिन तारूख़।

सवाल 839 : लुक़मान हकीम के मामूं का नाम बताइऐ?

जवाब 839 : हज़रत अय्यूब अलैहिस्सलाम। (बइख़्तिलाफ)

सवाल 840 : हज़रत लुक़मान हकीम थे या नबी?

जवाब 840 : अकसर उलमां का क़ौल है कि आप हकीम थे और सुनार का काम करते थे।

सवाल 841 : हज़रत लुक़मान हकीम के साहेब ज़ादे का नाम क्या था?

जवाब 841 : अनअम या अशकम।

हज़रत सय्यदुना सिकन्दर ज़ुल्क़रनैन

सवाल 842 : हज़रत सिकन्दर ज़ुल्क़रनैन का अस्ल नाम क्या था?

जवाब 842 : असकंद्रया, और इसी नाम से शहेर भी बसाया।

सवाल 843 : हज़रत ज़ुल्क़रनैन के ख़ाला ज़ाद भाई का इस्मे गिरामी बताइए?

जवाब 843 : हज़रत ख़िज़्र अलैहिस्सलाम।

सवाल 844 : याजूज माजूज वहशी क़ौम का सद्देबाब (क़ैद) किस ने किया?

जवाब 844 : हज़रत सिकन्दर ज़ुल्क़रनैन ने।

सवाल 845 : ज़मीन के एक सिरे से दूसरे सिरे तक सफर करने वाले शख़्स का नाम बताइए?

जवाब 845 : हज़रत सिकन्दर ज़ुल्क़रनैन।

सवाल 846 : ज़ुल्क़रनैन की वजहे तसमिया बताइए?

जवाब 846 : मश्रिक व मगरिब तक बादशाहत और सफर करने की वजह से।

सवाल 847 : मलेकुल मुलूकिलआदिला किस का लक़ब था?

जवाब 847 : हज़रत सिकन्दर ज़ुल्क़रनैन का।

हज़रत सय्यदुना ख़िज़्र अलैहिस्सलाम

सवाल 848 : हज़रत ख़िज़्र अलैहिस्सलाम का अस्ल नाम क्या था?

जवाब 848 : बलयाबिन मलकान।

सवाल 849 : हज़रत ख़िज़्र अलैहिस्सलाम की कुन्नियत बताइए?

जवाब 849 : अबुलअ़ब्बास।

सवाल 850 : ह़ज़रत ख़िज़्र अलैहिस्सलाम ने जिस यतीम बच्चे की दीवार सीधी करदी थी उस का नाम बताइए?

जवाब 850 : का शेह।

सवाल 851 : चशम-ए-ह़यात में गुस्ल करने और पानी पीने वाले बरगुज़ीदह शख़्स का नाम बताइए?

जवाब 851 : ह़ज़रत ख़िज़्र अलैहिस्सलाम।

सवाल 852 : एक टूटी हुई यतीमों की दीवार किस ने दुरुस्त फरमायी?

जवाब 852 : ह़ज़रत ख़िज़्र अलैहिस्सलाम ने।

सवाल 853 : ह़ज़रत ख़िज़्र का नाम ख़िज़्र क्यों पड़ा?

जवाब 853 : जहां आप बैठ जाते उस जगह की ज़मीन सब्ज़ हो जाती थी। (ख़ज़ाइनुल इरफान स. 436)

सवाल 854 : ह़ज़रत ख़िज़्र अलैहिस्सलाम के अहेद के उस ज़ालिम बादशाह का नाम क्या था जो कशतियां ग़सब कर लिया करता था। जिस के ख़ौफ़ से ह़ज़रत ख़िज़्र ने मसाकीन की कश्ती में नक़्स (ख़राबी) पैदा करदिया था?

जवाब 854 : जैसूरिया गस्सान का बादशाह था। सावी ज. दो स. 23)

सवाल 855 : ह़ज़रत ख़िज़्र अलैहिस्सलाम ने ह़ज़रत मूसा अलैहि० की तरफ़ से किए गए तीनों सवालात के जवाबात देते हुए क्या कहा ?

जवाब 855 : जो कुछ भी मैंने किया है अल्लाह के हुक्म से किया है और अब हमारी तुम्हारी जुदाई होगी।

हज़रत सय्यदुना ईसा अलैहिस्सलाम

और आप के तअल्लुक से

सवाल 856 : ह़ज़रत सय्युदना ओीसा अलैहिस्सलाम का इस्मे गिरामी क़ुर्आन मजीद में कितनी बार आया है?

जवाब 856 : 33 मरतबा।

सवाल 857 : दुनया में सब से कम अरसा रहने वाले पैग़म्बर का इस्मे गिरामी बताइए?

जवाब 857 : हज़रत ओीसा अलैहिस्सलाम।

सवाल 858 : खातिमे अम्बियाये बनी इसराईल कौन हैं?

जवाब 858 : हज़रत ओीसा अलैहिस्सलाम।

सवाल 859 : हज़रत ओीसा अलैहिस्सलाम की वालिदा माजिदा माँ का इस्मे गिरामी नाम बताइये?

जवाब 859 : हज़रत मरयम रज़ि यल्लाहु अन्हा।

सवाल 860 : किस नबी को उन की क़ौम ने अपनी समझ से तख्ते दार पर सूली दे दिया?

जवाब 860 : हज़रत ओीसा अलैहिस्सलाम को।

सवाल 861 : हज़रत ओीसा अलैहिस्सलाम की क़ौम को क्या कहते हैं?

जवाब 861 : ईसाई।

सवाल 862 : हज़रत ईसा अलैहिस्सलाम दोबारा ज़मीन पर तशरीफ़ लाऐंगे तो उन की शरीअ़त क्या होगी?

जवाब 862 : शरीअ़ते मोहम्मदिया सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम।

सवाल 863 : हज़रत ईसा अलैहिस्सलाम और हुज़ूर सलल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के दरमियान का फासिला बताइए?

जवाब 863 : पांच सो साल और बाज़ ने 575 साल बताया है।

सवाल 864 : वह कौन से पैग़म्बर हैं जो तमाम उम्र नंगे पाँव रहे?

जवाब 864 : हज़रत ईसा अलैहिस्सलाम।

सवाल 865 : कलिमतुल्लाह किस नबी को कहते हैं?

जवाब 865 : हज़रत ईसा अलैहिस्सलाम को।

सवाल 866 : हज़रत ईसा अलैहिस्सलाम को कलिमतुल्लाह क्यों कहते हैं?

जवाब 866 : आप बगैर बाप के सिर्फ़ अल्लाह तआला के हुक्म से पैदा हुए।

सवाल 867 : उस पैग़म्बर का इस्मे गिरामी क्या है जिन्होंने गहवारा में ही अपनी वालिदा की इस्मत व इफ्फत की गवाही दी?

जवाब 867 : हज़रत ईसा अलैहिस्सलाम।

सवाल 868 : हज़रत ईसा अलैहिस्सलाम ने किस से शादी की और किस मकान में रहते थे?

जवाब 868 : न आप ने शादी की न आप ने मकान बनाया बल्कि ज़िन्दगी जुहुदो सफर में गुज़ार दी।

सवाल 869 : शहरे इन्ताकिया की तरफ हज़रत ईसा अलैहिस्सलाम। ने अपने जिन नुमाइन्दों को भेजा था उन के नाम बताइए?

जवाब 869 : सादिक, मस्दूक़, रहमतुल्लाहि अलैहिमा।

सवाल 870 : सादिक़ और मस्दूक़ ने निशानी के तौर पर सब से पहले किस को तंदरुस्त फरमाया?

जवाब 870 : हबीब नज्जार के बेटे को जो दो साल से शदीद बीमार था।

सवाल 871 : शहरे इंताकिया का बादशाह किस की तालीम व तलक़ीन से ईमान लाया था?

जवाब 871 : हज़रते शमऊन फरिस्तादह हज़रत ईसा अलैहिस्सलाम की तबलीग़ से।

सवाल 872 : हज़रत ईसा अलैहिस्सलाम कितनी उम्र में आसमान पर उठा लिये गए?

जवाब 872 : 33 साल की उम्र में। (हाशिया जलालैन सफा 53)

सवाल 873 : हज़रत ईसा अलैहिस्सलाम दोबारह दुनया में कहाँ तशरीफ़ लाऐंगे?

जवाब 873 : मुल्के शाम में।

सवाल 874 : हज़रत ईसा अलैहिस्सलाम की बारगाह में हज़रत जिबरईल अलैहिस्सलाम कितनी दफा तशरीफ लाए ?

जवाब 874 : सिर्फ दस बार।

सवाल 875 : मुर्दों को ज़िन्दह करने का मोजिज़ह किस नबी को अता हुआ?

जवाब 875 : हज़रत ईसा अलैहिस्सलाम को।

सवाल 876 : रुहुल्लाह किस नबी का लक़ब था?

जवाब 876 : हज़रत ईसा अलैहिस्सलाम का।

सवाल 877 : इहात-ए-बैतुल्मुक़द्दस में हज़रत ईसा अलैहिस्सलाम की तस्वीर किस तरह बनी है?

जवाब 877 : एक यहूदी बाल पकड़े हुए सलीब पर चढ़ा रहा है।

सवाल 878 : इन्जील मुकद्दस किस पैग़म्बर पर नाज़िल हुई?

जवाब 878 : हज़रत ईसा अलैहिस्सलाम पर।

सवाल 879 : सबसे पहले मुसाफा किस ने किया?

जवाब 879 : हज़रत ईसा अलैहिस्सलाम ने। (नवाए हबीब मार्च 1988 ई.)

सवाल 880 : अल्लाह तआला ने हज़रत ईसा अलैहिस्सलाम को अपनी तरफ क्यों उठा लिया ?

जवाब 880 : ताकि आख़िरी नबी की उम्मत के अजाएबात को देख सकें और कत्ले दज्जाल पर मुतअय्यन रहें। (अल्बदाया अव्वल सफा 79)

सवाल 881 : किस नबी ने पैदा होते ही कलाम किया?

जवाब 881 : हज़रत ईसा अलैहिस्सलाम ने।

सवाल 882 : हज़रत ईसा अलैहिस्सलाम ने असहाबे माइदा के लिए कब बद्दुआ फरमायी?

जवाब 882 : जब नाज़िल शुदा नेमतें खाने के बाद कुफ्र किया।

सवाल 883 : हज़रत ईसा अलैहिस्सलाम की बद्दुआ का असर असहाबे माइदा पर किस क़दर हुआ?

जवाब 883 : पाँच हज़ार लोग बंदर और खिंज़ीर की सूरत में मस्ख़ किए गए।

सवाल 884 : हज़रत ईसा अलैहिस्सलाम की विलादत कहां हुई?

जवाब 884 : बैतुल्लहम के नीचे।

सवाल 885 : वह कौन से नबी हैं जो मिट्टी के परिंदों को जानदार बना देते थे ?

जवाब 885 : हज़रत ईसा अलैहिस्सलाम।

सवाल 886 : हज़रत ईसा अलैहिस्सलाम ने सब से पहले मिटटी का कौन सा परिंदा बना कर फूंक मार कर ज़िंदा फरमाया?

जवाब 886 : चमगादड़।

सवाल 887 : हज़रत मरयम रज़ि यल्लाह अन्हा का लक़ब क्या था?

जवाब 887 : अज़रा।

सवाल 888 : हज़रत मरयम रज़ि यल्लाहु अन्हा के वालिद का नाम बताइए?

जवाब 888 : इमरान बिन मातान। (ख़ज़ाइनुल इरफान आले इमरान)

सवाल 889 : हज़रत मरयम रज़ि यल्लाहु अन्हा की वालिदह का नाम क्या था?

जवाब 889 : हुसना बिनते फाकूज़ा। (सावी ज. सोम स. 36)

सवाल 890 : किस नबी की वालिदह हैं जिन्होंने किसी औरत का दूध नहीं पिया?

जवाब 890 : हज़रत ओसा अलैहिस्सलाम की वालिदा हज़रत मरयम रज़ि यल्लाहु अन्हा।

सवाल 891 : हज़रत मरयम रज़ि यल्लाहु अन्हा एक दिन में किस कदर बढ़ती थीं ?

जवाब 891 : जितना बच्चा एक साल में बढ़ता है।

(ख़ज़ाइनुल इरफान आले इम्रान)

सवाल 892 : किस ख़ातून का ज़िक्र कुर्आन मजीद में उन के नाम के साथ आया है?

जवाब 892 : हज़रत मरयम रज़ि यल्लाहु अन्हा का।

सवाल 893 : हज़रत मरयम रज़ि यल्लाहु अन्हा के हामिला होने का इल्म सब से पहले किस को हुआ था?

जवाब 893 : आप के चचाज़ाद भाई यूसुफ नज्जार को।

सवाल 894 : हज़रत ईसा अलैहिस्सलाम बादे विसाल कहाँ दफ्न होंगे ?

जवाब 894 : रौज़ए रसूल सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के बिलकुल क़रीब।

सवाल 895 : हज़रत ईसा अलैहिस्सलाम अपने शबो रोज़ किस पहाड़ी पर गुज़ारते थे?

जवाब 895 : जबले ज़ैतून पर।

सवाल 896 : हज़रत ईसा अलैहिस्सलाम के ह़वारी की तअ़दाद कितनी थी?

जवाब 896 : बारह 12 जो आप पर ईमान लाए थे।

(ख़ज़ाइनुल इरफान आले इमरान)

सवाल 897 : हज़रत ईसा अलैहिस्सलाम के ह़वारीन किन किन पेशा से तअल्लुक रखते थे?

जवाब 897 : बअज़ कपड़ा रंगने वाले, बअज़ शिकारी, बअज़ धोबी और चंद मल्लाह थे। (अलकामिल फित्तारीख़ अव्वल स. 315)

सवाल 898 : हवारीन किसे कहते हैं?

जवाब 898 : मुहिब्बीन व मुख़्लिसीन (मानने वाले) को।

सवाल 899 : हज़रत ईसा अलैहिस्सलाम जिस पहाड़ से ज़िंदा उठाए गए उस का नाम बताइये?

जवाब 899 : कालोरी।

सवाल 900 : हज़रत ईसा अलैहिस्सलाम दुबारा ज़मीन पर तशरीफ़ लाने के बाद कितने साल ज़िन्दा रहेंगे?

जवाब 900 : चालीस (40) साल।

सवाल 901 : हज़रत मरयम रज़ि यल्लाहु अन्हा का ज़िक्र कुर्आन मजीद में कितनी जगह आया है?

जवाब 901 : तीस (30) जगह।

सवाल 902 : हज़रत ईसा अलैहिस्सलाम के इंतिक़ाल के बाद दुनया में किस बादशाह की हुकूमत होगी?

जवाब 902 : जीजाह बादशाह की।

सवाल 903 : हज़रत ईसा अलैहिस्सलाम की क़ौम का नाम नसारा क्यों पड़ा?

जवाब 903 : आप की वालिदा माजिदा अपनी क़ौम की तरफ आप को ले आयीं जिस गाँव का नाम नासिरा था तीस साल की उम्र में बाक़ाइदा तबलीग का काम वहीं से शुरू किया इस लिए नासिरा गाँव की निसबत से आप की जमाअत का नाम नसारा पड़ा।

सवाल 904 : कुर्आन मजीद में हज़रत ईसा अलैहिस्सलाम को कौन कौन लक़ब से याद किया गया है?

जवाब 904 : मसीह, कलिमतुल्लाह, रूहुललाह।

सवाल 905 : हज़रत ईसा अलैहिस्सलाम किस क़ौम की तरफ मबऊस किए गए थे?

जवाब 905 : बनी इसराईल की तरफ।

सवाल 906 : ईसाई हज़रत ईसा अलैहिस्सलाम के बारे में क्या अक़ीदा रखते है?

जवाब 906 : वह अल्लहा के बेटे थे।

सवाल 907 : हज़रत ईसा अलैहिस्सलाम से आप के हवारीन ने क्या मुतालबा किया था?

जवाब 907 : आसमान से दस्तर ख़्वान उतारा जाए।

सवाल 908 : कुर्आन मजीद में हज़रत ईसा अलैहिस्सलाम को किन नामों से याद किया गया है?

जवाब 908 : अीसा, मसीह, अबदुल्लाह, इब्ने मरयम।

सवाल 909 : लफ़्ज़े मरयम किस ज़बान का लफ़्ज है और इस का माना क्या होता है?

जवाब 909 : लफ़्ज़े मरयम सुरयानी ज़बान का है और इस का माना ख़ादिमा और आबिदा होता है।

सवाल 910 : वह कौन से नबी हैं जिन के साथ हज़रत जिबराइल अलैहिस्सलाम बाडी गार्ड की तरह हर वक़्त रहा करते थे?

जवाब 910 : हज़रत ईसा अलैहिस्सलाम।(तफसीरे नईमी सोम पारह 3 सफा 6)

सवाल 911 : आप दिन रात क्या करते थे ।

जवाब 911 : आप सय्याही किया करते थे (तफ्सीरे अज़ीजी बक़रह सफा 170)

❖❖❖

मुतफर्रिक़ अंबिया-ए-केराम और उन के तअ़ल्लुक़ से

सवाल 912 : हज़रत शमऊन रहमतुल्लाह अलैह जो हज़रत ईसा अलैहिस्सलाम के हवारियों के सरदार थे आप की बीवी ने आप को किस में बांध कर किस के हवाले किया था?

जवाब 912 : आप के बालों में आप को बांध कर काफिरों के हवाले कर दिया था।

सवाल 913 : अंबिया में रसूल की तादाद कितनी है?

जवाब 913 : बक़ौल हज़रत अबूज़र रज़ि यल्लाहु अन्हु 313।

(ज़ियाउन्नबी चहारुम स. 736)

सवाल 914 : हज़रत शमुईल अलैहिस्सलाम की दुआ से अल्लाह तआला ने किस बादशाह को मुक़र्रर फरमाय?

जवाब 914 : तालूत बिन बिनयामीन बिन याकूब अलैहिमुस्सलाम को।

सवाल 915 : ब लबे दरया-ए-रूम बादशाह फ़ोतह के हज़ारों फौजियों को तन्हा क़त्ल करने वाले नबी का इस्मे गरमी बताइए?

जवाब 915 : हज़रत शमऊन अलैहिस्सलाम बअज़ का ख़्याल है कि आप हज़रत ईसा अलैहिस्सलाम के हवारीन के सरदार थे नबी न थे।

सवाल 916 : वह कौन से नबी हैं जिन के जिस्म पर बाल बहुत ज़्यदा थे?

जवाब 916 : हज़रत शमऊन अलैहिस्सलाम।

सवाल 917 : हज़रत जरजीस अलैहिस्सलाम किस शहेर की तरफ हिदायत के लिए मबऊस किए (भेजे) गए?

जवाब 917 : फिलिस्तीन की जानिब।

सवाल 918 : हज़रत जरजीस अलैहिस्सलाम के क़ातिल का नाम बताइए?

जवाब 918 : दादयाना।

सवाल 919 : हज़रत कुमैर अलैहिस्सलाम का रौज़ा मआ ज़ुर्रियत कहां वाक़े है?

जवाब 919 : बैतुल मुकददस सख़रा शरीफ में।

सवाल 920 : हज़रत यूशअ अलैहिस्सलाम का मज़ार कहां वाक़े है?

जवाब 920 : दूसरे हिस्सा शहेर बग़दाद में।

सवाल 921 : किन दो पैग़म्बरों की उम्मतें एक साथ हलाक की गईं ?

जवाब 921 : हज़रत सॉलेह व हज़रत शोऐब अलैहिमस्सलाम की।

सवाल 922 : वह कौन से दो ऐसे जलीलुलक़दर पैग़म्बर हैं जिन्होंने मज़दूरी की?

जवाब 922 : हज़रत मूसा अलैहिस्सलाम (हज़रत शोऐब अलैहिस्सलाम की बकरियाँ चराये) हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम (हज़रत ख़दीजा रज़ि यल्लाहु अन्हा का माले तिजारत ले कर बहार तशरीफ ले गए)

सवाल 923 : बनी इसराईल के सब से अव्वल और आख़िरी नबियों के असमाए गिरामी बताइये?

जवाब 923 : हज़रत यूसुफ व हज़रत ईसा अलैहुमस्सलाम।

(हाशिया जलालैन स. 15)

सवाल 924 : ऐसे कितने अंबियाऐ किराम हैं जो ज़िंदा हैं?

जवाब 924 : चार आसमान पर हज़रत ईसा और इदरीस अलैहिमस्सलाम और ज़मीन पर हज़रत इलयास व हज़रत ख़िज़्र अलैहुम०।
(सावी हाशिया शरेह अकाइद 107)

सवाल 925 : कितने अंबियाए केराम ख़तना शुदह पैदा हुए हैं?

जवाब 925 : तेरह और बअ़ज़ ने चौदह बताया है।
(हयातुल हैवान जि. अव्वल स. 79)

सवाल 926 : किस पैग़म्बरेके ज़माना के मुसलमान कुरूने ऊला के मुसलमान कहलाते हैं?

जवाब 926 : पैगम्बरे आज़म सल्लल्लाहो अलैहिवसल्लम के अहदे पाक के।

सवाल 927 : किन दो नबियों के यहाँ सिर्फ साहिबज़ादियाँ ही पैदा हुईं?

जवाब 927 : हज़रत लूत और हज़रत शोऐब अलैहिमस्सलाम के।

सवाल 928 : हज़रत आदम अलैहिस्सलाम के क़ब्ल दुनिया में किस की आबादी थी?

जवाब 928 : जिन्नों की।

सवाल 929 : कुर्आन हकीम के मुताबिक़ अल्लाह तआला ने किन दो चीजों को इबरत के लिए सदियों से महफ़ूज़ फरमाया है?

जवाब 929 : हज़रत नूह अलैहिस्सलाम की कश्ती और फिरऔन की लाश को।

सवाल 930 : आसमान पर ज़िंदा उठाए जाने वाले अंबिया-ए-किराम कितने हैं?

जवाब 930 : दो हज़रत ईसा और हज़रत इदरीस अलैहिमस्सलाम। (सावी)

सवाल 931 : तबक़ाते अंबिया कितने हैं और कौन कौन ?

जवाब 931 : तीन हैं। अव्वल हज़रत आदम से हज़रत नूह तक, दोम नूह से हज़रत मूसा तक सोम हज़रत मूसा से सरकारे दोआलम सल्लल्लाहो अलैहिवसल्लम तक। (सावी)

सवाल 932 : अंबिया के किस तबक़े से हलाल व हराम की शरीअ़त मुक़र्रर हुई?

जवाब 932 : दूसरे तबक़ा से।

सवाल 933 : रहमते दो जहाँ सल्लल्लाहो अलैहिवसल्लम अकसर नया

कपड़ा किस दिन ज़ेब तन फरमाते थे?

जवाब 933 : जुमा के रोज़।

सवाल 934 : यूहन्ना के नाम से शोहरत पाने वाले पैग़म्बर का इस्मे गिरामी बताइए?

जवाब 934 : हज़रत यहया अलैहिस्सलाम।

सवाल 935 : हज़रत आदम व नूह अलैहुमस्सलाम तक कितने साल का फासिला था?

जवाब 935 : सोलह सो बयालीस 1642 साल का।

सवाल 936 : किस नबी से किस नबी तक जिहाद का हुक्म नाजिल नहीं हुआ था?

जवाब 936 : हज़रत नूह से हज़रत मूसा अलैहुमस्सलाम तक।

सवाल 937 : मुसलमानों में उन दो बादशाहों के नाम बताइये जिन्हों ने पूरी दुनया पर हुकूमत की?

जवाब 937 : हज़रत सुलेमान अलैहिस्सलाम और हज़रत जुल्करनैन अलैहिस्सलाम। (हाशिया जलालैन प. 16 स. 40)

सवाल 938 : किन दो नबियों की कोशिशों के बावजूद लोग बदअख़्लाकी और बुत परस्ती से बाज़ ना आऐ जिस की वजह से बुख़्ते नुस्सर अज़ाब की सूरत में मुसल्लत हुआ।

जवाब 938 : हज़रत यरमियाह और यर्स्ईयान अलैहुमस्सलाम।

सवाल 939 : वह कौन से दो पैग़म्बर हैं जिन के दो नाम रखे गए ?

जवाब 939 : हज़रत ईसा अलैहिस्सलाम व हुजूर सल्लल्लाहू अलैहि वसल्लम। (अलइतकान उर्दू जि. दोम स. 349)

सवाल 940 : वह कौन से चार पैग़म्बर हैं जिन्हों ने 80 साल तक अल्लाह की इस क़दर इबादत की, कि एक लमहा भी ग़ाफ़िल न रहे?

जवाब 940 : हज़रत अय्यूब, हज़रत मूसा, हज़रत हिज़क़ील और हज़रत यूशअ़ बिन नून अलैहिमुस्सलाम।

सवाल 941 : अंबियाऐ साबेक़ीन जिन की ज़बान अरबी ज़बान के इलावा थी उन के पास वही किस ज़बान में आती थी?

जवाब 941 : वही अरबी जबान में ही आती थी हर नबी तर्जुमा करके

कौम को बतलाते थे और अहकामे खुदावंदी की तबलीग़ करते थे। (अलइतकान ज. 1 स. 60)

सवाल 942 : हज़रत हन्ज़ला अलैहिस्सलाम की क़ब्र कहाँ वाक़े है ?

जवाब 942 : यमन में मस्जिदुल कबीर के पहलू में, बअज ने हन्ज़ला बताया है। (ज़ो से)

सवाल 943 : कुर्आन मजीद में कितनी सूरतें अंबियाए किराम के नाम से हैं?

जवाब 943 : छह सूरतैं,सूरेह यूनुस, सूरेह हूद, सूरेह यूसुफ, सूरेह इबराहीम, सूरेह नूह, सूरेह मोहम्मद।

सवाल 944 : हुजूर सल्लल्लाहू अलैहि वसल्लम के चंद वह कलिमात बताइये जो आप को दूसरे अंबिया-ए-किराम से मुम्ताज़ करते हैं?

जवाब 944 : सय्यदुल अंबिया, इमामुल अंबिया, ख़ातिमुल अंबिया।

सवाल 945 : बताइये गाय की कुरबानी का ज़िक्र किस नबी से तअल्लुक़ रखता है?

जवाब 945 : हज़रत मूसा अलैहिस्सलाम से।

सवाल 946 : एक नबी की क़ौम ने बेमिस्ल खूराक पाने के बावजूद ना शुकरी और सरकशी की उस क़ौम और नबी का नाम बताइये?

जवाब 946 : नबी का इसमे पाक हज़रत मूसा अलैहिस्सलाम है और क़ौम बनी इसराईल है।

सवाल 947 : एक नबी तक़रीबन दस साल तक क़ैदख़ाना में रहे उन का इस्मे गिरामी बताइये?

जवाब 947 : हज़रत यूसुफ़ अलैहिस्सलाम।

सवाल 948 : एक नबी को अल्लाह तआला ने ऐसी बादशाही दी थी जैसी किसी दूसरे को नहीं दी उन का इस्मे गिरामी क्या है?

जवाब 948 : हज़रत सुलेमान अलैहिस्सलाम।

सवाल 949 : क्या आप ऐसे नबी का इस्मे गिरामी बता सकते हैं जिन की ज़िंदगी में ही मान ने वालों की तादाद दूसरे नबियों के मानने वालों से ज़्यादा थी?

जवाब 949 : आख़िरी पैग़म्बर हज़रत मोहम्मद सल्लल्लाहु अलैहिवसल्लम।

सवाल 950 : उन पैग़म्बर का इस्मेगिरामी बताइए जिन्हें अपनी हयाते अक़दस (ज़िन्दगी) में सब पैग़म्बरों से ज़्यादा जंगे लड़नी पड़ी ?

जवाब 950 : हुजूर अकरम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम।

सवाल 951 : कुर्आन मजीद में एक नबी को उन की वालिदह के साथ पुकारा गया है क्या आप उन का इस्मे गिरामी बता सकते हैं?

जवाब 951 : हज़रत ईसा अलैहिस्सलाम को हज़रत मरयम रज़ि यल्लाहु अन्हा के साथ।

सवाल 952 : हुजूर सल्लल्लाहो अलैहि व सल्लम का इस्मेगिरामी अहमद कुर्आन मजीद के किस पारा और सूरेह में आया है?

जवाब 952 : अट्ठाइस्वीं (28) पारा के सुरेह सफ़ की आयत नबर 6 में।

सवाल 953 : उन दो ख़ाला ज़ाद भाईयों के असमाए गिरामी बताइये जिन्होंने न शादी की न घर बनाया, और दोनों नबी थे?

जवाब 953 : हज़रत ईसा और हज़रत यहया अलैहुमस्सलाम।

सवाल 954 : क्या इंसान इबादत के ज़रिए नबी बन सकता है?

जवाब 954 : हर गिज़ नहीं।

सवाल 955 : क्या अब कोई नबी आने वाला है ?

जवाब 955 : नहीं हुजूर सल्लल्लाहो अलैहिवसल्ल ख़ातमुन्नबिईन हैं आप के बाद किसी और नबी के आने की ज़रूरत ही नहीं।

सवाल 956 : कुल उम्मतें कितनी हैं?

जवाब 956 : सिर्फ एक हज़ार जिन में छे सो दरिया में, चार सो खुश्की में हैं।

सवाल 957 : क़यामत के दिन कुल उम्मतों की सफ़ैं कितनी होंगी?

जवाब 957 : 120 जिन में 80 सफ़ैं उम्मते मोहम्मदया सल्लल्लाहो अलैहि व सल्लम की होगी।

सवाल 958 : क़्यामत के दिन उम्मते मोहम्मदीया सल्लल्लाहो अलैहिवसल्लम की पुकार किस लक़ब से होगी ?

जवाब 958 : हम्मादून से।

सवाल 959 : हज़रत इबराहीम अलैहिस्सलाम की आग पर फूंक मारने वाले जानवर का नाम बताइए?

जवाब 959 : गिरगिट।

सवाल 960 : उस जानवर का नाम बताइए जो मुँह में पानी लेकर आतिश कदए नमरुद बुझाने गया था?

जवाब 960 : मेंढक।

सवाल 961 : अंबिया अलैहिमुस्सलाम जन्नत के किस मकाम में रहेंगे?

जवाब 961 : मक़ामे महमूद में।

सवाल 962 : कुल अंबियाए किराम कितने गुज़रे है?

जवाब 962 : कम व बेश एक लाख चौबीस हज़ार 124000 या दो लाख चौबीस हज़ार 224000।

सवाल 963 : रहमते अलाम सल्लल्लाहो अलैहिवसल्लम की नूरी चादर का रग बताइए?

जवाब 963 : सियाह।

सवाल 964 : नबी का माना बताइये?

जवाब 964 : लुग़वी माना ग़ैब बताने वाला अंबिया के साथ मुख़्तस (ख़ास) है।

सवाल 965 : ज़ाती इल्मे ग़ैब किसे कहते हैं?

जवाब 965 : जिस पर कोई दलील न हो। अल्लाह तआला के साथ मुख़्तस (ख़ास) है।

सवाल 966 : रहमते आलाम सल्लल्लाहो अलैहिवसल्लम की आमद के इंतिज़ार में किस नबी की औलाद मदीना में आ कर आबाद हो गयी थी?

जवाब 966 : हज़रत हारून अलैहिस्सलाम की।

सवाल 967 : अंबियाए साबिक़ीन ने हुज़ूर सल्लल्लाहो अलैहिवसल्लम के फज़ाइल का ज़िक्र किस लक़ब से किया है ?

जवाब 967 : जुलक़िबलतैन से।

सवाल 968 : आक़ा सल्लल्लाहो अलैहिवसल्लम का पेशाब मुबारका किसने पीलिया था?

जवाब 968 : आप की ख़ादिमा मैमूना ने।

सवाल 969 : मैदाने महशर में सब से पहले किस नबी की उम्मत का हिसाब होगा?

जवाब 969 : हुज़ूर रहमते आलम सल्लल्लाहो अलैहिवसल्लम की

उम्मत का।

सवाल 970 : पैग़म्बरों की सुन्नतों में कौन सी चार चीज़ें मख़्सूस हैं?

जवाब 970 : हया करना, खुशबू लगाना, मिस्वाक करना, निकाह करना।

सवाल 971 : यहूद किस नबी को अपना आख़िरी नबी मानते हैं?

जवाब 971 : हज़रत ईसा अलैहिस्सलाम को।

सवाल 972 : उत्तर प्रदेश के मशहूर शहेर अयोध्या में किन पैग़म्बरों के मजारात मौजूद हैं?

जवाब 972 : मुख़्तलिफ अक़वाल से हज़रत शीस अलैहिस्सलाम और हज़रत अय्यूब अलैहिस्सलाम के।

सवाल 973 : क्या आप बता सकतें हैं कि हज़रत दाऊद और हज़रत समुईल अलैहुमस्सलाम किस क़ौम में से नबी थे?

जवाब 973 : बनी इसराईल से।

सवाल 974 : हज़रत दाऊद अलैहिस्सलाम किस पैग़म्बर के बेटे की औलाद से थे?

जवाब 974 : हज़रत याकूब अलैहिस्सलाम के बेटे यहूदा की औलाद से।

सवाल 975 : कुर्आन से मालूम होता है कि हर क़ौम ने अपने नबी से निशानी का मुतालिबा क्या था। क्या आप बता सकते हैं कि निशानी से क्या मुराद है?

जवाब 975 : मोजिज़ह

सवाल 976 : वह कौन से पांच पैग़म्बर हैं जिन्हों ने अरबी ज़बान में तबलीग़ फरमायी?

जवाब 976 : हज़रत हूद, हज़रत सॉलेह, हज़रत इसमाईल, हज़रत शोऐब अलैहिमुस्सलाम और हुजूर सल्लल्लाहो अलैहिवसल्लम।

सवाल 977 : एक ज़ालिम बादशाह के खौफ़ से एक माँ ने अपने बच्चे को एक संदूक़ में बंद करके दरिया में डाल दिया था क्या आप को उस बादशाह का नाम मालूम है?

जवाब 977 : बादशाह का नाम फिरऔन और बच्चे का नाम मूसा अलैहि०

सवाल 978 : एक नबी को उन की क़ौम ने जलाने की कोशिश की मगर अल्लाह के हुक्म से आग सर्द हो गयी क्या आप को नबी का नाम मालूम है?

जवाब 978 : हज़रत इब्राहीम अलैहिस्सलाम।

सवाल 979 : एक नबी ने सॅब्र की मिसाल कायम करदी कया ऐसे साबिर नबी का इस्मे गिरामी बता सकते हैं?

जवाब 979 : हजरत अय्यूब अलैहिस्सलाम।

सवाल 980 : हज़रत ईसा अलैहिस्सलाम आसमान से नाज़िल होने के बाद किस इमाम के मजहब पर हुक्म व अमल करेंगे?

जवाब 980 : हज़रत इमाम आजम अबू हनीफा रहमतुल्लाह अलैह के मज़हब पर।

सवाल 981 : उन दो पैगम्बरो के अस्माए गिरामी बताइये जिन्हों ने अल्लाह तआला से बिला वासता कलाम किया?

जवाब 981 : हज़रत मूसा अलैहि० और हुजूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम।

सवाल 982 : हुजूर सल्लल्लाहो अलैहिवसल्लम की अंगुशते मुबारका से मुतवातिर (लगातार) कितनी मरतबा चशमें जारी हुए?

जवाब 982 : 13 मरतबा।

सवाल 983 : हज़रत हबकूक अलैहि किस नबी के हम ज़मना थे?

जवाब 983 : हज़रत दानियाल अलैहिस्सलाम के।

असहाबे कहफ़

सवाल 984 : असहाबे कहफ़ कितने भाई थे?

जवाब 984 : सात।

सवाल 985 : असहाबे कहफ़ के अस्माए गिरामी बताइये?

जवाब 985 : यमलीख़ा, मिकसलमिना, मरतोनस, नब्यूनस, दरदूनस, कफा शितीतूनस, मन्तुवायस। (रूहुल मआनी ज. 5 सफा 246)

सवाल 986 : असहाबे कहफ़ के कुत्ते का नाम बताइए?

जवाब 986 : कि़तमीर।

सवाल 987 : असहाबे कहफ़ किस वादी में आराम फरमा हैं उन के ग़ार का नाम बताइये?

जवाब 987 : वादिए रक़ीम में ग़ार का नाम बअज़ ने बेजलोस और बअज़ ने यनजलूस बताया है। (सावी जि. 3 स. 5)

सवाल 988 : असहाबे कहफ़ ने किस बादशाह के जुल्म से तंग आकर ग़ार को मसकन बनाया?

जवाब 988 : दक़ियानूस। (सावी ज. 3 स. 5)

सवाल 989 : असहाबे कहफ़ किस बादशाह के ज़माना में बेदार हुए?

जवाब 989 : बेदूरस और बअज़ ने थिवडोसिस नाम बताया है।

सवाल 990 : असहाबे कहफ़ कितने साल के बाद बेदार हुए?

जवाब 990 : 309 बरस के बाद। (कन्ज़ुलईमान सूरेह कहफ़ आयत 24)

सवाल 991 : असहाबे कहफ़ कहाँ के रहने वाले थे?

जवाब 991 : शहेर उफसूस के। और अहले अरब तरतोस कहते हैं यह रूम के शहरों में से एक शहेर था।

सवाल 992 : वह कौन सी जमाअत है जिन के आराम की जगह धूप और गरमी कभी नहीं पड़ती?

जवाब 992 : असहाबे कहफ़।

सवाल 993 : असहाबे कहफ़ साल में करवट बदलते हैं क्या वह तारीख़ बता सकते हैं?

जवाब 993 : दसवीं मोहर्रमुलहराम को।

सवाल 994 : वह कौन सा कुत्ता है जो जन्नत में दाख़िल होगा?

जवाब 994 : असहाबे कहफ़ का कुत्ता।

सवाल 995 : असहाबे कहफ़ का कुत्ता जन्नत में किस शक्ल में जाऐगा?

जवाब 995 : बलअ़म बाऊरा की शक्ल में।

सवाल 996 : बलअम बाऊरा किस सूरत में जहन्नम में जाएगा?

जवाब 996 : असहाबे कहफ़ के कुत्ते की शक्ल में।

सवाल 997 : असहाबे कहफ़ किस नबी के ज़माना में हुए और उन का अमल किस नबी की शरीअ़त पर रहा?

जवाब 997 : हमारे नबी सल्लल्लाहो अलैहिवसल्लम से पहले और हज़रत ईसा अलैहिस्सलाम के बाद हज़रत ईसा अलैहि० की शरीअ़त पर अमल रहा। (सावी ज. 5)

सवाल 998 : उन सातों नौजवानों को क़ुर्आन में किस नाम से याद किया गया है जो अपनी जान बचाने की ग़रज़ से ग़ार में जाकर सो गए थे?

जवाब 998 : असहाबे कहफ़।

अय्यामे जाहिलीयत

सवाल 999 : मुलके अरब में सब से पहले जो बुत आया उस का नाम बताइये?

जवाब 999 : हुबल।

सवाल 1000 : हुबल नामी बुत कौन कहाँ से लाया था?

जवाब 1000 : अम्र बिन लही मुलके शाम से लाया था।

सवाल 1001 : क़बीलए सक़ीफ के मअबूद का नाम बताइए?

जवाब 1001 : लात।

सवाल 1002 : मनात की इबादत किस क़बीले के लोग करते थे?

जवाब 1002 : क़बीला औस और ख़ज़रज के लोग।

सवाल 1003 : अहमकुल मुताअ़ किस का और क्यों लक़ब था?

जवाब 1003 : उयैना बिन हिस्न बिन ख़ुज़ैफ़ा का तकब्बुर और हिमाक़त की वजह से।

सवाल 1004 : ज़मानए जाहिलीयत में मर्द व औरत काबा का तवाफ किस हालत में करते थे?

जवाब 1004 : बरहना हो कर।

सवाल 1005 : अय्यामे जाहिलीयत में दो सालाना मेले कहाँ लगते थे?

जवाब 1005 : बाज़ारे उकाज़ और ज़ुलमजाज़ में।

सवाल 1006 : अरबों की बाहमी अदावत किस दरजा पहुँच चुकी थी?

जवाब 1006 : ज़रा ज़रा सी बात पर सदियों जंग करते रहते थे।

सवाल 1007 : उन दो क़बीलों का नाम बताइये जिन का बाहम क़िताल जारी रहता था?

जवाब 1007 : क़बीला बनी नुज़ैर और क़बीला बनी कुरैज़ा।

सवाल 1008 : बनी रबीअह और कअब के बुत का नाम बताइए?

जवाब 1008 : रूज़ा।

सवाल 1009 : अरब साइबा किस ऊँटनी को कहते थे?

जवाब 1009 : बरवायत बुख़ारी व मुस्लिम जिस को अपने बुतों के लिए आज़ाद छोड़ दिया करते थे ?

सवाल 1010 : अरब बुहीरा किस ऊँटनी को कहते थे?

जवाब 1010 : जिस का दूध बुतों के लिए मख़्सूस कर देते थे।

सवाल 1011 : ज़मानए जाहिलीयत के लोग सलाम किस तरह करते थे?

जवाब 1011 : अन्अेमू सबाहन तुम्हारा दिन अच्छा गुज़रे।

सवाल 1012 : ज़मानए जाहिलीयत में हाजियों को खाना खिलाने की ख़िदमत का फरीज़ा कौन लोग अंजाम देते थे?

जवाब 1012 : कुरैश के लोग।

सवाल 1013 : दौरे जाहिलीयत की शाअेरी किस तरह होती थी?

जवाब 1013 : खांदानी तफाखुर, इज़हारे इश्क, हुस्न व जमाल की तारीफ।

सवाल 1014 : अय्यामे जाहिलीयत में ज़म ज़म की खोदाई किस ने की?

जवाब 1014 : हज़रत अबदुल मुत्तलिब और उन के बेटों ने।

सवाल 1015 : अरब पहले किस दीन पर थे?

जवाब 1015 : दीने इब्राहीमी पर।

सवाल 1016 : अरब अय्यामे जाहिलीयत में किन किन महीनों का एहतराम करते थे?

जवाब 1016 : जुलक़ादा, जुलहिज्जा, मोहर्रमुलहराम का।

सवाल 1017 : ज़मानए जाहिलीयत में औरतों की क्या हैसियत थी?

जवाब 1017 : फक़त जाएदात समझते थे बाप की मनकूहा को वरसा समझ कर शादी कर लेते थे।

सवाल 1018 : अय्यामे जाहिलीयत के सालाना मेले में किस बुत के क़रीब हर तबक़ा के लोग एक दिन और एक रात गुज़ारते थे?

जवाब 1018 : बवाना नामी बुत के क़रीब।

सवाल 1019 : आग की इबादत का मूजिद कौन है?

जवाब 1019 : ज़रतश्त

सवाल 1020 : आग की इबादत कौन सी क़ौम करती है ?

जवाब 1020 : पारसी।

सवाल 1021 : क़बीलए ग़ितफान जिस देवी की इबादत करते थे उस का नाम बताइये?

जवाब 1021 : उज़्ज़ा।

सवाल 1022 : क़बीलए बनी शैबान के लोग किस बुत की पूजा करते थे?

जवाब 1022 : उज़्ज़ा की।

सवाल 1023 :फतीकी क़ौम के सब से बड़े देवता का नाम बताइए?

जवाब 1023 : बअल।

सवाल 1024 :ज़मानए जाहिलीयत में कुव्वते मरदाना और इश्क़ व मोहब्बत का देवता किस बुत को समझा जाता था?

जवाब 1024 : वुद्दा नामी बुत को।

सवाल 1025 :कुरैश के दो बड़े तिजारती मौसम को अल्लाह तआला ने कुर्आन हकीम में किस नाम से ज़िक्र फरमाया है?

जवाब 1025 : रिहलतश शिताई वस्सैफ़ से।

सवाल 1026 :सुवाअ नामी बुत की पूजा किस क़बीले के लोग करते थे?

जवाब 1027 : क़बील-ए-हुज़िल के लोग।

सवाल 1027 : यऊक़ बुत की इबादत करने वाले क़बीला का नाम बताइए?

जवाब 1027 : क़बीला हमदान।

सवाल 1028 :आले जुलकलाअ के देवता का नाम बताइए?

जवाब 1028 : नसर।

सवाल 1029 :अय्यामे जाहिलियत के उस बुत का नाम बताओ जो बगैर तराशे हुए पत्थर का था ?

जवाब 1029 : मनात।

सवाल 1030 :अय्यामे जाहिलियत में सफा और मरवा पर बुत नसब थे, उन के नाम बताइये?

जवाब 1030 : ओसाफ व नायेला।

सवाल 1031 :उन दोनों मर्द व औरत का नाम बताइए जिस ने काबा में ज़िना किया था अल्लाह तआला ने इबरत के लिए दोनों को पत्थर बना दिया?

जवाब 1031 : ओसाफ और नायेला। कुरैश ने क़ाबा के बाहर खड़ा कर दिया था बादहु लोग इबादत करने लगे।

(जमाले मुस्तफा जि. दोम स. 83)

सवाल 1032 :अय्यामे जाहिलीयत में अरब के लोग फाल किस चीज़ से निकालते थे ?

जवाब 1032 : तीरों के ज़रिआ।

सवाल 1033 : अय्यामे जाहिलियत में यहूदियों की कितनी बस्तियां मदीने में आबाद थीं?

जवाब 1033 : तीन, बनू कनिकाअ, बनू नुज़ैर, बनू कुरैज़ा।

सवाल 1034 : वह कौन सा बुत था जिस का एहतराम बैतुल्लाह की तरह होता था?

जवाब 1034 : लात।

वाक़अए फ़ील

सवाल 1035 : वाक़अए फ़ील के वक़्त हज़रत अब्दुल मुत्तलिब ने अबरहा से निजात के लिए दुआ कहाँ मांगी थी?

जवाब 1035 : ग़ारे हिरा में।

सवाल 1036 : वाक़अए फ़ील रहमते आलम सल्लल्लाहो अलैहि व सल्लम की विलादते पाक से कितने दिन क़ब्ल पेश आया ?

जवाब 1036 : पचास, या पचपन दिन क़ब्ल 571 ई. में अप्रैल की 27 तारीख़ थी?

सवाल 1037 : अबरहा अपने लश्कर के साथ काबा ढाने आया था बताइए इस वाक़्आ को क्या कहा जाता है?

जवाब 1037 : वाक़अए फ़ील।

सवाल 1038 : अबरहा के लश्कर के हाथियों की तादाद बताइए?

जवाब 1038 : नौ या तेरह।

सवाल 1039 : वाक़अए फील के वक़्त कुरैश के सरदार कौन थे?

जवाब 1039 : हज़रत अब्दुलमुत्तलिब।

सवाल 1040 : अबाबील चिड़ियों ने किस बादशाह को लश्कर समेत हलाक किया?

जवाब 1040 : अबरहा को।

सवाल 1041 : अबरहा और उस की फौज को हलाक करने के लिए अबाबील जो कंकरिया लाई थीं उन की जसामत क्या थी?

जवाब 1041 : मसूर के दाना बारबार।

सवाल 1042 : अबरहा कहाँ का बादशाह था?

जवाब 1042 : यमन और हबशा का।

सवाल 1043 :अबरहा ने क़ाबा के मक़ाबले में कनीसा कहाँ तामीर करवाया था?

जवाब 1043 : मक़ामे सनआ़ में जो यमन का दारुस्सलतनत था।

सवाल 1044 :अबरहा के हाथियों में पेश रौ (अगला) हाथी का नाम बताइए?

जवाब 1044 : महमूद।

सवाल 1045 :अबरहा कअबा ढाने के लिए जो लश्कर लाया था उस की तअ़दाद क्या थी?

जवाब 1045 : 60,000 (साठ हज़ार)

सवाल 1046 :अबरहा हज़रत अबदुल मुत्तलिब के ऊँटों को हंका ले गया था बताइये उन उँटों की तअ़दाद क्या थी?

जवाब 1046 : दो सौ ऊँट।

सवाल 1047 :वादिये फील कहां वाक़े है?

जवाब 1047 : मुज़दलिफ़ा में।

सवाल 1048 : क्या आप को मअ़लूम है कि अबाबील कंकरियां किस तरफ से ले कर आए?

जवाब 1048 : बह्‌रे अह्‌मर की जानिब से।

मेरे आक़ा सैयदुल अंबिया सल्लल्लाहु अलैहिवसल्लम

सवाल 1049 :रहमते दो जहाँ सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम का इस्में गिरामी (नाम) बताइए?

जवाब 1049 : हज़रत मोहम्मद मुस्तफ़ा सल्लल्लाहु अलैहि वसलम।

सवाल 1050 : रहमते आलम सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम कहाँ पैदा हुए?

जवाब 1050 : मक्का शरीफ में।

सवाल 1051 : आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम किस तारीख़ में पैदा हुए?

जवाब 1051 : रबीउल अव्वल शरीफ की बारह तारीख़। पीर के दिन, सुबह सादिक़ के वक़्त।

सुबह तैबा में हुई बटता है बाड़ा नूर का
सदक़ा लेने नूर का आया है तारा नूर का

सवाल 1052 :सुबहे सादिक़ किसे कहते हैं?

जवाब 1052 : रात का अख़ीर हिस्सा और दिन शुरू होने का अव्वल हिस्सा।

सवाल 1053 :रहमते आलम सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की विलादते पाक के दिन अंगरेज़ी तारीख़ कौन सी थी?

जवाब 1053 :20 अप्रैल 571 ई.। बअ़ज़ ने 570 ई. बताया है।

सवाल 1054 :रहमते अलाम सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की विलादते मुबारका (पैदाइश) जिस घर में हुई वह किस नाम से मशहूर है?

जवाब 1054 : दारेइब्ने यूसुफ के नाम से। (फित्तारीख़ लिइब्ने कसीर ज. 1 स. 458)

सवाल 1055 :हुजूर सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम के रूए मुबारका की तारीफ कीजिए?

जवाब 1055 :जमाले इलाही का आऐना दार और किसी क़दर पुर गोश्त (गश्त से भरा) था।

अल्ला अल्लाह वह बच्चपने की फबन
उस खुदा भाती सूरत पे लाखों सलाम

सवाल 1056 :सरवरे दो आलम सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की आँखें मुबारका कैसी थीं?

जवाब 1056 :बड़ी और कुदरते इलाही से सुरमगीं पलकें दराज़ (लम्बी) थीं आँखों की सफेदी में एक बारीक सुर्ख़ डोरा था?

जिस तरफ उठ गयी दम मे दम आ गया
उस निगाहे इनायात पे लाखों सलाम

सवाल 1057 :आका सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम के अबरूऐ मुबारका कैसे थे?

जवाब 1057 : दराज़ (लम्बे) और बारीक, मुत्तसिल (मिला) इस क़दर की दूर से मिली हुई मालूम होती थीं कमान की तरह ख़मीदा इन दोनों के दरमियान एक रग थी जो गुस्सा के वक़्त हरकत में आती तो सुर्ख़ हो जाती।

जिन के सजदे को मेहराबे काबा झुकी
उन भवों की लताफत पे लाखों सलाम

सवाल 1055 :रहमते आलम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की बीनी अक़दस यानी नाक शरीफ कैसी थी?

जवाब 1058 : खूबसूरत ऊंची और पत्ली थी।

नीची आंखों की शर्म व हया पर दरूद
ऊंची बीनी की रिफअत पे लाखों सलाम

सवाल 1059 :हुजूर सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की पेशानी मुबारक कैसी थी?

जवाब 1059 : कुशादह (चौड़ी) चमकदार थी।

जिन के माथे शफाअ़त का सेहरा रहा
उस जबीने सआ़दत पे लाखों सलाम

सवाल 1060 :हुजूर अक़दस सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम के गोशे मुबारक यानी कान शरीफ कैसे थे?

जवाब 1060 : मुकम्मल कुव्वते समाअ़त (सुनने की ताक़त) का यह आलम था कि आसमानों के दरवाजों के खुलने की आवाज़ भी समाअ़त (सुन) फरमाते थे।

दूर व नज़दीक के सुन्ने वा़ले वह कान
काने लअले करामत पे लाखों सलाम

सवाल 1061 :रहमते दो अलाम सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम का दहने मुबारक (मुँह शरीफ़) कैसा था?

जवाब 1061 : चौड़ा, हमवार, दन्दाने मुबारका (दाँत शरीफ़) कुशादा रौशन और ताँबा थे। जब कलाम फरमाते तो नूर निकलता, तबस्सुम फरमाते तो दरो दीवार रौशन हो जाते।

वह दहन जिस की हर बात वहिए खुदा
चशमए इल्म व हिकमत पे लाखों सलाम

सवाल 1062 :सरवरे दो आलम सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम के लोआ़बे दहेन (थूक शरीफ़) की तअ़रीफ़ कीजिये?

जवाब 1062 : ज़ख़्मी और बीमारों के लिए शिफा। शीरीं इस क़दर कि खारा पानी हमेशा के लिए शीरीं हो जाए।

जिस से खारी कुंवें शीरिंए जाँ बने
उस ज़ुलाले हलावत पे लाखों सलाम

सवाल 1063 :अहमदे मुख़्तार सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के ज़बान व कलाम की तारीफ़ कीजिए?

जवाब 1063 :अफसहुलख़ल्क़, शीरीं कलाम, ऐसा मालूम होता कि मोतियां टपक रही हैं।

जिन के दावे थे हम ही हैं अहले ज़बाँ
सुन के कुंआं ज़बानें दबा के चले।

(मुफतिये आज़म)

तेरे अगे युँ हैं दबे लचे फुस्हा अरब के बड़े बड़े
कोई जाने मुह में ज़बाँ नहीं नहीं बलकी जिस्म में जाँ नहीं

सवाल 1064 :सय्यदे आलम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की आवाज़ शरीफ़ कैसी थी?

जवाब 1064 :तमाम अंबिया-ए-किराम में सब से ज़्यादा खूबरू और खुश आवाज़ थे।

जिस के गुच्छे से लच्छे झड़ें नूर के
उन सितारों की नुज़हत पे लाखों सलाम

सवाल 1065 :नबीए दोआलम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की गर्दने मुबारक कैसी थी?

जवाब 1065 : बिलकुल साफ और शफ़्फ़ाफ़ तमाम लोगों की गर्दनों से ज़्यादा ख़ूबसूरत।

दोश बरदोश है जिस से शाने शरफ
ऐसे शानों की शौकत पे लाखों सलाम

सवाल 1066 : प्यारे आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम के दस्ते मुबारका (हाथ शरीफ़) के बारे में बताइए?

जवाब 1066 : कफ (हथेली) व दस्ते मुबारका पुर गोशत, रेशम से भी ज़्यादा नर्म थे।

हाथ जिस सिम्त उठा ग़नी कर दिया
मौजे बहरे समाहत पे लाखों सलाम

सवाल 1067 :मेरे आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम का सरे मुबारक कैसा था?

जवाब 1067 :क़दरे बड़ा जिस पर बादल साया किए रहते थे।

जिस के आगे सरे सरवरां ख़म रहें
उस सरे ताजे रिफअ़त पे लाखों सलाम

सवाल 1068 :हमारे आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम का सीना मुबारक कैसा था?

जवाब 1068 : कुशादा (चौड़ा) कल्ब शरीफ़ में असरारे इलाहियह व मआरिफे रब्बानिया वदीअ़त (रखे) थे।

दिल समझ से वरा है मगर यूं कहूं
गुन्च-ए-राज़े वहदत पे लाखों सलाम

सवाल 1069 :रहमते दोआलम सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम के शिकमे मुबाराक (पेट शरीफ़) के बारे में बताइए?

जवाब 1069 : शिकमे मुबारक और सीना हमवार (बराबर) थे।

रफअे ज़िक्रे जलालत पे अरफा दरूद
शरहे सर्दे सदारत पे लाखों सलाम

सवाल 1070 :हुजूर अकरम सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की पुश्त मुबारक (पीठ शरीफ़) कैसी थी?

जवाब 1070 : साफ और सफेद गोया पिघलाई हुई चांदी।

सवाल 1071 :आक़ा सल्लल्लाहू अलैहि व सल्लम के दोनों शानों (कंधों) के दरमियान मोहरे नबूवत थी बताइए यह मोहरे नबूवत किस ने लगाइ थी?

जवाब 1071 : जन्नत के दारोगा रिज़वान ने।

सवाल 1072 :सरवरे काएनात सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की मोहरे नुबूवत के बारे में बताइए?

जवाब 1072 : दोनों शानों के दर्मियान एक नूरानी गोश्त का टुकड़ा जो बाक़ी अज्ज़ा से उभरा हुआ था।

मोहरे चर्ख़े नबूवत पे रोशन दरूद
गुले बाग़े रिसालत पे लाखों सलाम

सवाल 1073 :पाए अक़्दस (पैर शरीफ़) रसूले अकरम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम किस तरह थे?

जवाब 1073 : पुर गोश्त ऐसे कि किसी इन्सान के न थे नर्म और साफ व शफ़्फ़ाफ़ ऐसा की पानी का क़तरा ना ठहेरता था।

खाई कुआँ ने ख़ाके गुज़र की कसम
उस कफ़े पा की हुरमत पे लाखों सलाम

सवाल 1074 :नबी पाक सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम का क़दे नाज़ कैसा था ?

जवाब 1074 : ना बहुत दराज़ (लम्बा) न कोताह, (छोटा) मियाना क़द माइल ब दराज़ी मगर जब लोगों में होते तो सब में बलंद और सरफराज़ होते।

ताऐराने कुदुस जिन की हैं कुम्रियाँ
उस सही सर वे क़ामत पे लाखों सलाम

तेरा क़द तो नादिरे दहेर है कोई मिस्ल हो तो मिसाल दे
नहीं गुल के पौदों में डालियां कि चमन में सर्वे चमाँ नहीं

सवाल 1075 :सुलताने दारैन सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के मूऐ मुबारक (बाल शरीफ़) की तारीफ़ किजिए ?

जवाब 1075 : ना बहुत घोंघरियाले न बिलकुल सीधे बलकि दो क़िस्म के बालों में से दरमियाना।

वह करम की घटा गेसूऐ मुश्क सा
लुक्कए अबरे राफ़त पे लाखों सलाम

सवाल 1076 :मालिके इन्स व जाँ सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के लिबासे मुबारका कैसे थे?

जवाब 1076 :आ़म लिबास चादर क़मीस और तहबंद, यमनी चादरें ज़्यादा पसंद थीं।

सीधि सीधी रविश पे करोरों दरूद
सादी सादी तबीअत पे लाखों सलाम

सवाल 1077 :रहमते दोआलम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के अ़मामा शरीफ़ के मुतअल्लिक बताइए?

जवाब 1077 :सब्ज़ और सियाह रंग का अकसर अ़मामा पहेनते थे और शिमला कभी छोडते कभी न छोड़ते थे।

सवाल 1078 : आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम का रंग मुबारका कैसा था?

जवाब 1078 : अब्यज़ुल मलीह़ गोया चांदनी बिखरी हो, सुर्ख़ और सफेद।

बे सहीमो क़सीमो अ़दीलो मसील
जौ हरे फर्दे इज़्ज़त पे लाखों सलाम
वह कमाले हुसने हुजूर है की गुमाने नक़से जहां नहीं
यही फूल ख़ार से दूर है यही शमा है के धुआं नहीं

सवाल 1079 : हुजूर सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम का घरेलू सामान बताइए?

जवाब 1079 : एक चटाइ, जिस से जिस्म पर निशानात उभर आते थे। इस के इलावा बिस्तर, लिहाफ,तकिया, रूमाल, बिस्तर की चादर।

सलाम उस पर कि जिस के घर में चांदी थी न सोना था
सलाम उस पर कि टूटा बोरिया जिस का बिछौना था

सवाल 1080 : रसूले अकरम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के नअ़लैने मुबारक के बारे में बताइए?

जवाब 1080 : बीमारों के लिए शिफा, मायूस और बेकस के लिए उम्मीद और अम्न का पैग़ाम। नालैने पाक की शक्ल चप्पल के मुशाबह थी ।

जो सर पे रखने को मिल जाऐ नअ़ले पाके हुजूर
तो फिर कहेंगे कि हां ताजदार हम भी हैं

सवाल 1081 : आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की ताक़त व क़ूवत के बारे में बताइए?

जवाब 1081 : आप सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम चालीस जन्नती मरदों के बराबर ताक़त रखते थे।

जिस को बारे दोआलम की परवा नहीं
ऐसे बाज़ू की क़ूवत पे लाखों सलाम

सवाल 1082 : रहमते दोआ़लम सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की रफ़तार कैसी थी?

जवाब 1082 : आप सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम जब चलते तो क़दम मुबारक पूरा न उठाते, सुबुक रवी ऐसी कि गोया ज़मीन खुद सिमटती चली आ रही हो।

खाई कुरआं ने ख़ाके गुज़र की क़सम
उस कफ़े पा की हुरमत पे लाखो सलाम

सवाल 1083 : रसूले अकरम सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम के पसीना के बारे में बताइए?

जवाब 1083 : खुशबूदार और पाकीज़ा।

वल्लाह जो मिल जाऐ तेरे गुल का पसीना
मांगे न कभी इत्र न फिर चाहे दुल्हन फूल

सवाल 1084 : ताजदारे मदीना सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की हया शरीफ़ के बारे में बताइए?

जवाब 1084 : किसी शख़्स को टकटकी बांध कर न देखते और फरमाते कि हया ईमान का हिस्सा है।

नीची आंखों की शर्म व हया पर दरूद
ऊँची बीनी की रिफ़अत पे लाखों सलाम

सवाल 1085 : सर्वरे दो जहां सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की ख़शीयत (ख़ौफ़) के बारे में बताइए?

जवाब 1085 : आप खुद ही फरमाते हैं कि मैं तुम सब से ज़्यादा अल्लहा तआला से डरने वाला हूं।

सवाल 1086 : आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की गिज़ा के मुतअल्लिक़ बताइए?

जवाब 1086 : बहुत कम, पेट भर कभी खना न खाया। अकसर जौ की सूखी रोटी सरीद बना कर तनाउल फरमाते।

कुल जहाँ मिल्क और जौ की रोटी गिज़ा
उस शिकम की क़नाअ़त पे लाखों सलाम

सवाल 1087 : हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम हंसी किस तरह फरमाते थे?

जवाब 1087 : क़हक़हा कभी न लगाते तबस्सुम फरमाते जिस से तारीकी में रौशनी फैल जाती।

जिस की तसकीं से रोते हुए हंस पड़ें
उस तबस्सुम की आदत पे लाखों सलाम

सवाल 1088 : रहमते दोआलम सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की गिरया व ज़ारी कैसी थी?

जवाब 1088 : आँखे डब डबा जातीं आंसू बहना शुरू होजाते।

अल्लाह क्या जहन्नम अब भी न सर्द होगा
रो रो के मुस्तफ़ा ने दरिया बहा दिए हैं।

सवाल 1089 :आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम को कौन सी सब्ज़ी ज़्यादा मरग़ूब (पसन्द) थी?

जवाब 1089 : कददू की।

सवाल 1090 :फख़्रे दोआलम सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम के वालिदे मुकर्रम का इस्मे गिरामी बताइए?

जवाब 1090 : हज़रत अबदुल्लाह रज़ि यल्लहु अनहु।

सवाल 1091 :रहमते दोजहाँ सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की वालिदा माजिदा का इस्मे गिरामी क्या है?

जवाब 1091 : हज़रत आमिना रज़ि यल्लाहू अन्हा।

सवाल 1092 :रहमते आलम सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम के वालिद मुकर्रम की शादी किस उम्र में हुई?

जवाब 1092 : 17 साल की उम्र में।

सवाल 1093 : आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम के दादा का नाम बताइए?

जवाब 1093 : हज़रत अबदुल मुत्तलिब।

सवाल 1094 :सरवरे दोआलम सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम के पर दादा का नाम बताइए?

जवाब 1094 : हाशिम बिन अ़बदे मुनाफ़।

सवाल 1095 :हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के चौथे दादा का नाम बताइऐ?

जवाब 1095 : अ़बदे मुनाफ़।

सवाल 1096 :सरकारे दोआलम सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम के किन दादा के यहाँ जोड़वा लड़के पैदा हुए थे?

जवाब 1096 : अ़बदे मुनाफ़ के यहाँ।

सवाल 1099 :वालिद के इंतेक़ाल के बाद आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की परवरिश किस ने की ?

जवाब 1097 : आप के दादा हज़रत अबदुलमुत्तलिब ने की।

सवाल 10908: आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम के अ़क़ीक़े में दादा ने क्या ज़बह किया?

जवाब 1098 : एक दुम्बा।

सवाल 1099 : आप सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के दादा अबदुल मुत्तलिब का जब इंतेक़ाल हुआ तो अंगरेज़ी कौन सा सन था?

जवाब 1099 : 578 ईस्वी

सवाल 1100 : हुजूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के पर दादा हाशिम का अस्ल नाम क्या था?

जवाब 1100 : अ़म्र।

सवाल 1101 : दादा अबदुलमत्तलिब के विसाल के बाद सरवरे दोआलम सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम किस की किफ़ालत (परवरिश) में रहे?

जवाब 1101 : अपने चचा अबू तलिब के।

सवाल 1102 : हज़रत अबूतालिब के ईमान के बारे में बताइए?

जवाब 1102 : हज़रत अ़ब्बास रज़ि यल्लाहु अन्हु के बक़ौल ईमान लाए थे नबूवत के दस्वीं साल सफरे हिजरत से क़ब्ल मगर ख़ामोशी है। (ज़ियाउन्नबी ज. दोम स. 274)

सवाल 1103: बारह साल की उम्र में जब हुजूर सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम ने अब्दुलमुत्तलिब के हमराह शाम की तरफ़ पहला सफर किया तो सने ईसवी क्या था?

जवाब 1103 : 582 ई.।

सवाल 1104 : सरकार सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम बहैसियत ताजिर हज़रत ख़दीजा रज़ि यल्लाहु तआ़ला अन्हा का माले तिजारत लेकर शाम की तरफ़ किस सने ईसवी में रवाना हुए?

जवाब 1104 : अप्रैल 595 ई०।

सवाल 1105 : आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम के नाना का नाम बताइए?

जवाब 1105 : वहब बिन अबदुलमुनाफ़।

सवाल 1106 : सरकारे दोआलम सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की नानी का नाम बताइए?

जवाब 1106 : बर्रा बिन्ते अबदुलउज़्ज़ा।

सवाल 1107 : मुतअेमुत्तौर किस का लक़ब था?

जवाब 1107 : हज़रत अबदुल मुत्तलिब का।

सवाल 1108 : हुज़ूर अकरम सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की दादी का नाम बताइऐ?

जवाब 1108 : फ़ातिमा बिन्ते अमर बिन आइज़।

सवाल 1109 : रहमते आलम सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की कुन्नियत क्या थी?

जवाब 1109 : अबुल क़ासिम

सवाल 1110 : आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की कुन्नियत अबू इब्राहीम किस ने रखा?

जवाब 1110 : हज़रत जिब्राईल अलैहिस्सलाम ने।

सवाल 1111 : सरकारे दोआलम सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम ने सब से पहले किस का दूध नोश फरमाया ?

जवाब 1111 : अपनी वालिदा माजिदा हज़रत आमिना रज़ि यल्लाहु अन्हा का।

सवाल 1112 : हुज़ूर अकरम सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम ने अपनी वालिदा माजिदा के बाद किस ख़ातून का दूध नोश फरमाया?

जवाब 1112 : अबूलहब की बांदी सोवैबह का।

सवाल 1113 : हज़रत हलीमा सअदिया रज़ि यल्लाहु अन्हा हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की कौन थीं?

जवाब 1113 : रहमते आलाम सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की रज़ाई माँ थीं।

नाज़ कर तू ऐं हलीमा सरवरे कौनैन पर!
गर लगी अच्छी तो तेरी झोपड़ी अच्छी लगी

सवाल 1114 : हज़रत हलीमा सअदिया रज़ि यल्लाहु अन्हा के शौहर का क्या नाम था?

जवाब 1114 : हारिस बिन अबदुल उज़्ज़ा।

सवाल 1115 : हज़रत अब्दुल मुत्तलिब के इन्तेक़ाल के वक़्त हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की उम्र किया थी?

जवाब 1115 : आप आठ साल के थे।

सवाल 1116 : सरवरे आलम सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की रज़ाई बहनों के नाम बता सकते हैं?

जवाब 1116 : शीमा, अनीसा।

सवाल 1117 : हज़रत सय्यदा आमिना रज़ि यल्लाहु अन्हा का विसाल कहाँ हुआ?

जवाब 1117 : मक़ामे अब्वा में और वहीं मदफून हैं। (अब्वा एक गांव का नाम है।) मगर अफसोस सऊदी हुकूमत ने आप की क़बरे अनवर को बुल्डोज़र से मिस्मार कर दिया।

जवाब 1118 : हुज़ूर अकरम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के ख़ान्दान का नाम बताइये?

जवाब 1118 : बनी हाशिम।

सवाल 1119 : हुज़ूर अकरम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने पहला सफर किस के साथ किया?

जवाब 1119 : अपनी वालिदा माजिदा के साथ।

सवाल 1120 : रहमते आलम सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम ने पहला सफर अपनी वालिदा के साथ किस उम्र में किया?

जवाब 1120 : पाँच या छे साल की उम्र में।

सवाल 1121 : रहमते आलम सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम ने पहला सफर कहां के लिये किया था?

जवाब 1121 : मक़ामे अबवा के लिये।

सवाल 1122 : रहमते आलम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्ल्म के चचाओं के नाम बताइये?

जवाब 1122 : अल्हारिस, अबू तालिब नाम अ़ब्दे मुनाफ था, जुबैर, कुन्नियत अबुल हारिस थी, हमज़ा, अबू लहब नाम अब्दुल उज़्ज़ा था, ग़ीदाक़, मुक़व्विम, ज़र्रार, अ़ब्बास, क़ुशुम, व अबदुल कअ़बा हजल नाम मुग़ीरा था।

नोट : इब्ने हुशाम ने दस ही बताया है यानी ग़ीदाक़ और कुशुम को छोड़ दिया है।

सवाल 1123 : रहमते आलम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के चचाओं में कौन कौन ईमान लाए?

जवाब 1123 : हज़रत अमीर हम्ज़ह, हज़रत अब्बास रज़ि यल्लाहु अन्हुमा।

सवाल 1124 : सरवरे कायेनात सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की फूफियों के नाम बताइये?

जवाब 1124 : आतिका, अस्मिया, अल्बैज़ा कुन्नियत उम्मे हकीम थी, बर्रह, सफिया, अरवा।

सवाल 1125 : आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की फूफियों में किसने इस्लाम क़बूल किया?

जवाब 1125 : हज़रत सफिया जो हज़रत ज़ुबैर की वालिदह थीं (रज़ि यल्लाहु अन्हुमा) और बअ़ज़ ने अरवा को भी बताया है।

सवाल 1126 : रहमते आलम सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की कौन फूफी बहुत अच्छा शेर कहती थीं?

जवाब 1126 : हज़रत सफिया रज़ि यल्लाहु अन्हा।

सवाल 1127 : हज़रत सफिया रज़ि यल्लाहु अन्हा ने किस जंग के मौक़े पर एक यहूदी को क़त्ल किया था?

जवाब 1127 : जंगे ख़न्दक़ के मौक़े पर।

सवाल 1128 : रहमते आलम सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की बांदियों के अस्माये ग्रामी बताइये?

जवाब 1128 : रैहान, कुरैज़ा, ज़ैनब बिन्ते जहश मारिया क़िब्तिया रज़ि यल्लाहु अन्हुन।

सवाल 1129 : आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम के वालिदे मुकर्रम ने किस उम्र में इन्तेक़ाल फरमाया?

जवाब 1129 : पचीस साल की उम्र में।

सवाल 1130 : आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम अपने वालिदे ग्रामी के इन्तेक़ाल के वक़्त पर कितने साल के थे?

जवाब 1130 : आप माँ की शिकम (पेट) में थे।

सवाल 1131 : हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम अपनी वालिदह माजिदह के इन्तेक़ाल के वक़्त कितने साल के थे?

जवाब 1131 : छः साल के।

सवाल 1132 : आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की वालिदह माजिदह हज़रत आमिना रज़ि यल्लाहु अन्हा का तअ़ल्लुक़ कुरैश

के किस खान्दान से था?

जवाब 1132 : बनूज़ुहरह से।

सवाल 1133 : उन ख़वातीन के असमाए ग्रामी बताइये जिन्होंने आका सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम को दूध पिलाया है?

जवाब 1133 : हज़रत आमिना, हज़रत हलीमा सअदिया, हज़रत सुवैबह, ख़ूला बिन्ते मुन्ज़िर, उम्मे ऐमन और बनी सअद की एक और ख़ातून हैं लेकिन हज़रत हलीमा सअदिया को यह शर्फ ज़्यादह हासिल हुआ (रज़ि यल्लाहु अन्हुन)।

(ज़ियाउन्नबी दोम सफा नं 65)

सवाल 1134 : हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम के कौन से चचा सबसे आख़िर में ईमान लाए?

जवाब 1134 : हज़रत अब्बास रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 1135 : सरकार सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के कौन से चचा हैं जो मुशरिकीन को ईज़ा रसानी से रोकते रहे मगर खुद ईमान न लाए ?

जवाब 1135 : अबू तालिब।

सवाल 1136 : आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के उस चचा का नाम बताइये जो इस्लाम का बहुत बड़ा दुश्मन था?

जवाब 1136 : अबू लहब।

सवाल 1137 : आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम का तअल्लुक़ किस क़बीला से था?

जवाब 1137 : क़बील-ए-कुरैश से।

सवाल 1138 : रहमते आलम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने चचा अबू तालिब के साथ मुल्के शाम का सफर किस उम्र में किया ?

जवाब 1138 : बारह साल की उम्र में।

सवाल 1139 : अबू लहब को रसूले अकरम सल्लाल्लाहु अलैहि वसल्लम की विलादते पाक की ख़ुशख़बरी किसने सुनाइ ?

जवाब 1139 : अबू लहब की बांदी सुवैबह ने।

सवाल 1140 : आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम किसका माल लेकर तिजारत के लिए जाया करते थे?

जवाब 1140 : हज़रत ख़दीजतुल कुबरा रज़ि यल्लाहु अन्हा का।

सवाल 1141 : हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम हज़रत ख़दीजा रज़ि यल्लाहु अन्हा का माले तिजारत लेकर मुल्के शाम कब रवाना हुए?

जवाब 1141 : 16 ज़ुल्हिज्जा को। (ज़ियाउन्नबी दोम, स. नं. 128)।

सवाल 1142 : हज़रत ख़दीजा रज़ि यल्लाहु अन्हा का माले तिजारत लेकर जब मुल्के शाम तशरीफ ले गए तो बसरा के मक़ाम पर जिस राहिब से मुलाक़ात हुई उस का नाम बताओ?

जवाब 1142 : नस्तूरा जो आप पर ईमान लाया।

(ज़ियाउन्नबी दोम स. 908)

सवाल 1143 : हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के रज़ाई बाप का नाम बताओ?

जवाब 1143 : हारिस (शाहनामा अव्वल)

सवाल 1144 : अल्लाह तआला ने सब से पहले किस के नुर को पैदा फरमाया?

जवाब 1144 : हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम के नूर को।

सवाल 1145 : अल्लाह तआला ने हज़रत आदम अलैहि स्सल्लम की तख़्लीक (पैदाइश) से कितने हज़ार कब्ल हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम का नाम अपने नाम के साथ लिखा?

जवाब 1145 : दो हज़ार साल क़ब्ल।

मुहम्मद मज़्हरे कामिल हैं हक़ की शान इज़्ज़त का!
नज़र आता है इस कसरत में कुछ अंदाज वहदत का

सवाल 1146 : रहमते दो जहां सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम का ख़मीर कहाँ की मिट्टी से तय्यार हुआ था?

जवाब 1146 : मक्का की मिट्टी से जहाँ कअबा मुकर्रमा है जो ज़मीन का मरकज़ है।

सवाल 1147 : अल्लाह तआला ने मख़्लूक़ को पैदा करना चाहा तो सब से पहले क्या पैदा फरमाया?

जवाब 1147 : अपने नूर से हक़ीक़ते मोहम्मदी सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम को।

यही है अस्ल आलम माददए ईजाद खिलक़त का
यहां वहदत में बरपा है अजब हंगामा कस्रत का

सवाल 1148 : वह किस चीज़ का दरख़्त था जिस के नीचे ईसा अलैहि० के बाद हुजूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ठहरे?

जवाब 1148 : बैर का दरख़्त था जो मुलके शाम के रास्ते पर वाक़े था?

सवाल 1149 : उस राहिब का नाम बताइए जिस ने आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम को पहचान कर अबू तालिब से वापस होने की दरख़्वास्त की थी?

जवाब 1149 : जरजीस बुहीरा राहिब। (ज़ियायुन्नबी दोम स. 108)

सवाल 1150 : जुहूरे नबूवत से क़ब्ल आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम को कुरैश किन नामों से पुकारते थे?

जवाब 1150 : अमीन और सादिक़ से।

सवाल 1151 : बवक़्ते विलादते, रहमते आलम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने जिस मकान को ज़ीनत बख़्शी वह मकान मक्का में किस जगह वाक़े है?

जवाब 1151 : जब्ले अबूकुबैस के दामन में मोहल्ला शौकुल लैल नामी गली के अंदर।

सवाल 1152 : मोआहिदा हलफुल फुजूल किन के दरमियान कहाँ हुआ?

जवाब 1152 : इब्ने जदआन के मकान पर बनू हाशिम ज़ुहरा और तमीम के दरमियान।

सवाल 1153 : मोआहिदा हलफुल फुजूल कब हुआ?

जवाब 1153 : सन 590 ईसवी में।

सवाल 1154 : मक़ामे अब्वा में हज़रत आमिना रज़ि यल्लाहु अन्हा का विसाल किस सन ईसवी में हुआ?

जवाब 1154 : सन 576 ईसवी।

सवाल 1155 : सरकार सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम हलीमा सअ़दिया के सपुर्द कब किये गए?

जवाब 1155 : सन 571 ईसवी में।

सवाल 1156 : सरकार सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम ने हरबे फुज्जार में पहली बार शिरकत की, बताइए यह जंग किन क़बाएल

के दरमियान हुई थी?

जवाब 1156 : किनाना, इज्ज़ और हवाज़न के दरमियान सन 586 ईसवी में।

सवाल 1157 : हुजूर सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम के रज़ाई भाई बहनों की तअ़दाद क्या थी ?

जवाब 1157 : चार।

सवाल 1158 : नबिए पाक सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम का इस्मे पाक अहमद रखने की बशारत ख़्वाब में किस को हुई ?

जवाब 1158 : हज़रत आमिना रज़ि यल्लाह अन्हा को।

सवाल 1159 : सरकारे दोआलम सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम का इस्मे पाक मोहम्मद किस ने रखा?

जवाब 1159 : आप के दादा अबदुल मुत्तलिब ने।

सवाल 1160 : हुजूर सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम के जद्दे अमजद का इस्मे गिरामी बताइए?

जवाब 1160 : हज़रत इबराहीम अलैहिस्सलाम।

सवाल 1161 : हुजूर सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की फूफी हज़रत सफिया बिनते अबदुल मुत्तलिब रज़ि यल्लाहु अन्हा की क़ब्र कहाँ वाक़े है?

जवाब 1161 : बाबे बक़ी के बाहर शहेर पनाह के दरमियान।

सवाल 1162 : रहमते आलम सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की शादी जन्नत में दुनिया की किन औरतों से होगी ?

जवाब 1162 : हज़रत मरयम बिन्ते इमरान, हज़रत आसिया (फ़िरऔन की बीवी) हज़रत मूसा अलैहिस्सलाम की बहेन कुलसूम से जिन्होंने मूसा अलैहिस्सलाम को दूध पिलाने वाली दाया की तरफ़ फ़िरऔन की रहनुमाई की थी।

(हाशिया जलालैन ज. दोम. स. 327 प. 20)

सवाल 1163 : आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम ने हज़रत जिबराईल अलैहिस्सलाम को कितनी दफ़ा और कहां अस्ल सूरत में देखा ?

जवाब 1163 : चार दफ़ा 1. ग़ारे हिरा में 2. मेराज में सिदरतुलमुंतहा

पर 3. मक्का में मकामे अज्याद पर ऐलाने नुबूवत से क़ब्ल 4. हज़रत अमीर हमज़ा रज़ि यल्लाहु अन्हु की ख़्वाहिश पर कअ़बा की छत पर।

सवाल 1164 : रहमते आलम सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम का सीना मुबारक किस फरीश्ते ने चाक किया?

जवाब 1164 : हज़रत जिबराईल अलैहिस्सलाम ने।

सवाल 1165 : आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम का सीना कितनी बार चाक हुआ और कहाँ?

जवाब 1165 : चार मरतबा :(1) तीन साल की उम्र में अय्यामे तुफूलियत में (2) बउम्र दस साल जंगल में (3) ग़ारे हिरा में (4) मेराज की रात हज़रत उम्मे हानी रज़ि यल्लाहु अन्हा के यहाँ।

सवाल 1166 : आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम ईदैन की नमाज़ में कौन सी सूरतें तिलावत फ़रमाते थे ?

जवाब 1166 : सूरेह आला और सूरतुल-गाशिया

सवाल 1167 : रहमते आ़लम सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम नमाज़े वित्र में कुरआन पाक की कौन कौन सी सूरतें अकसर तिलावत फरमाते थे?

जवाब 1167 : सूरतुल आला, सूरतुल काफिरून, सूरतुल अख़्लास।

सवाल 1168 : आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम के चचा अबू तालिब का इन्तेक़ाल कब हुआ?

जवाब 1168 : सन 10 नुबूवत में।

सवाल 1169 : हुज़ूरे अकरम सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम किस बादशाह के अहदे हुकूमत में पैदा हुए?

जवाब 1169 : नौ शेरवां के अहेद में।

सवाल 1170 : रसूले अकरम सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम के दादा का अस्ल नाम क्या था?

जवाब 1170 : आमिर।

सवाल 1171 : हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम के नाम पाक के साथ सबसे पहले सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम किसने लिखा ?

जवाब 1171 : उबै बिन कअब ने (रज़ि यल्लाहु अन्हु)

सवाल 1172 : हुजूर सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम के उन चचा ज़ाद भाई का नाम बताइये जिन्होंने ज़माने-ए-जिहालत में सच्ची ईसाइयत कुबूल किया था?

जवाब 1172 : वर्क़ा बिन नौफिल

सवाल 1173 : हुजूर सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम पर पचास आयतें एक ही वक़्त में किस जगह पर नाज़िल हुई थीं ?

जवाब 1173 : मिना के ग़ार में।

सवाल 1174 : आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम ने किस दिन को यौमे हराम फरमाया?

जवाब 1174 : हज्जतुल वदाअ़ को।

सवाल 1175 : अगर कोइ सहाबी या घर का फर्द आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम को याद करता तो किस अन्दाज़ में जवाब मरहमत फरमाते ?

जवाब 1175 : लब्बैक (हाज़िर हूं) फरमाया करते।

सवाल 1176 : हुजूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम का इस्मे ग्रामी कुरआन मजीद में कितनी बार आया है?

जवाब 1176 : इस्मे मोहम्मद. चार बार, इस्मे अहमद एक बार सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम।

सवाल 1177 : आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम ने अपनी वालिदह के ऐलावह किन ख़ुश नसीब ख़्वातीन को मेरी मां फरमाया है?

जवाब 1177 : हज़रत हलीमा सअ़दिया, हज़रत उम्मे ऐमन जो आप की वालिदह की लौंडी थीं, हज़रत फातिमा (बिन्ते) असद ज़ौज-ए-अबू तालिब (वालिदह हज़रत अली) रज़ि यल्लाहु अन्हुम को।

सवाल 1178 : रसूलुल्लाह सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम या सबाहन, किस मक़ाम पर खड़े होकर पुकारा करते थे?

जवाब 1178 : कोहे सफा पर।

सवाल 1179 : आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की वालिदह माजिदह का इन्तेक़ाल मक्का और मदीना के दरमियान मक़ामे

अबवा में हुआ था उस वक़्त आपकी उम्र मुबारक सिर्फ़ छः साल की थी क्या आप बता सकते हैं कि अबवा से आपको मक्का मुकर्रमा कौन लाया?

जवाब 1179 : आपकी वालिदह माजिदह की कनीज़ हज़रत उम्मे ऐमन (रज़ि यल्लाहु अन्हा) जो उस सफ़र में आप के साथ थीं।

सवाल 1180 : सरवरे आलम सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम ने अपनी कमसिनी में सबसे पहले किस अम्न मुआहिदे में शिर्कत की थी?

जवाब 1180 : हल्फुल फुजूल में।

सवाल 1181 : आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम का इस्मे ग्रामी कुरआन मजीद में किस सूरत और आयत मे सबसे पहले आया है?

जवाब 1181 : सूरेह आले इमरान आयत नं. 144 में।

सवाल 1182 : आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने ख़ुफिया तबलीग़ कितने साल तक जारी रखी?

जवाब 1182 : तक़रीबन तीन साल तक।

सवाल 1183 : उन मेलों और बाज़ारों के नाम बताइये जहां आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ख़ुफिया तबलीग़ के लिए जाया करते थे?

जवाब 1183 : उकाज़, ज़िलमजार, जिलमुजिन्ना, यईनिया।

सवाल 1184 : आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की तअ़लीमात क्या थी?

जवाब 1184 : कुरआन मजीद के फरमूदात।

सवाल 1185 : रह़मते आलम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के अख़्लाक़ व सीरत कैसे थे?

जवाब 1185 : कुर्आन मजीद की तफसीर और उस का अमली नमूना।

सवाल 1186 : कुरआन मजीद में आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम को या अय्युहन्नबी कह कर कितनी बार ख़िताब क्या गया है?

जवाब 1186 : तेरह बार।

सवाल 1187 : जब काफिरों के दबाव से तंग आकर आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के चचा अबू तालिब ने कहा कि भतीजे बुत परस्ती का रद न किया करो मैं भी तुम्हारा साथ ना दे सकूंगा। तो आप ने क्या फरमाया?

जवाब 1187 : चचा जान, अगर लोग मेरे दाहिने हाथ में सूरज और बाऐं हाथ पर चांद ला कर रख दें तब भी मैं अपने काम से न हटूंगा।

सवाल 1188 : हज़रत अबूतालिब के पास जो नुमाइंदा वफ़द गया था उन के नाम बताइए?

जवाब 1188 : उतबा, शैबा,पिसराने रबीआ, अबू सुफयान बिन हर्ब बनी उमैया, अबुल बुख़्तरी, अलआस बिन हेशाम, अलअसवद बिन मुत्तलिब, अबू जहेल, वलीद बिन मुगीरा, नब्या, मुन्बा,पिसराने हज्जाज बिन आमिर, आस बिन वाइल।

(ज़ियाउन्नबी ज. दोम स. 273)

सवाल 1189 : उस मशहूर काफिर का नाम बताइये जो बड़ा अक्लमन्द और कुरैश का नुमाइन्दह तसव्वुर किया जाता था हुजूर की बारगह में इस ग़रज़ से हाज़िर हुआ था कि आप को इस्लाम की तबलीग़ से रोक सके लेकिन कुर्आन की आयत सुन कर इस क़दर मसहूर हो गया कि नाकाम वापस चला गया ?

जवाब 1189 : उतबा।

सवाल 1190 : हुजूर सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम ने जब एलानिया तबलीग़ के लिए अपने ख़ानदान की दावत की और फरमाया बतावो तुम में से कौन मेरा साथ देगा तो किस ने बेधड़क कह दिया था कि या रसूलल्लाह सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम मैं आप का साथ दुंगा?

जावब 1190 : हज़रत अली बिन अबी तालिब कर्रमल्लाहु वजहहू ने।

सवाल 1191 : आम्मुलवफूद (वफद के आने का साल) में सब से पहले कौन सा वफद हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की ख़िदमत में हाज़िर हुआ था?

जवाब 1191 : क़बीला मुज़ैना का वफद सब से पहले मदीना में हाज़िर हुवा था।

सवाल 1192 : रहमते आलम सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम जब किसी के मकान पर तशरीफ़ ले जाते तो आप का अंदाज़े

शरीफाना कैसा होता था?

जवाब 1192 : दरवाज़ह के दाऐं या बाऐं जानिब खड़े होकर आने की इत्तेला के लिए अस्सलामु अलैकुम तीन मर्तबा फरमाते।

सवाल 1193 : आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने अपने घरेलू अवक़ात को किस तरह तक़सीम कर रखा था?

जवाब 1193 : एक हिस्से में इबादत दूसरे हिस्से में घर वालों के मुआशेरती हुकूक़ तीसरे हिस्से में राहत फरमाते।

सवाल 1194 : हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम का इस्मे मुबारक ज़मीन पर मोम्महद और आसमान पर अहमद है बताइये ज़मीन के नीचे किया नाम है?

जवाब 1194 : महमूद सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम।

सवाल 1195 : हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के ज़ाती नाम दो हैं मुहममद और अहमद सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम बताइये सिफाती नाम कितने हैं?

जवाब 1195 : दो सो एक जबकि दूसरी रिवायत में एक हज़ार है।

सवाल 1196 : हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की विलादत से क़ब्ल मोहम्मद नाम कितने आदमियों के रखे गये?

जवाब 1196 : छे आदमियों के। 1. मोम्हद बिन उहैहा 2. मोम्हद बिन मुसलेमा अलअंसारी 3. मोहम्मद बिन बर्रा अलबकरी 4. मोहम्मद बिन सुफयान बिन मुजाशअ् 5. मोहम्मद बिन इमरान अलजुअफी 6. मोहम्मद बिन ख़ज़ाई अस्लमी। और कोई सातवां लड़का न था जिस का नाम मोहम्मद रखा गया हो। (ज़ियाउन्नबी जि. 5 स. 248)

सवाल 1197 : हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के इस्मे पाक मोहम्मद और अहमद के इलावा तीसरा, चौथा और पांचवा नाम बताइए?

जवाब 1197 : अलमाही (मिटाने वाला,) अलहाशिर, अल-आ़किब (सब से बाद में आने वाला) (ज़ियाउन्नबी ज. 5 स. 248)

सवाल 1198 : अल्लाह तआला ने हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम को कुर्आन पाक में मुतअ़द्दिद ज़ीशान अलक़ाबात से याद फरमाया है। उन में से कुछ बयान फरमाइये?

जवाब 1198 : अन्नूर, अस्सिराजुल मुनीर, अलमुनज़िर, अन्नज़ीर, अलमुबश्शिर, अलबशीर, अश्शाहिद, अश्शहीद, अलहक़्कुल मुबीन, ख़ातिमुन-नबीयीन, अर्रऊफुर्रहीम, अलअमीन, क़दमा सिदक़िन, रहमतुल्लिल-आलमीन, नेमतुल्लाह, अलउरवतुल वुसक़ा, अस्सिरातुल मुस्तक़ीम, अन्नजमुस्सक़िब, अलकरीमुन्नबीइल उम्मीई, दाइयल्लाह।

(ज़ियाउन्नबी जि. 50-249)

सवाल 1199 : अंबियाए साबिक़ीन पर जो किताबें नाज़िल हुईं उन में हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम को किस नाम से याद किया गया है?

जवाब 1199 : अलमुतवक्किल, अलमुख़्तार, (तौरेत में) मुक़ीमुस्सुन्नह, (तौरात व ज़बूर में) अलमुक़द्दस, रूहुलहक़ (इन्जील में) और इन्जील में अलफार क़लीत, भी मज़कूर है जिस का माना हक़ और बातिल में तफरीक़ करने वाला। माज़ा माज़, तय्यब पाकीज़ह हिमताया, ख़ातिम सुरयानी ज़बान में मुशफ़्फ़अ़ और अलमुन हमन्ना और तौरात में उहैद भी आया है। (ज़ियाउन्नबी जि. 5 स. 250)

सवाल 1200 : अल्लाह तआला हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम को मख़्सूस नेमतों से नवाज़े गा, वह कौन सी नेमतें हैं?

जवाब 1200 : वसीला, दरजये रफीआ़, कौसर, फज़ीला।

(जियाउन्बी ज. 5 स. 259)

सवाल 1201 : विलादते आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के सिलसिला में कअ़बा के दरो दीवार से कैसी अवाज़ें आ रहीं थी?

जवाब 1201 : बक़ौल हज़रत अबदुल मुत्तलिब वुलिदल मुस्तफा वलमुख़्तारुल लज़ी तुहलिकु बियदिहिल कुफ्फार वयुत्हिरु मिन इबादतिल अस्नामि वयामुरु बिइबादतिल मलिकिल अल्लाम।

तरजुमा : मुस्ताफा और मुख़्तार, सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम पैदा हुए उन के हाथ से कुफ्फार हलाक होंगे और कअ़बा बुतों की इबादत से पाक होगा। वह अल्लाह की इबादत का हुक्म देगा जो हकीकी बादशाह और सब कुछ जानने वाला है। (ज़ियाउन्नबी ज. दोम स. 33)

सवाल 1202 :रसूलुलाह सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की विलादते बा सआदत नौ शेरवां के हुक्मरानी के कितने साल में हुई?

जवाब 1202 : चालीसवीं साल में। (ज़ियाउन्नबी ज. दोम स. 33)

सवाल 1203 :कुर्आन मजीद में रब्बे करीम ने अपने महबूब सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम को बड़े मोहब्बत भरे अंदाज़ व अलक़ाब से ख़िताब फरमाया है, क्या आप उन में से चंद अलक़ाब बता सकते हैं?

जवाब 1203 : यासीन, याअय्युहल मुज़्ज़म्मिल, या अय्युहल मुद्दस्सिर, याअय्युहन्नबी वग़ैरहा।

सवाल 1204 :सारी काएनात के लिए ज़िन्दगी के मराहिल तै करने के वास्ते बेहतरीन और मुकम्मल नमुना कौन सा है?

जवाब 1204 : आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की मुबारक ज़िन्दगी सब से बेहतरीन नमूना है

सवाल 1205 :हज़रत अब्दुल मुत्तालिब हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम को कअ़बा शरीफ में ले कर गए दुवाऐं मंगाने के बाद फिलबदीह आप की ज़बान पर अशआर जारी होगये उन में से कुछ आप भी बयान कीजिए?

जवाब 1205 : अल्हम्दुलिल्लाहिल्लज़ी आत़ानी. हाज़लगुलामु अत्यबुलअरदानि सब तअरीफैं अल्लहा के लिए जिस ने मुझे पाक आस्तीनों वाला बच्चा अता फरमाया।

कुल सारा फिलमहदि अलल्ग़िलमानि. उईज़ुहु बिलबैति ज़िलअरकानि –

यह अपने पंघूड़े में सारे बच्चों का सरदार है मैं इसे बैतुल्लाह शरीफ की पनाह में देता हूँ।

(ज़ियाउन्नबी दोम स. 30)

सवाल 1206 :हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने किन जान्वरों का गोशत तनावुल फरमाया है?

जवाब 1206 : ऊँट, भेड़, मुर्गी, सुरख़ाब, हिमारे वहशी, ख़रगोश और समंद्ररी जानवारों के। (ज़ियाउन्नबी जि. 5 स. 335)

सवाल 1207 : वह खुश क़िस्मत बच्चे कितने हैं जिन्होंनें सरकार सल्लल्लाहु

अलैहि व सल्लम के साथ सवारी की सआदत हासिल की?

जवाब 1207 : पच्चास (50) हैं (ज़ियाउन्नबी जिल्द न. 5 सफा 613)

सवाल 1208 : मैदाने महशर में रहमते आलम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के दस्ते पाक में जो अलम होगा उस का नाम बतावो?

जवाब 1208 : लिवाउलहम्द ।

सबा वह चले कि बाग़ फले वह फूल खिले कि दिन हों भले
लिवा के तले सना में खुले रज़ा की ज़बां तुम्हारे लिऐ

सवाल 1209 : नुजूले कुर्आन से क़ब्ल यहूद किस नाम के वसीले से दुआ करते थे?

जवाब 1209 : हुजूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के नामे पाक के वसीले से।

एलाने नुबुव्वत रहमते दोजहाँ सल्लल्लाहो अलैहिवसल्लम

सवाल 1210 : ऐलाने नुबुव्वत से क़ब्ल आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम किस ग़ार में इबादत फरमाते थे?

जवाब 1210 : ग़ारे हिरा में।

सवाल 1211 : ग़ारे हिरा जिस पहाड़ी में वाक़े है उस का नाम बाइऐ?

जवाब 1211 : जबले नूर यह ग़ार चार गज़ लमबी दो गज़ चौड़ी और उस की वुसअत इतनी है कि सिर्फ एक आदमी उस में लेट सकता है। (ज़ियाउन्नबी दोम स.187)

सवाल 1212 : ग़ारे हिरा में सरकारे अक़्दस सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के क़याम की मुददत बताइए?

जवाब 1212 : तीन रातें, कभी पांच कभी सात रातें कभी रमज़ान का पूरा महीना। (ज़ियाउन्नबी ज. दोम स. 188)

सवाल 1213 : रहमते आलम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की मुलाक़ात जिबराईल अलैहिस्सलाम से सब से पहले कहां हुई?

जवाब 1213 : ग़ारे हिरा में।

सवाल 1214 : आक़ा सल्लल्लाहु अलैहिं व सल्लम खाने पीने की गर्ज़ से ग़ारे हिरा में क्या ले जाते थे?

जवाब 1214 : सत्तू और पानी।

सवाल 1215 : बवक्ते ऐलाने नबूवत आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की उम्र क्या थी?

जवाब 1215 : चालीस साल।

सवाल 1216 : रहमतुल लिल्आलमीन का ख़िताब किस नबी को अता हुआ?

जवाब 1216 : रहमते आलम सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम को।

सवाल 1217 : ज़ुहूरे नबुव्वत की इबतेदा रूयाऐ सादिक़ा यानी सच्चे ख़्वाबों से हुई, उस की मुदत बताइए?

जवाब 1217 : छेः माह। (बुख़ारी शरीफ अव्वल स. 2)

सवाल 1218 : हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की ज़ाते मुबारक से चार खुसूसीयात हासिल होईं बताइए वह क्या हैं?

जवाब 1218 : विलादत, विसाल, तकमीले हिज्रत और ज़हूरे नबूवत।

सवाल 1219 : बिअ्सते अक़्दस के इबतेदाई तीन साल तक वही लाने की ख़िदमत किस ने अंजाम दी?

जवाब 1219 : हज़रत इसराफ़ील अलैहिस्सलाम ने।

सवाल 1220 : नबूवत की तस्दीक़ के लिए हज़रत ख़दीजतुल्कुब्रा रज़ि यल्लहा अन्हा आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम को किस के पास ले गईं?

जवाब 1220 : अपने चचा ज़ाद भाई वरक़ा बिन नोफ़ील के पास।

सवाल 1221 : सरकारे दो अलाम सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम ने ऐलाने नबूवत के बाद मक्का शरीफ में कितने साल क़याम फरमाया?

जवाब 1221 : सिर्फ तेरह साल।

सवाल 1222 : रहमते अलाम सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम ने पहली दावत क़ुरैश को किस पहाड़ी पर खड़े होकर दी?

जवाब 1222 : कोहे सफ़ा पर।

सवाल 1223 : रहमते आलम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने कितने साल तक फराइज़े रिसालत अदा फरमाए?

जवाब 1223 : तेइस साल (23)।

सवाल 1224 : रहमते आलाम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने तबलीग़ का आग़ाज़ कहाँ से किया?

जवाब 1224 : अपने घर से।

सवाल 1225 :आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की बारगाह में हज़रत जिबराईल अलैहिस्सलाम कितनी दफ़ा तशरीफ लाए?

जवाब 1225 : चौबीस हज़ार मरतबा। जबकि एक और रिवायत में 40 हाज़र मरतबा है।

सवाल 1226 :दुनिया का पहला तहरीरी दसतूरुल अमल किस ने पेश किया?

जवाब 1226 : रहमते आलम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने।

सवाल 1227 :कोहे सफा के वाक़्या के बाद आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के किस चचा ने इसलाम कुबूल किया?

जवाब 1227 : हज़रत अमीर हमज़ा रज़ि यल्लाहु अन्नहु ने।

सवाल 1228 : तस्दीक़े नुबुव्वत के लिए किस पहेलवान ने आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम से कुश्ती लड़ने का मुंतालेबा किया था?

जवाब 1228 : रोकाना ने।

सवाल 1229 :ज़ुल ज़बीहैन किस का लक़ब है?

जवाब 1229 : रसूले अकरम सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम का।

सवाल 1230 :नुजूले वही की इब्तेदा कब से हुई?

जवाब 1230 : रमज़ानुल मुबारक दोशंबा के दिन हिज़रते मदीना से क़ब्ल मुताबिक़ जूलाई 610 ई से।

सवाल 1231 :वही की कितनी क़िसमैं हैं?

जवाब 1231 : दो क़िसमें 1. वही मतलू 2. वही ग़ैर मतलू।

सवाल 1232 :ऐलाने नुबुव्वत के इबतेदाई ज़माना में मक्का मुकर्रमह के अंदर जिन्नों की जमाअत ने हुजूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के दस्ते हक़ परस्त पर बैअत की बताइए कि वह किस मुल्क और शहेर के रहने वाले थे?

जवाब 1232 : मुलके यमन शहेर नसीबन के।

सवाल 1233 :रहमते आलम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम को मआ अहले खानदान कुरैश ने कहाँ मुक़ैयद कर रखा था?

जवाब 1233 : शिअ़बे अबी तालिब में।

सवाल 1234 : शिअबे अबी तालिब में आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम मआ खानदान किस सन में महसूर (क़ैद) हुए?

जवाब 1234 : 07 नबुव्वत में।

सवाल 1235 : आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम मआ अहले ख़ानदान शिअ़बे अबी तालिब में कितने साल महसूर रहे?

जवाब 1235 : तीन साल तक। (ज़ियाउन्नबी स. 385)

सवाल 1236 : मुहासेरा शिअ़बे अबी तालिब कब से शुरु हुआ?

जवाब 1236 : नबुव्वत के साँतवे साल माहे मोहर्रम से।

(ज़ियाउन्नबी दोम स. 387)

सवाल 1237 : शिअ़बे अबी तालिब से रिहाई के वक़्त हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की उम्र मुबारका कितने साल की थी?

जवाब 1237 : ओन्चास (49) साल की। (ज़ियाउन्नबी दोम स. 397)

सवाल 1238 : आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की पहली शादी किस उम्र में हुई?

जवाब 1238 : पचीस साल की उम्र में।

सवाल 1239 : हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम पर सब से पहले कौन सी नमाज़ें फ़र्ज़ हुई थीं?

जवाब 1239 : फज्र और अस्र की दो दो रकअतें। सब से पहले ह़ज़रत ख़दीजा रज़ि यल्लाहु तआला अन्हा के साथ शाम की नमाज़ पढ़ी 6 अगस्त 610 ई. में।

सवाल 1240 : हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम को मआ ख़ानदान महसूर करने का मतलब क्या था?

जवाब 1240 : ताकि क़ैद व बंद की सऊबतों से तंग आकर ऐलाने ह़क़ से बाज़ आ जाऐं।

सफरे मेराज आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम

पूछते क्या हो अ़र्श पर यूँ गए मुस्तफ़ा कि यूँ
कैफ के पर जहां जलें कोई बताए कि यूँ

आला हज़रत

क़दम पहुँचे थे जिन के रिफअतों की आख़िरी हद तक
उरूजे आदमे ख़ाकी उन्हीं के ज़ेरे दामाँ है

डाक्टर अख़्तर बस्तवी

सवाल 1241 :नबिए रहमत सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के आस्मानी सफर को क्या कहा जाता है?

जवाब 1241 : मेराज।

ख़िरद से कहदो कि सर झुका ले गुमां से गुज़रे गुज़रने वाले
पड़े हैं याँ खुद जेहत को लाले किसे बताए किधर गए थे

सवाल 1242 :सरकारे दोआलम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने किस सवारी पर आस्मानों की सैर की?

जवाब 1242 : बुराक़ पर।

सवाल 1243 :महबूबे दोआलम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम मेराज की रात किस के घर आराम फरमा थे?

जवाब 1243 : हज़रत उम्मेहानी रज़ि यल्लाहु अन्हा के घर।

सवाल 1243 :मेराज से वापसी पर तज़केरए मेराज हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने सब से पहले किस से किया?

जवाब 1244 : हज़रत उम्मेहानी रज़ि यल्लाहु अन्हा से।

सवाल 1245 :रहमते आलम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम को मेराज किस तारीख़ में हुई?

जवाब 1245 : रजब की 26 तारीख़ का दिन गुज़ार कर रात में 10 नबुव्वत को। बरोज़ सोमवार 621 ई.।

बुराक़ के नक़शे सुम के सदक़े वह गुल खिलाए कि सारे रस्ते
महेक्ते गुल्बन लहेक्ते गुलशन हरे भरे लहलहा रहे थे

सवाल 1246 :सिदरतुल मुन्तहा से आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम जिस तख़्त पर बैठ कर कुरबे ख़ास में तशरीफ़ ले गए उस का नाम बताइए?

जवाब 1246 : रफ रफ (नूरानी तख़्त)।

सवाल 1247 :रहमते आलम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के मेराज के सफर की पहली मंजिल बताइए?

जवाब 1247 : मस्जिदे अक़्सा।

सवाल 1248 :आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की मेराज किस हालत में हुई?

जवाब 1248 : ऐन बेदारी में।

हेजाब उठाने में लाखों परदे हर एक परदे में लाखों जलवे
अजब घड़ी थी कि वस्ल व फ़ुरकत जनम के बिछुड़े गले मिले थे

सवाल 1249 :हुजूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम को मेराज जिस्मानी हुई या रूहानी ?

जवाब 1249 : जिस्मानी और रूहानी दोनों।

सवाल 1250 :हुजूर सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम मेराज के लिए कहाँ तशरीफ़ ले गए?

जवाब 1250 : बैतुल मुक़द्दस।

सवाल 1251 : मेराज की शब में हज़रत जिबराईल अलैहिस्लाम ने किस मक़ाम पर आगे बढ़ने से मअज़ेरत पेश की?

जवाब 1251 : सिदरतुल मुन्तहा से।

किसे मिले घाट का किनारा किधर से गुज़रा कहां उतारा
भरा जो मिस्ले नज़र तरारह वह अपनी आँखों से खुद छुपे थे।

सवाल 1252 :सिदरतुल मुन्तहा का लफ़ज़ी मअ़ना बैरी का दरख़्त है, बताइये कहां वाक़े है?

जवाब 1252 : माददी दुनिया की आख़िरी सरहद पर।

(ज़ियाउन्नबी दोम स. नं. 519)

सवाल 1253 : सिदरतुल मुन्तहा के फ़ल और पत्तों के बारे में बताइये?

जवाब 1253 : पत्ते हाथी के कानों के बराबर और फल मिटके के बराबर हैं। (ज़ियाउन्नबी दोम स. नं. 524)

सवाल 1254 : मेराज की रात रहमते आलम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की मुलाक़ात आसमाने अव्वल पर किस नबी से हुई?

जवाब 1254 : हज़रत सय्यदुना आदम अलैहिस्लाम से।

सवाल 1255 :मेअ़राज की शब रहमते आलम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की मुलाक़ात दूसरे आसमान पर किन किन पैग़म्बरों से हुई?

जवाब 1255 : हज़रत ईसा व हज़रत यह्या अलैहुम स्सलाम से।

सवाल 1256 :मेअराज की शब आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम से हज़रत यूसुफ़ अलैहिस्सलाम की मुलाक़ात कहां हुई?

जवाब 1256 : तीसरे आसमान पर।

सवाल 1257 : मेअ़राज की रात चौथे आसमान पर नबी-ए-करीम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की मुलाक़ात किस पैग़म्बर से हुई?

जवाब 1257 : हज़रत इद्रीस अलैहिस्सलाम से।

सवाल 1258 : शबे मेअ़राज में आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की मुलाक़ात पांचवें आसमान पर जिन पैग़म्बर से हुई उनका इस्मे ग्रामी बताइए?

जवाब 1258 : हज़रत हारून अलैहिस्सलामे।

सवाल 1259 : रहमते आलम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की मुलाक़ात मेअ़राज की शब में हज़रत मूसा अलैहिस्सलाम से कहाँ हुई?

जवाब 1259 : छठे आसमान पर।

सवाल 1260 : मेअ़राज की शब सातवें आसमान पर आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की मुलाक़ात किस पैग़म्बर से हुई?

जवाब 1260 : सय्यदुना इबराहीम अलैहिस्सलाम से।

सवाल 1261 : पांच वक़्त की नमाज़ शबे मेअ़राज में फर्ज़ हुइ बताइए इस से पहले कौन से औक़ात में नमाज़ फर्ज़ थी?

जवाब 1261 : शबे मेअ़राज से क़ब्ल दो वक़्त की नमाज़ फ़र्ज़ थी एक क़ब्ले तुलूएं आफताब और दूसरा ग़ुरुबे आफ़ताब से पहले। (ज़ियाउलनबी दोम सफा नं. **218**)।

नोट: मगर वज़ू की फर्ज़ियत का हुक्म पहले ही मदीना तैयबह में नाज़िल हुआ था और हुजूर सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम ने बगैर वज़ू कोई नमाज़ अदा नहीं की।

सवाल 1262 : शबे मेअ़राज में हुजूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने अम्बिया की इमामत फरमाई, इस सिलसिले में उल्मा क्या फर्माते हैं?

जवाब 1262 : यह नमाज़ अर्श की तरफ परवाज़ करने से पहले पढ़ाई तो इशा की नमाज़ थी और अगर वापसी के बाद तो नमाज़े फज्र थी।

सवाल 1263 : शबे मेअ़राज हुजूर सल्लल्लाहू अलैहि व सल्लम की मुलाक़ात आस्मानों पर कितने पैग़म्बरों से हुई?

जवाब 1263 : आठ पैग़म्बरों से।

सवाल 1264 :रसूलुल्लाह सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम को मेअ़राज की शब सवारी के लिए जो बुराक़ अता हुआ था वह किस तरह का था?

जवाब 1264 : गधे से कुछ बड़ा और ख़च्चर से कुछ छोटा, चेहरा इन्सान जैसा दुम मानिन्दे ऊंट, अयाल घोड़े की तरह, खुर बैल के जैसे और पुश्त मोती की तरह चमकदार थी उस की रानों में दो पर थे और लगाम जन्नत के हरीर की थी।

सवाल 1265 :मेअ़राज की शब आक़ा सल्लल्लाहो अलैहि व सल्लम की इमामत में कितनी सफ़ें थीं?

जवाब 1265 : सात, तीन रसूलाने एज़ाम की,बक़िया अम्बिया-ए-किराम की। (हाशिया जलालैन सफा नं. 408)

सवाल 1266 :रहमते आ़लम सल्लल्लाहो अलैहि व सल्लम के बुराक़ पर सवार होने के वक़्त रकाब व लगाम किसने थामा ?

जवाब 1266 : हज़रत जिबराईल ने रकाब और हज़रत मीकाईल ने लगाम थामी। (अलैहिमस्सलाम) (नश्रुत्तीब सफा नं. 37)

सवाल 1267 :आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम को कुल कितनी मेअ़राजें हुईं?

जवाब 1267 : चौंतीस।

सवाल 1268 :मेअ़राज का दूसरा नाम बताइए?

जवाब 1268 : असरा।

सवाल 1269 : शबे मेअ़राज में अम्बिया-ए-केराम की इमामत के वक़्त अज़ान व इक़ामत किसने कही ?

जवाब 1269 : हज़रत जिबराईल अलैहिस्सलाम ने।

सवाल 1270 : दो माह का वह कौन सा सफर है जिसे आक़ा सल्लल्लाहो अलैहि व सल्लम ने रात के मुख़्तसर हिस्से में तै किया और वापस तशरीफ लाए?

जवाब 1270 : मस्जिदुलहराम से बैतुल्मुक़द्दस तक जो आप ने मेअ़राज की रात में तै फरमाया था।

सवाल 1271 : शबे मेअ़राज हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने अल्लाह तआ़ला से कितने कलेमात समाअ़त फर्माए?

जवाब 1271 : नव्वे हज़ार।

रहमते आलम सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की

मक्का से मदीना की तरफ़ हिजरत

सवाल 1272 :रहमते आलम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने मक्का से किस शहेर की तरफ हिजरत फरमाई?

जवाब 1272 : मदीना शरीफ की जानिब।

जब से आँखों में समाई है मदीना की बहार
नज़र आते हैं ख़िज़ां दीदह गुल्सितां हम को।

सवाल 1273 :हुज़ूर सल्ललाहु अलैहि व सल्लम ने मक्का से मदीना की तरफ किस सने ई० में हिज़रत फरमाई?

जवाब 1273 : 622 ई. में।

सेवाल 1274 :मदीना शरीफ का क़दीम नाम बताइये?

जवाब 1274 : यसरिब।

सवाल 1275 : शहेनशाहे दारैन सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने हिजरत की रात जिस ऊँटनी पर सफर फरमाया उस का नाम बताइये?

जवाब 1275 : अल्कुसवा।

सवाल 1276 : मक्का शरीफ से मदीना शरीफ कितनी दूरी पर वाकेअ् है?

जवाब 1276 : 320 किलोमीटर की दूरी पर।

सवाल 1277 :आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने हिजरत की रात किस ग़ार में क़याम फरमाया?

जवाब 1277 : ग़ारे सोर में।

सवाल 1278 : रहमते आलम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम मदीना शरीफ में किस के मेहमान हुए?

जवाब 1278 : हज़रत अबू अय्यूब अन्सारी रज़ि यल्लाहु अन्हु के।

सवाल 1279 : सरकारे दो आलम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की मदीना आमद पर मदीना की बच्चियों ने जो अश्आ़र पढ़ा था उस का एक शेअ़र सुनाइए ?

जवाब 1279 : तलअल्बदरु अलैना मिन सनियातिलवदाओ वजबश्शुक्रु अलैना मादआ लिल्लाहि दाओ।

तर्जुमा : वदाअ की घाटियों से हम पर चाँद नुमूदार हुवा। जिस का शुक्र हम पर वाजिब है दुआ मांगने वालों ने क्या ही उमदह दुआ मांगी है।

सवाल 1280 : मोनिसे बेकसां सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की मदीना आमद के मौकअ़ पर दफ बजाने वाली लड़कियां किस क़बीले से थीं ?

जवाब 1280 : बनू नज्जार से।

सवाल 1281 : फख़्रे दोआलम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने हज़रत अबू अय्यूब अन्सारी रज़ि यल्लाहु अन्हु के यहाँ कितने दिन क़याम फरमाया ?

जवाब 1281 : सात महीना।

सवाल 1282 : हिजरत के मौक़अ पर रहमते आलम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने जिस मस्जिद की बुनियाद रखी उस का नाम बताइए?

जवाब 1282 : मस्जिदे कुबा।

सवाल 1283 : मदीना पहुँचने से क़ब्ल आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने कहाँ क़याम फरमाया ?

जवाब 1283 : कुबा में।

सवाल 1284 : हिजरत से क़ब्ल रहमते आलम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम मदीना शरीफ कितनी बार तशरीफ ले गए?

जवाब 1288 : सिर्फ एक बार।

सवाल 1285 : बअ़दे हिजरत आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने मुहाजिरीन व अन्सार के दरमियान जो भाई चारह कायम फरमाया उसे क्या कहते हैं?

जवाब 1285 : मवाख़ात।

सवाल 1286 : हुजूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के मदीना तशरीफ लाने की ख़ुशी में बनू नज्जार की लड़कियाँ दफ बजा कर कौन सा शेर पढ़ती थीं ?

जवाब 1286 :

नहनू जवारिन मिन बनी नज्जार
या हब्ज़ा मुहम्मदिं मिन अजार

तर्जुमा : हम बनी नज्जार की लड़कियां हैं किया ही अच्छा हुआ मोहम्मद सल्लल्लाहो अलैहि व सल्लम हमारे पड़ोसी हुये।

सवाल 1287 : मुहाजिरीन कौन लोग कहलाए?

जवाब 1287 : जिन लोगों ने इस्लाम की ख़ातिर अपने वतने अज़ीज़ को छोड़ दिया।

सवाल 1288 : अन्सार किसे कहते हैं?

जवाब 1288 : मदीना में रह कर मुहाजिरों की मदद करने वाले अन्सार कहलाए।

सवाल 1289 : ग़ारे स़ोर के दरवाज़ह पर अल्लाह तआला ने किस चीज़ का इन्तेज़ाम फरमाया था?

जवाब 1289 : मकड़ी ने जाला बुना, कबूतरी ने अण्डे दिये और एक दरख़्त भी उगाया।

नोट : (इन दिनों कअ़बा में जो कबूतर पाए जाते हैं वह उन्हीं की नस्ल से हैं)

सवाल 1290 : ग़ारे सोर के दहाने पर जो दरख़्त उगा था उसे अरब क्या कहते हैं?

जवाब 1290 : उम्मे ग़ीलान, उस की बलंदी क़द के बराबर थी।

(ज़ियाउन्नबी ज. 3 सफह 65)

सवाल 1291 : रहमते आलम सल्लल्लाहो अलैहिवसल्लम ग़ारे सोर में कितने दिन मुक़ीम (ठहरे) रहे?

जवाब 1291 : तीन दिन और तीन रात।

सवाल 1292 : हिजरत की रात जो आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के रशीदे सफर थे उन का इस्मे गरामी बताइए?

जवाब 1292 : हज़रत सिद्दीक़ अकबर रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 1293 : हिजरत की रात जो आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के बिस्तरे नाज़ पर बे ख़ौफ व ख़तर सोए उन का इस्मे गरामी बताइये?

जवाब 1293 : हज़रत अली कर्रमल्लहु वजहुहू।

सवाल 1294 : ग़ारे सोर में बकरियों का दूध ले जाने वाले शख़्स का इस्मे गरामी बताइए?

जवाब 1294 : हज़रत सिद्दीक़ अकबर रज़ि यल्लाह अन्हु के गुलाम आमिर बिन फ़ुहैरह।

सवाल 1295 : सफ़रे हिजरत के मौक़अ पर हुजूर अकरम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने हज़रत ख़ुज़ाइयह रज़ि यल्लाहु अन्हा उम्मे मुअबद की जिस बकरी का दूध नोश फ़रमाया था उस की ख़ासियत क्या थी और कब तक ज़िन्दह रही ?

जवाब 1295 : वह बहुत कमज़ोर थी आप ने जब उस के थनों पर दस्ते पाक लगाया तो तवानाई आगई वह दोनों वक़्त दूध देती थी और ख़लीफ़ए दोम हज़रत उमर रज़ि यल्लाहु अन्हु के अहदे ख़िलाफ़त तक ज़िन्दह रही।

सवाल 1296 : उम्मे मअ़बद का अस्ल नाम बताइये?

जवाब 1296 : उम्मे आतिका बिन्ते ख़ल्फ़। (ज़ियाउन्नबी सोम स. 87)

सवाल 1297 : हिजरत के मौक़ा पर इनआम की लालच में आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के तअ़कुब में नुमाया किरदार किसने अदा किया?

जवाब 1297 : हज़रत सुराक़ा बिन मालिक रज़ि यल्लाहु अन्हु ने। (इसलाम लाने से क़ब्ल)

सवाल 1298 : ग़ैब दां रसूल सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने सुराक़ा बिन मालिक को क्या बशारत दी?

जवाब 1298 : ऐ सुराक़ा मैं तेरे हाथों में किसरा का कंगन देख रहा हूँ। (ये पेशीन गोइ ख़लीफ़ह दोम के अहेद में पूरी हुई।)

सवाल 1299 : हिजरत के मौक़ा पर हज़रत सुराक़ा के लिए अमान नामा किसने किस पर तहरीर किया था?

जवाब 1299 : हज़रत आमिर बिन फ़ुहैरह ने चमड़े पर। (रज़ि यल्लाहु अन्हु)

सवाल 1300 : सफ़रे हिजरत के मौक़ा पर आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने रहबरी के लिए उजरत पर किसको मुक़र्रर फ़र्माया था?

जवाब 1300 : अब्दुल्लाह बिन अरीक़त को।

सवाल 1301 :रहमते आलम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने मदीना शरीफ में कितने साल क़याम किया?

जवाब 1301 :दस साल।

सवाल 1302 :हिजरत की रात जिन के घर से आगाज़े सफर हुआ उस अज़ीम शख़्सियत का इस्मे ग्रामी क्या था?

जवाब 1302 :हज़रत सय्यदुना अबू बकर सिद्दीक़ रजि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 1303 :रहमते दो जहाँ सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम ने हिजरते मदीना कब फर्माई?

जवाब 1303 :13 नुबुव्वत में।

सवाल 1304 :हुजूर अकरम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के कअबा में दाख़िल होने की तारीख़ क्या थी?

जवाब 1304 :सितम्बर की कोइ तारीख़ थी 622 ईस्वी।

(जमाले मुस्तफा जि. 6 सफा नं. 9)

सवाल 1305 :क़ुबा में आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम किसके महमान हुए?

जवाब 1305 :कुल्सूम बिन अल्हुदाम के, जो ख़ान्दाने अम्र बिन औफ़ के अज़ीम सरबारह थे। (जमाले मुस्तफा जि. 3 सफा नं. 10)।

नोटः जबकि ज़ियाउन्नबी सोम सफा नं. 105 में मेज़बान सअद बिन ख़ुशैमह को बताया गया है और कुल्सूम बिन अल्हुदाम के यहां क़याम था।

सवाल 1306 :ग़ारे सोर में क़याम के दौरान इस्लामी सी आई डी के फराइज़ किसने अन्जाम दिये?

जवाब 1306 : हज़रत अब्दुल्लाह बिन अबूबकर रज़ी यल्लाह अन्हुमा ने।

सवाल 1307 :मदीना मुनव्वरह में दाख़िले से क़ब्ल किस सहाबी ने अपने दस्तार को नेज़े पर बलंद करके अलम बनाया?

जवाब 1307 :हज़रत बुरीदह रज़ि यल्लाहु अन्हु ने।

सवाल 1308 :तौरात में मदीना शरीफ़ को किस नाम से याद किया गया है?

जवाब 1308 :त़ाबा, त़य्बा, त़य्यबह। (राहतुल कुलूब स. 6)

सवाल 1309 :दुनिया के किस शहेर को ईमान का सर चश्मा बताया गया है?

जवाब 1309 : मदीना को (वल्लज़ीना तबव्वउद्दारा वल इमान)

सवाल 1310 : कुबा में किस का मकान बैतुल अ़ग़राब मशहूर था। (कुंवारों का घर)?

जवाब 1310 : हज़रत सअ़द बिन खुशैमा रज़ि यल्लाहु अन्हु का। (जमाले मुस्तफ़ा जि. सोम स. 10)

सवाल 1311 : हिजरत की रात आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम के मुकद्दस घर का मोहासिरा करने वालों में आप के ख़ानदान का एक क़रीबी शख़्स भी था उस का नाम बताइए ?

जवाब 1311 : आप का चचा अबू लहब।

सवाल 1312 : हिजरत की रात रहमते आलम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने हज़रत अली रज़ि यल्लाहु अन्हु को अपने बिस्तर पर क्यों सुलाया था?

जवाब 1312 : ताकि जो अमानतें आप के पास मौजूद थीं वह उन्हें वापस करके मदीना पहुंच जाऐं।

सवाल 1313 : गारे सोर से मदीने की तरफ़ जो क़ाफ़िला रवाना हुआ था वह कितने अफ़राद पर मुश्तमिल था?

जवाब 1313 : चार अफराद पर, हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम, सिद्दीक़ अकबर, आ़मिर बिन फुहैरह (चरावह) अब्दुल्लाह बिन अरीक़त जिसे उजरत के तौर पर रहबरी के लिए मुक़र्रर किया गया था रज़ि यल्लाहु अन्हुम। (ज़ियाउन्नबी सोम. स. 82)

सवाल 1314 : मक्का मुकर्रमह से निकलते वक़्त हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने आख़िरी बार मक्का से दर्द मंदाना ख़िताब फरमाया था उस जगह का नाम क्या है?

जवाब 1314 : हुज़ूरह।

सवाल 1315 : कुरैशियों के उस खोजी का नाम बताइए जो उन्हें हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के तअ़क्कुब में ग़ारे सोर तक लाया था?

जवाब 1315 : कर्ज बिन अ़ल्क़मह ख़ज़ाई।

सवाल 1316 : बवक्ते हिजरत रहमते आ़लम सल्लल्लाहु अ़लैहि व सल्लम की उम्र क्या थी?

जवाब 1316 : 53वां साल ख़त्म हो कर 54वां साल शुरू हो चुका था।

सवाल 1317 : आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की गिरिफ़्तारी पर कुरैश ने क्या इनआम मुकर्रर किया था?

जवाब 1317 : सौ (100) सुर्ख़ ऊँट।

सवाल 1318 : हिजरते हब्शा ऊला के मुहाजिरीन के अस्माऐ गिरामी बताइये?

जवाब 1318 : हज़रत उस्मान ग़नी बमआ ज़ौजह मोहतरमा हज़रत रूक़य्यह बिन्ते रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलैहिवसल्लम हज़रत अबू सल्मा, बमअ ज़ौजये मोहतरमा हज़रत उम्मे सल्मा, हज़रत अबू हुज़ैफा बमआ अपनी ज़ौजा सोहेला बिन्ते सोहेल, हज़रत आमिर बिन अबी रबिया बमआ ज़ौजा लैला अदविया, हज़रत अब्दुर्रहमान बिन औफ, मुस्अब बिन उमैर, उसमान बिन मज़ऊन, सोहेल बिन बैज़ा, अबू समरा हातिब बिन अम्र, अब्दुल्लाह बिन मसऊद रज़ि यल्लाहु अन्हुम।
(ज़ियाउन्नबी दोम स. नं. 343-344)

सवाल 1319 : मुहाजिरीने हब्शह का काफ़िला जिस बन्दरगाह से कश्ती में सवार हुआ उसका नाम क्या था?

जवाब 1319 : शुऐबह जो जिद्दह से थोड़े फासिले पए जुनूब की जानिब वाक़े थी। (ज़ियाउन्नबी दोम स. नं. 344)

सवाल 1320 : पहला कारवां हब्शा की जानिब कब रवाना हुआ?

जवाब 1320 : माहे रजब बेअसत के पांचवें साल 615 ई० में।
(ज़ियाउन्नबी दोम सफा नं. 344)

सवाल 1321 : रूउसाये मक्का के सफीर बन कर शाहे हब्शा के पास कौन लोग गए थे?

जवाब 1321 : अम्र बिन आस, अम्मारह बिन वलीद जबकि इबने हेशाम ने अम्मारह की जगह अब्दुल्लाह बिन रबीअह को बताया है। तोहफे में एक अर्बी घोड़ा और जुब्बा भी था।
(ज़ियाउन्नबी दोम सफा नं 359)

सवाल 1322 : राहे हक़ के मुसाफिरों ने बवक्ते हिजरते हब्शा कश्ती वालों को कितना किराया अदा किया था?

जवाब 1322 : फीकस निस्फ दीनार। (ज़ियाउन्नबी दोम स. नं. 378)

सवाल 1323 : सबसे पहले यस्रब (मदीना) की तरफ़ हिजरत की सआदत किसने हासिल की?

जवाब 1323 : हज़रत अबू सल्मा मख़्ज़ूमी रज़ि यल्लाहु अन्हु ने। (ज़ियाउन्नबी सोम सफा नं. 27)

सवाल 1324 : बनी असलम के जिस आदमी को हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने अपनी आमद की इत्तेला के लिए रवाना किया था उनका नाम बताइये?

जवाब 1324 : ओस बिन हजर और एक गुलाम मसऊद बिन हुनेदा। (ज़ियाउन्नबी सोम सफा नं. 83)

सवाल 1325 : हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ग़ारे सोर से कुबा कितने दिनों में पहुंचे?

जवाब 1325 : 12 दिनों में। (ज़ियाउन्नबी सोम सफा नं. 84)

सवाल 1326 : हज़रत सुराक़ा बिन मालिक रज़ि यल्लाहु अन्हू के क़बीले का नाम बताइये?

जवाब 1326 : क़बीलए बनू मुदलज। (ज़ियाउन्नबी सोम सफा नं. 92)

सवाल 1327 : कुस्वा नाक़ा (ऊँटनी) आकर जिस जगह रुकी थी उसे अहले अ़रब क्या कहते हैं?

जवाब 1327 : मरबद जहां खुजूरें ख़ुश्क करने का ज़ख़ीरह था। (ज़ियाउन्नबी सोम सफा न. 126)

रहमते आलम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की दावते इस्लाम

सवाल 1328 : रहमते आलम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के अहदे पाक में मुल्के फारस का बादशाह कौन था?

जवाब 1328 : खुस्रू परवेज़।

सवाल 1329 : सरकारे दो आलम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के अहदे पाक में मुल्के रूम का बादशाह कौन था?

जवाब 1329 : हिरक़्ल।

सवाल 1330 :आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के अहदे पाक में मुल्के मिस्र का बादशाह कौन था?

जवाब 1330 : मुक़ौक़िस।

सवाल 1331 :आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की जानिब से कैसरे रूम की तरफ़ दावते इस्लाम का ख़त ले जाने वाले सहाबी का नाम बताइये?

जवाब 1331 : हज़रत दहियतुल कल्बी रज़ि यल्लाहु अन्हु।

(जमाले मुस्तफा ज. 4 सफ़ा नं. 197)

सवाल 1332 : हज़रत दहियतुल कल्बी बिन ख़लीफा रज़ि यल्लाहु अन्हु जब शाम की तरफ़ दावते इस्लाम का वाला नामा (खत) लेकर गए तो वहां के बाशिन्दों पर क्या असर हुआ?

जवाब 1332 : वहां की औरतें भी आपको देखने के लिए अपने घरों से निकल पड़ीं। (नुज़हतुल्क़ारी अव्वल सफा नं. 227)

सवाल 1333 : किसरा शाहे फारस की जानिब सरकारे दोआलम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम का दावती पैग़ाम कौन सहाबी ले गए?

जवाब 1333 : हज़रत अब्दुल्लाह बिन हुज़ैफ़ा सहमी रज़ि यल्लाहु अन्हु या अम्र बिन उमैय्या रज़ि यल्लाहु अन्हु।

(जमाले मुस्तफा जि. 4 स. नं. 202)

सवाल 1334 :हब्शा शाहे नजाशी की तरफ़ दावते इलल्हक ले जाने वाले सहाबी का इस्मे ग्रामी बताइये?

जवाब 1334 : हज़रत जाफर बिन अबी तालिब रज़ि यल्लाहु अन्हु और किताब "जमाले मुस्तफा" ज़ि. 4 स. 191 पर हज़रत अमर बिन उमैया रज़ि अल्लाहु अन्हु को बताया गया है।

सवाल 1335 :हजरत हातिब बिन बलतेआ रज़ि यल्लाहु अन्हु दावते इस्लाम का ख़त किसके पास ले गए?

जवाब 1335 : मुक़ौक़िस हाकिम असकन्दरिया व मिश्र के पास।

(जमाले मुस्तफा जि. 4 स. 217)।

सवाल 1336 : मुसलमानों की पहली हिजरत किस मुल्क की जानिब हुई?

जवाब 1336 : हब्शा की तरफ।

सवाल 1337 : पहली हिजरते हब्शा में मुसलमानों की तअ़दाद कितनी थी?

जवाब 1337 : पन्द्रह 15 जिन में 11/मर्द और 4 औरतें शामिल थीं।
(ज़ियाउन्नबी दोम स. 343)

सवाल 1338 : आक़ा सल्ललाहु अलैहि व सल्लम की बारगाह में पहला शाही हदिया किस ने पेश क्या?

जवाब 1338 : शाहे नजाशी ने।

सवाल 1339 : नजाशी बादशाह ने अपने जिस बेटे को हुज़ूर सल्ललाहु अलैहि व सल्लम की ख़िदमत में भेजा था उस का नाम बताइये?

जवाब 1339 : अरहा। (ज़ियाउन्नबी दोम स.148)

सवाल 1340 : नबिए मुकर्रम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने नजाशी बादशाह को दावते इस्लाम के एलावा एक और गिरामी नामा रवाना किया था, बताइये वह क्या था?

जवाब 1340 : हज़रत उम्मे हबीबह रज़ि यल्लाहु अन्हा के साथ अक़्दे निकाह का हुक्म। (ज़ियाउन्नबी चहारुम स.148)

सवाल 1341 : नजाशी बादशाह का अस्ल नाम बताइये?

जवाब 1341 : असमेहा।

सवाल 1342 : नजाशी बाद ाह ने हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के दोनों गिरामी नामों को हाथी के दांत की डिबिया में एहतेमाम से रख कर क्या कहा था?

जवाब 1342 : "हब्शा में हर तरफ़ ख़ैरियत रहेगी जब तक ये दो गरामी नामें इसके पास रहेंगे"। (ज़ियाउन्नबी चहारुम स. 188)

सवाल 1343 : बैअ़ते अक़्बए ऊला में कितने लोग मुसलमान हुए?

जवाब 1343 : छे:

सवाल 1344 : बैअ़ते अक़्बए सानिया में ईमान लाने वालों की तअ़दाद कितनी थी?

जवाब 1344 : बारह।

सवाल 1345 : बैअते अक़्बए सोएम में ईमान लाने वाले हज़रात कितने थे?

जवाब 1345 : बहत्तर (72)। जिस में दो औरतें भी शामिल हैं।

सवाल 1346 : आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के अहदे पाक में

दमि क का हाकिम कौन था?

जवाब 1346 : हारिस बिन अबी शिम्र।

सवाल 1347 : दूसरी, हिजरते हब्शा में कितने मुसलमान शामिल थे?

जवाब 1347 : तिरासी मर्द और उन्नीस (19) औरतें 615 ई.।

सवाल 1348 : मदीना में नजाशी बादशाह की गाइबाना नमाज़े जनाज़ह कब पढ़ी गई?

जवाब 1348 : रजब 9 हिजरी में। शाफ़ईयह इसी से दलील पकड़ते हैं कि नमाज़े जनाज़ह ग़ाएबाना जाएज़ है। मगर हनफिया कहते हैं की ये वाक़ेआ हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के लिए ख़ास था। नजाशी का जनाज़ह आप पर मुनकशिफ कर दिया गया था लेहाजा हक़ीक़त में नमाज़ हाज़िर मय्यत पर पढ़ी गई न कि ग़ाएब पर।

सवाल 1349 : मुल्के शाम के हाकिम ग़स्सानी के दरबार में दावते इस्लाम ले जाने वाले सहाबी का इस्मे गिरामी बताइये?

जवाब 1349 : हज़रत शुजाअ बिन वहब असदी रज़ि यल्लाहु अन्हु।

(जमाले मुस्तफा जि. 4 स. 209)

सवाल 1350 : वालिए यमामह के पास दावते इस्लाम कौन ले गए?

जवाब 1350 : हज़रत सलीत बिन अम्र आमिरी रज़ि यल्लाहु अन्हु।

(जमाले मुस्तफा जि. 4 स. 228)

सवाल 1351 : वालिए बहरैन की ख़िदमत में इस्लाम की दावत कौन सहाबी ले गए?

जवाब 1351 : हज़रत अ़ला बिन हज़्री रज़ि यल्लाहु अन्हु।

(जमाले मुस्तफा जि. 4 स. 230)

सवाल 1352 : आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की बारगाह में शाही हदिया में शाहे मुक़ौक़िस ने कौन सी चीजें रवाना कीं?

जवाब 1352 : हज़रत मारिया व शीरीन रज़ि यल्लाहु अन्हुमा दुख़्तराने शमऊन क़िब्ती और सफेद ऊँट (दुलदुल)

सवाल 1353 : आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के ख़िलाफ़ इस्तेहज़ा (तन्ज़ व मज़ाह) करने वाली 25 रुकनी कमेटी का सरबराह कौन था?

जवाब 1353 : अबू लहब।

सवाल 1354 : कुफ्फारे मक्का के हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के मुतअल्लिक़ ग़लत पुरोपैगंडा का बाहर से आने वालों पर क्या असर पड़ा?

जवाब 1354 : वह लोग आपके नाम से आशना हो गए और जुस्तजूए अहवाल के लिए मक्का आने लगे।

सवाल 1355 : रहमते आलम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने अपने मकतूबाते गिरामी में मोहर का इस्तेमाल कब से शुरु किया था?

जवाब 1355 : यकुम मुहर्रम 7 हिजरी से।

सवाल 1356 : उस काफिर का नाम बताइये जिसने हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम को तंग करने वाली कमेटी के इजलास में कहा था कि आप को शाअेर और काहिन और दीवाना कहने से ही मतलब हल नहीं हो सकता बल्की ये कहा जाए कि आपका कलाम बाप बेटे भाई शौहर बीवी में जुदाई डाल देता है।

जवाब 1356 : वलीद बिन मुगीरह।

सवाल 1357 : जिन क़बाएल को सरकार ने हज के इज्तेमाआत में तिजारती मन्डियों के मौक़ा पर दावते इस्लाम दी उनके नाम बताइए?

जवाब 1357 : बनी आमिर, ग़स्सान, बनी फराज़ा, बनी मुर्रह, बनी हन्फिया, बनी सुलेम, बनी कैस, बनी नुज़र, बनी हवाज़न, बनी सअ़लबा, बिन उक़ाबा, कुन्दह, कलब, बनी हारिस बिन कअ़ब, बनी अुज़रह, कैस बिन हतीम वगैरहुम। (ज़ियाउन्नबी दोम स. 464)

फातहे मक्का आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम

वह बिजली का कड़का था या सौते हादी
अ़रब की ज़मीं जिस ने सारी हिलादी

सवाल 1358 : आक़ा सल्लल्लाहु अ़लैहि व सल्लम की मोहर किस चीज़

की थी और उस में क्या लिखा था?

जवाब 1358 : मोहर चाँदी की थी, और तीन सतरों में "मुहम्मदु रसूलुल्लाह" लिखा था। (सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम)

सवाल 1359 :इस्लाम का बोलबाला किस सने हिजरी में हुआ?

जवाब 1359 :९ हिजरी में।

सवाल 1360 : हज्जतुल विदाअ के मौक़ा पर सहाब-ए-किराम की तअ़दाद कितनी थी, जिन से आप ने मैदाने अ़रफात में ख़िताब फरमाया था?

जवाब 1360 :तक़रीबन एक लाख चौबिस हज़ार (124,000)।

सवाल 1361 :वह कौन से नबी हैं जिनके घर में पूरा पूरा महीना चूल्हा नहीं जल्ता था?

जवाब 1361 :ताजदारे मदीना सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम।

सवाल 1362 :रह़मते आ़लम सल्लल्लाहु अ़लैहि व सल्लम के मोअज्जिनों के अस्माए गरामी बताइये?

जवाब 1362 :मदीना में हज़रत बिलाल हब्शी और अब्दुल्लाह इब्ने मकतूम जो नाबीना थे (रज़ियल्लाहु अन्हुमा) और कुबा में हज़रत सादुल कर्ज़ ने अज़ान दी जबकि मक्का में अबू महजूरह ने (रज़ि यल्लाहु अन्हुमा)। (नश्रुत्तीइब सफह 195)

सवाल 1363 :आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के शुअरा के अस्माए गरामी बताइये?

जवाब 1363 : (1) ह़ज़रत हस्सान बिन साबित (2) ह़ज़रत क़अ़ब बिन मालिक (3) अब्दुल्लाह बिन रवाहा (4) ख़तीब साकि़ब बिन कैस रज़ि यल्लाहु अन्हुम।

सवाल 1364 : रह़मते आलम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने उमरतुल क़ज़ा किस सन हिजरी में अदा फरमाया?

जवाब 1364 :सन 7 हिजरी में।

सवाल 1365 : हज्जतुल विदा के मौक़ा पर आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने अपने हाथों से कितने ऊंट ज़बह किये?

जवाब 1365 :63 ऊंट।

सवाल 1366 :सरकारे दो आ़लम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने जो

हज अदा फरमाया उसे क्या कहते हैं?

जवाब 1366 : हज्जतुल विदा।

सवाल 1367 : आम्मुल वफूद किस सन हिजरी को कहा जाता है?

जवाब 1367 : सन 9 हिजरी को।

सवाल 1368 : हिजरी सन का नेफ़ाज़ किस सन हिजरी में हुआ?

जवाब 1368 : सन 10 हिजरी में।

सवाल 1369 : सरकारे दोआलम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने कितने हज अदा फरमाए?

जवाब 1369 : सिर्फ एक।

सवाल 1370 : हज्जतुल विदा के मौक़ा पर जब आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम मिना की तरफ रवाना हुए तो किस सहाबी ने आप पर कपड़े से साया किया?

जवाब 1370 : हज़रत बिलाल हब्शी रज़ि यल्लाहु अन्हु ने।

सवाल 1371 : हुजूर अकरम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम से तमाम उम्र में कितने एतकाफ फौत हुए?

जवाब 1371 : सिर्फ एक।

सवाल 1372 : रहमते दो जहाँ सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने कितने उमरे अदा फरमाए?

जवाब 1372 : 4 चार। (1) हुदैबिया के ज़माने में(2) माहे ज़ूक़अदह में मदीना तय्यबा से (3) ज़ूक़अदह में जाराना से जब हुनैन के बाद माले ग़नीमत तक़सीम फरमाया। (4) हज्जतुल विदा के साथ। (ज़ियाउन्नबी जि. 4 स. 553)

सवाल 1373 : हज्जतुल विदा के बाद आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के बाल शरीफ तरा ने का शर्फ किसे हासिल हुआ?

जवाब 1373 : हज़रत मुअम्मर बिन अब्दुल्लाह अदवी रज़ि यल्लाहु अन्हु को। (बुख़ारी जि. 2 स. 633)

सवाल 1374 : उमरतुल क़ज़ा के मौक़ा पर आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के बाल शरीफ किस सहाबी ने तराशे?

जवाब 1374 : हज़रत ख़राश इब्ने उमय्या रज़ि यल्लाहु अन्हु ने। (बुख़ारी जि. 2 स. 633)

सवाल 1375 : रहमते आलम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के कुबा में तशरीफ लाने से क़ब्ल वहाँ मुहाजिरीने अव्वलीन की इमामत कौन सहाबी करते थे?

जवाब 1375 : हज़रत सालिम रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 1376 : मक़ामे जाराना में आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने हलीमा सअदिया के क़बीले से तअल्लुक़ रखने वाले कितने क़ैदियों को आज़ाद फरमाया?

जवाब 1376 : तक़रीबन साठ ।

सवाल 1377 : हज्जतुल विदा से मदीना वापसी पर आक़ा ससल्लल्लाहु अलैहि व सल्ल्म की ऊंटनी की मुहार किसने हाथ में ली थी?

जवाब 1377 : हज़रत बिलाल हब्शी रज़ि यल्लाहु अन्हु ने।

सवाल 1378 : हज्जतुलविदा की वजहे तसमिया (कहने की वजह) बताइये?

जवाब 1378 : हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने अपने ख़िताबात में फरमाया कि इस मक़ाम पर मेरी तुम से यह आख़िरी मुलाक़ात है और आप ने अपनी उम्मत को अलविदा फरमाया। (ज़ियाउन्नबी जि. 4 स. 745)

मोजिज़ाते रसूलुल्लाह सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम

खुदा ने एक मोहम्मद में दे दिया सब कुछ
करीम का करम बे हिसाब क्या कहना

सवाल 1379 : रहमते दो जहाँ सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम जब पालने में होते थे तो कौन सा मुअजिज़ह ज़हूर पज़ीर जाहिर होता था?

जवाब 1379 : आप के इशारे पर चाँद गरदिश करता था।

चाँद झुक जाता जिधर ऊंगली उठाते महद में
क्या ही चलता था इशारों पर खिलौना नूर का।

सवाल 1380 : चाँद दो टुकड़े कैसे हुआ?

जवाब 1380 : हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की उंगुली का इशारह पाकर चाँद दो टुकड़े हो गया।

सवाल 1381 : मोजिज़ह शक़कुल्क़मर देख कर हिन्दुस्तान का एक राज़ा मुसलमान हो गया बताइये उसका नाम क्या था?

जवाब 1381 : सूबह मध्य प्रदेश के इलाका मालवह में धरनामी शहर का राजा भोज इस्लामी नाम अब्दुल्लाह था। (हुजूर सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की बारगाह में जिस ने नज़राना भी रवाना किया था)

सवाल 1382 : हज़रत अली रज़ि यल्लाहु अन्हु की नमाज़े अस्र कज़ा हो जाने पर आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने सूरज को वापस बुलाया यह मोजिज़ह कहाँ सादिर हुआ ?

जवाब 1382 : मक़ामे सहबा में जंगे खैबर के मौक़ा पर।

तेरी मर्ज़ी पा गया सूरज फिरा उल्टे क़दम
तेरी उंगली उठ गई मह का कलेजा चिर गया

सवाल 1383 : उस लकड़ी का नाम बताओ जो फ़िराके रसूल मे ज़ारो क़तार रोई और सहाबा ने समाअ़त फरमाया (सुना)?

जवाब 1383 : उस्तुने हन्नानह (मस्जिदे नबवी की सुतून)।

सवाल 1384 : फख़्रे काएनात सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की ऊंगलियों से पानी का चश्मा जारी होने का मोजिज़ह कहाँ सादिर हुआ?

जवाब 1384 : ग़ज़वए तबूक या सुलहे हुदैबिया के मौका पर।

ऊंगलियां हैं फैज़ पर टूटे हैं पियासे झूम कर
नद्दियां पंजाबे रहमत की हैं जारी वाह वाह।

सवाल 1385 : नबिए रहमत सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की विलादत बा सआदत के मौका पर कौन सा मोजिज़ह रुनुमा (ज़ाहिर) हुआ?

जवाब 1385 : हज़ार साला आतिशकदह-ए-फारस बुझ गया। सर बफलक (ऊँची) इमारतें ज़मीन बोस हो गईं। कअबा के बुत मुंह के बल गिर पड़े।

सवाल 1386 : ग़ज़वए ख़ंदक़ की खुदाई के मौक़ा पर आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम के चमकदार और सफेद पत्थर के तोड़ने से कैसी रोशनी नमूदार हुई?

जवाब 1386 : ऐसी चमक जिस से सारा मदीना रोशन होगया।

सवाल 1387 : आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने किस पहेलवान को तीन तीन बार कुश्ती में पछाड़ दिया था?

जवाब 1387 : रोकाना को।

सवाल 1388 : रोकाना को किस क़दर ताक़त व कुव्वत हासिल थी?

जवाब 1388 : अकेला दो सौ अदमियों को पछाड़ देता था।

(ज़ियाउन्नबी जि. 5 स. 273)

सवाल 1389 : सरवरे काएनात सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने ग़ज़वये बद्र के रोज़ किस सहाबी के हाथ में खजूर की टहनी को तेज़ धार वाली तलवार बना दिया था?

जवाब 1389 : हज़रत ओकाशा बिन मुहसिन रज़ि यल्लाहु अन्हु। उस तलवार का नाम तलवारुलऔन था। (ज़ियाउन्नबी सोम 360)

सवाल 1390 : बिल्कुल अन पढ़ लोगों को अहकाम का आलिम और क़ौम का हादी थोड़े ही अर्सा में किस ने बना दिय।

जवाब 1390 : अहमदे मुख़्तारसल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने।

सवाल 1391 : आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की दुआ से किस सहाबी के चेहरा और कोड़े से रोशनी निकलती थी?

जवाब 1391 : हज़रत अबू तुफ़ैल दोसी रज़ि यल्लाहु अन्हु के।

सवाल 1392 : ग़ज़वए उहद में आक़ा सल्लल्लाहो अलैहि व सल्लम के नेज़ह मारने से कौन काफिर हलाक हुवा?

जवाब 1392 : उबै बिन ख़ल्फ़।

सवाल 1393 : आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने किस सहाबी की निकली हुई आँख लोआबे दहन लगा कर हमेशा के लिये दुरूस्त फरमाई ?

जवाब 1393 : हज़रत क़तादह रज़ि यल्लाहु अन्हु की ।

सवाल 1394 : गैबदां रसूल सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम पर जो सिहर किया गया था उन चीज़ों को बरआमद करने (निकालने) के लिए आप ने किन सहाबा को रवाना फरमाया?

जवाब 1394 : हज़रत अली, अम्मार बिन यासिर, ज़ुबैर रज़ि यल्लाहु अन्हुम को।

सवाल 1395 : आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम पर सिहर की गई अशिया किन हालतों में और कौन कौन चीजें बरआमद की गईं।

जवाब 1395 : खुजूर के ख़ूशा का एक ग़िलाफ जिस के अन्दर मूए

मुबारक थे एक तांत का कपड़ा जिस में ग्यारह गिरहें लगी थीं और एक मोम का पुतला जिस में सूइयाँ चिभोइ गई थीं।

सवाल 1396 :उस कुंएं का नाम बताओ जिसके पानी से गुस्ल करने वाला बीमार शिफा पा जाया करता था?

जवाब 1396 : बीरे बुज़ाअह जिस में आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने अपना लोआबे दहन डाला था।(राहतुल कुलूब स. 163)

सवाल 1397 :हज़रत राशिद रज़ि यल्लाहु अन्हु के उस कुएं का नाम क्या है जिस में आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने कुल्ली करके थोड़ा पानी डाल दिया था?

जवाब 1397 : माउर्रसूल।

नोटः हज़रत राशिद रज़ि यल्लाहु अन्हु का अस्ल नाम ज़ालिम था और उन के कुत्ते का नाम राशिद था। हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने कुत्ते का नाम ज़ालिम रखा और आप का नाम राशिद।

सवाल 1398 :किस सहाबी की वालिदह रहमते आलम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम का मुबारक पसीना जमा करके बतौर खुश्बू इस्तेमाल करती थीं ?

जवाब 1398 : हज़रत अनस की वालिदह उम्मे सुलेम रज़ि यल्लाहु अन्हुमा। (बुख़ारी ने तारीख़े कबीर में जिक्र किया है)।

सवाल 1399 : मालिके कौनैन सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने मदीना मुनौवरह में होते हुए बहुत दूर एक मैदाने जंग की कैफियत से सहाबए किराम को आगाह फरमा दिया जहाँ इस्लामी लश्कर लड़ रहा था उस जंग का नाम क्या था?

जवाब 1399 : जंगे मौतह।

सवाल 1400 : अरब का मशहूर पहेलवान अबुल असवद जुम्ही को आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम ने कुश्ती में पछाड़ दिया था उस को किस क़दर ज़ोर था?

जवाब 1400 : गाए की खाल पर खड़ा होता तो दस आदमी उस चमड़े को खींचते चमड़ा पारह पारह हो जाता लेकिन उसे जुंबिश तक न होती थी। (ज़ियाउन्नबी जि. 5 स. 335)

सवाल 1401 : जंगे बद्र के मौक़ा पर एक सहाबी की तलवार टूट जाने पर हुजूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने खुजूर की एक खु क टेहनी दे दी थी जो शमशीर ख़ार शेगाफ़ बन गई उन का नाम बताइये?

जवाब 1401 : हज़रत सलमह बिन असलम बिन अलख़राश रज़ि यल्लाहु अन्हु। (ज़ियाउन्नबी सोम सफह 360)

विसाले मुबारक और मस्जिदे नब्वी सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम

सवाल 1402 : रहमते आलम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम का रौज़ह सबसे पहले किसने तअमीर करवाया?

जवाब 1402 : बादशाहे मिश्र मन्सूरू ल्हई ने।

सवाल 1403 : रहमते दो आलम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने दुनिया से किस उम्र में पर्दह फरमाया?

जवाब 1403 : तिरसठ 63 साल की उम्र में।

सवाल 1404 : ताजदारे मदीना सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम का विसाले मुबारक कब हुआ?

जवाब 1404 : 12 रबीउल अव्वल 11 हिजरी में बवक़्ते चाश्त बरोज़ दो शंबा।

सवाल 1405 : आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के मर्ज़ का आग़ाज़ कब हुआ?

जवाब 1405 : 29/ सफर 11 हिजरी में दोशंबा को। इसी दिन एक सहाबी का इन्तेक़ाल हुवा नमाज़े जनाज़ह पढ़ने के लिए तशरीफ ले गए वापसी में सर मे दर्द शुरू हुवा। (ज़ियाउन्नबी जि. 4 स 792)

सवाल 1406 : आकाए दो जहाँ सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने जो आख़िरी नमाज़ पढ़ाई उस में कौन सी सूरत तिलावत फरमाई?

जवाब 1406 : सूरेह मुरसेलात।

सवाल 1407 : रसूले अकरम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम का रौज़ा कहाँ वाक़े है?

जवाब 1407 : मदीना शरीफ में।

कअ़बा दुल्हन है तुरबते अत्हर नई दुल्हन
यह रश्के आफताब वह ग़ैरत क़मर की है?

सवाल 1408 : रहमते आ़लम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के रौज़ए अक़्दस के गुंबद का रंग कैसा है?

जवाब 1408 : सब्ज़ (हरा)

सब्ज़ गुम्बद पे रहे मेरी नज़र शामो सहेर
जान हो आप पे कुर्बान रसूले अरबी ।।

सवाल 1409 : सरवरे दो आलम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के रौज़ए अक़्दस पर जो गुंबद बना है उस का नाम बताइए?

जवाब 1409 : गुंबदे ख़ज़रा।

आ़सी भी है चहीते यह तैबा है ज़ाहिदो
मक्का नहीं कि जाँच जहाँ ख़ैरो शर की है

सवाल 1410 : सरकारे दो आ़लम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने नमाज़े ईद कब अदा फरमाई?

जवाब 1410 : यकुम शव्वाल 2 हिजरी को।

सवाल 1411 : मालिके इन्स व जां सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के दुनिया से पर्दह फरमाते वक़्त घर में कितने दीनार थे?

जवाब 1411 : सिर्फ सात दीनार या आठ दिरहम जिसे हज़रत आएशा सिद्दीक़ा रज़ि यल्लाहु अन्हा ने मसाकीन में तक़सीम फरमाया। (ज़ियाउन्नबी जि. स. 807)

मालिके कौनैन हैं गो पास कुछ रखते नहीं
दो जहाँ की नेअ़मतें हैं उन के ख़ाली हाथ में।

सवाल 1412 : आख़िरी रमज़ान सन दस हिजरी का अँग्रेज़ी माह व साल बताइए?

जवाब 1412 : दिसंबर 631 ई.।

सवाल 1413 : बवक़्ते विसाल सुलताने दारैन सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम का सरे अनवर किस की गोद में था?

जवाब 1413 : उम्मुल मोमिनीन हज़रत आ़एशा सिद्दीक़ा रज़ि यल्लाहु अन्हा की गोद में।

सवाल 1414 : रहमते आ़लम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की बारगाहे

नाज़ में आख़िरी बार मिस्वाक पेश करने का शर्फ किसने हासिल क्या?

जवाब 1414 : हज़रत अब्दुर्रहमान बिन अबी बकर रज़ि यल्लाहु अन्हुमा ने।

सवाल 1415 : आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के फिराक़ में हज़रत सय्यदह फातिमह रज़ि यल्लाहु अन्हा जहाँ जाकर रोया करती थीं उस जगह को किया कहते हैं?

जवाब 1415 : कुब्बए बैतुल हुज़्न।

सवाल 1416 : हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने बवक़्ते विसाल कितने सवारी के जानवर छोड़े?

जवाब 1416 : चार। लहीफ़ (घोड़ा) दुलदुल, ख़च्चर, अफ़ीर (गधा) अज्बा कुसवा (ऊंटनी)।

सवाल 1417 : रहमते आलम सल्लल्लाहो अलैहि व सल्लम को गुस्ल देने का शर्फ किस ने हासिल किया?

जवाब 1417 : हज़रत सैयदुना अली बिन तालिब रज़ि यल्लाहु अन्हू ने ।

सवाल 1418 : बवक़्ते गुस्ल आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम पहलू बदलने की ख़िदमत किसने अन्जाम दी?

जवाब 1418 : हज़रत अब्बास व हज़रत फज़ल इब्ने अब्बास रज़ि यल्लाहु अन्हुमा ने।

सवाल 1419 : सरकार अब्दे क़रार सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के गुस्ल मुबारका में पानी डालने की ख़िदमत किन हज़रात ने अन्जाम दी?

जवाब 1419 : हज़रत कुशुम इब्ने अब्बास, उसामा बिन ज़ैद, और हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के गुलाम शक़रान ने। (रज़ि यल्लाहु अन्हुम)

सवाल 1420 : नबीए रहमत सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की नमाज़े जनाज़ह किस ने पढ़ाई?

जवाब 1420 : जनाज़ह की नमाज़ कौन पढ़ा सकता था? अपनी अपनी बख़्शिश व मग़फिरत के लिए फरदन फरदन लोगों ने नमाज़ अदा की।

सवल 1421 : आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के जनाज़ह के वली कौन थे?

जवाब 1421 : अमीरुल मोमीन हज़रत सिद्दीक अकबर रजि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 1422 : रहमते आलम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की जनाज़ह की नमाज़ सब से अखिर में किस ने पढ़ी?

जवाब 1422 : हज़रत अबू बकर सिद्दीक रजि यल्लाहु अन्हु ने।

सवाल 1423 : हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की कब्रे अनवर खोदने का शर्फ़ किस सहाबी को हासिल हुवा?

जवाब 1423 : हज़रत अबू तलहा जैद अंसारी रजि यल्लाहु अन्हुम को।
(तिरमिज़ी शरीफ अव्वल स. 124)

सवाल 1424 : हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की तदफ़ीन किस दिन अमल में आई?

जवाब 1424 : बुध की रात में। (जियाउन्नबी ज 4 स. 842)

सवाल 1425 : हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के गुस्ल के लिए पानी कहाँ से आया था?

जवाब 1425 : ग़रस नामी कुंआ से जो कुबा के करीब था और यह सअद बिन खुशैमा रज़ि यल्लाहु अन्हु की मिलकियत में था। आप अकसर इस कुंआ का पानी नोश फरमाया करते थे।
(ज़ियाउन्नबी ज 4 स. 838)

सवाल 1426 : आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की क़ब्रे अनवर कहाँ खोदी गई?

जवाब 1426 : हुजरए आएशा रज़ि यल्लाहु अन्हा में।

सवाल 1427 : ताजदारे दोआलाम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम को क़ब्रे अनवर में उतारने का शर्फ किन हज़रात को हासिल हुवा?

जवाब 1427 : हज़रत अली व अब्बास और कुशुम और फज़ल बिन अब्बास को और शक़रान जो आप के आज़ाद करदा गुलाम थे और ओस बिन ख़ोली भी इजाज़त लेकर उतरे।
(ज़ियाउन्नबी जि. 4 स. 841, न रुत्तैइब स 206)

सवाल 1428 : आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की क़ब्रे अन्वर पर कितनी ईंटें और किस तरह बिछाई गयीं?

जवाब 1428 : 9 कच्ची इटें खड़ी बिछाई गयीं। (नश्रुत्तैइब स 206)

सवाल 1429 : हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के रौज़ए अतहर पर पानी किस ने छिड़का?

जवाब 1430 : हज़रत बिलाल हब्शी रजि यल्लाहु अन्हु ने एक मश्क सिरहाने से शुरू किया।

सवाल 1430 : मस्जिदे नबवी कहॉ वाक़े है?

जवाब 1430 : मदीना मुनव्वरह में।

मदीने के शाम व सहेर अल्लाह अल्लाह
फ़रिशते वहां फूल बरसा रहे हैं

सवाल 1431 : मस्जिदे नबवी किस की ज़मीन में वाक़े है?

जवाब 1431 : बनू नज्जार की।

सवाल 1432 : मस्जिदे नबवी जिन यतीम बच्चों की ज़मीन पर वाक़े है उन का नाम बताइये?

जवाब 1432 : सहेल और सुहैल बिन राफिअह बिन अबी अम्र बिन आइज़। यह लोग बनू नज्जार के अस्अद बिन ज़रारा की किफालत में थे।

सवाल 1433 : मस्जिदे नबवी की ज़मीन कितने में और किस ने ख़रीद कर वक़्फ की?

जवाब 1433 : हज़रत अबू बकर सिद्दीक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु ने दस दीनार में। (ज़ियाउन्नबी सोम स. 149)

सवाल 1434 : आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने मदीनह में कितने साल क़याम फरमाया?

जवाब 1434 : दस साल।

सवाल 1435 : मदीना मुनव्वरह में दस साला क़याम के दौरान आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम को कितनी लड़ाईयाँ लड़नी पड़ीं?

जवाब 1435 : 19।

सवाल 1436 : मदीनह से तबूक तक रसूलुल्लाह सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के मसाजिद की तअदाद बताइए?

जवाब 1436 : सत्तरह (17)।

सवाल 1437 : असहाबे सुफ्फा की तअदाद कितनी थी? जिन्हें आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने एक पियाली दूध से सैराब फरमाया और बच गया?

जवाब 1437 : सत्तर (70)।

क्यों जनाबे बू हुरैरा था वह कैसा जामे शीर
जिस से सत्तर साहिबों का दूध से मुंह फिर गया

सवाल 1438 : उस जगह का नाम बताइए जहाँ आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम बाहर के वफ़ूद से मुलाक़ात फ़रमाते थे?

जवाब 1438 : सुतूने वफ़ूद।

सवाल 1439 : उस कुब्बा का नाम क्या है जहाँ हज़रत खिज़्र अलैहिस्सलाम ज़ाइरीने दरबारे रिसालत के साहिबे जज़्ब व करामत की हालतों को सल्ब करलेते हैं?

जवाब 1439 : कुब्बए खिज़्र अलैहिस्सलाम।

सवाल 1440 : हज़रत खिज़्र अलैहिस्सलाम ज़ाइरीने दरबारे रिसालत के साहिबे अरबाब व जज़्ब व करामत की हालतों को क्यों सल्ब कर लेते हैं?

जवाब 1440 : ताकि आलमे बेखुदी में दरबारे रिसालत मआब सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम में किसी क़िस्म की बेअदबी न होने पाए।

सवाल 1441 : ज़ाइरीने रौज़ए मुक़द्दसा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के क़ाफ़िले ऊँटों से उतर कर शहेर पनाह के दरवाज़े में दाख़िल होते हैं वहां कौन सी मस्जिद बनी है?

जवाब 1441 : मस्जिदे ग़मामा जो एक वसी मैदान में वाक़े है।

सवाल 1442 : मदीनह में दाख़िला बरोज़ सोमवार हुवा था बताइये अँग्रेज़ी तारीख़ क्या थी?

जवाब 1442 : 28 जून 622 ई.।

सवाल 1443 : मस्जिदे नबवी का शुमाली दरवाज़ह किस नाम से मौसूम है?

जवाब 1443 : बाबे मजीदी से।

सवाल 1444 : मस्जिदे नब्वी के पूरबी दोनों दरवाज़े किस नाम से मौसूम हैं?

जवाब 1444 : बाबुन्निसा और बाबे जिब्राईल अलैहिस्सलाम से।

सवाल 1445 : मस्जिदे नबवी में कितने दरवाज़े हैं?

जवाब 1445 : बारह (12)।

सवाल 1446 : मस्जिदे नबवी से कितने फ़ासिले पर मक़ामे दफ़ने उस्तुने हन्नाना है?

जवाब 1446 : डेढ़ गज़ के फासिले पर मग़रिब की जानिब।

सवाल 1447 :नशिस्ते अशर-ए-मुबश्शरह को क्या कहा जाता है?

जवाब 1447 : दारुश्शूरा।

सवाल 1448 :जन्नतुल बक़ी किस जगह से तस्लीम किया जाता है?

जवाब 1448 : माबैने (बीच) रौज़ए रसूलुल्लाह सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम और हज़रत उस्मान ग़नी रज़ि यल्लाहु अन्हु की क़ब्रे अन्दर से जो एहातए क़ब्रिस्तान है।

सवाल 1449 :दुनिया की उस मस्जिद का नाम बताइए जहाँ नमाज़ पढ़ने से दूसरी मस्जिदों के मक़ाबिल पचास हज़ार नमाज़ों का सवाब मिलता है?

जवाब 1449 : मस्जिदे नबवी सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम।

सवाल 1450 : मस्जिदे नबवी में मिम्बरे रसूल सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम और रौज़ए अत्हर का दरमियानी हिस्सा किया कह लाता है?

जवाब 1450 : रियाजुल जन्नह ।

सवाल 1451 : आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम मस्जिदे नवबी के किस दरवाज़े से अकसर दाख़िल होते थे?

जवाब 1451 : बाबे आले उस्मान से।

सवाल 1452 :रहमते दोजहाँ सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की अदमे मौजूदगी में मदीनह की सरबराही कौन सहाबी करते थे?

जवाब 1452 : हज़रत अब्दुल्लाह इबने मकतूम रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 1453 : जन्नतुल बक़ी के बाद दुनिया का अफज़ल तरीन कौन्सा क़ब्रिस्तान है?

जवाब 1453 : जन्नतुल मोअल्ला ।

सवाल 1454 : मस्जिदे नबवी में मिम्बर किस सन में क़ायम किया गया?

जवाब 1454 : 8 हिजरी में और दूसरी रवायत में 7 हिजरी है।

सवाल 1455 :मस्जिदे नबवी के लिए ईंटें कहां तैयार की गयीं ?

जवाब 1455 : मस्जिदे इबराहीम के शुमाली जानिब बीरे अय्यूब के पास उस जगह को बक़ीउन नजनिज़ा कहते हैं।

(ज़ियाउन्नबी सोम स. 150)

सवाल 1456 :मिट्टी गूंधने और गारा बनाने के फन में कौन माहिर था?

जवाब 1456 : तलक़ बिन अली। (ज़ियाउन्नबी जि. सोम स.151)

सवाल 1457 : रौज़ए रसूल सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम में सुरंग लगाने का वाक़्या कब वक़ूअ पज़ीर (वाक़े) हुआ?

जवाब 1457 : 557 हिजरी में।

सवाल 1458 : क्या आप बता सकते हैं कि मस्जिदे नबवी के सहेन में जो साया दार चबूतरह था उसे किस नाम से पुकारा जाता था?

जवाब 1458 : सुफ्फ़ा के नाम से।

सवाल 1459 : आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने अपनी हयाते अक़्दस में कौन सी आख़िरी नमाज़ मस्जिदे नबवी में पढ़ी?

जवाब 1459 : नमाज़े ज़ुहर।

सवाल 1460 : रहमते आलम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने मस्जिदे नबवी में आख़िरी नमाज़ विसाल से कितने दिन क़ब्ल पढ़ी थी ?

जवाब 1460 : पांच दिन क़ब्ल बरोज़ जुमेरात।

सवाल 1461 : उम्महातुल मोमिनीन के लिए हस्बे ज़रूरत जो हुज्रे तअ़मीर हुए उस की तअ़दाद बताइए?

जवाब 1461 : नौ 9।

सवाल 1462 : हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के विसाल के वक़्त मदीना मुनव्वरह में मसाजिद की तअ़दाद क्या थी?

जवाब 1462 : सिर्फ़ दस मस्जिदें तअ़मीर हुई थीं।

ख़ानए कअ़बा और उस के तअ़ल्लुक़ से

सवाल 1463 : रहमते आलम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की उम्रे पाक के किस हिस्से में कअ़बा की तअ़मीर हुई?

जवाब 1463 : 35 साल की उम्र में। (ज़ियाउन्नबी दोम स. 147)

सवाल 1464 : आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने किस उम्र में कअ़बा मुअज़्ज़मह के अंदर हजरे अस्वद नसब फरमाया?

जवाब 1464 : 35 साल की उम्र में 603 ई.।

सवाल 1465 : रहमते आलम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम कौन सी नमाज़

अदा फरमा रहे थे जब तहवीले (किबला बदलने) किब्ला का हुक्म नाज़िल हुआ?

जवाब 1465 : नमाजे ज़ोहर।

सवाल 1466 : नमाज़े ज़ोहर बवक़्ते तहवीले क़िब्ला हुजूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम किस मस्जिद में अदा फरमा रहे थे?

जवाब 1466 : मस्जिदे बनू सुलेम में।

सवाल 1467 : हजरे अस्वद किस पैगम्बर की तलाश है?

जवाब 1467 : हज़रत इस्माईल अलैहिस्सलाम की।

सवाल 1468 : कअ़बा मुअ़ज़्ज़महह की तअ़मीर में कहाँ का पत्थर इस्तेमाल हुवा?

जवाब 1468 : कोहे लेबनान, हेरा, कोहे अबुकुबैस, सफ़ा और मरवह का।

सवाल 1469 : पत्थर लाने की ख़िदमत किस ने अंजाम दी?

जवाब 1469 : हज़रत जिबराईल अलैहिस्सलाम ने।

सवाल 1470 : ख़ानए कअ़बा का दूसरा नाम बताइए?

जवाब 1470 : बैते अ़तीक़।

सवाल 1471 : हतीम किसे केहते हैं?

जवाब 1470 : हरमे पाक का वह हिस्सा जो बेअ़सत से पांच साल क़ब्ल कअ़बा की नई तअमीर में मसारिफ़ (ख़र्च) की कमी की वजह से तअ़मीर से बाक़ी रह गया था?

मेहरे मादर का मज़ा देती है अग़ोशे हतीम
जिन पे माँ बाप फिदा यां करम उन का देखो

सवाल 1472 : हतीम का पुराना नाम बताइए?

जवाब 1472 : मक़ामे हजर।

सवाल 1473 : उम्मुल कुरा किस शहेर को कहा जाता है?

जवाब 1473 : शहरे मक्का को।

सवाल 1474 : मताफ़ किसे कहते हैं?

जवाब 1474 : जिस जगह तवाफ़ किया जाता है।

सवाल 1475 : रमिए जिमार किसे कहते हैं?

जवाब 1475 : मुजस्समए शैतान पर कंकरियां मारने को।

सवाल 1476 : हज के दौरान कअ़बा मुअज़्ज़महह को गुस्ल क़िस चीज़ से दिया जाता है?

जवाब 1476 : अरक़े गुलाब से।

सवाल 1477 : मस्जिदे हरम किसे कहते हैं?

जवाब 1477 : ख़ानए कअबा के चारों तरफ जो मस्जिद है।

सवाल 1478 : बाबुस्सलाम किसे कहते हैं?

जवाब 1478 : मस्जिदे हरम का वह दरवाज़ह जिस से पहली बार दाख़िल होना अफज़ल है।

सवाल 1479 : ख़ानए कअबा में जो पत्थर नसब है उस का नाम बताइए?

जवाब 1479 : हजरे अस्वद।

सवाल 1480 : हजरे अस्वद कअबा में किस जगह नसब है?

जवाब 1480 : जुनूब व मशरिक़ के कोने पर जिस को रुकने अस्वद कहते हैं।

सवाल 1481 : कअबा शरीफ में कितने रुक्न हैं?

जवाब 1481 : चार, रुक्ने अस्वद, रुक्ने इराक़ी, रुक्ने शामी, रुक्ने यमानी।

सवाल 1482 : रुक्ने अस्वद और रुक्ने इराक़ी की दीवार में ज़मीन से बलंद सोने के दरवाज़ह को क्या कहते हैं?

जवाब 1482 : बाबुल कअ्बा।

सवाल 1483 : जिस सोने के परनाले से बारिश का पानी हतीम में निछावर होता है उस का नाम बताइए?

जवाब 1483 : मीज़ाबे रहमत।

ज़ेरे मीज़ाब मिले ख़ूब करम के छींटे
अबरे रहमत का यहां रोज़ बरसना देखो।

सवाल 1484 : मुस्तजाब कौन सी जगह है?

जवाब 1484 : रुक्ने यमानी और रुक्ने अस्वद के बीच की जुनूबी दीवार है जहाँ सत्तर हज़ार फरिशते दुआ पर आमीन कहने के लिए मुक़र्रर हैं।

सवाल 1485 : मक़ामे इब्राहीम कहां वाक़े है?

जवाब 1485 : दरवाज़ए कअ्बा के सामने एक कुब्बा है, यह जन्नती पत्थर है।

सवाल 1486 : कोहे सफ़ा व मरवा मक्का शरीफ से किस तरफ वाके है?

जवाब 1486 : जुनूब में।

सवाल 1487 : मक़ामे इबराहीम किसे कहते हैं?

जवाब 1487 : वह पत्थर है जिस पर हज़रत इबराहीम अलैहिस्सलाम ने खड़े होकर कअ़बा तअ़मीर फरमाया।

सवाल 1488 : मीक़ात किसे कहते हैं?

जवाब 1488 : जहाँ से मक्का शरीफ जाने के लिए एहराम पहना जाता है।

सवाल 1489 : हिंदुस्तानी हाजियों के मीक़ात का नाम बताइए?

जवाब 1489 : यलमलम।

सवाल 1490 : मिना मस्जिदे हराम से कितनी दूरी पर वाक़े है?

जवाब 1490 : पांच सो किलो मीटर पर जहां हाजी साहिबान क़याम फरमाते हैं।

सवाल 1491 : अरफ़ात किसे कहते हैं?

जवाब 1491 : मिना से तक़रीबन ग्यारह किलो मीटर दुर मैदान है जहां 9 ज़िलहिज्जा को हाजी साहिबान जमा होते हैं।

सवाल 1492 : ज़ोहर और अस्र की नमाज़ एक ही वक़्त में कहाँ पढ़ी जाती है?

जवाब 1492 : अरफात में अय्यामे हज के दौरान।

सवाल 1493 : जबले रहमत किसे कहते हैं?

जवाब 1493 : अरफात का वह मुक़द्दस पहाड़ जिस के क़रीब वक़ूफ करना अफ़ज़ल है।

सवाल 1494 : मुज़दल्फ़ा किसे कहते हैं?

जवाब 1494 : मिना से तक़रीबन 5 किलो मीटर अरफात की जानिब ऐसी जगह जहाँ हाजी साहिबान रात गुज़ारते हैं।

सवाल 1495 : मस्जिदे ह़राम और जन्नतुल मुअ़ल्ला के दरमियान जहां दुआ मांगना मुसतहब है उसे क्या कहते हैं?

जवाब 1495 : मदआ़।

सवाल 1496 : हज की कितनी क़िस्में हैं?

जवाब 1496 : तीन। क़ेरान, तमत्तो, इफराद।

सवाल 1497 : तारीख़ी रेवायात के मुताबिक़ जन्नतुल बक़ी में कितने सहाब-ए-किराम आराम फरमा हैं?

जवाब 1497 : दस हज़ार।

सवाल 1498 : अस्ल मवाजेह शरीफ किस तरफ है?

जवाब 1498 : उस चाँदी की कील के सामने जो सुनहरी जालियों के क़रीब है।

सवाल 1499 : हज के दौरान जो लिबास पहना जाता है उसको क्या कहते हैं?

जवाब 1499 : एहराम।

सवाल 1500 : हालते अेहराम में दाढ़ी का ख़िलाल कैसा है?

जवाब 1500 : मकरुह है।

सवाल 1501 : हुज्जाजे किराम किन दो पहाड़ों की सई करते हैं?

जवाब 1501 : सफा व मरवह की।

खूब मसअी में बउम्मीदे सफा दौड़ लिए
रहे जानां की सफा का भी तमाशा देखो।

सवाल 1502 : हरम शरीफ को हरम क्यों कहते हैं?

जवाब 1502 : इस लिए कि हुदूदे हरम में जुल्म, क़ेताल, शिकार, गारत गरी (लूट मार) हराम है।

सवाल 1503 : हज में जो कअबा का चक्कर लगाते हैं उसे क्या कहते हैं?

जवाब 1503 : तवाफ।

सवाल 1504 : जिसकी तरफ मुंह करके नमाज़ पढ़ते हैं उसे क्या कहते हैं?

जवाब 1504 : क़िबला।

सवाल 1505 : मुसलमानों के क़िबला का नाम बताइये?

जवाब 1505 : कअबा शरीफ।

सवाल 1506 : हज किस महीने में होता है?

जवाब 1506 : ज़िल हिज्जा में।

सवाल 1507 : हरम शरीफ में अज़ान के लिये मुख़्तलिफ अतराफ में कितने मिनारे बनें हैं?

जवाब 1507 : सात।

सवाल 1508 : वह कौन सा पत्थर है जो ज़रुरत के वक़्त ऊंचा और नीचा हुवा करता था?

जवाब 1508 : जिस पत्थर पर खड़े हो कर हज़रत इब्राहीम अलैहिस्सलाम कअ्बा तअ्मीर फरमा रहे थे।

सवाल 1509 : उस पत्थर का नाम बताइये जिसमें गुनाह सल्ब करने

की कूवत है?

जवाब 1509 : हजरे अस्वद।

धो चुका जुल्मते दिल बोसए संगे अस्वद
ख़ाक बोसिए मदीना का भी रुतबा देखो

सवाल 1510 : कअ़बा शरीफ में दाख़िल होने के लिए कितने दरवाज़े हैं?

जवाब 1510 : चालीस।

सवाल 1511 : उस पानी का नाम बताइये जिसको भूखा पिये तो आसूदा हो जाए, प्यासा पिये तो प्यास बुझ जाए, बीमार पिये तो शिफा पा जाए?

जवाब 1511 : आबे ज़म ज़म

सवाल 1512 : हज़रत अली रज़ि यल्लाहु तआला अन्हु की जहाँ नाफ़ काटी गई और गुस्ल दिया गया वह जगह किस नाम से मशहूर है?

जवाब 1512 : मोलिदे अली के नाम से (रज़ि यल्लाहु तआला अन्हु)।

सवाल 1513 : खान-ए-कअबा किस शहेर में वाक़ेअ है?

जवाब 1513 : मक्का मुअज़्ज़मह में।

सवाल 1514 : हजरे अस्वद के चूमने के अमल को क्या कहा जाता है?

जवाब 1514 : तक़बील।

सवाल 1515 : इस्तिलाम किसे कहते हैं?

जवाब 1515 : दूर से हाथ के इशारे से बोसा लेने के अमल को।

सवाल 1516 : मुज़दल्फ़ा का दूसरा नाम बताइये?

जवाब 1516 : मश्अरुल हराम।

सवाल 1517 : रमिये जेमार के लिए हाजी साहिबान अपनी चादर में कितनी कंकरियां बांध कर ले जाते हैं?

जवाब 1517 : 49। उन्चास।

सवाल 1518 : शैतान के मुजस्समे पर कंकरयां किन तारिख़ो में मारी जाती हैं?

जवाब 1518 : दस्वीं, गयारहवीं, बारहवीं, ज़िल हिज्जा में।

सवाल 1519 : वादिए मिना में हुज्जाजे किराम के सर मुंडाने के अमल को क्या कहते हैं?

जवाब 1519 : हल्क़।

सवाल 1520 : मिना से हुज्जाजे किराम कितने दिनों के बाद वापस होते हैं?

जवाब 1520 : तीन दिन के बाद।

सवाल 1521 : हजरे असवद को जन्नत से ज़मीन पर कौन लाया था?

जवाब 1521 : हज़रत जिब्राईल अलैहिस्सलाम और तब्क़ाते इब्ने सअद में हज़रत आदम अलैहिस्सलाम को बताया गया है।

सवाल 1522 : हुज्जाजे किराम सफा मरवह का सात चक्कर लगाते हैं उसे क्या कहा जाता है?

जवाब 1522 : सई।

सवाल 1523 : तलबिया कब पढ़ा जाता है?

जवाब 1523 : हज व उमरह के दौरान हालते अेहराम में।

सवाल 1524 : बैतुल मुक़द्दस से कअबा की तरफ मुँह करके नमाज पढ़ने का हुक्म कब हुवा?

जवाब 1524 : सितम्बर 623 ई. में।

सवाल 1525 : मस्जिदे हराम में कितने दरवाज़े हैं?

जवाब 1525 : 25

सवाल 1526 : बैतुल्लाह किसे कहते हैं?

जवाब 1526 : कअबा शरीफ को।

सवाल 1527 : कुर्आन शरीफ में बक्का लफ्ज़ किस शहेर के लिए इस्तेमाल हुवा है?

जवाब 1527 : मक्का शरीफ के लिये।

सवाल 1528 : ख़ान-ए-कअबा के कोने में जहाँ दो दीवारें आपस में मिलती हैं उन्हें क्या कहते हैं?

जवाब 1528 : रुक्न।

सवाल 1529 : रुक्ने इराक़ी किसे कहते हैं।

जवाब 1529 : ख़ानए कअ्बा के मशरिक़ी शुमाली कोने को।

सवाल 1530 : रुक्ने असवद किसे कहते हैं?

जवाब 1530 : ख़ान-ए-कअबा के मशरिक़ी जुनूबी कोने को।

सवाल 1531 : ख़ाना-ए-कअबा के मग़रिबी शुमाली कोने को क्या कहते हैं?

जवाब 1531 : रुकने शामी।

रुकने शामी से मिटी वहशते शामे गुरबत
अब मदीना को चलो सुबहे दिल्आरा देखो।

सवाल 1532 : ख़ानए कअ़बा के मग़रिबी जुनूबी कोने को क्या कहते हैं?
जवाब 1532 : रुक्ने यमानी।

ऐमने तूर का था रुक्ने यमानी में फरोग़
शोलए तूर यहाँ अन्जुमने आरा देखो।

सवाल 1533 : हजरे अस्वद से मक़ामे इब्राहीम का फासिला कितना है?
जवाब 1533 : 27 गज़।

सवाल 1534 : मक्का शरीफ का वह हिस्सा जो हजरे अस्वद और कअ़बा शरीफ के दरवाज़े के दरमियान है उसे क्या कहते हैं?
जवाब 1534 : मुलतज़िम।

मुलतज़िम से गले लग के निकाले अरमां
अदब व शौक का यां बाहम उलझना देखो।

सवाल 1535 : वह कौन सा मक़ाम है जो ख़ातमुन्नबीईन सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के निशाने क़दम से मुशाबेहत रखता है?
जवाब 1535 : मक़ामे इब्राहीम।

सवाल 1536 : उस मुक़द्दस जगह का नाम बतावो जहाँ से अल्लाह तआला अपने तरावीह पढ़ने वाले बंदो को देखता है?
जवाब 1536 : ख़तीरुल मुक़द्दस।

सवाल 1537 : क्या मुसलमानों ने क़ब्ले हिजरत कअबा शरीफ़ की तरफ मुंह करके नमाज़ पढ़ी है?
जवाब 1537 : नहीं।

सवाल 1538 : मक्का मुकर्रमह के तारीख़ी कब्रिस्तान का नाम बताइये?
जवाब 1538 : जन्नतुलमुअल्ला।

सवाल 1539 : ख़ान-ए-कअबा के इमारत की बलंदी किस क़दर है?
जवाब 1539 : 49 फिट अढ़ाई इंच।

सवाल 1540 : बैतुलमुक़द्दस से ख़ानए कअबा कितने साल क़ब्ल तअमीर हुवा?
जवाब 1540 : चालीस साल। (ख़ज़ाइनुल इरफान आले इमरान 176)

सवाल 1541 : चाहे ज़म ज़म का ज़म ज़म के अलावा और क्या नाम हैं?
जवाब 1541 : तैयबा बर्रह, मज़नून।

सवाल 1542 : कअबा की तअमीर कितनी बार हुई?

जवाब 1542 : सात मरतबा। 1 फरिश्तों की, 2 हज़रत इब्राहीम अलैहि० की, 3 अेमालिक़ह की, 4 जुरहुम की, 5 कुरैश की जिस में हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम शामिल थे 6 अब्दुल्लाह बिन जुबेर की, 7 हज्जाज बिन यूसुफ ज़ालिम की अब्दुलमलिक बिन मरवान के हुक्म से यही इमारत अब तक बाक़ी है। (नुज़हतुलक़ारी अव्वल स. 435)

आबे ज़म ज़म तो पिया ख़ूब बुझाईं प्यासें
आओ जूदे शहे कौसर का भी रुत्बा देखो।

मसाजिद और उनके तअल्लुक़ से

सवाल 1543 : मस्जिदे बिलाल कहाँ वाक़े है?

जवाब 1543 : जबले अबू कुबैस पर नजदियों ने उसे ढा दिया है और शाह फहेद ने उस जगह इन्तिहाई शान्दार महेल बनवाकर इस दुनिया का सब से बड़ा टी वी चैनल लगा रखा है।

सवाल 1544 : आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम बवक़्ते उमरह कहाँ ठहरा करते थे?

जवाब 1544 : मस्जिदे कुबा में।

सवाल 1545 : इस्लामी तारीख़ में सबसे पहले कौन सी मस्जिद तअमीर हुई?

जवाब 1545 : मस्जिदे कुबा। (मवाहिबेलदुनिया अव्वल स. 67)

सवाल 1546 : बताइये मस्जिदे कुबा मदीना मुनव्वरह से कितनी दूरी पर वाक़े है?

जवाब 1546 : क़रीब तीन मील जुनूब में जहाँ हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम हिजरत में सबसे पहले पहुंचे।
(ज़ियाउन्नबी दोम स. 559)

सवाल 1547 : मस्जिदे क़िबलतैन किस मस्जिद को कहा जाता है?

जवाब 1547 : मस्जिदे बनू सुलेम को।

सवाल 1548 : रहमते आलम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने सबसे पहली नमाज़े जुमा कहाँ अदा फरमाई?

जवाब 1548 : मस्जिदे सालिम में इसी को मस्जिदे जुमअ भी कहते हैं। (राहतुलकुलूब स.143)

सवाल 1549 : नबीए करीम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ईदैन की नमाज़ कहाँ अदा फरमाते थे?

जवाब 1549 : मस्जिदे ग़मामह में।

सवाल 1550 : मस्जिदे मुसल्ला किस मस्जिद को कहाँ जाता है?

जवाब 1550 : मस्जिदे ग़मामह को।

सवाल 1551 : मस्जिदे आइशा कहाँ वाके़ है?

जवाब 1551 : तनअीम में जहां से हुज्जाजे किराम उमरह का एहराम बांधते हैं।

सवाल 1552 : जन्नतुल मुअल्ला के क़रीब उस मस्जिद का नाम बतावो जहाँ जिन्नों ने इस्लाम क़बूल किया था?

जवाब 1552 : मस्जिदे जिन्न इसी का दूसरा नाम मस्जिदे बैअ़त और मस्जिदे ख़रसी है।

सवाल 1553 : उस मस्जिद का नाम बताइये जहाँ फतहे मक्का के वक़्त आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने झण्डा नसब किया था?

जवाब 1553 : मस्जिदे राएत।

सवाल 1554 : वह कौन सी मस्जिद है जहां सत्तर हज़ार अम्बिया-ए-किराम ने नमाज़ पढ़ी और वहीं मदफून हैं ?

जवाब 1554 : मस्जिदे ख़ीफ़।

सवाल 1555 : मस्जिदे जाराना में एक ही रात में आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की ज़ियारत सौ बार करने वाले बुजुर्ग का नाम बताइयें?

जवाब 1555 : हज़रत सय्यदुना अबदुल वह्हाब मुत्तक़ी रहमतुल्लाह अलैहि।

सवाल 1556 : मस्जिदे क़िबलतैन कहां वाके़ है?

जवाब 1556 : वादिए अतीक़ में।

सवाल 1557 : मस्जिदे अजियाद कहां वाके़ है?

जवाब 1557 : मुहल्ला अजियाद में।

सवाल 1558 : मस्जिदे ख़ालिद कहां वाके़ है?

जवाब 1558 : हारतुल बाब में।

सवाल 1559 : नजफ अशरफ से कितनी दूरी पर मस्जिदे कूफा वाके़ है?

जवाब 1559 : दो मील के फासिले पर।

सवाल 1560 : मस्जिदे आदम किस मस्जिद को कहा जाता है?
जवाब 1560 : मस्जिदे हराम को।
सवाल 1561 : मस्जिदे कौसर कहां वाक़े है?
जवाब 1561 : मिना में जहां सूरेह कौसर का नुज़ूल हुवा था।
सवाल 1562 : मस्जिदे ख़ीफ कहां वाक़े है?
जवाब 1562 : वादिए मिना में।
सवाल 1563 : मस्जिदे आदम मस्जिदे हराम के अेलावह और कहाँ तामीर है?
जवाब 1563 : मक़ामे अरफात में।
सवाल 1564 : मस्जिदे आदम का दूसरा नाम बताइये?
जवाब 1564 : मस्जिदे नम्रह।
सवाल 1565 : उन मसाजिद का नाम बताइये जिन का जिक्र कुर्आन मजीद में आया है?
जवाब 1565 : मस्जिदे हराम, मस्जिदे अक़सा, मस्जिदे ज़ेरार।
सवाल 1566 : मस्जिदे हमज़ह कहाँ वाक़े है?
जवाब 1566 : जबले उहद के दामन में वाक़े है। (मदीनह मुनव्वरह)
सवाल 1567 : मस्जिदे ज़ुबैर कहां वाक़े है?
जवाब 1567 : मौज़ा वहत में जबले कोअ के अन्दर।
सवाल 1568 : मस्जिदे नम्रह किसने क़ायम की है?
जवाब 1568 : हज़रत सय्यदुना इब्राहीम अलैहिस्सलाम ने।
सवाल 1569 : मस्जिदे सनाया कहां वाक़े है?
जवाब 1569 : मैदाने उहद में जहां आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के दनदाने मुबारक शहीद हुए थे।
सवाल 1570 : रहमते आलम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की एक निहायत अहेम दुआ जहाँ क़बूल हुई थी उस मस्जिद का नाम बताइये?
जवाब 1570 : मस्जिदे इजाबह।
सवाल 1571 : ऊंटनी की सैर पर कौन सी मस्जिद तअमीर हुई थी?
जवाब 1571 : मस्जिदे कुबा। (राहतुल कुलूब सफा 139)
सवाल 1570 : मस्जिदे तक़वा किस मस्जिद का नाम है?

जवाब 1572 : मस्जिदे कुबा का।
(राहतुल कुलूब स. 140)

सवाल 1573 : अय्यामे जाहिलियत में कुबा का दुसरा नाम क्या था?

जवाब 1573 : आलियह।

सवाल 1574 : शराब की हुर्मत के मौक़ा पर शराब के मिटके जहाँ तोड़े गए उस जगह कौन सी मस्जिद आबाद है?

जवाब 1574 : मस्जिदुल फज़ीह।
(राहतुल कुलूब : 144)

सवाल 1575 : उन मस्जिदों के नाम बताइये जिनकी तामीर में ख़ुद हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने सहाबए किराम के साथ मज़दूरों की तरह काम किया है?

जवाब 1575 : मस्जिदे कुबा और मस्जिदे नबवी।

क़िबलए अव्वल और उसके तअल्लुक़ से

सवाल 1576 : क़िबल-ए-अव्वल का नाम बताइये?

जवाब 1576 : बैतुल मुक़द्दस।

सवाल 1577 : बैतुल मुक़द्दस कहां वाक़ेअ है?

जवाब 1577 : फिलिस्तीन में।

सवाल 1578: काबा के क़िब्ला होने से क़ब्ल मुसलमान किस तरफ मुंह करके नमाज़ पढ़ते थे?

जवाब 1578 : बैतुल मुक़द्दस की तरफ।

सवाल 1579 : उस ज़ालिम बादशाह का नाम बताइये जिसने बैतुल मुक़द्दस को वीरान किया था?

जवाब 1579 : बुख़्ते नुस्सर।

सवाल 1580 : ग़ारे अम्बिया किस सर ज़मीन पर वाक़ेअ है?

जवाब 1580 : बैतुल मुक़द्दस के क़रीब क़स्बा ख़लीलुर्रहमान में।

सवाल 1581 : ग़ारे अम्बिया में कितने पैग़म्बरों के मज़ारात हैं?

जवाब 1581 : 12 हज़ार नबियों की।

सवाल 1582 : हज़रत इबराहीम व सारा और इसहाक़ और उनकी ज़ौजह और हज़रत याकुब अलैहिमुस्सलाम के मज़ारात कहाँ हैं?

जवाब 1582 : मुख़्तलिफ़ रिवायात के मुताबिक़ ग़ारे अम्बिया में।

सवाल 1583 : अक्सर अम्बिया अलैहिमुस्सलाम किस सर ज़मीन पर मदफून हैं?

जवाब 1583 : बैतुल मुक़द्दस में।

सवाल 1584 :बैतुल मुक़द्दस कितने दिनों तक मुसलमानों का क़िब्ला रहा?

जवाब 1584 : तक़रीबन 17 माह तक। (ख़ज़ाइनुल इरफ़ान अल बक़रा)

सवाल 1585 :बैतुल मुक़द्दस की तअमीर किन दो पैग़म्बरों ने की?

जवाब 1585 : हज़रत दाऊद और हज़रत सुलेमान अलैहिमस्सलाम ने।

सवाल 1586 :तहवीले क़िबला का हुक्म किस तारीख़ में नाज़िल हुआ?

जवाब 1586 : 15 रजब सन 2 हि. में दिसम्बर 623 ई०।

सरवरे कायेनात की अज़वाजे तय्यिबात हज़रत सय्यदा ख़दीजतुल कुबरा रज़ियल्लाहु अन्हा

सवाल 1587 :औरतों में सबसे पहले ईमान लाने वाली ख़ातून का इस्मे ग्रामी बताइये?

जवाब 1587 : हज़रत सय्यदह ख़दीजतुल कुबरा रज़ि यल्लाहु अन्हा।

सवाल 1588 : वह कौन सी ख़ातून हैं जिन्हें आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की ज़ौजियत में दाख़िल होने का शर्फ़ पहले हासिल हुआ?

जवाब 1588 : हज़रत सय्यदा ख़दीजतुल कुबरा रज़ि यल्लाहु अन्हा।

सवाल 1589 :रहमते आलम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की ज़ौजियत में दाख़िल होने के वक़्त हज़रत सय्यदह ख़दीजतुल कुबरा रज़ि यल्लाहु अन्हा की उम्र क्या थी?

जवाब 1589 :40 साल। (दो शौहरों से बेवह थीं)

सवाल 1590 :आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के निकाहे अव्वल के वक़्त ख़ुत्बा किसने पढ़ा?

जवाब 1590 : हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की जानिब से अबु तालिब ने और हज़रत सय्यदह ख़दीजतुल कुबरा रज़ि यल्लाहु अन्हा की तरफ़ से वर्क़ा बिन नौफ़िल ने।

सवाल 1591 :हज़रत सय्यदह ख़दीजतुल कुबरा रज़ि यल्लाहु अन्हा के उस गुलाम का नाम बताइये जो आक़ा सल्लल्लाहु अलैहिस्सलाम के साथ मुल्के शाम के सफ़र पर थे?

जवाब 1591 : मैसरह।

सवाल 1592 :उम्मुल मोमिनीन हज़रत सय्यदह ख़दीजतुल कुबरा

रज़ि यल्लाहु अन्हा के वालिद का नाम बताइये?

जवाब 1592 : ख़ोवैलिद बिन असद बिन अब्दुल उज़्ज़ा।

सवाल 1593 : हज़रत सैय्यदह ख़दीजतुल कुबरा रज़ि यल्लाहु अन्हा की कुन्नियत क्या थी?

जवाब 1593 : उम्मे हुन्द।

सवाल 1594 : हज़रत सय्यदह ख़दीजतुल कुबरा रज़ि यल्लाहु अन्हा की वालिदह का नाम क्या था?

जवाब 1594 : फातिमा बिन्ते ज़ाएदह। (जन्नती ज़ेवर: 352)

सवाल 1595 : उम्मुल मोमिनीन हज़रत सय्यदह ख़दीजतुल कुबरा रज़ि यल्लाहु अन्हा का विसाल कब हुआ?

जवाब 1595 : रमज़ान शरीफ 10 नबवी में हुजून के क़ब्रिस्तान में दफ्न हुँई। (ज़ियाउन्नबी दोम: 430)

सवाल 1596 : आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की अज़वाजे तय्यिबात की तअदाद बताइये?

जवाब 1596 : कमो व बेश 11।

सवाल 1597 : हज़रत सय्यदह ख़दीजतुल कुबरा रज़ि यल्लाहु अन्हा की नमाज़े जनाज़ह किसने पढ़ाई?

जवाब 1597 : उस वक़्त तक नमाज़े जनाज़ह पढ़ने का हुक्म नहीं आया था।

सवाल 1598 : वह कौन सी उम्मुल मोमिनीन हैं जिन्हें अल्लाह पाक ने सलाम किया?

जवाब 1598 : हज़रत सय्यदह ख़दीजतुल कुबरा रज़ि यल्लाहु अन्हा।

सवाल 1599 : हज़रत सय्यदह ख़दीजतुल कुबरा रज़ि यल्लाहु अन्हा का महेर कितना मुतऐयन हुवा था?

जवाब 1599 : 400 दिरहम।

सवाल 1600 : हज़रत सय्यदह ख़दीजतुल कुबरा रज़ि यल्लाहु अन्हा का मज़ार कहाँ वाक़े है?

जवाब 1600 : जन्नतुल मुअल्ला कोहे हुजून में। मगर अफसोस सऊदी गौर्वमेन्ट ने गुम्बद को मिसमार कर दिया।

सवाल 1601 : अज़वाजे मुतहहरात में किसके लिए हज़रत जिबराईल अलैहिस्लाम ने ख़ुश ख़बरी सुनाइ कि अल्लाह तआला ने उनके लिए जन्नत में मोती का घर बनाया है?

जवाब 1601 : हज़रत सय्यदह ख़दीजतुल कुबरा रज़ि यल्लाहु अन्हा के लिए। (बुख़ारी शरीफ़ अव्वल स. नं. 529)

सवाल 1602 : बवक़्ते निकाह हज़रत सय्यदह ख़दीजतुल कुबरा रज़ि यल्लाहु अन्हा का सर परस्त (वकील) कौन था?

जवाब 1602 : आप के चचा अम्र बिन असद।

(ज़ियाउन्नबी दोम स. नं. 138)

सवाल 1603 : हज़रत सय्यदह ख़दीजतुल कुबरा रज़ि यल्लाहु अन्हा के पहले ख़ाविन्द का नाम बताइये?

जवाब 1603 : अबू हाला। (ज़ियउन्नबी दोम सफा नं. 170)

सवाल 1604 : अय्यामे जाहिलीयत में अरब हज़रत सय्यदा ख़दीजतुल कुबरा रज़ि अल्लाहु अन्हा को किस नाम से याद करते थे?

जवाब 1604 : ताहिरह से।

सवाल 1605 : हज़रत सय्यदह ख़दीजतुल कुबरा रज़ि यल्लाहु अन्हा के कारोबारी मआमिलात की निगरानी करने वाले गुलाम का नाम बताइये?

जवाब 1605 : मैसरह।

सवाल 1606 : उम्महातुल मोमिनीन में से सबसे पहले किस का विसाल हुवा?

जवाब 1606 : हज़रत सय्यदह ख़दीजतुल कुबरा रज़ि यल्लाहु अन्हा का।

सवाल 1607 : उम्मुल मोमिनीन हज़रत सय्यदह ख़दीजतुल कुबरा रज़ि यल्लाहु अन्हा आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम से कितने साल बड़ी थीं?

जवाब 1607 : 15 साल।

सवाल 1608 : ख़ातूने मक्का हज़रत सय्यदह ख़दीजतुल कुबरा रज़ि यल्लाहु अन्हा ने आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम से निकाह के सिलसिले में किस की मअरेफत बात चीत की थी?

जवाब 1608 : अपनी सहेली नफीसह बिन्ते अलीया की मअ़रेफत से।

सवाल 1609 : हज़रत सय्यदह ख़दीजतुल कुबरा रज़ि यल्लाहु अन्हा की उम्र कितनी साल की हुई?

जवाब 1609 : 65 साल की। (ज़ियाउन्नबी दोम सफा नं. 430)

❖❖❖

उम्मुल मोमिनीन हज़रत सय्यदह आइशा सिद्दीक़ा रज़ि यल्लाहु अन्हा

सवाल 1610 : उम्मुल मोमिनीन में से कौन. उम्मुल मोमिनीन है जो कम उम्र में आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम के निकाह में दाख़िल हुई?

जवाब 1610 : हज़रत आइशा सिद्दीक़ा रज़ि यल्लाहु अन्हा, हरम शरीफ़ में फरवरी 623 ई० में तशरीफ़ लाईं।

सवाल 1611 : हज़रत आइशा सिद्दीक़ा रज़ि यल्लाहु अन्हा के वालिद मुकर्रम का इस्मे ग्रामी बताइये।

जवाब 1611 : हज़रत अबू बकर सिद्दीक़ रज़ि यल्लाह अन्हु।

सवाल 1612 : हज़रत आइशा सिद्दीका रज़ि यल्लाहु अन्हा की वालिदा माजिदह का इस्मे ग्रामी बताइये?

जवाब 1612 : उम्मे रुमान ज़ीनत।

सवाल 1613 : हज़रत आइशा सिद्दीक़ा रज़ि यल्लाहु अन्हा ने किस उम्र में इन्तेक़ाल फरमाया?

जवाब 1613 : 66 (छियासठ) साल में। (नुज़हत्तुल क़ारी अव्वल 176)

सवाल 1614 : उम्महातुल मोमिनीन में से उन उम्मुल मोमिनीन का इस्मे गरामी बताइये जिन से सबसे ज़्यादा अहादीस मरवी है?

जवाब 1614 : हज़रत आइशा सिद्दीक़ा रज़ि यल्लाहु अन्हा ।

सवाल 1615 : हज़रत आइशा सिद्दीक़ा रज़ि यल्लाहु अन्हा से कितनी अहादीस मरवी हैं?

जवाब 1615 : 2210 (नुज़हतुलक़ारी अव्वल स. 22)

सवाल 1616 : हज़रत आइशा सिद्दीक़ा रज़ि यल्लाहु अन्हा कब पैदा हुईं?

जवाब 1616 : 4 नबूव्वत में (नुज़हतुल क़ारी अव्व्ल स. 173)

सवाल 1617 : उम्मुलमोमिनीन हज़रत आइशा सिद्दीक़ा रज़ि यल्लाहु अन्हा का महेर कितना मुतअय्यन हुवा था?

जवाब 1617 : चार सो देरहम।

सवाल 1618 : हमीदा का लक़ब कौन सी उम्मुल मोमिनीन का था?

जवाब 1618 : हज़रत आइशा सिद्दीक़ा रज़ि यल्लाहु अन्हा का।

सवाल 1619 : आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की कौन सी ज़ौजए मुहतरमा की पाकीज़गी और तहारत के सिलसिले में कुर्आन पाक की आयतें नाज़िल हुईं?

जवाब 1619 : हज़रत आइशा सिद्दीक़ा रज़ि यल्लाहु अन्हा की।

सवाल 1620 : हज़रत आइशा सिद्दीक़ा रज़ि यल्लाहु अन्हा का विसाल कब हुआ?

जवाब 1620 : सत्तरह /17 रमज़ानुल मुबारक 57 हिजरी बरोज़ मंगल। (नुज़हतुल क़ारी अव्वल 176)

सवाल 1621 : हज़रत आइशा सिद्दीक़ा रज़ि यल्लाहु अन्हा का निकाह कब हुआ?

जवाब 1621 : यकुम शव्वालुल मुकर्रम 2 हिजरी में।

सवाल 1622 : आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के विसाल के बाद दीनी मुश्किलात दरपेश होने पर सहाबए किराम किस की जानिब रूजूअ फरमाते थे?

जवाब 1622 : हज़रत आइशा सिद्दीक़ा रज़ि यल्लाहु अन्हा की तरफ।

सवाल 1623 : वाक़िआ उफक में हज़रत आइशा सिद्दीक़ा रज़ि यल्लाहु अन्हा पर बोहतान किस ने लगाया था?

जवाब 1623 : अब्दुल्लाह बिन उबै मुनाफिक़ ने।

सवाल 1624 : हज़रत आइशा सिद्दीक़ा रज़ि यल्लाहु अन्हा का मज़ार कहाँ वाक़े है?

जवाब 1624 : जन्नतुल बक़ी में।

सवाल 1625 : किस गज़वह से वापसी के वक़्त मुनाफिकों ने हज़रत आइशा सिद्दीक़ा रज़ि यल्लाहु अन्हा पर तोहमत लगाई थी?

जवाब 1625 : गज़वह बनी अलमुस्तलक़ के मौक़े पर।

सवाल 1626 : वाकिए उफक में हज़रत आइशा सिद्दीक़ा रज़ि यल्लाहु अन्हा की तहारत की गवाही किस बांदी ने दी थी?

जवाब 1626 : हज़रत बरीरह रज़ि यल्लाहु अन्हा ने।

सवाल 1627 : सूरह नूर में हाज़ा इफ़्कुम्मुबीन वाली आयत किन उम्मुल मोमिनीन से मुतअल्लिक़ है?

जवाब 1627 : हज़रत आइशा सिद्दीक़ा रज़ि यल्लाहु अन्हा से।

सवाल 1628 : हज़रत आइशा सिद्दीक़ा रज़ि यल्लाहु अन्हा हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के विसाल के बाद कितने साल बक़ैदे हयात रहीं ?

जवाब 1628 : 48 साल।

उम्मुल मोमिनीन हज़रत उम्मे हबीबह रज़ि यल्लाहु अन्हा

सवाल 1629 : उम्मुल मोमिनीन हज़रत उम्मे हबीबह रज़ि यल्लाहु अन्हा के वालिद का इस्मे गरामी बताइये?

जवाब 1629 : हज़रत अबू सुफ़ियान रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 1630 : उम्मुल मोमिनीन हज़रत उम्मे हबीबह रज़ि यल्लाहु अन्हा का अस्ल नाम क्या था?

जवाब 1630 : रमला।

सवाल 1631 : उम्महातुल मोमिनीन में से कौन सी उम्मुल मोमिनीन हज़रत मोआविया रज़ि यल्लाहु अन्हु की बहेन थीं?

जवाब 1631 : हज़रत उम्में हबीबह रज़ि यल्लाहु अन्हा।

सवाल 1632 : उम्मे हबीबा रज़ि यल्लाहु अन्हा का महेर कितना था और किसने अदा किया?

जवाब 1632 : चार सो दीनार जिसे हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की जानिब से शाहे नजाशी ने अदा किया।

सवाल 1633 : हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने अपने बद तरीन दुश्मन अबू सुफ़ियान की बेटी की बेवगी और गरीबुल वतनी पर तरस खाते हुए निकाह का पैगाम कब दिया?

जवाब 1633 : 5 हिजरी में। (ज़ियाउन्नबी चहारुम 94)

सवाल 1634 : हज़रत उम्मे हबीबह रज़ि यल्लाहु अन्हा को नजाशी बादशाह ने किस के ज़ेरे निगरानी हब्शा से रवाना किया था?

जवाब 1634 : हज़रत शुरहबील बिन हस्ना रज़ि यल्लाहु अन्हु के।

सवाल 1635 : दरबारे नजाशी में उम्मुल मोमिनीन हज़रत उम्मे हबीबह

रज़ि यल्लाहु अ़न्हा ने बवक़्ते निकाह अपना वकील किस को बनाया था?

जवाब 1635 : हज़रत ख़ालिद बिन सअद रज़ि यल्लाहु अन्हु। (मुहाजिरे हब्शा)को।

उम्मुल मोमिनीन हज़रत हफ़्सह रज़ि यल्लाहु अ़न्हा

सवाल 1636 : उम्मुल मोमिनीन हजरत हफ़्स़ह रज़ि यल्लाहु अन्हा के वालिदे मुकर्रम का इस्मे गरामी बताइये?

जवाब 1636 : अमीरुल मोमिनीन हज़रत उ़मर फारूक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 1637 : वह कौन सी उम्मुल मोमिनीन हैं जिन के पास पहली मर्तबा तहरीरी तौर पर कुर्आन मजीद रखवाया गया?

जवाब 1637 : हज़रत हफ़्स़ह रज़ि यल्लाहु अन्हा।

सवाल 1638 : हज़रत हफ़्स़ह रज़ि यल्लाहु अन्हा का विसाल कब हुआ?

जवाब 1638 : माहे शअबान 45 हिजरी बउम्र 60 साल।

(ज़ियाउन्नबी सोम 574)

सवाल 1639 : हज़रत हफ़्सह रज़ि यल्लाहु अन्हा की पहली शादी किस के साथ हुई थी?

जवाब 1639 : खुनैस बिन हुज़ाफा अल्क़र्शी अस्सहमी से।

(ज़ियाउन्नबी सोम 572)

सवाल 1640 : उम्मुल मोमिनीन हज़रत हफ़्स़ह रज़ि यल्लाहु अन्हा कहाँ मदफून हैं?

जवाब 1640 : जन्नतुल बक़ी शरीफ में।

उम्मुल मोमिनीन हज़रत मैमूनह रज़ि यल्लाहु अ़न्हा

सवाल 1641 : उम्मुल मोमिनीन हज़रत मैमूनह रज़ि यल्लाहु अन्हा कहाँ मदफून हैं?

जवाब 1641 : बमक़ाम यसरफ, उसी छप्पर के नीचे जहाँ आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने पहली बार क़ुर्बत से सरफराज़ फरमाया था।

सवाल 1642 : उम्मुल मोमिनीन हज़रत मैमूनह रज़ि यल्लाहु अन्हा के वालिदैन के नाम बताइये?

जवाब 1642 : हारिस हिलालिया आमिर वालिदह का नाम हिन्दा बिन्ते औफ था। (नुज़हतुल क़ारी अव्वल स. 449)

सवाल 1643 : आक़ा अलैहिस्सलाम की कौन सी ज़ौजा मोहतरमा हज़रत अब्बास रज़ि यल्लाहु अन्हु की ज़ौजह मुहतरमा उम्मुल फज़्ल रज़ि यल्लाहु अन्हा की बहेन थीं?

जवाब 1643 : हज़रत मैमूनह रज़ि यल्लाहु अन्हा।

(नुज़हतुल क़ारी अव्वल स. 449)

सवाल 1644 : हज़रत मैमूना रज़ि यल्लाहु अन्हा की नमाज़े जनाज़ा किस ने पढ़ाई?

जवाब 1644 : हज़रत अब्बास रज़ि यल्लाहु अन्हु ने।

(नुज़्हतुलक़ारी अव्वल सफा 449)

सवाल 1645 : वह कौन सी उम्मुल मोमिनीन हैं जो हज़रत ख़ालिद बिन वलीद रज़ि यल्लाहु अन्हु की ख़ाला थीं?

जवाब 1645 : हज़रत मैमूनह रज़ि यल्लाहु अन्हा।

सवाल 1646 : आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने सब से आख़िर में किस ख़ातून से निकाह फरमाया?

जवाब 1646 : हज़रत मैमुनह रज़ि यल्लाहु अन्हा से।

(नुज़हतुल क़ारी अव्वल स. 449)

सवाल 1647 : हज़रत मैमुनह रज़ि यल्लाहु अन्हा का विसाल कब हुआ?

जवाब 1647 : सन 61 हिजरी या 57 हिजरी में।

(नुज़हतुल क़ारी अव्वल स. 449)

सवाल 1648 : उम्मुल मोमिनीन हज़रत मैमूना रज़ि यल्लाहु अन्हा का मज़ार कहाँ वाक़े है?

जवाब 1648 : नवारिया के क़रीब मक़ामे यसरफ में।

सवाल 1649 : वह कौन सी उम्मुल मोमिनीन हैं जिन का जहाँ निकाह हुआ वहीं इन्तेक़ाल फरमाया?

जवाब 1649 : हज़रत मैमूना रज़ि यल्लाहु अन्हा ।

सवाल 1650 : हज़रत उम्मुल मोमिनीन मैमूनाह रज़ि यल्लाहु अन्हा हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के अक़्दे मुक़द्दस में कब दाख़िल हुईं?

जवाब 1650 : उमरतुल क़ज़ा के मौक़ा पर 7 हिजरी में।

(नुज़हतुल क़ारी अव्वल स. 449)

उम्मुल मोमिनीन हज़रत उम्मे सलमा रज़ि यल्लाहु अन्हा

सवाल 1651 : हज़रत उम्मे सल्मह रज़ि यल्लाहु अन्हा के वालिद का नाम बताइये?

जवाब 1651 : उमैया।

सवाल 1652 : हज़रत उम्मे सल्मह रज़ि यल्लाहु अन्हा का अस्ल नाम बताइये?

जवाब 1652 : रम्ला । (नुज़हतुल क़ारी अव्वल स. 408)

सवाल 1653 : हज़रत उम्मे सल्मह रज़ि यल्लाहु अन्हा पहले किस के निकाह में थीं?

जवाब 1653 : अबू सलमह के। (हवाला मुन्दर्जा बाला)

सवाल 1654 : हज़रत उम्मे सल्मह रज़ि यल्लाहु अन्हा का अक़्द सरकार सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम से कब हुआ?

जवाब 1654 : 4 हिजरी में। (हवाला मुन्दर्जा बाला)

सवाल 1655 : हज़रत उम्मे सल्मह रज़ि यल्लाहु अन्हा से कितनी अहादीस मरवी है?

जवाब 1655 : 338 हदीसें। (हवाला मुन्दर्जा बाला)

सवाल 1656 : हज़रत उम्मे सल्मह रज़ि यल्लाहु अन्हा का विसाल कितनी उम्र में हुआ?

जवाब 1656 : 84 साल की उम्र में। (हवाला मुन्दर्जा बाला)

सवाल 1657 : हज़रत उम्मे सल्मह रज़ि यल्लाहु अन्हा की नमाज़ जनाज़ह किसने पढ़ाई?

जवाब 1657 : हज़रत अबू हुरैरह रज़ि यल्लाहु अन्हु ने और जन्नतुल बक़ी में दफ्न हुईं। (हवाला मुन्दर्जा बाला)

सवाल 1658 : सरवरे दोआलम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के विसाल के बाद हज़रत उम्मे सल्मह रज़ि यल्लाहु अन्हा कितने साल ज़िन्दह रहीं?

जवाब 1658 : 48 साल कुल उम्र 84 साल थी 60 हिजरी में इन्तेक़ाल हुआ। (ज़ियाउन्नबी सोम स. 227)

उम्मुल मोमिनीन हज़रत सौदह रज़ि यल्लाहु अन्हा

सवाल 1659 : आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के एक गज़वह से वापसी पर किस उम्मुल मोमिनीन ने दफ बजाने की मिन्नत मानी थी ?

जवाब 1659 : हज़रत सौदह (जारियह) रज़ि यल्लाहु अन्हा ने।

सवाल 1660 : उम्मुल मोमिनीन हज़रत सौदह रज़ि यल्लाहु अन्हा के वालिद का नाम बताइये?

जवाब 1660 : ज़मआ बिन क़ैस।

सवाल 1661 : उम्मुल मोमिनीन हज़रत सौदह रज़ि यल्लाहु अन्हा से कितनी हदीसें मरवी हैं?

जवाब 1661 : पांच हदीसें। (नुज़हतुलक़ारी अव्वल 471)

सवाल 1662 : उम्महातुल मोमिनीन में से जसामत के लिहाज़ से किस का क़द दराज़ था?

जवाब 1662 : हज़रत सौदह रज़ि यल्लाहु अन्हा का। आप का निकाह 621 ई. में हुआ था।

सवाल 1663 : उम्मुल मोमिनीन हज़रत सौदह बिन्ते ज़मआ बिन क़ैस रज़ि यल्लाहु अन्हा का विसाल कब हुआ?

जवाब 1663 : बइख़्तेलाफे रिवायत शौवाल 54 हिजरी में। (नुज़हतुल क़ारी अव्वल 471)

उम्मुल मोमिनीन हज़रत ज़ैनब बिन्ते जहश रज़ि यल्लाहो अन्हा

सवाल 1664 : किन उम्मुल मोमिनीन के निकाह के मौका पर आयते हिजाब नाज़िल हुई?

जवाब 1664 : उम्मुल मोमिनीन हज़रत ज़ैनब बिन्ते जहश रज़ि यल्लाहु अन्हा के।

सवाल 1665 : आका सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की किन ज़ौजह मोहतरमा का निकाह आसमान पर हुआ?

जवाब 1665 : हज़रत जैनब बिन्ते जहश रज़ि यल्लाहु अन्हा का।

(हाशिया जलालैन स. 355)

सवाल 1666 : आका सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने हज़रत ज़ैनब बिन्ते जहश रज़ि यल्लाहु अन्हा का निकाह हज़रत ज़ैद बिन हारिसा रज़ि यल्लाहु अन्हु के साथ कितने महेर पर किया था?

जवाब 1666 : दस दीनार, साठ दिरहम, एक जोड़ा कपड़ा, पचास मुद (पैमाना) खाना, तीन साअ खुजूरें।

सवाल 1667 : उम्मुल मोमिनीन हज़रत ज़ैनब बिन्ते जहश रज़ि यल्लाहु अन्हा की नमाज़े जनाज़ह किस ने पढ़ाई?

जवाब 1667 : हज़रत उमर फारुक रजियल्लाहु अन्हु ने।

(मदारिजुन्नुबूव्वह स. 10)

सवाल 1668 : उम्महातुल मोमिनीन में से कौन सी उम्मुल मोमिनीन हैं जिनका तअल्लुक़ सूरेह अहज़ाब की उस आयत से है जिस में हज़रत ज़ैद रज़ि यल्लाहु अन्हु का इस्में गरामी है?

जवाब 1668 : हज़रत ज़ैनब बिन्ते जहश रज़ि यल्लाहु अन्हा।

❖❖❖

उम्मुल मोमिनीन
हज़रत ज़ैनब बिन्ते खुज़ैमह
रज़ि यल्लाहु अन्हा

सवाल 1669 : वह कौन सी उम्मुल मोमिनीन हैं जिन से अक़्द के बाद अल्लाह पाक ने हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम को चार से ज़ाएद निकाह करने का खुसूसी तौर पर हुक्म अता फरमाया ?

जवाब 1669 : हज़रत ज़ैनब बिन्ते खुज़ैमह रज़ि यल्लाहु अन्हा।

सवाल 1670 : उम्मुल मोमिनीन हज़रत ज़ैनब बिन्ते खुज़ैमह रज़ि यल्लाहु अन्हा का लक़ब किया था?

जवाब 1670 : उम्मुल मसाकीन।

सवाल 1671 : उम्महातुल मोमिनीन में से हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने किन की नमाज़ पढ़ाई है ?

जवाब 1671 : हज़रत ज़ैनब बिन्ते खुज़ैमह रज़ि यल्लाहु अन्हा की।

सवाल 1672 : हज़रत ज़ैनब बिन्ते खुज़ैमह इब्नुल्हारिस रज़ि यल्लाहु अन्हा की वफात कब हुई?

जवाब 1672 : माहे रबीउल आख़िर 4 हिजरी में।

(ज़ियाउन्नबी सोम स. 622)

सवाल 1673 : उम्मुल मोमिनीन हज़रत ज़ैनब बिन्ते खुज़ैमह रज़ि यल्लाहु अन्हा का निकाह हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम से कब हुआ?

जवाब 1673 : 3 हिजरी में। (ज़ियाउन्नबी सोम स. 623)

उम्मुल मोमिनीन
हज़रत सफिया
रज़ि यल्लाहु अन्हा

सवाल 1674 : उम्मुल मोमेनीन हज़रत सफियह रज़ि यल्लाहु अन्हा के वालिद का नाम बताइये?

जवाब 1674 : हुई बिन अख़्तब।

सवाल 1675 : हज़रत सफियह रज़ि यल्लाहु अन्हा किस ख़ान्दास से थीं?

जवाब 1675 : हज़रत मूसा व हारुन अलैहिमस्सलाम के।

सवाल 1676 : हज़रत सफियह रज़ि यल्लाहु अन्हा किस ग़जवह से क़ैद होकर आई थीं?

जवाब 1676 : ग़जवए ख़ैबर से।

सवाल 1677 : हज़रत सफियह रज़ि यल्लाहु अन्हा की नमाज़े जनाज़ह किस ने पढ़ाई और कब्र में किस ने उतारा?

जवाब 1677 : नमाज़े जनाज़ह हाकिमे मदीना मरवान बिन हिक्म ने पढ़ाई और क़ब्र में आप के भतीजों ने उतारा।

(ज़रकानी जि. 6 स. 236)

सवाल 1678 : हज़रत सफियह रज़ि यल्लाहु अन्हा के पहले शौहर का नाम क्या था?

जवाब 1678 : यहुदियों का सरदार किनानह बिनअबिल हक़ीक़।

(ज़ियाउन्नबी चहारुम स. 244)

सवाल 1679 : हज़रत सफियह रज़ि यल्लाहु अन्हा का पहला नाम क्या था?

जवाब 1679 : ज़ैनब। (ज़ियाउन्नबी जि. 4 स. 245)

सवाल 1680 : हज़रत सफियह रज़ि यल्लाहु अन्हा जिस वक़्त हुजूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के निकाह में दाख़िल हुईं क्या उम्र थी?

जवाब 1680 : सत्तरह 17 साल। (ज़ियाउन्नबी जि. 4 स. 245)

दीगर अज़वाजे मुतह्हरात रिज़वानुल्लाहि अलैहिन्न

सवाल 1681 : उम्महातुल मोमिनीन में से किन को ज़बानी कुर्आन मजीद याद था?

जवाब 1681 : हज़रत आइशा सिद्दीक़ा रज़ि यल्लाहु अन्हा और हज़रत हफसह रज़ि यल्लाहु अन्हा को।

सवाल 1682 : उम्मुल मोमिनीन हज़रत जुवैरियह रज़ि यल्लाहु अन्हा का अस्ल नाम क्या था?

जवाब 1682 : बर्रह (ग़ज़्वह बनी अलमुस्तलक़ से क़ैद हो कर आई थीं)।

सवाल 1683 : उम्मुल मोमिनीन हज़रत जुवैरियह रज़ि यल्लाहु अन्हा के वालिद का नाम बताइये?

जवाब 1683 : हारिस बिन अबी ज़र्रार।

सवाल 1684 : उम्मुल मोमिनीन हज़रत जुवैरियह रज़ि यल्लाहु अन्हा के शौहरे अव्वल का नाम बताइये?

जवाब 1684 : मुसाफ़अ बिन सफ़वान।

सवाल 1685 : उम्महातुल मोमिनीन में से उन के आस्माए गिरामी बताइये जिन्होंने किसी हदीस की रिवायत नहीं की है?

जवाब 1685 : हज़रत ख़दीजह व हज़रत ज़ैनब बिंते खुज़ैमह रज़ि यल्लाहु अन्हुमा।

सवाल 1686 : बताइये आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने एक बार एक माह के लिए अपनी अज़्वाज से अलाहेदगी इख़्तियार कर ली थी क्यों और उसे क्या कहते हैं?

जवाब 1686 : वह ख़र्च ज़्याद माँगती थीं बाद में मआफ फर्मा दिया। उसे ईला कहते हैं?

सवाल 1687 : उम्मुल मोमिनीन हज़रत मारियह क़िबतिया रज़ि यल्लाहु अन्हा को किस बादशाह ने तोहफे में भेजा था?

जवाब 1687 : हाकिमे असकन्द्रयह मुक़ौक़िस ने।

सवाल 1688 : उम्मुल मोमिनीन हज़रत मारियह क़िब्तिया रज़ि यल्लाहु अन्हा की बहेन का नाम बताइये?

जवाब 1688 : शीरीन।

सवाल 1689 : उम्मुल मोमिनीन हज़रत मारियह क़ब्तिया रज़ि यल्लाहु अन्हा का विसाल कब हुआ?

जवाब 1689 : 16 हिजरी में।

सवाल 1690 : उम्मुल मोमिनीन हज़रत मारियह क़िब्तिया रज़ि यल्लाहु अन्हा की जनाज़ह की नमाज़ किसने पढ़ाई?

जवाब 1690 : हज़रत सय्यदुना उमर फारुक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु ने।

सवाल 1691 : आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के विसाल के वक़्त आप की कितनी अज़्वाजे तय्यिबात बा हयात थीं?

जवाब 1691 : नौ 9।

सवाल 1692 : उम्महातुल मोमिनीन की दूसरी औरतों के मक़ाबले में इम्तियाज़ी शान क्या है?

जवाब 1692 : वह उम्मत की माएँ हैं आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के विसाल के बाद उन से कोई भी निकाह नहीं कर सकता।

सवाल 1693 : कुर्आन मजीद की किस सूरेह और आयत में अज़वाजे मुतहहिरात को उम्मत की माएँ कहा गया है?

जवाब 1693 : सूरेह अहज़ाब आयत नं. 4 में।

सवाल 1694 : हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की पहली और आख़िरी ज़ौजए मुहतरमा के अस्माए गिरामी बताइये?

जवाब 1694 : आप की पहली ज़ौजह हज़रत ख़दीजतुल कुबरा और आख़िरी हज़रत मैमूनह रज़ि यल्लाहु अन्हुमा हैं।

रहमते आलम सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम के फर्ज़न्दाने मुहतरम व दुख़तराने मुकर्रम

सवाल 1695 : हज़रत सय्यदह फातिमह ज़हरह रज़ि यल्लाहु अन्हा की वालिदा माजिदा का इस्मे गिरामी बताइये?

जवाब 1695 : हज़रत ख़दीजतुल कुबरा रज़ि यल्लाहु अन्हा।

सवाल 1696 : हज़रत सय्यदह फातिमह ज़हरह रज़ि यल्लाहु अन्हा किन के निकाह में दाख़िल हुईं?

जवाब 1696 : हज़रत अली कर्रमल्लाहु वजहहू के।

सवाल 1697 : हज़रत सय्यदह फातिमह ज़हरह रज़ि यल्लाहु अन्हा का निकाह कब हुआ?

जवाब 1697 : 2 हिजरी में जनवरी 624 ई.

सवाल 1698 : बवक़्ते निकाह हज़रत फातिमह ज़हरह रज़ि यल्लाहु अन्हा का महेर कितना मुतअय्यन हुआ?

जवाब 1698 : 400 मिस्क़ाल यानी डेढ़ सो तोला चांदी।

सवाल 1699 : आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने अपनी शहज़ादी हज़रत फातिमह ज़हरह रज़ि यल्लाहु अन्हा को जहेज़ में क्या अता फरमाया?

जवाब 1699 : दो जोड़े कपड़े, 2 बाजू बंद, एक चादर, एक प्याला, एक चक्की, दो गिलास, एक चमड़े का मश्क, दो रज़ाई, चार गद्दे दो में ऊन भरे थे और दो में खुजूर की छाल।

चली थीं बाप के घर से नबी की लाडली पहने
हया की चादरें इफ्फत का जामा सब्र के गहने

सवाल 1700 :आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के किन साहबज़ादी का लक़ब ख़ातूने जन्नत है ?

जवाब 1700 : हज़रत फातिमह रज़ि यल्लाहु अन्हा का।

सवाल 1701 : हज़रत फातिमह ज़हरह रज़ि यल्लाहु अन्हा क़्यामत के दिन जिस ऊँटनी पर सवार हो कर आएँगी उसका नाम बताइये?

जवाब 1701 : अज़्बा नाम की ऊँटनी।

(कन्जुलआमाल जि. 11 स. 699/ज़ियाउन्नबी जि. 3 स. 82)

सवाल 1702 : हज़रत फातिमह रज़ि यल्लाहु अन्हा आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के किस उम्र में पैदा हुई?

जवाब 1702 : 41 साल की उम्र में।

सवाल 1703 : हज़रत फातिमा रज़ि यल्लाहु अन्हा का विसाल कब हुआ?

जवाब 1703 : रमज़ान 11 हिजरी या 12 हिजरी बरोज़ मंगल को।

सवाल 1704 : हज़रत सय्यदह फातिमह रज़ि यल्लाहु अन्हा का जनाज़ा किस ने तैयार किया?

जवाब 1704 : हज़रत असमा बिंते उमैस रज़ि यल्लाहु अन्हा ने।

सवाल 1705 : आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के विसाल के वक़्त आप की कौन साहिब ज़ादी मौजूद थीं?

जवाब 1705 : हज़रत फातिमह ज़हरह रज़ि यल्लाहु अन्हा।

सवाल 1706 : सय्यदा फातिमह ज़हरह रज़ि यल्लाहु अन्हा की औलाद के अस्माए ग्रामी बताइए?

जवाब 1706 : हज़रत इमाम हसन, इमाम हुसैन, मुहसिन उम्मे कुलसूम, ज़ैनब रज़ि यल्लाहु अन्हुम।

सवाल 1707 : हज़रत सय्यदह फातिमह ज़हरा रज़ि यल्लाहु अन्हा की नमाज़े जनाज़ह किसने पढ़ाई?

जवाब 1707 : हज़रत अब्बास रज़ि यल्लाहु अन्हु ने।

सवाल 1708 : हुजूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की साहिबज़ादी सय्यदा ज़ैनब रज़ि यल्लाहु अन्हा आप की उम्र शरीफ के किस हिस्से में पैदा हुईं?

जवाब 1708 : 30 साल की उम्र में।

सवाल 1709 : हज़रत रूकैया रज़ि यल्लाहु अन्हा आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के किस उम्र में पैदा हुईं?

जवाब 1709 : 35 साल की उम्र में।

सवाल 1710 : रहमते आलम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के साहिबहज़ादे हज़रत इब्राहीम रज़ि यल्लाहु अन्हु की वालिदह माजिदह का इस्मे गिरामी बताइये?

जवाब 1710 : हज़रत मारियह क़िब्तिया रज़ि यल्लाहु अन्हा।

सवाल 1711 : हज़रत इब्राहीम रज़ि यल्लाहु अन्हु कितनी उम्र में फौत हुए?

जवाब 1711 : सत्तर दिन के बाद और उसी रोज़ सूरज गहन हुआ।

सवाल 1712 : वह क़ब्र बताइये जिस पर एक मश्क पानी पहली मतर्बा छिड़का गया?

जवाब 1712 : वह हुजूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के साहिबज़ादे हज़रत इब्राहीम रज़ि यल्लाहु अनहु की क़ब्र है।

(ज़ियाउन्नबी जि. 4 स. 732)

सवाल 1713 : हज़रत रूकैया बिन्ते रसूल सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम का विसाल कब हुआ?

जवाब 1713 : गजवए बदर के दिन।

सवाल 1714 : आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के फ़र्ज़न्दे मुकर्रम हज़रत इब्राहीम रज़ि यल्लाहु अन्हु को दूध किसने पिलाया?

जवाब 1714 : हज़रत उम्मे सैफ़ रज़ि यल्लाहु अन्हा ने।

सवाल 1715 : आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के दुख़्तरे मुकर्रम हज़रत ज़ैनब रज़ि यल्लाहु अन्हा का विसाल कब और किस बीमारी से हुआ?

जवाब 1715 : 8 हिजरी में चेचक की बीमारी से।

सवाल 1716 : सुल्ताने दारैन सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की साहबज़ादी हज़रत उम्मे कुलसूम रज़ि यल्लाहु अन्हा का विसाल कब हुआ?

जवाब 1716 : शअबान 9 हिजरी में।

सवाल 1717 : हज़रत ज़ैनब बिंते रसूलूल्लाह सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के शौहर का इस्मे गिरामी बताइये?

जवाब 1717 : हज़रत अबूलआस बिन रबी रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 1718 : हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने अपनी बेटी ज़ैनब का निकाह हज़रत अबूल आस से किसकी फरमाइश से किया था?

जवाब 1718 : हज़रत ख़दीजह रज़ि यल्लाहु अन्हा की, चूंकी अबूल आस आप की हमशीरह हालह के बेटे थे।

(ज़ियाउन्नबी जि. 3 स. 390)

सवाल 1719 : हज़रत अ़ली ज़ैनी और उमामा रज़ि यल्लाहु अन्हुमा की वालिदा का इस्मे गिरामी बताइये?

जवाब 1719 : हज़रत ज़ैनब बिन्ते रसूलुल्लाह सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम।

सवाल 1720 : रसूलुल्लाह सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के फर्ज़न्दे मुकर्रम हज़रत क़ासिम रज़ि यल्लाहु अन्हु ने किस उम्र में इन्तेक़ाल फरमाया?

जवाब 1720 : तक़रीबन दो साल की उम्र में।

सवाल 1721 : सय्यदह रुकैया रज़ि यल्लाहु अन्हा का निकाह किस से हुआ?

जवाब 1721 : हज़रत सय्येदुना उस्मान ग़नी रज़ि यल्लाहु अन्हु से।

सवाल 1722 : सरवरे काएनात सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने अपने किस दामाद को बददुआ दी थी?

जवाब 1722 : सय्यदह उम्मे कुल्सूम रज़ि यल्लाहु अन्हा के शौहरे अव्वल उतैबा को। (रुख़्सती नहीं हुई थी)

सवाल 1723 : हज़रत उम्मे कुल्सूम रज़ि यल्लाहु अन्हा का निकाहे सानी किस से हुआ?

जवाब 1723 : हज़रत उस्मान ग़नी रज़ि यल्लाहु अन्हु से।

सवाल 1724 : तय्यब और ताहिर आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के किन साहिबज़ादे का लक़ब था?

जवाब 1724 : अब्दुल्लाह रज़ि यल्लाहु अन्हु का।

सवाल 1725 : आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के तीनों साहिबजादों के अस्माए गिरामी बताइये?

जवाब 1725 : हज़रत क़ासिम, हज़रत अब्दुल्लाह, हज़रत इब्राहीम रज़ि यल्लाहु अन्हुम।

सवाल 1726 : हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की पहली औलाद का इस्मे गिरामी बताइये?

जवाब 1726 : हज़रत क़ासिम रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 1727 : आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की सबसे आख़िरी औलाद का इस्मेगिरामी बताइये?

जवाब 1727 : हज़रत इब्राहीम रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 1728 : सरवरे दो जहाँ सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की साहबज़ादियों के अस्मा-ए-गिरामी बताइये?

जवाब 1728 : ह़ज़रत ज़ैनब, ह़ज़रत रूक़ैया, हज़रत उम्मे कुलसूम, हज़रत फातिमह रज़ि यल्लाहु अन्हुन।

सवाल 1729 : ह़ज़रत क़ासिम रज़ि यल्लाहु अन्हु की वालिदह माजिदह का इस्मे गिरामी बताइये?

जवाब 1729 : ह़ज़रत ख़दीजतुल कुबरा रज़ि यल्लाहु अन्हा।

सवाल 1730 : हज़रत ज़ैनब रज़ि यल्लाहु अन्हा जब हिजरत के इरादा से मक्का से निकलीं तों किस बदबख़्त ने नेज़ह मार कर ज़मीन पर गिरा दिया, जिस के सदमे से आप का ह़मल साक़ित हो गया?

जवाब 1730 : मुहिब्बार इब्नुल असवद या हिबर ने।

सवाल 1731 : आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम अपनी किस साहबज़ादी के जनाज़ह में ग़ज़वए बद्र की वजह से शरीक न हो सके?

जवाब 1731 : हज़रत रूक़ैया रज़ि यल्लाहु अन्हा के।

अहले बैते अतहार रज़ि यल्लाहु अन्हुम

सवाल 1732 : हज़रत सय्यदह फातिमह रज़ि यल्लाहु अन्हा के दोनों साहबज़ादों के अस्माए गिरामी बताइये?

जवाब 1732 : हज़रत सय्येदुना इमाम हसन व इमाम हुसैन रज़ि यल्लाहु अन्हुमा।

सवाल 1733 : हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की मुक़द्दस नस्ल दुनिया में किस से चली?

जवाब 1733 : हज़रत सय्येदुना इमाम हसन, इमाम हुसैन रज़ि यल्लाहु अन्हुमा से।

सवाल 1734 : इमाम हसन रज़ि यल्लाहु अन्हु के विलादत की तारीख़ बताइये?

जवाब 1734 : 15/रमज़ान 3 हिजरी बरोज़ मंगल।

(ज़ियाउन्नबी जि. 3 स. 675)

सवाल 1735 : हज़रत इमाम हसन रज़ि यल्लाहु अन्हु की कुन्नियत क्या थी?

जवाब 1735 : अबू मोहम्मद। (ज़ियाउन्नबी जि. 3 स. 576)

सवाल 1736 : हज़रत अली रज़ि यल्लाहु अन्हु ने इमाम हसन का नाम क्या तजवीज़ क्या था?

जवाब 1736 : हरब, हुजूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने हसन रखा।

(ज़ियाउन्नबी जि. 3 स. 576)

सवाल 1737 : हज़रत इमाम हसन रज़ि यल्लाहु अन्हु को आख़िरी बार ज़हर किस चीज़ में मिला कर दिया गया?

जवाब 1737 : पानी की सुराही में।

सवाल 1738 : ज़हेर देने वाली ख़बीसह कौन थी?

जवाब 1738 : दलाला ऐसोनिया, जिसे वालिए मदीना मरवान बिन हिकम ने तैयार किया था और उस की आमद व रफ्त आप के घर में ज़्यादह थी। इसी क़रीने क़यास से क़ातिला यही साबित होती है।

सवाल 1739 : हज़रत इमाम हसन रज़ि यल्लाहु अन्हु की शहादत कब वाक़े हुई?

जवाब 1739 : 29/सफरुलमुज़फ्फर को।

सवाल 1740 : वक़्ते शहादत हज़रत इमाम हसन रज़ि यल्लाहु अन्हु की उम्र क्या थी?

जवाब 1740 : 76 या 77 साल की।

सवाल 1741 : हज़रत इमाम हुसैन रज़ि यल्लाहु अन्हु की विलादत कब हुई?

ज़वाब 1741 : 5 शअ़बान 4 हिजरी को मदीना मुनव्वरह में।

सवाल 1742 : हज़रत इमाम हुसैन रज़ि यल्लाहु अन्हु की कुन्नियत और लक़ब बताइये?

जवाब 1742 : कुन्नियत अबू अब्दुल्लाह और लक़ब शहीदे आज़म, सिब्ते सय्यद वगैरह थे?

सवाल 1743 : हज़रत इमाम हुसैन रज़ि यल्लाहु अन्हु के किस भाई का लक़ब अलम्बरदार था?

जवाब 1743 : हज़रत अ़ब्बास रज़ि यल्लाहु अन्हु का।

सवाल 1744 : हज़रत इमाम हुसैन रज़ि यल्लाहु अन्हु के साहबज़ादों के अस्माए गिरामी बताइये?

जवाब 1744 : अली अकबर, अली औसत, अली असग़र, अब्दुल्लाह, मोहम्मद जाफ़र, रज़ि यल्लाहु अन्हुम।

सवाल 1745 : हज़रत इमाम हुसैन रज़ि यल्लाहु अन्हु के किस साहबज़ादे की औलाद सय्यद कहलाती है?

जवाब 1745 : हज़रत इमाम ज़ैनुल आबिदीन रज़ि यल्लाहु अन्हु की।

सवाल 1746 : हज़रत इमाम हुसैन रज़ि यल्लाहु अन्हु की चारों साहब ज़ादियों के अस्माए गिरामी बताइये?

जवाब 1746 : फातिमह कुबरा, फातिमा सुगरा, सकीनह, ज़ैनब रिज़यल्लाहु अन्हुन्न।

सवाल 1747 : हज़रत फातिमह सुग़रा रज़ि यल्लाहु अन्हा के शौहर का इस्मे गिरामी बताइये?

जवाब 1747 : हज़रत हसन मुसन्ना रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 1748 : दुनिया में आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की नस्ल आप की किन बेटी के साहिबजादों से चल रही है?

जवाब 1748 : हज़रत फातिमह रज़ि यल्लाहु अन्हा की।

सवाल 1749 : हज़रत इमाम हुसैन रज़ि यल्लाहु अन्हु के साहिबज़ादे हज़रत अली अकबर रज़ि यल्लाहु अन्हु की वालिदह का नाम बताइये?

जवाब 1749 : हज़रत लैला बिन्त मुर्रह बिन मसऊद सक़फी।

सवाल 1750 : हज़रत अली औसत इमाम ज़ैनुल आबिदीन रज़ि यल्लाहु अन्हु की वालिदह का इस्मे गिरामी क्या था?

जवाब 1750 : हज़रत शहेर बानो रज़ि यल्लाहु अन्हा।

सवाल 1751 : हज़रत अली असगर रज़ि यल्लाहु अन्हु की वालिदा का नाम बताइये?

जवाब 1751 : आप की वालिदह का नाम मुहक़्क़क़ नहीं है। सिर्फ़ इतना मअ़लूम है कि वह क़ौमे अरब और नस्ले बनी कुज़ाआ से थीं।

सवाल 1752 : हज़रत फातिमह कुबरा फातिमह सुगरा रज़ि यल्लाहु अन्हुमा किन के बत्न से हैं?

जवाब 1752 : हज़रत उम्मे इसहाक़ जो हज़रत त्ल्हा रज़ि यल्लाहु अन्हु की साहेबज़ादी थीं।

सवाल 1753 : हज़रत सकीनह रज़ि यल्लाहु अन्हा की वालिदा माजिदा का नाम बताइये?

जवाब 1753 : रुबाब बिन्ते इम्रउल क़ैस बिन अ़दी।

(क़बीलह अदी से थीं)

सवाल 17504 : हज़रत इमाम जाफ़र सादिक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु के वालिदे मुकर्रम का इस्मे गिरामी बताइये?

जवाब 1754 : हज़रत इमाम बाक़र रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 1755 : हज़रत इमाम जाफर सादिक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु के वालिदे मुकर्रम का इस्मे गिरामी बताइये?

जवाब 1755 : हज़रत इमाम ज़ैनुल आबिदीन रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 1756 : हेशाम बिन अब्दुल मलिक के ख़िलाफ सबसे पहले बग़ावत का अ़लम किस ने बलंद किया?

जवाब 1756 : हज़रत इमाम ज़ैनुल आबिदीन रज़ि यल्लाहु अन्हु ने।

सवाल 1757 : हज़रत ज़ैनब ख़्वाहिरे (बहन) हज़रत इमाम हुसैन रज़ि यल्लाहु अन्हुमा का रौज़ह कहां है?

जवाब 1757 : दमिश्क़ से 4 कोस के फासिले पर क़रिय-ए-ज़ैनब में।

सवाल 1758 : आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की उन नवासी का नाम बताइये जो मैदाने करबला में अपने भाई के साथ मौजूद थीं?

जवाब 1758 : हज़रत सय्यदह ज़ैनब रज़ि यल्लाहु अन्हा।

सवाल 1759 : बारह इमामों के अस्माए गिरामी बताइये?

जवाब 1759 : (1)हज़रत अली, (2)हज़रत इमाम हसन बिन अली कुन्नियत अबू मोहम्मद, (3) इमाम हुसैन बिन अली कुन्नियत अबू अब्दुल्लाह (4) हज़रत अली बिन हुसैन कुन्नियत अबू

मोहम्मद लक़ब सज्जाद व ज़ैनुल आबिदीन (5) मोहम्मद बिन अली बिन हुसैन कुन्नियत अबू जअफर लक़ब बाकर, (6) इमाम जअफर कुन्नियत अबू अब्दुल्लाह लक़ब सादिक़, (7)मूसा बिन जाफर अस्सादिक़ कुन्नियत काज़िम,(8)अली बिन मूसा बिन जअफर कुन्नियत अबूल हसन (9) मोहम्मद बिन अली मूसा कुन्नियत अबू जअफर, (10) अली बिन मोहम्मद बिन अली अबूलहसन सालिस भी कहते हैं लक़ब हादी और अ़सकरी है,(11) हुसैन बिन अली बिन मोहम्मद बिन अली इर्रज़ा कुन्नियत अबू मोहम्मद लक़ब ज़की (12) मोहम्मद बिन हुसैन बिन अली बिन मोहम्मद बिन अली इर्रज़ा कुन्नियत अबूल क़ासिम रिजवानुल्लाहि अलैहिम अजमईन।

ग़ज़वात व सराया!

सवाल 1760 : ग़ज़वह किसे कहते हैं?

जवाब 1760 : जिस जंग में रहमते आ़लम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम बज़ाते खुद शरीक हुए हों।

सवाल 1761 : ग़ज़वह की जमा क्या है?

जवाब 1761 : ग़ज़वात।

सवाल 1762 : सरिया किसे कहते हैं?

जवाब 1762 : जिस में नबीए दोआलम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम बज़ाते खुद शरीक न हुए हों बलकि दुश्मन के मक़ाबेले में सहाबए किराम को रवाना फरमाया हो।

सवाल 1763: सरिया की जमा क्या है?

जवाब 1763 : सराया।

सवाल 1764 : वह ग़ज़वात जिस में रहमते आलम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम शरीक हुए कितने हैं?

जवाब 1764 : 47 और बअ़ज ने 56 बताया है।

❖❖❖

सामाने हरब (जंग) आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम

सवाल 1765 : रहमते आलम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के पास तलवारें कितनी थीं?

जवाब 1765 : ग्यारह (11) मासूरिया पहली तलवार, यह आप के वालिद माजिद की तलवार थी, (2) अल्गज़ब, (3) जुल्फेकार इस के बीच में धार थी, बद्र की जंग में मिली थी उस का दस्ता चांदी का था, (4) क़लई यह क़लआ के नाम से मनसूब थी, (5) अल्बत्तार काटने वाली, (6) अल्हनफ़ (मौत), (7) मख़्ज़म काटने वाली, (8) रसूप पेट में घुस जाती थी,(9) क़जीब, (10) जमसामह, (11) अललुहैफ।

(ज़ियाउन्नबी जि. 5 स. 99-598)

सवाल 1766 : आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की ज़िरहों की तअ़दाद क्या थी?

जवाब 1766 : सात (1) ज़ातुल फुज़ूल, (2) ज़ातुल वशाह, (3) ज़ातुल हवाशी, असफन्दियह, यह एक शहेर की तरफ मनसूब थी यही वह ज़िरह है जिसे दाऊद अलैहिस्सलाम ने पहेन कर जालूत को क़त्ल किया था, (4) फिज़्ज़ह, (अल्बत्तारियह छोटी थी, (5) ख़रनीक़ (बच्चा ख़रगोश)।

(ज़ियाउन्नबी जि. 5 स. 600)

सवाल 1767 : रसूलुल्लाह सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की कमानों की तअ़दाद और नाम बताइये?

जवाब 1767 : छः(1) अज़्ज़ोरा,(2)अर्रोजा (3) अस्सुग़रा,(4) शूहत, (5) कुतूम, इस की आवाज़ मदधिम थी, (6)सुदाद।

(ज़ियाउन्नबी जि. 5 स. 597)

सवाल 1768 : शहनशाहे कौनैन सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के पास घोड़े कितने थे?

जवाब 1768 : (20) बीस।

सवाल 1769 : सरवरे दोआलम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के नेज़ों

की तअदाद कितनी थी?

जवाब 1769 : पांच। अल्मस्वा, अल्मन्सा अन्निब्आ, अलबैज़ा, अलअेतरह, अलहुदुल्कम्रह। (ज़ियाउन्नबी जि. 5 स. 599)

सवाल 1770 : आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की ढ़ालों की तअदाद कितनी थी?

जवाब 1770 : तीन। अज़्ज़लूक़। अलफतक़ तीसरी वह ढ़ाल थी जिस में मेंढे और उक़ाब की तमस्साल थी। (ज़ियाउन्नबी जिल्द 5 सफा 601) बअज़ ने यह तअदाद छः बताई है।

सवाल 1771 : हुजूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की ज़ीने मुबारक का नाम बताइये?

जवाब 1771 : अर्राजुल मोजिज़ जबकि बिछाने वाली गद्दी एक बकरी के चमड़े की थी। (ज़ियाउन्नबी जि. 5 स. 604)

सवाल 1772 : ताजदारे मदीना सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के पास ख़च्चर कितने थे?

जवाब 1772 : बारह /12।

सवाल 1773 : हुजूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के पास ऊंटनीयाँ कितनी थीं?

जवाब 1773 : 45 ऊंटनीयाँ।

सवाल 1774 : सरकारे दो आलम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की ख़ास मिलकियत में कितने घोड़े थे?

जवाब 1774 : सात/7(1) अस्सकब (2) सबहा(3) मुरतजिज़ (4) लिज़ार, मुक़ौक़िस ने हदियह पेश किया था (5) अज़्ज़रिब (6) अललहीफ़ (7) अलवरद, यह सुर्ख़ रंग का था। (ज़ियाउन्नबी जि. 5 स. 608)

सवाल 1775 : आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की उस तलवार का नाम बताओ जिसे मल्कए बिलक़ीस ने हज़रत सुलेमान अलैहिस्सलाम की बारगाह में पेश किया था?

जवाब 1775 : अर्रुसूब।

सवाल 1776 : आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के तरकश का नाम बताइये?

जवाब 1776 : फोरक़।

सवाल 1777 : मिश्र के बादशाह मक़ूक़स ने आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की बारगाह में कौन सा घोड़ा भेजा था?

जवाब 1777 : अलकज़्ज़ाज़।

सवाल 1778 : आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की बकरियों की तअदाद बताइये?

जवाब 1778 : 100। (अबू दाऊद स. 19 हदीस 3)

सवाल 1779 : शाह नजाशी ने रहमते आलम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की बारगाह में जो ख़च्चर भेजा था उस का नाम बताइये?

जवाब 1779 : दुलदुल।

सवाल 1780 : बवक़्ते विसाल हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की कौन सी ज़िरह रहेन रखी थी?

जवाब 1780 : ज़ातुलफुज़ूल।

सवाल 1781 : आक़ सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की ज़िरह ज़ातुल फुज़ूल किस के पास रहेन थी

जवाब 1781 : अबू शहमा यहूदी के पास 30 साअ़ जौ के बदले।
(ज़ियाउलनबी जि. 5 स. 600)

सवाल 1782 : हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के पास खुद मुबारक कितने थे?

जवाब 1782 : 1/एक जिसका नाम अस्सबूअ था।
(ज़ियाउन्नबी जि. 5 स. 600)

सवाल 1783 : आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने पहले किस गज़वह में शिर्कत फरमाई?

जवाब 1783 : गज़वए अबवा या वुशन में हिजरत के 12 माह बाद माहे सफर दो हिजरी जून 623 ई. में।

सवाल 1784 : रहमते आलम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने सबसे पहले अपने चचाओं के साथ किस जंग में शिर्कत फरमाई?

जवाब 1784 : जंगे फुज्जार में जबकि आप की उम्र 15 या 16 साल की थी।

सवाल 1785 : उन मशहूर ग़ज़वात के नाम बताइये जिसमें आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने शिर्कत फरमाई?

जवाब 1785 : (1)बद्र (2)उहद(3)अलमरीसाअ(4) ख़ंदक़ (5)कुरैज़ा (6)ख़ैबर (7)फ़तहे मक्का (8) हुनैन (9)ताएफ़। (हाशिया बुख़ारी)

सवाल 1786 : उन गज़वात के नाम बताइये जिनमें हज़रत आइशा सिद्दीक़ा रज़ि यल्लाहु अन्हा की चादरे पाक का अलम बनाया गया?

जवाब 1786 : गज़वए बद्र, ख़ैबर, और फ़तहे मक्कह के मौक़ा पर।

सवाल 1787 : आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के अलम का रंग कैसा था?

जवाब 1787 : सफेद। (अम्न व शांती का पैग़ाम था)

सवाल 1788 : हुजूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने दिफाई मक़ासिद के लिए फौजी मुज़ाहिरों और छापा मार दस्तों को भेजने का सिलसिलह कब शुरु फरमाया?

जवाब 1788 : 1 हिजरी सातवें माह में।

गज़्वए बद्र और उस के तअल्लुक़ से

सवाल 1789 : रहमते आलम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने किस जंग में कंकरियाँ फेंकी थी?

जवाब 1789 : गज़्वए बद्र में। (अहवालुल अंबिया जि. 2 स. 149)

सवाल 1790 : गज़्वए बद्र में मुसलमान जाँ निसारों की तअ़दाद क्या थी?

जवाब 1790 : 313।

सवाल 1791 : आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम का गज़वए बद्र के बाद मदीनह में फातिहाना दाख़िला कब हुआ?

जवाब 1791 : बरोज़ शंबा 20 रमज़ान 2 हिजरी 624 ई० में।

सवाल 1792 : उस मैदाने जंग का नाम बताइये जिस में जंग शुरू होने से क़ब्ल गैब दाँ रसूल सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने काफिरों के गिरने की जगह बता दी आर वैसा ही हुआ?

जवाब 1792 : जंगे बद्र।

सवाल 1793 : जंगे बद्र की फतेह की खुश ख़बरी सुन कर मदीनह के बच्चे क्या कहते हुए दीवाना वार गलियों में दौड़ रहे थे?

जवाब 1793 : कुतिला अबू जहल फासिक़ु, फासिक़ अबूजहल क़त्ल कर दिया गया। (ज़ियाउन्नबी जि. 3, स. 379)

और कोई गैब किया तुम से निहां हो भला।
जब न खुदा ही छुपा तुम पे करोड़ों दरूद।।

सवाल 1794 : जंगे बद्र में अमीर हमज़ह रज़ि यल्लाहु अन्हु का मक़ाबला किस काफिर से हुआ?

जवाब 1794 : शैबह से, आप ने उसे क़त्ल कर दिया। (ज़ियाउन्नबी जि. 3, स. 337)

सवाल 1795 : ग़ज़्वए बद्र में हज़रत अली रज़ि यल्लाहु अन्हु के मक़ाबले में कौन सा काफिर आया?

जवाब 1795 : वलीद बिन उत्बा। (ज़ियाउन्नबी जि. 3, स. 337)

सवाल 1796 : ग़ज़्वए बद्र में हज़रत अबू उबैदह रज़ि यल्लाहु अन्हु का मुक़ाबला किस काफिर से हुआ?

जवाब 1796 : उत्बा से, आप ज़ख़्मी हो गए। हज़रत अली रज़ि यल्लाहु अन्हु ने मिल कर उसे क़त्ल किया। (ज़ियाउन्नबी जि. 3, स. 337)

सवाल 1797 : ग़ज़्वए बद्र में मुसलमानों की मदद को आने वाले फरिशतों की तअ़दाद क्या थी?

जवाब 1797 : एक हज़ार,जो सफेद पगड़ियों में थे।

सवाल 1798 : ग़ज़्वए बद्र में मुसलमान कितने शहीद हुए?

जवाब 1798 : 14 जिन में छे. मुहाजिरीन और आठ अन्सार थे जिन के खून ने इस्लाम के पौदे को हमेशा न मुरझाने वाली शादाबी अता फरमा दी। (ज़ियाउन्नबी जि. 3, स. 280)

सवाल 1799 : ग़ज़्वए बद्र में शामिल होने वालों में कितने मुहाजिरीन और कितने अन्सार थे?

जवाब 1799 : 77 मुहाजेरीन और 236 अन्सार थे। (खज़ाइनुल इरफान, आले इमरान)

सवाल 1800 : मदीनह से मक़ामे बद्र का फासिला कितना है?

जवाब 1800 : 80 मील का, बद्र एक गांव का नाम है जहां ज़मानए जाहिलयत में मेला लगता था। (ज़ियाउन्नबी जि. 3, स. 217)

सवाल 1801 : आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के मुटठी भर कंकरियाँ

फेंकने से काफिरों के पांव किस ग़ज़्वा में लड़खड़ा गए?

जवाब 1801 : ग़ज़्वए बद्र में।

मैं तेरे होथों के सदक़े कैसी कंकरियां थीं वह।
जिन से इतने काफिरों का दफ़अतन मुंह फिर गया।।

सवाल 1802 : ग़ज़्वए बद्र में मुशरिकीन का सरदार कौन था?

जवाब 1802 : उतबा बिन रबीआ। (ख़ज़ाइनुल इरफ़ान, आले इमरान)

सवाल 1803 : ग़ज़्वए बद्र में आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की हिफाज़त कौन सहाबी फरमा रहे थे?

जवाब 1803 : हज़रत अबू बकर सिद्दीक़ व हज़रत सअ़द बिन मआ़ज़ रज़ि यल्लाहु अन्हुमा। (ज़ियाउन्नबी जि. 3, स. 317)

सवाल 1804 : अबू जहेल बदबख़्त कहाँ क़त्ल हुआ?

जवाब 1804 : ग़ज़्वए बद्र में।

सवाल 1805 : ग़ज़वए बद्र में जंग की पहली चिंगारी किस ने भड़काई थी जो मुसलमानों के पानी के तालाब की तरफ बढ़ा था?

जवाब 1805 : असवद बिन अबदुल असद अल्मख़्ज़ूमी ने।
(ज़ियाउन्नबी जि. 3, स. 336)
उसे हज़रत अमीर हमज़ह रज़ि यल्लाहु अन्हु ने क़त्ल किया था।

सवाल 1806 : ग़ज़्वए बद्र में किस सहाबी ने सब से पहले जामे शहादत नोश फरमाया था?

जवाब 1806 : हज़रत महजअ़ रज़ि यल्लाहु अन्हु, ख़लीफ-ए-दोम के ग़ुलाम या हज़रत सईद रज़ि यल्लाहु अन्हु थे।
(ज़ियाउन्नबी जि. 3, स. 329)

सवाल 1807 : उम्मते मुहम्मदिया के फिरऔन अबू जहेल बिन हेशाम को किस ने जहन्नम रसीद किया?

जवाब 1807 : मआ़ज़ और मऊज रज़ि यल्लाहु अन्हुमा ने। बाप का नाम हारिस और माँ का नाम अेफरा था।
(ज़ियाउन्नबी जि. 3, स. 352)

सवाल 1808 : ग़ज़्वए बद्र में अबू जहल का सर काटने वाले सहाबी का इस्मे गरामी बताइये?

जवाब 1808 : हज़रत अब्दुल्लाह बिन मस्ऊद रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 1809 : ग़ज़्वए बद्र को कुर्आन मजीद में किस नाम से याद किया गया है?

जवाब 1809 : यौमुल फुर्क़ान से।

सवाल 1810 : ग़ज़्वए बद्र से हासिल होने वाली उस तलवार का नाम बताओ जिसे आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ज़्यादह पसन्द फरमाते थे?

जवाब 1810 : जुलफिक़ार।

सवाल 1811 : रहमते आलम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के उन चचा का इस्मे गिरामी बताइये जिन्हों ने ग़ज़्वए बद्र के दिन मुशरिकीन के लशकर को खाना खिलाने की ज़िम्मादारी ली थी?

जवाब 1811 : हज़रत अब्बास रज़ि यल्लाहु अन्हु (क़बूले इस्लाम से क़ब्ल)।

सवाल 1812 : ग़ज़्वए बद्र में अबू जहल और दूसरे रूऊसाए कुरेश के साथ कितने आदमी क़त्ल हुए और कितने गिरफतार हुए?

जवाब 1812 : 70,आदमी मारे गए और 70,ही गिरफतार हुए।

सवाल 1813 : असीराने बद्र की क़िस्मत का फैसला सुनाने के लिए आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने किस का मशवरा क़बूल फरमाया और वह क्या था?

जवाब 1813 : हज़रत अबू बकर सिद्दीक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु का जिन्हों ने अर्ज़ किया कि लोगों से फिदयह ले कर छोड़ दिया जाए।

सवाल 1814 : ग़ज़्वए बद्र के मुजाहिदीन का सामाने हरब (जंग) क्या था?

जवाब 1814 : 70, ऊंट दो घोड़े 6, ज़िरहें और आठ तल्वारें।

सवाल 1815 : जंगे बद्र में अपने सगे भाई को क़त्ल करने वाले सहाबी का इस्मे गिरामी बताइये?

जवाब 1815 : हज़रत मुस्अब बिन उमैर रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 1816 : ग़ज़्वए बद्र में अपने सगे मामूं को किस सहाबी ने क़त्ल किया?

जवाब 1816 : हज़रत सय्यदुना उमर फारूक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु ने।

सवाल 1817 : ग़ज़्वए बद्र किस तारीख़ में वाक़े हुआ?

जवाब 1817 : 17, रमज़ान बरोज़ जुमा को।(ज़ियाउन्नबी जिल्द 3, स. 262)

सवाल 1818 : ग़ज़्वए बद्र में मुहाजिरीन की जानिब से साहिबे राएत

कौन सहाबी थे?

जवाब 1818 : हज़रत अली रज़ि यल्लाहु अन्हु।
(ख़ज़ाइनुल इरफान आले इमरान)

सवाल 1819 : ग़ज़्वए बदरुल उख़रा में कितने आदमी मक़तूल हुए?

जवाब 1819 : कोई आदमी क़त्ल नहीं हुआ। (ज़ियाउन्नबी जि. 3, स. 281)

सवाल 1820 : ग़ज़्वए बद्र में एक सहाबी के हाथ में लकड़ी तल्वार बन गई थी आप सहाबी का इस्मे गिरामी बताइये?

जवाब 1820 : हज़रत उकाशह रज़ि यल्लाहु अन्हु और तलवार का नाम था अरजून जिसे ख़लीफह मुअ़तसिम बिल्लाह ने दो सो दीनार में ख़रीदी थी?

सवाल 1821 : लशकरे इस्लाम फतहो ज़फर का परचम लहरता हुआ जब उसैल के मक़ाम पर पहुंचा तो नबिए मुकर्रम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने किन दो सहाबा को मदीनह मुनव्वरह पहले रवाना फरमाया था?

जवाब 1821 : ज़ैद बिन हारिसा और अब्दुल्लाह बिन रवाहा रज़ि ल्लाहु अन्हुमा को। (ज़ियाउन्नबी जि. 3, स. 378)

सवाल 1822 : जंगे बद्र के क़ैदियों में से कौन कौन लोग बग़ैर ज़रे फिदयह के रिहा किये गए थे?

जवाब 1822 : (1) अबुलआ़स बिन रबीअ़ शौहरे हज़रत ज़ैनब जिन का तअल्लुक बनी अब्दे शम्स से था। (2) बनू मख़ज़ूम से अल्मुत्तलिब बिन हन्तब (3) सैफ़ी बनी अबी रिफाआ (4) अबू उज़्ज़ह(5) अम्र बिन अब्दुल्लाह, यह मुफ्लिस था और बहुत सी बच्चियों का बाप भी था वग़ैरह।
(ज़ियाउन्नबी जि. 3, स. 396)

सवाल 1823 : शुहदाए बद्र के अस्माए गिरामी बताइये?

जवाब 1823 : (1) उबैदह बिन अल हारिस, यह हुज़ूर के चचा हारिस के बेटे थे (2) उमैर बिन अबी वक़ास, बवक़्ते शहादत उन की उम्र 16 या 17 साल थी (3) उमैर बिन हमाम (4) सअ़द बिन ख़ोशैमह (5) जुश्शेमालैन बिन अब्द अम्र बिन नज़्ला ख़ुज़ाई (6) सफवान बिन बैज़ा अलफहरी (7)

मुबश्शिर बिन अब्दुलमुन्जिर (8) आक़िल बिन बुकेरुल्लैषी (9) महजअ ख़लीफ़ए दोम के आज़ाद करदह हब्शी गुलाम (10) यज़ीद बिन हारिस ख़ज़रजी (11) राफे बिन मअल्ला (12) हारिस बिन सुराक़ा (13) औफ़ बिन अफरअ (14) मऊज़ बिन अफरअ वगैरह।

(ज़ियाउन्नबी जि. 3 स. 397-398)

सवाल 1824 : ग़ज़्वए बद्र के लिए मदीनह मुनव्वरह रवाना होने से पहले हुजूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने वहां का क़ायम मक़ाम वाली किस को बनाया?

जवाब 1824 : हज़रत अबू लुबाबह बिन अब्दुल मुनज़िर रज़ि यल्लाहु अन्हु को। (ज़ियाउन्नबी जि. 3 स. 400)

सवाल 1825 : ग़ज़्वए बद्र में हज़रत अब्दुल्लाह रज़ि यल्लाहु अन्हु की उस तलवार का नाम बताओ जो सरकार सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने खुजूर की शाख़ दी तो तलवार बन गई?

जवाब 1825 : अलउर्जून। (ज़ियाउन्नबी जि. स. 3. 494)

सवाल 1826 : जंगे बद्र में उमैयह बिन ख़ल्फ़ को किस ने क़त्ल किया?

जवाब 1826 : हज़रत बिलाल हब्शी रज़ि यल्लाहु अन्हु ने।

(ज़ियाउन्नबी जि. 3 स. 512)

सवाल 1827 : जंगे बद्र में ऐसे कितने सहाबी थे जो शामिल न थे मगर माले ग़नीमत में से उन को हिस्सा मिला?

जवाब 1827 : आठ। (ज़ियाउन्नबी जि. 4, स. 250)

सफ़रे ताइफ़ व ग़ज़्वए ताइफ़

सवाल 1828 : मक्का से शहरे ताइफ़ की दूरी बताइये?

जवाब 1828 : 120, मील जहाँ उस ज़माने में क़बीलह बनू सक़ीफ आबाद था। (ज़ियाउन्नबी जि. 2, स. 439)

सवाल 1829 : ग़ज़्वए ताइफ़ में कुल कितने मुसलमान शहीद हुए?

जवाब 1829 : सिर्फ 12,। (ज़ियाउन्नबी जि. 3, स. 281)

सवाल 1830 : उस शहेर का नाम बताओ जहाँ के मुशरिकीन ने आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम पर पत्थरों की बारिश की?

जवाब 1830 : ताइफ़।

सवाल 1831 : ताइफ़ के मशहूर जंग्जू क़बीले के सरदार का इस्मे गिरामी बताइये जिन्हों ने मुसलानों को मुहासिरा उठाने पर मजबूर कर दिया था?

जवाब 1831 : हज़रत मालिक बिन औफ रज़ि यल्लाहु अन्हु।
(क़बूले इस्लाम से क़ब्ल)।

सवाल 1832 : ताइफ़ के उस बुजुर्ग का नाम बताइये जो ख़्वाबों की ताबीर और इल्मे नुजूम में महारत रखते थे?

जवाब 1832 : इस्हाक़ बिन मूसा।

सवाल 1833 : बवक़्ते वापसी सफ़रे ताइफ़ आक़ा सल्लल्लाहो अलैहि व सल्लम को अम्न देने वाले शख़्स का इस्मे गिरामी क्या था?

जवाब 1833 : अरब रवाज के मुताबिक़ मुत्इम बिन अदी।
(ज़ियाउन्नबी जि. 2, स. 452)

सवाल 1834 : हज़रत अदास रूमी रज़ि यल्लाहु अन्हु किस के गुलाम थे?

जवाब 1834 : रबीआ नसारा के।

सवाल 1835 : ताइफ़ के क़रीब उस कुंए का नाम क्या है जिस में आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने अपना लुआबे दहेन डाला जिस का पानी आज तक मीठा है?

जवाब 1835 : बीरे तुग्लह ।

सवाल 1836 : ग़ज़्वए ताइफ़ किस सने हिजरी में पेश आया?

जवाब 1836 : शव्वाल 8 हिजरी में।

सवाल 1837 : ग़ज़्वए ताइफ़ में मुहासिरे (घेराव) से क़ब्ल कौन सहाबी इस क़दर ज़ख़्मी हो गए थे कि ज़िन्दगी की उम्मीद मान्द पड़ गई थी?

जवाब 1837 : हज़रत ख़ालिद बिन वलीद रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 1838 : सफ़रे ताइफ़ में आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के साथ कौन से सहाबी ज़ख़्मी हो गए थे?

जवाब 1838 : हज़रत ज़ैद बिन हारिसा रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 1839 : रहमते आलम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने ताइफ़ का मुहासिरा किस सने. हिजरी व ईसवी में किया?

जवाब 1839 : 5 शव्वाल 8, हिजरी 5, फरवरी 630 ईसवी में।

सवाल 1840 : मिनजनीक़ का इस्तेमाल सब से पहले कहाँ हुआ और किस के मशविरे से हुआ?

जवाब 1840 : मुहासिर-ए-ताइफ के मौक़ा पर हज़रत सलमान फारसी रज़ि यल्लाहु अन्हु के मशविरे से और सब से पहले आप ही ने हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के हुक्म से अपने हाथों से मिनजनीक़ तैयार की। (ज़ियाउन्नबी जि. 4,स. 525)

सवाल 1841 : मिनजनीक़ किसे कहते हैं?

जवाब 1841 : एक आला है जिस से भारी भर कम पत्थर फेंक कर दीवार तोड़ दी जाती है। (ज़ियाउन्नबी जि. 4, स. 525)

सवाल 1842 : दब्बाबा किसे कहते हैं?

जवाब 1842 : एक गाड़ी नुमा आला है जिस के ऊपर एक चमड़े का बना हुआ तख़्ता साएबान होता है उस में बैठ कर सिपाही क़िला वालों के तीर और पत्थर से महफ़ूज़ हो कर क़िला की दीवार के पास पहुंच जाता है।

सवाल 1843 : जंगे ताइफ में शहीद होने वाले मुसलमानों का तअ़ल्लुक़ किस क़बीले से था?

जवाब 1843 : सात कुरैश के मुख़्तलिफ़ क़बाइल से और चार अन्सार से जब्कि एक शख़्स बनू लैष से था। (ज़ियाउन्नबी जि. 4, स. 531)

सवाल 1844 : हिजरत के मौक़ा पर अबू बकर सिद्दीक़ ने जो अमान नामा सुराक़ा को दिया था उसे आप ने किस मक़ाम पर हुज़ूर सल्लल्लाहो अलैहि व सल्लम की बारगाह में पेश किया था?

जवाब 1844 : ताइफ़ से वापसी पर जअ़राना के मक़ाम पर।

(ज़ियाउन्नबी जि. 4, स. 533)

सवाल 1845 : मक़ामे जाराना पर क़बीलह हवाज़िन का जो वफद हाज़िर हो कर इस्लाम से मुशर्रफ हुआ कितने अफराद पर मुशतमिल था?

जवाब 1845 : 14, अशख़ास पर, सरदार ज़हीर बिन ज़रद थे।

(ज़ियाउन्नबी जि. 4, सफह 534)

सवाल 1846 : वफदे हवाज़िन में सरकार सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के एक रज़ाई चचा भी शामिल थे उन का नाम बताइये?

जवाब 1846 : अबू बरक़ान। (ज़ियाउन्नबी जि. 4, स. 534)

ग़ज़्व-ए-उहद

सवाल 1847 : गज़्वए उहद में वह कौन सा मक़तूल है जिस का लिबास और असलहा सिर्फ़ उसके क़ातिल को दिया गया?

जवाब 1847 : उस्मान बिन अब्दुल्लाह मुग़ीरह अल्मख़ज़ूमी जिस का लिबास और असलहा हज़रत हारिस बिन सुम्मह को दिया गया। (ज़ियाउन्नबी जि. 3 स. 512)

सवाल 1848 : जंगे उहद में उबै बिन ख़ल्फ़ को किस ने क़त्ल क्या?

जवाब 1848 : हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने एक छोटे नेज़े से। (ज़ियाउन्नबी जि. 3 स. 513)

सवाल 1849 : नबी करीम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के दन्दानेमुबारक किस ग़ज़वह में शहीद हुए?

जवाब 1849 : ग़ज़्वए उहद में।

सवाल 1850 : ग़ज़्वए उहुद कब वाक़ेअ हुआ?

जवाब 1850 : हिजरत के तीसरे साल 11या 15 शव्वाल बरोज़ हफता को जनवरी 625 ई. में।

सवाल 1851 : उहद के शिगाफ़ (फटन) पर आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने किस की सालारी में पचास मुजाहिदीन को मुतऔयन फरमाया था?

जवाब 1851 : हज़रत अब्दुल्लाह बिन जुबैर रज़ि यल्लाहु अन्हुमा की।

सवाल 1852 : जंगे उहद में आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम पर कितने हमले हुए?

जवाब 1852 : 70 सत्तर।

सवाल 1853 : गज़्वए उहद के सिलसिले में कुर्आन पाक की कितनी आयतें नाज़िल हुईं।

जवाब 1853 : साठ 60।

सवाल 1854 : ग़ज़वए उहद में कितने मुसलमानों ने जामे शहादत नोश फरमाया?

जवाब 1854 : सत्तर 70। (ज़ियाउन्नबी सोम स. 280)

सवाल 1855 : ग़ज़्वए उहद में हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के हमराह कितनी ख़्वातीन शामिल थीं ?

जवाब 1855 : चौदह 14
(ज़ियाउन्नबी जि. 3 स. 280)

सवाल 1856 : गज़्वए उहद में सबसे पहले हुजूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम को अफरा तफरी के माहौल में किस ने पहचाना?

जवाब 1856 : कअब बिन मालिक रज़ि यल्लाहु अन्हु ने।

सवाल 1857 : गज़्वए उहद में कितने मुशरिकीन क़त्ल हुए?

जवाब 1857 : 22 ।
(ज़ियाउन्नबी जि. 3 स. 280)

सवाल 1858 : कितने मुजाहिदीन ने चार हज़ार दु मनाने तौहीद को शिकस्ते फाश दी?

जवाब 1858 : सात सो मुजाहिदीन ने।

सवाल 1859 : गज़्वए उहद के इस्लामी परचम के अलम्बरदार का इस्मे गिरामी बताइये?

जवाब 1859 : हज़रत मुसअब बिन उमैर रज़ि यल्लाहु अन्हु जिन्हें इब्ने कैइमह ने शहीद किया। (ज़ियाउन्नबी जि. 3 स. 485)

सवाल 1860 : उहद की तरफ रवाना होने वाले लश्कर में से वह कौन सा शख़्स था जो थोड़ी दूर जाने के बाद अपने तीन सो साथियों के साथ अलग होगया था?

जवाब 1860 : रईसुल मुनाफेक़ीन अब्दुल्लाह बिन उबै।

सवाल 1861 : गज़्वए उहद में किस सहाबी की तीर अंदाज़ी पर खुश हो कर आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने फरमाया तीर चलाओ तुम पर मेरे माँ-बाप कुर्बान?

जवाब 1861 : हज़रत सअद बिन अबी वक़ास रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 1862 : गज़्वए उहद के मौक़ा पर आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने एक सहाबी को अपनी तलवार अता फरमाई क्या आप उन का इस्मे गिरामी बता सकते हैं?

जवाब 1862 : हज़रत अबू दुजाना रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 1863 : गजवए उहद के मौक़ा पर मुशरिक़ीन के सरदार को किस ने क़त्ल किया था?

जवाब 1863 : हजरत अली रज़ि यल्लाहु अन्हु ने।

सवाल 1864 : गज़्वए उहद के मौक़ा पर शहनशाहे दारैन सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के चेहरए मुबारक का खून गूस कर

साफ़ करने वाले सहाबी का इस्मे गिरामी बताइये?

जवाब 1864 : हज़रत मालिक बिन सनान रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 1865 : हज़रत मालिक बिन सेनान रज़ि यल्लाहु अन्हु किस जलीलुल क़द्र सहाबी के वालिदे मुकर्रम थे?

जवाब 1865 : हज़रत सईद खुदरी रज़ि यल्लाहु अन्हु के।

सवाल 1866 : ग़ज़्वए उहद में हज़रत सअद बिन अबी वक़ास रज़ि यल्लाहु अन्हु बक़ौल इमाम ज़हबी के लश्करे कुफ्फार पर कितने तीर बर्साए?

जवाब 1866 : एक हज़ार तीर। (ज़ियाउन्नबी जि. 3 स. 511)

सवाल 1867 : ग़ज़्वए उहद के मौक़ा पर रहमते आलम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने ज़िन्दह शहीद का ख़िताब किसे अता फरमाया?

जवाब 1867 : हज़रत तल्हा बिन उबैदुल्लाह रज़ि यल्लाहु अन्हु को।

सवाल 1868 : ग़ज़्वए उहद में किस सहाबी ने अपने बाप को क़त्ल किया?

सवाल 1868 : हज़रत उबैदह रज़ि यल्लाहु अन्हु ने। (अपने बाप जर्राह को क़त्ल किया)।

सवाल 1869 : ग़ज़्वए उहद में हज़रत मुसअब बिन उमैर रज़ि यल्लाहु अन्हु की शहादत के बाद इस्लामी अलम किस ने हाथ में ले लिया?

जवाब 1869 : हज़रत अली रज़ि यल्लाहु अन्हु ने।

सवाल 1870 : ग़ज़्वए उहद के मौक़ा पर आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के रुख़्सारे मुबारक से खुद की कड़ियां दांतो से किसने निकाला?

जवाब 1870 : हज़रत अबू उबैदह रज़ि यल्लाहु अन्हु ने।

सवाल 1871 : वह ख़ातून जो अपने भाई, बाप, बेटे, शौहर, के शहीद होने के बावजूद आक़ा सल्लल्लाहो अलैहि व सल्लम की खैरियत की ख़्वाहाँ थीं किस क़बीले से तअल्लुक़ रखती थीं?

जवाब 1871 : क़बीला दीनार से। (ये वाक़ेअ ग़ज़वए उहद में पेश आया)

सवाल 1872 : ग़ज़्वए उहद में आका सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने सवार दस्तों का अफसर किस सहाबी को बनाया था?

जवाब 1872 : हज़रत ज़ुबैर इब्नुलअव्वाम रज़ि यल्लाहु अन्हु को।
सवाल 1873 : बवक़्ते रवांगी ग़ज़वए उहद आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने मदीना का हाकिम किस को मुक़र्रर फरमाया था?
जवाब 1873 : हज़रत अब्दुल्लाह इब्ने मकतूम रज़ि यल्लाहु अन्हुको।
सवाल 1874 : ग़ज़्वए उहद में दोनों हाथों से तलवार चलाने वाले सहाबी का इस्मे गिरामी बताइये?
जवाब 1874 : हज़रत अमीर हमज़ह रज़ि यल्लाहु अन्हु।
सवाल 1875 : ग़ज़्वए उहद में आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के पहरेदार कौन सहाबी थे?
जवाब 1875 : हज़रत मोहम्मद बिन सलमह रज़ि यल्लाहु अन्हु।
सवाल 1876 : जंगे उहद में हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने अब्दुल्लाह बिन ज़ुबैर रज़ि यल्लाहु अन्हु को पहाड़ के दर्रह पर मुतअैयन फरमाते वक़्त क्या हुक्म दिया था?
जवाब 1876 : किसी सूरत में उस जगह को ख़ाली मत होने देना।
सवाल 1877 : वह कौन सा पहला इज़हारे फख़्र था जिस को रहमते आलम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने पसन्द फरमाया?
जवाब 1877 : ग़ज़्वए उहद में अबू दुजानह रज़ि यल्लाहु अन्हु का आप की तलवार ले कर अकड़ कर चलना।
सवाल 1878 : ग़ज़्वए उहद में किस बदबख़्त के पत्थर मारने से हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के दन्दाने मुबारक शहीद हुए?
जवाब 1878 : उत्बा बिन अबी वक़ास जिस की औलाद से हर बच्चा के सामने वाले चार दाँत ना पैद होते हैं और उस के मुंह से सख़्त बदबू आती है। (ज़ियाउन्नबी जि. 3 स. 507-8)
सवाल 1879 : ग़ज़्वए उहद के सब से कमसिन जाँबाज़ सिपाहियों के अस्माए गिरामी बताइये?
जवाब 1879 : राफेअ और समरह रज़ि यल्लाहु अन्हुमा।
सवाल 1880 : ग़ज़्वए उहद में हज़रत अब्दुल्लाह बिन जहश रज़ि यल्लाहु अन्हु की तलवार टूट जाने पर हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने खुजूर की एक शाख़ पकड़ादी थी जो शमसीर जौहरदार बन गई थी बताइये यह तलवार नस्लन बादा

नस्लिन मुनतक़िल होती आई बाद में किस ने कितने में ख़रीद ली?

जवाब 1880 : ख़लीफा मुअ़तसिम बिन हारुन रशीद के एक अमीरे सलतनत ने दो सो दीनार में। (ज़ियाउन्नबी जि. 3 स. 494)

सुलहे हुदैबियह

सवाल 1881 :सुलेह हुदैबिया किन के दरमियान हुई?

जवाब 1881 : रहमते आलम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम और सरदाराने कुरेश के दरमियान।

सवाल 1882 :सुलेह नामए हुदैबिया लिखने वाले कातिब का इस्मे गिरामी बताइये?

जवाब 1882 : हज़रत अली रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 1883 :हुदैबिया के मौक़ा पर सहाबए किराम की तअ़दाद कितनी थी?

जवाब 1883 : पन्दरह सो 1500।

सवाल 1884 ::सुलेह हुदैबिया के मौक़ा पर आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने हज़रत उस्मान ग़नी रज़ि यल्लाहु अन्हु की शहादत की ख़बर पर जो बैअत ली उसे क्या कहते हैं?

जवाब 1884 : बैअते रिज़वान।

सवाल 1885 :सुलेह हुदैबिया को कुर्आन मजीद में किस नाम से याद किया गया है?

जवाब 1885 : फतहे मुबीन से।

सवाल 1886 :सुलेह की शराएत कुरैश क़ी जानिब से किस ने पेश किये?

जवाब 1886 : हज़रत सुहेल ने। (क़बूले इस्लाम से क़ब्ल)

सवाल 1887 : सुलेह हुदैबिया के बाद हिजरत करके आने वाले कौन सहाबी हैं जिन्हें चौथी शर्त सुलेह नामा के मुताबिक़ आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने वापस फरमा दिया?

जवाब 1887 : हज़रत अबू बुसेर रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 1888 : बादे फरागते सुलेह नामए हुदैबिया आक़ा सल्लल्लाहु

अलैहि व सल्लम ने सब से पहले कौन से अहम काम का आग़ाज़ फरमाया?

जवाब 1888 : सलातीन के नाम तबलीग़ी खुतूत।

सवाल 1889 : बवक़्ते तहरीर सुलेह नामए हुदैबिया किस आदमी ने रसूलुल्लाह सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम लिखने पर, एतराज़ क्या था?

जवाब 1889 : कुरैश के सफीर सुहेल बिन अमर ने।

सवाल 1890 : शराएते सुलेह हुदैबिया बताइये?

जवाब 1890 : (1) इस साल आप हज व उमरह को न आएँ और यहीं से वापस हो जाएँ (2) चाहें तो अगले साल आकर क़ज़ा करें मगर 3 दिन से ज़्यादा न ठहरें और एक तलवार के अलावा कोई हथियार साथ न हो। (3) दस साल हमारे और आप के दरमियान अम्न रहेगा, (4) अगर कोई आदमी हमारी इजाज़त के बग़ैर आपके पास आजाए तो वापस कर दें मगर आप का आदमी हमारे पास आएगा तो हम उसे वापस न करेंगे।

सवाल 1891 : सुलेह हुदैबिया की चौथी शर्त पर शिद्दत से किस ने ऐतराज़ क्या था?

जवाब 1891 : हज़रत सय्यदुना फारुक़ आज़म रज़ि यल्लाहु अन्हु ने।

सवाल 1892 : सुलेह हुदैबिया के वक़्त कुरेश के सफीर सुहेल बिन अमर के साहेबज़ादे जो मुसलमान हो चुके थे ज़नजीरों समेत मक्का से भाग कर वहाँ पहुंचे, सुलेह की चौथी शर्त के मुताबिक़ उन्हें वापस करना पड़ा, क्या आप को उनका इस्मे गिरामी मालुम है?

जवाब 1892 : हज़रत अबू जुनदल रज़ि यल्लाहु अन्हु।

(ज़ियाउन्नबी जि. 4, स. 154)

सवाल 1893 : मुहक़्क़िक़ीन के नज़दीक ग़ज़वए हुदैबिया कब वाक़े हुआ?

जवाब 1893 : माहे ज़ुल्क़ादह 6 हिज़री में।

(ज़ियाउन्नबी जि. 4 स. 154)

सवाल 1894 : सुलेह हुदैबिया के मौक़ा पर जानवरों को ज़बह करने के बाद

हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम का हल्क़ किस ने किया?

जवाब 1894 : आप के हज्जाम ख़राश बिन उमैयह अल्कअबी रज़ि यल्लाहु अन्हु ने। (ज़ियाउन्नबी जि. 4 स. 154)

ग़ज़्व-ए-ख़न्दक़

सवाल 1895 : क्या आप बता सकते हैं कि ग़ज़्वए ख़न्दक़ किस सने हिजरी में वाक़े हुआ?

जवाब 1895 : 5 हिजरी में फरवरी 623 ई० (ज़ियाउन्नबी जि. 4 स. 25) बअज़ ने 627 ई. बताया है।

सवाल 1896 : जंगे ख़ंदक़ में हज़रत अली रज़ि यल्लाहु अन्हु ने एक बड़े बहादुर को क़त्ल किया था आप उस बहादुर का नाम बता सकते हैं?

जवाब 1896 : अम्र बिन अब्दे वुद जो ख़न्दक़ अुबूर कर आया था। (ज़ियाउन्नबी जि. 4 स. 56)

सवाल 1897 : ग़ज़्वए खन्दक़ का दुसरा नाम बताइये?

जवाब 1897 : ग़ज़्वए अहज़ाब।

सवाल 1898 : ग़ज़वए अहज़ाब के मौक़ा पर ख़ंदक़ खोदने का मशवरा किस ने दिया?

जवाब 1898 : हज़रत सलमान फारसी रज़ि यल्लाहु अन्हु ने।

सवाल 1899 : ग़ज़्वए अहज़ाब के मौक़ा पर जो ख़ंदक़ खोदी गई उस का अ़र्ज (चौड़ाई) व तूल (लम्बाई) बताइये?

जवाब 1899 : 3 मील लम्बी और तक़रीबन 5 गज़ चौड़ी।

सवाल 1900 : ग़ज़्वए ख़ंदक़ में मुसलमानों के कितने मुजाहिदीन शहीद हुए?

जवाब 1900 : सिर्फ़ छः 6। जबकि ज़ियाउन्नबी जि. 4 स. 56 पर 9 बताया गया है।

सवाल 1901 : ग़ज़्वए ख़ंदक़ में मुशरेकीन के कुल कितने आदमी क़त्ल हुए?

जवाब 1901 : सिर्फ़ 3।

सवाल 1902 : ग़ज़्वए अहज़ाब के मौक़ा पर मदीना के अतराफ़ में ख़ंदक़ कितने दिनों में खोदी गई?

जवाब 1902 : बीस दिन में और बअज़ ने सिर्फ़ छ: 6 रोज़ बताया है।

सवाल 1903 : हज़रत जुबैर इब्नुलअव्वाम रज़ि यल्लाहु अन्हु, आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के पहरे दार किस ग़ज़्वह के मौक़ा पर थे?

जवाब 1903 : ग़ज़्वए ख़ंदक़ के मौक़ा पर जबकि ज़ियाउन्नबी जि. 4 स. 47 पर हज़रत उबाद रज़ि यल्लाहु अन्हु को बताया है।

सवाल 1904 : सरकारे दो आलम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की मुसलसल चार नमाज़ें किस ग़ज़्वह के मौक़ा पर क़ज़ा हुईं?

जवाब 1904 : ग़ज़्वए ख़ंदक़ के मौक़ा पर।

सवाल 1905 : जंगे ख़ंदक़ के मौक़ा पर अल्लाह तआला ने मुसलमानों की नुसरत व हिमायत किस तरह फरमाई?

जवाब 1905 : तेज़ हवा के ज़रिए से।

सवाल 1906 : रहमते आलम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने हज़रत अली रज़ि यल्लाहु अन्हु के कमर से शमशीर जुल्फ़ेक़ार किस ग़जवह के मौक़ा पर बांधी थी?

जवाब 1906 : ग़ज़्वए अहज़ाब के मौक़ा पर।

सवाल 1907 : ग़ज़्वए अहज़ाब में हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम कब तशरीफ़ ले गए और मदीना वापस कब हुए?

जवाब 1907 : 8 ज़िल क़ादह 5 हिजरी को पीर के दिन तशरीफ़ ले गए और 23 ज़िल क़ादह 5 हिजरी बरोज़ चहार शंबह वापस मदीना तशरीफ लाए थे।

सवाल 1908 : किस ग़ज़्वह में 1600 मुजाहिदीन ने 24 हज़ार मुसल्लह लश्कर के पर ख़च्चे उड़ा दिये?

जवाब 1908 : ग़ज़्वए ख़ंदक़ में।

सवाल 1909 : जंगे अहज़ाब के ख़ातिमे पर जब कुरैश और उन के हलीफ़ (मददगार) नाकाम व नामुराद वापस लौट गए तो आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने क्या इर्शाद फरमाया?

जवाब 1909 : अब हम उन (कुरैश) पर चढ़ाई करेंगे और वह हम पर चढ़ाई न कर सकेंगे।

सवाल 1910 : बताइये ग़ज़वए ख़ंदक़ की इनफिरादी शान क्या थी?

जवाब 1910 : उस गज़्वह में सारी इस्लाम दुश्मन कुव्वतों ने मुत्तहिद होकर मरकज़े इस्लाम मदीना तैयबा पर हमला क्या था और दुश्मने इस्लाम के जारिहाना हमलों की यह आख़िरी कड़ी थी। (ज़ियाउन्नबी जि. 4 स. 25)

सवाल 1911 : शुहदा-ए-खन्दक़ के अस्माए गिरामी बताइये?

जवाब 1911 : (1) सअद बिन मुआज़ (2) अनस बिन ओस (3) अब्दुल्लाह बिन सुहेल (4) तुफैल बिन नुअ़मान (5) सअलबा बिन अन्मह (6) कअ़ब बिन ज़ैदुल बुख़ारी बक़ौल हाफ़िज़ अददमयाती (7) क़ैस बिन ज़ैद बिन आ़मिर (8) अब्दुल्लाह बिन अबी ख़ालिद (9) अबू सुफियान बिन सैफी बिन सख़र रज़ि यल्लाहु अन्हुम। (ज़ियाउन्नबी जि. 4 स. 55-56)

सवाल 1912 : गज़्वए ख़ंदक़ के मक़तूलीन कुफ़्फ़ार के नाम बताइये?

जवाब 1912 : अम्र बिन अब्देवुद, नोफिल बिन अब्दुल्लाह बिन मुग़ीरह, इसे हज़रत जुबेर इब्नुल अ़व्वाम ने क़त्ल क्या था, उसमान बिन मन्बा। (ज़ियाउन्नबी जि. 4 स. 56)

गज़्व-ए-ख़ैबर

सवाल 1913 : गज़्वए ख़ैबर के मौक़ा पर आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने हज़रत अली रज़ि यल्लाहु अन्हु को कौन सा क़िला फतह करने के लिए मुक़र्रर फरमाया?

जवाब 1913 : क़िला क़ुमूस।

सवाल 1914 : गज़्वए ख़ैबर किस सने हिजरी में वाक़े हुआ?

जवाब 1914 : जमादिल अव्वल सन 7 हिजरी में अगस्त 628 ई.।

सवाल 1915 : गज़्वए ख़ैबर में कितने मुसलमान शहीद हुए?

जवाब 1915 : सिर्फ पन्दरह जिन में से चार मुहाजिर ग्यारह अन्सार। (ज़ियाउन्नबी जि. 4 स. 252)

सवाल 1916 : गज़्वए ख़ैबर में कितने यहूदी मुसलमानों के हाथों क़त्ल हो गए?

जवाब 1916 : तिरान्नवे 93।

नोट: जबकि ज़ियाउन्नबी जि. 3 स. 281 पर है जानिबैन से

ज़्यादा से ज़्यादा 20 आदमी मारे गए।

सवाल 1917 : गज़वए ख़ैबर में मुसलमानों की तअदाद कितनी थी?

जवाब 1917 : सोलह सो 1600।

सवाल 1918 : किस ग़ज़्वह के मौक़ा पर आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के खाने में ज़हेर मिलाया गया?

जवाब 1918 : ग़ज़्वए ख़ैबर के मौक़ा पर।,

सवाल 1919 : ग़ज़्वए ख़ैबर के माले ग़नीमत मेंसे एक गधा आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के हिस्सा में आया था उस का नाम बताइये?

जवाब 1919 : यज़ीद बिन शहाब। हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने उस का नाम याफ़ूर रखा। उस की नस्ल से सत्तर अंबिया ने सवारी की और आख़िर में आप ने की। गधे ने खुद कहा कि या रसूलल्लाह सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम मेरे अजदाद कहा करते थे कि हमारी नस्ल में आख़िरी पैग़म्बर की सवारी बनने का शर्फ हासिल होगा।

नोट : मिर्ज़ाई हज़रात उस गधे से सबक़ हासिल करें।

सवाल 1920: ख़ैबर में यहूदी क्यों जमा हुए थे?

जवाब 1920 : ख़ैबर के क़िलअ को यहूदी अपना मज़बूत क़िला समझते थे।

सवाल 1921: ग़ज़्वए ख़ैबर के मौक़ा पर आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम को खाने में ज़हेर किस ने दिया था?

जवाब 1921: सलाम बिन मुश्कम यहूदी की बीवी ज़ैनब ने।

सवाल 1922 : आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने किस ग़ज़्वह के मौक़ा पर मुसलमानों को गधे का गोश्त खाने से मना फरमाया?

जवाब 1922: गज़्वए ख़ैबर के मौक़ा पर।

सवाल 1923: गज़्वए ख़ैबर में रईसे ख़ैबर को किस ने क़त्ल किया?

जवाब 1923: हज़रत अली रज़ि यल्लाहु अन्हु ने।

सवाल 1924: ग़ज़्वए ख़ैबर में हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के पास कितने घोड़े थे?

जवाब 1924: तीन घोड़े थे। (ज़ियाउन्नबी जि. 4 स. 251)

सवाल 1925 : दरे खैबर किस ने उखाड़ा?

जवाब 1925 : हज़रत अली रज़ि यल्लाहु अन्हु ने।

सवाल 1926 : दरे ख़ैबर का वज़न कितना था?

जवाब 1926 : आठ सो मन।

सवाल 1927 : ग़ज़्वए ख़ैबर में क़िला के दरवाज़े को पीठ पर रख कर मुसलमानों को उस के उपर से क़िला में किस ने दाख़िल फरमाया?

जवाब 1927 : हज़रत अली रज़ि यल्लाहु अन्हु ने।

सवाल 1928 : मुहर्रम 7 हिजरी में जब आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने ख़ैबर के यहूदियों पर लश्कर कशी का इरादा फरमाया तो किन को लश्कर में शामिल होने का हुक्म फरमाया?

जवाब 1928 : आप ने फरमाया कि ख़ैबर की जंग में सिर्फ वह लोग शामिल हों जो बैअ़ते रिज़वान में शरीक थे।

सवाल 1929 : ग़ज़्वए ख़ैबर में कितनी ख़्वातीन शामिल थीं?

जवाब 1929 : सत्तरह 17। (ज़ियाउन्नबी जि. 4 स. 249)

ग़ज़्वए तबूक

सवाल 1930 : ग़ज़्वए तबूक में सवारी के जानवर न होने की वजह से जो सहाबा रोने लगे थे उन की तअ़दाद बताइये?

जवाब 1930 : सात 7। (ज़ियाउन्नबी जि. 4 स. 598)

सवाल 1931: ग़ज़्वए तबूक के लिये लश्करे इस्लाम के रवानगी के वक़्त हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने अहले बैत व अज़वाजे मुतहहिरात की हिफाज़त के लिये किस को मुक़र्रर फरमाया था?

जवाब 1931 : हज़रत अली रज़ि यल्लाहु अन्हु को।

(ज़ियाउन्नबी जि. 4 स. 599)

सवाल 1932 : हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने ग़ज़वए तबूक के लिये कब कूच फरमाया था?

जवाब 1932 : रजब 9 हिजरी में। (ज़ियाउन्नबी जि. 4 स. 601)

सवाल 1933: किस ग़ज़्वह के मौक़ा पर हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की ऊंटनी क़ुसवा गुम हो गई थी और मुनाफिक़ ज़ैद बिन लसीत ने कहा था कि अगर अल्लाह के नबी होते तो ख़बर होती ऊंटनी कहाँ है?

जवाब 1933 : ग़ज़्वए तबूक के मौक़ा पर। (ज़ियाउन्नबी जि. 4 स. 606)

सवाल 1934 : हज़रत अम्मारह बिन हज़म रज़ि यल्लाहु अन्हु को जब ज़ैद की खुबसे बातेनी का इल्म हुआ तो उस की गर्दन दबोच कर क्या फरमाया था?

जवाब 1934 : उख़्रुज या अ़दुव्वल्लाहे मिन रेहली फला तुस्हिब्नी। ऐ अल्लाह के दुश्मन मेरी क़याम गाह से निकल जा मैं तुझे अपने साथ रहने की इजाज़त नहीं दुंगा।

(ज़ियाउन्नबी जि. 4 स. 607)

सवाल 1935 : ग़ज़वए तबूक में शिर्कत न करने वाले सहाबा कितने थे जिन्होंने उज़्र ख़्वाही के लिये अपने आप को मस्जिदे नबवी के सुतून से बांध रखा था?

जवाब 1935 : दस जिन में सात सहाबा ने अपने को सुतून से बांध रखा था और सरे फेहरिस्त हज़रत अबू लुबाबा रज़ि यल्लाहु अन्हु थे। (ज़ियाउन्नबी जि. 4 स. 633)

सवाल 1936 : ग़ज़्वए तबूक में मुसलमानों की तअ़दाद कितनी थी?

जवाब 1936 : सत्तर हज़ार 70,000।

सवाल 1937 : आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम क़ी हयाते मुबारका के आख़िरी ग़ज़वह का नाम बताइये?

जवाब 1937 : ग़ज़्वए तबूक। (ज़ियाउन्नबी जि. 4 स. 281)

सवाल 1938 : ग़ज़्वए तबूक के सफर में आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम का चाबुक किस सहाबी को लग गया था?

जवाब 1938 : हज़रत उ़काशा रज़ि यल्लाहु अन्हु को।

सवाल 1939 : हज़रत उ़काशा रज़ि यल्लाहु अन्हु ने आख़िर वक़्त में आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम से क्या अर्ज़ किया?

जवाब 1939 : या रसूलल्लाह सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम मैं बदला चाहता हूं?

सवाल 1940 : हज़रत उ़काशा रज़ि यल्लाहु अन्हु के जिस्म के किस हिस्से पर वह चाबुक लगा था?

जवाब 1940 : शाना और पुश्त पर।

सवाल 1941 : आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने चाबुक लाने का हुक्म किस सहाबी को दिया?

जवाब 1941 : हज़रत सलमान फ़ारसी रज़ि यल्लाहु अन्हु को। चाबुक हज़रत फ़ातिमा रज़ि यल्लाहु अन्हा के घर मौजूद था।

सवाल 1942 : बदला देने की ग़र्ज़ से आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने जब पुश्ते मुबारक पेश की तो क्या हुआ?

जवाब 1942 : उकाशा रज़ि यल्लाहु अन्हु ने आप के मुहरे नबुव्वत को चूम लिया।

सवाल 1943 : वह कौन सहाबी हैं जिन्होंने ग़ज़वए तबूक के मौक़ा पर 40 हज़ार दिरहम पेश किया?

जवाब 1943 : हज़रत अब्दुर्रहमान बिन औफ़ रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 1944 : गर्मी की शिद्दत से मुसलमानों ने एक ग़ज़्वह के मौक़ा पर ऊंट ज़बह करके उन की आंतों का पानी पिया क्या आप उस ग़ज़्वह का नाम बता सकते हैं?

जवाब 1944 : ग़ज़्वए तबूक।

सवाल 1945 : अमीरुलमोमिनीन हज़रत अबूबकर सिद्दीक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु ने एक ग़ज़वह के मौक़ा पर अपना पूरा असासा पेश कर दिया था उस ग़ज़्वह का नाम बताइये?

जवाब 1945 : ग़ज़्वए तबूक।

परवाने को चिराग़ है बुलबुल को फूल बस
सिद्दीक़ के लिये है ख़ुदा और रसूल बस

सवाल 1946 : ग़ज़्वए तबूक के मौक़ा पर हज़रत उमर रज़ि यल्लाहु अन्हु ने अपने माल का किस क़दर नज़राना पेश किया था?

जवाब 1946 : पूरे असासा का निस्फ़ हिस्सा।

सवाल 1947 : ग़ज़्वए तबूक किस सने हिजरी में वाक़े हुआ?

जवाब 1947 : रजब 9 हिजरी में। (ज़ियाउन्नबी जि. 4, स. 585, सितंबर 630 ई.)

सवाल 1948 : हज़रत आसिम बिन अदी रज़ि यल्लाहु अन्हु ने ग़ज़्वए तबूक के मौक़ा पर कितना माल पेश किया था?

जवाब 1948 : 70 वसक़ खजूर। वसक़ उस वज़न को कहते हैं जो एक ऊंट पर लादा जाता है। (ज़ियाउन्नबी जि. 4, स. 595)

सवाल 1949: मैदाने जंगे तबूक मदीना तैयबा से कितने फासिले पर वाके है?

जवाब 1949 : सात सो 700 या नौ सो 900 किलो मीटर की दूरी पर। (ज़ियाउन्नबी जि. 4, स. 586)

सवाल 1950 : हज़रत उस्मान ग़नी रज़ि यल्लाहु अन्हु ने ग़ज़्वए तबूक के मौक़ा पर कितना नज़राना पेश किया था?

जवाब 1950 : लश्करे इस्लाम के तीसरे हिस्से यानी दस हज़ार मुजाहिदीन के लिये सवारी के जानवर, अस्लहा ज़िरहें और दीगर ज़रुरियात के अेलावह अपनी आस्तीन में से दस हज़ार दीनार। (ज़ियाउन्नबी जि. 4, स. 595)

सवाल 1951 : ग़ज़्वए तबूक में कितने मुसलमान शहीद हुए?

जवाब 1951 : सिर्फ एक। (ज़ियाउन्नबी जि. 4, स. 281)

जंगे मौतह

सवाल 1952 : बताइये जंगे मौतह कब वाक़े हुई?

जवाब 1952 : जमादिल अव्वल 8 हिजरी में।

सवाल 1953 : जंगे मौतह में मुसलमानों की तअ़दाद क्या थी?

ज़वाब 1953 : सिर्फ तीन हज़ार। (ज़ियाउन्नबी जि. 4, स. 378)

सवाल 1954 : जंगे मौतह में कुफ्फार व मुशरेकीन की तअ़दाद क्या थी?

जवाब 1954 : तक़रीबन दो लाख से ज़ाइद। (ज़ियाउन्नबी जि. 4, स. 378)

सवाल 1955 : जंगे मौतह क्यों पेश आई?

जवाब 1955 : हाकिमे बसरह के पास दावते इस्लाम पहुंचाने वाले हारिस बिन उमैर रज़ि यल्लाहु अन्हु को उमर बिन शरजील ने शहीद कर दिया था जिस की वजह से जंगे मूतह पेश आई?

सवाल 1956 : हज़रत ज़ैद बिन हारिसह रज़ि यल्लाहु अन्हु किस जंग में शहीद हुए?

जवाब 1956 : जंगे मौतह में, बउम्र 55 साल। (नुज़हतुलक़ारी अव्वल स. 453)

सवाल 1957 : हज़रत जाफ़र बिन अबी तालिब रज़ि यल्लाहु अन्हु के

दोनों हाथ किस जंग में शहीद हुए?

जवाब 1957 : जंगे मौतह में शहीद हुए।

सवाल 1958 : जंगे मौतह में हज़रत ख़ालिद बिन वलीद रज़ि यल्लाहफ़ अन्हु के हाथ में परचमे इस्लाम किस ने उठा कर पकड़ा दिया था?

जवाब 1958 : साबित बिन क़ैस बिन अरक़म रज़ि यल्लाहु अन्हु ने जो कबीला बनी अजलान के एक मनचले नौजवान थे।
(ज़ियाउन्नबी जि. 4, स. 373)

सवाल 1959 : जंगे मौतह में तीन सालारों की शहादत के बाद एक ऐसे मुजाहिद के हाथ में अलम दिया गया जिन की सियासी बसीरत और जवाँमर्दी की वजह से जंग जीत ली गई। क्या आप उन सहाबी का इस्मे गिरामी बता सकते हैं?

जवाब 1959 : हज़रत ख़ालिद बिन वलीद रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 1960 : जंगे मौतह में हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के इर्शाद के मुताबिक़ यके बाद दीगरे तीन सालारों की शहादत वाक़े हुई उन के अस्माए गिरामी बताइये?

जवाब 1960: (1)ज़ैद बिन हारिसा, (2) जाफर बिन अबी तालिब, (3) अब्दुल्लाह बिन रवाहा रज़ि यल्लाहु अन्हुम।

जंगे हुनैन

सवाल 1961 : जंगे हुनैन के मौक़ा पर जंगी अख़राजात पूरा करने के लिये हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने क़र्ज़ा भी लिया था, बताइये किस से कितना लिया था?

जवाब 1961 : सफवान बिन उमैया से 50 हज़ार दिरहम। अब्दुल्लाह बिन रबिआ से 40 हज़ार दिरहम, हुवैतब बिन अब्दुल उज़्ज़ा से 40 हज़ार दिरहम। (ज़ियाउन्नबी जि. 4, स. 502)

सवाल 1962 : वह कौन सा पहला मौक़ा था जबकि आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की ज़बाने मुबारका से बे साख़्ता जंगी तराना सादिर हुआ?

जवाब 1962 : ग़ज़्वए हुनैन में जब लश्करे इस्लाम में सरासीमगी फैल

गई थी। अनन्नबीयु लाकज़िब, अना बिन अब्दुलमुत्तलिब।

सवाल 1963 : जंगे हुनैन कब वाके़ हुई?

जवाब 1963 : सन 8 हिजरी 10 शव्वाल जनवरी 630 ई.।

(ज़ियाउन्नबी जि. 4, स. 503)

सवाल 1964 : जंगे हुनैन का दूसरा नाम बताइये?

जवाब 1964 : जंगे हवाज़न।

सवाल 1965 : जंगे हुनैन में फरिश्तों के अ़मामा का रंग कैसा था?

जवाब 1965 : सब्ज़ (हरा)।

सवाल 1966: जंगे हुनैन में हज़रत अबू तल्हा अन्सारी रज़ि यल्लाहु अन्हु ने तन्हा कितने मुशरिकों को वासिले जहन्नम किया?

जवाब 1966 : 30 मुशरिकों को। (ज़ियाउन्नबी जि. 4, स. 514)

सवाल 1967 : जंगे हुनैन में फरिश्तों की तअ़दाद कितनी थी?

जवाब 1967 : 5 हज़ार मुजाहिदीन की मदद के लिये नाज़िल हुए।

(ज़ियाउन्नबी जि. 4, स. 513)

सवाल 1968 : जंगे हुनैन में काफिरों की तअदाद क्या थी?

जवाब 1968 : 30 हज़ार सिपह सालार मालिक बिन औफ अन्नसरी थे जो बाद में मुसलमान हुए। (ज़ियाउन्नबो जि. 4, स. 498)

सवाल 1969 : जंगे हुनैन के मौक़ा पर सहाबए किराम की तअदाद कितनी थी?

जवाब 1969 : 21 हज़ार।

सवाल 1970 : जंगे हुनैन के असीरों में से उस क़ैदी का नाम बताइये जिन का नाम सुन्कर आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम का अपना बचपन याद आगया और आँसूं बह निकले?

जवाब 1970 : आप की रज़ाई बहेन शीमा बिन्ते अलहारिस।

सवाल 1971 : ग़ज़वए हुनैन में जब बनू हवाज़िन की तीर अन्दाज़ी से मुसलमानों के पांद उखड़ गए और मैदान छोड़ने पर आमादह हो गए तो कौन कौन से सहाबा रसूलुल्लाह सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के साथ साबित क़दम रहे?

जवाब 1971 : हज़रत अबू बकर, उमर, अली अब्बास, फज़ल बिन अब्बास कुशुम बिन अब्बास उसामा बिन ज़ैद, ऐमन बिन

उबैद, मुग़ीरह बिन हारिस बिन अब्दुलमुत्तिलब रज़ि यल्लाहु अन्हुम।

सवाल 1972 : ग़ज़्वए हुनैन में कितने लोग शहीद हुए?

जवाब 1972 : चार मुसलमान शहीद हुए जबकि क़बीला सक़ीफ के 75 काफिर मारे गए। (ज़ियाउन्नबी जि. 3, स. 281)

सवाल 1973 : जंगे हुनैन के अमवाले ग़नीमत की फेहरिसत बताइये?

जवाब 1973 : असीराने जंग 6 हज़ार, ऊंट 24 हज़ार, बकरियां 40 हज़ार, चाँदी 40 हज़ार ओक़या। (ज़ियाउन्नबी जि. 4, स. 515)

फतहे मक्का

सवाल 1974 : अहले मक्का के लिये अफ़ुवे (मुआफ़ी) आम से पहले सरकार सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने कितने अफराद को वाजिबुल क़त्ल फरमाया?

जवाब 1974 : 15 अफराद को जिन में से बअ़ज़ ने इस्लाम क़बूल कर लिया। (ज़ियाउन्नबी जि. 4, स. 451)

सवाल 1975 : फतहे मक्का के दिन हज़रत बिलाल ह़ब्शी रज़ि यल्लाहु अन्हु ने कहाँ अज़ान कही?

जवाब 1975 : ख़ानए कअबा की छत पर ज़ोहर की।

(ज़ियाउन्नबी जि. 4, स. 477)

सवाल 1976 : फतहे मक्का की तारीख़ बताइये?

जवाब 1976 : 20 रमज़ान सन 8 हिजरी। (ज़ियाउन्नबी जि. 4, स. 159)

सवाल 1977 : बवक़्ते फतहे मक्का मुसलमानों की तअदाद क्या थी?

जवाब 1977 : दस हज़ार।

सवाल 1978 : फतहे मक्का के वक़्त आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने इस्लाम के बहुत बड़े दुश्मन के मकान को अमान ख़ाना बना दिया था, क्या आप उन का इस्मे गिरामी बता सकते हैं?

जवाब 1978 : हज़रत अबू सुफियान रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 1979 : मक्का की फतेह के वक़्त कअबा के अन्दर कितने बुत नसब थे?

जवाब 1979 : 360।

सवाल 1980 : ख़ानए कअबा में 360 बुत कितने अर्सा तक रहे?
जवाब 1980 : तीन सो साल तक।
सवाल 1981 : फतहे मक्का के दिन सबसे पहले इमारत का शर्फ किस सहाबी को हासिल हुआ?
जवाब 1981 : हज़रत ख़ालिद बिन वलीद को।
सवाल 1982 : फतहे मक्का की बैअ़त में कितनी औरतें शामील थीं?
जवाब 1982 : 557 औरतें।
सवाल 1983 : फतहे मक्का के मौक़ा पर बवक़्ते दाख़िले शहेर आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम कौन सी सूरेह तिलावत फरमा रहे थे?
जवाब 1983 : सूरेह फतेह।
सवाल 1984 : आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने फतेह के बाद ख़ानए कअबा की कुन्जी किस के हवाला की और क्या फर्माया?
जवाब 1984 : हज़रत उस्मान बिन तलहा रज़ि यल्लाहु अन्हु के। आप ने फरमाया कि यह कुन्जी तुम्हारे पास क़यामत तक रहे गी। (ख़ांदान में)
सवाल 1985 : फतहे मक्का के मौक़ा पर रहमते आलम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने आम मआफ़ी का ऐलान किन अल्फाज़ में फरमाया?
जवाब 1985 : ला तस्रीबा अलैकुमुल यौमा अन्तुमुत्तुलक़ा आज मेरी तरफ से तुम पर कोई बदला नहीं जाओ तुम सब आज़ाद हो।
सवाल 1986 : फतहे मक्का के वक़्त ग़ैब दां रसूल सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने अपनी उम्मत को किन दो अज़ीम और महफूज़ सलतनत का वादा फरमाया?
जवाब 1986 : फारस और रूम का।
सवाल 1987 : ग़ज़्वए फतहे मक्का में कितने आदमी काम आए?
जवाब 1987 : 12 आदमी। (ज़ियाउन्नबी जि. 3, स. 281)
सवाल 198: कुरैशियों के इस्लाम क़बूल करने का अन्दाज़ क्या था?
जवाब 1988 : सय्यदुना उमर फारुक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु के सामने से कलिम-ए-शहादत पढ़ते हुए गुज़रते और आइन्दा बदकारी

न करने का ऐलान करते चूंकि उस वक़्त बदकारी आम थी। (ज़ियाउन्नबी जि.० 4, स. 485)

सवाल 1989 : फतहे मक्का के बाद हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम का क़्याम मक्का में कितने दिन रहा?

जवाब 1989 : 15 रोज़ तक। (ज़ियाउन्नबी जि. 4, स. 476)

सवाल 1990 : फतहे मक्का के बाद दस रोज़ की मुश्त में कितने लोगों ने इस्लाम क़बूल किया?

जवाब 1990 : दो हज़ार कुरैशियों ने। (ज़ियाउन्नबी जि. 4, स. 485)

सवाल 1991: सन 8 हिजरी में जब लश्करे इस्लाम मक्का में फातेहाना हैसियत से दाख़िल हुआ तो ख़ास अलमे नबवी किस के हाथ में था?

जवाब 1991 : हज़रत ज़ुबैर इबनुल अ़व्वाम रज़ि यल्लाहु अन्हु के हाथ में।

सवाल 1992 : फतेह के बाद हरमे कअ़बा में बवक़्ते दाख़िला कौन सहाबी हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की सवारी (नाक़ा) पर आप के पीछे बैठे हुए थे?

जवाब 1992 : हज़रत उसामा बिन ज़ैद रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 1993 : बवक़्ते रवान्गीए मक्का हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने इमारत के लिये किस का इन्तिख़ाब फरमाया?

जवाब 1993 : हज़रत एताब बिन उसैद का जबकि मुअल्लिम की हैसियत से हज़रत मआज़ बिन जबल को मुन्तख़ब फरमाया। (रज़ि यल्लाहु अन्हुमा) (ज़ियाउन्नबी जि. 4, स. 483)

सवाल 1994 : फतहे मक्का के वक़्त हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने ग्यारह मर्द और छः औरतों का ख़ून जाएज़ क़रार दिया था उन के नाम बताइये?

जवाब 1994 : (1) इकरमा बिन अबू जहल (2)सफवान बिन उमैया (3) वहशी क़ातिले अमीर हमज़ह (4) अब्दुल्लाह बिन अबी सर्ज (5) कअ़ब बिन ज़ुहैर (6) हुबार इब्न असवद (7)अब्दुल्लाह बिन ज़िबअरी (8) अब्दुलउज़्ज़ा या अब्दुल्लाह बिन ख़ुतल (9) मुक़ेश बिन सबाबा (10) हारिस बिन तलातला (11) हुवेरिस बिन नक़ीदया मुअख़्ख़ेरूज़ जिक्र चार आदमी क़त्ल हुए

बाक़ी मुशर्रफ ब इस्लाम हुए। औरतों में (1) हिन्दह ज़ौजह अबू सुफियान (2) क़रतना (3) क़रीबा (4) अर्नब (5)सारह (6) उम्मे सअदिया, पिछली चारों क़त्ल हुईं।

मुतफर्रिक़ ग़ज़्वात व सराया

सवाल 1995 : वह कौन सा ग़ज़्वह है जो दोबार वाक़े हुआ?

जवाब 1995 : ग़ज़्वए हज़रत अली रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 1996 : ग़जवए बवात जो दूसरा सरिया है उस में कितने सहाबा शरीक हुए?

जवाब 1996 : दोसो (200), जूलाई 623 ई. रबीउल अव्वल 2 हिजरी में।

सवाल 1997: जंगे यमामा में कितने हाफिज़े कुर्आन शहीद हुए?

जवाब 1997 : तक़रीबन (700) सात सौ।

सवाल 1998 : हाफिज़े कुर्आन सहाबह ज़्यादा तर किस जंग में शहीद हुए?

जवाब 1998 : जंगे यमामा में।

सवाल 1999 : पहला सरिया जिस में हज़रत अमीर हमज़ह रज़ि यल्लाहु अन्हु शरीक हुए कितने मुसलमानों पर मुशतमिल था?

जवाब 1999 : 30 मुजाहिदीन पर जो कुरैश के क़ाफ़िला को रोकने के लिए रवाना हुए थे। (ज़ियाउन्नबी जि. 3, स. 262)

सवाल 2000 : सबसे पहले सरिया का नाम बताइये?

जवाब 2000 : सरिया सैफुल बहर।

सवाल 2001 : सबसे आख़िरी सरिया का नाम बताइये?

जवाब 2001 : दूमतुल जुन्दल।

सवाल 2002 : बनू हवाज़िन से मुक़ाबला करने के लिये आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने किस से अस्लहा उधार लिया था?

जवाब 2002 : हज़रत सफवान बिन उमैया रज़ि यल्लाहु अन्हु से जो उस वक़्त तक मुसलमान नहीं हुए थे।

सवाल 2003 : सन 6 हिजरी में आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने किस सरिया के लिए दो सौ सहाबए किराम को रवाना किया?

जवाब 2003: जंगे ग़ाबा, जिस में आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की ऊंटनीयों को लुटेरों ने लूट लिया था और यह

क़बीलए गितफान के लोग थे।

सवाल 2004 : गज़वए दूमतुलजुंदल कब पेश आया जिस में हुजूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम एक हज़ार मुजाहिदीन की मईयत में रवाना हुए?

जवाब 2004 : सन 5 हिजरी माहे रबीउल अव्वल में।

(ज़ियाउन्नबी जि. 3, स. 233)

सवाल 2005 : आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की ऊंटनीयों के लुटेरों पर हमला करके वापस लाने वालों में एक सहाबी का नुमायां किरदार था उन का इस्मे गिरामी बताइये?

जवाब 2005 : हज़रत सल्मह इब्नुल अकूवअ रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 2006 : मुसलामनों ने ईरानियों से पहली फतहे अज़ीम किस जंग में हासिल की?

जवाब 2006 : जंगे यूरप में।

सवाल 2007 : बनू हवाज़िन के मुक़ाबले के लिए आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के साथ कितने मुजाहिदीन थे?

जवाब 2007 : 12 हज़ार।

सवाल 2008 : पांचवीं हिजरी में जंग के बग़ैर कौन सा ग़ज्वह वाक़े हुआ?

जवाब 2008 : दूमतुल जुन्दल।

सवाल 2009 : ग़ज़्वए ज़ातुर्रिका किस सने ई. में पेश आया?

जवाब 2009 : जून 625 ई. में।

सवाल 2010 : सलाते ख़ौफ किस ग़ज़्वह में मशरू हुई?

जवाब 2010: ग़ज़्वए जातुर्रिका में इस ग़ज़्वह में मुसलमानों ने बरेहना पा होने की वजह से पांव में चिथड़े लपेटे थे।

सवाल 2011: ग़ज़्वए मर्यसअ कब वाक़े हुआ?

जवाब 2011: 2 शअ़बान 5 हिजरी में। (मर्यसअ, बनी खुज़ाआ के एक तालाब का नाम था और उसी को ग़ज़्वए बनी अल्मुसतलिक़ भी कहते हैं।)

सवाल 2012 : आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम किस ग़ज़्वह के मौक़ा पर अपनी वालिदा की क़ब्र पर तशरीफ ले गए और रोने लगे?

जवाब 2012 : ग़ज़्वए बनी अल हेयान के मौक़ा पर।

सवाल 2013 : हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने किस को और कब बनी कुरैज़ा का मुहासिरह करने का हुक्म दिया था?

जवाब 2013 : 23जी क़अदह 5 हिजरी में जंगे अहज़ाब ख़त्म होते ही हज़रत अली रज़ि यल्लाहु अन्हु को अलम देकर मुक़द्दमतुल-जैश की हैसियत से रवाना फरमाया था?

सवाल 2014 : सरिया उबैदह बिन हारिस रज़ि यल्लाहु अन्हु कब वाक़े हुआ?

जवाब 2014 : हिजरत के आठवें माह शव्वाल में इस लश्कर में 60 मुहाजेरीन शरीक हुए। (ज़ियाउन्नबी जि. 3, स. 264)

सवाल 2015: इस्लामी जंगों में इस्लामी मुजाहिदीन की तरफ से पहला तीर किस ने कब चलाया?

जवाब 2015 : हज़रत सअ़द बिन अबी वक़ास रज़ि यल्लाहु अन्हु ने सरिया उबैदह बिन हारिस के मौक़ा पर।

(ज़ियाउन्नबी जि. 3, स. 264)

सवाल 2016 : सरिया सअ़द बिन अबी वक़ास रज़ि यल्लाहु अन्हु कब वाक़े हुआ?

जवाब 2016 : हिजरत के 9 माह बाद ज़िल्क़ादह में।

(ज़ियाउन्नबी जि. 3, स. 265)

सवाल 2017 : ग़ज़्वए बुवात कब वाक़े हुआ?

जवाब 2017 : हिजरत के तेरह 13 माह बाद रबीउल अव्वल या रबीउल आख़िर में। (ज़ियाउन्नबी जि. 3, स. 271)

सवाल 2018 : इब्तिदाई सराया व ग़ज़्वात में क्या मअमेलात दर पेश हुए?

जवाब 2018 : न दुश्मन का कोई आदमी क़त्ल हुआ न कोई कलेमा गो शहीद हुआ। (ज़ियाउन्नबी जि. 3, स. 280)

सवाल 2019 : अब्दुल्लाह बिन जहश के सरिया में कुफ्फार का कौन सा एक आदमी मारा गया?

जवाब 2019 : अम्र बिन हज़रमी, इस्लामी जंगों में यह पहला मक़तूल था। (ज़ियाउन्नबी जि. 3, स. 280)

सवाल 2020 : ग़ज़्वए सोएक़ में कितने लोग क़त्ल हुए?

जवाब 2020 : सिर्फ एक मुशरिक। (ज़ियाउन्नबी जि. 3, स. 280)

सवाल 2021: ग़ज़्वए बनी सुलेम में कितने अन्सारी शहीद हुए?

जवाब 2021: सिर्फ तीन अन्सारी। (ज़ियाउन्नबी जि. 3, स. 280)

सवाल 2022 : ग़ज़्वए जी अम्र जो नज्द में हुआ कितने लोग मारे गए?

जवाब 2022 : कोई शख़्स नहीं मारा गया। (ज़ियाउन्नबी जि. 3, स. 280)

सवाल 2023: ग़ज़्वए हुम्रउल असद में कौन सा बद ज़बान मौत के घाट उतारा गया?

जवाब 2023 : अबू उज़्ज़ा। (ज़ियाउन्नबी जि. 3, स. 281)

सवाल 2024 : यौमे रजीअ में कितने मुसलमान शहीद हुए?

जवाब 2024 : छः 6। (ज़ियाउन्नबी जि. 3, स. 281)

सवाल 2025 : ग़ज़्वए जातुर्रिकअ में कितने मुसलमान शहीद हुए?

जवाब 2025 : सिर्फ एक अन्सारी जो रात को पहरा दे रहे थे। (ज़ियाउन्नबी जि. 3, स. 281)

सवाल 2026 : ग़ज़्वए बनी कुरैज़ा में कितने मुसलमान शहीद हुए?

जवाब 2026 : दो मुसलमान और छः या सात यहुदी मक़तूल हुए। (ज़ियाउन्नबी जि. 3, स. 281)

सवाल 2027 : बीरे मऊना के ग़द्दाराना मनसूबा में कितने मुसलमानों ने ताजे शहादत ज़ेबे सर किया?

जवाब 2027 : 70 मुसलमानों ने। (ज़ियाउन्नबी जि. 3, स. 281)

सवाल 2028 : ग़ज़्वए बनी मुसतलिक़ में कितने अशख़ास काम आए?

जवाब 2028 : सिर्फ दो आदमी। (ज़ियाउन्नबी जि. 3, स. 281)

सवाल 2029 : जंगे जसर किस के अहेद में लड़ी गई थी?

जवाब 2029 : जंगे जसर हज़रत उमर फारुक रज़ि यल्लाहु अन्हु के अहेद में हज़रत अबू उबैदह रज़ि यल्लाहु अन्हु की क़्यादत में लड़ी गई थी। (ज़ियाउन्नबी ज. 3 स. 361)

सवाल 2030 : ग़ज़्वए बनी सुलैम में लश्कर के अलम्बर-दार कौन सहाबी थे?

जवाब 2030 : हज़रत अली रज़ि यल्लाहु अन्हु। (ज़ियाउन्नबी जि. 3, स. 429)

सवाल 2031 : ग़ज़्वए बनी क़नी क़ाअ कब वक़ूअ पज़ीर (वाक़े) हुआ?

जवाब 2031 : हिजरत के 20 माह बाद शव्वाल में मुहासिरह पन्दरह

15 शव्वाल बरोज़ हफता शुरु हुआ जो पन्दरह रोज़ तक जारी रहा। (ज़ियाउन्नबी जि. 3, स. 436)

सवाल 2032 : ग़ज़्वए उहद के कितने माह बाद ग़ज़्वए बीरे मऊना पेश आया?

जवाब 2032 : चार माह बाद माहे सफर में। (ज़ियाउन्नबी जि. 3, स. 592)

सवाल 2033 : ग़ज़्वए बनी नुज़ैर कब वकूअ पज़ीर हुआ?

जवाब 2033 : रबिउल अव्वल 4 हिजरी में। (ज़ियाउन्नबी जि. 3, स. 612)

सवाल 2034 : ग़ज़्वए ज़ातुर्रिकाअ कब पेश आया?

जवाब 2034 : गज़वए बनी नुज़ैर के चंद माह बाद जमादिस्सानी 4 हिजरी में। (ज़ियाउन्नबी जि. 3, स. 613)

सवाल 2035 : रसूलुल्लाह सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने बनू मुसतलिक़ और बनू लहियान के साथ कब जंग की?

जवाब 2035 : माहे शअ़बान 5 हिजरी में। (ज़ियाउन्नबी जि. 3, स. 635)

सवाल 2036 : ग़ज़्वए बनू मुसतलिक़ से वापसी के मौक़ा पर जब हज़रत आइशा सिद्दीका रज़ि यल्लाहु अन्हा पीछे रह गई थीं तो कौन सहाबी अपने ऊंट पर बिठा कर लाए थे?

जवाब 2036 : हज़रत सफवान बिन मुअ़तल रज़ि यल्लाहु अन्हु। (ज़ियाउन्नबी जि. 3, स. 646)

सवाल 2037 : जो लड़ाई क़बीला हवाज़िन और शक़ीफ के दर्मियान हुई उसे क्या कहते हैं?

जवाब 2037 : हर्बेफुज्जार। (ज़ियाउन्नबी जि. 3, स. 496)

मुद्दईयाने नबूवत

सवाल 2038: क़बूले इस्लाम के बाद मुर्तद होकर नबुव्वत का दावा किसने किया?

जवाब 2038 : मुसैलिमा कज़्ज़ाब ने।

सवाल 2039 : मुसैलिमा कज़्ज़ाब ने दावाए नबुव्वत कहाँ क्या था?

जवाब 2039 : अेलाक़ा यमन व यमामा में।

सवाल 2040 : मुसैलिमा कज़्ज़ाब किस ख़लिफ़ा के दौरे ख़िलाफत में क़त्ल किया गया है?

जवाब 2040 : हज़रत सय्यदुना अबू बकर सिद्दीक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु

के अहदे ख़िलाफ़त में।

सवाल 2041 : मुसैलिमा कज़्ज़ाब को किस ने क़त्ल किया?

जवाब 2041 : वहशी बिन हरब क़ातिले हमज़ह रज़ि यल्लाहु अन्हु ने।

सवाल 2042 : मुसैलिमा किज़्ज़ाब ने अपना लक़ब क्या रखा था?

जवाब 2042 : रहमानु ल्यमार।

सवाल 2043 : नबुव्वत का दावा क़रने वाली एक झूटी औरत ने नबुव्वत का दावा करने वाले मुसैलिमा कज़्ज़ाब से शादी की क्या आप उस का नाम बता सकते हैं?

जवाब 2043 : सुजाह बिंते हारिस। मगर यह बाद में मुसलमान हो गई।

सवाल 2044 : मुसलिमा कज़्ज़ाब के फौजियों की तअ़दाद क्या थी?

जवाब 2044 : 40 या 70 हज़ार पुख़्ता कार जंग्जू।

सवाल 20405: नबुव्वत के झूटे दावेदार असवद अंसी ने अपना लक़ब क्या रखा था?

जवाब 2045 : रहमानुल्यमीन और अस्ल नाम अकी़ला बिन कअ़ब था। जबकि उसे जुलहिमार भी कहा जाता था।

सवाल 2046 : रहमते आलम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के विसाल से दो रोज़ पेशतर जिस झूटे नबी को इस्लामी दस्ते ने हलाक किया उस का नाम बताइये?

जवाब 2046 : असवद अंसी।

सवाल 2047 : बनू असद के एक शख़्स ने नबुव्वत का दावा किया था, क्या आप उस झूटे नबी का नाम बता सकते हैं?

जवाब 2047 : तलीहा बिन खुवैलिद।

सवाल 2048 : यमन के उस शख़्स का नाम बताइये जिस ने नबुव्वत का दावा किया और अपना नाम ला रखा?

जवाब 2048 : अस्ल नाम मालूम न हो सका लेकिन वह कहता था ला नबीया बअ़दी मेरे बाद ला नबी होगा वह ला मैं ही हूँ।

सवाल 2049 : हज़रत अब्दुल्लाह बिन जुबैर रज़ि यल्लाहु अन्हु के ज़माना में किस ने नबुव्वत का दावा क्या था?

जवाब 2049 : मुख़्तार सक़फी ने।

सवाल 2050 : मिर्ज़ा गुलाम अहमद क़ादियानी ने किस सने हिजरी में

नबुव्वत का दावा किया था?

जवाब 2050 : 1400 हिजरी के अवाएल में जिस के मुत्तबईन आज भी मौजूद हैं।

सवाल 2051 : नबुव्वत का दावा करने वालों की तअदाद क्या थी?

जवाब 2051 : तक़रीबन अठ्ठारह 18।

सवाल 2052 : वफद बनू हनफिया के उस शख़्स का नाम बताइये जिस ने आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम से कहा था कि नबुव्वत में मुझे भी शरीक फरमाएँ?

जवाब 2052 : मुसैलिमा किज़्ज़ाब ने। (जिस ने बाद में नबुव्वत का दावा किया)।

सवाल 2053 : हुजूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के मक़ाबले पर झूटी नबुव्वत का अलम किस ने बलंद किया?

जवाब 2053 : मुसैलिमा कज़्ज़ाब ने।

सवाल 2054 : असवद अंसी ने जब नबुव्वत का दावा किया तो उस ने एक सहाबी को आग जला कर उस में डाल दिया बताइये सहाबी का नाम क्या था?

जवाब 2054 : हज़्रत मुस्लिम ख़ोलानी रज़ि यल्लाहु अन्हु।

(ज़ियाउन्नबी जि. 4, स. 678)

सवाल 2055 : हज़्रत उम्र फारुक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु ने हज़्रत सिद्दीक़ अकबर रज़ि यल्लाहु अन्हु के रुबरु मुस्लिम ख़ौलानी रज़ि यल्लाहु अन्हु के बारे में क्या फरमाया था?

जवाब 2055 : अलहमदुलिल्लाह मैं ने ऐसे शख़्स की ज़ियारत की जिस को इब्राहीम अलैहिस्सलाम की तरह आग में डाला गया लेकिन आग न जला सकी। (ज़ियाउन्नबी जि. 4, स. 676)

नोट: असवद अंसी ने जब हज़रत मुस्लिम ख़ूलानी से अपने सिलसिले में नबी कहेलवाना चाहा तो आप ने इनकार क़र दिया जिसकी वजह से आग रोशन करके जल्ते हुए शोअलों के हवाले कर दिया गया मगर आग उस आशिक़े सादिक़ का कपड़ा तक न जला सकी।

❖❖❖

दुश्मनाने इस्लाम और साज़िशें

सवाल 2056 : उस मस्जिद का नाम बताइये जिस की मिसमारी का हुक्म नाज़िल हुआ?

जवाब 2056 : मस्जिदे ज़िरार जो फितना बर्पा करने और इस्लाम के ख़िलाफ़ तख़रीब कारी के लिए तअमीर की गई थी।

सवाल 2057 : आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम को वही के ज़रिए एक मस्जिद में नमाज़ पढ़ने से रोक दिया गया उस का नाम बताइये?

जवाब 2057 : मस्जिदे ज़िरार।

सवाल 2058 : मस्जिदे ज़िरार किस मुनाफ़िक़ के हुक्म और मशवेरा से तअमीर हुई?

जवाब 2058 : अबू आमिर के।

सवाल 2059 : मस्जिदे ज़िरार कितने लोगों ने मिल कर तअमीर किया था?

जवाब 2059 : बारह लोगों ने।

सवाल 2060 : अबू लहब की बीवी एक बार आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की सर कुचलने के लिए पत्थर लाई बताइये वह कौन सा वाक़िआ था?

जवाब 2060 : सूरेह लहब के नुज़ूल के बाद।

सवाल 2061 : अबू लहब की ख़बीसा बीवी का नाम बताइए?

जवाब 2061 : उम्मे जमीला अस्ल नाम अर्वा हरब बिन उमैया था।

सवाल 2062 : अबू लहब के दोनों बेटों का नाम बताइये?

जवाब 2062 : उत्बा, उतैबा। और ज़ियाउन्नबी जि. 4 स. 467 पर तीसरे बेटे का नाम मुअतब बताया गया है।

सवाल 2063 : अबू लहब कैसे मरा?

जवाब 2063 : जुज़ाम और चेचक की बीमारियों से।

सवाल 2064 : उतैबा बिन अबू लहब कैसे मरा?

जवाब 2064 : उस को शेर ने फाड़ डाला।

सवाल 2065 : रसूलुल्लाह सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के अहेद में

यहूदियों का सब से बड़ा आलिम कौन था?

जवाब 2065 : कअब बिन अशरफ।

सवाल 2066 : वह कौन सा क़बीला था जिस के लोगो ने एक बड़ा सा पत्थर पहाड़ से गिरा दिया ताकि रहमते आलम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम शहीद हो जाएँ?

जवाब 2066 : क़बीलए सक़ीफ़।

सवाल 2067 : ख़ानए कअ़बा में रहमते आलम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की पुश्ते मुबारक पर हालते नमाज़ में ऊंट की ओझड़ी किस ने रखी थी?

जवाब 2067 : अबू जहल के कहने पर उक़बा ने।

सवाल 2068 : सबसे पहले मुसलमान से ईसाई होने वाले बद नसीब शख़्स का नाम बताइए?

जवाब 2068 : उबैदुल्लाह बिन जहश।

सवाल 2069 : रईसुलमुनाफ़ेक़ीन किस का लक़ब था?

जवाब 2069 : अब्दुल्लाह बिन उबै का।

सवाल 2070 : अहमदे मुख़्तार सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के चचा अबू तालिब का इन्तिक़ाल कब हुआ?

जवाब 2070 : 10 नबुव्वत में।

सवाल 2071 : जंगे बद्र के दिन मुशरिक़ीने मक्का की ज़ियाफ़त में अबू जहल ने कितने ऊंट ज़बह करवाए?

जवाब 2071 : दस ऊंट।

सवाल 2072 : अबू जहल के बाप का नाम बताइए?

जवाब 2072 : हेशाम।

सवाल 2073 : अबू जहल का अस्ल नाम क्या था?

जवाब 2073 : अम्र बिन हेशाम।

सवाल 2074 : अबू जहल की कुन्नियत क्या थी?

जवाब 2074 : अबूल हिकम।

सवाल 2075 : आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की बारगाह में उल्माए यहूद ने अपने नुमाइन्दों को कौन से तीन सवालात दरियाफ्त करने के लिए भेजे थे?

जवाब 2075 : (1) ज़मानए गुज़िता में वह कौन लोग थे जो बादशाह के डर से भागे थे? (असहाबे कहफ)

(2) ज़मीन के एक सिरे से दूसरे सिरे तक चक्कर लगाने वाले शख़्स का नाम? (हज़रत सिकन्द्र जुलक़रनैन)

(3) रुह के बारे में? (वयसअलूनका अनिर्रूह कुलिर्रूहु मिन अमरि रब्बी)।

सवाल 2076 : ख़ानए कअबा के अन्दर हालते नमाज़में आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के गले में एक बदबख़्त ने चादर का फंदा डाल कर खींचा, क्या ऐसे कमबख़्त का नाम बता सकते हैं?

जवाब 2076 : उक़बा बिन अबी मुग़ीत।

सवाल 2077 : नबीए बरहक़ सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम पर जादू किस ने किया?

जवाब 2077 : लुबैद बिन आसिम यहूदी और उस की बेटियों ने।

सवाल 2078 : अबू लहब का लुग्वी माना बताइए?

जवाब 2078 : शोअ़ला।

सवाल 2079 : मस्जिदे ज़िरार को मिसमार करने के लिये हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने किन सहाबा को हुक्म दिया था?

जवाब 2079 : मालिक बिन दुख़्शम, मुफन बिन अदी, आमिर इब्नु स्सकन, और वहशी बिन हरब रज़ि यल्लाहु अन्हुम को।

(ज़ियाउन्नबी जि. 4, स. 631)

सवाल 2080 : अल्लाह के रसूल अलैहिस्सलाम के हुक्म से हज़रत अबू अय्यूब अन्सारी रज़ि यल्लाहु अन्हु ने किस मुनाफिक़ को पाँव से पकड़ कर घसीटते हुए मस्जिद से बाहर कर दिया?

जवाब 2080 : अपने हम क़बीला मुनाफिक़ अमर बिन क़ैस को।

(ज़ियाउन्नबी जि. 3, स. 237)

सवाल 2081 : अबू अय्यूब अन्सारी रज़ि यल्लाहु अन्हु ने एक और अपने हम क़बीला मुनाफिक़ को उस की चादर से घसीटा और तमांचे मारते हुए मस्जिद से निक़ाल दिया क्या आप उस

का नाम बता सकते हैं?

जवाब 2081 : राफेअ बिन रबिआ कबीला नज्जार से था।

(ज़ियाउन्नबी जि. 3, स. 237)

सवाल 2082 : हज़रत अब्दुल्लाह बिन हज़म रज़ि यल्लाहु अन्हु ने किस मुनाफिक़ की लम्बी दाढ़ी पकड़ कर खींचते हुए मस्जिद से बाहर निकाल दिया?

जवाब 2082 : मुनाफिक़ ज़ैद बिन उम्र को। (ज़ियाउन्नबी जि. 3, स. 238)

सवाल 2083 : सहाबिए रसूल सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम अबू मोहम्मद मसऊद बिन ओस जो बदरी थे किस नौजवान मुनाफिक़ को पीछे से धक्का देते हुए मस्जिद से बाहर निकाल दिया।

जवाब 2083 : मुनाफिक़ कैस बिन अमर बिन सहल को। मुनाफिक़ो में यही एक नौजवान था बक़िया सब बूढ़े थे।

(ज़ियाउन्नबी जि. 3, स. 238)

सवाल 2084 : अब्दुल्लाह बिन अबी सुलूल जो मुनाफिक़ो का सरदार था किस क़बीला से तअल्लुक़ रखता था?

जवाब 2084 : क़बीलए ख़ज़्रज से। (ज़ियाउन्नबी जि. 3, स. 242)

सवाल 2085 : मुट्ठी में कंकरियां लाकर किस ने हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम से कहा था, बताइए मेरी बंद मुट्ठी में क्या है?

जवाब 2085 : अबू जहल ने।

सवाल 2086 : अबू जहल की बंद मुट्ठी में कंकरियों ने अपनी गुलामी का सुबूत किस तरह दिया था?

जवाब 2086 : कलेमा पढ़ कर।

❖❖❖❖❖
❖❖❖
❖
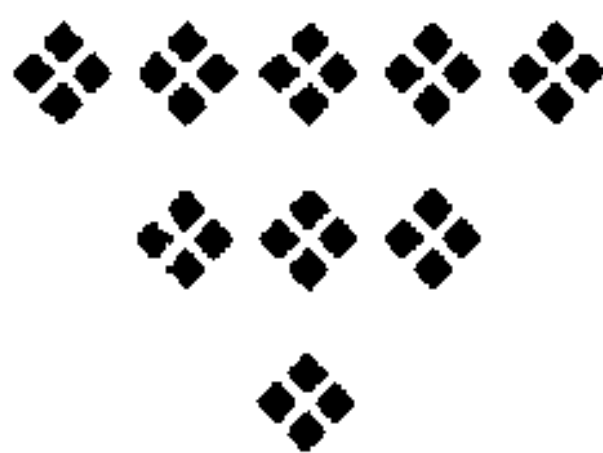
खुल्फाए राशिदीन

इस्लाम तेरी नब्ज न डूबेगी हश्र तक
तेरी रगों में खूँ है रवाँ चार यार का

ख़लीफ-ए-अव्वल हज़रत सैयदना सिद्दीक़ अक्बर रज़ि यल्लाहु अन्हु

किस ने देखा और सुना सिद्दीक़ अक्बर की तरह
ऐ ज़माना! है तो ला सिद्दीक़ अक्बर की तरह
घर का किसने कुल असासा रख दिया पेशे नबी
किस ने घर को तज दिया सिद्दीक़ अक्बर की तरह
किस को दुनिया में बनाए मुस्तफा अपना ख़लील
हमनशीं कोई न था सिद्दीक़ अक्बर की तरह

सवाल 2087 : सबसे पहले ख़लीफ-ए-राशिद का इस्मे गिरामी बताइये?

जवाब 2087 : हज़रत सय्यदुना अबू बकर सिद्दीक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 2088 : यारे ग़ार किस सहाबी का लक़ब है?

जवाब 2088 : हज़रत अबू बकर सिद्दीक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु का।

सवाल 2089 : ख़लीफ-ए-अव्वल हज़रत अबू बकर सिद्दीक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु का विसाल कब हुआ?

जवाब 2089 : 22/जमादिल आख़िर 13 हिजरी बवक़्ते गुरुबे आफताब बरोज़ मंगल 634 ई.।

सवाल 2090 : अमीरुलमोमिनीन हज़रत अबू बकर सिद्दीक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु की ख़िलाफत के लिए ली जाने वाली बैअत को क्या कहते हैं?

जवाब 2090 : बैअते आसिम ।

सवाल 2091 : मर्दों में सब से पहले ईमान लाने वाली शख़्सियत का

इस्मे गिरामी बताइए?

जवाब 2091 : हज़रत अबू बकर सिद्दीक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 2092 : हज़रत अबू बकर सिद्दीक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु की दावत पर कौन कौन हज़रात ईमान लाए?

जवाब 2092 : हज़रत उस्मान बिन अफ्फान, ज़ुबैर इब्नुल अव्वाम, अब्दुर्रहमान बिन औफ, सअद बिन अबी वक़ास, तल्हा बिन उबैदुल्लाह रज़ि यल्लाहु अन्हुम।

सवाल 2093 : हज़रत अबू बकर सिद्दीक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु क़बूले इस्लाम से क़ब्ल किस नाम से पुकारे जाते थे?

जवाब 2093 : अब्दुल कअ़बा से।

सवाल 2094 : हज़रत अबू बकर सिद्दीक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु का अस्ल नाम बताइए जो बादे क़बूले इस्लाम रखा गया?

जवाब 2094 : अब्दुल्लाह।

सवाल 2095 : आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने हज़रत अबू बकर सिद्दीक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु के बारे में क्या फरमाया है?

जवाब 2095 : अबू बकर की मुहब्बत मेरी उम्मत पर फर्ज़ है।

सवाल 2096 : हज़रत अबू बकर सिद्दीक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु को ज़हेर किस में दिया गया?

जवाब 2096 : चावलों में।

सवाल 2097 : हज़रत सय्यदुना सिद्दीक़ अक्बर रज़ि यल्लाह अन्हु की कुन्नियत क्या थी?

जवाब 2097 : अबू बकर।

सवाल 2098 : अमीरुलमोमिनीन हज़रत अबू बकर सिद्दीक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु का लक़ब बताइए?

जवाब 2098 : अतीक़ और सिद्दीक़।

सवाल 2099 : हज़रत अबू बकर सिद्दीक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु के वालिदे मुहतरम का इस्मे गिरामी बताइए?

जवाब 2099 : हज़रत अबू क़हाफा रज़ि यल्लाहु अन्हु

सवाल 2100 : हज़रत अबू क़हाफा रज़ि यल्लाहु अन्हु का अस्ल नाम क्या था?

जवाब 2100 : उस्मान बिन आमिर।

सवाल 2101 : अमीरुलमोमेनीन हज़रत अबू बकर सिद्दीक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु की वालिदह का इस्मे गिरामी बताइए?

जवाब 2101 : सल्मा बिन्ते सख़र बिन कअब।

सवाल 2102 : हज़रत अबू बकर सिद्दीक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु ने किस उम्र में इस्लाम क़बूल किया?

जवाब 2102 : 37 या 38 साल की उम्र में।

सवाल 2103 : हज़रत अबू बकर सिद्दीक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु से मुल्के शाम के सफर के दौरान बुहीरह राहिब ने क्या पेशीनगोई फरमाई थी?

जवाब 2103 : आख़िरी पैगम्बर के तुम वज़ीर बनोगे और बादे विसाल ख़िलाफत के हक़दार होगे।

सवाल 2104 : हज़रत अबू बकर सिद्दीक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु के पास कितने दिरहम थे जिसे क़बूल इस्लाम के बाद सदक़ा कर दिया?

जवाब 2104 : 40 हज़ार दिरहम।

सवाल 2105 : शैख़ सिद्दीकी नज़ीबुत्तरफैन जो हज़रत अबू बकर सिद्दीक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु की तरफ मन्सूब हैं उन की पहचान क्या है?

जवाब 2105 : पाँव के गुसाला से सांप के काटे हुए ज़हेर के असरात ज़ाएल हो जाते हैं।

सवाल 2106 : हज़रत अबू बकर सिद्दीक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु के कौन दामाद अशर-ए-मुबश्शेरह में दाख़िल हैं?

जवाब 2106 : हज़रत ज़ुबैर इब्नुल अव्वाम रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 2107 : उम्मते मोहम्मदिया सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम में सब्से पहले जन्नत में कौन दाख़िल होंगे?

जवाब 2107 : हज़रत अबू बकर सिद्दीक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 2108 : हज़रत अबू बकर सिद्दीक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु की कौन साहेबज़ादी हज़रत ज़ुबैर इब्नुलअव्वाम रज़ि यल्लाहु अन्हु की निकाह में दाख़िल थीं?

जवाब 2108 : हज़रत असमा रज़ि यल्लाहु अन्हा जो हज़रत अब्दुल्लाह बिन जुबैर रज़ि यल्लाहु अन्हु की वालिदा हैं।
(नुज़हतुलक़ारी अव्वल स. 380)

सवाल 2109 : हज़्रत असमा बिन्ते हज़रत अबू बकर सिद्दीक़ रज़ि यल्लाहु अन्हुमा ने कितनी उम्र पाई?

जवाब 2109 : तक़रीबन सौ साल। 37 हिजरी जमादिल आख़िर में विसाल हुआ। (नुज़हतुलक़ारी अव्वल स 380)

सवाल 2110 : हज़्रत अस्मा रज़ि यल्लाहु अन्हा से कितनी हदीसें मरवी हैं?

जवाब 2110 : 56 अहादीस। (नुज़हतुलकारी अव्वल स. 380)

सवाल 2111 : हज़्रत अबू बकर सिद्दीक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु की एक साहेबज़ादी उम्महातुल मोमिनीन में से हैं क्या आप उन का इस्मे गिरामी बता सकते हैं?

जवाब 2111 : हज़्रत आइशा सिद्दीक़ा रज़ि यल्लाहु अन्हा।

सवाल 2112 : वह कौन सहाबी हैं जिन की चार पुश्तें शर्फ़े सहाबियत से मुशर्रफ हुईं?

जवाब 2112 : हज़्रत अबू बकर सिद्दीक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल २११३: हज़्रत अबू बकर सिद्दीक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु के किन साहेबज़ादे को हज़्रत अली रज़ि यल्लाहु अन्हु ने अपने दौरे ख़िलाफत में मिश्र का गौवर्नर बनाया?

जवाब 2113 : हज़्रत मोहम्मद बिन अबी बकर रज़ि यल्लाहु अन्हु को।

सवाल 2114 : हज़्रत मोहम्मद बिन अबी बकर रज़ि यल्लाहु अन्हु के क़ातिल का नाम बताइए?

जवाब 2114 : साविया बिन ज़रीज।

सवाल 2115 : हज़्रत अबू बकर सिद्दीक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु की पहली बैअ़त किस ने ली?

जवाब 2115 : हज़्रत उमर फारुक़ आज़म रज़ि यल्लाहु अन्हु ने।

सवाल 2116 : मवाख़ात में हज़्रत अबू बकर सिद्दीक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु किस के भाई बनाए गए?

जवाब 2116 : हज़रत ख़ारिजा बिन ज़ैद अन्सारी रज़ि यल्लाहु अन्हु के।

सवाल 2117 : अमीरुल मोमिनीन हज़रत अबू बकर सिद्दीक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु

की उम्र कितने साल की हुई?

जवाब 2117 : तिरीसठ 63 साल की।

सवाल 2118 : ख़लीफ़ए अव्वल की मुद्दते ख़िलाफत बताइए?

जवाब 2118 : दो साल तीन माह छब्बीस दिन।

सवाल 2119 : हज़रत अबू बकर सिद्दीक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु की नमाज़े जनाज़ा किस ने पढ़ाई?

जवाब 2119 : हज़रत सय्यदुना उमर फारुक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु ने। (तारीख़ुल ख़ुल्फा सफह 62)

सवाल 2120 : हज़रत अबू बकर सिद्दीक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु किस चीज की तिजारत करते थे?

जवाब 2120 : कपड़े की।

सवाल 2121 : हिज्रत के बाद हज़्रत अबू बकर सिद्दीक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु ने मदीना के बाज़ार में किस मक़ाम पर कपड़े का कारख़ाना क़ाएम फरमाया था?

जवाब 2121 : मक़ामे सिख़ पर।-(जमाले मुसतफा) सफह 28 जि. 3)

सवाल 2122 : हज़्रत सय्यदुना अबू बकर सिद्दीक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु के अहदे ख़िलाफत में उन कातिब का इस्मे गिरामी बताइए जिन्होंने तरतीबे क़ुर्आन की ख़िदमत अन्जाम दी?

जवाब 2122 : हज़्रत ज़ैद बिन साबित रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 2123 : सबसे पहले क़ुर्आन को मुसहफ के नाम से मौसूम करने वाले सहाबी का इस्मे गिरामी बताइए

जवाब 2123 : हज़्रत सय्यदुना अबू बकर सिद्दीक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 2124 : क़ुर्आन मजीद के मुनतशिर मज़ामीन को किताबी सूरत किस के अहदे ख़िलाफत में दी गई?

जवाब 2124 : हज़्रत सय्यदुना अबू बकर सिद्दीक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु के।

सवाल 2125 : हज़्रत अबू बकर सिद्दीक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु का रौज़ा कहाँ वाक़े है?

जवाब 2125 : हुज्रए आइशा में। ब पहलूए आक़ा सल्लल्लाहो अलैहि व सल्लम।

सवाल 2126 : उम्मते मोहम्मदियह सल्लल्लाहो अलैहि व सल्लम में सब से अफज़ल शख़्सियत का इस्मे गिरामी बताइए?

जवाब 2126 : हज़रत अबू बकर सिद्दीक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु ।

सवाल 2127 : हज़रत अबू बकर सिद्दीक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु ने दौरे जाहिलियत में कितनी शादियाँ कीं?

जवाब 2127 : दो, अव्वल फतीला बिन्ते अब्दुलउज़्ज़ा से जो ज़िन्दगी में ही विसाल कर गईं, दूसरी ज़ौजह उम्मे रुमान बिन्ते आमिर किनानी हैं?

सवाल 2128 : मोहम्मद बिन अबी बकर सिद्दीक़ रज़ि यल्लाहु अन्हुमा की वालिदह का इस्मे गिरामी बताइये?

जवाब 2128 : हज़रत अस्मा बिंते उमैस रज़ि यल्लाहु अन्हा।

सवाल 2129 : हज़रत अबू बकर सिद्दीक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु ने बादे क़बूले इस्लाम कितनी शादियाँ कीं?

जवाब 2129 : दो अव्वल अस्मा बिन्ते उमैस दूसरी हबीबा बिंते ख़ारिज़ा बिन ज़ैद अन्सारी रज़ि यल्लाहु अन्हुमा से।

सवाल 2130 : हज़रत अस्मा बिंते उमैस रज़ि यल्लाहु अन्हा ख़लीफ़ -ए-अव्वल के निकाह में दाख़िल होने से क़ब्ल किनकी ज़ौजियत में थीं?

जवाब 2130 : हज़्रत जाफर बिन अबी तालिब रज़ि यल्लाहु अन्हु के।

सवाल 2131: हज़्रत अबू बकर सिद्दीक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु के वालिद की उम्र कितने साल की हुई ?

जवाब 2131 : 97 साल की।

सवाल 2132 : हज़्रत अबू बकर सिद्दीक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु के विसाल के बाद आपके वालिद माजिद कितने साल तक ज़िन्दा रहे?

जवाब 2132 : 6 साल कुछ दिन।

सवाल 2133 : हज़्रत अबू बकर सिद्दीक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु के विसाल के बाद हज़्रत अस्मा बिंते उमैस रज़ि यल्लाहु अन्हा से किस की विलादत हुई?

जवाब 2133 : हज़्रत उम्मे कुलसूम रज़ि यल्लाहु अन्हा की।

सवाल 2134 : हज़्रत अबू बकर सिद्दीक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु की वालिदह की कुन्नियत क्या थी?

जवाब 2134 : उम्मुल्ख़ैर।

सवाल 2135 : हज़्रत अबू बकर सिद्दीक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु की उन बेवह

का इस्मे गिरामी बताइये जिन से हज़रत अली रज़ि यल्लाहु अन्हु ने निकाह फरमाया?

जवाब 2135 : हज़रत अस्मा बिंते उमैस रज़ि यल्लाहु अन्हा।

सवाल 2136 : हज़रत सय्यदुना अबू बकर सिद्दीक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु के अहदे ख़िलाफ़त में नबूवत के झूटे दावेदारों की तअदाद कितनी थी?

जवाब 2136 : पाँच 5।

सवाल 2137 : हज़रत अबू बकर सिद्दीक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु के अहदे ख़िलाफ़त में कौन सा फितना पैदा हुआ?

जवाब 2137 : इर्तेदाद का।

सवाल 2138 : हज़रत अबू बकर सिद्दीक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु को कुर्आन जमा करने का मशवरा किस ने दिया?

जवाब 2138 : हज़रत उमर फारुक़ आज़म रज़ि यल्लाहु अन्हु ने।

सवाल 2139 : सय्यदुना अबू बकर सिद्दीक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु का तअल्लुक़ कुरैश के किस ख़ान्दान से था?

जवाब 2139 : बनी तमीम से।

सवाल 2140 : अमीरुल मोमिनीन हज़रत अबू बकर सिद्दीक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु के तीनों साहेबज़ादियों के अस्माए गिरामी बताइये?

जवाब 2140 : हज़रत अस्मा, हज़रत आइशा, हज़रत उम्मे कुलसूम, रिज़वानुल्लाहे अन्हुन।

सवाल 2141 : सन 9 हिज्री से पहले इस्लामी अमीरे हज का इस्मे गिरामी बताइए?

जवाब 2141 : हज़रत अबू बकर सिद्दीक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 2142 : राहे ख़ुदा में सबसे पहले माल ख़र्च करने वाले सहाबी का इस्मे गिरामी बताइये?

जवाब 2142 : हज़रत अबू बकर सिद्दीक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 2143 : रहमते आलम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने अलालते शदीदह की वजह से नमाज़ की इमामत का हुक्म किस को दिया था?

जवाब 2143 : हज़रत अबू बकर सिद्दीक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु को।

सवाल 2144 : हज़्रत अस्मा बिंते अबी बक्र रज़ि यल्लाहु अन्हुमा का लक़ब क्या था?

जवाब 2144 : ज़ातुन्नताक़ैन।

सवाल 2145 : ज़ातुन्नताक़ैन की वजहे तसमिया बताइए?

जवाब 2145 : हिज्रत की रात अपने कमर बन्द से तोशा बांधने का शर्फ हासिल किया था। (अस्माए रिजाल मिशकात)

सवाल 2146 : अमीरुल मोमिनीन हज़्रत अबू बकर सिद्दीक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु ने ख़िलाफत संभालने के बा़द दो अहेम कौन्से कारनामे अनजाम दिए?

जवाब 2146 : हज़्रत उसामा बिन ज़ैद रज़ि यल्लाहु अन्हु के लश्कर की रवांगी और मानिईने ज़क़ात व मुर्तद्दीन की यल्ग़ार का मुक़ाबला।

सवाल 2147 : सय्यदुना हज़्रत अबू बकर सिद्दीक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु के फर्ज़न्दाने मुहर्तम (लड़को) के अस्माए गिरा़मी बताइए?

जवाब 2147 : हज़्रत अब्दुल्लाह, हज़्रत अब्दुर्रहमान, हज़्रत मोहम्मद रज़ि यल्लाहु अन्हुम।

सवाल 2148 : एक सहाबी ने ग़ज़्वए तबूक के मौक़ा पर अपना पूरा माल व असबाब रसूलुल्लाह सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की बारगाह में पेश कर दिया क्या आप उनका इस्मे गिरामी बता सकते हैं?

जवाब 2148 : हज़्रत अबू बकर सिद्दीक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 2149 : रहमते आलम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की हयाते मुक़द्दसा में हज़रत अबू बकर सिद्दीक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु ने कित्नी नमाजों की इमामत फरमाई?

जवाब 2149 : सत्तरह नमाज़ो की।

सवाल 2150 : दुनियाए इस्लाम के सब्से पहले ख़तीब का इस्मे गिरामी बताइये?

जवाब 2150 : हज़रत अबू बकर सिद्दीक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु

(ज़ियाउन्नबी दोम स. 238)

सवाल 2151 : जो शख़्स हूरों में से किसी ख़ातून की ज़ियारत करना चाहे वह उन की ज़ियारत कर ले, किस के बारे में फरमाया गया?

जवाब 2151 : उम्मे रुमान ज़ौजा अबू बकर सिद्दीक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु।
(ज़ियाउन्नबी जि. 4 स. 122)

सवाल 2152 : एक ऐसे भी सहाबी गुज़्रे हैं जिन्हें अल्लाह तआला की जानिब से जिब्राईल अलैहिस्सलाम सलाम ले कर आए क्या आप को उन का इस्मे गिरामी मालूम है?

जवाब 2152 : हज़रत अबू बकर सिद्दीक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 2153 : वह कौन सहाबी हैं जो ख़लीफ़ा होने के बावजूद बैतुल्माल के छः हज़ार रुपया मक़रुज़ थे?

जवाब 2153 : अमीरुल मोमीनीन हज़रत अबू बकर सिद्दीक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 2154 : बवक़्ते विसाल हज़रत अबू बकर सिद्दीक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु आप के माल में कौन सा ज़ाएद माल था?

जवाब 2154 : एक गुलाम, एक लौंडी, दो ऊंटनियाँ।

सवाल 2155 : हज़रत अबू बकर सिद्दीक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु का दौलत ख़ाना किस मुहल्ला में था?

जवाब 2155 : मुहल्ला बनू जमह में।

सवाल 2156 : हज़रत अबू बकर सिद्दीक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु को वसीयत के मुताबिक़ गुस्ल किस ने दिया?

जवाब 2156 : हज़रत अली रज़ि यल्लाहु अन्हु ने।

ख़लीफ़ए दोम
हज़्रत सय्यदुना उमर फारुक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु

क़दर अल्लाहु अकबर किस क़दर फारुक़ आज़म की
सना करते हैं कुदसी अर्श पर फारुक़ आज़म की
अगर बअदे मोहम्मदमुसतफा कोई नबी होता !!
(सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम)
नबूवत ख़ल्क़ में होती उमर फारुक़ आज़म की
(रज़ि यल्लाहु अन्हु)

सवाल 2157 : इस्लाम के दूसरे ख़लीफ़ए राशिद का इस्मे गिरामी बताइये?

जवाब 2157 : हज़रत उमर रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 2158 : हज़रत उमर रज़ि यल्लाहु अन्हु ने कितने साल की उम्र में इस्लाम क़बूल किया?

जवाब 2158 : 26 साल की उम्र में। (ज़ियाउन्नबी दोम स. 258)

सवाल 2159 : अमीरुलमोमिनीन हज़रत उमर रज़ि यल्लाहु अन्हु का लक़ब किया था?

जवाब 2159 : फारुक़ आज़म ।

सवाल 2160 : रातों में भेस बदल कर रिआया के हालात मालूम करने वाले ख़लीफा का इस्मे गिरामी बताइये?

जवाब 2160 : हज़रत उमर फारुक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 2161 : हज़रत उमर फारुक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु ने क़बूल इस्लाम से क़ब्ल इस्लाम लाने के जुर्म में अपनी जिस बहेन को लहू लहान किया उन का इस्मे गिरामी क्या है?

जवाब 2161 : फातिमा बिन्ते ख़त्ताब रज़ि यल्लाहु अन्हा।

सवाल 2162 : कुर्आन पाक की किस आयत की तिलावत ने हज़रत उमर फारुक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु को इस्लाम लाने पर मज्बूर कर दिया?

जवाब 2162 : सब्बहा लिल्लाहि माफि स्समावाते वल अर्दे युहई व युमीतु व हुआ अला कुल्लि शैइन क़दीर।

सवाल 2163 : किस ख़लीफ़ा के अहेदको दौरे फुतूहात कहा जाता है?

जवाब 2163 : अमीरुल मोमिनीन हज़रत उमर फारुक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु के अहेद को।

सवाल 2164 : आयते हिजाब का नुजूल किस की ख़्वाहिश पर हुआ?

जवाब 2164 : हज़रत उमर फारुक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु की।

सवाल 2165 : ख़लीफए दोम की मुद्दते ख़िलाफ़त बताइये?

जवाब 2165 : 10 साल, 6 माह, 5 दिन।

सवाल 2166 : तीर व तल्वार लेकर अेलानिया हिज्रत करने वाले सहाबी का इस्मे गिरामी बताइये?

जवाब 2166 : हज़रत उमर फारुक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 2167 : हज़रत उमर फारुक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु के वालिदे गिरामी का नाम बताइये?

जवाब 2167 : ख़त्ताब बिन नुफ़ैल।

सवाल 2168 : हज़रत उमर फारुक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु की वालिदा का नाम बताइये?

जवाब 2168 : हन्तिमा बिंत हेशाम।

सवाल 2169 : हज़रत उमर फारुक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु किस सने हिज्री में ख़िलाफत की मस्नद पर रौनक़ अफ्रोज़ हुए?

जवाब 2169 : 23/जमादिल आख़िर 13 हिज्री में।

(नुज़्हतुल्क़ारी अव्वल स. 167)

सवाल 2170 : सबसे पहले मसाजिद को क़िन्दीलों (फानूस) से रोशन करने वाले ख़लीफा का इस्मे गिरामी बताइये ?

जवाब 2170 : हज़रत उमर फारुक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 2171 : सबसे पहले मस्जिदे हराम की तौसीअ (बढ़ाना) किस ख़लीफ़ा ने करवाई?

जवाब 2171 : हज़रत उमर फारुक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु ने।

सवाल 2172 : तरावीह़ की नमाज़ बा जमाअ़त बीस रकअ़त किस ख़लीफ़ा के अहेद में शुरू हुई ।

जवाब 2172 : अमीरुल मोमिनीन हज़रत उमर फारुक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु के। (तारीख़ुल ख़ुल्फा स. 97)

सवाल 2173 : रहमते आलम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के बाद हेजाज़ से यहूदियों को किस ने निकाला?

जवाब 2173 : अमीरुल मोमिनीन हज़रत उमर फारुक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु ने।

सवाल 2174 : दरियाए नील के नाम उस के जारी होने के लिए ख़त लिखने वाले सहाबी का इस्मे गिरामी बताइये?

जवाब 2174 : हज़रत उमर फारुक़ रज़ियल्लाहु अन्हु।

सवाल 2175 : दरियाए नील के जारी होने के लिये अहले मिश्र क्या करते थे?

जवाब 2175 : एक दोशीज़ा (कुवारी लड़की) की भेंट चढ़ाते थे।

सवाल 2176 : दरियाएनील के ख़ुश्क होने और दो शिज़ा की क़ुर्बानी के रस्म की इत्तेलअ (ख़बर) हज़रत उमर फारुक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु को किस ने दी?

जवाब 2176 : मिश्र के गवर्नर हज़रत अम्र बिन आस रज़ि यल्लाहु अन्हु ने।

सवाल 2177 : वह कौन से सहाबी हैं जिन्होंने अपने दुश्मने इस्लाम मामूं को क़त्ल कर दिया?

जवाब 2177 : हज़रत उमर फारुक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 2178 : हज़रत सय्यदुना उमर फारुक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु की कुन्नियत क्या थी?

जवाब 2178 : अबूल्हफ्स।

सवाल 2179 : हज़रत उमर रज़ि यल्लाहु अन्हु कब शहीद हुए?

जवाब 2179 : 28/ज़िलहिज्जा बरोज़ दो शंबा सन 23 हिज्री में।

(नुज़्हतुलक़ारी अव्वल स. 217)

सवाल 2180 : हज़रत उमर रज़ि यल्लाहु अन्हु की शहादत किस हालत में हुई?

जवाब 2180 : हालते नमाज़े फज्र में।

सवाल 2181 : हज़रत उमर फारुक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु की तदफीन कहाँ अमल में आई?

जवाब 2181 : ख़ास रौज़ए रसूल सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम में हज़रत सिद्दीक़ अकबर रज़ि यल्लाहु अन्हु के पहलू में।

सवाल 2182 : हज़रत सय्यदुना उमर रज़ि यल्लाहु अन्हु को रौज़-ए-रसूल में दफ्न होने की इजाज़त किस ने दी?

जवाब 2182 : हज़रत आइशा सिद्दीक़ा रज़ि यल्लाहु अन्हा ने।

सवाल 2183 : हज़रत उमर फारुक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु के क़ातिल का नाम बताओ?

जवाब 2183 : (अबू लू लू) फीरोज़ मजूसी जो मुग़ीरह बिन शोअबा रज़ि यल्लाहु अन्हु का गुलाम था। (नुज़्हतुक़ारी अव्वल स. 167)

सवाल 2184 : अबू लू लू मजूसी के हम्ला के बाद नमाज़े फज्र किस ने पढ़ाई?

जवाब 2184 : हज़रत अब्दुर्रहमान बिन औफ रज़ि यल्लाहु अन्हु ने।

सवाल 2185 : ख़लीफ़-ए-दोम हज़रत उमर फारुक़ आज़म रज़ि यल्लाहु अन्हु की कुल कितने साल की उम्र हुई?

जवाब 2185 : तिरीसठ साल की। (तारीख़ुल ख़ुल्फ़ा स 97)

सवाल 2186 : हज़रत उमर फारूक़ आज़म रज़ि यल्लाहु अन्हु को आप के बहनोई के कबूले इस्लाम की इत्तेलअ किस ने दी?

जवाब 2186 : हज़रत नओम बिन अब्दुल्लाह रज़ि यल्लाहुअन्हु ने।

सवाल 2187 : हज़रत उमर फारुक़ आज़म रज़ि यल्लाहु अन्हु के अहदे ख़िलाफ़त में कितनी मस्जिदें तअमीर हुँई?

जवाब 2187 : चार हज़ार मस्जिदें नमाज़े पंच गाना के लिये और नौ जामअ मस्जिदें।

सवाल 2188 : एक हज़ार छत्तीस 1036 शहेर मअ मज़ाफात किस के अहदे ख़िलाफ़त में फतेह हुए?

जवाब 2188 : हज़रत उमर फारूक़ आज़म रज़ि यल्लाहु अन्हु के।

सवाल 2189 : मक्का और मदीना के दरमियान हर मनज़िल पर कुएँ और सराए बन्वाने वाले ख़लीफ़ा का इस्मे गिरामी बताइये?

जवाब 2189 : हज़रत उमर फारूक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु ।

सवाल 2190 : हुदूदे हरम शरीफ में निशानात किस ख़लीफ़ा ने लग्वाए?

जवाब 2190 : हज़रत उमर फारूक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु ने।

सवाल 2191 : मसाएले दीनिया से नावाकिफ ताजिरों को बाज़ारे इस्लामिया में तिजारत से किस ने मना फरमाया?

जवाब 2191 : हज़रत सय्यदुना उमर रज़ि यल्लाहु अन्हु ने।

सवाल 2192 : हज़रत सय्यदुना उमर फारुक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु ने अपने दौरे ख़िलाफ़त में किस का वज़ीफ़ा दो लाख दिरहम सालाना मुक़र्रर फरमाया था?

जवाब 2192 : हज़रत अब्बास रज़ि यल्लाहु अन्हु का।

सवाल 2193 : सन हिज्री का इस्तेमाल दौरे फारूक़ी रज़ि यल्लाहु अन्हु में पहली मर्तबा कब से हुआ?

जवाब 2193 : यौमुल्ख़मीस 20/जमादिलऊला 17 हिज्री में।

(ज़ियाउन्नबी दोम सफह 39)

नोट : 12 जूलाई 638 ई. में उस का नेफाज़ (लागू होना) मम्लुकते इस्लामिया में हुआ।

सवाल 2194 : हज़रत उमर फारुक़ आज़म रज़ि यल्लाहु अन्हु ने अज़्वाजे मुतहहिरात का सालाना वज़ीफा किस क़दर मुक़र्ररफरमाया था?

जवाब 2194 : दस दस हज़ार दिरहम।

सवाल 2195 : बैतुल्माल किस ख़लीफ़ा ने क़ायम फरमाया?

जवाब 2195 : अमीरुल मोमिनीन हज़रत सय्यदुना उमर फारूक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु ने।

सवाल 2196 : मुजाहिदीन कीं पेनशन सब से पहले किस ने मुक़र्रर फरमाई?

जवाब 2196 : हज़रत उमर फारूक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु ने।

सवाल 2197 : सबसे पहले मुहकमात के दफ्तर किस ख़लीफा ने क़ाएम फरमाया?

जवाब 2197 : हज़रत उमर फारूक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु ने।

(मुहाज़िरतुल्अवायेल स. 97)

सवाल 2198 : मर्दुम शुमारी का काम दुनिया में सबसे पहले किस ख़लीफ़ा ने अन्जाम दिलवाया ?

जवाब 2198 : हज़रत उमर फारूक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु ने।

(तारीख़े इस्लाम अव्वल स. 638)

सवाल 2198 : सब्से पहले शराबी पर सज़ा की हद किस ने जारी की?

जवाब 2199 : हज़रत उमर फारूक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु ने।

(मुहाज़िरतुल्अवायेल सफह 97)

सवाल 2200 : मक़्बूज़ा इलाक़ों को सूबों में तक़्सीम की हिक्मत किस ख़लीफ़ा की है?

जवाब 2200 : हज़रत उमर फारूक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु की।

सवाल 2201 : मुल्कोंकी पैमाइश के लिये बाक़ायदा उसूल किस ने बनाया?

जवाब 2201 : हज़रत उमर फारुक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु ने।

(मुहाज़िरतुल्अवायेल स. 97)

सवाल 2202 : मम्लुकते इस्लामिया में जेल और पुलिस का मुहकमा सबसे पहले किस ने क़ायम किया?

जवाब 2202 : हज़रत उमर फारूक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु ने।

सवाल 2203 : हज़रत उमर फारूक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु की नमाजे जनाज़ा किस ने पढ़ाई?

जवाब 2203 : हज़रत सुहेब रुमी रज़ि यल्लाहु अन्हु ने।

(तारीख़ुल ख़ुल्फा स. 97)

सवाल 2204 : हज़रत उमर फारुक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु से कित्नी हदीसें मरवी हैं?

जवाब 2204 : 539। (नुज़्हतुल्क़ारी अव्वल स. 394)

सवाल 2205 : हज़रत उमर फारुक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु के अहेद की सब्से पहली जंग का नाम बताइये?

जवाब 2205 : जंगे यरमूक।

सवाल 2206 : शहरे कूफा किस के हुक्म से किस ने बसाया?

जवाब 2206 : हज़रत उमर फारूक़ के हुक्म से हज़रत सअ़द बिन अबी वक़ास (रज़ि यल्लाहु अन्हुमा) ने। शहरे कूफा में 1050 सहाब-ए-किराम आकर आबाद हुए थे जिन में 300 असहाब बैअ़ते रिज़वान थे और सत्तर अस्हाबे बद्र थे।

(नुज़्हतुल्क़ारी जि. 3 स. 211)

सवाल 2207 : बस्रह की बुन्नियाद ख़लीफ़-ए-दोम के हुक्म से किस ने रखी?

जवाब 2207 : हज़रत उक़बा बिन ग़ज़्वान रज़ि यल्लाहु अन्हु ने सन 17 हिजरी में। (नुज़्हतुल क़ारी जि. 3 स. 250)

सवाल 2208 : हज़रत सऔद बिन ज़ैद रज़ि यल्लाहु अन्हु किस के बहनोई थे?

जवाब 2208 : हज़रत उमर फारूक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु के।

सवाल 2209 : अमीरुल मोमिनीन हज़रत उमर रज़ि यल्लाहु अन्हु को फारूक़े आज़म का ख़िताब किस ने अता फरमाया?

जवाब 2209 : हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने।

सवाल 2210 : सबसे पहले ऐलानिया ख़ान-ए-कअबा में नमाज़ किसने पढ़ी?

जवाब 2210 : हज़रत उमर फारूक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु ने।

सवाल 2211 : कूफा, बस्रह, मोसिल, फस्तात जैसे शहेर किस ने आबाद कराए?

जवाब 2211 : हज़रत उमर फारूक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु ने।

सवाल 2212 : हज़रत सय्यदुना फारूक़े आज़म रज़ि यल्लाहु अन्हु के अहदे ख़िलाफ़त में ईरान का बादशाह कौन था?

जवाब 2212 : यज़्द गर्द।

सवाल 2213 : सब्से पहले घोड़ों की ज़कात किस ने वसूल करवाई?

जवाब 2213 : हज़रत उमर फारूक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु ने।

सवाल 2214 : कोड़े की सजा और दुर्रे की ईजाद किस सहाबी ने की?
जवाब 2214 : हज़रत उमर फारूक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु ने।
सवाल 2215 : जनाज़ह में चार तक्बीरों पर लोगों को किस ने जमा किया?
जवाब 2215 : हज़रत उमर फारूक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु ने।
सवाल 2216 : हज़रत उमर फारूक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु की जौज़ए अव्वल का इस्मे गिरामी बताइये ?
जवाब 2216 : हज़रत ज़ैनब बिन्ते मज़ऊन रज़ि यल्लाहु अन्हा।
सवाल 2217 : हज़रत उमर फारुक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु की तीस्री ज़ौजह का नाम बताइये?
जवाब 2217 : क़रीबा बिंते अबी उमैयह मख़ज़ूमी।
सवाल 2218 : रौज़-ए-रसूल सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम किस ने बनाया?
जवाब 2218 : हज़रत उमर रज़ि यल्लाहु अन्हु ने।
सवाल 2219 : हज़रते ज़ैनब बिंते मज़ऊन रज़ि यल्लाहु अन्हा से पैदा होने वाली औलाद के अस्माए गिरामी बताइये?
जवाब 2219 : हज़रत अब्दुल्लाह, अब्दुर्रहमान अक्बर, हफ़्सा रज़ि यल्लाहु अन्हुम।
सवाल 2220 : हज़रत उमर फारुक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु ने अपनी किस ज़ौजह को इस्लाम क़बूल न करने के जुर्म में तलाक़ दे दी थी?
जवाब 2220 : दूसरी बीवी मलीका बिंते जरवल ख़ुज़ाई को।
सवाल 2221 : हज़रत सय्यदुना उमर फारुक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु की चौथी ज़ौजा का नाम बताइये ?
जवाब 2221 : उम्मे हकीम बिंते हारिस।
सवाल 2222 : हज़रत उमर फारूक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु ने बअदे हिजरत मदीना शरीफ में किस से निकाह फरमाया?
जवाब 2222 : हज़रत जमीला बिन्ते आसिम अन्सारी रज़ि यल्लाहु अन्हुमा से। (पाँचवीं ज़ौजह थीं)
सवाल 2223 : अमीरुल मोमिनीन हज़रत उमर फारूक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु की छटी ज़ौजह का इस्मे गिरामी बताइये?
जवाब 2223 : हज़रत उम्मे कुलसूम बिन्ते अली रज़ि यल्लाहु अन्हुमा।
सवाल 2224 : हज़रत उमर फारुक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु की सातवीं

ज़ौजह मुहतरमा का नाम बताइये?

जवाब 2224 : आतिका बिंते ज़ैद बिन अमर बिन नफील।
(नुज़हतुलकारी जि. 3 स. 339)

सवाल 2225 : हज़रत सय्यदुना उमर फारूक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु का तअल्लुक़ कुरैश के किस कबीला की शाख़ से था?

जवाब 2225 : बनू अदी से।

सवाल 2226 : हज़रत उमर फारुक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु पर क़ातिलाना हम्ला कब हुआ?

जवाब 2226 : 27/ज़िलहिज्जा सन 23 हिजरी में।

सवाल 2227 : इल्मे फ़िक़ह की बुनियाद किस सहाबी ने रखी?

जवाब 2227 : हज़रत उमर फारूक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु ने।

सवाल 2228 : हज़रत सय्यदुना उमर फारुक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु ने अपने विसाल के वक़्त जिन छः मुक़तदर हज़रात की मजलिसे शूरा क़ायम फरमाई उन के अस्माए गिरामी बताइये?

जवाब 2228 : हज़रत उस्मान गनी, हज़रत अली, अब्दुर्रहमान बिन औफ, तलहा, ज़ुबैर इब्नुल अव्वाम सअद बिन अबी वक़ास रज़ि यल्लाहु अन्हुम।

सवाल 2229 : मजलिसे मुशावेरत के अरकान ने ख़लीफ़ा के इन्तिख़ाब की ज़िम्मेदारी किस को तफ़वीज़ फरमाई (सौंपी) थी?

जवाब 2229 : हज़रत अब्दुर्रहमान बिन औफ को (रज़ि यल्लाहु अन्हु)

सवाल 2230 : हज़रत उमर फारूक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु ने किस मुनाफिक़ का सर क़लम फरमाया था?

जवाब 2230 : आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के फैसिले को तस्लीम न करने वाले बिश्र नामी मुनाफिक़ का।

सवाल 2231 : फज्र की अज़ान में अस्सलातो ख़ैरुम्मिनन्नौम का इज़ाफा किस की ख़्वाहिश पर हुआ?

जवाब 2231 : हज़रत सय्यदुना उमर फारुक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु की ख़्वाहिश पर।

सवाल 2232 : नमाज़ के लिए अज़ान की तज्वीज़ (मशवरा) सब से पहले किस ने पेश की?

जवाब 2232 : हज़रत उमर फारूक रज़ि यल्लाहु अन्हु ने।

सवाल 2233 : हज़रत उमर फारूक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु के अहदे ख़िलाफ़त में फतहे ईरान के बअद कौन सा हुक्मराँ (हाकिम) मुल्क छोड़ कर भाग गया?

जवाब 2233 : यज़्द गर्द।

सवाल 2234 : वह कौन सहाबी हैं जो ख़लीफा होने के बावजूद फटा हुआ कुर्ता और फटा हुआ अ़मामा इस्तेमाल फरमाते थे?

जवाब 2234 : हज़रत उमर फारूक़ आज़म रज़ि यल्लाहु अन्हु जिन के कुर्ते में पैवंद लगे हुए थे।

सवाल 2235 : बैतुल मुक़द्दस में दाख़िले के वक़्त हज़रत उमर फारुक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु के कुर्ते में कित्ने पेवन्द लगे थे?

जवाब 2235 : चौदह 14।

सवाल 2236 : उन तीनों छावनियों के नाम बताओ जिस को अमीरुल मोमिनीन हज़रत उमर फारुक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु ने क़ायम फरमाया था?

जवाब 2236 : अ़ल्कूफा, अल्बस्रह, अल्फस्तात।

नोट : शहरे कूफा बाबिल के खंड़रात के क़रीब दरियाए फुरात के किनारे आबाद किया गया, जिस का माना है रेत का टीला, और अल्फुस्तात का माना है ख़ेमा गाह। यह हज़रत अम्र इब्नुल आ़स रज़ि यल्लाहु अन्हु के लिए नसब किया गया था। एक चिड़िया के घोंसेला बना लेने की वजह से ख़ेमा को न उजाड़ा गया। बअदहु उसी नाम से शहेर मनसूब हो गया।

सवाल 2237 : हज़रत सारिया रज़ियल्लाहु अन्हु के लश्कर की रहनुमाई दौराने ख़ुत्बा हज़रत उमर फारूक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु ने कहाँ से की और फासिला कित्ना था?

जवाब 2237 : मदीना मुनव्वरह से। नमाज़े जुमा के ख़ुतबा के दौरान जहाँ से लश्कर गाह की मसाफत एक माह की थी (तक़रीबन डेढ़ हज़ार मील)।

सवाल 2238 : सबसे पहले अमीरुल मूमिनीन का लक़ब किस को मिला?

जवाब 2238 : हज़रत उमर फारूक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु को।

सवाल 2239 : जिलावतनी की सज़ा किस सहाबी ने ईजाद की?

जवाब 2239 : हज़रत उमर फारूक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु ने।

सवाल 2240 : मक़ामे इब्राहीम को मुसल्ला किस की ख़्वाहिश पर बनाया गया?

जवाब 2240 : हज़रत उमर फारूक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु की।

सवाल 2241 : आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम को तौरेत पढ़ कर कौन से सहाबी सुनाया करते थे?

जवाब 2241 : हज़रत उमर फारूक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु।

ख़लीफ-ए-सोम
हज़रत सय्यदुना उसमान ग़नी रज़ि यल्लाहु अन्हु

ऐ ग़नी दिल ऐ मेरे दिल्दार उसमाने ग़नी
ऐ ग़रीबों के धनी ग़मख़्वार उसमाने ग़नी
कित्ने एहसाँ हैं तुम्हारे ऐ ज़माना के ग़नी
क़ौम की ख़ातिर हुए नादार उसमाने ग़नी
(रज़ि यल्लाहु अन्हु)

सवाल 2242 : इस्लामी तारीख़ के तीस्रे ख़लीफ़-ए-राशिद का इस्मे गिरामी बताइये?

जवाब 2242 : हज़रत उसमान ग़नी रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 2243 : हज़रत उस्मान ग़नी रज़ि यल्लाहु अन्हु कब मसनदे ख़िलाफ़त पर रौनक़ अफ्रोज़ (बैठे) हुए?

जवाब 2243 : यकुम मुहर्रमुल हराम 24 हिजरी में।

(नुज़हतुलक़ारी अव्वल स. 489)

सवाल 2244 : जामेउल क़ुरआन किस सहाबी का लक़ब है?

जवाब 2244 : हज़रत उसमान ग़नी रज़ि यल्लाहु अन्हु का।

सवाल 2245 : हिज्रते हब्शा ऊला और सानी दोनों में शरीक होने वाले खलीफ़ा का इस्मे गिरामी बताइये?

जवाब 2245 : अमीरुल मुमिनीन हज़रत उसमान ग़नी रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 2246 : जुन्नूरैन किस ख़लीफ़ा का लक़ब है?

जवाब 2246 : हज़रत उसमान ग़नी रज़ि यल्लाहु अन्हु का।

नूर की सरकार से पाया दो शाला नूर का
हो मुबारक तुम को जुन्नूरैन जोड़ा नूर का

सवाल 2247 : हज़रत उसमान ग़नी रज़ि यल्लाहु अन्हु के हाथ पर ख़िलाफ़त की बैअ़त सबसे पहले किस ने ली ?

जवाब 2247 : अब्दुर्रहमान बिन औफ़ रज़ि यल्लाहु अन्हु ने।

सवाल 2248 : मुल्के अफ़्रीक़ा किस ख़लीफ़ा के अहेद में फतह हुआ?

जवाब 2248 : हज़रत उसमान ग़नी रज़ि यल्लाहु अन्हु के।

सवाल 2249 : हज़रत उसमान ग़नी रज़ि यल्लाहु अन्हु के दौरे ख़िलाफ़त में आप के ख़िलाफ़ सर गरम बाग़ी कौन था?

जवाब 2249 : अब्दुल्लाह बिन सबा यहूदी।

सवाल 2250 : वह कौन सहाबी हैं जिन्हें ग़ज़्वए बद्र में शिर्कत के बगैर माले ग़नीमत से हिस्सा भी मिला और बदरी सहाबा में शुमार भी किये जाते हैं?

जवाब 2250 : हज़रत सय्यदुना उसमान ग़नी रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 2251 : हज़रत उसमान ग़नी रज़ि यल्लाहु अन्हु के वालिद का नाम बताइये?

जवाब 2251 : अफ्फान।

सवाल 2252 : हज़रत उसमान ग़नी रज़ि यल्लाहु अन्हु की वालिदा का नाम बताइये?

जवाब 2252 : दरवी बिन्ते करीज़ और बअज़ ने अरवा बताया है और यही मुहक़्क़क़ (सही) है हज़रत उसमान बिन अफ्फान रज़ि यल्लाहु अन्हु हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की फूफी उम्मे हकीमुल अबीजा बिन्ते अब्दुल मुत्तलिब की साहेबज़ादी अरवा के साहेबज़ादे हैं और यह हज़रत अब्दुल्लाह के साथ जुड़वाँ पैदा हुई थीं। नुज़्हतुलक़ारी अव्वल स. 489)

सवाल 2253 : हज़रत उसमान ग़नी रज़ि यल्लाहु अन्हु के निकाह में आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की कौन कौन साहब-

ज़ादियाँ यके बाद दीगरे दाख़िल हुईं?

जवाब 2253 : हज़रत रुकैया और हज़रत उम्मे कुलसूम रज़ि यल्लाहु अन्हुमा।

सवाल 2254 : हज़रत उम्मे कुलसूम रज़ि यल्लाहु अन्हा का विसाल कब हुआ?

जवाब 2254 : सन 9 हिज्री में।

सवाल 2255 : हज़रत उसमान ग़नी रज़ि यल्लाहु अन्हु को जामेउल कुर्आन क्यों कहा जाता है?

जवाब 2255 : आप ने पूरी उम्मत को एक ही लुग़त पर कुर्आन पढ़ने पर जमा फरमाया।

सवाल 2256 : किस ख़लीफ़ा की वालिदह रहमते आलम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की फूफी ज़ाद बहेन थीं?

जवाब 2256 : हज़रत उसमान ग़नी रज़ि यल्लाहु अन्हु की।

सवाल 2257 : आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने किस सहाबी के बारे मे फरमाया कि उन से मलाइका शर्म करते हैं?

जवाब 2257 : हज़रत उसमान ग़नी रज़ि यल्लाहु अन्हु के मुतअल्लिक़।

सवाल 2258 : हज़रत उसमान ग़नी रज़ि यल्लाहु अन्हु से कित्नी हदीसें मरवी हैं?

जवाब 2258 : 146 हदीसें। (नुज़्हतुलक़ारी अव्वल स. 490)

सवाल 2259 : ग़ज़्वए तबूक के मौक़ा पर हज़रत उसमान ग़नी रज़ि यल्लाहु अन्हु ने कितने ऊंट पेश किये?

जवाब 2259 : एक हज़ार मअ साज़ व सामान।

सवाल 2260 : उस कुआं का नाम बताइये जिस को ख़रीद कर हज़रत उसमान ग़नी रज़ि यल्लाहु अन्हु ने मुसलमानों के लिये वक़्फ फरमाया?

जवाब 2260 : बीरे रुमा पहले निस्फ (आधा) हिस्सा 12 हज़ार दिरहम में बअद में बक़िया निस्फ हिस्सा 8 हज़ार दिरहम में ख़रीदा। (राहतुल कुलूब स. 162)

सवाल 2261 : हज़रत लूत अलैहिस्सलाम के बअद अल्लाह तआला के लिये सबसे पहली हिजरत किस ने की ?

जवाब 2261 : हज़रत उसमान ग़नी रज़ि यल्लाहु अन्हु और आप की

ज़ौजह मुहतरमा बिन्तेरसूल सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने।

सवाल 2262 : सबसे पहले मुअज़्ज़िनों की तनख़्वाह किस ने मुक़र्रर फरमाई?

जवाब 2262 : हज़रत उसमान ग़नी रज़ि यल्लाहु अन्हु ने।

सवाल 2263 : अमीरुल मूमिनीन हज़रत उसमान ग़नी रज़ि यल्लाहु अन्हु का पेशा क्या था?

जवाब 2263 : ग़ल्ले कि तिजारत।

सवाल 2264 : जुमा की नमाज़ में दो अज़ानों का रवाज किस ख़लीफ़ा ने क़ायम किया?

जवाब 2264 : हज़रत उसमान गनी रज़ि यल्लाहु अन्हु ने।

(बुख़ारी शरीफ़ सफह 124)

सवाल 2265 : हज़रत उसमान ग़नी रज़ि यल्लाहु अन्हु ने तबलीग़े इस्लाम के लिये जो वफद हिन्दुस्तान रवाना फरमाया उस के सालार का नाम बताइये?

जवाब 2265 : हज़रत मुग़ीरह बिन शोअ़बा साबिक़ गवरनर कूफा।

सवाल 2266 : वफ़्द के लोग सबसे पहले हिन्दुस्तान में कहाँ दाख़िल हुए?

जवाब 2266 : माला बार में।

सवाल 2267 : अमीरे वफद की ज़बानी आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के हालात सुनने के बअद माला बार का राजा मुसलमान हुआ उस का नाम बताइये?

जवाब 2267 : राजा ज़मूरन।

सवाल 2268 : अहले मिश्र ने किस ख़लीफ़-ए-राशिद पर पानी बन्द कर रखा था?

जवाब 2268 : हज़रत उसमान ग़नी रज़ि यल्लाहु अन्हु पर।

सवाल 2269 : हज़रत उसमान ग़नी रज़ि यल्लाहु अन्हु पर कित्ने दिनों तक पानी बन्द था?

जवाब 2269 : मुतवातिर छः रोज़ तक।

सवाल 2270 : हज़रत उसमान ग़नी रज़ि यल्लाहु अन्हु के दौलत कदह पर पहरह देने वाले हज़रात का नाम बताइये?

जवाब 2270 : हज़रत इमाम हसन व इमाम हुसैन रज़ि यल्लाहु अन्हुमा।

सवाल 2271 : क़ातिले हज़रत उसमान ग़नी रज़ि यल्लाहु अन्हु का नाम बताइये?

जवाब 2271 : केनाना इब्ने बशीर या अस्वदुलतेजी।
(उमदतुल क़ारी जि. 3 स. 5)

सवाल 2272 : हज़रत उसमान ग़नी रज़ि यल्लाहु अन्हु की नमाज़े जनाज़ा किस ने पढ़ाई?

जवाब 2272 : हज़रत जुबैर बिन मुतअेम ने और बअज़ ने हज़रत ज़ुबैर इब्नुल अवाम रज़ि यल्लाहु अन्हुमा बताया है।

सवाल 2273 : हज़रत उसमान ग़नी रज़ि यल्लाहु अन्हु की शहादत कब वाक़े हुई?

जवाब 2273 : बरोज़ जुमअ अस्र के वक़्त 18 ज़िलहिज्जह सन 35 हिजरी में।

सवाल 2274 : हज़रत उसमान ग़नी रज़ि यल्लाहु अन्हु का रौज़ा कहाँ वाक़े है?

जवाब 2274 : जन्नतुल बक़ीअ् के एक हिस्सा हशे कौकब में।

सवाल 2275 : हज़रत उसमान ग़नी रज़ि यल्लाहु अन्हु की पूरी ज़िन्दगी कितने साल की हुई?

जवाब 2275 : 82 साल की। (नुज़्हतुलक़ारी अव्वल स. 490)

सवाल 2276: हज़रत उसमान ग़नी रज़ि यल्लाहु अन्हु के अहदे ख़िलाफ़त में, मिस्री, कूफ़ी और बस्री बलवाइयों ने बाग़ियाना तौर पर मदीना शरीफ़ का मुहासिरह कब किया?

जवाब 2276 : सन 34 हिजरी में।

सवाल 2277 : आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की अंगूठी मुबारका जो आप बतौरे मुहर इस्तेमाल फरमाते थे किन सहाबी की उंग्ली से कुएँ में गिर गई थी?

जवाब 2277 : हज़रत उसमान ग़नी रज़ि यल्लाहु अन्हु की उंग्ली से बीरे अरीस नामी कूएँ में।

सवाल 2278 : बवक़्ते शहादत हज़रत उसमान ग़नी रज़ि यल्लाहु अन्हु क्या कर रहे थे?

जवाब 2278 : क़ुर्आन पाक की तिलावत।

सवाल 2279 : हज़रत उसमान ग़नी रज़ि यल्लाहु अन्हु की वह कौन सी ज़ौजह हैं जिन की उंग्ली बलवाइयों ने काट डाली थीं?

जवाब 2279 : हज़रत नाएला रज़ि यल्लाहु अन्हा।

सवाल 2280 : हज़रत उसमान ग़नी रज़ि यल्लाहु अन्हु को दुनिया में जन्नती होने की बशारत कितनी मरतबा दी गई है?

जवाब 2280 : तीन मरतबा।

सवाल 2281 : तारीख़े इस्लाम में सबसे पहले बहरी फ़ुतूहात किस ने हासिल की?

जवाब 2281 : हज़रत उसमान ग़नी रज़ि यल्लाहु अन्हु ने।

सवाल 2282 : बहरी लड़ाई की इब्तेदा किस ने की?

जवाब 2282 : हज़रत उसमान ग़नी रज़ि यल्लाहु अन्हु ने।

सवाल 2283 : फ़ारस, खुरासान, सजिस्तान, अफ़्रीक़ा, साहिले शाम और बहरे रूम जैसे इलाक़े किस के अहेद में फतेह हुए?

जवाब 2283 : हज़रत उसमान ग़नी रज़ि यल्लाहु अन्हु के।

सवाल 2284 : सिन्ध और बेलुचिस्तान के मुतअददिद इलाक़ों में इस्लामी अलम किस के अहदे ख़िलाफ़त में लहराए गए?

जवाब 2284 : हज़रत उसमान ग़नी रज़ि यल्लाहु अन्हु के।

सवाल 2285 : हज़रत उसमान ग़नी रज़ि यल्लाहु अन्हु का तअल्लुक़ कुरैश के किस क़बीला से था?

जवाब 2285 : क़बीला बनी उमैया से।

सवाल 2286 : इस्लाम लाने के जुर्म में हज़रत उसमान ग़नी रज़ि यल्लाहु अन्हु का चचा आप को किस क़िस्म की तक्लीफ़ देता था?

जवाब 2286 : कच्चे चमड़े में लपेट कर रस्सी से बांध कर धूप में डाल दिया करता था। (ज़ियाउन्नबी दोम स. 322)

सवाल 2287 : किस की राय से मुहर्रम को इस्लामी साल का अव्वल माह क़रार दिया गया?

जवाब 2287 : हज़रत उसमान ग़नी रज़ि यल्लाहु अन्हु की।

सवाल 2288 : हज़रत उसमान ग़नी रज़ि यल्लाहु अन्हु की शहादत पर जिन्नों ने कितने दिनों तक नोहा किया और अश्आर पढ़ते रहे?

जवाब 2288 : तीन रोज़ तक मस्जिदे नबवी की छत पर।

सवाल 2289 : वह कौन खुश नसीब सहाबी हैं जिन के निकाह में एक नबी की दो साहेबज़ादियाँ दाख़िल हुईं?

जवाब 2289 : हज़रत उसमान ग़नी रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 2290 : हज़रत उसमान ग़नी रज़ि यल्लाहु अन्हु ने किस की तहरीक पर इस्लाम कुबूल किया?

जवाब 2290 : हज़रत अबू बकर सिद्दीक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु की।

❖❖❖

ख़लीफ़-ए-चहारुम हज़रत सैयदना अली बिन अबी तालिब कर्रमल्लाहु वज्हहू

हज़रते शेरे खुदा मौला अली मौला अली
रहबरे दीं पेश्वा मौला अली मौला अली
क़ादरी हों या कि चि ती आप सब के पेश्वा
आप के कूचे से निक्ली हर गली मौला अली मौला अली।

रज़ि यल्लाहु अन्हु

सवाल 2291 : इस्लाम के चौथे ख़लीफ़-ए-राशिद का इस्मे गिरामी बताइये?

जवाब 2291 : हज़रत अली रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 2292 : अमीरुल मुमिनीन हज़रत अली रज़ि यल्लाहु अन्हु के वालिद का नाम बताइये?

जवाब 2292 : अबू तालिब बिन अब्दुलमुत्तलिब।

सवाल 2293 : हज़रत अली रज़ि यल्लाहु अन्हु की वालिदा का नाम क्या है?

जवाब 2293: फातिमा बिन्ते असद रज़ि यल्लाहु अन्हा।

सवाल 2294 : हज़रत अली रज़ि यल्लाहु अन्हु के और कितने भाई थे?

जवाब 2294 : तीन। जिन के नाम अक़ील, जअफर, तालिब रज़ि यल्लाहु अन्हुम थे।

सवाल 2295 : हज़रत अली रज़ि यल्लाहु अन्हु के वालिदैन ने आप का क्या नाम रखा?

जवाब 2295 : वालिद ने अब्दुल्लाह और वालिदा ने ज़ैद।

सवाल 2296 : हज़रत अली रज़ि यल्लाहु अन्हु का नाम अली किस ने रखा?

जवाब 2296 : हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने।

सवाल 2297 : हज़रत अली रज़ि यल्लाहु अन्हु की कुन्नियत क्या थी?

जवाब 2297 : अबुल हसन, अबू तुराब।

सवाल 2298 : हज़रत अली रज़ि यल्लाहु अन्हु की सबसे बड़ी करामत बताइये?

जवाब 2298 : पाँव रकाब में रखते वक़्त कुर्आन मजीद की तिलावत शुरुअ फरमाते और दूसरा पाँव रकाब में पहुंचने से पहले ख़त्म फरमाते।

सवाल 2299 : हज़रत अली रज़ि यल्लाहु अन्हु के दादा का नाम बताइये?

जवाब 2299 : अब्दुल मुत्तलिब।

सवाल 2300 : हज़रत अली रज़ि यल्लाहु अन्हु किस वाहिद ग़ज़्वह में शरीक न हो सके?

जवाब 2300 : ग़ज़्वए तुबूक में।

सवाल 2301 : हज़रत अली रज़ि यल्लाहु अन्हु का ज़रियए मआश क्या था?

जवाब 2301 : ज़राअत के अेलावह इज़ख़िर नामी खुदरू घास जंगल से काट कर मदीना के बाज़ार में बेचते थे।

सवाल 2302 : हज़रत अली रज़ि यल्लाहु अन्हु की विलादत कहाँ हुई?

जवाब 2302 : ख़ानए कअबा में। (शरेह शिफा अव्वल स. 151)

सवाल 2303 : वह कौन सी पहली हा मी ख़ातून हैं जिन्होंने हाश्मी बच्चा जना?

जवाब 2303 : फातिमा बिंते असद बिन हाशिम वालिदह हज़रत अली रज़ि यल्लाहु अन्हु। (ज़ियाउन्नबी जि 3 स. 628)

नोट : हज़रत फातिमा बिन्ते असद ने आग़ाज ही में इस्लाम क़बूल कर लिया था और हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम से सगी माँ की तरह मुहब्बत करती थीं।

सवाल 2304 : आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने किस सहाबी के लिये हालते जनाबत में मस्जिदे अक़्दस में रहने को मबाह फरमा दिया?

जवाब 2304 : हज़रत अली रज़ि यल्लाहु अन्हु को।

सवाल 2305 : हज़रत अली रज़ि यल्लाहु अन्हु जिस कुर्सी पर तशरीफ फरमा कर मुक़ददेमात का फैसिला करते थे उस का नाम बताइए

जवाब 2305 : शर्तुल्लाह।

सवाल 2306 : हज़रत अली रज़ि यल्लाहु अन्हु की ज़ौजियत में आका सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की कौन सी साहेबज़ादी दाख़िल थीं?

जवाब 2306 : हज़रत सय्यदह फातिमा रज़ि यल्लाहु अन्हा।

सवाल 2307 : हज़रत अली रज़ि यल्लाहु अन्हु की दूसरी ज़ौजह मुहतरमा का इस्मे गिरामी बताइये?

जवाब 2307 : उम्मुल बनीन बिन्ते ख़राम रज़ि यल्लाहु अन्हा।

सवाल 2308 : हज़रत अली रज़ि यल्लाहु अन्हु की तीसरी ज़ौजह मुहतरमा का इस्मे गिरमी बताइये?

जवाब 2308 : हज़रत लैला बिन्ते मसऊद रज़ि यल्लाहु अन्हा।

सवाल 2309 : हज़रत अली रज़ि यल्लाहु अन्हु की चौथी ज़ौजा मुहतरमा का इस्मे गिरामी बताइये?

जवाब 2309 : हज़रत अस्मा बिन्ते उमैस रज़ि यल्लाहु अन्हा।

सवाल 2310 : हज़रत अली रज़ि यल्लाहु अन्हु की पाँच्वीं ज़ौजा मुहतरमा का इस्मे गिंरामी बताइये?

जवाब 2310 : उमामा बिन्ते अबिलआस ज़ैनब बिंते रसूलुल्लाह सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम। (रज़ि यल्लाहु अन्हुम)

सवाल 2311 : हज़रत अली रज़ि यल्लाहु अन्हु की छटी ज़ौजह मुहतरमा का नाम बताइये?

जवाब 2311 : ख़ोला बिंते जअफर हनफिया रज़ि यल्लाहु अन्हा।

सवाल 2312 : हज़रत अली रज़ि यल्लाहु अन्हु की सात्वीं ज़ौजह मोहतरमा का नाम बताइये?

जवाब 2312 : हज़रत सईदा बिन्ते अुरवह रज़ि यल्लाहु अन्हा।

सवाल 2313 : हज़रत अली रज़ि यल्लाहु अन्हु की आठवीं ज़ौजह मुहतरमा का नाम बताओ?

जवाब 2313 : सैहबा बिन्ते रबिअह रज़ि यल्लाहु अन्हा।

सवाल 2314 : हज़रत अली रज़ि यल्लाहु अन्हु की नवीं ज़ौजह मुहतरमा का नाम बताइये?

जवाब 2314 : महया बिन्ते इम्रउल कैस।

सवाल 2315 : हज़रत अब्बास, जअफर अब्दुल्लाह, और उसमान रज़ि यल्लाहु अन्हुम की वालिदह का इस्मे गिरामी बताइये?

जवाब 2315 : उम्मुल बनीन बिन्ते खराम रज़ि यल्लाहु अन्हा।

सवाल 2316 : बवक्ते निकाह हज़रत अली व फातिमह रज़ि यल्लाहु अन्हुमा की उमरें क्या थीं?

जवाब 2316 : हज़रत अली की उम्र 21 साल 5 माह और हज़रत फातिमह की 15 साल साढ़े पांच माह (रज़ि यल्लाहु अन्हुमा)

सवाल 2317 : हज़रत अली रज़ि यल्लाहु अन्हु के साहेबज़ादे अब्दुल्लाह और अबू बकर रज़ि यल्लाहु अन्हुमा की वालिदह का नाम बताइये?

जवाब 2317 : लैला बिन्ते मसऊद रज़ि यल्लाहु अन्हा।

सवाल 2318 : हज़रत अस्मा बिन्ते उमैस रज़ि यल्लाहु अन्हा की बतन से पैदा होने वालों के अस्माए गिरामी बताइये?

जवाब 2318 : मुहम्मद, अस्गार, यहया रज़ि यल्लाहु अन्हुम।

सवाल 2319 : हज़रत अली रज़ि यल्लाहु अन्हु के साहेबज़ादे मुहम्मद औसत की वालिदा का इस्मे गिरामी बताइंये?

जवाब 2319 : हज़रत उमामा बिन्ते अबिल आस ज़ैनब बिन्ते रसूलुल्लाह सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम (रज़ि यल्लाहु अन्हुमा)।

सवाल 2320 : मोहम्मद अकबर अल मअ्रूफ बेही मोहम्मद बिन हन्फीया बिन अली रज़ि यल्लाहु अन्हुमा की वालिदह का इस्मे गिरामी बताइये?

जवाब 2320 : ख़ोला बिन्ते जअफर हन्फीया रज़ि यल्लाहु अन्हा।

सवाल 2321 : हज़रत मोहम्मद बिन हनफियह से किसी ने कहा कि तुम्हारे वालिद हज़रत अली, हसन और हुसैन को किसी जंग में नही भेजते और तुम्हें मौत के मुंह में धकेल देते हैं तो आप ने क्या जवाब दिया था? (रज़ि यल्लाहु अन्हुम)

जवाब 2321 : फरमाया हसन व हुसैन मेरे वालिद की आँखें हैं और मैं बाज़ू हूं, आँख का काम अलग है और बाज़ू का अलग है।

सवाल 2322 : उम्मुल हसन, मिल्लतुलकुबरा, उम्मे कुलसूम रज़ि यल्लाहु अन्हुम की वालिदह माजिदह का इस्मे गिरामी बताइये?

जवाब 2322 : सईदह बिन्ते अुरवह रज़ि यल्लाहु अन्हा।

सवाल 2323 : हज़रत रुक़ैया बिन्ते अली रज़ि यल्लाहु अन्हा की वालिदा माजिदा का इस्मे गिरामी बताइये?

जवाब 2323 : सैहबा बिन्ते रबिअह रज़ि यल्लाहु अन्हा।

सवाल 2324 : आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने बाबुल इल्म किस को फरमाया?

जवाब 2324 : हज़रत अली रज़ि यल्लाहु अन्हु को।

सवाल 2325 : हज़रत सय्यदुना अली कर्रमल्लाहु वज्हहु की तारीख़े विलादत क्या है?

जवाब 2325 : 13/रजब बरोज़, जुमअ ऐलाने नबूवत से दस साल क़ब्ल।

(नुज़्हतुलक़ारी अव्वल स. 293)

सवाल 2326 : हज़रत अली रज़ि यल्लाहु अन्हु की शहादत कब हुई?

जवाब 2326 : 21/रमज़ान सन 36 हिज्री को।

सवाल 2327 : क़ातिले हज़रत अली रज़ि यल्लाहु अन्हु का नाम बताइये?

जवाब 2327 : इब्ने मुलजिम। (तारीख़ुल ख़ुल्फा स. 123)

सवाल 2328 : इब्ने मुलजिम क़ातिले हज़रत अली रज़ि यल्लाहु अन्हु का अस्ल नाम क्या था?

जवाब 2328 : अब्दुर्रहमान।

सवाल 2329 : बताइये इब्ने मुलजिम कहाँ का रहने वाला था?

जवाब 2329 : मिश्र का।

सवाल 2330 : उस फाहिशा का नाम बताओ जिस की शर्त पूरी करने के लिये इब्ने मुलजिम ने अमीरुल मुमिनीन हज़रत अली रज़ि यल्लाहु अन्हु को शहीद किया?

जवाब 2330 : क़तामह।

सवाल 2331 : क़तामह का तअल्लुक़ किस क़बीले से था?

जवाब 2331 : क़बीला तैमुर्रुबाब से ।

सवाल 2332 : क़तामह ने हज़रत अली रज़ि यल्लाहु अन्हु को शहीद करवाने की वजह क्या बताई?

जवाब 2332 : लश्करे अली रज़ि यल्लाहु अन्हु ने जंगे नहेरवान में क़तामह के 12 रिश्तेदारों को क़त्ल किया था।

सवाल 2333 : क़तामह ने इब्ने मुल्ज़िम को अपना महेर क्या बताया था?

जवाब 2333 : तीन हज़ार नक़्द एक ख़ूबसूरत कनीज़ और हज़रत अली कर्रमल्लाहु वजहहू का क़त्ल।

सवाल 2334 : इब्ने मुलजिम ने हज़रत अली रज़ि यल्लाहु अन्हु को किस हालत में शहीद किया?

जवाब 2334 : सज्दा से सर उठाते वक़्त तल्वार से हम्ला किया।

सवाल 2335 : क़त्ले हज़रते अली रज़ि यल्लाहु अन्हु में इब्ने मुल्ज़िम के साथ शरीक होने वाले दोनों बदबख़्तों के नाम बताओ?

जवाब 2335 : शबीब ख़बीस और दरदान ख़बीस यह दोनों ख़ारजी थे।

सवाल 2336 : दुनिया का सबसे बड़ा अमान नामा किस को मिला?

जवाब 2336 : हज़रत अली कर्रमल्लाहु वज्हहु को।

सवाल 2337 : क़िले ख़ैबर के मालिक मरहब ने हज़रत अली कर्रमल्लाहु वज्हहु के मक़ाबले में जब अपनी बहादुरी में शेअर पढ़ा था तो आप का जवाब क्या था?

जवाब 2337 : इन्नल्लज़ी सुम्मिय उम्मीयुन हैदरेही कलैसा शुग़ायातिव करीहिल मनजरी।

तरजुमा : मैं वह हूँ जिस का नाम मेरी माँ ने शेरे ख़ुदा रखा है जो जंगल के शेरों की तरह ख़ौफ़नाक है।

सवाल 2338 : हज़रत अली रज़ि यल्लाहु अन्हु के क़ातिल को किस ने गिरफ्तार करवाया?

जवाब 2338 : क़ातिल के चचा ज़ाद भाई ने।

सवाल 2339 : हज़रत अली रज़ि यल्लाहु अन्हु को गुस्ल किस ने दिया?

जवाब 2339 : हज़रत अब्दुल्लाह बिन जअफर ने जबकि मोहम्मद बिन हन्फीया पानी डालते रहे। (रज़ि यल्लाहु अन्हुम)

सवाल 2340 : हज़रत अली रज़ि यल्लाहु अन्हु की नमाज़े जनाज़ा किस ने पढ़ाई?

जवाब 2340 : हज़रत इमाम हसन रज़ि यल्लाहु अन्हु ने।

(तारीख़ुल-ख़ुल्फ़ा स. 123)

सवाल 2341 : हज़रत सय्यदुना अली कर्रमल्लाहु वज्हहु का रौज़ा कहाँ वाक़ेअ है?

जवाब 2341 : नजफ अशरफ में।

सवाल 2342 : सबसे पहले ख़लीफ़ा जिन के वालिदैन हाश्मी थे उन का इस्मे गिरामी बताइये?

जवाब 2342 : हज़रत अली रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 2343 : हज़रत अली रज़ि यल्लाहु अन्हु ने अपना दारुलख़ेलाफ़ा मदीना से कूफ़ा कब मुनतक़िल फरमाया (बदला) ?

जवाब 2343 : 26 हिजरी में।

सवाल 2344 : हज़रत अली रज़ि यल्लाहु अन्हु के अहदे ख़िलाफ़त में तीन जंगे वाक़ेअ हुई हैं उन के नाम बताइये?

जवाब 2344 : जंगे जुमल, जंगे सिफ्फैन, जंगे नहेरवान।

सवाल 2345: जंगे जुमल के बअद हज़रत अली रज़ि यल्लाहु अन्हु ने अपना दारुल ख़ेलाफा किस शहेर को बनाया ?

जवाब 2345 : कूफ़ा को।

सवाल 2346 : हज़रत अली कर्रमल्लाहु वजहहु की पूरी ज़िन्दगी कितने साल की हुई?

जवाब 2346 : 63 (तिरीसठ) साल की। (मुसन्नदे इमाम आज़म सफह 113)

सवाल 2347 : जंगे उहद में शेरे खुदा हज़रत अली रज़ि यल्लाहु अन्हु के जिस्म पर कितने जख़्म आए थे?

जवाब 2347 : 16 (सोलह)।

सवाल 2348 : हज़रत अली रज़ि यल्लाहु अन्हु से कितनी हदीसें मरवी हैं?

जवाब 2348 : 586 अहादीस। (नुज़्हतुलक़ारी अव्वल स. 394)

सवाल 2349 : अमीरुल मोमिनीन हज़रत अली रज़ि यल्लाहु अन्हु की मुश्ते ख़िलाफ़त बताइये?

जवाब 2349 : पौने पांच साल ।

सवाल 2350 : हज़रत उसमान गनी रज़ि यल्लाहु अन्हु की शहादत के कितने दिनों के बअद कूफा दारुल-खेलाफ़ा बना?

जवाब 2350 : सात 7 माह बअद।

सवाल 2351 : अब्दुल्लाह बिन सबा यहूदी हज़रत उसमान ग़नी रज़ि

यल्लाहु अन्हु के ख़िलाफ़ सर गर्म बागी और अली रज़ि यल्लाहु अन्हु की शहादत का बानी किस जंग में क़त्ल हुआ?

जवाब 2351 : जंगे नहेरवान में।

सवाल 2352 : शहनशाहे दो जहाँ सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने सर्दी और गर्मी से मुतअस्सिर न होने की दुआ बताइये किस के लिए फरमाई थी?

जवाब 2352 : हज़रत अली रज़ि यल्लाहु अन्हु के लिए।

जंगे जुमल व सिफ़्फ़ैन
हज़रत अमीर मुआविया रज़ि यल्लाहु अन्हु

सवाल 2353 : हज़रत अमीर मुआविया रज़ि यल्लाहु अन्हु हिजरत से कितने साल क़ब्ल पैदा हुए?

जवाब 2353 : आठ साल क़ब्ल। (नुज़्हतुलक़ारी अव्वल स. 367)

सवाल 2354 : जंगे सिफ़्फ़ैन किन के दर्मियान वाक़ेअ़ हुई?

जवाब 2354 : हज़रत अली व अमीर मआविया रज़ि यल्लाहु अन्हुमा के दर्मियान।

सवाल 2355 : जंगे सिफ़्फ़ैन में हज़रत अली कर्रमल्लाहु वजहु के लश्कर की तअदाद क्या थी?

जवाब 2355 : 90 हज़ार।

सवाल 2356 : जंगे सिफ़्फ़ौन में कितने मुसलमान शहीद हुए?

जवाब 2356 : तक़रीबन 90 हज़ार।

सवाल 2357 : हज़रत अली व हज़रत आइशा सिद्दीक़ा रज़ि यल्लाहु अन्हुमा के दरमियान कौन सी जंग हुई?

जवाब 2357 : जंगे जुमल।

सवाल 2358 : जंगे जुमल किस सने हिजरी में वाक़ेअ़ हुई?

जवाब 2358 : जमादिल आख़िर सन 36 हिजरी में।

सवाल 2359 : जुमल का नाम जंगे जुमल क्यों पड़ा?

जवाब 2359 : जंगे जुमल में हज़रत आइशा सिद्दीक़ा रज़ि यल्लाहु अन्हा के जुमल (ऊंट) को ज़्यादा अहमियत हासिल थी।

सवाल 2360 : जंगे जुमल में कितने मुसलमान शहीद हुए?

जवाब 2360 : 3 हज़ार।

सवाल 2361 : जंगे सिफ़्फ़ैन के रास्ते में चश्मे से एक बड़ी चटान को किस ने हटाया?

जवाब 2361 : हज़रत अली रज़ि यल्लाहु अन्हु ने।

सवाल 2362 : सिफ़्फ़ैन के रास्ते के कनीसह के उस राहिब का नाम बताओ जिस ने हज़रत अली रज़ि यल्लाहु अन्हु के दस्ते हक़ परस्त पर इस्लाम क़बूल किया?

जवाब 2362 : शमऊन बिन यूहन्ना।

सवाल 2363 : शमऊन बिन यूहन्ना ने ताख़ीर से इस्लाम क़बूल करने की वजह क्या बताई?

जवाब 2363 : किताब में लिखा है कि इस चट्टान को हटा कर चश्मा निकालने वाला इस कनीसे का फातेह होगा और वह या तो रसूले इलाही होगा या दामादे रसूल होगा।

सवाल 2364 : हज़रत अमीर मुआविया रज़ि यल्लाहु अन्हु के वालिदे गिरामी का इस्मे गिरामी बताइये?

जवाब 2364 : हज़रत अबू सुफियान रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 2365 : हज़रत अमीर मुआविया रज़ि यल्लाहु अन्हु ने हज़रत उसमान ग़नी रज़ि यल्लाहु अन्हु का खून आलूद पैराहन और आप की अहलिया की कटी हुई उंग्ली कहाँ रखी थी?

जवाब 2365 : दमिश्क़ की जामा मस्जिद के मिंबर पर लटका दिया था।

सवाल 2366 : हज़रत अमीर मुआविया रज़ि यल्लाहु अन्हु का मुजतहिद होना बुख़ारी शरीफ में किस रावी से मरवी है?

जवाब 2366 : हज़रत सय्यदुना इब्ने अब्बास रज़ि यल्लाहु अन्हु से।

सवाल 2367 : हज़रत अमीर मुआविया रज़ि यल्लाहु अन्हु का विसाल कब हुआ?

जवाब 2367 : सन 60 हिजरी में। (नुज़्हतुलक़ारी अव्वल स. 368)

सवाल 2368 : मुहकमए डाक का बाक़ायदा इन्तेज़ाम किस सहाबी ने किया?

जवाब 2368 : हज़रत अमीर मुआविया रज़ि यल्लाहु अन्हु ने।

सवाल 2369 : तारीख़े इस्लाम को किताबी शक्ल में तदवीन (जमा) फरमाने वाले सहाबी का इस्मे गिरामी बताइए?

जवाब 2369 : हज़रत अमीर मुआविया रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 2370 : वह कौन से सहाबी हैं जिन की चार पुश्तों में ख़िलाफत चली आ रही थी?

जवाब 2370 : हज़रत अमीर मुआविया रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 2371 : हज़रत अमीर मुआविया रज़ि यल्लाहु अन्हु से कितनी हदीसें मरवी हैं?

जवाब 2371 : एक सो तिरीसठ (163) हदीसैं। (नुज़्हतुलक़ारी अव्वल स. 368)

सवाल 2372 : हज़रत अमीर मुआविया रज़ि यल्लाहु अन्हु को ख़लीफ-ए-दोम ने किस सन में शाम का वाली बनाया था?

जवाब 2372 : 19 हिजरी में। (नुज़हतुलक़ारी अव्वल स. 368)

सवाल 2373 : वह कौन से सहाबी हैं जिन्हें तमाम मोमिनीन का मामू कहा जाता है?

जवाब 2373 : हज़रत अमीर .मआविया रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 2374 : मुस्लिम हुक्मरानों में से सब से पहले बहरी बेड़ा किस ने तैयार करवाया?

जवाब 2374 : हज़रत अमीर मुआविया रज़ि यल्लाहु अन्हु ने।

सवाल 2375 : कौन से सहाबी रहमते आलम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के ज़्यादह अर्सा तक कातिबे वही रहे?

जवाब 2375 : हज़रत अमीर मुआविया रज़ि यल्लाहु अन्हु ।

सवाल 2376 : सबसे पहले सवार हो कर रमिये जिमार किस ने की?

जवाब 2376 : हज़रत अमीर मुआविया रज़ि यल्लाहु अन्हु ने।

सवाल 2377 : अव्वल मुलूके इस्लाम का इस्मे गिरामी बताइए?

जवाब 2377 : हज़रत अमीर मुआविया रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 2378 : जंगे नहेरवान में ख़्वारिज के ख़िलाफ़ हज़रत अली रज़ि यल्लाहु अन्हु ने अपनी फौज के पैदल दस्ते का कमांडर किस को बनाया था?

जवाब 2378 : हज़रत अबू क़तादह रज़ि यल्लाहु अन्हु को।

सवाल 2379 : हज़रत अमीर मुआविया रज़ि यल्लाहु अन्हु कब ईमान लाए?

जवाब 2379 : सुल्हे हुदैबिया से पहले।

सवाल 2380 : सबसे पहले अज़ान के लिये मीनारह किस ने बनवाया?

जवाब 2380: हज़रत अमीर मुआविया रज़ि यल्लाहु अन्हु ने।

सहाब-ए-किराम
हज़रत सय्यदुना अमीर हमज़ा रज़ि यल्लाहु अन्हु

सवाल 2381 : वह कौन से सहाबी हैं जिन का कलेजह दांतो से चबाया गया?

जवाब 2381 : हज़रत अमीर हमज़ह रज़ि यल्लाहु अन्हु

सवाल 2382 : हज़रत अमीर हमज़ह रज़ि यल्लाहु अन्हु का कलेजा किस ने चबाया?

जवाब 2382 : हिन्दह ने।

सवाल 2383 : हज़रत अमीर हमज़ह रज़ि यल्लाहु अन्हु की साहेबज़ादी अम्मारह रज़ि यल्लाहु अन्हा को मक्कह से कौन सहाबी लाए थे?

जवाब 2383 : हज़रत अली रज़ि यल्लाहु अन्हु। (ज़ियाउन्नबी जि. 4 स. 342)

सवाल 2384 : जंगे उहद के 37 साल बाद सन 40 हिजरी में हज़रत अमीर मुआवियह रज़ि यल्लाहु अन्हु के हुक्म से उहद की उस तरफ से एक नहेर खोदी गई थी जहाँ शहीदाने उहद की क़बरें थीं एक शहीद के पाँव में कुदाल लग्ने की वजह से ख़ून के फव्वारे जारी होगए क्या आप को उन का इस्मे गिरामी मालूम है?

जवाब 2384 : हज़रत अमीर हमज़ह रज़ि यल्लाहु अन्हु। (मदारेजुन्नबूवह तर्जुमा दोम स. 246)

सवाल 2385 : हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने हज़रत अम्मारह की किफालत का हुक्म किस को दिया था?

जवाब 2385 : हज़रत जअफर रज़ि यल्लाहु अन्हु को क्योंकि उन की अहलिया अम्मारह की ख़ाला थीं। (ज़ियाउन्नबी जि. 4 स. 342)

सवाल 2386 : हिन्दह के शौहर का इस्मे गिरामी बताइये?

जवाब 2386 : हज़रत अबू सुफियान रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 2387 : हज़रत अमीर हमज़ह रज़ि यल्लाहु अन्हु का कलेजा किस जंग में दांतों से चबाया गया?

जवाब 2387 : ग़ज़्वए उहद में।

सवाल 2388 : हिन्दह के बाप का नाम बताओ?

जवाब 2388 : उक़्बह।

सवाल 2389 : हज़रत अमीर हमज़ह रज़ि यल्लाहु अन्हु आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम से कितने साल बड़ थे?

जवाब 2389 : चार साल ।

सवाल 2390 : हज़रत अमीर हमज़ह रज़ि यल्लाहु अन्हु की कुन्नियत क्या थी?

जवाब 2390 : अबू अम्मारह और अबू याली।

सवाल 2391 : हज़रत अमीर हमज़ह रज़ि यल्लाहु अन्हु के क़ातिल का नाम बताओ?

जवाब 2391 : वहशी बिन हरब।

सवाल 2392 : वहशी बिन हरब का दूसरा नाम क्या था?

जवाब 2392 : अबू दस्मा।

सवाल 2393 : हज़रत अमीर हमज़ह रज़ि यल्लाहु अन्हु, हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के रिश्ते में कौन थे?

जवाब 2393 : आप के चचा थे।

सवाल 2394 : हज़रत अमीर हमज़ह रज़ि यल्लाहु अन्हु किस सन हिजरी में शहीद हुए?

जवाब 2394 : सन 3 हिजरी में ।

सवाल 2395 : हज़रत अमीर हमज़ह रज़ि यल्लाहु अन्हु की नमाज़े जनाज़ा किस ने पढ़ाई?

जवाब 2395 : हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने।

सवाल 2396 : आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने हज़रत अमीर हमज़ह रज़ि यल्लहु अन्हु की जनाज़ह में कितनी तकबीरें पढ़ीं?

जवाब 2396 : 70 सत्तर।

सवाल 2397 : सय्यदु शुहदा का लक़ब किस सहाबी को अता हुआ?

जवाब 2397 : हज़रत अमीर हमज़ह रज़ि यल्लाहु अन्हु को।

सवाल 2398 : वहशी बिन हरब किस के गुलाम थे?

जवाब 2398 : ज़ुबैर बिन मुतइम के।

सवाल 2399 : हज़रत अमीर हमज़ह रज़ि यल्लाहु अन्हु का मज़ार कहाँ वाकेअ है?

जवाब 2399 : कोहे उहद के दामन मे।

सवाल 2400 : इस्लामी फौज के सबसे पहले कमान्डर का इस्मे गिरामी बताइये?

जवाब 2400 : हज़रत अमीर हमज़ह रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 2401 : हज़रत मोहम्मद मुस्तफा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने अपने ख़ानदान के किस शहीद की नमाज़े जनाज़ा पढ़ाई?

जवाब 2401 : हज़रत अमीर हमज़ह रज़ि यल्लाहु अन्हु की।

सवाल 2402 : रहमते आलम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने इस्लामी परचम सबसे पहले किस को अता (दिया) फरमाया ?

जवाब 2402 : हज़रत अमीर हमज़ह रज़ि यल्लाहु अन्हु को।

सवाल 2403 : वह कौन सहाबी हैं जिन्होंने हज़रत जिब्रईल अलैहिस्सलाम को अस्ल सूरत में देखा?

जवाब 2403: हज़रत अमीर हमज़ह रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 2404 : हज़रत अमीर हमज़ह रज़ि यल्लाहु अन्हु की ज़ौजह (बीवी) का नाम बताइए?

जवाब 2404 : सलमा बिन्ते उमैस रज़ि यल्लाहु अन्हा।

सवाल 2405 : हज़रत अमीर हमज़ह रज़ि यल्लाहु अन्हु की ज़ौजह (बीवी) हज़रत खूला बिन्ते क़ैस रज़ि यल्लाहु अन्हा के बतन से किस की विलादत हुई?

जवाब 2405 : हज़रत अम्मारह रज़ि यल्लाहु अन्हु की जिन की निस्बत से आप की कुन्नियत अबू अम्मारह है।

सवाल 2406 : जंगे बद्र में एक सहाबी अपनी दस्तार (पगड़ी) में शुतुर मुर्ग़ की कल्ग़ी लगाए लड़ रहे थे, उन का इस्मे गिरामी बताइये?

जवाब 2406 : हज़रत अमीर हमज़ह रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 2407 : ग़ज़्वए उहद में कुरैश के एक मशहूर जंग्जू उसमान बिन अबी तल्हा को किस सहाबी ने क़त्ल किया था उन का नारह किया था?

जवाब 2407 : हज़रत अमीर हमज़ह रज़ि यल्लाहु अन्हु ने और आप ने

नारह लगाया था" यह ले मैं साक़िए हुज्जाज (अब्दुल मुत्तलिब) का बेटा हूँ"।

हज़रत सय्यदना बिलाल हब्शी रज़ि यल्लाहु अन्हु

सवाल 2408 : हज़रत बिलाल हब्शी रज़ि यल्लाहु अन्हु को किस ने ख़रीद कर आज़ाद करवाया था?

जवाब 2408 : हज़रत अबू बकर सिद्दीक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु ने क़िसतास नामी गुलाम को भी उस के हवाले कर दिया था जिस की क़ीमत कई हज़ार दीनार थी। (ज़ियाउन्नबी जि. 2 स. 328)

सवाल 2409 : मुअज़्ज़िने (अज़ान देने वाला) रसूल हज़रत बिलाल हब्शी रज़ि यल्लाहु अन्ह का विसाल कब हुआ?

जवाब 2409 : सन 21 हिजरी में।

सवाल 2410 : इस्लाम के मुअज़्ज़िने अव्वल का इस्मे गिरामी बताइये?

जवाब 2410 : हज़रत बिलाल हब्शी रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 2411 : हज़रत बिलाल हब्शी रज़ि यल्लाहु अन्हु कहाँ के रहने वाले थे?

जवाब 2411 : हब्शा "ईरान" के।

सवाल 2412 : हज़रत बिलाल हब्शी रज़ि अल्लाहु अन्हु के वालिद का नाम बताइये?

जवाब 2412 : रिबाह।

सवाल 2413 : हज़रत बिलाल हब्शी रज़ि यल्लाहु अन्हु की वालिदा का नाम क्या था?

जवाब 2413 : हमामह रज़ि यल्लाहु अन्हा जिन्हें एक ज़ालिम संग दिल से आज़द कराया गया था। (ज़ियाउन्नबी दोम स. 328)

सवाल 2414 : गुलामों में सबसे पहले इस्लाम की दौलत से मुशर्रफ़ होने वाले सहाबी का इस्मे गिरामी बताइये?

जवाब 2414 : हज़रत बिलाल हब्शी रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 2415 : हज़रत बिलाल हब्शी रज़ि यल्लाहु अन्हु किस के गुलाम थे?

जवाब 2415 : उमय्या बिन ख़लफ़ के।

सवाल 2416 : गुलामों में काफिरों ने सबसे ज़्यादा किस को तक्लीफ़ पहुंचाई?

जवाब 2416 : हज़रत बिलाल हब्शी रज़ि यल्लाहु अन्हु को।

सवाल 2417 : सरकारे दोआलम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की घरेलू ख़िदमत अन्जाम देने वाले सहाबी का इस्मे गिरामी बताइये?

जवाब 2417 : हज़रत बिलाल हब्शी रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 2418 : हज़रत बिलाल हब्शी रज़ि यल्लाहु अन्हु का मज़ार कहाँ वाके है?

जवाब 2418 : दमिश्क़ के क़ब्रिस्तान बाबु स्सग़ीर में।

सवाल 2419 : हज़रत बिलाल हब्शी रज़ि यल्लाहु अन्हु क़्यामत के दिन किस हालत में किस सवारी पर आएँगे?

जवाब 2419 : ऊंटनी पर अज़ान पढ़ते हुए।

सवाल 2420 : मुसल्मानों में सबसे पहले गुलाम कौन हुए?

जवाब 2420 : हज़रत बिलाल हब्शी रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 2421 : ईदैन और नमाज़े इस्तिसक़ा के मौक़ा पर आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के आगे बरछा लेकर कौन से सहाबी चला करते थे?

जवाब 2421 : हज़रत बिलाल हब्शी रज़ि यल्लाहु अन्हु।

❖❖❖

हज़रत सय्यदना खालिद बिन वलीद रज़ि यल्लाहु अन्हु

ज़ल्ज़ले जिन से शहेनशाहों के दरबारों में थे
बिजलियों के आशियाने जिन की तल्वारों में थे।

सवाल 2422 : सैफुल्लाह (अल्लाह की तल्वार) किस सहाबी का लक़ब था?

जवाब 2423 : हज़रत ख़ालिद बिन वलीद रज़ि यल्लाहु अन्हु का।

सवाल 2423 : हज़रत ख़ालिद बिन वलीद रज़ि यल्लाहु अन्हु ने किस सने हिजरी में इस्लाम क़बूल किया?

जवाब 2423 : सन 8 हिजरी में।

सवाल 2424 : हज़रत ख़ालिद बिन वलीद रज़ि यल्लाहु अन्हु को किस जंग के मौक़ा पर मअज़ूली (बरतरफ़ी) का परवाना हुक्म नामा मिला?

जवाब 2424 : जंगे यरमूक में।

सवाल 2425 : हज़रत ख़ालिद बिन वलीद रज़ि यल्लाहु अन्हु की मअज़ूली का परवाना लेजाने वाले क़ासिद का नाम बताइये?

जवाब 2425 : यर्फा नामी हब्शी गुलाम, जिसे ख़लीफ-ए-दोम ने आज़ाद फरमाया था।

सवाल 2426 : एक सहाबी के जनाज़ह पर उन की बहेन को देख कर हज़रत उमर फारुक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु ने शिद्दते ग़म से मुह फेर लिया और बे इख़्तियार रोने लगे बताइये वह जनाज़ह किस का था?

जवाब 2426 : हज़रत ख़ालिद बिन वलीद रज़ि यल्लाहु अन्हु का।

सवाल 2427 : हज़रत ख़ालिद बिन वलीद रज़ि यल्लाहु अन्हु को किस ख़लीफ़ा ने मअज़ूल (बर्ख़्वास्त) फरमाया?

जवाब 2427 : हज़रत सय्यदुना उमर फारूक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु ने।

सवाल 2428 : क़बूले इस्लाम के बाद हज़रत ख़ालिद बिन वलीद रज़ि यल्लाहु अन्हु ने सबसे पहले किस जंग में हिस्सा लिया?

जवाब 2428 : जंगे मौतह में।

सवाल 2429 : वह बुत ख़ाना जहाँ उज़्ज़ा (देवी) नामी बुत था किस ने मुनहदिम (तोड़ा) किया?

जवाब 2429 : हज़रत ख़ालिद बिन वलीद रज़ि यल्लाहु अन्हु ने।

सवाल 2430 : लात नामी बुत तोड़ने का फरीज़ा किस ने अनजाम दिया?

जवाब 2430 : हज़रत ख़ालिद बिन वलीद रज़ि यल्लाहु अन्हु ने।

सवाल 2431: रहमते आलम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने यमन की जानिब मुबल्लिग़ व मुअल्लिम (सिखाने वाला) बनाकर किस सहाबी को रवाना फरमाया?

जवाब 2431 : हज़रत ख़ालिद बिन वलीद रज़ि यल्लाहु अन्हु को।

सवाल 2432 : हज़रत ख़ालिद बिन वलीद रज़ि यल्लाहु अन्हु के हम्राह (साथ) किन हज़रात ने इस्लाम क़बूल किया?

जवाब 2432 : हज़रत उसमान बिन तल्हा, हज़रत अम्र बिन आ़स रज़ि यल्लाहु अन्हुमा ने।

सवाल 2433 : जंगे मौतह में हज़रत ख़ालिद बिन वलीद रज़ि यल्लाहु अन्हु के हाथों कितनी तल्वारें टूटी थीं?

जवाब 2433 : नौ (9) तल्वारें।

सवाल 2434 : हज़रत ख़ालिद बिन वलीद रज़ि यल्लाहु अन्हु का मज़ार कहाँ वाक़ेअ है?

जवाब 2434 : हिम्स की जामे मस्जिद में।

सवाल 2435 : वह कौन सहाबी हैं जिन की क़ब्र के सिरहाने आज भी तल्वार और ढाल लटक रही है?

जवाब 2435 : हज़रत ख़ालिद बिन वलीद रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 2436 : हज़रत ख़ालिद बिन वलीद रज़ि यल्लाहु अन्हु ने एक मरतबा बिस्मिल्लिाह पढ़ कर ज़हेर पी लिया था और ज़हेर ने कुछ नुक़्सान न दिया, ये वाक़ेआ कहाँ वक़ू पज़ीर (पज़ीर) हुआ?

जवाब 2436 : मक़ामे हीरह में।

सवाल 2437 : आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने हज़रत ख़ालिद बिन वलीद रज़ि अल्लाहु अन्हु को सैफुल्लाह (अल्लाह की तल्वार) का ख़िताब कब अता फरमाया था?

जवाब 2437 : जंगे मौतह के मौक़ा पर।

हज़्रत सय्यदना सअ़द बिन अबी वक़ास रज़ि यल्लाहु अन्हु और जंगे क़ादसिया

दश्त तो दश्त है दरिया भी ने छोड़े हम ने
बहरे जुल्मात में दौड़ा दिये घोड़े हम ने

सवाल 2438 : दरियाए दज्ला में घोड़े दोड़ाने वाले मुजाहिदीन के सालार का इस्मे गिरामी बताइये?

जवाब 2438 : हज़रत सअ़द बिन अबी वक़ास रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 2439 : मुसलमानों की जानिब से पहला तीर मुशरिकीन पर किस ने चलाया?

जवाब 2439 : हज़रत सअ़द बिन अबी वक़ास रज़ि यल्लाहु अन्हु ने।

सवाल 2440 : जंगे क़ादसियह में ईरानी लश्कर का सिपह सालार कौन था?

जवाब 2440 : सल्तनते ईरान का वज़ीरे दिफ़ा रुस्तम।

सवाल 2441 : जंगे क़ादसियह में मुसलमानों के सिपह सालार का इस्मे गरामी बताइए?

जवाब 2441 : हज़रत सअ़द बिन अबी वक़ास रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 2442 : हज़रत सअ़द बिन अबी विक़ास रज़ि यल्लाहु अन्हु का अस्ल नाम बताईए?

जवाब 2442 : मालिक। (नुज़हतुलक़ारी अव्वल स. 282)

सवाल 2443 : हज़रत सअ़द बिन अबी वक़ास रज़ि यल्लाहु अन्हु ने एक शख़्स के लिए दराज़िए (लम्बी) उम्र की बद्दुआ की थी जिस से उस की उम्र तवील हो गई और तरह तरह की परेशानियों में गिरफतार हो गया, बताइये वह कौन था और ऐसा क्यों हुआ?

जवाब 2443 : उसामा बिन क़तादह जिस ने तोहमत लगाइ थी कि वह न जिहाद पर जाते हैं और न माले ग़नीमत की तक़सीम बराबर करते हैं?

सवाल 2444 : रुसतम पर बरछे से हमला किस ने किया था?

जवाब 2444 : हज़रत हिलाल बिन अल्क़मह रज़ि यल्लाहु अन्हु ने।

सवाल 2445 : जंगे क़ादसिया के उस नक़ाब पोश मुजाहिद का इस्मे गिरामी बताइये जिस ने क़ैद ख़ाने में वापस आने का वअदह करके हज़रत सअ़द बिन अबी वक़ास रज़ि यल्लाहु अन्हु के घोड़े पर सवार हो कर ईरानियों की सफों को दरहम बरहम कर दिया?

जवाब 2445 : हज़रत अबू मुहज्जन सक़्फी रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 2446 : जंगे क़ादसिया में जो ईरानी झंडा था आप क्या उस झंड़े का नाम बता सकते हैं?

जवाब 2446 : दुरफश।

सवाल 2447 : जंगे क़ादसिया में ईरानी परचम किस के हाथ लगा?

जवाब 2447 : हज़रत ज़रीर इब्नुल ख़त्ताब रज़ि यल्लाहु अन्हु के।

सवाल 2448 : हज़रत ज़रार इब्बनुल ख़त्ताब रज़ि यल्लाहु अन्हु को ईरानी परचम सरनुगूँ करने (झुकाने) के अेवज़ (बदले) में कितने दिरहम दिये गए?

जवाब 2448 : 30 हज़ार।

सवाल 2449 : रुसतम का लिबास और उस का जंगी सामान किस मुजाहिद सहाबी को मिला?

जवाब 2449 : क़ातिले रुसतम हज़रत हिलाल बिन अल्क़मह रज़ि यल्लाहु अन्हु को।

सवाल 2450 : क़ादसिया की जंग में कितने मुजाहिदीन शहीद हुए?

जवाब 2450 : 40 हज़ार।

सवाल 2451 : दरियाए दजला में घोड़े दौड़ाने वाले मुजाहिदीन की तअदाद क्या थी?

जवाब 2451 : 60 हज़ार।

सवाल 2452 : जंगे क़ादसिया के दौरान ईरानी दारुस्सल्तनत (राजधानी) कहाँ थी?

जवाब 2452 : मदाइन, जो क़ादसिया से 30 मील के फासिले पर था।

सवाल 2453 : दरियाए दज्ला जिस दिन मुसलमानों ने अुबूर किया था उस दिन को तारीख़े इस्लाम में क्या कहा जाता है?

जवाब 2453 : यौमुलमाअ।

सवाल 2454 : बअदे जंगे क़ादसिया सअ़द बिन अबी वक़ास रज़ि यल्लाहु अन्हु ने किस शहेर की बुन्नियाद डाली?

जवाब 2454 : शहेर बसरह की जहाँ दज्लह फ़ुरात से मिलता है।

सवाल 2455 : हज़रत सअ़द बिन अबी वक़ास रज़ि यल्लाहु अन्हु का मज़ार कहाँ वाक़ेअ है?

जवाब 2455 : शहरे हिम्स के अन्दर।

सवाल 2456 : शहरे हिम्स के अन्दर कितने सहाबी शुहदा के मज़ारात हैं?

जवाब 2456 : तक़रीबन तीन सौ।

सवाल 2457 : जंगे क़ादसिया में इस्लामी फौजी कमाण्डर का मुक़ाबला किस से हुआ?

जवाब 2457 : ईरानी सिपह सालार रुसतम से।

सवाल 2458 : हज़रत सअ़द बिन अबी वक़ास रज़ि यल्लाहु अन्हु की कुन्नियत क्या थी?

जवाब 2458 : अबू इसहाक़। (नुज़हतुल क़ारी अव्वल स. 282)

सवाल 2459: मुवर्रिख़ीन के नज़्दीक इस्लाम की हिमायत (मदद) में पहली ख़ूँ रेज़ी (क़त्ल) किस सहाबी के हाथों अ़मल में आई?

जवाब 2459 : हज़रत सअ़द बिन अबी वक़ास रज़ि यल्लाहु अन्हु के हाथों जब एक ऊंट की हड्डी से मुशरिक के सर पर मारा था।

सवाल 2460 : अेराक़ी सर ज़मीन पर शहरे मदायेन के ऐवाने (महल) किस्रा में पहली नमाज़े जुमअ किस ने अदा फरमाई?

जवाब 2460 : हज़रत सअ़द बिन अबी वक़ास रज़ि यल्लाहु अन्हु ने।

सवाल 2461 : अश्र-ए-मुबश्शेरह में सबसे आख़िर में किस का विसाल हुआ?

जवाब 2461 : हज़रत सअ़द बिन अबी वक़ास रज़ि यल्लाहु अन्हु का।

सवाल 2462 : हज़रत सअ़द बिन अबी वक़ास रज़ि यल्लाहु अन्हु का विसाल कब हुआ ?

जवाब 2462 : सन 57 हिजरी में, जन्नतुल बक़ीअ में दफ्न हुए बउम्र 70 साल से ज़ाएद। (नुज़हतुल क़ारी अव्वल स. 282)

सवाल 2463 : हज़रत सअ़द बिन अबी वक़ास रज़ि यल्लाहु अन्हु का पेशा क्या था?

जवाब 2463 : तीर बना कर बेच्ते थे।

सवाल 2464 : रहमते दोआलम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने सहाबए किराम में से किस के लिए मुस्तजाबुद्दावात (जिसकी दुआ कुबूल हो) होने की दुआ फरमाइ थी?

जवाब 2464 : हज़रत सअ़द बिन अबी वक़ास रज़ि यल्लाहु अन्हु के लिए।

हज़रत सैयदना सलमान फारसी रज़ि यल्लाहु अन्हु

सवाल 2465 : वह कौन सहाबी हैं जो गवर्नर होने के बावजूद चटाईयाँ बना कर गुज़ारह करते थे?

जवाब 2465 : हज़रत सलमान फारसी रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 2466 : हज़रत सलमान फारसी रज़ि यल्लाहु अन्हु कहाँ के गवर्नर थे?

जवाब 2466 : मदाएन के।

सवाल 2467 : हज़रत सलमान फारसी रज़ि यल्लाहु अन्हु का मज़ार कहाँ वाक़ेअ् है?

जवाब 2467 : मदाएन में दीवारे महले नौशेरवाँ के क़रीब।

सवाल 2468 : हज़रत सलमान फारसी रज़ि यल्लाहु अन्हु का लक़ब क्या था?

जवाब 2468 : सल्मानुलख़ैर।

सवाल 2469 : सब से पहले इस्लाम क़बूल करने वाले ईरानी शख़्स का नाम बताइए?

जवाब 2469 : हज़रत सलमान फारसी रज़ि यल्लाहु अन्हु ।

सवाल 2470 : हज़रत सलमान फारसी रज़ि यल्लाहु अन्हु के क़दीम मज़हब में किस की इबादत होती थी?

जवाब 2470 : अब्लक़ नामी घोड़े की।

सवाल 2471 : हज़रत सलमान फारसी रज़ि यल्लाहु अन्हु का क़दीम (पुराना) नाम बताइए?

जवाब 2471 : माबह बिन बूज़ख़्शां। (हाशिया असेहहुस्सेदर स. 144)

सवाल 2472 : हज़रत सलमान फारसी रज़ि यल्लाहु अन्हु ने अपने आक़ा से आज़ाद होने के लिए कौन सी शर्त तैय की थी?

जवाब 2472 : 40, ओक़ियह सोना और तीन सो पौदे लगाना, जिसे सहाब-ए-किराम ने आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के हुक्म से पूरा फरमाया।

सवाल 2473 : आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने एक सहाबी के बारे में फरमाया कि मेरे अहले बैत से हैं, क्या आप उन का इस्मे गिरामी बता सकते हैं?

जवाब 2473 : हज़रत सलमान फारसी रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 2474 : हज़रत सलमान फारसी रज़ि यल्लाहु अन्हु अस्फहान के रहने वाले थे, बताइए कौन सी ज़बरदस्त किताब के आलिम थे?

जवाब 2474 : इन्जील मुक़द्दस के। (मरदाने अरब . अव्वल स. 86)

हज़रत सय्यदुना ज़ैद बिन हारिसा रज़ि यल्लाहु तआला अन्हु

सवाल 2475 : वह कौन से सहाबी हैं जिन का ज़िक्र कुर्आन मजीद में नाम के साथ आया है?

जवाब 2475 : हज़रत ज़ैद बिन हारिसह रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 2476 : आज़ाद गुलामों में सब से पहले इस्लाम लाने वाले सहाबी का नाम बताइए?

जवाब 2476 : हज़रत ज़ैद बिन हारिसह बिन शराहीलु कअ़बी रज़ि०।

सवाल 2477 : बताइए हज़रत ज़ैद बिन हारिसह रज़ि यल्लाहु अन्ह ने लिखना कैसे सीखा?

जवाब 2477 : बद्र की लड़ाई में गिरफ्तार शुदगान कैदियों के ज़रीये।
(सीरतुन्नबी जि. 1, स. 41)

सवाल 2478 : हज़रत ज़ैद बिन हारिसा रज़ि यल्लाहु अन्हु की वालिदा क़बीलए तैय की किस शाख़ से थीं?

जवाब 2478 : शाख़े बनू मअ़न से।

सवाल 2479 : हज़रत उसामा बिन ज़ैद रज़ि अल्लाहु अन्हु की वालिदा उम्मे ऐमन रज़ि अल्लाहु अन्हा से कितनी हदीसें मरवी हैं?

जवाब 2479 : 128, अहादीस। सन 54 हिजरी बउम्र 55 साल विसाल फरमाया।
(नुज़हतुल क़ारी अव्वल स. 451)

सवाल 2480 : हज़रत ज़ैद बिन हारिसह रज़ि यल्लाहु अन्हु को कितनी दफअ़ सालार बनाया गया?

जवाब 2480 : नौ (9) बार।

सवाल 2481 : वह कौन सहाबी हैं जिन के लिए आक़ा अलैहिस्सलाम ने फरमाया मैं उन का वारिस हूँ वह मेरा वारिस है?

जवाब 2481 : हज़रत ज़ैद बिन हारिसह रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 2482 : इस्लामी सिपहसालारों में सब से कम उम्र सिपहसालार का इस्मे गिरामी बताइए?

जवाब 2482 : हज़रत उसामा बिन ज़ैद रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 2483 : हज़रत ख़दीजह रज़ि यल्लाहु अन्हा ने किस गुलाम को आक़ा सल्लल्लाहो अलैहिवसल्लम की बारगाह में पेश किया था?

जवाब 2483 : हज़रत ज़ैद बिन हारिसह रज़ि यल्लाहु अन्हु को।

सवाल 2484 : हज़रत ज़ैद बिन हारिसह रज़ि यल्लाहु अन्हु की वालिदा का नाम बताइए?

जवाब 2484 : सअ़दी बिन्ते सअल्बा। (नुज़हतुल क़ारी अव्वल स. 452)

सवाल 2485 : हज़रत ज़ैद बिन हारिसह रज़ि यल्लाहु अन्हु की कुन्नियत क्या थी?

जवाब 2485 : अबू उसामा।

सवाल 2486 : हज़रत ज़ैद बिन हारिसह रज़ि यल्लाहु अन्हु के साहेबज़ादे का इस्मे गिरामी बताइए?

जवाब 2486 : हजरत उसामा रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 2487 : रसूलुल्लाह सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के मुह बोले बेटे का इस्मे गिरामी बताइए?

जवाब 2487 : हज़रत ज़ैद बिन हारिसह रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 2488 : रसूलुल्लाह सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के ख़ादिमे मत्बख़ सहाबी का इस्मे गिरामी बताइए?

जवाब 2488 : हज़रत उसामा बिन ज़ैद रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 2489 : रहमते आलम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने इब्रानी ज़बान सीखने का हुक्म किस सहाबी को दिया?

जवाब 2489 : हज़रत ज़ैद बिन हारिसह रज़ि यल्लाहु अन्हु को।

सवाल 2490 : हुजूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने अपने विसाल से क़ब्ल जो ल कर शाम की तरफ रवाना फरमाया था उस लश्कर के सालार का इस्मे गिरामी बताइये?

जवाब 2490 : हज़रत उसामा बिन ज़ैद रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 2491 : हज़रत ज़ैद बिन हारिसह रज़ि यल्लाहु अन्हु को लुटेरों ने अग़वा करके किस बाज़ार में फरोख़्त किया (बेचा) था?

जवाब 2491 : बाज़ारे अुकाज़ में।

सवाल 2492 : अनजुमने सहाबा में वह कौन ख़ुश नसीब बाप बेटे हैं जो मुहिब्बे रसूल कहलाते हैं?

जवाब 2492 : हज़रत जैद बिन हारिसह और उसामा बिन ज़ैद रज़ि यल्लाहु अन्हुमा।

सवाल 2493 : हज़रत उसामा बिन ज़ैद रज़ि यल्लाहु अन्हुमा मअ लश्कर के किस मक़ाम पर पहुंचे कि हुजूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम का विसाल हो गया?

जवाब 2493 : मक़ामे ज़ी ख़ुशब।

सवाल 2494 : हज़रत उसामा बिन ज़ैद रज़ि यल्लाहु अन्हु को हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के आख़िरी वक़्त की इत्तिला (ख़बर) किस के ज़रिया दी गई?

जवाब 2494 : आप की वालिदह उम्मे ऐमन ने क़ासिद (ऐलची) रवाना फरमा कर। (ज़ियाउन्नबी जि. 4 स. 796)

सवाल 2495 : हज़रत ज़ैद बिन हारिसह रज़ि यल्लाहु अन्हु के वालिद और चचा ने फिदियह (जाने छुड़ाने का बदला) देकर जब आप को लेजाना चाहा तो आप ने क्या ज़वाब दिया, इमाम अहमद रज़ा की ज़बान में बताइये?

जवाब 2495 :

तेरे क़दमों में जो हैं ग़ैर का मुंह क्या देखें
कौन नज़रों पे चढ़े देख के तल्वा तेरा
तेरे टुकड़ों से पले ग़ैर की ठोकर पे न डाल
झिड़कियां खाएँ कहाँ छोड़ के सदक़ा तेरा

सवाल 2496 : हज़रत उसामा बिन ज़ैद रज़ि यल्लाहु अन्हु एक बहुत बड़े लश्कर के साथ शाम की तरफ कब रवाना हुए?

जवाब 2496 : 26/ सफर सन 11 हिजरी बरोज़ दोशंबा को।

सवाल 2497 : हज़रत ज़ैद बिन हारिसह रज़ि यल्लाहु अन्हु को किस ने किस के लिए ख़रीदा था?

जवाब 2497 : हकीम बिन हेज़ाम ने अपनी फूफी हज़रत ख़दीज़ह रज़ि यल्लाहु अन्हा के लिए। (नुज़हतुल क़ारी अव्वल स. 452)

सवाल 2498 : हज़रत ज़ैद बिन हारिसा रज़ि यल्लाहु अन्हु की वालिदा आप को बचपन में अपने क़बीलह बनू मअ़न के पास ले जा रही थीं तो किस जमाअत ने लूट लिया था?

जवाब 2498 : बनू क़ीन की एक जमाअत ने।

सवाल 2499 : हकीम बिन हेज़ाम ने हज़रत ज़ैद बिन हारिसा रज़ि यल्लाहु अन्हु को कितने दिरहम में ख़रीदा था?

जवाब 2499 : चार सो दिरहम में। (ज़ियाउन्नबी दोम स. 157)

हज़रत सय्यदुना हन्ज़ला रज़ि यल्लाहु अन्हु

सवाल 2500 : ग़सीलुल मलाइका किस सहाबी का लक़ब है?

जवाब 2500 : हज़रत हन्ज़लह रज़ि यल्लाहु अन्हु का।

सवाल 2501: जिहाद में शिर्कत के लिए शादी की पहली रात भी न

गुज़ारने वाले सहाबी इस्लाम की राह में शहीद हो गए क्या उन का इस्मे गिरामी बता सकते हैं?

जवाब 2501 : हज़रत हन्ज़लह रज़ि यल्लाहु अन्हु ।

सवाल 2502 : हज़रत हन्ज़लह रज़ि यल्लाहु अन्हु किस जंग में शहीद हुए?

जवाब 2502 : गज़्वए उहद में।

सवाल 2503 : हज़रत हन्ज़लह रज़ि यल्लाहु अन्हु के वालिद का नाम बताइए?

जवाब 2503 : अबू आमिर फ़ासिक़। (ज़ियाउन्नबी जि. 3 स. 495)

सवाल 2504 : हज़रत हन्ज़ला रज़ि यल्लाहु अन्हु की ज़ौजह मुहतरमा का इस्मे गिरामी बताइए?

जवाब 2504 : जमीला बिंते अब्दुल्लाह उबै बिन सुलूल रज़ि यल्लाहु अन्हा।

❖❖❖

हज़रत सैयदना ज़ुबैर इब्नुल अ़व्वाम रज़ि यल्लाहु अन्हु

सवाल 2505 : इस्लाम की राह में सबसे पहले तल्वार उठाने वाले सहाबी का इस्मे गिरामी बताइये?

जवाब 2505 : हज़रत ज़ुबैर इब्नुल अ़व्वाम रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 2506 : रहमते आलम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के कौन से फूफी ज़ाद भाई सहाबी थे?

जवाब 2506 : हज़रत ज़ुबैर इब्नुल अ़व्वाम रज़ि यल्लाहु अन्हु हज़रत सफिया रज़ि यल्लाहु अन्हा के बेटे हैं।

सवाल 2507 : वह कौन सहाबी हैं जिन का चचा इस्लाम लाने के जुर्म में चटाई में लपेट कर धूनी देता था?

जवाब 2507 : हज़रत ज़ुबैर इब्नुल अ़व्वाम रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 2508 : हवारिए (मददगार) रसूल सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम किस सहाबी को कहा जाता है?

जवाब 2508 : हज़रत ज़ुबैर इब्नुल अ़व्वाम रज़ि यल्लाहु अन्हु को।

सवाल 2509 : किस सहाबी की जंगी तदबीर (चाल) से अफ़्रीक़ा फतेह हुआ?

जवाब 2509 : हज़रत ज़ुबैर इब्नुल अ़व्वाम रज़ि यल्लाहु अन्हु की।

सवाल 2510 : हज़रत जुबैर इब्नुल अव्वाम रज़ि यल्लाहु अन्हु ने अफ़्रीका के जिस बादशाह को क़त्ल किया उस का नाम बताइए?

जवाब 2510 : जरजीस।

सवाल 2511 : हज़रत जुबैर इब्नुल अव्वाम रज़ि यल्लाहु अन्हु ने कितने साल की उम्र में इस्लाम क़बूल किया?

जवाब 2511 : 16, साल की उम्र में, सिद्दीक़ अकबर रज़ि यल्लाहु अन्हु के हाथ पर बिल्कुल इब्तेदा ही में।

(नुज़हतुल क़ारी अव्वल स. 395)

सवाल 2512 : ग़ज़्वए बद्र के मौक़अ पर किस सहाबी के सर पर ज़र्द अमामा देख कर सरवरे दोआलम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने फरमाया कि आज मुसलमानों की मदद के लिए फरिश्ते भी ज़र्द अमामा बाँध कर आस्मान से उतरे हैं?

सवाल 2512 : हज़रत जुबैर इब्नुल अव्वाम रज़ि यल्लाहु अन्हु के सर पर।

सवाल 2513 : हज़रत जुबैर इब्नुल अव्वाम रज़ि यल्लाहु अन्हु से कितनी हदीसें मरवी हैं?

जवाब 2513 : 38,अहादीस। (नुज़हतुल क़ारी अव्वल स. 395)

सवाल 2514 : हज़रत जुबैर इब्नुल अव्वाम रज़ि यल्लाहु अन्हु को किस ने कहाँ शहीद किया?

जवाब 2514 : बसरा के क़रीब वादिए सबाअ़ के एक गाँव सफ्वान में अमर हुरमूजुत तैमी ने। बसरा ही में आप का मज़ारे पाक है। (हवाला मुन्दरजह बाला)

सवाल 2515 : हज़रत जुबैर इब्नुल अवाम रज़ि यल्लाहु अन्हु कब शहीद हुए?

जवाब 2515 : बउम्र 62, साल सन 36 हिजरी में। (हवाला मुन्दरजह बाला)

हज़रत सय्यदुना अ़ब्बास रज़ि यल्लाहु अन्हु

सवाल 2516 : मुशरिकीने मक्का पर ख़र्च करने के लिए हज़रत अ़ब्बास रज़ि यल्लाहु अन्हु बद्र के दिन कितना सोना ले कर शरीक हुए थे?

जवाब 2516 : 20 ओक़यिह (एक ओकयह चालीस दिर्हम का होता है)।

सवाल 2517 : हज़रत सय्यदुना अ़ब्बास रज़ि यल्लाहु अन्हु के उन भतीजों

के नाम बताइए जिन के ज़रे (पैसा) फिदिया का बार (बोझ) आप पर रखा गया था ?

जवाब 2517 : हज़रत अक़ील व नौफिल बिन हारिस।

सवाल 2518 : हज़रत सय्यदुना अ़ब्बास रज़ि यल्लाहु अन्हु की कुन्नियत क्या थी?

जवाब 2518 : अबुल फज़्ल।

सवाल 2519 : हज़रत सैयदना अ़ब्बास रज़ि यल्लाहु अन्हु अम्मे रसूल सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की नमाज़े जनाज़ह किस ने पढ़ाई?

जवाब 2519 : हज़रत उस्मान ग़नी रज़ि यल्लाहु अन्हु ने।

सवाल 2520 : खा़तिमुल मुहाजिरीन किस का लक़ब है?

जवाब 2520 : हज़रत सय्यदुना अ़ब्बास रज़ि यल्लाहु अन्हु का।

सवाल 2521 : हज़रत ख़दीजा रज़ि यल्लाहु अन्हा के बाद औरतों में सब से पहले इस्लाम लाने वाली खा़तून (औरत) का इस्मे गिरामी बताइए?

जवाब 2521 : हज़रत सय्यदुना अ़ब्बास रज़ि यल्लाहु अन्हु की जौ़जह मुहतरमा (बीवी) उम्मुल फज़्ल रज़ि यल्लाहु अन्हा।

सवाल 2522 : हज़रत सय्यदुना अब्बास रज़ि यल्लाहु अन्हु रिश्ते में आक़ा अलैहिस्सलाम के कौन थे?

जवाब 2522 : आप के चचा थे।

सवाल 2523 : हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के वह कौन से चचा थे जिन की आवाज़ आठ मील तक सुनी जाती थी?

जवाब 2523 : हज़रत सैयदना अ़ब्बास रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 2524 : अय्यामे क़हेत (सूखा) साली में हज़रत उमर फारूक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु किस सहाबी के वसीले से दुआ़ करते थे?

जवाब 2524 : हज़रत अब्बास रज़ि यल्लाहु अन्हु के वसीले से।

सवाल 2525 : हज़रत अब्दुल्लाह बिन अ़ब्बास रज़ि यल्लाहु अन्हु की नमाज़े जनाज़ा किस ने पढ़ाई?

जवाब 2525 : हज़रत मोहम्मद बिन हनफिया रज़ि यल्लाहु अन्हु ने।

(नुज़हतुल क़ारी अव्वल स. 210)

सवाल 2526 : रईसुल मुफस्सेरीन किस सहाबी का लक़ब है?

जवाब 2526 : हज़रत अब्दुल्लाह बिन अब्बास रज़ि अल्लाहु अन्हु का।
सवाल 2527 : ख़ैरुल उम्मत किस का लक़ब था?
जवाब 2527 : हज़रत अब्दुल्लाह बिन अब्बास रज़ि यल्लाहु अन्हु का।

हज़रत सय्यदुना अबू ज़र ग़ेफ़ारी रज़ि यल्लाहु अन्हु

सवाल 2528 : हज़रत अबूज़र ग़ेफ़ारी रज़ि यल्लाहु अन्हु का अस्ल नाम बताइए?
जवाब 2528 : जुन्दब या जन्दब। (नुज़हतुल क़ारी अव्वल स. 290)
नोट : ज़ियाउन्नबी दोम स. 243 में जुनदब या जनादह बताया गया है।
सवाल 2529 : आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने किस सहाबी के बारे में फरमाया, तुम तन्हा रहोगे, तन्हा इन्तिक़ाल करोगे और हश्र में तन्हा उठाए जाओगे?
जवाब 2529 : हज़रत अबूज़र ग़ेफारी रज़ि यल्लाहु अन्हु के बारे में।
सवाल 2530 : वह कौन सहाबी हैं जिन्हें ख़लीले रसूल कहा जाता है?
जवाब 2530 : हज़रत अबूज़र ग़ेफारी रज़ि यल्लाहु अन्हु।
सवाल 2531 : मसीहुल इस्लाम किस सहाबी का लक़ब था?
जवाब 2531 : हज़रत अबू ज़र ग़िफारी रज़ि यल्लाहु अन्हु का।
सवाल 2532 : हज़रत अबू ज़र ग़िफारी रज़ि यल्लाहु अन्हु के घर के कुल एसासे की क़ीमत क्या थी?
जवाब 2532 : दो दिरहम से ज़्यादा ना थी।
सवाल 2533 : असदकुल मोमिनीन का ख़िताब (लक़ब) किस सहाबी को मिला?
जवाब 2533 : हज़रत अबू ज़र ग़ेफारी रज़ि यल्लाहु अन्हु को।
सवाल 2534 : हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने एक सहाबी के बारे में फरमाया" आस्मान किसी ऐसे शख़्स पर साया फेगन नहीं हुआ और ज़मीन ने किसी ऐसे शख़्स को अपने कंधों पर नहीं बिठाया जो उन से ज़्यादा सच्ची ज़बान रखता हो" बताइए वह कौन सहाबी हैं?
जवाब 2534 : हज़रत अबूज़र ग़ेफारी रज़ि यल्लाहु अन्हु।
सवाल 2535 : हज़रत अबू ज़र ग़ेफारी रज़ि यल्लाहु अन्हु का विसाल कब हुआ?

जवाब 2535 : सन 32 हिजरी में। (नुज़हतुल कारी अव्वल स. 290)

सवाल 2536 : हज़रत अबू ज़र गफारी रज़ि यल्लाहु अन्हु की नमाज़े जनाज़ह किस ने पढ़ाई?

जवाब 2536 : हज़रत अब्दुल्लाह बिन मसऊद रज़ि यल्लाहु अन्हु ने। (नुज़हतुल कारी अव्वल स. 290)

❖❖❖

हज़रत सैयदना ख़ब्बाब बिन अरत रज़ि यल्लाहु अन्हु

सवाल 2537 : हज़रत उमर फारुक़ की बहेन फातिमह बिन ख़त्ताब और उन के शौहर सईद बिन ज़ैद रज़ि यल्लाहु अन्हुम को कुर्आन मजीद कौन सहाबी पढ़ाया करते थे?

जवाब 2537 : हज़रत ख़ब्बाब रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 2538 : इस्लाम लाने के जुर्म में मुशरिक़ीने मक्कह किस सहाबी को जल्ते हुए कोएलों पर लिटा कर अज़ीयत (तक्लीफ़) पहुंचाते थे?

जवाब 2538 : हज़रत ख़ब्बाब रज़ि यल्लाहु अन्हु को।

सवाल 2539 : कुफ्फारे मक्कह ने हज़रत ख़ब्बाब रज़ि यल्लाहु अन्हु पर जो मज़ालिम ढाए थे उन में से किसी एक का तज़किरा किजिए?

जवाब 2539 : आप के कपड़े उतरवा कर दहेकते हुए अंगारों पर लिटाते और सीने पर भारी पत्थर रख देते थे। उन के ज़ख्मों से ख़ून और पीप इस क़दर बहता कि दहेकते अंगारे सर्द हो जाते थे।

सवाल 2540 : हज़रत ख़ब्बाब रज़ि यल्लाहु अन्हु का विसाल कब हुआ?

जवाब 2540 : कूफा में जंगे सिफ्फैन से वापसी के बअद 47 हिजरी में। (नुज़हतुल कारी अव्वल स. 207)

सवाल 2541 : वह कौन सहाबी हैं जिन की नमाज़े जनाज़ा हज़रत अली रज़ि यल्लाहु अन्हु ने सबसे पहले पढ़ाई?

जवाब 2541 : हज़रत ख़ब्बाब रज़ि यल्लाहु अन्हु। (नुज़हतुल कारी जि. 3 स. 207)

सवाल 2542 : हज़रत ख़ब्बाब रज़ि यल्लाहु अन्हु किसके गुलाम थे?

जवाब 2542 : उम्मे अनमार के। वह लोहे का टुकड़ा गर्म करके चिम्टे से पकड कर आप के सर पर रख्ती थी।

(ज़ियाउन्नबी जि. 3 स. 33)

सवाल 2543 : हज़रत ख़ब्बाब रज़ि यल्लाहु अन्हु का पेशा क्या था?

जवाब 2543 : आप लोहारी का काम करते थे तल्वार और दीगर सामान बहुत ही उमदह तैयार करते थे।

हज़रत सैयदना अब्दुल्लाह बिन जुबैर रज़ि यल्लाहु अन्हु

सवाल 2544 : हज़रत अब्दुल्लाह बिन जुबैर रज़ि यल्लाहु अन्हु किस ख़लीफ़ा के नाम्वर नवासे थे?

जवाब 2544 : हज़रत अबू बकर सिद्दीक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु के।

सवाल 2545 : रसूलुल्लाह सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम बच्चों को बैअत नहीं फरमाते थे लेकिन एक सहाबी को सात साल की उम्र में बैअ़त फरमा लिया था उन का इस्मे गिरामी क्या है?

जवाब 2545 : हज़रत अब्दुल्लाह बिन जुबैर रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 2546 : रहमते आलम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के विसाल के ग़म में एक सहाबी रोने की वजह से नाबीना (अंधे) हो गए उन का इस्मे गिरामी बताइये?

जवाब 2546 : हज़रत अब्दुल्लाह बिन जुबैर रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 2547 : बैतुल्लाह शरीफ में एक सहाबी इस क़दर खुशूअ़ व खुजूअ़ (दिलजमई) के साथ नमाज़ पढ़ा करते थे कि परिन्दे सूखा दरख़्त समझ कर बैठ जाया करते थे उन का इस्मे गिरामी बताइए?

जवाब 2547 : हज़रत अब्दुल्लाह बिन जुबैर रज़ि यल्लाह अन्हु।

सवाल 2548 : इस्लाम में सबसे पहले बअदे हिजरत किन की विलादत हुई?

जवाब 2548 : हज़रत अब्दुल्लाह बिन जुबैर रज़ि यल्लाहु अन्हु की।

सवाल 2549 : हज़रत अब्दुल्लाह बिन जुबैर रज़ि यल्लाहु अन्हु की लाश की बे हुरमती किस ने की?

जवाब 2549 : हज्जाज बिन यूसुफ ने।

सवाल 2550 : हज़रत अब्दुल्लाह बिन ज़ुबैर रज़ि यल्लाहु अन्हु की वालिदा का इस्मे गिरामी बताइए?

जवाब 2550 : हज़रत असमा बिन्ते अबू बकर सिद्दीक़ रज़ि यल्लाहु अन्हुमा।

❖❖❖

हज़रत सैयदना अबू अय्यूब अन्सारी रज़ि यल्लाहु अन्हु

सवाल 2551 : आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने मदीनह शरीफ़ में मेज़्बानी का शर्फ किस सहाबी को बख़्शा?

जवाब 2551 : हज़रत अबू अय्यूब अन्सारी रज़ि यल्लाहु अन्हु को।

सवाल 2552 : क्या आप बता सकते हैंकि मेज़्बाने रसूल सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम किस सहाबी का लक़ब था?

जवाब 2552 : हज़रत अबू अय्यूब अन्सारी रज़ि यल्लाहु अन्हु का।

सवाल 2553 : हज़रत अबू अय्यूब अन्सारी रज़ि यल्लाहु अन्हु का अस्ल नाम क्या था?

जवाब 2553 : ख़ालिद बिन ज़ैद। (सीरतुन नबी स. 279)

सवाल 2554 : हज़रत अबू अय्यूब अन्सारी रज़ि यल्लाहु अन्हु किस क़बीले से तअल्लुक़ रखते थे?

जवाब 2554 : क़बीला बनू नज्जार से। यही वह क़बीलह है जहाँ हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के दादा अब्दुल मुत्तलिब का नन्हाल था। (नुज़हतुल क़ारी अव्वल स. 461)

सवाल 2555 : ख़ारेजियों के ख़िलाफ़ जंगे नहेरवान में हज़रत अली रज़ि यल्लाहु अन्हु ने अपना मशहूर अलम (झण्डा), रायतुल ईमान किस के सपुर्द किया था?

जवाब 2555 : हज़रत अबू अय्यूब अन्सारी रज़ि यल्लाहु अन्हु के।

सवाल 2556 : जिन दिनों बाग़ियों ने हज़रत उसमान ग़नी रज़ि यल्लाहु अन्हु के मकान का मुहासिरह (घेराव) कर रखा था उन दिनों मस्जिदे नबवी में मुसलमानों की इमामत कौन सहाबी करते थे?

जवाब 2556 : हज़रत अबू अय्यूब अन्सारी रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 2557 : हज़रत अबू अय्यूब अन्सारी रज़ि यल्लाहु अन्हु किस जंग में शहीद हुए?

जवाब 2557 : कुसतुन्तुनियह की जंग में।

सवाल 2558 : हज़रत अबू अय्यूब अन्सारी रज़ि यल्लाहु अन्हु का मज़ार कहाँ वाक़ेअ है?

जवाब 2558 : कुसतुन्तुनियह में फसील (बुर्ज) के नीचे।

सवाल 2559 : मुसतफा कमाल पाशा से पहले तुर्की बादशाहों की ताज पोशी की रस्म कहाँ अदा होती थी?

जवाब 2559 : हज़रत अबू अय्यूब अन्सारी रज़ि यल्लाहु अन्हु के मज़ार पर।

सवाल 2560 : क़ैसरे रूम के अहेद (ज़माना) में कुसतुन्तुनियह के यहूदी व ईसाई बारिश की तलब के लिए दुआ करने किस सहाबी की क़ब्र पर जाते थे?

जवाब 2560 : हज़रत अबू अय्यूब अन्सारी रज़ि यल्लाहु अन्हु की।

हज़रत सैयदना सुहैब रूमी रज़ि यल्लाहु अन्हु

सवाल 2561 : हौज़े कौसर पर सबसे पहले सैराब होने वाले सहाबी का इस्मे गिरामी बताइए?

जवाब 2561 : हज़रत सुहेब रुमी रज़ि यल्लाहु अन्हु

सवाल 2562 : हज़रत सुहेब रुमी रज़ि यल्लाहु अन्हु की क़ब्र कहाँ वाक़ेअ है?

जवाब 2562 : दमिश्क़ के बालाए कोह मुहल्ला मैदान में।

सवाल 2563 : हज़रत सुहेब रुमी रज़ि यल्लाहु अन्हु के बाप कहाँ की हुकूमत में आला अफसर थे?

जवाब 2563 : किस्रा की हुकूमत में। (ज़ियाउन्नबी जि. दोम स. 247)

सवाल 2564 : हज़रत सुहेब रुमी रज़ि यल्लाहु अन्हु को किस ने कहाँ से ख़रीदा था ?

जवाब 2564 : बाज़ारे ओकाज़ से अब्दुल्लाह बिन जदआन ने।
(ज़ियाउन्नबी जि. दोम स. 247)

सवाल 2565 : हज़रत सुहेब रुमी रज़ि यल्लाहु अन्हु की कुन्नियत क्या थी?

जवाब 2565 : अबू यहया। आक़ा अलैहिस्सलाम ने यह कुन्नियत रखी जब्कि आप के बेटा नहीं था। (ज़ियाउन्नबी जि. सोम स. 37)

❖❖❖

हज़रत सैयदना अ़दी बिन ह़ातिम रज़ि यल्लाहु अन्हु

सवाल 2566 : वह कौन से सहाबी हैं जिन्हों ने बहेन के मश्वेरे से इस्लाम क़बूल किया?

जवाब 2566 : ह़ातिम ताई के बेटे हज़रत अ़दी रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 2567 : अरब के मशहूर सख़ी हातिम ता़ई के बेटे जो सहाबी थे उन का इस्मे गिरामी बताइए ?

जवाब 2567 : हज़रत अ़दी रज़ि यल्लाहु अन्हु। अपनी क़ौम के रईस थे और ओ़साई मज़्हब के पैरूकार (मानने वाले) थे?

(ज़ियाउन्नबी जि. चहारुम स. 574)

सवाल 2568 : वह कौन से सहाबी हैं जो रोटियों को मल कार चियुंटियों के बिलों में डाला करते थे ?

जवाब 2568 : हज़रत अ़दी बिन ह़ातिम रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 2569 : हज़रत अ़दी बिन हातिम रज़ि यल्लाहु अन्हु जिन का पूरा क़बीलह नस्रानी था कब ईमान लाए?

जवाब 2569 : सन. 7, हिजरी में। (नुज़हतुल का़री अव्वल स. 527)

सवाल 2570 : हज़रत अ़दी बिन हातिम रज़ि यल्लाहु अन्हु की कुल उम्र कितने साल की हुई ?

जवाब 2570 : एक सो बीस (120) या एक सौ अस्सी साल। यह जंगे जुमल में हज़रते अली रज़ि यल्लाहु अन्हु के साथ थे।

(नुज़हतुल का़री अव्वल स. 528)

सवाल 2571 : हज़रत अ़दी बिन हातिम रज़ि यल्लाहु अन्हु से कितनी हदीसें मरवी हैं ?

जवाब 2571 : 66 हदीसें। (नुज़हतुल का़री अव्वल स. 528)

हज़रत सय्यदुना ख़ुबैब बिन अ़दी रज़ि यल्लाहु अन्हु

सवाल 2572 : क़ुर्आने पाक की वह कौन सी आयत है जो ख़ुबैब बिन अ़दी रज़ि यल्लाहु अन्हु के हक़ में नाज़िल हुई?

जवाब 2572 : वमैय यशरी नफ्सहु बतिगाआ मरदा तिल्लाह।
सवाल 2573 : तख़्तए दार पर चढ़ने से पहले दो रकअत नमाज़ नफ़्ल सब से पहले पढ़ने वाले सहाबी का इस्मे गिरामी बताइए?
जवाब 2573 : हज़रत सय्यदुना ख़ुबैब बिन अ़दी रज़ि यल्लाहु अन्हु।
सवाल 2574 : बलीगुल अर्ज़ किस सहाबी का लक़ब है?
जवाब 2574 : हज़रत सय्यदुना ख़ुबैब बिन अ़दी रज़ि यल्लाहु अन्हु का।
सवाल 2575 : एक सहाबी की लाश ज़मीन निगल गई ताकि मुशरिकीन उस पर क़ाबू न पा सकें। क्या आप को उन का नाम मालूम है?
जवाब 2575 : हज़रत ख़ुबैब बिन अ़दी रज़ि यल्लाहु अन्हु ।
सवाल 2576 : वह कौन ख़ुश नसीब सहाबी हैं जिन को सलाम रब्बे क़दीर ने हज़रत जिब्राईल अलैहिस्सलाम के ज़रीआ आक़ा सल्लल्लहो अलैहि व सल्ल्म तक पहुँचाया।
जवाब 2576 : हज़रत ख़ुबैब बिन अ़दी रज़ि यल्लाहु अन्हु ।
सवाल 2577 : उस जलीलुल क़द्र (बुजुर्ग) सहाबी का इस्मे गिरामी बताइए जिन को उन के क़ैद करने वालों ने मुतअ़द्दिद (कई बार) बार अंगूर खाते हुए देखा था हालांकि उन दिनों मक्कह में अंगूर का नाम व निशान तक न था?
जवाब 2577 : हज़रत ख़ुबैब बिन अ़दी रज़ि यल्लाहु अन्हु ।

❖❖❖

हज़रत सैयदना सअ़द बिन मआ़ज़ रज़ि यल्लाहु अन्हु

सवाल 2578 : हज़रत सअ़द बिन मआ़ज़ रज़ि यल्लाहु अन्हु किस क़बीला के रईसे (सरदार) आज़म थे ?
जवाब 2578 : क़बीलए ओस के। (सीरतुन्नबी अव्वल सफह 306)
सवाल 2579 : रसूलुल्लाह सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने किस साहाबी के बारे में फरमाया कि अरशे रहमान भी झूम गया ?
जवाब 2579 : हज़रत सअ़द बिन मआ़ज़ रज़ि यल्लाहु अन्हु के लिए।
सवाल 2580 : बताइए सिद्दीक़े अन्सार कौन सहाबी थे?

जवाब 2580 : हज़रत सअद बिन मआज़ रज़ि यल्लाहु अन्हु जो क़बील-ए-औस के सरदार थे।

सवाल 2581 : उस जलीलुल क़द्र सहाबी का इस्मे गिरामी बताइए जिन की तबलीग़ से उन का क़बीलह एक ही दिन में मुसलमान हो गया और यह शर्फ उन ही को हासिल है?

जवाब 2581 : हज़रत सअद बिन मआज़ रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 2582 : ग़ज़्वए (जंग) बद्र पर रवाना होने से क़ब्ल (पहले) मस्जिदे नबवी में किस सहाबी ने पुर ज़ोर तक़रीर की थी?

जवाब 2582 : हज़रत सअद बिन मआज़ रज़ि यल्लाहु अन्हु ने।

हज़रत सैयदना ज़र्रार बिन अज़्वर रज़ि यल्लाहु अन्हु

सवाल 2583 : वह कौन से जंग्जू सहाबी हैं जिन्हों ने झूटे नबी तलीहा बिन खुवैलिद असदी के ख़िलाफ़ सफ आरा हो कर मक़ामे समीरा पर शिकस्ते फ़ाश दी और वापसी पर हुज़ूर सल्ललल्लाहु अलैहि व सल्लम के विसाले मुबारक की ख़बर सुनी ?

जवाब 2583 : हज़रत ज़र्रार बिन अज़्वर रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 2584 : वह कौन से मशहूर जंग जू सहाबी हैं जिन से रूमी बहुत घबराते थे जिन का लक़ब " बरहना जंग्जू" पड़ गया था?

जवाब 2584 : हज़रत ज़र्रार बिन अज़्वर रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 2585 : शाम की जंगों में हज़रत ज़र्रार बिन अज़्वर रज़ि यल्लाहु अन्हु एक बार गिरफ़्तार हो गए थे हज़रत ख़ालिद बिन वलीद रज़ि यल्लाहु अन्हु जब उन्हें आज़ाद कराने रूमियों के मक़ाब्ले पर पँहुचे तो देखा कि एक नक़ाब पोश सवार लश्करे इस्लाम के आगे रूमियों का सफाया कर रहा है। क्या आप बता सक्ते हैं कि वह सवार कौन थे?

जवाब 2585 : हज़रत ज़र्रार बिन अज़्वर की बहेन ख़ूला रज़ि यल्लाहु अन्हुमा थीं।

सवाल 2586 : क्या आप उस मुजाहिद का नाम बता सकते हैं जिस

ने तन्हा बगैरज़ख्म खाए छः हज़ार ईसाइयों को शिकस्ते फाश दी?

जवाब 2586 : हज़रत ज़र्रार बिन अज़्वर रज़ि यल्लाहु अन्हु।
(लक़ब बरैहना जंग्जू था)

ज़ल्ज़ले जिन से शहेनशाहों के दरबारों में थे।

हज़रत सैयदना अब्दुल्लाह बिन मस्ऊद रज़ि यल्लाहु अन्हु

सवाल 2587 : हज़रत अब्दुल्लाह बिन मसऊद रज़ि यल्लाहु अन्हु इस्लाम लाने में कित्ने नंबर पर थे?

जवाब 2587 : छटे नंबर पर।

सवाल 2588 : हज़रत अब्दुल्लाह बिन मसऊद रज़ि यल्लाहु अन्हु जब इस्लाम में दाख़िल हुए तो सरकारे दो आलम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने क्या फर्माया?

जवाब 2588 : इन्नका गुलामुन मुअल्लमुन।(तुम तअलीम याफ्ता लड़के हो)

सवाल 2589 : कुर्आन पाक की तिलावत सबसे पहले बलंद आवाज़ में कुरैश के साम्ने किस ने की?

जवाब 2589 : हज़रत अब्दुल्लाह बिन मस्ऊद रज़ि यल्लाहु अन्हु ने।

सवाल 2590 : हज़रत अब्दुल्लाह बिन मस्ऊद रज़ि यल्लाहु अन्हु की नमाज़े जनाज़ह किस्ने पढ़ाई?

जवाब 2590 : हज़रत उमर फारूक़ रज़ि यल्लाहु अन्हुने।

सवाल 2591 : रहमते आलम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के नअलैन पाक उठाने और तकिया शरीफ दुरुस्त करने की सआदत और वुज़ू के लिए पानी पेश करने की ख़िदमत किस को हासिल थी?

जवाब 2591 : हज़रत सय्यदुना अब्दुल्लाह बिन मस्ऊद रज़ि यल्लाहु अन्हु को।

सवाल 2592 : वह कौन से सहाबी हैं जो साहेबुन्नअ़ल, साहेबुल विसादह और साहेबुल मतहरह। (जूता वाले, तकिया वाले, वुज़ू के पानी वाले) जैसे लक़ब से सरफराज़ हुए?

जवाब 2592 : हज़रत अब्दुल्लाह बिन मस्ऊद रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 2593 : वह कौन से सहाबी हैं जो सूरेह निसा की तिलावत सुने के बअद शिद्दते तासीर से रोने लगे?

जवाब 2593 : हज़रत अब्दुल्लाह बिन मसऊद रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 2594 : ग़ज़्वए हुनैन के मौक़अ पर एक मुट्ठी ख़ाक (मिट्टी) लाने का हुक्म आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने किस को दिया था?

जवाब 2594 : हज़रत अब्दुल्लाह बिन मसऊद रज़ि यल्लाहु अन्हु को।

सवाल 2595 : हज़रत अब्दुल्लाह बिन मसऊद रज़ि यल्लाहु अन्हु की कुन्नियत क्या थी?

जवाब 2595 : अब्दुर्रहमान और वालिदह का नाम उम्मे अबद था।

(नुज़्हतुल्क़ारी अव्वल स. 244)

सवाल 2596 : हज़रत अब्दुल्लाह बिन मसऊद रज़ि यल्लाहु अन्हु का विसाल कब हुआ?

जवाब 2596 : सन 32 हिज्री में। उम्र 60 साल से कुछ ज़्यादा थी।

(नुज़्हतुल्क़ारी अव्वल स. 244)

हज़रत सैयदना हुज़ैफ़ा रज़ि यल्लाहु अन्हु

सवाल 2597 : साहेबुस्सिर्र यानी राज़ दारे रसूल अलैहिस्सलाम किस सहाबी का लक़ब था?

जवाब 2597 : हज़रत सय्यदुना हुजैफ़ा रज़ि यल्लाहु अन्हु का।

सवाल 2598 : रसूले अकरम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने किन सहाबी को मुनाफ़िक़ों के नाम बता दिये थे?

सवाल 2598 : हज़रत हुज़ैफ़ा रज़ि यल्लाहु अन्हु को।

सवाल 2599 : ईरान के शहेर नहावुन्द में फ़ातेह इस्लामी लश्कर किस की क़्यादत (अगुवाई) में दाख़िल हुआ था?

जवाब 2599 : हज़रत हुज़ैफ़ा रज़ि यल्लाहु अन्हु की क़्यादत में।

सवाल 2600 : हज़रत हुज़ैफ़ा रज़ि यल्लाहु अन्हु की निगाह कैसी थी?

जवाब 2600 : इत्नी तेज़ कि सुबह के अन्धेरे में भी तीर का निशाना देख लेते थे।

सवाल 2601 : मअरकए (लड़ाई) नहावुन्द (ईरान) में जब लश्करे इस्लाम के

अमीर हज़रत नोअमान बिन मुक़रिन रज़ि यल्लाहु अन्हु शहीद हो गए तो हज़रत उमर फ़ारुक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु के फरमान के मुताबिक़ अमीरे लश्कर कौन से सहाबी हुए?

जवाब 2601 : हज़रत हुज़ैफ़ा रज़ि यल्लाहु अन्हु

सवाल 2602 : हज़रत सालिम मौला (आज़ाद किए हुए गुलाम) अबू हुज़ैफ़ा रज़ि यल्लाहु अन्हु किस नस्ल से थे?

जवाब 2602 : फ़ारसी उन्नस्ल, एक अन्सारी ख़ातुन के गुलाम थे, जंगे यमामह में शहीद हुए। (नुज़्हतुल क़ारी सोम स. 163)

सवाल 2603 : मदाएन की गवरनरी में हज़रत हुज़ैफ़ा रज़ि यल्लाहु अन्हु कित्नी तन्ख़्वाह लेते थे?

जवाब 2603 : कोई तन्ख़्वाह ना थी सिर्फ दो वक़्त का खाना और गधे के लिए चारह।

❖❖❖

हज़रत सैयदना अ़म्मार बिन यासिर रज़ि यल्लाहु अन्हुमा

सवाल 2604 : इस्लाम की राह में एक ही घर के अफराद मुशरिकों के ज़ुल्म व सितम का निशाना बने उन के असमाए गिरामी बताइऐ।

जवाब 2604 : हज़रत यासिर और उन्की ज़ौजह सुमैया और साहब ज़ादे अ़म्मार रज़ि यल्लाहु अन्हुम।

सवाल 2605 : हज़रत अ़म्मार और उनके अहले ख़ाना को किस ने तख़्ताए मश्क़ बनाया? (रज़ि यल्लाहु अन्हुम)

जवाब 2605 : अबू जहल ने।

सवाल 2606 : हज़रत सैयदना उमर फ़ारुक़ रज़ि यल्लाहु अ़न्हु ने अपने दौरे ख़िलाफत में कूफ़ा का गवरनर किस को बनाया था?

जवाब 2606 : हज़रत अ़म्मार बिन यासिर रज़ि यल्लाहु अ़न्हुमा को।

सवाल 2607 : कूफ़ा की सरज़मीन को अपने दामन में किस सहाबी

को लेने का पहला मौक़ा मयस्सर आया?

जवाब 2607 : हज़रत अम्मार बिन यासिर रज़ि यल्लाहु अन्हुमा को।

सवाल 2608 : हज़रत अम्मार बिन यासिर रज़ि यल्लाहु अन्हुमा की कुन्नियत क्या थी?

जवाब 2608 : अबुल यक़्ज़ान।

सवाल 2609 : हज़रत अम्मार बिन यासिर रज़ि यल्लाहु अन्हु की नमाज़े जनाज़ह किस ने पढ़ाई ?

जवाब 2609 : हज़रत अ़ली रज़ि यल्लाहु अन्हु ने।

सवाल 2610 : सबसे पहले मस्जिद किस्ने बनाई?

जवाब 2610 : हज़रत अ़म्मार बिन यासिर रज़ि यल्लाहु अन्हुमा ने।

सवाल 2611 : हज़रत अ़म्मार बिन यासिर रज़ि यल्लाहु अन्हुमा जंगे सिफ्फैन में किस के साथ थे?

जवाब 2611 : हज़रत अ़ली कर्रमल्लाहु वज्हहू के साथ।

(नुज़्हतुल्क़ारी अव्वल स. 286)

सवाल 2612 : हज़रत अ़म्मार बिन यासिर रज़ि यल्लाहु अ़न्हुमा का विसाल कब हुआ?

जवाब 2612 : सन 37 हिज्री में बउम्र 93 या 94 साल।

(नुज़्हतुल्क़ारी अव्वल स. 286)

❖❖❖❖
❖❖
❖
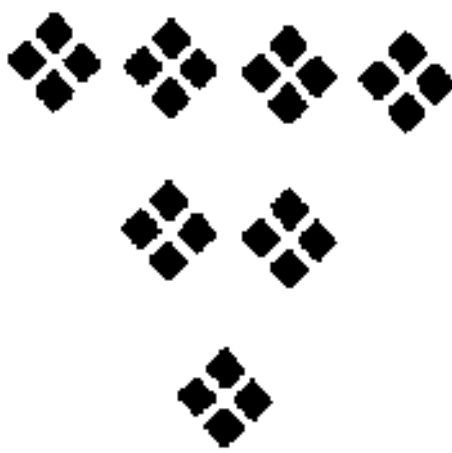
हज़रत सय्यदुना अबू मूसा अश्अ़री रज़ि यल्लाहु अन्हु

सवाल 2613 : हज़रत अबू मूसा अश्अ़री रज़ि यल्लाहु अ़न्हु का अस्ल नाम क्या था?

जवाब 2613 : अ़ब्दुल्लाह बिन क़ैस। (नुज़्हतुल्क़ारी अव्वल स. 254)

सवाल 2614 : वह कौन सहाबी हैं जिन्होंने हज़रत दानियाल अलैहिस-सलाम के जस्दे ख़ाकी की ज़ियारत की?

जवाब 2614 : हज़रत अबू मूसा अश्अ़री रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 2615 : हज़रत दानियाल अलैहिस्सलाम के जस्दे ख़ाकी को कफ्नाकर, ख़ूश्बू लगा कर जनाज़ह पढ़ने के बअद किस्ने दफ्न किया था?

जवाब 2615 : हज़रत अबू मूसा अश्अ़री रज़ि यल्लाहु अन्हु ने।

सवाल 2616 : हज़रत अ़ली रज़ि यल्लाहु अन्हु ने हज़रत अबू मूसा अश्अ़री रज़ि यल्लाहु अ़न्हु के बारे में क्या फरमाया था?

जवाब 2616 : अबू मूसा अश्अ़री (रज़ि यल्लाहु अन्हु) मुजस्सम इल्म हैं।

सवाल 2617 : वह कौन सहाबी हैं जिन को लह़्ने दाऊदी (अलैहिस्सलाम) का हिस्सा मिला था?

जवाब 2617 : हज़रत अबू मूसा अश्अ़री रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 26118 : हज़रत अबू मूसा अश्अ़री रज़ि यल्लाहु अ़न्हु का विसाल कब हुआ?

जवाब 2618 : 41, 44, 45 या 52 हिज्री में बउम्र 63 साल।

(नुज़्हतुल्क़ारी अव्वल स. 254)

सवाल 2619 : हज़रत अबू मूसा अश्अ़री रज़ि यल्लाहु अ़न्हु से कित्नी हदीसैं मरवी हैं?

जवाब 2619 : 300 अहादीस। (नुज़्हतुल्क़ारी अव्वल स. 254)

❖❖❖

हज़रत सय्यदुना अबू हुरैरह रज़ि यल्लाहु अन्हु

सवाल 2620 : सबसे ज़्यादह अहादीस किस सहाबी से मरवी हैं?

जवाब 2620 : हज़रत अबू हुरैरह रज़ि यल्लाहु अ़न्हु से।

सवाल 2621 : किस सहाबी के मकान में ख़्वाब आलूद रात में बेदारी का चिराग़ टिम टिमाया करता था?

जवाब 2621 : हज़रत अबू हुरैरह रज़ि यल्लाहु अ़न्हु जिन के यहाँ तहज्जुद का एहतिमाम होता था।

सवाल 2622 : आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम से किस ने कौन्सा ऐसा सवाल क्या कि उन से पहले किसी ने न किया था?

जवाब 2622 : हज़रत अबू हुरैरह रज़ि यल्लाहु अन्हु ने: आप की शिफाअत का ज़्यादह हक़्दार कौन होगा।

सवाल 2623 : हज़रत अबू हुरैरह रज़ि यल्लाहु अन्हु का तअल्लुक़ किस क़बीला से है?

जवाब 2623 : क़बीला दोस से।

सवाल 2624 : हज़रत अबू हुरैरह रज़ि यल्लाहु अन्हु का विसाल कब हुआ?

जवाब 2624 : सन 59 हिज्री में। आप जन्नतुलबक़ीअ़ में मदफून हुए, उम्र मुबारक 63 साल थी। (नुज़्हतुल्क़ारी अव्वल सफह 250)

सवाल 2625 : हज़रत अबू हुरैरह रज़ि यल्लाहु अन्हु से कित्नी हदीषें मरवी हैं?

जवाब 2625 : 5374 (पांच हजार तीन सो चौहत्तर)।

(नुज़्हतुल्क़ारी अव्वल सफह 249)

सवाल 2626 : हज़रत अबू हुरैरह रज़ि यल्लाहु अन्हु का अस्ल नाम बताते हुए वाल्दैन का नाम बताइए?

जवाब 2626 : अस्ल नाम बक़ौले अल्लामह ऐनी अब्दुल्लाह या अब्दुर्रहमान है। वालिदह का नाम मैमूनह या अमीना और वालिद का नाम सख़र था। (नुज़्हतुल्क़ारी अव्वल सफह 249)

हज़रत सय्यदुना अबू सुफ़्यान बिन हरब रज़ि यल्लाह अन्हु

सवाल 2627 : एक सहाबी तेल, अचार, चटनी का कारो बार करते थे

उन का इस्मे गिरामी बताइए?

जवाब 2627 : हज़रत सुफ़्यान बिन हरब रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 2628 : हज़रत अबू सुफ़्यान रज़ि यल्लाहु अन्हु कित्ने साल तक मुसल्सल इस्लाम के ख़िलाफ़ दुश्मन फौज की कमान करते रहे?

जवाब 2628 : सात साल तक।

सवाल 2629 : हज़रत अबू सुफ़्यान रज़ि यल्लाहु अन्हु की कुन्नियत और अस्ल नाम बताइए?

जवाब 2629 : कुन्नियत अबू सुफ़्यान और अबू हंज़्लह, अस्ल नाम सख़र था।

सवाल 2630 : इस्लाम लाने से क़ब्ल हज़रत अबू सुफ़्यान रज़ि यल्लाहु अन्हु ने मुसलमानों के ख़िलाफ किन जंगों की क़यादत की?

जवाब 2630 : जंगे ख़ंदक़ और जंगे उहद की।

हज़रत सय्यदुना अनस बिन मालिक रज़ि यल्लाहु अन्हु

सवाल 2631 : वह कौन से सहाबी हैं जो अपना रुमाल आग में डाल कर साफ किया करते थे?

जवाब 2631 : हज़रत अनस बिन मालिक रज़ि यल्लाहु अनहु आपके रुमाल से आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने अपना चेहरह साफ फ़रमाया था।

सवाल 2632 : हज़रत अनस बिन मालिक रज़ि यल्लाहु अनहु की वालिदह का इस्मे गिरामी क्या था?

जवाब 2632 : हज़रत उम्मे सुलैम रज़ि यल्लाहु अन्हा जो मशहूर सहाबियह थीं। (नुज़्हतुल्क़ारी अव्वल सफह 258)

सवाल 2633 : हज़रत अनस बिन मालिक बुख़ारी खुज़ाओ रज़ि यल्लाहु अनहु से कित्नी हदीषें मरवी हैं?

जवाब 2633 : 2286 (दो हज़ार दो सो छियासी)।
(नुज़्हतुल्क़ारी अव्वल सफह 258)

सवाल 2634 : हज़रत अनस बिन मालिक रज़ि यल्लाहु अन्हु का विसाल कब हुआ?

जवाब 2634 : सन 93 हिज्री में। (नुज़्हतुल्कारी अव्वल सफह 259)

सवाल 2635 : रोज़ानह कद्दू बतौरे सुन्नत कौन सहाबी इस्तेअमाल करते थे?

जवाब 2635 : हज़रत अनस बिन मालिक रज़ि यल्लाहु अन्हु।

हज़रत सय्यदुना अबू तल्हा रज़ि यल्लाहु तआला अन्हु

सवाल 2636 : गज़्व-ए-हुनैन में हज़रत अबू तल्हा रज़ि यल्लाहु अनहु ने कित्ने रूमियों को क़त्ल किया?

जवाब 2636 : 20 रूमियों को।

सवाल 2637 : हज़रत अबू तल्हा रज़ि यल्लाहु अनहु का विसाल कब हुआ?

जवाब 2637 : सन 32 हिज्री में। (नुज़्हतुल कारी अव्वल स. 519)

सवाल 2638 : हज़रत अबू तल्हा रज़ि यल्लाहु अनहु की नमाज़े जनाज़ह किस ने पढ़ाई?

जवाब 2638 : हज़रत उस्मान ग़नी रज़ि यल्लाहु अनहु ने।
(नुज़्हतुलकारी अव्वल सफह 519)

सवाल 2639 : दाऐं बाऐं,आगे पीछे से ग़ज़्वए उहद में जमाले नबुव्वत के शैदाई खुर्शीदे नबुव्वत का हाला बंकर हम्ला रोकने वाले सहाबी का नाम बताइए?

जवाब 2639 : हज़रत अबू तल्हा रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 2640 : हज़रत उमर फारूक़ रज़ि यल्लाहु अनहु किस सहाबी को साहिबे उहद कहते थे?

जवाब 2640 : हज़रत अबू तल्हा रज़ि यल्लाहु अन्हु को।

सवाल 2641 : हज़रत अबू तल्हा रज़ि यल्लाहु अन्हु कौन्सा कारोबार करते थे?

जवाब 2641 : कपड़े की तिजारत।

सवाल 2642 : वह कौन सहाबी हैं जिन्की औलाद के लिये हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने दुआ फरमाई?

जवाब 2642 : हज़रत अबू तल्हा रज़ि यल्लाहु अन्हु, उनकी औलाद की तअदाद 100 से ज़्यादह थी।

सवाल 2643 : लंतनालुल बिर्रा हत्ता तुन्फिकू मिम्मा तुहिब्बून। जब तक अपनी महबूब तरीन चीज़ अल्लाह की राह में ख़र्च न करोगे भलाई को नहीं पहुंच सकते। इस आयते करीमा के नाज़िल होने के बाद एक सहाबी ने अपना कीमती बाग़ मुसलमानों के लिये वक़्फ कर दिया, किया आप बाग़ और सहाबी का नाम बता सकते हैं?

जवाब 2643 : हज़रत अबू त्ल्हा अन्सारी रज़ि यल्लाहु अन्हु और बाग़ का नाम बीरे हा है।

हज़रत सय्यदुना अबू क़तादह रज़ि यल्लाहु अन्हु

सवाल 2644 : हज़रत अबू क़तादह रज़ि यल्लाहु अन्हु का विसाल कब हुआ?

जवाब 2644 : बउम्र 70 या 72 साल, अला इख़्तेलाफे अक़वाल सन 54 या 38 हिजरी में। (नुज़हतुल कारी अववल सफह 479)

सवाल 2645 : हज़रत अबू क़तादह रज़ि यल्लाहु अन्हु से कितनी हदीषें मरवी हैं?

जवाब 2645 : 170 अहादीस। (नुज़हतुलकारी अववल सफह 479)

सवाल 2646 : ग़ज़्वए उहद के मौका पर आक़ा अलैहिस्सलाम ने एक सहाबी की फूटी आंख को अपने लुआबे दहन से दुरूस्त फरमाया, किया आप को उनका इस्मे गिरामी मालूम है?

जवाब 2646 : हज़रत अबू क़तादह रज़ि यल्लाहु अन्हु।

❖❖❖

हज़रत सय्यदुना अब्दुल्लाह बिन उमर रज़ि यल्लाहु अन्हु

सवाल 2647 : हज़रत अब्दुल्लाह बिन उमर रज़ि यल्लाहु अन्हु का लक़ब किया था?

जवाब 2647 : फक़ीहुल उम्मत।

सवाल 2648 : हज़रत अब्दुल्लाह बिन उमर रज़ि यल्लाहु अन्हु किस

जंग में शहीद हुए?

जवाब 2648 : जंगे उहद में।

सवाल 2649 : वह कौन सहाबी हैं जो सिर्फ सलाम करने की गर्ज़ से बाज़ार जाया करते थे?

जवाब 2649 : हज़रत अब्दुल्लाह बिन उमर रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 2650 : आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने रजुले सालेह किस सहाबी को फरमाया?

जवाब 2650 : हज़रत अब्दुल्लाह बिन उमर रज़ि यल्लाहु अन्हु को।

सवाल 2651 : हज़रत अब्दुल्लाह बिन उमर रज़ि यल्लाहु अन्हु के घर के कुल असासा की क़ीमत क्या थी?

जवाब 2651 : सौ (100)दिरहम।

सवाल 2652 : सबसे पहले अहादीस जमा करने वाले सहाबी का इस्मे गिरामी बताइए?

जवाब 2652 : हज़रत अब्दुल्लाह बिन उमर रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 2653 : हज़रत अब्दुल्लाह बिन उमर रज़ि यल्लाहु अन्हु की तारीख़े विलादत और विसाल बताइए?

जवाब 2653 : नुज़ूले वही से एक साल क़ब्ल विलादत और सन 73 हिजरी बउम्र 86 साल में विसाल फरमया।

(नुज़हतुलक़ारी अव्वल सफह 145)

सवाल 2654 : हज़रत अब्दुल्लाह बिन उमर रज़ि यल्लाहु अन्हु से कितनी अहादीस मरवी है?

जवाब 2654 : 2632 (दो हज़ार छे सौ बत्तिस हदीसैं)

(नुज़हतुलक़ारी अव्वल सफह 145)

हज़रत सय्यदुना हस्सान बिन साबित रज़ि यल्लाहु अन्हु

सवाल 2655 : उस शाएर का इस्मे गिरामी बताइए जिन के लिए रसूलुल्लाह सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम मिम्बर बिछवाया करते थे?

जवाब 2655 : हज़रत हस्सान बिन साबित रज़ि यल्लाहु अन्हु।
सवाल 2656 : आका सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम का शाएरे ख़ास किस सहाबी को कहा जाता है?
जवाब 2656 : हज़रत हस्सान बिन साबित रज़ि यल्लाहु अन्हु को।
सवाल 2657 : उम्मुल मोमिनीन हज़रत मारियह क़िबतिया रज़ि यल्लाहु अन्हा की सगी बहेन किस सहाबी के निकाह में दाख़िल थीं?
जवाब 2657 : हज़रत हस्सान बिन साबित रज़ि यल्लाहु अन्हु के।
सवाल 2658 : सबसे पहले हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की बारगाह में नअत की लड़ियाँ किस ने पिरोईं?
जवाब 2658 : हज़रत हस्सान बिन साबित रज़ि यल्लाहु अन्हु ने।
सवाल 2659 : बवक़्ते विलादते सरकार सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम हज़रत हस्सान बिन साबित रज़ि यल्लाहु अन्हु की उम्र क्या थी?
जवाब 2659 : 7 या 8 साल। (ज़ियाउन्नबी जिल्द 2 सफह 31)
सवाल 2660 : वह कौन से सहाबी हैं जिन के लिए सरकार सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने यह दुआ फरमाई? (अल्लाहुम्मा अैयदहू बिरुहिल्कुदुस)
जवाब 2660 : हज़रत हस्सान बिन साबित रज़ि यल्लाहु अन्हु।

हज़रत सय्यदुना सल्मह बिन अकवअ् रज़ि यल्लाहु अन्हु

सवाल 2661 : घोड़े से भी ज़्यादा तेज़ रफतार दौड़ने वाले सहाबी का इस्मे गिरामी बताइए ?
जवाब 2661 : हज़रत सल्मह बिन अकवअ् रज़ि यल्लाहु अन्हु।
सवाल 2662 : बहादुर माहिर तीर अंदाज़ फाज़िल सहाबी का इस्मे गिरामी बताइए?
जवाब 2662 : हज़रत सल्मह बिन अकवअ रज़ि यल्लाहु अन्हु।
(नुज़हतुलक़ारी अव्वल सफह 399)
सवाल 2663 : हज़रत सल्मह बिन अकवअ रज़ि यल्लाहु अन्हु से कितनी हदीषें मरवी हैं?

जवाब 2663 : 77/अहादीस। (नुज़हतुल्क़ारी अव्वल सफ़ह 398)

सवाल 2664 : हज़रत सल्मह बिन अकू रज़ि यल्लाहु अन्हु का विसाल कब और कहां हुआ?

जवाब 2664 : मदीना मुनव्वरह में सन 74 हिजरी में बउम्र 80 साल। (नुज़हतुलक़ारी अव्वल सफ़ह 399)

सवाल 2665 : वह कौन से सहाबी हैं जिन से भेड़िये ने कलाम किया?

जवाब 2665 : हज़रत सल्मह बिन अकवअ रज़ि यल्लाहु अन्हु। (नुज़हतुलक़ारी अव्वल सफ़ह 398)

हज़रत सय्यदुना मुसअब बिन उमैर रज़ि यल्लाहु अन्हु

सवाल 2666 : मशहूर सहाबी हज़रत सय्यदुना मुसअब बिन उमैर रज़ि यल्लाहु अन्हु की अहलिया का हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम से क्या रिश्ता था?

जवाब 2666 : आप की अहलिया मोहतरमा हुमना बिंते जहश रज़ि यल्लाहु अन्हा आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की फूफी ज़ाद बहेन थीं।

सवाल 2667 : वह कौन से सहाबी हैं जिन्हें उनके वालिद कुबूले इस्लाम से क़ब्ल दो दो सौ दिरहम का जोड़ा ख़रीद कर पहनाते थे?

जवाब 2667 : हज़रत मुसअब बिन उमैर रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 2668 : वह कौन से सहाबी हैं जो बहैसियते दाई यस्रब (मदीनह) सबसे से पहले तशरीफ ले गए?

जवाब 2668 : हज़रत मुसअब बिन उमैर रज़ि अल्लाहु अन्हु।

सवाल 2669 : किया आप बता सकते हैं कि हज़रत मुसअब बिन उमैर रज़ि यल्लाहु अन्हु (पहले दाईए इस्लाम) के मदीना मुनव्वरह में फरीज़ए तबलीग़ के दौरान कौन मेज़बान थे?

जवाब 2669 : हज़रत असअद बिन ज़रारह रज़ि यल्लाहु अन्हु।

हज़रत सय्यदुना मुसन्ना बिन हारिसह रज़ि यल्लाहु अन्हु

सवाल 2670 : जंगे जसर के उस नाम्वर मुजाहिद का इस्मे गिरामी

बताइए जिन्होंने टूटे हुए पुल को दोबारह तैयार होने तक ईरानियों की ज़बरदस्त फौज़ को अपने मुख़्तसर साथियों के साथ रोक रखा था?

जवाब 2670 : हज़रत मुसन्ना बिन हारिसह रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 2671 : हज़रत अबूबकर सिद्दीक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु ने अपने आख़िरी लम्हात में अपने जानशीन हज़रत उमर रज़ि यल्लाहु अन्हु को कौन सी खुसूसी वसीयत की थी?

जवाब 2671 : बनी ैबान के सरदार हज़रत मुसन्ना बिन हारिसह रज़ि यल्लाहु अन्हु की मदद के लिए फौज़ रवाना करें ताकि वह ईरानियों का मुक़ाबला कर सकें (हज़रत मुसन्ना बिन हारिषः रज़ि यल्लाहु अन्हु वहाँ मौजुद थे)।

❖❖❖

मुतफर्रिक़

सहाबए किराम रिज़वानुल्लाहि अलैहिम अजमईन और उन के तअल्लुक से

सवाल 2672 : सहाबी किसे कहते हैं?

जवाब 2672 : हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की सुहबत में ईमान की हालत में रह कर ख़ातिमह बिल्ख़ैर होने वाले को सहाबी कहते हैं।

सवाल 2673 : ताबई किसे कहते हैं?

जवाब 2673 : जो एक अरसा तक किसी सहाबी की सोहबत में रहे हों।

सवाल 2674 : सहाबए किराम से बुग्ज़ व हसद रखने वाला कैसा है?

जवाब 2674 : फ़ासिक़, गुमराह और बददिन।

सवाल 2675 : दामादे रसूल सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के अस्माए गिरामी बताइए?

जवाब 2675 : हज़रत अबुल्आस, सय्यदुना उसमान ग़नी व सय्यदुना अली रज़ि यल्लाहु अन्हुम।

सवाल 2676 : इस्लाम के नाम्वर ज़रनैल कौन सहाबह गुज़रे हैं?

जवाब 2676 : हज़रत अबू उबैदह बिन जर्राह, हज़रत अम्र बिन आस, हज़रत यज़ीद बिन सुफियान, हज़रत मुसन्ना बिन

हारिसह, हज़रत ख़ालिद बिन वलीद रज़ि यल्लाहु अन्हुम।

सवाल 2677 : सहाबा में शैख़ैन से मुराद कौन कौन हज़रात हैं?

जवाब 2677 : हज़रत सय्यदुना अबू बकर व उमर रज़ि यल्लाहु अन्हुमा।

सवाल 2678 : खुलफ़ाए राशिदीन के अस्माए गिरामी बताइए?

ज़वाब 2678 : हज़रत अबू बकर सिद्दिक़, हज़रत उमर फारूक़ आज़म, हज़रत उसमान ग़नी, हज़रत अली, हज़रत इमाम हसन मुजतबा और हज़रत उमर बिन अब्दुल अज़ीज़ रज़ि यल्लाहु अन्हुम।

सवाल 2679 : उन सहाबए किराम के अस्माए गिरामी बताइए जिन्हें गैबदाँ रसूल सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने दुनया ही में जन्नत की बशारत दी है?

जवाब 2679 : हज़रत अबू बकर सिद्दीक़, हज़रत उमर फारुक, हज़रत उसमान ग़नी, हज़रत अली, हज़रत तल्हा, हज़रत अब्दुर्रहमान बिन औफ, हज़रत ज़ुबैर बिन अव्वाम, हज़रत सअ़द बिन अबी वक़ास, हज़रत सईद, हज़रत अबू उ़बैदह बिन जर्राह रज़ि यल्लाहु तआ़ला अन्हुम।

वह दसों जिन को जन्नत का मुज़दह मिला
उस मुबारक जमाअ़त पे लाखों सलाम

सवाल 2680 : अमीरैन से मुराद कौन सहाबी हैं?

जवाब 2680 : हज़रत अली व हज़रत मुआ़वियह रज़ि यल्लाहु अन्हुमा।

सवाल 2681 : उस पहले शाएर का इस्मे गिरामी बताइए जो मक्का में आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की ज़बाने मुबारक से चंद आयतें सुन कर मुसल्मान हो गए?

जवाब 2681 : हज़रत तुफ़ैल बिन अमर दोसी रज़ि यल्लाह अन्हु।

सवाल 2682 : जुन्नूर किस सहाबी का लक़ब था?

जवाब 2682 : हज़रत तुफ़ैल बिन अमर दोसी रज़ि यल्लाहु अन्हु का।

सवाल 2683 : हज़रत मआज़ बिन जबल अन्सारी ख़ज़रजी रज़ि यल्लाहु अन्हु की कुन्नियत क्या थी?

जवाब 2683 : अबू अब्दुल्लाह, आप ने 18 साल की उम्र में इस्लाम क़ुबूल किया, सन 17 हिज्री या 18 हिज्री में बउम्र 34 साल विसाल फ़र्माया। (नुज़हतुल क़ारी अव्वल सफ़ह 243)

सवाल 2684 : नाजिया का लक़ब किस सहाबी को कब अता हुआ?

जवाब 2684 : हज़रत ज़कवान रज़ि अल्लाहु अन्हु को कुरैश से जब आप को निजात मिली तो आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने यह लक़ब अता फर्माया। (मि कात सफह 620)

सवाल 2685 : आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने अमीनुल उम्मत का ख़िताब किस को अता फर्माया?

जवाब 2685 : हज़रत अबू उबैदह बिन जर्राह रज़ि यल्लाहु अन्हु को। (मिश्कात सफह 608)

सवाल 2686 : हज़रत जाबिर रज़ि यल्लाहु अन्हु ने रहमते आलम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की ज़ियाफत मआ सहाबए किराम किस मौक़ा पर की थी?

जवाब 2686 : गज़्वए ख़न्दक़ के मौक़ा पर।

सवाल 2687 : हज़रत जाबिर रज़ि यल्लाहु अन्हु ने गज़्वए ख़न्दक़ के मौक़ा पर आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की ज़ियाफत में क्या एहतेमाम फर्माया?

जवाब 2687 : एक साअ जौ का आटा और एक बकरी के बच्चे का गो त।

सवाल 2688 : हज़रत जाबिर रज़ि यल्लाहु अन्हु ने जिस खाने से अहले ख़न्दक की ज़ियाफ़त की उस में कैसे बरकत पैदा हुई?

जवाब 2688 : हुज़ूरे अकरम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के लोआबे दहन डालने की वजह से।

सवाल 2689 : वह कौन सहाबी हैं जिन की शक्ल में हज़रत जिबरईल अलैहिस्सलाम कभी कभी तशरीफ लाते थे?

जवाब 2689 : हज़रत दहिया कल्बी रजि यल्लाहु अन्हु। (मदारिजुन्नुबूवह जिल्द 2 सफह 44)

सवाल 2690 : जंगल का रास्ता शेर की निगरानी में तै करने वाले सहाबी का इस्मे गिरामी बताइए?

जवाब 2690 : हज़रत सफीना रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 2691 : हज़रत सफीना रज़ि यल्लाहु अन्हु ने शेर को किस तरह मुख़ातब फर्माया?

जवाब 2691 : ऐ अबुल्हारिस (शेर की कुन्नियत) मैं रसूलुल्लाह सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम का गुलाम हूं।

सवाल 2692 : हज़रत सफीना का अस्ल नाम क्या था?

जवाब 2692 : महरान। (कन्जुलउम्माल जिल्द 11 सफह. 692) और हयातुल्हैवान जिल्द 1, सफह 5 पर रुमान मल्हान, महरान, उमैर लिखा है।

सवाल 2693 : वह कौन सहाबी हैं जिन की क़ब्र से सहाबए किराम ने खुश्बू निकलते महसूस की?

जवाब 2693 : हज़रत उबैदह बिन हारिस मुत्तलबी रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 2694 : वह कौन सहाबी हैं जिन्हें सिक़्ले समाअ़त था (यानी ऊँचा सुनते थे)?

जवाब 2694 : हज़रत साबित बिन क़ैस रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 2695 : हज़रत तल्हा व जुबैर रज़ि यल्लाहु अन्हुमा के मज़ारात कहाँ वाक़े हैं?

जवाब 2695 : बसरह के नख़लिस्तान में।

सवाल 2696 : हज़रत तल्हा व जुबैर रज़ि यल्लाहु अन्हुमा की शहादत किस जंग में हुई?

जवाब 2696 : हज़रत तल्हा जंगे जुमल में शहीद हुए और हज़रत जुबैर वापस होरहे थे तो रास्ते में इब्ने जरमूज़ ने शहीद कर दिया। (रज़ि यल्लाहु अन्हुमा)

सवाल 2697 : मस्जिदे नबवी में सबसे पहले क़िंदीलों के ज़रिअे रोशनी का इन्तिज़ाम किस सहाबी ने किया?

जवाब 2697 : हज़रत तमीम इब्ने औस दारी रज़ि यल्लाहु अन्हु ने। (इब्ने माजह सफह 56)

सवाल 2698 : माले ग़नीमत का पांचवा हिस्सा (ख़ुमुस) सबसे पहले किस को मिला?

जवाब 2698 : हज़रत अब्दुल्लाह बिन जहश रज़ि यल्लाहु अन्हु को?

सवाल 2699 : रहमते आलम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने अपनी चादरे मुबारका किस सहाबी को अता फर्माई जो शाएर भी थे?

जवाब 2699 : हज़रत कअब रज़ि यल्लाहु अन्हु को।

सवाल 2700 : हज़रत कअब रज़ि यल्लाहु अन्हु के विसाल के बाद आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की अता करदह चादर मुबारका किस ने कितने में ख़रीदी?

जवाब 2700 : हज़रत अमीर मुआवियह रज़ि यल्लाहु अन्हु ने 20 हज़ार (20,000) दिरहम में।

नोटः यह चादर सलातीने रुम में अब भी मौजूद है।

सवाल 2701 : अल्फाज़े अज़ान ख़्वाब में सुनने वाले कितने सहाबए किराम थे?

जवाब 2701 : सात, मगर सबसे पहले आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की बारगाह में हज़रत अब्दुल्लाह बिन ज़ैद अन्सारी रज़ि यल्लाहु अन्हु ने ख़्वाब बयान फर्माया।

सवाल 2702 : अल्फाज़े अज़ान ख़्वाब में किस ने सुनाए?

जवाब 2702 : हज़रत जिबरईल अलैहिस्सलाम ने।

सवाल 2703 : ख़तीबे रसूल सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम का ख़िताब किस को हासिल है?

जवाब 2703 : हज़रत साबित बिन क़ैस रज़ि यल्लाहु अन्हु को।

सवाल 2704 : हज़रत ज़हाक़ इब्ने सुफयान रज़ि यल्लाहु अन्हु का लक़ब बताइए?

जवाब 2704 : सैयाफे रसूल सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम।

सवाल 2705 : वह कौन सहाबी हैं जिन्हों ने एक वक़्त की भी नमाज़ न पढ़ी और शहीद होकर जन्नती हो गए?

जवाबः 2705 : हज़रत उसैरम बिन साबित बिन वक़श रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 2706 : किस सहाबी की मेहमान नवाज़ी अल्लाह तआला ने पसन्द फर्माई?

जवाब 2706 : हज़रत अबू तल्हा ज़ैद बिन सुहेल बिन असद रज़ि यल्लाहु अन्हु की।

सवाल 2707 : रसूले अकरम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के दस्ते मुबारक से दफ़्न होने वाले सहाबी का इस्मे गिरामी बताइए?

जवाब 2707 : हज़रत अब्दुल्लाह ज़ुल्बजारतैन रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 2708 : सहाबए किराम में सबसे आख़िर में किस सहाबी का विसाल हुआ?

जवाब 2708 : हज़रत अबू तुफैल आ़मिर बिन वास्लह अल्लैसी रज़ि यल्लाहु अन्हु का सन 100 हिजरी में।

सवाल 2709 : ख़लीफ़ए बरहक़ होने वाले हज़रात को क्या कहा जाता है?
जवाब 2709 : ख़ुलफ़ाए राशिदीन।
सवाल 2710 : ख़ुलफ़ाए राशिदीन की ख़िलाफ़त को क्या कहा जाता है?
जवाब 2710 : ख़िलाफ़ते राशिदह।
सवाल 2711 : यहूदियों के सब से बड़े आलिम का इस्मे गिरामी बताइये जिन्हों ने इस्लाम क़बूल किया?
जवाब 2711 : हज़रत अबदुल्लाह बिन सलाम रज़ि यल्लाहु अन्हु।
सवाल 2712 : क़बीलए बनी तमीम के लोग किन सहाबए किराम का तमस्ख़ुर उनकी गुर्बत की वजह से उड़ाते थे।
जवाब 2712 : हज़रत अम्मार, हज़रत बिलाल, सुहैब रूमी, सलमान फ़ारसी रज़ि यल्लाहु अन्हुम का।
सवाल 2713 : हज़रत सुफ़यान सोरी रज़ि यल्लाहु अन्हु का पेशा किया था?
जवाबः 2713 : आप माली का काम करते थे।
सवाल 2714 : वह कौन सहाबी हैं जिन्हों ने फ़तहे मक्का की तैयारी की इत्तेला बज़रिये ख़त मक्का रवाना की थी?
जवाब 2714 : हज़रत हातिब बिन बल्तेआ रज़ि यल्लाहु अन्हु।
सवाल 2715 : हज़रत हातिब बिन बल्तेआ रज़ि यल्लाहु अन्हु का ख़त मक्का ले जाने वाली औरत का नाम बताइए?
जवाब 2715 : ख़ान्दाने बनी हाशिम की बान्दी सारा जिसे रास्ते ही में रौज़ए ख़ाख़ के मक़ाम पर गिरफ़तार कर लिया गया।
(ज़ियाउन्नबी जिल्द 4,सफ़ह 462)
सवाल 2716 : हज़रत अरक़म रज़ि यल्लाहु अन्हु की नमाज़े जनाज़ह किस ने पढ़ाई?
जवाब 2716 : हज़रत सअद बिन अबी वक़ास रज़ि यल्लाहु अन्हु ने।
सवाल 2717 : किस सहाबी की नमाज़े जनाज़ह हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने मस्जिदे नबवी में पढ़ाई?
जवाब 2717 : हज़रत सहल बिन बैज़ा रज़ि यल्लाहु अन्हु की।
सवाल 2718 : इस्लाम की राह में सब से पहले शहीद होने वाले सहाबी का इस्मे गिरामी बताइए?
जवाब 2718 : हज़रत हारिस बिन अबी हाला रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 2719 : रहमते आलम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के विसाल के बाद आप के सदमे से किस सहाबी का इन्तेक़ाल हुआ?

जवाब 2719 : हज़रत अबदुल्लाह बिन अनीस रज़ि यल्लाहु अन्हु का।

सवाल 2720 : हज़रत अबदुर्रहमान बिन औफ रज़ि यल्लाहु अन्हु ने कब विसाल फरमाया?

जवाब 2720 : सन 41 हिजरी में बउम्र 75 साल।

(ज़ियाउन्नबी जिल्द 4 सफह 594)

सवाल 2721 : हज़रत अबदुर्रहमान बिन औफ रज़ि यल्लाहु अन्हु की वालिदह का नाम बताइए?

जवाब 2721 : अश्शिफ़ा रज़ि यल्लाहु अन्हा, जिनकी क़िस्मत में हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की दाया बनने की सआदत लिखी थी। (ज़ियाउन्नबी जिलद 2, सफह 29)

सवाल 2722 : आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के ऊंटों के चराने की ख़िदमत किस सहाबी के सिपुर्द थी?

जवाब 2722 : हज़रत यसार रज़ि यल्लाहु अन्हु के।

सवाल 2723 : अज़वाजे मुतहहिरात के निगरां सहाबी का इस्मे गिरामी बताइये?

जवाब 2723 : हज़रत असद बिन उसैद साअ़ेदी रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 2724 : अज़वाजे मुतहहिरात की हिफाज़त पर कौन सहाबी मअ़मूर रहा करते थे?

जवाब 2724 : हज़रत अब्दुर्रहमान बिन औफ रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 2725 : हज़रत वलीद बिन मुग़ीरह रज़ि यल्लाहु अन्हु का पेशा किया था?

जवाब 2725 : लुहारी।

सवाल 2826 : हज़रत वलीद बिन मुग़ीरह रज़ियल्लाहु अन्हु का पेशा क्या था?

जवाब 2826 : आप माली का काम करते थे।

सवाल 2727 : दोसी क़बीला के लोगों ने किस सहाबी के अश्आर से मुतअस्सिर हो कर इस्लाम क़बूल किया?

जवाब 2727 : हज़रत कअ़ब बिन मालिक रज़ि यल्लाहु अन्हु के।

सवाल 2728 : शातिमे रसूल (गाली देने वाली) अस्मा बिन्ते मरवान बिन उमय्या बिन ज़ैद को किस नाबीना सहाबी ने क़त्ल किया?

जवाब 2728 : हज़रत अमीर बिन अदिल ख़तमी रज़ि यल्लाहु अन्हु ने।

सवाल 2729 : सुवाअ नामी बुत तोड़ने का हुक्म बारगाहे रसूल सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम से किस को हुआ?

जवाब 2729 : हज़रत अम्र इबनल आस रज़ि यल्लाहु अन्हु को।

सवाल 2730 : मनात के तोड़ने पर कौन मामूर किये गए थे?

जवाब 2730 : हज़रत असअद बिन फिरोज़ रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 2731 : वह कौन से सहाबी हैं जिन्हों ने आका सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की शान में चंद शेर कहे जिसकी बरकत से उनके एक दांत भी न गिरे?

जवाब 2731 : हज़रत नाएका रज़ि यल्लाहु अन्हु, आपकी उम्र 120 साल की हुई।

सवाल 2732 : ज़ैगमे इस्लाम किस सहाबी का लक़ब था?

जवाब 2732 : हज़रत ज़र्रार सअदी रज़ि यल्लाहु अन्हु का।

सवाल 2733 : जन्नतुल्बकीअ में सब से पहले किस सहाबी की तदफीन अमल में आई?

जवाब 2733 : हज़रत उस्मान बिन मज़ऊन रज़ि यल्लाहु अन्हु की।

सवाल 2734 : वह कौन सहाबी हैं जो कुर्आन मजीद के आख़िरी वही के कातिब हुए?

जवाब 2734 : हज़रत उबै बिन कअब रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 2735 : हज़रत उस्मान बिन मज़उन रज़ि यल्लाहु अन्हु की ज़ौजए मोहतरमा का नाम बताइये?

जवाब 2735 : हज़रत ख़ूला बिन्ते हकीम।

सवाल 2736 : शगुफ्तह मज़ाह (हंसी मज़ाक़ करने वाले) सहाबी का इस्मे गिरामी बताइये?

जवाब 2736 : हज़रत उसैद बिन हुज़ेर रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 2737 : रहमते आलम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के शादी फरमाने के बाद दावते वलीमा का एहतेमाम कौन सहाबी किया करते थे?

जवाब 2737 : हज़रत अमर इब्नु ल्जुमूअ रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 2738 : वह कौन सहाबी हैं जिनके लिये फत्हे मक्का के बाद बारगाहे रसूल अलैहिस्सलाम से क़त्ल का हुक्म जारी हो गया था?

जवाब 2738 : हज़रत इकरमा बिन अबू जहल रज़ि यल्लाहु अन्हु, आप की जौजह हकीमा बिन्ते हारिस ने अम्न तलब कर लिया बअदहू इस्लाम की लाज़वाल दौलत से मुशर्रफ़ हो गए।

सवाल 2739 : वह कौन सहाबी हैं जो मिश्र का गवर्नर होने के बावजूद परेशान मूंह और पा बरैहना होते थे?

जवाब 2739 : हज़रत फुज़ाला रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 2740 : हिम्स के गवर्नर कौन सहाबी थे जो अपना वज़ीफा राहे ख़ुदा में सर्फ़ कर के फकीराना ज़िन्दगी गुज़ारते थे?

जवाब 2740 : हज़रत सईद बिन आमिर रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 2741 : वह कौन सहाबी हैं जो फातहे सजिस्तान होने के बावजूद बारिश में झाडू से गलियां साफ़ किया करते थे?

जवाब 2741 : हज़रत अब्दुर्रहमान बिन समरह रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 2742 : इस्लाम के बहुत बड़े दु मन के बेटे जो सहाबी थे उनका इस्मे गिरामी बताइये?

जवाब 2742 : हज़रत इकरमा बिन अबू जहल रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 2743 : हुज़ूमे आशिकां में से वह कौन सहाबी हैं जो मिसवाक क़लम की तरह कानों में लगाए रहते थे?

जवाब 2743 : हज़रत अरक़म रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 2744 : मस्जिदों से दूर सैहरा और रेगिस्तानों में चलती फिरती मस्जिद बना कर नमाज़ के ज़रिये शौके उबूदियत पूरी करने वाले सहाबी के अस्माए गिरामी बताइये?

जवाब 2744 : हज़रत अबदुल्लाह बिन उमर और अनस बिन मालिक रज़ि यल्लाहु अन्हुमा।

सवाल 2745 : वह कौन सहाबी हैं जो लंगड़े होने के बावजूद ग़ज़्वए उहद में शरीक हो कर शहीद हुए?

जवाब 2745 : हज़रत अमर बिन जुमूअ़ रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 2746 : माअरकए बदरूल कुबरा के फतह की खु ख़बरी मदीना पहुंचाने के लिये रहमते आलम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने किन सहाबए किराम को रवाना फरमाया था?

जवाब 2746 : हज़रत अब्दुल्लाह बिन रवाहा और हजरत ज़ैद बिन हारिसह रज़ि यल्लाहु अन्हुमा को।

सवाल 2747 : जुल्क़ादा सन 2 हिजरी में आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने ग़ज़्वए बदरे सानिया के लिये तशरीफ ले जाते वक़्त मदीना में अपना नायब किस को बनाया था?

जवाब 2747 : हज़रत अब्दुल्लाह बिन रवाहा रज़ि यल्लाहु अन्हु को।

सवाल 2748 : सरियए रजीअ में कुफ्फार ने धोका दे कर किन दो सहाबा को गिरफतार कर लिया था?

जवाब 2748 : हज़रत खुबैब बिन अ़दी व हज़रत जैद बिन दसना रज़ि यल्लाहु अन्हुमा को।

सवाल 2749 : हज़रत उमर फारुक रज़ि यल्लाहु अन्हु ने 20 रकआत नमाज़े तरावीह की जमाअत क़ायम फर्मा कर किस को इमाम बनाया था?

जवाब 2749 : हज़रत उबै बिन कअ़ब रज़ि यल्लाहु अन्हु को।

सवाल 2750 : आक़ा अलैहिस्सलाम ने क़मीस आरियतन किस सहाबी से ली थी?

जवाब 2750 : हज़रत शुरहबील बिन हस्नह रज़ि यल्लाहु अन्हु से।

सवाल 2751 : हज़रत आसिम बिन साबित रज़ि यल्लाहु अन्हु का सर क़लम करने वाले को 100 ऊंट देने का ऐलान किसने किया था?

जवाब 2751 : सलाफा बिंते सअ़द ने, आप के सर का प्याला बनाकर उस में शराब पीने का अहेद किया था लेकिन उसका यह अहेद पूरा न हो सका।

सवाल 2752 : अल्लाह तआ़ला ने हज़रत आ़सिम बिन साबित रज़ि यल्लाहु अन्हु की लाश की हिफ़ाज़त किस तरह फर्माई?

जवाब 2752 : बरों को मुक़र्रर फर्माया जिसने इहाता कर रख्खा और रात में पानी का सैलाब आया लाश को बहा ले गया।

सवाल 2753 : अमीरुल्मोमिनीन हज़रत उमर फारुक रज़ि यल्लाहु अन्हु ने इराक़ की ज़मीनों की पैमाइश का काम किसके सिपुर्द फरमाया था?

जवाब 2753 : हज़रत उस्मान बिन हनीफ़ व हज़रत हुज़ैफ़ा रज़ि

यल्लाहु अन्हुमा के।

सवाल 2754 : क़बूले इस्लाम से क़ब्ल एक सहाबी का नाम डाका ज़नी, ग़ारत गरी की वजह से दहशत पड़ गया था उनका इस्मे गिरामी बताइए?

जवाब 2754 : हज़रत अमर बिन मअ़दी कर्ब रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 2755 : सन 23 हिजरी में इलाक़ए कफ़स बिलुचिस्तान किस सहाबी ने फ़तेह किया?

जवाब 2755 : हज़रत सहैल बिन अ़दी ख़ज़रजी अन्सारी रज़ि यल्लाहु अन्हु ने।

सवाल 2756 : ख़लीफ़ए सानी हज़रत उमर फारुक़ रज़ि यल्लाह अन्हु के अहदे ख़िलाफत में कितने सहाबए किराम वारिदे बर्रे सग़ीर हुए और अर्ज़े हिन्द के बाज़ इलाक़ों में तबलीग़े दीन का फरीज़ा अन्जाम दिया?

जवाब 2756 : बारह सहाबए किराम।

सवाल 2757 : शहेद की मक्खी ख़ुदाई फौज का एक जुज़ है, यह मसल कब मशहूर हूई?

जवाब 2757 : हज़रत क़अ़क़ाअ़ रज़ि यल्लाहु अन्हु ने जब शहेद लाते हुए गधों और ख़च्चरों पर तलवार से हमला किया।

सवाल 2758 : मावराउन्नहेर में सबसे पहले नमाज़ अदा करने वाले सहाबी का इस्मे गिरामी बताइये?

जवाब 2758 : हज़रत हिकम बिन अमर ग़िफ़ारी रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 2759 : वह कौन सहाबी हैं जिनकी औलाद को सबसे पहले तर्कए अ़सबियह शरई मिला?

जवाब 2759 : हज़रत सअ़द बिन रबीअ़ रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 2760 : बताइये सबसे पहले मुहाजिरीन के मकान के लिए ज़मीन किसने दी?

जवाब 2760 : हज़रत हारिसह बिन नोमान रज़ि यल्लाहु अन्हु ने।

(सीरतुन्नबी अव्वल सफह 288)

सवाल 2761 : जन्नत की लालच में हज़रत ख़ुबैब रज़ि यल्लाहु अन्हु की लाश तख़्तए दार से उतारने वाले सहाबए किराम के अस्माए गिरामी बताइये?

जवाब 2761 : हज़रत ज़ुबैर बिन अव्वाम और मिक़दाद बिन असवद रज़ि यल्लाह अन्हुमा और बाज़ ने अम्र बिन उमय्या को बताया है।

सवाल 2762 : हज़रत ख़ुबैब रज़ि यल्लाहु अन्हु को जहां दार पर चढ़ाया गया वह जगह कहां वाक़े है?

जवाब 2762 : मक्का मुअज़्ज़मा के क़रीब मौज़ए तनईम में।

(मदारिजुन्नुबुव्वा जिल्द 2 सफ़ह 246)

सवाल 2763 : सबसे पहले जुमा के दिन लोगों को जमाअ़ करके पन्द व नसाएह किस सहाबी ने किया?

जवाब 2763 : हज़रत कअब बिन लुवै रज़ि यल्लाहु अन्हु ने।

सवाल 2764 : आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने किन चार शख़्सियतों के बारे में फरमाया कि क़ुर्आन उनसे सीखो?

जवाब 2764 : हज़रत अब्दुल्लाह बिन मसऊद, सालिम मौला अबी हुज़ैफ़ा, उबै बिन कअ़ब, मआज़ बिन जबल, रज़ि यल्लाहु अन्हुम।

सवाल 2765 : ज़ुश्शहादतैन का लक़ब किस सहाबी को हासिल था?

जवाब 2765 : हज़रत ख़ुज़ैमा रज़ि यल्लाहु अन्हु को।

सवाल 2766 : ज़ुल्जनाहैन का लक़ब किस सहाबी को अता हुआ?

जवाब 2766 : हज़रत जाअ़फर तय्यार रज़ि यल्लाहु अन्हु को।

सवाल 2767 : आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के अहदे मुबारका में फ़तवा देने वाले सहाबए किराम के अस्माए गिरामी बताइये?

जवाब 2767 : हज़रत अबू बकर सिद्दीक़, उमर फ़ारूक़, उस्मान ग़नी, मौला अली, अब्दुर्रहमान बिन औफ़, उबै बिन कअ़ब, अब्दुल्लाह बिन मसऊद, मआज़ बिन जबल, अ़म्मार बिन यासिर, हुज़ैफ़ा इब्नुल्यमान, ज़ैद बिन साबित, सल्मान फ़ारसी, अबूदर्दा, अबू मूसा अशअ़री रज़ि यल्लाहु अन्हुम।

सवाल 2768 : रहमते आलम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की मजलिस में किस सहाबी को आगे बैठने की जगह मिलती थी?

जवाब 2768 : हज़रत साबित बिन क़ैस रज़ि यल्लाहु अन्हु को। (ऊंचा सुनने की वजह से)

सवाल 2769 : वह कौन से सहाबी हैं जो जन्नत का फल सबसे पहले खाएंगे?

जवाब 2769 : हज़रत दहदह रज़ि यल्लाहु अन्हु।

(कन्ज़ुल उम्माल जिल्द 11 सफह 756)

सवाल 2770 : क़यामत के दिन सबसे पहले फरिश्ते किस सहाबी से मुसाफा करेंगे?

जवाब 2770 : हज़रत अबू दर्दा रज़ि यल्लाहु अन्हु से।

सवाल 2771 : हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने किन सहाबए किराम के बारे में फरमाया "फिदाक उम्मी व अबी"?

जवाब 2771 : हज़रत ज़ुबैर व हज़रत सअ़द बिन अबी वक़ास रज़ि यल्लाहु अन्हुमा के बारे में।

सवाल 2772 : बादे हिजरतैन अन्सार में किनकी विलादत हुई?

जवाब 2772 : हज़रत नोमान बिन बशीर रज़ि यल्लाहु अन्हु की।

सवाल 2773 : अहदे नबवी सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम में वाजिबुल क़त्ल मुजरिमों के सर कौन से सहाबए किराम क़लम किया करते थे?

जवाब 2773 : हज़रत अली, हज़रत ज़ुबैर बिन अ़व्वाम, हज़रत मिक़दाद बिन अमर, हज़रत मोहम्मद बिन मुसलेमा, हज़रत आसिम, हज़रत ज़हाक़ बिन सुफयान रज़ि यल्लाहु अन्हुम।

सवाल 2774 : हज़रत ज़ैद बिन साबित रज़ि यल्लाहु अन्हु ने कितने दिनों में यहूदियों की किताब पढ़ ली थी?

जवाब 2774 : पन्दरह दिनों में।

सवाल 2775 : हज़रत आमिर बिन फोहैरह रज़ि यल्लाहु अन्हु जो ग़ारे सौर में हिजरत के मौक़ा पर दूध पहुंचाते थे किस ग़ज़वा में शहीद हुए?

जवाब 2775 : ग़ज़्वए बद्र, उहद, में शरीक हुए और ग़ज़्वए बीरे मऊना में आमिर बिन तुफैल ने शहीद किया और फरिश्तों ने आपको दफ्न किया।

सवाल 2776 : बरोज़े क़यामत उलमाए किराम का इमाम किस सहाबी को बनाया जाएगा?

जवाब 2776 : हज़रत मआज़ बिन जबल रज़ि यल्लाहु अन्हु को।

(कन्ज़ुलउम्माल जिल्द. 7 सफह 87)

सवाल 2777 : आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के विसाल के वक़्त

सहाबए किराम की तअदाद क्या थी?

जवाब 2777 : तक़रीबन एक लाख चौबीस हज़ार।

सवाल 2778 : असहाबुल हिजरतैन किन लोगों को कहा जाता है?

जवाब 2778 : जिन लोगों ने पहले हब्शा की तरफ बअदहू मदीना की तरफ हिजरत की।

सवाल 2779 : हुज़ूर अकरम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के साथ मदीना आने वालों में सबसे पहले किस का विसाल हुआ?

जवाब 2779 : हज़रत उस्मान बिन मज़ऊन रज़ि यल्लाहु अन्हु का।

सवाल 2780 : सय्यदु शुहदा कौन लोग हैं?

जवाब 2780 : खुलफाए राशिदीन, सय्यदुना इमाम हुसैन, अमीर हमज़ह, मुख़तलिफ मआनी से। (रज़ि यल्लाहु अन्हुम)

सवाल 2781 : क़यामत के दिन मुख़तलिफ झंडे किन लोगों के हाथ में होगें?

जवाब 2781 : सब्र का झंडा इमाम हुसैन, सख़ावत का उस्मान ग़नी, शुजाअत का अली, रिज़वानुल्लाहि अन्हुम के हाथों में होगें।

सवाल 2782 : शबीना एक रकअत में कुर्आन ख़त्म करने वाले हज़रात के अस्माए गिरामी बताइए?

जवाब 2782 : हज़रत उस्मान ग़नी, सईद बिन ज़ुबैर व इमाम आज़म अबू हनीफा रज़ि यल्लाहु अन्हुम।

सवाल 2783 : एक मरतबह हुज़ूर अकरम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने कोहे उहद पर पाँव मारते हुए फरमाया उहद ठहर जा, तुझ पर एक नबी, एक सिद्दीक़, दो शहीद हैं, ये दोनों शहीद कौन थे?

जवाब 2783 : हज़रत उमर फारुक़, हज़रत उस्मान ग़नी रज़ि यल्लाहु अन्हुमा।

एक ठोकर में उहद का ज़ल्ज़ला जाता रहा
रखती हैं कितना वक़ार अल्लाहु अकबर एड़ियाँ

सवाल 2784 : उन सहाबी का इस्मे गिरामी बताइए जो एक ही रात में कुर्आन मजीद ख़त्म फरमाए रहमते आलम ने उन्हें सात रोज़ में ख़त्म करने का हुक्म दिया?

जवाब 2784 : हज़रत अबू दर्दा रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 2785 : फत्हे मक्का के बाद अहले मक्का को कुर्आन की तअलीम

देने के लिए किन सहाबा का तक़र्रुर फरमाया गया?

जवाब 2785 : हज़रत अब्दुल्लाह बिन उमर, हज़रत मआज़ बिन जबल रज़ि यल्लाहु अन्हुमा का।

सवाल 2786 :हज़रत उस्मान ग़नी रज़ि यल्लाहु अन्हु के बाद अरब के सबसे ज़्यादह दौलत मंद शख़्स का इस्मे गिरामी बताइए?

जवाब 2786 : हज़रत अब्दुल्लाह बिन औफ रज़ि अल्लाहु अन्हु।

सवाल 2787 : हज़रत उमर फारुक रज़ि यल्लाहु अन्हु ने किस सहाबी की राए से सने हिजरी का आग़ाज़ किया?

जवाब 2787 : हज़रत अली रज़ि यल्लाहु अन्हु की राए से।

सवाल 2788 :दुनिया का सबसे पहला अमान नामा किस को मिला?

जवाब 2788 : हज़रत सुराक़ा रज़ि यल्लाहु अन्हु को।

सवाल 2789 : अहदे रिसालत में कुर्आन हकीम हिफ्ज़ करने वाले पांचों सहाबए किराम के अस्माए गिरामी बताइए?

जवाब 2789 : अब्दुल्लाह बिन मसऊद, मआज़ बिन जबल, उबै बिन कअब, सालिम, ज़ैद बिन साबित रज़ि यल्लाहु अन्हुम।

सवाल 2790 : रसूलुल्लाह सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के बाद सबसे पहले इसलाम ज़ाहिर करने वाले सहाबी का नाम बताइए?

जवाब 2790 : हज़रत ख़ब्बाब बिन अरत तमीमी रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 2791 : हज़रत उस्मान बिन मज़ऊन रज़ि यल्लाहु अन्हु की क़ब्र पर निशानी के लिए पत्थर उठा कर किसने क़ब्र पर रखे?

जवाब 2791 : हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने।

सवाल 2792 : मदीना में सबसे पहले किस के क़त्ल के जुर्म में एक गुलाम और एक लौन्डी को फांसी दी गई?

जवाब 2792 : हज़रत उम्मे वरक़ा बिन्ते अब्दुल्लाह रज़ि यल्लाहु अन्हा के क़त्ल की सज़ा में।(अल इस्तेअबाब जिल्द 4, सफह 1965)

सवाल 2793 : हज़रत तल्हा रज़ि यल्लाह अन्हु कौन सा कारोबार करते थे?

जवाब 2793 : तिजारत, कपड़े की।

सवाल 2794 : हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के कातिबीन की तअदाद कितनी थी?

जवाब 2794 : तेरह। खुलफाए अरबा (5) आमिर बिन फुहीरह (6) अब्दूल्लाह बिन अर्क़म (7) उबै बिन कअब (8) साबित बिन कैस (9)

ख़ालिद बिन सईद (10) हंज़लह बिन रबीअ (11) जैद बिन साबित (12) मुआवियह बिन सुफ़ियान (13) शुरहबील बिन हसनह। (अन्नाहियह सफ़ह 5)

सवाल 2795 : वह कौन से सहाबी हैं जिनके जनाज़ह में फ़रिश्तों का इज़्देहाम देख कर एक यहूदी मुसलमान हो गया, जिस्की उम्र 70 साल की थी?

जवाब 2795 : हज़रत सुहेल तुस्तरी रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 2796 : हज़रत उमर बिन हुसेन व ज़ुबैर रज़ि यल्लाहु अन्हुमा कौन सा पेशा इख़्तियार किए थे?

जवाब 2796 : क़स्साब थे, गोश्त बेचते थे।

सवाल 2797 : हज़रत अब्दूर्रहमान बिन औफ रज़ि यल्लाहु अन्हु कपड़े के साथ और किस चीज़ की तिजारत करते थे?

जवाब 2797 : दूध की।

सवाल 2798 : क्या आप बता सकते हैं कि कौन से सहाबी मदीना में नानबाई थे?

जवाब 2798 : हज़रत हातिब बिन बल्तआ रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 2799 : क्या आप बता सकते हैं कि रहमते आलम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने हज़रत ज़ुबैर इब्नुल अव्वाम रज़ि यल्लाहु अन्हु के लिए फ़िदाका उम्मी व अबी कब फरमाया था?

जवाब 2799 : ग़ज़वए ख़न्दक़ के मौक़ा पर जब उन्हों ने आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के इरशाद के मुताबिक़ यहूद बनी क़ुरैज़ह की ख़बर लाने के पुरख़तर काम को सर अन्जाम दिया था।

सवाल 2800 : सन 9 हिजरी (आमुलवफ़ूद, वफ़दों की आमद का साल) में जब बहराअ का वफ़द मदीना मुनव्वरह में पहुंचा तो उस वफ़द के मेज़बान कौन थे?

जवाब 2800 : हज़रत मिक़दाद रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 2801 : उन तीन सहाबए किराम के अस्माए गिरामी बताइए जिन के मुतअल्लिक़ हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने इरशाद फरामया कि जन्नत तीन आदमियों का इश्तियाक़ रखती है?

जवाब 2801 : हज़रत अली, हज़रत अम्मार, हज़रत सलमान फ़ारसी रज़ि यल्लाहु अन्हुम।

सवाल 2802 : कुफ्फारे मक्का की तरग़ीब पर एक सहाबी ने कुबूले इस्लाम से क़ब्ल अपने कानों में रुई ठूंस ली थी ताकि बानिए इस्लाम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की आवाज़ उन तक न पहुंचे, क्या आप को उन का इस्मे गिरामी मालूम है?

जवाब 2802 : हज़रत तुफैल दोसी रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 2803 : क्या आप बता सकते हैं कि अबू क़तादह किस सहाबी की कुन्नियत थी?

जवाब 2803 : हज़रत हारिस बिन रुबई अन्सारी रज़ि यल्लहु अन्हु की।

सवाल 2804 : बताइए हज़रत अबू क़तादह रज़ि यल्लहु अन्हु का लक़ब क्या था ?

जवाब 2804 : फारिसे रसूलुल्लाह। (रसूलु ल्लाह सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के शहसवार)।

सवाल 2805 : क्या आप बता सकते हैं कि जंगे जुमल में हज़रत अबू क़तादह रज़ि यल्लाहु अन्हु किस की तरफ थे?

जवाब 2805 : हज़रत अली रज़ि यल्लाहु अन्हु की तरफ ।

सवाल 2806 : हज़रत अबू तल्हा ज़ैद बिन सहेल रज़ि यल्लाहु अन्हु ने किसकी तहरीक पर इस्लाम क़बूल किया था?

जवाब 2806 : मशहूर सहाबिया हज़रत उम्मे सुलैम रज़ि यल्लाहु अन्हा की तहरीक पर।

सवाल 2807 : बताइए कुफ्फारे मक्का ने हज़रत ज़ैद बिन दसनह रज़ि यल्लाहु अन्हु को जब सूली पर लटका दिया तो आपका मुबारक सर किस ने क़लम किया?

जवाब 2807 : सफवान बिन उमय्या के गुलाम किस्तास ने।

सवाल 2808 : एक सहाबी ने शहीद होने के बाद ख़्वाब में एक मुसलमान से कहा था कि फलां ने मेरी ज़िरह उतारी है, ख़ालिद बिन वलीद रज़ि यल्लाहु अन्हु से कहो वापस लेलें मुझ पर इतना कर्ज़ है, ख़लीफतुर रसूल (हज़रत अबू बकर रज़ि यल्लाहु

अन्हु) ज़िरह बेचकर क़र्ज़ अदा कर दें और मेरा फलाँ गुलाम आज़ाद कर दें, चुनान्चे ऐसा ही किया गया, क्या आप को उनका इस्मे गिरामी मअलूम है?

जवाब 2808 : हज़रत साबित बिन क़ैस रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 2809 : क्या आप को मअलूम है कि हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने हज़रत उसैद बिन हुज़ैर रज़ि यल्लाहु अन्हु को किस मस्जिद का इमाम बनाया था?

जवाब 2809 : मस्जिदे बनी अब्दुल अशहली का।

सवाल 2810 : हज़रत अबू सुफियान रज़ि यल्लाहु अन्हु की आँखें किन जंगों में काम आईं?

जवाब 2810 : एक जंगे यरमूक में दूसरी मुहासिरए ताएफ में।

सवाल 2811 : वह कौन सहाबियह हैं जो शौहर, भाई, बेटे की ग़ज़वए उहद में शहादत की ख़ब्र सुनकर भी लो गों से पुछ रही थीं कि बताइए मेरे आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम कैसे हैं?

जवाब 2811 : हज़रत हिन्दह, भाई का नाम हज़रत अब्दुल्लाह बिन अमर बिन हेराम, शौहर का नाम उमर बिन जुमूह है। (रज़ि यल्लाहु अन्हुम)।

सवाल 2812 : असहाबे सुफ्फह की तअलीम के निगरां सहाबी का इस्मे गिरामी बताइए?

जवाब 2812 : हज़रत उबादह बिन सामित रज़ि यल्लाहु अन्हु

सवाल 2813 : सजिस्तान की फतेह में 40 हज़ार क़ैदी हासिल करने वाले मुजाहिद का इस्मे गिरामी बताइए?

जवाब 2813 : हज़रत रबीअ बिन ज़ियाद हारसी रज़ि यल्लाहु अन्हु

सवाल 2814 : ग़ज़वए बद्र के बाद सफ्वान बिन उमय्या ने मदीना मुनव्वरह एक शख़्स को भेजा था ताकी हुजूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम को क़त्ल कर दे मगर वहां पहुंचने के बाद उन्हों ने इस्लाम क़बूल कर लिया। ऐसा क्यों हुआ?

जवाब 2814 : वह हज़रत उमैर बिन वहब रज़ि यल्लाहु अन्हु थे जिन के दिल की बात हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने बतादी तो वह हैरत ज़दह होगए।

सवाल 2815 : "अस्सादिकह" नाम के मजमुअए हदीस के मुरत्तिब कौन सहाबी हैं?

जवाब 2815 : हज़रत अब्दुल्लाह बिन अम्र बिन आ़स रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 2816 : उन चारों भाईयों के इस्मे गिरामी बताइए जिन्हों ने दारे अरक़म में एक साथ इस्लाम क़बूल क्या?

जवाब 2816 : हज़रत आक़िल, हज़रत अयास, हज़रत ख़ालिद, हज़रत आमिर रज़ि यल्लाहु अन्हुम।

सवाल 2817 : एक सहाबी ने मालिक बिन मालिक नामी जिन्न की तहरीक पर इस्लाम क़बूल किया था, उन्का इस्मे गिरामी बताइए?

जवाब 2817 : हज़रत ख़रीम बिन फातिकुल असदी रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 2818 : एक सहाबी ने जो बनी सुलैम में से थे अपने क़बीले के बुत सुवाअ के सर पर 2 लोमड़ियों को देख कर बुत तोड़ डाला और दामने इस्लाम में दाख़िल हो गए। क्या आपको उनका इस्मे गरामी मालूम है?

जवाब 2818 : हज़रत राशिद बिन अब्दुर्रब रज़ि यल्लाहु अन्हो।

सवाल 2819 : मक्का के आख़िरी सहाबी का इस्मे गिरामी बताइये?

जवाब 2819: हज़रत अब्दुल्लाह बिन उमर बिन ख़त्ताब रज़ि यल्लाहु अन्हो।

सवाल 2820 : मुल्के शाम के आख़िरी सहाबी का इस्मे गिरामी बताइये?

जवाब 2820 : हज़रत अब्दुल्लाह बिन बशर रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 2821 : मिस्र के आख़िरी सहाबी का इस्मे गिराामी क्या है?

जवाब 2821 : हज़रत अब्दूल्लाह बिन हारिस रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 2822 : शहरे कूफा के आख़िरी सहाबी का इस्मे ग्रामी बताइये?

जवाब 2822 : हज़रत अब्दुल्लाह बिन उबै रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 2823 : हज़रत हम्ज़ह के कितने दिनों के बाद हज़रत अमर फ़ारुक़ रज़ि यल्लाहु अनहुमा ने इस्लाम क़बूल किया?

जवाब 2823 : तीन दिनों बाद।

सवाल 2824 : हज़रत अबू बकर सिद्दीक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु के उस अजीज़ का नाम बताओ जो वाक़िए इफ़्क (किज़्ब) में मुनाफिक़ीन की मुफसिदह परदाज़ी का शिकार हो गया?

जवाब 2824 : मिस्तह बिन असासह।

सवाल 2825 : नबी करीम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने सबसे पहले किस सहाबी की नमाज़े जनाज़ह पढ़ाई?

जवाब 2825 : हज़रत असद बिन ज़ेरारह रज़ि यल्लाहु अन्हु की।

सवाल 2826 : हज़रत तुफैल बिन अमर दोसी रज़ि यल्लाहु अन्हु किस मौक़ा पर शहीद हुए?

जवाब 2826 : मुसलिमह कज़्ज़ाब के ख़िलाफ़ फैसला कुन जंग में यमामह के मक़ाम पर। (ज़ियाउन्नबी दोम सफह 407)

सवाल 2827 : हज़रत उबादह बिन सामित अन्सारी ख़ज़रजी रज़ि यल्लाहु अन्हु का विसाल कब हुआ?

जवाब 2827 : सन 24 हिजरी में। मज़ारे मुक़द्दस बैतुल्मुक़द्दस में है। (नुज़हतुलक़ारी अव्वल सफह 266)

सवाल 2828 : हज़रत जरीर बिन अब्दुल्लाह बिजली अहमसी रज़ि यल्लाहु अन्हु किस क़बीले से थे?

जवाब 2828 : बनी कोहलान से। (नुज़हतुल क़ारी अव्वल स. 346)

सवाल 2829 : हज़रत जरीर बिन अब्दुल्लाह बिजली रज़ि यल्लाहु अन्हु को इस उम्मत का क्या कहा जाता है?

जवाब 2829 : उनको इस उम्मत का यूसुफ़ कहते हैं। (नुज़हतुल क़ारी अव्वल सफह 346)

सवाल 2830 : हज़रत जरीर बिन अब्दुल्लाह बिजली रज़ि यल्लाहु अन्हु का विसाल कब हुआ?

जवाब 2830 : सन 51 हिजरी में (हवाला मुन्दर्जा बाला)

सवाल 2831 : हज़रत जरीर बिन अब्दुल्लाह बिजली रज़ि यल्लाहु अन्हु से कितनी हदीसें मरवी हैं?

जवाब 2831 : सौ (100) हदीसें (हवाला मुन्दर्जा बाला)

सवाल 2832 : आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने किस सहाबी को यमन का बेहतरीन शख़्स फ़र्माया?

जवाब 2832 : हज़रत जरीर बिन अब्दुल्लाह रज़ि यल्लाहु अन्हु को।

सवाल 2833 : हज़रत अबू सईद खुदरीउल ख़ज़रजी अन्सारी रज़ि यल्लाहु अन्हु की कुन्नियत बताइए?

जवाब 2833 : अबू सईद। नाम सअद बिन मालिक बिन सेनान है। (नुज़हतुलक़ारी अव्वल सफह 274)

सवाल 2834 : हज़रत अबू सईद ख़ुदरी रज़ि यल्लाहु अन्हु का विसाल कब हुआ?

जवाब 2834 : सन 64 हिजरी मदीना में विसाल फरमाया।
(नुज़हतुलक़ारी अव्वल सफह 274)

सवाल 2835 : हज़रत तल्हा बिन उबैदुल्लाह रज़ि यल्लाहु अन्हु की कुन्नियत बताइए?

जवाब 2835 : अबू मोहम्मद। 64 या 62 या 58 : साल की उम्र में विसाल हुआ। (नुज़हतुलक़ारी अव्वल सफह 303)

सवाल 2836 : हज़रत नुअमान बिन बशीर रज़ि यल्लाहु अन्हु की वालिदह किस मशहूर सहाबी की बहेन थीं?

जवाब 2836 : हज़रत अब्दुल्लाह बिन रवाहा रज़ि यल्लाहु अन्हु की।
(नुज़हतुलक़ारी अव्वल सफह 335)

सवाल 2837 : क़िलए अस्कन्दरिया की मज़बूत फसील किस मुज़ाहिद की दुआ से ख़ुद गिर गई थी और ऐसा वाक़िअह क्यों पेश आया?

जवाब 2837 : हज़रत शुरहबील रज़ि यल्लाहु अन्हु की दुआ से। जब अस्कन्दरिया के बादशाह ने कहा कि क्या ख़ुदा तुम्हारे कहने से किलए अस्कन्दिरया की फसील गिरा सकता है?। यह बादशाह वही है जिसने अपने बाप मक़ूक़स को ज़हेर से हलाक कर के तख़्त व ताज का मालिक बना उसका नाम अरस्तूवेस था।

सवाल 2838 : किस सहाबी का लक़ब कुतबुस्सखा था?

जवाब 2838 : हज़रत जाअफर तय्यार के बेटे हज़रत अब्दुल्लाह रज़ि यल्लाहु अन्हुमा का।

सवाल 2839 : रहमते आलम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने एक सहाबी के लिये शश्माही (छे माह की) बकरी की कुर्बानी जाइज़ फरमा दी। किया आपको उन सहाबी का इस्मे गिरामी मालूम है?

जवाब 2839 : हज़रत बुरदह रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 2840 : वह कौन खुशनसीब सहाबी हैं जिनकी तन्हा गवाही

काफी समझ ने का हुक्म बारगाहे रसूल सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम से सादिर हुआ?

जवाब 2840 : हज़रत खुज़ैमा बिन साबित रज़ि यल्लाहु अन्हु। (बुख़ारी शरीफ अव्वल सफह 394)

सवाल 2841 : वह कौन दो सहाबी हैं जिनको ख़ारिश होने की वजह से हुजूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने रेशमी कपड़े पहेनने की इजाज़त अता फरमा दी?

जवाब 2841 : हज़रत अब्दुर्रहमान बिन औफ व हज़रत ज़ुबैर बिन अव्वाम रज़ि यल्लाहु अन्हुमा।

सवाल 2842 : किया आप उन सहाबी का इस्मे गिरामी बता सकते हैं जिनको हुजूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने सोने की अंगूठी पहेनने की इजाज़त अता फरमा दी?

जवाब 2842 : हज़रत बर्राउ बिन आज़िब रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 2843 : ग़ैबदाँ रसूल सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की बशारत के मुताबिक़ एक सहाबी को सोने का कंगन पहनाया गया। किया आप उनका इस्मे गिरामी बता सकते हैं?

जवाब 2843 : हज़रत सुराक़ा बिन मालिक रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 2844 : यारे ग़ार हज़रत सिद्दीक़े अक्बर रज़ि यल्लाहु अन्हु की चार पुश्तैं सहाबियत से मुशर्रफ हुईं। उनके अस्माए गिरामी बताइये?

जवाब 2844 : हज़रत अब्दुल्लाह 1, बिन अस्मा 2,बिन्ते अबूबकर 3, बिन अबू क़हाफह 4। (रज़ि यल्लाहु अन्हुम)
(1) अबू अतीक़ 1, बिन अब्दुर्ररहमान 2, बिन अबू बकर 3, बिन अबू क़हाफह 4 (रज़ि यल्लाहु अन्हुम)

सवाल 2845 : अन्सारे मदीना में जो जमाअत सबसे पहले मुशर्रफ बइस्लाम हुई उनका तअल्लुक़ किस क़बीले से था और कौन हज़रात थे?

जवाब 2845 : कबीलए खज़रज के 6 अफराद थे (1) असअद बिन ज़ेरारह (2) औफ़ बिन अेफ़रा (3) नाफेअ बिन मालिक अजलानी (4) अतिया बिन आमिर (5) उक़बा बिन आमिर (6) जाबिर

बिन अब्दुल्लाह रज़ि यल्लाहु अन्हुम।

सवाल 2846 : वह कौन से सहाबी हैं जो कुफ्फार के कैद ख़ाना से मुसलमान कैदियों को निकाल ले जाया करते थे?

जवाब 2846 : हज़रत मरसद रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 2847 : किस सहाबी के बारे में सैयदना उमर फ़ारूक़ रज़ियल्लाहु अन्हु ने फ़रमाया कि इस उम्मत ने शबीहे ख़लील अलैहिस्सलाम को देख लिया।

जवाब 2847 : हज़रत सौबान रज़ियल्लाहु अन्हु आपको नुबुव्वत के झूटे दावेदार असवदे अंसी की नुबुव्वत का इकरार करने के जुर्म में आग में डाला गया मगर बाल बीका न कर पाई।

सवाल 2848 : हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने अपनी उम्मत में से दो शख़्सों के पीछे नमाज़ पढ़ी उन के असमाए गिरामी क्या हैं?

जवाब 2848 : हज़रत अबू बकर सिद्दीक़ और हज़रत अब्दुर्रहमान बिन औफ रज़ि यल्लाहु अन्हुमा।

सवाल 2849 : हज़रत अबू फ़क़ीहा रज़ि यल्लाहु अन्हु किस के गुलाम थे और किस ने आज़ाद कराया?

जवाब 2849 : उमय्या के बेटे सफ़वान के गुलाम थे। हज़रत अबू बकर सिद्दीक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु ने अज़ाद कराया।

(ज़ियाउन्नबी दोम सफ़ह 329)

सवाल 2850 : हज़रत अब्दुल्लाह बिन सलाम रज़ि यल्लाह अन्हु किस नबी की ज़ुर्रिय्यत में से थे?

जवाब 2850 : हज़रत यूसुफ सिद्दीक़ अलैहिस्सलाम की।

(ज़ियाउन्नबी सोम सफ़ह 211)

सवाल 2851 : हज़रत अब्दुल्लाह बिन सलाम रज़ि यल्लाह अन्हु का पहला नाम क्या था?

जवाब 2851 : हसीन,सरकार सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने अब्दुल्लाह रख्खा। (ज़ियाउन्नबी जि. 3 स. 211)

सवाल 2852 : हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने अपने दो सहाबियों को दो जलीलुलक़द्र पैग़म्बर से तशबीह दी उन के अस्माए गिरामी बताइए?

जवाब 2852 : हज़रत अबू बकर रज़ि यल्लाहु अन्हु को हज़रत इब्राहीम

अलैहिमस्सलाम से और हज़रत उमर फारुक रज़ि यल्लाहु अन्हु को हज़रत नूह और मूसा अलैहिमस्सलाम से।
(ज़ियाउन्नबी सोम सफह 386)

सवाल 2853 : हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने किन तीन शख़्सों के बारे में फरमाया है कि सियाह फामों में सबसे बेहतर हैं?

जवाब 2853 : हज़रत नुअमान,बिलाल, मुहजह रज़ि यल्लाहु अन्हुम।
(ज़ियाउन्नबी जिल्द 3 सफह 398)

सवाल 2854 : वह कौन लंगड़े सहाबी हैं जिन के चार बेटे हर जंग में सरकार सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के हमरिकाब रहा करते थे?

जवाब 2854 : हज़रत अम्र बिन जुमूह। बेटों के नाम ख़ल्लाद, मअव्वज़, मआज़, अबूऐमन है। रज़ि यल्लाहु अन्हुम।
(ज़ियाउन्नबी जि. 3 स. 459)

सवाल 2855 : जब अहले मदीना ने यजी़द के ख़िलाफ़ अलमे बग़ावत बलंद किया तो ल कर के कमान्डर कौन थे?

जवाब 2855 : हज़रत अब्दुल्लाह बिन हंज़लह रज़ि यल्लाहु अन्हु।
(ज़ियाउन्नबी जिल्द 3 सफह 497)

सवाल 2856 : आमिर बिन तुफैल के बक़ौल वह कौन शख़्स हैं जिन को जब क़त्ल किया गया तो उन्हें आस्मान की तरफ उठाकर ले गए यहाँ तक कि वह आस्मान से भी बुलंद हो गए?

जवाब 2856 : हज़रत आमिर बिन फुहीरह सिद्दीक़े अकबर के चरवाहा रज़ि यल्लाहु अन्हुमा। (ज़ियाउन्नबी सोम सफा 594)

सवाल 2857 : हिजरत के आठवें साल माहे सफरुल मुज़फ्फर में दुनियाऐ अरब की तीन मशहूर शख़सियतें दामने इस्लाम में दाख़िल हुईं उनके अस्माए गिरामी बताइए?

जवाब 2857 : हज़रत ख़ालिद बिन वलीद, उसमान बिन तल्हा बिन अबी तल्हा और हज़रत अम्र बिन आ़स रज़ि यल्लाहु अन्हुम।
(ज़ियाउन्नबी चहारुम सफह 347)

सवाल 2858 : हुसने इत्तेफाक़ हज़रत एताब बिन उसैद रज़ि यल्लाहु अन्हु का विसाल उस दिन हुआ जब इस्लाम के एक नामवर ख़लीफा ने दाईए अजल को लब्बैक कहा आप ख़लीफ़ा का इस्मे गिरामी बताइए?

जवाब 2858 : सय्यदुना अबू बकर सिद्दीक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु।
(ज़ियाउन्नबी चहारुम सफह 484)

सवाल 2859 : एक सहाबी ने रात भर एक यहूदी के बाग़ को सैराब किया और मज़दूरी में मिली दो साअ खजूर में से एक साअ खजूर अपने महबूब सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की बारगाह में पेश कर दी। उन का इस्मे गिरामी क्या है?

जवाब 2859 : हज़रत अबू अक़ील अन्सारी रज़ि यल्लाहु अन्हु।
(ज़ियाउन्नबी जिल्द 4 सफह 596)

सवाल 2860 : हज़रत अबू मसऊद अन्सारी रज़ि यल्लाहु अन्हु का अस्ल नाम उक़बह है बताइए आप ने किस के दौरे ख़िलाफत में किस सन में विसाल फरमाया?

जवाब 2860 : हज़रत अली रज़ि यल्लाहु अन्हु के अहदे ख़िलाफत मे 40 हिजरी से क़ब्ल। (नुज़हतुल क़ारी अव्वल सफह 344)

सवाल 2861 : हज़रत मुग़ीरह बिन शुअबह रज़ि यल्लाहु अन्हु किस की तरफ से कूफा के हाकिम थे?

जवाब 2861 : हज़रत अमीर मोआवियह रज़ि यल्लाहु अन्हु की तरफ से सन 50 हिजरी में विसाल फरमाया।
(नुज़हतुल्क़ारी अव्वल सफह 347)

सवाल 2862 : हज़रत अबू वाक़िद लैसी रज़ि यल्लाहु अन्हु का असल नाम बताइए?

जवाब 2862 : हारिस बिन औफ, बनी केनानह से थे, इन्से 24 हदीसें मरवी हैं, 75 साल की उम्र में सन 68 हिजरी में विसाल फरमाया। (नुज़हतुल्क़ारी अव्वल सफह 361)

सवाल 2863 : सिग़ारे सहाबह में से वह कौन सहाबी हैं जिन के मुंह पर हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने कुल्ली फरमाई?

जवाब 2863 : महमूद बिन रबिअ रज़ि यल्लाहु अन्हु। बवक़्ते विसाले अक़्दस सिर्फ पाँच साल के थे। मदनी ख़ज़रजी अन्सारी हैं और हज़रत उबादह बिन सामित रज़ि यल्लाहु अन्हु के दामाद हैं, दमिश्क़ में क़याम पज़ीर थे सन 99 हिजरी में बउम्र 93 साल विसाल फरमाया। (नुज़हतुल्कारी अव्वल सफह 373)

सवाल 2864 : हज़रत अब्दुल्लाह उनैस रज़ि यल्लाहु अन्हु का विसाल किस के अहेद में हुआ?

जवाब 2864 : हज़रत अमीरे मोआवियह रज़ि यल्लाहु अन्हु के अहेद में 54 हिजरी में शाम में वफात हुई 25 हदीसें मरवी हैं।

(नुज़हतुल्क़ारी अव्वल सफह 375)

सवाल 2865 : सिगारे सहाबह में से हज़रत अबू हुज़ैफह नाम वहब बिन अब्दुल्लाह सवाली रज़ि यल्लाह अन्हु जो कुफे के बाशिन्दे थे बताइए उन का विसाल कब हुआ?

जवाब 2865 : सन 72 हिजरी में 45 हदीसैं मरवी हैं।

(नुज़हतुल्क़ारी अव्वल सफह 401)

सवाल 2866 : हज़रत उबै बिन कअब अन्सारी सहाबी रज़ि यल्लाहु अन्हु इस उम्मत के सबसे बड़े क़ारी हैं बताइए उनका ख़िताब क्या था?

जवाब 2866 : इक़राओ हाजिहिल उम्मह सन 19, 20 या 30 हिजरी में मदीना में विसाल हुआ। 164 हदीसैं मरवी हैं।

(नुज़हतुल्क़ारी अव्वल सफह 416)

सवाल 2867 : मालिक बिन अल्होरेस लैषी रज़ि यल्लाहु अन्हु जो बसरह में सकूनत पज़ीर थे जिनका ज़माना हज़रत इमाम आज़म रज़ि यल्लाहु अन्हु ने पाया। बताइए कब विसाल हुआ?

जवाब 2867 : सन 94 हिजरी में। (नुज़हतुल्कारी सोम सफह 119)

सवाल 2868 : बताइए जंगे हुनैन के मौक़ा पर हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के हमरेकाब और सवारी के लगाम कौन सहाबी पकड़े हुए थे?

जवाब 2868 : हज़रत अबू सुफयान रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 2869 : हज़रत अबू सुफयान रज़ि यल्लाहु अन्हु की एक आँख सबसे पहले तीर लगने की वजह से किस गज़वह में काम आई?

जवाब 2869 : जंगे ताएफ में।

सवाल 2870 : हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के हुक्म से अरब के बड़े बुत मनात के बुतख़ाना को किस ने मुनहदिम किया?

जवाब 2870 : हज़रत अबू सुफ़ियान रज़ि यल्लाहु अन्हु ने।

सवाल 2871 : हज़रत इकरमा बिन अबू जहल रज़ि यल्लाहु अन्हु की बीवी का नाम क्या था?

जवाब 2871 : हज़रत उम्मे हकीम बिन्ते हारिस रज़ि यल्लाहु अन्हा।

सवाल 2872 : इस उम्मत में सबसे पहले नमाज़ किसने अदा की?

जवाब 2872 : हज़रत ख़दीजतुल कुबरा ने फिर हज़रत अली ने (रज़ि यल्लाहु अन्हुमा)। (ज़रक़ानी अव्वल सफह 241)

सवाल 2873 : सबसे पहले मस्जिदों में मेहराब किसने बनवाया?

जवाब 2873 : हज़रत उसमान ग़नी रज़ि यल्लाहु अन्हु ने।

(तारीख़ुल ख़ुल्फा सफह 116)

सवाल 2874 : सबसे पहले जानवरों के लिए चरागाह किसने मुक़र्रर की?

जवाब 2874 : हज़रत उसमान ग़नी रज़ि यल्लाहु अन्हु ने।

(हवाला मुंदरजा बाला)

सवाल 2875 : क़्यामत के दिन सबसे पहले फैसला के लिए कौन खड़े होंगे?

जवाब 2875 : हज़रत अली कर्रमल्लाहु वजहु।

(मवाहिबे लदुनिया दोम सफह 416)

सवाल 2876 : इल्मे नह्व के मोजिद कौन सहाबी हैं?

जवाब 2876 : हज़रत अली रज़ि यल्लाहु अन्हु।

(मुहाज़िरतुल अवाएल सफह 69)

सवाल 2877 : इल्मे सर्फ किसने ईजाद किया?

जवाब 2877 : हज़रत मआज़ बिन जबल रज़ि यल्लाहु अन्हु ने।

(मुहाज़ेरतुल अवाएल सफह 69)

सवाल 2878 : अज़ान के लिए मीनार किसने बनवाए और सबसे पहले अज़ान मीनारा पर किसने पढ़ी?

जवाब 2878 : हज़रत अमीर मआ़विया ने बनवाए। और शुरहबील बिन हस्ना ने सबसे पहले अज़ान पढ़ी। (रद्दुलमह्तार अव्वल सफह 271)

सवाल 2879 : वह कौन से ताबई हैं जिनके हाथ पर सहाबी मुसलमान हुए?

जवाब 2879 : शहेनशाहे हब्शा नजाशी हैं जिनके हाथ पर अमर बिन आसी नामं के सहाबी मुशर्रफ़ ब-इस्लाम हुए। (रज़ि यल्लाहु अन्हुमा) (ज़रकानी जिल्द 3 सफह 302)

सवाल 2880 : वह कौन खुशनसीब ख़ातून हैं जिनकी क़ब्र में थोड़ी देर के लिए रहमते आलम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम लेट गए?

जवाब 2880 : हज़रत अली रज़ि यल्लाहु अन्हु की वालिदह फातिमा बिन्ते असद। (जज़्बुलकुलुब सफह 171)

सवाल 2881 : अब तक कितने सहाबए किराम के नाम मालूम हो सके हैं?

जवाब 2881 : सात हज़ार सहाबा के नाम। (अल्मलफूज़ सोम 59)

सवाल 2882 : वह कौन सहाबी हैं जिनसे मैदाने महशर में हिसाब नहीं लिया जाएगा?

जवाब 2882 : सय्यदुना अबू बकर सिद्दीक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु।
(नूरुल अबसार सफह 54)

सवाल 2883 : हज़रत उसमान गनी रज़ि यल्लाहु अन्हु की शिफाअत से कितने हज़ार अफराद बग़ैर हिसाब व किताब जन्नत में दाख़िल होंगे?

जवाब 2883 : सत्तर हजार अफराद। (ज़रक़ानी जि. 3 सफह 315)

सवाल 2884 : वह कौन ख़ुशनसीब सहाबी हैं जिनके तरफ देखना इबादत था?

जवाब 2884 : हज़रत अली बिन अबी तालिब रज़ि यल्लाहु अन्हु।
(अशरफुल्मुअब्बद सफह 114)

सवाल 2885 : हज़रत सय्यदुना अबु बकर सिद्दीक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु के ज़माना के वह कौन से क़ाज़ी थे कि एक साल के अर्सा में एक भी मुक़दमा पेश ना हुआ?

जवाब 2885 : हज़रत सय्यदुना उमर फ़ारूक़ रज़ियल्लाहु अन्हु, सिद्क़ व सफ़ा की ऐसी नज़ीर नहीं मिलती है।

सवाल 2886 : हज़रत अली रज़ि यल्लाहु अन्हु का लक़ब हैदरे कर्रार किसने रखा था?

जवाब 2886 : सरकारे दो आलम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने।
(ग़यासुल्लुग़ात सफह 358)

सवाल 2887 : वह कौन सहाबएकिराम हैं जिन्होंने अपने अपने वालिद को अपने हाथों से क़त्ल किया?

जवाब 2887 : हज़रत अम्र बिन आ़स ने अपने काफिर बाप आ़स बिन वायेल को और हज़रत अबू उबैदह इब्नुल जर्राह ने अपने

काफ़िर बाप जर्राह को। (रज़ि यल्लाहु अन्हुमा)

सवाल 2888 : हज़रत अमीर हमजा व हज़रत उमर रज़ियल्लाहु अन्हुमा ने किस सन में इस्लाम क़ुबूल किया।

जवाब 2886 : 616 ई० में।

सवाल 2889 : हज़रत अब्दुल्लाह बिन सलाम ने इस्लाम कब क़बूल किया?

जवाब 2889 : अप्रैल सन 623 ई. ज़िल हिज्जा सन 1 हिजरी में।

सवाल 2890 : हज़रत अमर बिन आ़स व हज़रत ख़ालिद बिन वलीद रज़ि यल्लाहु अन्हुमा किस सने ई. में इस्लाम में दाख़िल हुए?

जवाब 2890 : रबिउल आख़िर सन 8 हिजरी / अगस्त सन 629 ई. में

सवाल 2891 : हज़रत आमिर बिन तुफ़ैल दोसी और उन के शहज़ादे जुंदब रज़ि यल्लाहु अन्हुमा किस जंग में शहीद हुए?

जवाब 2891 : जंगे यरमूक में। (मरदाने अरब अव्वल सफ़ह 213)

सवाल 2892 : मफ़लूकुल हाल ईसाइयों और यहूदियों के लिए रोज़ीने किस सहाबी ने मुक़र्रर किये?

जवाब 2892 : अमीरुल मोमिनीन हज़रत उमर फ़ारुक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु ने।

सवाल 2893 : सुल्तानुलहदीस किस सहाबी को कहते हैं?

जवाब 2893 : हज़रत अबू हुरैरह रज़ि यल्लाहु अन्हु को।

सवाल 2894 : सबसे पहले नहरैं इस्लाम में किस ने खुदवाईं?

जवाब 2894 : हज़रत उमर फ़ारुक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु ने।

❖❖❖

सहाबियात रिज़वानुल्लाहे अन्हुन्न

सवाल 2895 : इस्लाम की राह में सबसे पहले शहीद होने वाली सहाबिया का इस्मे गिरामी बताइए?

जवाब 2895 : हज़रत सुमैया रज़ि यल्लाहु अन्हा।

सवाल 2896 : एक सहाबिया अपने दौर में मरसिया गोई में मक़ाम रखती थीं उन का इस्में गिरामी बताइए?

जवाब 2896 : हज़रत ख़ुन्सा रज़ि यल्लाहु अन्हा।

सवाल 2897 : वह कौन सी सहाबिया हैं जो पहली हिजरते हब्शा में अपने शौहर के साथ शरीक हुईं हैं और बाद में उम्मुल मोमिनीन

होने का शर्फ हासिल किया?

जवाब 2897 : हज़रत उम्मे सल्मा रज़ि यल्लाहु अन्हा।

सवाल 2898 : इस्लाम में नोहा करना जायज़ नहीं लेकिन हुजूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने एक सहाबिया को इसकी इजाज़त अता फर्मा दी, उनका इस्मे गिरामी बताइए।

जवाब 2898 : हज़रत उम्मे अतिया रज़ि यल्लाहु अन्हा।

सवाल 2899 : औरत को शौहर की मैयत पर चार महीने दस दिन सोग करना वाजिब है। लेकिन हुजूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने एक सहाबिया को इस हुक्मे आम से मुस्तसना फर्मा दिया, उनका इस्मे गिरामी बताइए?

जवाब 2899 : हज़रत अस्मा बिन्ते उमैस रज़ि यल्लाहु अन्हा।

सवाल 2900 : हज़रत उम्मे अतिया अन्सारी रज़ि यल्लाह अन्हा हुजूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के साथ कितने गज़वात में शरीक हुईं?

जवाब 2900 : सात। (नुज़हतुल्कारी अव्वल सफह 509)

सवाल 2901 : हज़रत उम्मे अतिया अन्सारी रज़ि यल्लाहु अन्हा से कितनी हदीसें मरवी हैं?

जवाब 2901 : 40/अहादीस। (नुज़हतुल कारी अव्वल सफह 509)

सवाल 2902 : हज़रत अमरह बिन्ते अब्दुर्रहमान बिन सईद रज़ि यल्लाहु अन्हा कहाँ की रहने वाली थीं ?

जवाब 2902 : मदीना तैयबा की बाशिन्दा अन्सारी ख़ातून थीं।
(नुज़हतुलकारी सोम सफह. 343)

सवाल 2903 : वह कौन सी अन्सारिया हैं जिनके भाई की लाश का मुस्ला किया गया?

जवाब 2903 : हज़रत फातिमा बिन्ते अम्र बिन हेज़ाम अन्सारिया रज़ि यल्लाहु अन्हा।

सवाल 2904 : इस्लाम लाने के जुर्म में किन सहाबिया को मुशरिकीन बदकारी पर मजबूर करते थे?

जवाब 2904 : हज़रत मैस्का व हज़रत उमैमा रज़ि यल्लाहु अन्हुमा को।

सवाल 2905 : उम्माहातुल मोमिनीन में से उन ख़ातून का इस्मे ग्रामी बताइये जिन्हों ने अपने बाप को अपने शौहर के बिस्तर पर बैठने से मना कर दिया?

जवाब 2905 : हज़रत उम्मे हबीबा रज़ि यल्लाहु अन्हा ने अपने वालिद अबू सुफ़यान रज़ि यल्लाहु अन्हु को जब आप हालते कुफ्र में थे।

सवाल 2906 : वह कौन सहाबिया हैं जिन के घी के मेटके में हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने दम कर दिया तो इतनी बरकत हुई कि ख़लीफ़ए दोम के अहदे ख़िलाफ़त तक उसी मेटके से घी खाती रहीं?

जवाब 2906 : हज़रत उम्मे औस रज़ि यल्लाहु अन्हा।

सवाल 2907 : जंगे ख़न्दक़ में एक सहाबिया भी शामिल थीं उनका इस्मे ग्रामी बताइये?

जवाब 2907 : हज़रत रुफ़ैदा रज़ि यल्लाहु अन्हा।

सवाल 2908 : सब से पहली मुहाजिर ख़ातून का नाम बताइये?

जवाब 2908 : हज़रत रबीआ की बीवी लैला बिन्ते हेशमा रज़ि यल्लाहु अन्हुमा।

सवाल 2909 : उन चारों सहाबियात के इसमे ग्रामी क्या हैं जिन को कुर्आन मजीद मुकम्मल याद था या जो हाफिज़ा थीं?

जवाब 2909 : हज़रत आइशा सिद्दीक़ा,उम्मे सलमा, हफसा, उम्मे वरक़ा बिन नोफिल रिज़वानुल्लाहे अन्हुन्न।

सवाल 2910 : वह कौन सहाबिया हैं जिन की बीनाई ज़ायल होने के बाद मुशरिकीन के तअना की वजह से वापस आ गई?

जवाब 2910 : हज़रत जुनीरह रूमिया रज़ि यल्लाहु अन्हा जो बनू मख़्ज़ूम की लौन्डी थीं।

सवाल 2911 : एक यहूदी औरत ने मकान की छत से भारी पत्थर गिरा कर किस सहाबिया के बेटे को शहीद कर दिया था?

जवाब 2911 : हज़रत उम्मे ख़ल्लाद अन्सारिया के बेटे ख़ल्लाद को (रज़ियल्लाहु अन्हुमा)

सवाल 2912 : ज़मानए जाहिलियत में हज़रत सफिया बिन्ते अब्दुल मुत्तलि रज़ि यल्लाहु अन्हा की शादी किस से हुई थी?

जवाब 2912 : हज़रत अबू सुफियान रज़ि यल्लाहु तआला अन्हु के भाई हारिस बिन हरब से।

सवाल 2913 : हारिस के इन्तेक़ाल के बाद हज़रत सफिया रज़ि यल्लाहु अन्हा किस के निकाह में दाख़िल हुईं ?

जवाब 2913 : अव्वाम बिन ख़ुवैल्द के, जिन से ज़ुबैर, साइब, अब्दुल

कअबा पैदा हुए।

सवाल 2914 : उम्मे सुलैम रज़ि यल्लाहु अन्हा ने अबू तल्हा से निकाह के वक़्त क्या महेर तसलीम किया?

जवाब 2914 : उम्मे सुलैम ने फरमाया मेरा महेर अबू तल्हा का इस्लाम क़बूल करना है।

सवाल 2915 : हज़रत फिज़्ज़ा रज़ि यल्लाहु अन्हा किस की कनीज़ थीं?

जवाब 2915 : हज़रत सय्यदह फातिमा ज़हरा बुतूल रज़ि यल्लाहु अन्हा की।

सवाल 2916 : हज़रत उम्मे कुल्सूम बिन्ते रसूलुल्लाह सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम को बादे विसाल गुस्ल किस सहाबियह ने दिया?

जवाब 2916 : लैला सक़ीफा रज़ि यल्लाहु अन्हा ने।

सवाल 2917 : जंगे यरमूक के मारके में खेमे की चोंब से किस ने बारह रूमियों को क़त्ल किया था?

जवाब 2917 : हज़रत अस्मा बिन्ते ज़ैद रज़ि यल्लाहु अन्हा ने।

सवाल 2918 : मारकए उहद में आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के लिये सीना सिपर हो कर दाऐं बाऐं लड़ने वाली सहाबिया का इस्मे गिरामी बताइये?

जवाब 2918 : हज़रत उम्मे अम्मारह रज़ि यल्लाहु अन्हा।

सवाल 2919 : हज़रत उम्मे अम्मारह रज़ि यल्लाहु अन्हा के वह कौन साहिबज़ादे हैं जिन्हें मदीना और उम्मान के रास्ते में मुसैलमा किज़्ज़ाब ने शहीद कर के जिस्म का हर अज़ू अलग कर दिया था?

जवाब 2919 : हज़रत हबीब रज़ि यल्लाहु अन्हु ।

सवाल 2920 : मुसैलिमा किज़्ज़ाब को क़त्ल करने के लिये हज़रत ख़ालिद बिन वलीद रज़ि यल्लाहु अन्हु के लशकर में कौन सहाबियह शामिल थीं?

जवाब 2920 : हज़रत उम्मे अम्मारा रज़ि यल्लाहु अनहा।

सवाल 2921 : अरब के मशहूर सख़ी हातिम ताई की बेटी जो सहाबिया थीं उन का इसमे गिरामी बताइये?

जवाब 2921 : हज़रत सफ़ाना रज़ि यल्लाहु अन्हा।

सवाल 2922 : हज़रत उम्में हानी रज़ि यल्लाहु अन्हा का अस्ल नाम क्या था?

जवाब 2922 : फाख़्ता (अस्माए रिजाल मिश्कात सफह 623)

सवाल 2923 : औरतों में सब से पहले मुशरिक को किस सहाबिया ने क़त्ल किया?

जवाब 2923 : हज़रत सफ़िया रज़ि यल्लाहु अन्हा ने जो आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की फूफी थीं।

सवाल 2924 : ज़मानए रिसालत में औरतों को गुस्ल देने वाली सहाबिया का इस्मे गिरामी बताइये?

जवाब 2924 : हज़रत उम्मे अतिया रज़ि यल्लाहु अन्हा जिन का लक़ब गस्साला और अस्ल नाम नसीबा था(बुख़ारी जिल्द 2, सफ्ह 168) बाप का नाम कअब या अलहारिस था,
(नुज़्हतुल क़ारी अव्वल सफह 509,)

सवाल 2925 : दूख़्तरे सहरा किस सहाबिया को कहा जाता है?

जवाब 2925 : हज़रत उम्मे अम्मारह रज़ि यल्लाहु अन्हा को।

सवाल 2926 : दुश्मने इसलाम अबूलहब की वह कौन सी बेटी थीं जो हिजरत करके मदीना हाज़िर हुई और वहीं रहने लगीं?

जवाब 2926 : हज़रत सईबा रज़ि यल्लाहु अन्हा।
(एसाबा जिल्द 4 सफह नं. 298)

सवाल 2927 : हज़रत उम्मे ऐमन रज़ि यल्लाहु अन्हा का अस्ल नाम बताइए?

जवाब 2927 : बरकत। (सीरतुन्नबी अव्वल सफह नं. 169)

सवाल 2928 : उन सहाबिया का इस्मे ग्रामी बताइए जिन्हें हज़रत उमर फारुक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु इसलाम क़ुबूल करने से क़ब्ल बेतहाशा ज़दो कोब किया करते थे?

जवाब 2928 : हज़रत लुबीना रज़ि यल्लाहु अन्हा जो आप की लौन्डी थी।

सवाल 2929 : ग़ारे सोर में हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम को खाना पहुंचाने की ख़िदमत किसने अन्जाम दी?

जवाब 2929 : हज़रत अस्मा बिन्ते अबू बकर रज़ि यल्लाहू अन्हा ने।

सवाल 2930 : आमिर बिन फ़ुहैरा की बहेन लुतैफा किसकी कनीज़ थीं और किसने आज़ाद कराया था (रज़ि यल्लाहु अन्हुमा)?

जवाब 2930 : हज़रत उमर फारुक़ की कनीज़ थी हज़रत अबू बकर सिद्दीक़ ने आज़ाद कराया (रज़ि यल्लाहु अन्हुमा)। इसलाम लाने से क़ब्ल उनके इस्लाम लाने पर आप तक्लीफ़ें दिया करते थे।

❖❖❖

ताबेईन

हज़रत उवैस क़रनी रहमतुल्लाहि तआला अलैहि

सवाल 2931 : हज़रत उवैस क़रनी रहमतुल्लाहि अलैहि का विसाल कब हुआ?

जवाब 2931 : सन 37 हिजरी में।

सवाल 2932 : रहमते आलम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने ख़ैरुत्ताबिइन का ख़िताब किस जलीलुल क़द्र शख़सियत को अता फरमाया?

जवाब 2932 : हज़रत उवैस क़रनी रहमतुल्लाहि अलैहि को।

सवाल 2933 : हज़रत उवैस क़रनी रहमतुल्लाहि अलैहि किस मुल्क के रहने वाले थे?

जवाब 2933 : मुल्के यमन कस्बा क़रन के।

सवाल 2934 : हज़रत उवैस क़रनी रहमतुल्लाहि अलैहि की दुआ से कितने गुनहगार की मग़फिरत हुई?

जवाब 2934 : क़बीलए रबिआ और मुज़र की भेड़ों के बालों के बराबर।

सवाल 2935 : ग़ज़्वए उहद में हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के दनदाने मुबारक शहीद होने पर किसने अपने दांत शहीद कर दिए?

जवाब 2935 : हज़रत उवैस क़रनी रहमतुल्लाहि अलैहि ने।

सवाल 2936 : सरकारे दो आलम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने अपना ख़िर्क़ा शरीफ़ किस बज़ुर्ग हस्ती को देने की वसीयत की?

जवाब 2936 : हज़रत उवैस क़रनी रहमतुल्लाहि अलैहि को।

सवाल 2937 : हज़रत उवैस क़रनी रहमतुल्लाहि अलैहि की बारगाह में आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की वसीयत के मुताबिक़ ख़िर्क़ा शरीफ पहुंचाने का शर्फ किसको हासिल हुआ?

जवाब 2937 : हज़रत उमर फारुक़ और हज़रत अली रज़ि यल्लाहु अन्हुमा को।

सवाल 2938 : उस बजुर्ग हस्ती का इस्मे ग्रामी क्या है जिनकी शक्ल में सत्तर हज़ार फरिशते बरोज़े हश्र पैदा किए जाएंगे?

जवाब 2938 : हज़रत उवैस क़रनी रहमतुल्लाहि अलैह।

मुतफर्रिक़ ताबेईन

सवाल 2939 : उमवी हुकूमत के वह कौन ताबई हैं जो सिन्ध के वाली मुक़र्रर हुए?

जवाब 2939 : हज़रत इब्ने उसैद बिन खुन्स रहमतुल्लाहि अलैहि।

सवाल 2940 : मोहम्मद बिन क़ासिम के साथ वारिदे सिन्ध होने वाले ताबई का इस्मे गिरामी बताइये?

जवाब 2940 : हज़रत अबू शैबा जौहरी वासती रहमतुल्लाहि अलैहि। (अस्ल नाम यूसुफ बिन इब्राहीम तमीमी था।

सवाल 2941 : मकरान की जंग में जो उस वक़्त हिन्दुस्तान का एक शहेर था किस ताबई ने शिर्कत की?

जवाब 2941 : हज़रत आशा हमदानी रहमतुल्लाहि अलैहि ने।

सवाल 2942 : हज्जाज़ बिन यूसुफ ने मकरान की सयाहत करने वाले किस ताबई से सिन्ध के हालात मालूम किये?

जवाब 2942 : हज़रत अबू अय्यूब बिन ज़ैद हिलाली रहमतुल्लाहि अलैहि से।

सवाल 2943 : हज़रत अली रज़ि यल्लाहु अन्हु के दौरे ख़िलाफ़त में इस्लामी लशकर के अमीर की हैसियत से वारिदे सिन्ध होने वाले ताबई का इस्मे गिरामी बताइये?

जवाब 2943 : हज़रत तागर्दअर रहमतुल्लाहि अलैहि।

सवाल 2944 : सन 38 हिजरी में हज़रत अली रज़ि यल्लाहु अन्हु के हुक्म से हुदूदे हिन्द में कौन ताबई दाख़िल हुए?

जवाब 2944 : हज़रत हारिस बिन मुर्रा अबदी रहमतुल्लाहि अलैहि।

सवाल 2945 : उबैदुल्लाह बिन ज़ियाद ने मफतूहा बिलादे हिन्द का वाली किसे मुक़र्रर फरमाया?

जवाब 2945 : हज़रत हरी बिन हरी बाहेली रहमतुल्लाहि अलैहि को।

सवाल 2946 : वह कौन ताबई हैं जो फतहे सिन्ध के मौक़ा पर मोहम्मद बिन क़ासिम के साथ थे?

जवाब 2946 : हज़रत नवाइदा बिन उमैर ताबई रहमतुल्लाहि अलैहि।

सवाल 2947 : जिहादे सिन्ध में मोहम्मद बिन क़ासिम के साथ दस्त व बाज़ू रहने वाले ताबई का इस्मे गिरामी बताइए?

जवाब 2947 : हज़रत ज़्याद बिन हवारी अमी रहमतुल्लाहि अलैहि।

सवाल 2948 : मशहूर ताबई हज़रत अुबाद बिन ज़्याद बिन अबू सुफियान रहमतुल्लाहि अलैहि सजिस्तान से बिलादे हिन्द में कब दाख़िल हुए?

जवाब 2948 : सन 44 हिजरी में। कछ और क़न्धार के इलाकों में ग़ैर मुस्लिमों से जंग भी की।

सवाल 2949 : मोहम्मद बिन क़ासिम ने राजा दाहिर का सर इराक़ की जिस जमाअत के साथ रवाना किया था उस जमाअत के अमीर का नाम बताइये?

जवाब 2949 : हज़रत अबू क़ैस ज़्याद बिन रिबाह क़सीमी बसरी रहमतुल्लाहि अलैहि जो ताबई थे।

सवाल 2950 : मशहूर ताबई हज़रत सईद बिन ज़ुबैर रज़ि यल्लाहु अन्हु की कुन्नियत और लक़ब बताइये?

जवाब 2950 : कुन्नियत अबू मोहम्मद, लक़ब ज़ुहज़ुल उलमा (परखने वाला)। (नुज़्हतुल क़ारी अव्वल सफह 212)

सवाल 2951 : हज़रत सईद बिन ज़ुबैर रज़ि यल्लाहु अन्हु को किस ने शहीद किया?

जवाब 2951 : मशहूर सक़फी ज़ालिम हज्जाज ने सन 95 हिजरी में आप की कुल उम्र 99 साल की हुई। मज़ारे पाक वासित में है। (नुज़्हतुल क़ारी अव्वल सफह 212)

सवाल 2952 : हज़रत उमर बिन अब्दुल अज़ीज़ बिन मरवानुल हिकम बिन आस बिन उमैया की वालिदा का नाम बताते हुए बताइये कि कब पैदा हुए?

जवाब 2952 : वालिदा का नाम उम्मे आसिम लैला बिन्ते आसिम बिन फारूक़। सन 61 हिजरीमें हुलवान मिस्र के एक शहेर में पैदा हुए जिस साल इमाम हुसैन रज़ि यल्लाहु अन्हु शहीद हुए, 25 तारीख़ रजब पंजशंबा या जुमा बउम्र 40 साल विसाल हुआ। (नुज़्हतुलक़ारी अव्वल सफह 241)

सवाल 2953 : मशहूर ताबई हज़रत इब्राहीम कैमी रज़ि यल्लाहु अन्हु किस ज़ालिम की कै़द में थे?

जवाब 2953 : हज्जाज बिन युसूफ की। सन 92 हिजरी में विसाल फरमाया। (नुज़्हतुलक़ारी अव्वल सफह 308)

सवाल 2954 : ताबई हज़रत इब्ने अबी मलीका रज़ि यल्लाहु अन्हु का अस्ल नाम क्या है और कब विसाल हुआ?

जवाब 2954 : अस्ल नाम अब्दुल्लाह बिन उबैदुल्लाह था। सन 117 हिजरी में विसाल हुआ। (नुज़्हतुल क़ारी अव्वल सफह 308)

सवाल 2955 : हज़रत अबू जमरा, अस्ल नाम नसर बिन इमरान या आसिम बिन वासेअ़ रहमतुल्लाहि अलैहि का विसाल कब हुआ ?

जवाब 2955 : सन 128 हिजरी में। (नुज़्हतुलक़ारी अव्वल सफह 339)

सवाल 2956 : हज़रत सुफियान सौरी अबू अबदुल्लाह बिन सईद बिन मसरूक़ रहमतुल्लाहि अलैहि तबअ़ ताबिईन में से हैं। बताइये कब और कहां विसाल हुआ?

जवाब 2956 : सन 161 हिजरी, बसरा में। (नुज़्हतुलक़ारी अव्वल सफह 517)

सवाल 2957 : हज़रत उबैदा बिन अमर या कै़स बिन अमर कूफी ताबई हैं उनका विसाल कब हुआ?

जवाब 2957 : सन 72 हिजरी या 73 हिजरी में। (नुज़्हतुलक़ारी अव्वल सफह 518)

सवाल 2958 : हज़रत रूबई बिन हेराश रहमतुल्लाहि अलैहि ताबई सिक़ा हैं ज़िन्दगी भर झूठ ना बोले। आपके दो बेटे किस के बाग़ी थे?

जवाब 2958 : हज्जाज के। हज्जाज ने आदमी भेज कर आप से पूछा कि आप के बेटे कहां हैं। बता दिया कि घर में हैं। हज्जाज ने सुना तो यह कह कर मआफ कर दिया कि तुम्हारे बाप के सच बोलने की वजह से मआफ कर रहा हूँ। आप का विसाल सन 104 हिजरी में हुआ। (नुज़्हतुल क़ारी अव्वल सफह 393)

सवाल 2959 : हज़रत अस्वद बिन यज़ीद बिन कै़स रज़ि यल्लाहु अन्हु अजिल्लये ताबई में से हैं। ज़मानए अक़दस पाया मगर

ज़्यारत से मुशर्रफ न हुए। बताइये आप ने कितने हज व उमरे किये और कब विसाल फरमाया?

जवाब 2959 : 80 हज और उमरे अलग अलग किये। सन 75 हिजरी में कूफ़ा में विसाल फरमाया।(नुज़्हतुल क़ारी अव्वल सफ़ह 434)

सवाल 2960 : वह कौन से मशहूर सहाबी के फरज़न्द हैं जिनकी विलादत बसरा में सब से पहले मुसलमानों में हुई?

जवाब 2960 : हज़रत अब्दुर्रहमान बिन अबू बकर ताबई रज़ि यल्लाहु अन्हुमा सन 14 हिजरी में विलादत हुई, सन 99 हिजरी में विसाल फरमाया। (नुज़्हतुल क़ारी अव्वल सफ़ह 362)

सवाल 2961 : हज़रत सईद बिन मुसैइब रज़ि यल्लाहु अन्हु जो अइम्मये ताबई में से हैं बताइए उन की विलादत कब हुई?

जवाब 2961 : ख़िलाफते फारुकी के तीसरे साल पैदा हुए कुन्नियत अबू मोहम्मद है। सन 93 हिजरी में विसाल फरमाया। (नुज़्हतुलक़ारी अव्वल सफ़ह 447)

सानेहए करबला और क़ातिलाने अहलेबैत

सवाल 2962 : हज़रत इमाम हुसैन रज़ि यल्लाहु अन्हु की शहादत कहाँ वाक़े हुई?

जवाब 2962 : कर्बो बला में।

सवाल 2963 : वाक़िअए कर्बला किस तारीख़ में रुनमा हुआ?

जवाब 2963 : दस मुहर्रमुल्हराम सन 61 हिजरी बरोज़ जुमा।

सवाल 2964 : हज़रत इमाम हुसैन रज़ि यल्लाहु अन्हु की कौन सी बहेन कर्बला में आप के साथ मौजूद थी?

जवाब 2964 : हज़रत ज़ैनब रज़ि यल्लाहु अन्हा।

सवाल 2965 : हज़रत इमाम हुसैन रज़ि यल्लाहु अन्हु ने अपना नायब बनाकर कूफ़ा सबसे पहले किसको रवाना फरमाया था?

जवाब 2965 : हज़रत इमाम मुस्लिम बिन अक़ील रज़ि यल्लाहु अन्हु को।

सवाल 2966 : हज़रत इमाम मुस्लिम बिन अक़ील रज़ि यल्लाहु अन्हु की शहादत कब वाक़े हुई?

जवाब 2966 : 3 ज़ुलहिज्जा को।

सवाल 2847 : हज़रत इमाम मुस्लिम बिन अक़ील रज़ियल्लाहु अन्हु की शहादत कब वाक़ेअ हुई?

जवाब 2847 : 3 ज़िल–हिज्जा को।

सवाल 2968 : हज़रत मुस्लिम रज़ि यल्लाहु अन्हु के दोनों शहज़ादों के नाम बताइए जो कूफ़ा में शहीद हुए?

जवाब 2968 : हज़रत मोहम्मद, इब्राहीम रज़ि यल्लाहु अन्हुमा।

सवाल 2969 : मोहम्मद और इब्राहीम रज़ि यल्लाहु अन्हुमा को किस बद बख़्त ने शहीद किया?

जवाब 2969 : हारिस ने।

सवाल 2970 : हज़रत इमाम मुस्लिम रज़ि यल्लाहु अन्हु ने कूफ़ा में सबसे पहले किसके यहाँ क़याम फरमाया था?

जवाब 2970 : मुख़्तार बिन उबैद सक़फी के यहाँ।

सवाल 2971 : शहज़ादए इमाम मुस्लिम रज़ि यल्लाहु अन्हु किस के यहाँ पनाह गज़ीं थे?

जवाब 2971 : हज़रत काज़ी शुरैह के यहाँ।

सवाल 2972 : हज़रत इमाम हुसैन रज़ि यल्लाहु अन्हु के कूफ़ा रवाना होने की तारीख़ बताइए?

जवाब 2972 : तीन जुलहिज्जा।

सवाल 2973 : ख़ेमए अहले बैत पर पहला तीर किस बदबख़्त ने चलाया?

जवाब 2973 : अम्र बिन सअद ने।

सवाल 2974 : अम्र बिन सअद कौन था?

जवाब 2974 : जलीलुल क़द्र सहाबी हज़रत सअ़द बिन अबी वक़ास रज़ि यल्लाहु अन्हु का ना ख़ल्फ बेटा था।

सवाल 2975 : साहिले फुरात पर हज़रत इमाम हुसैन रज़ि यल्लाहु अन्हु ने किस तारीख़ में अपना ख़ेमा नसब फरमाया?

जवाब 2975 : 7/ मुहर्रमुलहराम को।

सवाल 2976 : यज़ीदियों ने हुसैनियों पर पानी किस तारीख़ में बंद किया?

जवाब 2976 : 7/ मुहर्रमुलहराम से।

सवाल 2977 : इमाम हुसैन रज़ि यल्लाहु अन्हु के रुफ़का की तअ़दाद किया थी?

जवाब 2977 : सिर्फ 72 नुफ़ूसे कुदसिया।

सवाल 2978 : रुफ़क़ाए इमाम हुसेन रज़ि यल्लाहु अन्हु में अहले बैत अतहार कितने थे?

जवाब 2978 : इक्कीस 21।

सवाल 2979 : दरियाए फुरात पर यज़ीदी पहरेदारों की तअदाद किया थी?

जवाब 2979 : 40 हज़ार अशक़िया।

सवाल 2980 : हज़रत अली असगर रज़ि यल्लाहु अन्हु पर जो शीर ख़्वार थे किस बदबख़्त ने तीर चलाया?

जवाब 2980 : हुरमला बिन काहिल मलऊन ने।

सवाल 2981 : हज़रत इमाम हुसैन रज़ि यल्लाहु अन्हु को किसने शहीद किया?

जवाब 2981 : शिम्र मलऊन ने।

सवाल 2982 : क़ातिले हुसैन रज़ि यल्लाहु अन्हु के बारे में ग़ैबदां रसूल सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने क्या फरमाया था?

जवाब 2982 : हुसैन का क़ातिल ऐसा शख़्स होगा जिस की पीठ पर बर्स के दाग़ और सुव्वर के बालों की तरह बाल होंगे।

सवाल 2983 : बवक़्ते शहादत इमाम हुसैन रज़ि यल्लाहु अन्हु की उम्र क्या थी?

जवाब 2983 : 56 साल 5 माह 5 दिन।

सवाल 2984 : हज़रत इमाम हुसैन रज़ि यल्लाहु अन्हु के किन दो शहज़ादों की शहादत करबला में हुई?

जवाब 2984 : हज़रत अली अकबर व अली असगर रज़ि यल्लाहु अन्हुमा की।

सवाल 2985 : बवक़्ते शहादत हज़रत अली अकबर रज़ि यल्लाहु अन्हु की उम्र क्या थी?

जवाब 2985 : 18 साल की।

सवाल 2986 : अहले बैते अतहार में से एक शहज़ादे ने 6 माह की उम्र में जामे शहादत नोश फरमाया क्या आप उस शहज़ादे का नाम बता सकते हैं?

जवाब 2986 : हज़रत अली असगर रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 2987 : हज़रत उम्मे कुल्सूम ख़्वाहिरे इमामे पाक व हज़रत सकीना बिंते हुसैन रज़ि यल्लाहु अन्हुम की क़ब्रें कहाँ वाके हैं?

जवाब 2987 : दमि क के इहातए कब्रिस्तान में।

सवाल 2988 : हज़रत इमाम हुसैन रज़ि यल्लाहु अन्हु के घोड़े का नाम बताइए?

जवाब 2988 : यमून। आप की शहादत के बाद दरियाए फुरात में डूब कर मर गया।

सवाल 2989 : दरियाए फुरात के किनारे कौन सी बस्ती में तने बेसर फरज़न्दाने इमाम मुस्लिम रज़ि यल्लाहु अन्हुम की ज़ियारत होती है?

जवाब 2989 : क़स्बा मुसैइब में।

सवाल 2990 : शुहदाए करबला में से उस शहीद का इस्मे गिरामी क्या है जो लड़ते हुए 3 मील करबला से पूरब शहीद हुए?

जवाब 2990 : इमाम हुसैन के भांजे हज़रत औन रज़ि यल्लाहु अन्हुमा।

सवाल 2991 : हज़रत हुर रज़ि यल्लाहु अन्हु का मज़ार करबला से कितनी दूरी पर वाके है?

जवाब 2991 : 3 मील के फासिले पर।

सवाल 2992 : हज़रत शहेर बानो ज़ौवजए इमाम हुसैन रज़ि यल्लाहु अन्हुमा के वालिद का नाम बताइए?

जवाब 2992 : शाहे ईरान यज़्द जरद।

सवाल 2993 : शुहदाए करबला के 72 सर किस जगह दफ्न हैं?

जवाब 2993 : दमिश्क़ के क़ब्रिस्तान में।

सवाल 2994 : सरे हुसैन रज़ि यल्लाहु अन्हु को जिस्मे मुक़द्दस से किसने जुदा किया?

जवाब 2994 : ख़ूली बिन यज़ीद ने।

सवाल 2995 : शहादते हुसैन रज़ि यल्लाहु अन्हु के बाद क़बीलए तै के एक शख़्स ने जिन्नों को नोहा करते सुना क्या आप बता सकते हैं कि जिन्न किन अल्फाज़ में नोहा करते थे?

जवाब 2995 : मसहर्रसूलु जबीनहू फलहु युरीकुन फि ल्खुदूदी-अबवाहु मन अलैना वज्हुहू ख़ैरल्जुदुदी।

तर्जुमा : रसूलुल्लाह सल्ललाहु अलैहि व सल्लम ने उनकी पेशानी पर बोसा दिया जिस के रुख़्सार ताबां और

दरख़्शां हैं। और उन के अजदाद आला वख़ैर, ख़ांदान से तअल्लुक़ रखते हैं।

सवाल 2996 : हज़रत इमाम ज़ैनुल आबिदिन रज़ि यल्लाहु अन्हु के नाना का नाम बताइए?

जवाब 2996 : यज़्द जर्द ईरान का बादशाह जो नौ शेरवां की औलाद से था।

सवाल 2997 : बताइए हज़रत इमाम ज़ैनुल आबिदिन के साहिबज़ादे हज़रत ज़ैद शहीद (रज़ि यल्लाहु अन्हुमा) की ननिहाल कहाँ थी?

जवाब 2997 : हिन्दुस्तान में।

सवाल 2998 : सरज़मीन रूम के एक ग़ाजी ने एक कनीसा पर एक शेर लिखा देखा था बताइए कौन सा था?

जवाब 2998 : अतर्जू उम्मतुन क़तलत हुसैना शफाअत जद्देही यौमल हिसाबी।

तर्जुमा: क्या वह क़ौम जिस ने हुसैन रज़ि यल्लाहु अन्हु को शहीद किया उन के जद्दे अमजद से बरोज़े हश्र शिफाअत की उम्मीद रखती है।

सवाल 2999 : सय्यदुना इमाम हुसैन रज़ि यल्लाहु अन्हु को मक्का जाने का मशवेरह किसने दिया था?

जवाब 2999 : हज़रत मोहम्मद बिन हन्फियह रज़ि यल्लाहु अन्हु ने।

सवाल 3000 : करबलाए मोअल्ला किस इस्लामी मुल्क में वाक़े है?

जवाब 3000 : इराक़ में।

हुसैनियत और अन्जामे यज़ीदियत

न यज़ीद का वह सितम रहा न वह ज़ुल्म इब्ने ज़्याद का
जो रहा तो नाम हुसैन का जिसे ज़िन्दह रखती है करबला
क़त्ले हुसैन अस्ल में मरगे यज़ीद है
इस्लाम ज़िन्दह होता है हर करबला के बाद

सवाल 3001 : क़ातिलाने अहले बैत को दोज़ख़ में किस क़दर अज़ाब दिया जाएगा?

जवाब 3001 : आतेशीं ताबूत में मुक़फ्फल करके जहन्नम में रख्खे जाएँगे।

सवाल 3002 : सरहाए शुहदा में से बनू हवाज़िन को कितने सर मिले थे?

जवाब 3002 : 22।

सवाल 3003 : इब्ने अशअस और बनी असअद के हिस्से में कितने सर आए थे?

जवाब 3003 : इब्ने अशअस के हिस्से में 13 (तेरह), बनी असअद के हिस्से में 6 (छ:)।

सवाल 3004 : बक़िया सरों की तक़सीम यज़ीदियों ने किस तरह की?

जवाब 3004 : 14 बनी तमीम पाँच एक और क़बिला को और 12 सर अहले लश्कर में तक़सीम हुए।

सवाल 3005 : सरे मज़लूमे करबला किस बदबख़्त को देकर पहले ही रवाना कर दिया था?

जवाब 3005 : ख़ूली बिन यज़ीद को।

सवाल 3006 : किस सानहे अज़ीम के मौक़ा पर दिन में तारे नज़र आए और आसमान ने ख़ून बरसाए?

जवाब 3006 : बअ़दे वाक़िआते करबला।

सवाल 3007 : गुलशने फातिमी को ताराज करने के बाद इब्ने सअद करबला में कितने दिन ठहरा?

जवाब 3007 : दो दिन (12 मुहर्रमुल्हराम तक)।

सवाल 3008 : शहीदों के सरों को नेज़ों पर बुलंद करके गश्त करने का हुक्म किसने दिया?

जवाब 3008 : इब्ने सअ़द ने।

सवाल 3009 : हज़रत इमाम ज़ैनुल आबिदिन रज़ि यल्लाहु अन्हु और शाही हरमे मुहतरम अहले बैत को करबला से किस तरह रवाना किया गया?

जवाब 3009 : ऊँटों की नंगी पीठ पर सवार करके सबकी नकील हज़रत आबिदे बीमार के हाथ में देकर पैदल रवाना किया।

सवाल 3010 : मक़ामे हिरान के किस यहूदी ने सरे इमाम से तिलावते कुर्आन पाक की आवाज़ सुनी थी?

जवाब 3010 : यहया यहूदी ने और इस करामत की वजह से वह दाख़िले इस्लाम हो गया।

सवाल 3011 : सरे इमाम हुसैन रज़ि यल्लाहु अन्हु से कुर्आन मजीद की कौन सी आयत की तिलावत हो रही थी?

जवाब 3011 : वसयअ़लमुल्लज़ीना ज़लमू अय्या मुन्क़लबीं यनक़लिबून।

सवाल 3012 : इमाम हुसैन रज़ि यल्लाहु अन्हु के लबहाए मुबारका पर छड़ी मस करके गुस्ताख़ी कौन कर रहा था?

जवाब 3012 : यज़ीद पलीद। (इस से पहले इब्ने ज़्याद भी ऐसी हरकत कर चुका था)।

सवाल 3013 : यज़ीद की हरकते नाज़ेबा देखकर किस सहाबी ने एतराज़ किया था?

जवाब 3013 : हज़रत समरह बिन जुंदब रज़ि यल्लाहु अन्हु ने।

सवाल 3014 : करबला का ख़ूनी मंज़र किस बदबख़्त की गवरनरी में वक़ूअ पज़ीर हुआ?

जवाब 3014 : अब्दुल्लाह बिन ज़ियाद बद निहाद की।

सवाल 3015 : लुटा हुआ क़ाफ़िलये अहले बैत करबला किस तारीख़ में दोबारह पहुँचा?

जवाब 3015 : 20/ सफरुल मुज़फ़्फ़र को।

सवाल 3016 : लाशहाऐ शुहदा कितने दिनों के बाद दफ्न किए गए?

जवाब 3016 : 40 रोज़ के बाद मगर लाशों का कुछ नहीं बिगड़ा था।

सवाल 3017 : वह गोश्त जो यज़ीदियों के तआ़म के वक़्त ख़ून बन गया था किसका था?

जवाब 3017 : अहले बैते अतहार से छीने हुए ऊँट का।

सवाल 3018 : वह कौन सा शहेर है जिस का हाकिम मनसूर बिन इलयास ने यज़ीदी लश्कर का इस्तेक़बाल किया था?

जवाब 3018 : नसीबैन।

सवाल 3019 : शिम्र और यज़ीदियों के इस्तेक़बाल के जुर्म में शहरे नसीबैन का क्या हश्र हुआ?

जवाब 3019 : क़हरे इलाही की बिजली गिरी जिससे सारा शहेर जल कर ख़ाक हो गया।

सवाल 3020 : वाक़िअए करबला के बाद सबसे पहले कूफ़ा पर चढ़ाई कर के किस ने हमला क्या?

जवाब 3020 : हज़रत मोहम्मद बिन हनफ़िया रज़ि यल्लाहु अन्हु ने।

सवाल 3021 : हज़रत मोहम्मद बिन हनफ़िया रज़ि यल्लाहु अन्हु के बाद क़ातिलाने अहले बैते अतहार से किस ने बदला लिया?

जवाब 3021 : मुख़्तार सक़फी ने।

सवाल 3022 : इब्ने सअद के साथ नवासाए रसूल अलैहिस्सलाम के मुक़ाबला में आने वालों के क़त्ल का हुक्म किसने दिया?

जवाब 3022 : मुख़्तार सक़फी ने।

सवाल 3023 : मुख़्तार सक़फी ने किस यज़ीदी के हाथ पाँव कटवा कर डलवा दिया था?

जवाब 3023 : ख़ूली बिन यज़ीद का जिस ने इमामे पाक के सरे मुबारका को नेज़े पर बुलंद किया था।

सवाल 3024 : मुख़्तार सक़फी ने सब से पहले किन यज़ीदियों के क़त्ल का हुक्म दिया था?

जवाब 3024 : शिम्र और इब्ने सअद के।

सवाल 3025 : मुख़्तार सक़फी कौन था?

जवाब 3025 : यह वह शख़्स है जिस ने यज़ीदियों से बदला ले कर मुहिब्बे अहले बैत का सुबूत दिया और बाद में नबुव्वत का दावा किया।

सवाल 3026 : यज़ीद पलीद जिस की वजह से गुलशने मुस्तफा को ताराज किया गया किस का बेटा था?

जवाब 3026 : कातिबे वही हज़रत अमीर मुआविया रज़ि यल्लाहु अन्हु का नाख़ल्फ बेटा।

सवाल 3027 : यज़ीद कितने दिनों तक तख़्ते हकूमत पर बैठ कर जुल्म व सितम करता रहा?

जवाब 3027 : 4 चार साल तक।

सवाल 3028 : यज़ीद के बाद कौन तख़्ते नशीन हुआ?

जवाब 3028 : मुआविया बिन यज़ीद मगर सिर्फ चंद मिनट के लिए।

सवाल 3029 : मुआविया बिन यज़ीद ने तख़्ते शाही क्या कह के ठुकरा दिया?

जवाब 3029 : सल्तनत की अहलियत सिर्फ ख़ुल्फाए राशिदीन में थी इस वजह से मैं दस्त बरदार होता हूँ।

सवाल 3030 : उस ज़ालिम का नाम बताइए जिस की क़ब्र पर हर गुज़रने वाला पत्थर मारता है?

जवाब 3030 : यज़ीद पलीद क़ातिले अहले बैत।

सवाल 3031 : मूसिल के उस हाकिम का नाम बताइए जिस ने कहा कि जिसके दामन पर क़त्ले औलादे रसूल का ख़ून हो उसके ठहेरने के लिए मूसिल में कोई जगह नहीं है?

जवाब 3031 : हाकिम एमादुद्दौला।

सवाल 3032 : यज़ीद को किस ने क़त्ल किया था?

जवाब 3032 : रूमियुन्नस्ल राहिब की हसीना लड़की ने, लाश तीन (3) रोज़ तक चील कव्वों की ख़ूराक बनी रही।

सवाल 3033 : मुख़्तार सक़फी ने कितने यज़ीदियों को क़त्ल किया था?

जवाब 3033 : तक़रीबन 6000/।

सवाल 3034 : यज़ीद की लाश को किस जगह दफ्न क्या गया?

जवाब 3034 : शहरे दमि क़ के बाहर हिम्स के क़रीब द ते हवारीन में।

सवाल 3035 : क्या यज़ीद ख़लीफा था?

जवाब 3035 : जी नहीं खुद साख़्ता बाद ाह था।

सवाल 3036 : यज़ीदी फौज के मस्जिदे नबवी पर हमले और बेहुर्मती से कौन सहाबी ज़ार व क़तार रो रहे थे?

जवाब 3036 : हज़तर सईद बिन मुसय्यब रज़ियल्लाहु अन्हु।

सवाल 3037 : यज़ीदी फौज के मदीना पर हमले से कितने सरदाराने कुरैश और हाफिज़े कुर्आन शहीद हुए?

जवाब 3037 : तक़रीबन 700,हुफ़्फ़ाज़े कुर्आन और 97 सरदाराने कुरैश।

सवाल 3038 : वाक़ेआते करबला के बाद शहेर कूफ़ा को किस ने और क्यों वीरान किया?

जवाब 3038 : अमीर तैमूर ने, उसका कहना था कि जहां ख़ान्दाने नबुव्वत का ख़ून बहाया गया हो मैं उसे आबाद नहीं देखना चाहता हूँ।

सवाल 3039 : हज़रत मूसा व हारून अलैहिमस्सलाम ने सरे इमाम को सलाम अर्ज़ करने का हुक्म किस को दिया था?

जवाब 3039 : रईसे शहरे मामूरा अज़ीज़ यहूदी को।

सवाल 3040 : रईसे शहरे मामूरा अज़ीज़ यहूदी के साथ हज़रत इमाम ज़ैनुल आबिदीन रज़ि यल्लाहु अन्हु ने किस कनीज़ का अक़्द फरमाया?

जवाब 3040 : हज़रत शीरीन आज़ाद करदह इमाम हुसैन रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 3041 : रईसे शहरे मामूरा अज़ीज़ यहूदी किस के दस्ते हक़ परस्त पर मुशर्रफ़ बइस्लाम हुए?

जवाब 3041 : हज़रत ज़ैनुल आबिदीन रज़ि यल्लाहु अन्हु के (शहेर के सारे लोग हल्का बगोश इस्लाम हो गए)

सवाल 3042 : क़त्ले हुसैन का दावा करने वाले किस यज़ीदी को यज़ीद ने दिखावे की ग़र्ज़ से क़त्ल करवाया?

जवाब 3042 : बशीर बिन मालिक को जिस को शिम्र ने पहले ही रवाना कर दिया था।

सवाल 3043 : बादे वाक़ेआते करबला यज़ीद ने किस बदबख़्त को मदीना पर हमला करने के लिये रवाना किया था?

जवाब 3043 : मुसरफ बिन उक़्बा को।

सवाल 3044 : यज़ीद ने मदीना ताराज करने के लिए कितनी फौज रवाना की थीं?

जवाब 3044 : तक़रीबन 20, 000 /.।

सवाल 3045 : यज़ीदी फौज ने मदीना में कितने मुसल्मानों को शहीद किया?

जवाब 3045 : तक़रीबन 1700, जिन में मुहाजिरीन व अन्सार और सहाबा व ताबेईन शामिल थे।

सवाल 3046 : बताइये वह कौन सहाबी हैं जिन की दाढ़ी के बाल को मदीना पर हमले के दौरान यज़ीदयों ने उखाड़ा?

जवाब 3046 : हज़रत सय्यदुना अबू सईद ख़ुदरी रज़ि यल्लाहु अन्हु।

सवाल 3047 : यज़ीदी फौज का कमान्डर मुसरफ बिन उक़्बा किस अज़ाब में गिरफ्तार हो कर मरा?

जवाब 3047 : उस का पेट मवाद से भर गया था।

सवाल 3048 : मुसरफ बिन उक़्बा के मरने के बाद यज़ीदी फौज का चार्ज किस ने संभाला?

जवाब 3048 : हसीन बिन नमीर ने।

❖❖❖

औलियाए किराम

सरकार सय्यदुना ग़ौसे आज़म दस्तगीर रहमतुल्लाहि अलैहि

पूछते किया हो शहे जीलां के फज़ायेल आसी
हर फज़ीलत के वह जामे हैं नुबुव्वत के सेवा

सवाल 3049 : हज़रत गौसुल आज़म दस्तगीर रहमतुल्लाहि अलैहि के वालिदे गिरामी का इस्मे गिरामी बताइये?

जवाब 3049 : हज़रत सय्यदुना अबू सालेह जंगी दोस्त रहमतुल्लाहि अलैह।

सवाल 3050 : सरकारे ग़ौस पाक रहमतुल्लाहि अलैहि के नाना का इस्मे गिरामी बताइये?

जवाब 3050 : हज़रत अब्दुल्लाह सूमई रहमतुल्लाहि अलैहि।

सवाल 3051 : सरकार ग़ौस पाक रहमतुल्लाहि अलैहि की वालिदा माजिदा का इस्मे गिरामी क्या था?

जवाब 3051 : हज़रत फातिमा उम्मुल ख़ैर रहमतुल्लाहि तआला अलैहा।

सवाल 3052 : सरकार ग़ौस पाक रहमतुल्लाहि अलैहि की हयाते पाक में बग़दाद के ख़लीफ़ा कौन लोग हुए?

जवाब 3052 : अल्क़ादिर बिल्लाह अबुल अब्बास, अल्क़ायेम, बिअमरिल्लाह अबू जाफर अब्बासी।

सवाल 3053 : सरकार ग़ौस पाक रहमतुल्लाहि अलैहि का अस्ल नाम बताइये?

जवाब 3053 : सय्यदुना शैख़ अब्दुल क़ादिर मुहीयुद्दीन जीलानी रहमतुल्लाहि अलैहि।

सवाल 3054 : सरकार ग़ौस पाक रहमतुल्लाहि अलैहि के वालिद माजिद का अस्ल नाम क्या था?

जवाब 3054 : हज़रत मूसा रहमतुल्लाहि अलैहि।

सवाल 3055 : सरकार ग़ौस पाक रहमतुल्लाहि अलैहि के वालिदे गिरामी की कुन्नियत क्या थी?

जवाब 3055 : अबू सालेह।

सवाल 3056 : सय्यदुना ग़ौस पाक रहमतुल्लाहि अलैहि की विलादत कब हुई?

जवाब 3056 : यकुम रमज़ानुल मुबारक बरोज़ जुमा सन 470 हिजरी या 475 हिजरी को।

सवाल 3057 : उस अज़ीम हस्ती का इस्मे गिरामी बताइये जिन्हों ने बिस्मिल्लाह ख़्वानी के मौक़ा पर उस्ताद को मुकम्मल 17 पारे सुना दिये?

जवाब 3057 : शैख़ अब्दुलक़ादिर जीलानी रहमतुल्लाहि अलैहि।

सवाल 3058 : सरकार ग़ौस पाक रहमतुल्लाहि अलैहि का रौज़ा कहां है ?

जवाब 3058 : बग़दाद शरीफ (इराक़) में।

सवाल 3059 : सरकार ग़ौस पाक रहमतुल्लाहि अलैहि किस लक़ब से मशहूर हैं?

जवाब 3059 : ग़ौसुल आज़म दस्तगीर, बड़े पीर दस्तगीर वग़ैरह से।

सवाल 3060 : फुतूहुल कुलूब, गुनियतुत्तालिबीन किस की तस्नीफ़ है?

जवाब 3060 : हुज़ूर ग़ौस पाक रहमतुल्लाहि अलैहि की।

सवाल 3061 : सरकार ग़ौस पाक रहमतुल्लाहि अलैहि की फिक़ह में ज़्यादा तर्जुमानी किस इमाम की जानिब थी?

जवाब 3061 : हज़रत इमाम अहमद बिन हंबल रहमतुल्लाहि अलैहि की तरफ।

सवाल 3062 : 40 साल तक मुतवातिर इशा के वज़ू से फज्र की नमाज़ किस ने अदा की?

जवाब 3062 : सरकार ग़ौस पाक रहमतुल्लाहि अलैह ने।

सवाल 3063 : सरकार ग़ौस पाक रहमतुल्लाहि अलैहि के पीर व मुर्शिद का इस्मे गिरामी बताइये?

जवाब 3063 : आरिफ़े बिल्लाह शैख़ अबू सईद मख़्ज़ूमी रहमतुल्लाहि अलैहि।

सवाल 3064 : सरकार ग़ौस पाक रहमतुल्लाहि अलैहि की औलाद की तअ़दाद बताइये?

जवाब 3064 : बाज़ ने 49 बताया है, 27 साहिबज़ादे और 22 साहिबज़ादियां, और बाज़ ने 9, बताया है और एक साहिबज़ादी।

सवाल 3065 : सरकार ग़ौस पाक रहमतुल्लाहि अलैहि के बड़े साहिबज़ादे का इस्मे गिरामी बताइये?

जवाब 3065 : सय्यदुना शैख़ अब्दुल वहहाब रहमतुल्लाहि अलैह।

सवाल 3066 : मेरा क़दम तमाम औलिया की गरदनों पर है, यह क़ौल किस बुज़ुर्ग हस्ती का है?

जवाब 3066 : सय्यदुना सरकार गौस पाक रहमतुल्लाहि अलैहि का।

जिस की मिंबर हुई गरदने औलिया
उस क़दम की करामत पे लाखों सलाम

सवाल 3067 : सरकार गौस पाक रहमतुल्लाहि अलैहि ने बसरा की 12, बरस की डूबी हुई बारात दरिया से निकाली थी, बताइये दूल्हा का नाम क्या था?

जवाब 3067 : सय्यद कबीरुद्दीन दरयाई दूल्हा और अब शाह दूल्हा कहा जाता है। आप की क़ब्र मग़रेबी पाकिस्तान में है। उम्र तक़रीबन 600 बरस हुइ गौसे पाक के ख़लीफ़ा थे।

सवाल 3068 : सरकार गौस पाक रहमतुल्लाहि अलैहि की विलादत कहाँ हुई?

जवाब 3068 : तिबरिस्तान के शहेर जीलान के क़स्बा नीफ में।

सवाल 3069 : वह कौन से बुजुर्ग हैं जिन के हुक्म से कुमरी ने बोलना और कबूतरी ने अन्डे देना शुरू कर दिया था?

जवाब 3069 : सरकार गौस पाक रहमतुल्लाहि अलैह।

सवाल 3070 : सरकार गौस पाक रहमतुल्लाहि अलैहि की तारीख़े विसाल क्या है ?

जवाब 3070 : 17,रबीउल्ल आख़िर।

सवाल 3071 : सरकार गौस पाक रहमतुल्लाहि अलैहि के कुत्ते ने किस बुजुर्ग के शेर को फाड़ डाला था?

जवाब 3071 : हज़रत सय्यदुना शैख़ अहमद जाम रहमतुल्लाहि अलैहि के।

क्या दबे जिस पे हिमायत का हो पंजा तेरा।
शेर को ख़तरे में लाता नहीं कुत्ता तेरा।

सवाल 3072 : एक वक़्त में 70 मुरीदों के यहां इफतार में मौजूद रहना किस बुजुर्ग हस्ती की मशहूर करामत है?

जवाब 3072 : सरकार गौस पाक रहमतुल्लाहि अलैहि की।

सवाल 3073 : क्या गौस का हर ज़माना में मौजूद होना ज़रूरी है?

जवाब 3073 : जी हाँ, बग़ैर गौस के आस्मान व ज़मीन क़ायम नहीं रह सकते।

सवाल 3074 : सरकार गौस पाक रहमतुल्लाहि अलैहि ने अपना ख़िरका शरीफ किस को अता फरमाया था?

जवाब 3074 : हज़रत मुजद्दिद अल्फे सानी रहमतुल्लाहि अलैहि को।

सवाल 3075 : लक़ब जंगी दोस्त से कौन मुराद हैं?

जवाब 3075 : सरकारे गौ़स पाक रहमतुल्लाहि अलैहि के वालिद सय्यदुना अबू सालेह रहमतुल्लाह अलैहि।

सवाल 3076 : सरकार गौ़सुल आज़म दस्तगीर रहमतुल्लाहि अलैहि ने पादरी के कहने पर मुर्दा ज़िन्दा फरमाया था बताइये उस का असर क्या हुआ था?

जवाब 3076 : पादरी के साथ सारी कुरदिस्तानी क़ौम जो कई लाख की तअ़दाद में थी मुसलमान हो गई थी।

सवाल 3077 : सरकारे गौ़स पाक रहमतुल्लाहि अलैहि ने कुरदिस्तानी पादरी के कहने पर जिस मुर्दा को ज़िन्दा फरमाया था उसने अपने बारे में आप से क्या बताया?

जवाब 3077 : मैं हज़रत दानियाल अलैहिस्सलाम के वक़्त का हूँ और उन्ही के मज़हब पर मुझे मौत आई।

हिन्द के राजा यानी मेरे ख़्वाजा

ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिशती रहमतुल्लाहि अलैहि

ख़्वाजए हिन्द वह दरबार है आला तेरा।
कभी महरुम नहीं मांगने वाला तेरा।

सवाल 3078 : हज़रत ख़्वाजा मुईनुद्दीन चि ती रहमतुल्लाहि अलैहि का मज़ार कहाँ वाक़ेअ है?

जवाब 3078 : अजमेर शरीफ में।

सवाल 3079 : ख़्वाजा ग़रीब नवाज़ रहमतुल्लाहि अलैहि की विलादत कहाँ हुई?

जवाब 3079 : शहरे सजिस्तान या क़स्बा सीस्तान में सन 536 हिजरी में और बअज़ ने 530 हिजरी बताया है।

सवाल 3080 : हज़रत ख़्वाजए पाक रहमतुल्लाहि अलैहि के वालिदे मुहतरम का इस्मे गिरामी बताइये?

जवाब 3080 : ख़्वाजा ग़यासुद्दीन रहमतुल्लाहि अलैह।

सवाल 3081 : वालिदे मुहतरम के तर्का से ख़्वाजए पाक को क्या चीज़ मिली थी?

जवाब 3081 : एक बाग़ और पन चक्की।

सवाल 3082 : ग़रीब नवाज़ रहमतुल्लाहि अलैहि के पीर व मुर्शिद का इस्मे गिरामी बताइये?

जवाब 3082 : हज़रत ख़्वाजा उसमान हारुनी रहमतुल्लाहि अलैहि।

सवाल 3083 : हज़रत ख़्वाजए पाक रहमतुल्लाहि अलैहि अजमेर शरीफ किस सने हिजरी में तशरीफ लाये?

जवाब 3083 : सन 561 हिजरी में।

सवाल 3084 : हज़रत ख़्वाजा ग़रीब नवाज़ रहमतुल्लाहि अलैहि जब अजमेर तशरीफ लाए तो वहाँ किसकी हुकूमत थी?

जवाब 3084 : राय पिथौरा की।

सवाल 3085 : हज़रत ग़रीब नवाज़ रहमतुल्लाहि अलैहि की ज़ौजह मुहतरमा का इस्मे गिरामी बताइये?

जवाब 3085 : हज़रत बी बी उम्तुल्लाह रहमतुल्लाहि तआला अलैहा।

सवाल 3086 : हज़रत ख़्वाजए पाक रहमतुल्लाहि अलैहि की साहिबज़ादी का नाम बताइये?

जवाब 3086 : हज़रत हाफिज़ह जमाल रहमतुल्लाहि तआला अलैहा।

सवाल 3087 : हज़रत बी बी हाफिज़ह जमाल के शौहर शैख़ रज़ि युल्लाहु रहमतुल्लाह अलैहि का मज़ार कहाँ वाक़े है?

जवाब 3087 : नागोर शरीफ में।

सवाल 3088 : हज़रत ख़्वाजए पाक रहमतुल्लाहि अलैहि के साहिब ज़ादगान के अस्माए गिरामी बताइये?

जवाब 3088 : शैख़ फख़रुद्दीन, शैख़ हुसामुद्दीन, शैख़ अबू सईद रहमतुल्लाहि अलैहिम।

सवाल 3089 : ख़्वाजए हिन्दुस्तान हज़रत ग़रीब नवाज़ रहमतुल्लाहि अलैहि का विसाल कब हुआ?

जवाब 3089 : छः रजब सन 633 हिजरी को और बअ़ज ने 627 हिजरी बताया है।

सवाल 3090 : सरकार ग़रीब नवाज़ रहमतुल्लाहि अलैहि की पेशानी पर बवक़्ते जनाज़ह कौन सा जुमला पढ़ा गया?

जवाब 3090 : हाज़ा हबीबुल्लाहि माता फी हुब्बिल्लाह। यह अल्लाह का दोस्त है और अल्लाह की मुहब्बत में दुनिया से जा रहा है।

सवाल 3091 : उस बुजुर्ग हस्ती का नाम बताइये जिस ने एक प्याला में पूरे अना सागर को भर लिया?

जवाब 3091 : हज़रत ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती रहमतुल्लाहि अलैह।

सवाल 3092 : अजमेर की गलियों में ज़ायेरीन की रहबरी और भूलों को रास्ता बताने की ख़िदमत कौन बुजुर्ग अन्जाम देते हैं?

जवाब 3092 : हज़रत अब्दुल्लाह ब्याबानी रहमतुल्लाहि अलैहि जो शबे जुमा में बारगाहे ख़्वाजा में हाज़िरी देते हैं।

सवाल 3093 : ख़्वाजए पाक की निगाहे विलायत ने किस जादू गर को इस्लाम में दाख़िल होने पर मजबूर कर दिया था?

जवाब 3093 : अब्दुल्लाह बियाबानी को जिन का नाम जोगी जयपाल था।

सवाल 3094 : ख़्वाजए पाक ने अपने बाग के अंगूर के ख़ूशे से एक बुजुर्ग की तवाज़ो की थी क्या उन बुजुर्ग का नाम बता सकते हैं?

जवाब 3094 : मजज़ूब हज़रत इब्राहिम क़न्दूज़ी रहमतुल्लाहि अलैह।

सवाल 3095 : उन दोनों सरग़ना देवों के नाम बताइये जिन्हों ने इस्लाम कुबूल किया ?

जवाब 3095 : शादी और अजय पाल (जोगी जय पाल)

सवाल 3096 : डॉक्टर राजेन्द्र प्रसाद साबिक़ सदरे जमहूरिया भारत की आस्तानए ख़्वाजा पर हाज़िरी की तारीख़ बताइये?

जवाब 3096 : 13/फरवरी सन 1951 ई०।

सवाल 3097 : आँजहानी पण्डित जवाहर लाल नेहरु ने ख़्वाजए पाक की बारगाह में कब हाज़िरी दी?

जवाब 3097 : सन 1945 ई. में और दूसरी मरतबा फसादाते अजमेर के ज़माना में सन 1947 ई. में आस्ताना पर हाज़िर हुए।

झुकते हैं शाहों के सर ख़्वाजा की वह सरकार है
हैं मलक दरबां वह शाहे चि त का दरबार है

(अज़: महाराजा सर कि न प्रसाद सदरे आज़म दौलते आसफिया हैदराबाद – दक्किन)

सवाल 3098 : उस जाँनिसार ख़ादिम का नाम बताइये जिसे ख़्वाजा साहिब ने एक प्याला देकर अना सागर का पानी लाने का हुक्म दिया था?

जवाब 3098 : नौ मुस्लिम सअदी (रामदेव)।

सवाल 3099 : बर्रे सग़ीर में इस्लाम की दिल्कश बहारें किस बुज़ुर्ग हस्ती की दावत व तबलीग़ और रूश्दो हिदायत का नतीजा है?

जवाब 3099 : सुल्तानुल हिन्द हज़रत ख़्वाजा मुईनुद्दीन अजमेरी रहमतुल्लाहि अलैहि की।

नोटः कुफरिस्ताने हिन्द में इस्लाम का चिराग अगरचे आपकी आमद से क़ब्ल ही जल चुका था मगर आप के गुलशने हिदायत की वह हवा चली कि बिसाते हिन्द में नूरे इस्लाम का चिरागां ही चिरागां हो गया।

सवाल 3100 : हज़रत ख़्वाजा ग़रीब नवाज़ रहमतुल्लाहि अलैहि ने अपने मुर्शिद के हुक्म से बग़दाद में अक़वाल जमा फरमाए थे जो हज़रत ख़्वाजा उसमान हारुनी रहमतुल्लाहि अलैहि के मलफ़ूज़ात का मजमुआ है। उस का नाम बताइये?

जवाब 3100 : अनीसुल अरवाह।

सवाल 3101 : सरकार ग़रीब नवाज़ रहमतुल्लाहि अलैहि की एक किताब फारसी ज़बान में तसव्वुफ़ के मौज़ू पर है उस का नाम बताइये?

जवाब 3101 : "कशफुल असरार" इस का दूसरा नाम "मेराजुल अनवार" है।

सवाल 3102 : बअज़ तज़किरह निगारों की रवायत के मुताबिक़ सरकार ग़रीब नवाज़ रहमतुल्लाहि अलैहि ने अपने मुर्शिद के हुक्म से सुल्तान शम्सुद्दीन अलतमश की तअलीम व तलक़ीन के लिये एक किताब लिखी। उस का नाम बताइय?

जवाब 3102 : "कन्जुल असरार"(सन 611 हिजरी और सन 615 हिजरी के दरमियान) उस को गन्जुल असरार के नाम से भी मौसूम किया जाता है।

सवाल 3103 : "पित्थौरा राज़िन्दह मुसलमानान दारेम। यानी" (मैं ने पित्थौरा को जिन्दह मुसलमानों के हवाले किया) यह पेशीन गोई किस बुज़ुर्ग हस्ती ने की थी?

जवाब 3103 : हज़रत ख़्वाजा अजमेरी रहमतुल्लाहि अलैहि ने।

नोटः- यह पेशीन गोई सही साबित हुई। शहाबुद्दीन ग़ौरी ने पित्थौरा के ख़िलाफ़ सन 588 हिजरी में जंग की तो वह

मुसलमानों के ल कर के हाथों गिरफ्तार हो कर मारा गया। हज़रत ख़्वाजा के फ़ुयूज़ व बरकात से हिन्दुस्तान इस्लाम के नूर से मुनव्वर हो गया इसी लिये आप का लक़ब वारिसुन्नबी फ़िल हिन्द है।

हज़रत सय्यदुना शैख़ ख़्वाजा फरीदुद्दीन गंज शकर व ख़्वाजा कुतुबुद्दीन बख़्तियार काकी रहमतुल्लाहि अलैहिमा

सवाल 3104 : हज़रत फरीदुद्दीन गंज शकर रहमतुल्लाहि अलैहि का असली नाम बताइये?

जवाब 3104 : क़ाज़ी मसऊद।

सवाल 3105 : हज़रत ख़्वाजा फरीदुद्दीन गंज शकर रहमतुल्लाहि अलैहि के अज्दाद कहाँ के रहने वाले थे?

जवाब 3105 : बुख़ारा और गज़नी के, वहीं से हिन्दुस्तान आए।

सवाल 3106 : हज़रत ख़्वाजा फरीदुद्दीन गंज शकर रहमतुल्लाहि अलैहि के ख़ानदान के सरदार का नाम बताइये?

जवाब 3106 : क़ाज़ी शोएब।

सवाल 3107 : हज़रत ख़्वाजा फरीदुद्दीन गंज शकर रहमतुल्लाहि अलैहि के वालिदे मुहतरम का नाम क्या है?

जवाब 3107 : क़ाज़ी सुलैमान।

सवाल 3108 : वह कौन से बुजुर्ग हैं जिन की वालिदह जा नमाज़ के नीचे उन के लिये शकर की पुड़िया रख देती थीं?

जवाब 3108 : हज़रत ख़्वाजा फरीदुद्दीन गंज शकर रहमतुल्लाहि अलैहि।

सवाल 3109 : शैखुलआलम हज़रत ख़्वाजा फरीदुद्दीन गंज शकर रहमतुल्लाहि अलैहि हुसूले तअलीम के लिये कहाँ तशरीफ़ ले गए?

जवाब 3109 : मुल्तान।

सवाल 3110 : हज़रत ख़्वाजा फरीदुद्दीन गंज शकर रहमतुल्लाहि अलैहि के पीरो मुर्शिद का इस्मे गिरामी बताइये?

जवाब 3110 : ख़्वाजा कुतबुद्दीन बख़्तियार का की रहमतुल्लाहि अलैहि।

सवाल 3111 : वह कौन से बुजुर्ग हैं जो मां के शिकम में हर आधी रात को या अल्लाह या अल्लाह की आवाज़ निकालते थे?

जवाब 3111 : ख़्वाजा कुतबुद्दीन बख़तियार काकी रहमतुल्लाहि अलैहि।

सवाल 3112 : ख़्वाजा कुतबुद्दीन बख़तियार का की रहमतुल्लाहि अलैहि के पीर व मुर्शिद का इस्मे गिरामी बताइये?

जवाब 3112 : हज़रत ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती सनजरी रहमतुल्लाहि अलैह।

सवाल 3113 : हज़रत ख़्वाजा कुतबुद्दीन बख़तियार का की रहमतुल्लाहि अलैहि का मज़ार कहाँ वाक़े है?

जवाब 3113 : पुरानी देहली कुतुब मीनार के क़रीब।

सवाल 3114 : ख़्वाजा कुतबुद्दीन बख़तियार काकी रहमतुल्लाहि अलैहि के दरबार से तक़सीम होने वाला तबर्रुक क्या कहलाता है?

जवाब 3114 : काक जो तन्नूर में पकाया जाता है।

सवाल 3115 : ख़्वाजा कुतबुद्दीन बख़तियार काकी रहमतुल्लाहि अलैहि की विलादत कब और कहाँ हुई?

जवाब 3115 : सन 548 हिजरी महरौली देहली में जबकी मोतबर यह है कि आप क़सबा ओश तुरकिस्तान मावराउन्नहर में पैदा हुऐ।

सवाल 3116 : हज़रत ख़्वाजा फरीदुद्दीन गंज शकर रहमतुल्लाहि अलैहि के भाई का नाम बताइये?

जवाब 3116 : शैख़ नजीबुद्दीन मुतवक्किल रहमतुल्लाहि अलैहि।

हज़रत ख़्वाजा निज़ामुद्दीन औलिया व अमीर ख़ुसरु रहमतुल्लाहि अलैहिमा

सवाल 3117 : महबूबे इलाही किस बुज़ुर्ग हस्ती का लक़ब है?

जवाब 3117 : हज़रत ख़्वाजा निज़ामुद्दीन औलिया रहमतुल्लाहि अलैहि का।

सवाल 3118 : "हुनूज़ दिल्ली दूर अस्त" किस जलीलुल क़द्र हस्ती का मशहूर जुमला है?

जवाब 3118 : हज़रत महबूबे इलाही रहमतुल्लाहि अलैहि का।

सवाल 3119 : हज़रत महबूबे इलाही रहमतुल्लाहि अलैहि के अज़दाद कहाँ के रहने वाले थे?

जवाब 3119 : बुख़ारा के फितनये चंगेज़ी के दौरान लाहौर तशरीफ लाए?

सवाल 3120 : हज़रत महबूबे इलाही रहमतुल्लाहि अलैहि के वालिदे मुहतरम का इस्मे गिरामी बताइये?

जवाब 3120 : हज़रत ख़्वाजा सय्यद अहमद रहमतुल्लाहि अलैहि।

सवाल 3121 : हज़रत ख़्वाजा निज़ामुद्दीन औलिया रहमतुल्लहि अलैहि की वालिदह माजिदह का इस्मे गिरामी बताइये?

जवाब 3121 : हज़रत बीबी जुलेख़ा रहमतुल्लाहि अलैहा।

सवाल 3122 : हज़रत महबूबे इलाही रहमतुल्लाहि अलैहि का ख़ानदान हिन्दुस्तान में कहाँ आबाद हुआ?

जवाब 3122 : यूपी के मशहूर जिला बदायूँ में।

सवाल 3123 : हज़रत महबूबे इलाही रहमतुल्लाहि अलैहि किस उम्र में देहली तशरीफ लाए?

जवाब 3123 : 16/साल की उम्र में।

सवाल 3124 : हज़रत महबूबे इलाही रहमतुल्लाहि अलैहि की हमशीरह का नाम बताइये?

जवाब 3124 : हज़रत बी–बी जन्नत।

सवाल 3125 : हज़रत महबूबे इलाही रहमतुल्लाहि अलैहि के पीर व मुर्शिद का इस्मे गिरामी बताइये?

जवाब 3125 : ख़्वांजा शैख़ फरीदुद्दीन गंजे शकर रहमतुल्लाहि अलैहि।

सवाल 3126 : हज़रत महबूबे इलाही रहमतुल्लाहि अलैहि का विसाल कब हुआ?

जवाब 3126 : रबीउल आख़िर सन 725 हिजरी में।

सवाल 3127 : हज़रत महबूब इलाही रहमतुल्लाहि अलैहि की जाए पैदाइश बताइये?

जवाब 3127 : उत्तर प्रदेश के जिला बदायूँ के मुहल्ला टैंकी टोला में। यह मकान एक हिन्दु की मिल्कियत में अब भी बाक़ी है।

सवाल 3128 : हज़रत महबूबे इलाही के मज़ारे पाक पर जाने से क़ब्ल किस बुजुर्ग हस्ती के मज़ार पर हाज़िरी ज़रुरी है?

जवाब 3128 : हज़रत अमीर ख़ुसरु रहमतुल्लाहि अलैहि के।

सवाल 3129 : हज़रत अमीर ख़ुसरु रहमतुल्लाहि अलैहि किस सन में पैदा हुए।

जवाब 3129 : सन 651 हिजरी में।

सवाल 3130 : हज़रत अमीर ख़ुसरु रहमतुल्लाहि अलैहि का अस्ल नाम क्या था।

जवाब 3130 : अबुल हसन।

सवाल 3131 : हज़रत अमीर ख़ुसरु रहमतुल्लाहि अलैहि के वालिद का नाम बताइये?

जवाब 3131 : अमीर सैफुद्दीन।

सवाल 3132 : हज़रत अमीर खुसरु रहमतुल्लाहि अलैहि के पीर व मुर्शिद का इस्मे गिरामी बताइये ?

जवाब 3132 : ख़्वाजा निज़ामुद्दीन औलिया रहमतुल्लाहि अलैहि।

हज़रत ख़्वाजा अलाउद्दीन साबिर पाक रहमतुल्लाहि अलैह

सवाल 3133 : हज़रत साबिर पाक रहमतुल्लाहि अलैहि का पूरा नाम बताइये?

जवाब 3133 : ख़्वाजा अलाउद्दीन अली अहमद साबिर पाक रहमतुल्लाहि अलैहि।

सवाल 3134 : हज़रत साबिर पाक रहमतुल्लाहि अलैहि के मामू का इस्मे गिरामी बताइये? जो अपने दौर के बहुत बड़े वली थे?

जवाब 3134 : ख़्वाजा फरीदुद्दीन गंजे शकर रहमतुल्लाहि अलैहि।

सवाल 3135 : हज़रत साबिर पाक रहमतुल्लाहि अलैहि की विलादत कब हुई?

जवाब 3135 : 19, रबीउल अव्वल सन 592 हिजरी बवक़्त शबे जुमेरात और बाज़ ने 13, रबीउल अव्वल सन 690 हिजरी बताया है।

सवाल 3136 : साबिर पाक रहमतुल्लाहि अलैहि के वालिद माजिद का नाम बताइये?

जवाब 3136 : सय्यद शाह अब्दुर्रहीम रहमतुल्लाहि अलैहि।

सवाल 3137 : साबिर पाक रहमतुल्लाहि अलैहि जिस हुजरा से दो साल बाहर तशरीफ न लाए वह कहाँ वाक़े है?

जवाब 3137 : पाक पटन शरीफ़ में है।

सवाल 3138 : हज़रत साबिर पाक रहमतुल्लाहि को कहाँ की विलायत तफवीज़ की गई?

जवाब 3138 : कल्यर शरीफ की।

सवाल 3139 : साबिर पाक रहमतुल्लाहि अलैहि ने कल्यर शरीफ में कहाँ क़याम फरमाया?

जवाब 3139 : गूलर के दरख़्त के नीचे।

सवाल 3140 : साबिर पाक रहमतुल्लाहि अलैहि ने अपना ख़िर्क़ा शरीफ और ख़िलाफत किस को अता फरमाई?

जवाब 3140 : हज़रत हाफिज़ शमसुद्दीन तुर्क रहमतुल्लाहि अलैहि को।

सवाल 3141 : साबिर पाक रहमतुल्लाहि अलैहि ने अपने ख़लीफा शमसुद्दीन तुर्क को कहाँ की विलायत तफवीज़ फरमाई?

जवाब 3141 : पानी पत करनाल की।

सवाल 3142 : कायेनाते विलायत में से एक ऐसे भी वली गुज़रे हैं जिन्होंने अपनी नमाज़े जनाज़ह खुद ही पढ़ाई है क्या आप उस बुज़ुर्ग हस्ती का इस्मे गिरामी बता सकते हैं?

जवाब 3142 : हज़रत साबिर पाक रहमतुल्लाहि अलैहि।

सवाल 3143 : एक बुज़ुर्ग चालीस साल या बारह साल तक गूलर की शाख़ पकड़े हालते क़याम में रहे क्या आप को उन का इस्मे गिरामी मअलूम है?

जवाब 3143 : हज़रत ख़्वाजा अलाउद्दीन साबिर पाक रहमतुल्लाहि अलैहि।

सवाल 3144 : हज़रत साबिर कल्यरी रहमतुल्लाहि अलैहि की निगाहे विलायत से जब कल्यिर नज़रे आतिश हुआ तो किन चीज़ों को अमान मिली?

जवाब 3144 : (1) गूलर का दरख़्त जो आज भी आपके मज़ार के क़रीब वाक़े है (2) एक फाख़्ता जिसने गूलर के दरख़्त पर अपना घोंसिला बना रखा था, (3) एक क़ितअ ज़मीन जो हज़रत के जाए क़याम से कुछ फासिला पर थी, (4) हज़रत इमामुदीन रहमतुल्लाह अलैह का मज़ार जो सरकार ग़ौस पाक रहमतुल्लाहि अलैहि की औलाद में से थे।

हज़रत औरंगज़ेब आलम गीर रहमतुल्लाहि अलैहि

सवाल 3145 : हज़रत औरंगज़ेब आलम गीर रहमतुल्लाहि अलैहि की तारीख़े विलादत बताइये?

जवाब 3145 : 15 जीकादा सन 1027 हिजरी। 3 नवम्बर सन 1618 ई० बरोज़ इतवार, किताब औरंगज़ेब सफह नं. 41-42 पर 15 ज़ीकादा सन 1027 ई., 24 अक्तूबर सन 1618 ई० लिखा है।

सवाल 3146 : हज़रत औरंगज़ेब आलम गीर रहमतुल्लाहि अलैहि कहां पैदा हुए?

जवाब 3146 : कस्बा वह्हुद सूबये गुजरात में, मज़ार क़स्बा खुल्दा बाद में है औरंगआबाद से 12 मील के फासिला पर।

सवाल 3147 : शहेनशाहे हिन्दुस्तान हज़रत औरंगज़ेब आलम गीर रहमतुल्लाहि अलैहि के वालिद का नाम बताइये?

जवाब 3147 : शहाबुद्दीन शाह जहाँ।

सवाल 3148 : हज़रत औरंगज़ेब आलम गीर रहमतुल्लाहि अलैहि ने दिल्ली से बनारस आकर जिस बर्हमन दोशीज़ह को इन्साफ़ दिलाया उसका नाम बताइये?

जवाब 3148 : शकुन्तला देवी।

सवाल 3149 : शकुन्तला देवी के बाप का नाम बताइये?

जवाब 3149 : लाला राम, काशी के पण्डितों का मशहूर जागीर दार।

सवाल 3150 : शकुन्तला देवी हज़रत औरंगज़ेब आलम गीर रहमतुल्लाहि अलैहि के दरबार में किस लिबास में गइ थी?

जवाब 3150 : मुग़ल शहज़ादे के लिबास में।

सवाल 3151 : उस कोतवाल का नाम बताओ जिसने शकुन्तला देवी को अपने हरम में आने पर मजबूर किया?

जवाब 3151 : मोहम्मद इब्राहीम ख़ां या शौकत अली।

सवाल 3152 : बताइये हज़रत औरंगज़ेब आलम गीर रहमतुल्लाहि अलैहि ने शकुन्तला देवी को किस तरह इन्साफ़ दिलाया?

जवाब 3152 : ख़ूँ ख़्वार हाथियों के पांव में कोतवाल को बन्धवाकर दो सिमतों में दौड़ाया।

सवाल 3153 : पण्डित लाला राम के चबूतरे पर जहां हज़रत औरंगज़ेब आलम गीर रहमतुल्लाहि अलैहि ने नमाज़ अदा की कौन सी तारीख़ी मस्जिद बनी है?

जवाब 3153 : तारीखी नाम धिरेरा की मस्जिद।

सवाल 3154 : शहेन्शाह औरंगज़ेब आलम गीर रहमतुल्लाहि अलैहि का विसाल कब हुआ?

जवाब 3154 : 3/मार्च सन 1707 ई० में?

सवाल 3155 : शहेन्शाह औरंगज़ेब आलम गीर रहमतुल्लाहि अलैहि की वालिदह का नाम बताइए?

जवाब 3155 : मुम्ताज़ महल बेगम।

सवाल 3156 : मुग़ल बादशाहों में सब से पहले हाफिज़े कुरआन होने का शर्फ किस्ने हासिल किया?

जवाब 3156 : हज़रत औरंगज़ेब आलम गीर रहमतुल्लाहि अलैहि ने।

हज़रत बू अली शाह क़लन्दर रहमतुल्लाहि अलैह

सवाल 3157 : हज़रत बू अली शाह कलंदर रहमतुल्लाहि अलैहि का अस्ल नाम क्या था?

जवाब 3157 : शैख़ शरफुद्दीन।

सवाल 3158 : बू अली शाह क़लंदर रहमतुल्लाह अलैहि किस्की औलाद से हैं?

जवाब 3158 : हज़रत इमामे आज़म अबूहनीफा रहमतुल्लाहि अलैहि की।

सवाल 3159 : बू अली शाह क़लंदर रहमतुल्लाहि अलैहि की वालिदह माजिदह का नाम बताइए?

जवाब 3159 : बी—बी हाफिज़ा जमाल हमशीरए मौलाना सय्यद निअ़मतुल्लाह हमदानी किरमानी।

सवाल 3160 : बू अली शाह क़लंदर रहमतुल्लाहि अलैहि के वालिद माजिद इराक़ से हिन्दुस्तान कब तशरीफ लाए?

जवाब 3160 : सन 600 हिजरी में।

सवाल 3161 : हज़रत बू अली शाह कलंदर रहमतुल्लाहि अलैहि कहाँ पैदा हुए?

जवाब 3161 : पानीपत करनाल में और वहीं रौज़ए मुबारक वाक़ेअ है।

हज़रत ख़्वाजा बाक़ी बिल्लाह व हज़रत मुजद्दिदे अल्फे सानी रहमतुल्लाहि अलैहिमा

सवाल 3162 : हज़रत ख़्वाजा बाक़ी बिल्लाह रहमतुल्लाहि अलैहि के विसाल की तारीख़ बताइए?

जवाब 3162 : दोशंबा 26/जामादिल आख़िर सन 1012 हिजरी।

सवाल 3163 : हज़रत ख़्वाजा बाक़ी बिल्लाह फ़ानी फ़िल्लाह रहमतुल्लाहि अलैहि का मज़ार कहाँ वाक़ेअ है?

जवाब 3163 : बैरूनी फसील शाह जहाँ बाद नहरे जदीदह के क़रीब देहली में।

सवाल 3164 : हज़रत मुजजद्दिद अल्फे सानी रहमतुल्लाहि अलैहि के पीरो मुर्शिद का इस्मे ग्रामी बताइए।

जवाब 3164 : हज़रत ख़्वाजा बाक़ी बिल्लाह रहमतुल्लाहि अलैहि।

सवाल 3165 : हज़रत मुजद्दिद अल्फे सानी रहमतुल्लाहि अलैहि के अहेद में देहली का बादशाह कौन था जिस्ने दीन में फित्ना बरपा कर रख्खा था?

जवाब 3165 : मुग़ल हुक्मरां शहेन्शहे अकबर।

सवाल 3166 : मुजद्दिद अल्फे सानी रहमतुल्लाहि अलैहि ने दो क़ौमी नज़्रिया कब पेश फर्माया था?

जवाब 3166 : सन 1034 हिजरी में।

सवाल 3167 : हज़रत मुजद्दिद अल्फे सानी रहमतुल्लाहि अलैहि को क़ैद ख़ाना में किस्ने डाला?

जवाब 3167 : मुग़ल हुकमराँ जहाँगीर ने।

सवाल 3168 : शहेन्शहे अकबर के फित्नए दीने इलाही का तदारुक किसने किया?

जवाब 3168 : हज़रत मुजद्दिद अल्फे सानी रहमतुल्लाहि अलैहि ने।

सवाल 3169 : हज़रत मुजद्दिद अल्फे सानी रहमतुल्लाहि अलैहि का पुरा नाम बताइए?

जवाब 3169 : शैख़ सय्यद अहमद फारूक़ी सरहिन्दी रहमतुल्लाहि अलैहि।

सवाल 3170 : सिलसिलये नक़शबन्दिया के बानी कौन बुज़ुर्ग गुज़रे हैं?

जवाब 3170 : हज़रत ख़्वाजा बाक़ी बिल्लाह रहमतुल्लाहि अलैहि।

सवाल 3171 : हज़रत मुजद्दिदे अलिफे सानी रहमतुल्लाहि अलैहि कहां पैदा हुए?

जवाब 3171 : सरहिन्द में। 14 शव्वालुलमुकर्रम सन 971 हिजरी में बवक़्ते निस्फ शबे जुमा। (माहनामा आला हज़रत अगस्त सन 1997 ई.)

सवाल 3172 : सरहिन्द की बुन्नियाद किन दो बुजूर्गो ने रखी?

जवाब 3172 : हज़रत बू अली शाह क़लन्दर व इमाम रफीउद्दीन रहमतुल्लाहि अलैहिमा ने।

सवाल 3173 : हज़रत मुजद्दिद अल्फे सानी रहमतुल्लाहि अलैहि के वालिद का नाम बताओ?

जवाब 3173 : अब्दुल्माजिद।

सवाल 3174 : हज़रत मुजद्दिद अल्फे सानी रहमतुल्लाहि अलैहि का विसाल कब हुआ?

जवाब 3174 : 28/सफरूल्मुज़फ्फर सन 1034 हिजरी, बउम्र 63 साल, चार साहिब्ज़ादे हुए। (माहनामा आला हज़रत अगस्त सन 1997 ई०)

हज़रत मौलाना जलालुद्दीन रूमी व हज़रत शम्स तब्रेज़ रहमतुल्लाहिलैहिमा

सवाल 3175 : उस जलीलुल्क़द्र हस्ती का इस्मे ग्रामी क्या है जिस्के क़ब्र की ज़ियारत मुतवातिर 7 रोज़ तक होती रही?

जवाब 3175 : हज़रत मौलाना जलालुद्दीन रहमतुल्लाहि अलैहि।

सवाल 3176 : हज़रत मौलाना जलालुद्दीन रहमतुल्लाहि अलैहि की उस किताब का नाम बताइए जिस्की वजह से आप का नाम आज भी ज़िन्दा है?

जवाब 3176 : मस्नवी शरीफ।

सवाल 3177 : हज़रत मौलाना जलालुद्दीन रहमतुल्लाहि अलैहि की किताब को किस बुजुर्ग ने दरया में डाल दिया था?

जवाब 3177 : हज़रत शम्स तब्रेज़ रहमतुल्लाहि अलैहि ने।

सवाल 3178 : हज़रत शम्स तब्रेज़ रहमतुल्लाहि अलैहि के वालिद का नाम बताइए?

जवाब 3178 : अलाउद्दीन।

सवाल 3179 : हज़रत मौलाना जलालुद्दीन रूमी रहमतुल्लाहि अलैहि किस सहाबी की नस्ल से थे?

जवाब 3179 : अमीरूल मुमिनीन हज़रत अबू बकर सिद्दीक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु की नस्ल से।

सवाल 3180 : हज़रत मौलाना जलालुद्दीन रूमी रहमतुल्लाहि अलैहि कहाँ और कब पैदा हुए?

जवाब 3180 : बल्लख़ में सन 604 हिजरी।

हज़रत इब्राहीम बिन अदहम व राबिआ़ बस्रिया रहमतुल्लाहि अलैहिमा

सवाल 3181 : हज़रत इब्राहीम बिन अदहम रहमतुल्लाहि अलैहि कहाँ के बादशाह थे?

जवाब 3181 : बलख़ के।

सवाल 3182 : दुन्यावी मुल्क व सल्तनत छोड़ के यादे ख़ुदा में मस्रूफ़ हो जाने वाले बुजुर्ग का इस्मे ग्रामी बताइए?

जवाब 3182 : हज़रत इब्राहीम बिन अदहम रहमतुल्लाहि अलैहि।

सवाल 3183 : ख़िताबे ताजुर्रिजाल से कौन मशहूर थीं?

जवाब 3183 : हज़रत राबिआ़ बस्रिया रहमतुल्लाहि तआ़ला अलैहा।

जवाब 3184 : उस पारसा ख़ातून का इस्मे ग्रामी बताइए जिन की तवाफ के लिए कअ़बा खूदही आ गया?

जवाब 3184 : हज़रत राबिआ़ बस्रिया रहमतुल्लाहि तआ़ला अलैहा।

सवाल 3185 : हज़रत राबिआ़ बस्रिया रहमतुल्लाहि तआ़ला अलैहा को किस के हाथ फरोख़्त किया गया?

जवाब 3185 : तवाइफों के।

सवाल 3186 : हज़रत ख़्वाजा इब्राहीम बिन अदहम रहमतुल्लाहि अलैहि का मदफन कहाँ है?

जवाब 3186 : कोहे शाम। (माहनामा आला हज़रत, दिसम्बर सन 1988 ई०)

सवाल 3187 : वह कौन से वली हैं जिनका हाथ चूमने की बरकत से एक शराबी की मग़फिरत हो गई?

जवाब 3187 : इमामुत्तारिकीन सय्यदुना इब्राहीम बिन अदहम रहमतुल्लाहि अलैह।

हज़रत मन्सूर हल्लाज व ख़्वाजा हसन बसरी रहमतुल्लाहि अलैहिमा

सवाल 3188 : हज़रत मन्सूर हल्लाज रहमतुल्लाहि अलैहि का सर क़लम क्यों किया गया?

जवाब 3188 : अनल हक़ कहने के जुर्म में।

सवाल 3189 : हज़रत मन्सूर बिन हल्लाज रहमतुल्लाहि अलैहि के मुक़दमा का आख़िरी फैसिला कब हुआ?

जवाब 3189 : 8/ जी क़अदा सन 309 हिजरी में।

सवाल 3190 : हज़रत मन्सूर बिन हल्लाज रहमतुल्लाहि अलैहि कितने साल तक कैद में रहे?

जवाब 3190 : आठ साल तक।

सवाल 3191 : हज़रत मन्सूर बिन हल्लाज रहमतुल्लाहि अलैहि का मज़ार कहां वाक़े है?

जवाब 3191 : दूसरे हिस्सा शहरे बग़दाद में।

सवाल 3192 : हज़रत ख़्वाजा हसन बसरी रहमतुल्लाहि अलैहि की वालिदह उम्महातुलमोमिनीन में से किन की सहेली थीं?

जवाब 3192 : हज़रत उम्मे सल्मा रज़ि यल्लाहु अन्हा की।

सवाल 3193 : उम्मुलमोमिनीन हज़रत सल्मा रज़ि यल्लाहु का दूध पीने वाले बुजुर्ग का इस्मे गिरामी बताइये?

जवाब 3193 : हज़रत ख़्वाजा हसन बसरी रहमतुल्लाहि अलैहि।

सवाल 3194 : हज़रत ख़्वाजा हसन बसरी रहमतुल्लाहि अलैहि ने किस से इल्म व फैज़ हासिल किया?

जवाब 3194 : हज़रत अली कर्मल्लाहु वज्हु से।

हज़रत बा यज़ीद बुस्तामी व जुन्नून मिसरी रहमतुल्लाहि अलैहिमा

एक दिल ही क्या वहां होती है आयेना पर जिला
आयेना ले जाए आयेना गर के सामने

सवाल 3195 : वह कौन से बुजुर्ग हैं जो सब कामों को छोड़ कर वालिदैन की रज़ा मंदी मुक़द्दम रखते थे?

जवाब 3195 : हज़रत बा यज़ीद बुस्तामी रहमतुल्लाहि अलैहि।

सवाल 3196 : किस बुजुर्ग ने फ़रमाया की जब खुदा का कुर्ब हासिल हो गया तो कअबा मेरा तवाफ करता है?

जवाब 3196 : हज़रत बा यज़ीद बुस्तामी रहमतुल्लाहि अलैहि।

सवाल 3197 : उस बुजुर्ग हस्ती का इस्मे गिरामी बताइये जिन्होंने पत्थर दिया तो वह सोना बन गया?

जवाब 3197 : हज़रत ज़ुन्नून मिसरी रहमतुल्लाहि अलैहि।

सवाल 3198 : किस बुजुर्ग के लोग मुंकिर रहे बादे विसाल हालात से वाक़िफ़ियत हुई?

जवाब 3198 : हज़रत ज़ुन्नून मिसरी रहमतुल्लाहि अलैहि।

सवाल 3199 : हज़रत ज़ुन्नून मिसरी रहमतुल्लाहि अलैहि को किस ख़लीफ़ा ने गिरफ्तार करवाया?

जवाब 3199 : ख़लीफ़ा मुतवक्किल अब्बासी ने।

सवाल 3200 : हज़रत ज़ुन्नून मिसरी रहमतुल्लाहि अलैहि की पेशानी पर बादे विसाल कौन्सा जुम्ला पढ़ा गया?

जवाब 3200 : यह अल्लाह के ख़लील हैं और इश्क़े इलाही की तल्वार से फौत हुवे हैं।

सवाल 3201 : हज़रत ज़ुन्नुन मिसरी रहमतुल्लाहि अलैहि का विसाल कब हुआ?

जवाब 3201 : सन 246 हिजरी, बरोज़ पीर।

(माहनामा "आला हज़रत" फर्वरी सन 1987 ई०, पेज: 66)

हज़रत सय्यद हाजी वारिस अली शाह रहमतुल्लाहि अलैहि

सवाल 3202 : हाजी वारिस अली शाह रहमतुल्लाहि अलैहि का क़दीम वतन कहाँ है?

जवाब 3202 : नीशापूर।

सवाल 3203 : हाजी सय्यद वारिस अली शाह रहमतुल्लाह अलैहि के वालिद का इस्मे ग्रामी बताइये?

जवाब 3203 : सय्यद कुर्बान अली।

सवाल 3204 : वारिसे पाक रहमतुल्लाहि अलैहि का रौज़ा कहाँ है?

जवाब 3204 : देवा शरीफ बाराबंकी यूपी में।

सवाल 3205 : वह कौन से हाजी हैं जिन्हों ने इहराम पहेन कर कभी न उतारा?

जवाब 3205 : हाजी सय्यद वारिस अली शाह रहमतुल्लाहि अलैहि।

सवाल 3206 : हाजी सय्यद वारिस अली शाह रहमतुल्लाहि अलैहि किस के हमअसर मशाहीर हैं?

जवाब 3206 : रसरकार आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि के।

सरकार सय्यदुना सालार मस्ऊद ग़ाज़ी रहमतुल्लाहि अलैहि

मरे शहीद अगर जीत ले तो ग़ाज़ी है।
यह राह वह है कि दोनों में सरफराज़ी है।।

सवाल 3207 : हज़रत सय्यद सालार मस्ऊद ग़ाज़ी किस की नस्ल से हैं?

जवाब 3207 : मोहम्मद बिन हनफिया बिन अली मुर्तज़ा के साहिबज़ादे सालार अब्दुल मन्नान रज़ि यल्लाहु अन्हुम की नस्ल से।

सवाल 3208 : सरकार ग़ाज़ी मियां रहमतुल्लाहि अलैहि बहराइच कब तशरीफ लाए?

जवाब 3208 : शअबान सन 423 हिजरीमें।

सवाल 3209 : सरकार ग़ाज़ी मियां रहमतुल्लाह अलैहि के वालिदे मोहतरम का इस्मे गिरामी बताइये?

जवाब 3209 : सय्यद साहूसालार रहमतुल्लाहि अलैहि।

सवाल 3210 : सय्यद सरकार मस्ऊद ग़ाज़ी रहमतुल्लाहि अलैहि के वालिद माजिद की क़ब्र कहाँ वाक़े है?

जवाब 3210 : सत्रख़ बारा बंकी यु.पी. में।

सवाल 3211 : सरकार ग़ाज़ी मियां रहमतुल्लाह अलैहि की वालिदा माजिदा का इस्मे गिरामी बताइये?

जवाब 3211 : हज़रत सत्रे मुअलला।

सवाल 3212 : सरकार ग़ाज़ी मियां रहमतुल्लाह अलैहि किस मशहूर बादशाह के भांजे थे?

जवाब 3212 : महमूद ग़ज़्नवी के।

सवाल 3213 : हज़रत सरकार ग़ाज़ी मियां रहमतुल्लाहि अलैहि ने सब से पहले बहराइच किस को रवाना फरमाया?

जवाब 3213 : रजब कोतवाल और सालार सैफुद्दीन को।

सवाल 3214 : सरकार गाज़ी मियां रहमतुल्लाह अलैहि पर कितने राजाओं ने मिल कर हमला किया?

जवाब 3214 : 21।

सवाल 3215 : सरकार गाज़ी मियां रहमतुल्लाह अलैहि के हल्के नाज़ पर किस बदबख़्त ने तीर चलाया था?

जवाब 3215 : सुहेल देव ने।

सवाल 3216 : सरकार गाज़ी मियां रहमतुल्लाह अलैहि की तारीखे विसाल बताइये?

जवाब 3216 : 14, रजब सन 424 हिजरी, 10 जून सन 1034 ई०।

सवाल 3217 : आस्तानए सरकार गाज़ी मियां रहमतुल्लाहि अलैहि से किस क़िस्म के मरीज़ों को शिफा मिलती है?

जवाब 3217 : जुज़ामी, अबरस, पागल नीज़ नाबीनाओं को आँखें भी अता हो जाती हैं।

सवाल 3218 : सरकार गाज़ी मियां रहमतुल्लाह अलैहि का मज़ारे मुक़द्दसा कहाँ वाक़े हैं?

जवाब 3218 : यूपी के मशहूर ज़िला बहराइच शरीफ में।

सवाल 3219 : बताइये सरकार गाज़ी मियां रहमतुल्लाहि अलैहि को अहले इल्म किस लक़ब से याद करते हैं?

जवाब 3219 : सय्यदु शुहदा फिल्हिन्द।

मुतफर्रिक़ औलियाए किराम

सवाल 3220 : हज़रात सूफियाए किराम के मुतअद्दिद तबक़ात हैं जिन में तबक़ए ऊला के असमाए गिरामी बताइये?

जवाब 3220 : हज़रत उवैस क़रनी, हज़रत हसन बसरी, हज़रत मालिक बिन दीनार, हज़रत मोहम्मद वासेअ, हज़रत हबीब अजमी, हज़रत ख़्वाजा फुज़ैल बिन अयाज़, हज़रत इब्राहीम बिन अदहम, हज़रत अब्दुल्लाह बिन मुबारक, हज़रत सुफियान सोरी वग़ैरहुम रिज़वानुल्लाहि तआला अलैहिम अजमईन।

नोट: यह वह हज़रात हैं जिन के दीनो इल्म,फज़ल व कमाल, इत्तेबाए शरीअत, तक़वा व तहारत, अख़्लाक़ व किरदार

और इबादत व रियाज़त के ईमान अफरोज़ और रोशन नमूने सीनए गीती और औराके तारीख़ की ज़ेबो ज़ीनत हैं।
(माहनामा कन्ज़ुल ईमान देहली, दिसंबर सन 2001 ई.)

सवाल 3221 : देहली फतेह होने के बाद मुसलामानों के घर में पैदा होने वाले बच्चे का नाम बताइये?

जवाब 3221 : हज़रत सूफी हमीदुद्दीन नागोरी रहमतुल्लाहि अलैह (बकौले खुद) आप का विसाल 29 रबीउल आख़िर सन 673 हिजरी को हुई। (माहनामा अशरफिया जूलाई सन 1999 ई.)

सवाल 3222 : वह कौन बुजुर्ग हैं जो मुकम्मल 40 साल तक न सोए जब नींद का ग़लबा होता तो आँखों में नमक भर लेते?

जवाब 3222 : हज़रत शाह शुजाअ़ किरमानी रहमतुल्लाहि अलैहि।

सवाल 3223 : कबीरुल औलिया हज़रत ख्वा़जा सय्यद अहमद कबीरुल हुसैनी अर्रिफाई रहमतुल्लाह अलैहि की विलदत कब हुई?

जवाब 3223 : सन 512 हिजरी में।

सवाल 3224 : हज़रत ख्वा़जा सय्यद अहमद कबीरुल हुसैनी अर्रिफाई रहमतुल्लाह अलैहि का विसाल कब हुआ?

जवाब 3224 : सन 578 हिजरी में बउम्र 66 साल।
(माहनामा अशरफिया, अप्रैल सन 1999 ई.)

सवाल 3225 : वह कौन सी मुक़द्दस हस्ती है जिस ने तसव्वुफ के गुलशन में हुब्बे इलाही की नग़मा सराई की?

जवाब 3225 : हज़रत राबिआ़ अदा अदविया रहमतुल्लाहि अलैहा।

सवाल 3226 : सिलसिलए सुहरवरदिया किस ज़ाते गिरामी से मन्सूब है?

जवाब 3226 : हज़रत शैख़ बहाउद्दीन रहमतुल्लाह अलैहि से।

सवाल 3227 : हज़रत जुनैद बग़दादी रहमतुल्लाह अलैहि क़े माँमू का इसमे गिरामी बताइये जो खुद एक बहुत बड़े वली थे?

जवाब 3227 : हज़रत सिरी सक़ती रहमतुल्लाह अलैहि।

सवाल 3228 : हज़रत सिरी सक़ती रहमतुल्लाह अलैहि के पीर व मुर्शिद का इस्मे गिरामी बताइये?

जवाब 3228 : हज़रत मारूफ करख़ी रहमतुल्लाह अलैहि।

सवाल 3229 : एक साल हज, दुसरे साल जिहाद, तीसरे साल तिजारत

कर के मुनाफअ दोस्तों और फकीरों में तक़सीम कर देते, क्या उस बुज़ुर्ग का इस्मे गिरामी आप को मालूम है?

जवाब 3229 : हज़रत अब्दुल्लाह बिन मुबारक रहमतुल्लाहि अलैहि।

सवाल 3230 : कूफा शहेर की रहने वाली वह कौन मुअज़्ज़ज़ हस्ती है जिन की बकरियां और भेड़िए एक साथ चरते थे?

जवाब 3230 : हज़रत मैमूना सौदा रहमतुल्लाहि अलेहा।

सवाल 3231 : किस बुज़ुर्ग के तुफैल में छे. लाख हाजियों का हज कुबूल हुआ?

जवाब 3231 : हज़रत अली बिन मुवफ्फिक़ रहमतुल्लाहि अलैह। (मोची का काम करते थे)

सवाल 3232 : हज़रत अली बिन मुवफ्फिक़ रहमतुल्लाहि अलैहि के किस अमल ने उन्हें यह बलन्द रुतबा अता फरमाया?

जवाब 3232 : तीस हज़ार दिरहम बजाए हज को जाने के अपने पड़ोसी को दे दिया जिस के बच्चे सातवें फाक़ा के बाद मुरदार का गोश्त खा रहे थे।

सवाल 3233 : सुलतान ग़यासुद्दीन के अहेद के मशहूर बुज़ुर्गों के अस्माए गिरामी बताइयें?

जवाब 3233 : ख़्वाजा फरीदुद्दीन गंजे शकर, बहाउद्दीन ज़करिया मुल्तानी रहमतुल्लाहि अलैहिमा।

सवाल 3234 : हज़रत अबुल हसन दाता गंज फैज़ बख़्श रहमतुल्लाहि अलैहि का मज़ार कहाँ वाक़े है?

जवाब 3234 : लाहोर पाकिस्ताना में।

सवाल 3235 : अरब के लोग शैखुलहिन्द किस बुज़ुर्ग को कहा करते थे?

जवाब 3235 : हज़रत शैख़ सलीम चिश्ती रहमतुल्लाहि अलैहि को।

सवाल 3236 : वह कौन से बुज़ुर्ग हैं जिन्होंने सिर्फ बिस्मिल्लाह पढ़ा और कहा इसी में सब कुछ है?

जवाब 3236 : हज़रत मीना शाह लखनवी रहमतुल्लाहि अलैहि।

सवाल 3237 : हज़रत मीना शाह लखनवी रहमतुल्लाहि अलैहि का विसाल कब हुआ?

जवाब 3237 : सन 870 हिजरी में।

सवाल 3238 : शैख़ नसीरुद्दीन चिराग़ देहलवी रहमतुल्लाहि अलैहि का मज़ार कहां वाक़े है?

जवाब 3238 : क़रीब शाहजहां बाद।

सवाल 3239 : शैख़ नसीरुद्दीन चिराग़ देहलवी रहमतुल्लाहि अलैहि का विसाल कब हुआ?

जवाब 3239 : 17 या 18। रमज़ान शबे जुमा सन 757 हिजरी में।

सवाल 3240 : सैफुल्लिसान किस बुजुर्ग हस्ती का लक़ब है?

जवाब 3240 : हज़रत लाल शहबाज़ कलंद्र रहमतुल्लाहि अलैहि का।

सवाल 3241 : हज़रत मख़दूम अशरफ जहांगीर सिमनानी रहमतुल्लाहि अलैहि के वालिदे मुहतरम का नाम बताइये?

जवाब 3241 : हज़रत मौलाना अबुस्सलातीन सुल्तान सय्यद इब्राहीम शाह कुद्दिसा सिर्रहू।

सवाल 3242 : हज़रत मख़दूम अशरफ जहांगीर सिमनानी रहमतुल्लाहि अलैहि किस शहेर के बादशाह थे?

जवाब 3242 : शहेर सिमनान के।

सवाल 3243 : हज़रत मख़दूम अशरफ जहांगीर सिमनानी रहमतुल्लाहि अलैहि का मज़ार कहाँ वाक़े है?

जवाब 3243 : शहेर अयोधिया के क़रीब ज़िला फैज़ाबाद कछौछा यूपी में।

सवाल 3244 : वह कौन से बुजुर्ग हैं जिन का पांव क़ब्र से आज भी बाहर है?

जवाब 3244 : हज़रत सय्यद मोहम्मद अय्यूब कुर्दी रहमतुल्लाहि अलैहि जो दमि क़ के दामने कोह में आराम फर्मा हैं।

सवाल 3245 : हस्साने सानी किस बुजुर्ग का लक़ब है?

जवाब 3245 : हज़रत मौलाना इस्माईल निबहानी रहमतुल्लाहि अलैहि का।

सवाल 3246 : अल्लाह तआला हफ़्त अक़लीब चारों जिहतों की हिफाज़त आपने किन नेक बंदो से करता है?

जवाब 3246 : अवताद के ज़रीअह।

सवाल 3247 : हज़रत अबू बकर शिबली व बहलोल दाना रहमतुल्लाहि अलैहिमा के मज़ारात कहां वाक़े हैं?

जवाब 3247 : शहेर बग़दाद के दूसरे हिस्सा में।

सवाल 3248 : बताइये हज़रत जूनैद बग़दादी रहमतुल्लाहि अलैहि कौन सा कारोबार करते थे?

जवाब 3248 : कपड़े की तिजारत।

सवाल 3249 : हज़रत बिशर हाफी रहमतुल्लाहि अलैहि के पीर व मुर्शिद का इस्मे गिरामी बताइये?

जवाब 3250 : हज़रत अली हशरम रहमतुल्लाहि अलैहि जो आपके मामूँ थे।

सवाल 3251 : यूरप कि हदे दुनिया में रहने वाले औताद का इस्मे गिरामी बताइये?

जवाब 3251 : हज़रत अब्दुल हई रहमतुल्लाहि अलैहि।

सवाल 3252 : दूसरे औताद पश्चिम दुनिया के किनारे रहते हैं उनका इस्मेगिरामी बताइये?

जवाब 3252 : हज़रत अब्दुल हलीम रहमतुल्लाहि अलैहि।

सवाल 3253 : हज़रत अब्दुलक़ादिर रहमतुल्लाहि अलैहि नाम के औतार दुनिया के किस किनारे पर मुतअ़य्यन हैं?

जवाब 3253 : दक्खिन के किनारे।

सवाल 3254 : हदे दुनिया उत्तर किनारे पर रहने वाले औताद का इस्मे गिरामी बताइये?

जवाब 3254 : हज़रत अब्दुल मुरीद रहमतुल्लाहि अलैहि।

सवाल 3255 : एमामैन मातहेत गौ़स के अस्माए गिरामी बताइये?

जवाब 3255 : हज़रत अब्दुर्रब व हज़रत अब्दुलमलिक रहमतुल्लाहि अलैहिमा।

सवाल 3256 : वह कौन से मुहद्दिस हैं जिन्हें हदीस बिल्मवाजा नबी करीम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम से हासिल हुई?

जवाब 3256 : हज़रत मौलाना बदरुद्दीन मुहद्दिस रहमतुल्लाहि अलैहि।

सवाल 3257 : हज़रत ख़्वाजा शैख़ शहाबुद्दीन सुहरवर्दी रहमतुल्लाहि अलैहि का मज़ार कहाँ वाक़े है?

जवब 3257 : बैरुने शहेर बग़दाद और शुमाली हिस्से में।

सवाल 3258 : मिट्टी के घरोंदों को महले बहि ती बता कर किस ने फरोख़्त किया?

जवाब 3258 : हज़रत बहलोल दाना रहमतुल्लाहि अलैहि ने।

मुझ को तुम दीवाना कहते हो मैं वह हुशियार हूँ
पावों जब तौफे हरम में थक गए सर फिर गया।

सवाल 3259 : हज़रत ख़्वाजा बंदह नवाज़ गेसू दराज़ रहमतुल्लाहि अलैहि का इस्मेगिरामी व कुन्नियत और लक़ब बताइये?

जवाब 3259 : नाम सय्यद मोहम्मद कुन्नियत अबुल फतेह लक़ब सदरुद्दीन अल वलियुल अकबर और अस्सादीक़ है।

सवाल 3260 : सदरुल अफाज़िल मौलाना सय्यद नईमुद्दीन मुरादाबादी रहमतुल्लाहि अलैहि की तारीख़े विसाल क्या है?

जवाब 3260 : 18 ज़िल हिज्जा सन 1367 हिजरी, 23 अक्टूबर सन 1948 ई.।

सवाल 3261 : हज़रत बहलोल दाना रहमतुल्लाहि अलैहि के रेत के बने हुए घरौंदों को किसने और कितने में ख़रीदा?

जवाब 3261 : बादशाह हारुन रशीद की बीवी मल्कए ज़ुबैदा ने एक दिरहम में।

सवाल 3262 : हज़रत गेसू दराज़ रहमतुल्लाहि अलैहि का अस्ल नाम क्या था?

जवाब 3262 : मोहम्मद।

सवाल 3263 : वह कौन से बुज़ुर्ग हैं जिन्होंने तीस साल तक मस्जिदे हराम में क्याम फरमाया मगर किसी ने उन को खाते पीते नहीं देखा?

सवाल 3263 : हज़रत अबू हम्माद अस्वद रहमतुल्लाहि अलैहि।

सवाल 3264 : मुहद्दिसे आज़मे पाकिस्तान अल्लामा सरदार अहमद साहिब क़िबला रहमतुल्लाहि अलैहि का विसाल कब हुआ?

जवाब 3264 : शाबानुल मुअज़्ज़म 1382 हिजरी मुताबिक़ दिसम्बर 1962 ई. में लाइल पुर जो मौजूदह फैसलआबाद (पाकिस्तान) है, सपुर्दे ख़ाक हुए।

सवाल 3265 : एक बरगुज़ीदह हस्ती जो अपने पड़ोसी के मकान के पर नाले से गिरने वाली गलाज़त साफ किया करते थे जिस की वजह से पड़ोसी मुशर्रफ ब-इस्लाम हो गया क्या आप को उन का इस्मे गिरामी मालूम है?

जवाब 3265 : हज़रत मालिक बिन दीनार रहमतुल्लाहि अलैहि।

सवाल 3266 : क्या आप ऐसे बुज़ुर्ग का नाम बता सकते हैं जिन्होंने पचास सहाबए किराम की ज़ियारत की हो?

जवाब 3266 : हज़रत इमाम शुअ़बी रहमतुल्लाहि अलैहि (सन 106) हिजरी।

सवाल 3267 : मौलाना सय्यद नईमुद्दीन मुरादा बादी रहमतुल्लाहि अलैहि के आबा व अजदाद औरंगज़ेब रहमतुल्लाहि अलैहि के अहेद में कहाँ से तशरीफ लाए?

जवाब 3267 : मशहद से।

सवाल 3268 : बताइये किस बुज़ुर्ग हस्ती का क़ौल है कि अगर अयाल दार शख़्स इल्मे दीन को सीखता है और अपने बच्चों की परवरिश भी करता है तो उस का अज्र जिहाद से ज़्यादा है?

जवाब 3268 : हज़रत अब्दुल्लाह बिन मुबारक रहमतुल्लाहि अलैहि का।

सवाल 3269 : वह कौन से वलीये कामिल हैं जो एक बार सो रहे थे और एक सांप नरगिस की शाख़ लिये मगस रानी कर रहा था?

जवाब 3269 : हज़रत मालिक बिन दीनार रहमतुल्लाहि अलैहि।

सवाल 3270 : हज़रत मख़दूम अली फकीह माहेमी की तारीख़े विलादत बताइये?

जवाब 3270 : दस मुहर्रमुल हराम सन 776 हिजरी को कोकन में हुई।

सवाल 3271 : मख़दूम माहेमी रहमतुल्लाहि अलैहि के वालिदैन के अस्माए गरामी बताइये?

जवाब 3271 : शैख़ अहमद इब्ने इस्माईल और वालिदह का नाम फातिमा बिन्ते नाखुदा हुसैन था।

सवाल 3272 : हज़रत मख़दूम माहिमी रहमतुल्लाह अलैह की तारीख़े विसाल बताइये?

जवाब 3272 : 7/जमादिल आख़िर सन 839 हिजरी बाद नमाज़े इशा।

सवाल 3273 : क्या आप बता सकते हैं कि नुक़बा की तअदाद कितनी है?

जवाब 3273 : तीन सो। (मसकन मग़रिब)।

सवाल 3274 : नुजबा की तअ़दाद कितनी है ?

जवाब 3274 : सत्तर। (70) (मसकन मिस्र)।

सवाल 3275 : अबदाल की तअ़दाद बताइये?

जवाब 3275 : चालिस 40 (मसकन शाम)

सवाल 3276 : बताइये अख़बार की तअदाद कितनी है?

जवाब 3276 : सात 7 (ज़मीन में सय्याह हैं)

सवाल 3277 : बताइये अ़मद (ग़ालिबन औताद) कितने हैं?

जवाब 3277 : चार 4 (ज़मीन के गोशों में रहते हैं)।

सवाल 3278 : उस हस्ती का नाम बताओ जो 40 साल तक बसरह में रहे मगर वहां की खजूरें न खाईं?

जवाब 3278 : हज़रत मालिक बिन दीनार रहमतुल्लाहि अलैहि।
(नुज़हतुल कारी अव्वल सफह 338)

सवाल 3279 : शाह फज़्लुर्रहमान गंज मुरादाबादी रहमतुल्लाहि अलैहि के आबा व अजदाद कहां के रहने वाले थे?

जवाब 3279 : ईरान के।

सवाल 3280 : शाह फज़्लुर्रहमान गंज मुरादाबादी रहमतुल्लाहि अलैहि की उम्र कितनी थी?

जवाब 3280 : 105 साल।

सवाल 3281 : शाह फजलुर्रहमान गंज मुरादाबादी रहमतुल्लाहि अलैहि की तारीख़े विलादत और विसाल बताइये?

जवाब 3281 : विलादत यकुम रमज़ान सन 1208 हिजरी बवक़्ते सुबह सादिक़ है। विसाल 22/रबिउल अव्वल सन 1313 हिजरी है।
(माहनामा अशरफिया, जूलाई सन 1999 ई०)

सवाल 3282 : ख़्वाजए बेकस नवाज़ हाफिज़ बुख़ारी सय्यद अब्दुस्समद चिश्ती रहमतुल्लाहि अलैहि के वालिदैन का इस्मे गिरामी बताइये?

जवाब 3282 : हज़रत सय्यद ग़ालिब हुसैन रहमतुल्लाहि अलैहि ।

सवाल 3283 : हज़रत हाफिज़ बुख़ारी सय्यद अब्दुस्समद चिश्ती रहमतुल्लाहि अलैहि की तारीख़े विलादत बताइये?

जवाब 3283 : विलादत 14 शाबान सन 1269 हिजरी, जनवरी सन 1853 ई बरोज़ जुमा बमुक़ाम क़सबा सहेसवान मुहल्ला मुहीयुद्दीन पूर ज़िला बदायूँ शरीफ यू.पी।

सवाल 3284 : हज़रत सय्यद अब्दुस्समद हाफिज़ बुख़ारी रहमतुल्लाहि अलैहि का विसाल कब हुआ?

जवाब 3284 : 17 जमादिल आख़िर सन 1323 हिजरी बरोज़ शंबा ग्यारह बजे शब क़स्बा फफून्द शरीफ ज़िला औरैया, यू.पी।

❖❖❖

अइम्मए किराम
हज़रत इमाम आज़म अबू हनीफ़ा रहमतुल्लाहि अलैहि

सवाल 3285 : फ़िक़ह के कुल कितने इमाम गुज़रे हैं?

जवाब 3285 : चार 4

सवाल 3286 : चारों इमामों के असमाये गरामी बताइये?

जवाब 3286 : इमामे आज़म अबू हनीफ़ा, इमाम शाफई, इमाम मालिक, इमाम अहमद बिन हंबल रहमतुल्लाहि अलैहिम।

सवाल 3287 : हनफी फ़िक़ह किस इमाम से मंसूब है?

जवाब 3287 : हज़रत इमामे आज़म अबू हनीफ़ा रहमतुल्लाहि अलैहि के नाम से।

सवाल 3288 : हनफी किसे कहते हैं?

जवाब 3288 : हज़रत इमामे आज़म अबू हनीफा रहमतुल्लाहि अलैहि की तक़लीद करने वाले को।

सवाल 3289 : हज़रत इमामे आज़म अबू हनीफा रहमतुल्लाहि अलैहि के वालिदे गिरामी का इस्मे गिरामी बताइये?

जवाब 3289 : साबित।

सवाल 3290 : इमामे आज़म रहमतुल्लाहि अलैहि का अस्ल नाम किया था?

जवाब 3290 : नोअ़मान बिन साबित।

सवाल 3291 : इमामे आज़म अबू हनीफा रहमतुल्लाहि अलैहि कहाँ के रहने वाले थे?

जवाब 3291 : कूफा के।

सवाल 3292 : इमामे आज़म रहमतुल्लाहि अलैहि किस बाद ाह के अहेद में पैदा हुए?

जवाब 3292 : अब्दुल मलिक बिन मरवान के।

सवाल 3293 : इमामे आज़म अबू हनीफा रहमतुल्लाहि अलैहि के अहेद में कौन कौन सहाबा बक़ैदे हयात थे?

जवाब 3293: ग़ालिबन हज़रत अनस बिन मालिक, अब्दुल्लाह बिन अबी औफ़ा, सुहैल बिन अस्साअ़दी, अबूत्तुफैल आमिर बिन वासिला और हज़रत क़तादह रज़ि यल्लाहु अन्हुम।

सवाल 3294 : हज़रत इमामे आज़म रहमतुल्लाहि अलैहि को बैतुलमुक़द्दस शरीफ का मुजावर रहने का शर्फ किनते अर्सा तक हासिल रहा?

जवाब 3294 : 6 साल तक।

सवाल 3295 : इमामे आज़म रहमतुल्लाहि अलैहि की विलादत कब हुई?

जवाब 3295 : सन 80 हिजरी में।

सवाल 3296 : इमामे आज़म रहमतुल्लाहि अलैहि का विसाल कब हुआ?

जवाब 3296 : सन 150 हिजरी शअबान की दूसरी तारीख़ बउम्र 90 साल। (नुज़हतुलक़ारी अव्वल सफह 164)

सवाल 3297 : इमामे आज़म रहमतुल्लाहि अलैहि के शागिर्द इमाम मोहम्मद रहमतुल्लाहि अलैहि हदीस पढ़ने के बाद किस के हल्क़ए दर्स में दाख़िल हुए?

जवाब 3297 : हज़रत इमामे मालिक रहमतुल्लाहि अलैहि के।

सवाल 3298 : बताइये इमामे आज़म रहमतुल्लाहि अलैहि रमज़ान में कितना क़ुर्आन ख़त्म फ़रामते थे?

जवाब 3298 : एक्सठ (61) क़ुर्आन पाक। तीस दिन में तीस रात में और एक तरावीह की नमाज़ में।

सवाल 3299 : हज़रत इमामे आज़म रहमतुल्लाहि अलैहि को किस ने क़ैद किया?

जवाब 3299 : ख़लीफा मनसूर के इशारा पर इब्ने हुबैरह ने।

सवाल 3300 : ख़लीफा मनसूर ने इमामे आज़म रहमतुल्लाहि अलैहि को क़ैद क्यों करवाय

जवाब 3300 : मन्सबे क़ज़ा ठुकराने की वजह से।

सवाल 3301 : इमामे आज़म रहमतुल्लाहि अलैहि को इब्ने हुबैरह की पेशकश ठुकराने की वजह से कौन सी सज़ा मिली?

जवाब 3301 : ज़ुल्म व सितम ढ़ाकर ज़दो कोब किया।

सवाल 3302 : इब्ने हुबैरह किस दौर में था?

जवाब 3302 : दौरे उमवी में।

सवाल 3303 : इमामे आज़म रहमतुल्लाहि अलैहि का मज़ारे मुक़द्दसा किस जगह वाके है?

जवाब 3303 : क़सबा मुअज़्ज़म में मक़बेरह ख़ेज़रान के अन्दर।

सवाल 3304 : इमामे आज़म रहमतुल्लाहि अलैहि का पेशा क्या था?

जवाब 3304 : कपड़े की तिजारत।

सवाल 3305 : हज़रत इमामे आज़म रहमतुल्लाहि अलैहि के साहिबज़ादे का नाम बताइये?

जवाब 3305 : हम्माद बिन अबू हनीफा रहमतुल्लाहि तआला अलैहिमा।

सवाल 3306 : हज़रत इमामे आज़म रहमतुल्लाहि अलैहि के हल्क़ए दर्स के जानशीन कौन हज़रात हुए?

जवाब 3306 : हज़रत इमामे ज़ुफर बादहू इमाम अबू यूसुफ रहमतुल्लाहि अलैहिमा।

सवाल 3307 : हज़रत क़तादा बिन वे आमा रज़ि यल्लाहु अन्हु (जो पैदाइशी नाबीना थे) से इमाम आज़म रहमतुल्लाहि अलैहि ने क्या सवाल किया था?

जवाब 3307 : "हज़रत सुलैमान अलैहिस्सलाम की चिंवटी नर थी या मादा?"

सवाल 3308 : हज़रत क़तादा रज़ि यल्लाहु अन्हु के जवाब न देने पर इमामे आज़म रहमतुल्लाहि अलैहि ने क्या फरमाया?

जवाब 3308 : चिंवटी मादा थी इस लिये की क़ुर्आन में मुअन्नस का सेग़ा नमलतुन आया है।

सवाल 3309 : हज़रत इमामे आज़म रहमतुल्लाहि अलैहि आग़ाजे फिक़ह के वक़्त किसके तलम्मुज़ में आए?

जवाब 3309 : हज़रत हम्माद रहमतुल्लाहि अलैहि के।

सवाल 3310 : कूफा का हाकिम यज़ीद बिन उमर बिन हुबैरह इमामे आज़म रहमतुल्लाहि अलैहि के सपुर्द कौन सा काम करना चाहता था?

जवाब 3310 : सरकारी मुहर ताकी आप की मुहर के बग़ैर कोई काम जारी न हो सके।

सवाल 3311 : मज़हबे अहले सुन्नत व जमाअत का बानी कौन है?

जवाब 3311 : अबूलहसन अशअरी रहमतुल्लाहि अलैहि को शुमार किया जाता है।

(शरहे अक़ाइद स. 6)

सवाल 3312 : क्या इमामे आज़म अबू हनीफ़ा की मुलाक़ात इमामे शाफ़ई और इमामे अहमद बिन हंबल से हुई थी। (रहमतुल्लाहि अलैहिम) ?

जवाब 3312 : नहीं हुई।

सवाल 3313 : बताइये इमामे आज़म अबू हनीफ़ा रहमतुल्लाहि अलैहि किस फन में यदे तूला रखते थे?

जवाब 3313 : फने इन्जिनिरिंग में।

सवाल 3314 : इल्मे फिक़ा में शैख़ैन से मुराद कौन हैं?

जवाब 3314 : हज़रत इमामे आज़म और इमामे अबू यूसुफ रहमतुल्लाहि तआला अलैहिमा।

सवाल 3315 : अइम्मऐ अरबाअ में से इमामे आज़म की मुलाक़ात किस इमाम से हुई?

जवाब 3315 : सिर्फ इमाम मालिक रहमतुल्लाह अलैहि से।

सवाल 3316 : फ़िक़ह में साहेबैन से कौन हज़रात मुराद लिए जाते हैं?

जवाब 3316 : हज़रत इमाम मोहम्मद व इमाम अबू यूसुफ़ जो इमाम आज़म के शागिर्द हैं। रहमतुल्लाहि तआ़ला अलैहिम।

सवाल 3317 : इमामे आज़म रहमतुल्लाह अलैहि के कौन शागिर्द हैं जिन्होंने आपसे क़ैद ख़ाना ही में तअलीम हासिल की और जय्यद फक़ीह बन कर उभरे?

जवाब 3317 : हज़रत इमाम मोहम्मद रहमतुल्लाहि अलैहि।

सवाल 3318 : हज़रत इमाम आज़म रहमतुल्लाह अलैहि ने जब बारगाहे रिसालत सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम में अस्सलामु अलैकुम या सय्यदल मुर्सलीन अर्ज़ किया तो रौज़ए अतरह से क्या जवाब अता हुआ?

जवाब 3318 : वअलैकुमुस्सलाम या इमामल मुसलिमीन।

सवाल 3319 : हज़रतइमाम आज़म रहमतुल्लाह अलैहि ने कितने साल तक इशा के वज़ू से फज्र की नामज़ पढ़ी?

जवाब 3319 : 45 (पैंतालीस), साल तक और बाज़ ने 40 साल बताया।

सवाल 3320 : इमाम आज़म रहमतुल्लाह अलैहि के म हूर तलामिज़ा के अस्माये ग्रामी बताइये?

जवाब 3320 : इमाम अबू यूसुफ याकूब बिन इब्राहीम अन्सारी, इमाम

मोहम्मद बिन हसन, इमाम ज़ुफ़र बिन हुज़ैल, इमाम हसन बिन ज़ियाद रहमतुल्लाहि अलैहिम अजमईन।

हज़रत इमाम मालिक रहमतुल्लाहि अलैहि

सवाल 3321 : हज़रत इमाम मालिक रहमतुल्लाहि अलैहि कहां और कब पैदा हुए?

जवाब 3321 : मदीना मुनौवरा में सन 93 हिजरी।

सवाल 3322 : फिकहे मालिकी किस इमाम से मन्सूब है?

जवाब 3322 : हज़रत इमाम मालिक रहमतुल्लाहि अलैहि से।

सवाल 3323 : हज़रत इमाम मालिक, इमाम आज़म रहमतुल्लाहि अलैहिमा से कितने साल छोटे थे?

जवाब 3323 : सिर्फ (13) साल।

सवाल 3324 : हज़रत इमाम मालिक रहमतुल्लाहि अलैहि का विसाल कब हुआ?

जवाब 3324 : सन 204, हिजरी में और बाज़ ने सन 179 हिजरी बताया है।

सवाल 3325 : हदीस का मजमूआ "मुअत्ता" किस की यादगार है?

जवाब 3325 : हज़रत इमाम मालिक की और दूसरा मुअत्ता इमाम मोहम्मद की, रहमतुल्लाहि तआला अलैहिमा।

सवाल 3326 : हज़रत इमाम मालिक रहमतुल्लाहि अलैहि के शागिर्दों में कौन इमाम अइम्मए अरबअ में शामिल हैं?

जवाब 3326 : हज़रत इमाम शाफई रहमतुल्लाहि अलैहि।

सवाल 3327 : इमाम मालिक रहमतुल्लाहि अलैहि का आबाई वतन बताइये?

जवाब 3327 : यमन का क़बीला ज़ी असबह है इसी वजह से आप को असबही कहते हैं।

सवाल 3328 : हज़रत इमाम मालिक रहमतुल्लाहि अलैहि के वालिदैन के अस्माए गिरामी बताइये?

जवाब 3328 : वालिद का नाम अनस, वालिदह का नाम आलिया बिंते शरीक है रहमतुल्लाहि अलैहिमा।

सवाल 3329 : हज़रत इमाम मालिक के परदादा का इस्मे गिरामी बताइये?

जवाब 3329 : हज़रत अबू आमिर, अहदे नुबुव्वत ही में मुशर्रफ ब इस्लाम

हो गए थे मगर शर्फे सहाबियत और दीदारे नबवी से महरुम रहे।

सवाल 3330 : हज़रत इमाम मालिक रहमतुल्लाह अलैहि के चचा अपने वक़्त के मुहद्दिस थे उन का इस्मे ग्रामी बताइये?

जवाब 3330 : हज़रत अबू सहल नाफेअ रहमतुल्लाहि अलैहि।

सवाल 3331 : हज़रत इमाम मालिक रहमतुल्लाहि अलैहि के उस्ताज़े हदीस का इस्मे गिरामी बताइये?

जवाब 3331 : हज़रत नाफेअ मौला इब्ने उमर रहमतुल्लाहि अलैहि।

सवाल 3332 : सत्तर 70 बार दौराने दर्से हदीस ख़ैफनाक बिच्छू ने डंक मारा, अहादीस की तअज़ीम में पहलू तक न बदला। क्या आप को मालूम है कि यह वाक़िआ किस इमाम से तअ़ल्लुक़ रखता है?

जवाब 3332 : हज़रत इमाम मालिक रहमतुल्लाहि अलैहि से।

हज़रत इमाम शाफई रहमतुल्लाहि अलैहि

सवाल 3333 : नासिरुल हदीस किस इमाम को कहा जाता है?

जवाब 3333 : हज़रत इमाम शाफई रहमतुल्लाहि अलैहि को।

सवाल 3334 : इमाम शाफई रहमतुल्लाहि अलैहि का अस्ल नाम बताइये?

जवाब 3334 : मोहम्मद बिन इदिरीस।

सवाल 3335 : शाफई किसे कहते हैं?

जवाब 3335 : हज़रत इमाम शाफई रहमतुल्लाह अलैहि की तक़लीद करने वाले को।

सवाल 3336 : हज़रत इमाम शाफई रहमतुल्लाह अलैहि की विलादत कब और कहाँ हुई?

जवाब 3336 : सन 150 हिजरी में मुलके शाम मक़ामे अज़्ज़ह में।

सवाल 3337 : हज़रत इमाम शाफई रहमतुल्लाह अलैहि का विसाल कब हुआ?

जवाब 3337 : रजब 204 हि. मिश्र में।

सवाल 3338 : हज़रत इमाम शाफई रहमतुल्लाह अलैहि किस सहाबी की पांचवें पुश्त से थे?

जवाब 3338 : हज़रत सायेब बिन यज़ीद रज़ि यल्लाहु अन्हु की।
(ज़ियाउल्नबी सोम स. 302)

सवाल 3339 : इमाम शाफई रहमतुल्लाह अलैहि की तसानीफ की तअदाद कित्नी है?

जवाब 3340 : तक़रीबन 113।

सवाल 3341 : हज़रत इमाम शाफई रहमतुल्लाह अलैहि की परवरिश कहाँ हुई?

जवाब 3341 : मक्का मुकर्रमा में।

सवाल 3342 : हज़रत इमाम शाफई रहमतुल्लाहि अलैहि के मशहूर असातज़ए किराम के अस्माए गिरामी बताइये?

जवाब 3342 : हज़रत इमाम मालिक, सुफयान बिन ओयैना, और इमाम मुस्लिम बिन ख़ालिद अज़्ज़न्जी रहमतुल्लाहि अलैहिम।

सवाल 3343 : इमाम शाफई रहमतुल्लाहि अलैहि के वालिद, दादा और परदादा का नाम बताते हुए बताइए कि आप अरब के किस मशहूर क़बीला से तअल्लुक़ रखते थे।

जवाब 3343 : मोहम्मद बिन हंबल बिन हिलाल क़बिलाए शैबान से तअल्लुक़ रखते थे।

सवाल 3344 : फिक़हे इस्लामी में शाफई मस्लक का आग़ाज कब हुआ?

जवाब 3344 : नवें सदी ई. में।

सवाल 3345 : फिक़हे शाफई किस इमाम से तअल्लुक़ रख़ता है?

जवाब 3345 : हज़रत इमाम शाफई रहमतुल्लाह अलैहि से।

सवाल 3346 : इमामे शाफई रहमतुल्लाह अलैहि ने कितनी उम्र में "मुअत्ता इमाम मालिक" ज़बानी याद कर ली थी?

जवाब 3346 : सात वर्ष की उम्र में।

इमाम अहमद बिन हंबल रहमतुल्लाहि अलैहि

सवाल 3347 : हज़रते इमाम अहमद बिन हंबल रहमतुल्लाहि अलैहि की पैदाइश कहाँ और कब हुई?

जवाब 3347 : बग़दाद में 164 हिजरी में।

सवाल 3348 : इमाम अहमद बिन हंबल रहमतुल्लाहि अलैहि का विसाल कब हुआ?

जवाब 3348 : सन 241 हिजरी में माहे रबिउल अव्वल था।

सवाल 3349 : हज़रत इमाम अहमद बिन हंबल रहमतुल्लाहि अलैहि के फिक़ह के सबसे बड़े शागिर्द का इस्मे गिरामी बताइये?

जवाब 3349 : इब्ने तैमिया।

सवाल 3350 : अब्बासी ख़लिफा मामून के अहेद सन 204 हिजरी में कौन सा फितना पैदा हुआ?

जवाब 3350 : ख़ल्के कुर्आन का।

सवाल 3351 : ख़लिफा मामून के इन्तिक़ाल के बाद ख़ल्के कुर्आन के मसला में ज़्यादा दिलचस्पी किस ने लिया?

जवाब 3351 : ख़लिफा मोअतसिम ने।

सवाल 3352 : मोअतज़ली अब्बासी खुल्फा का मुशीर कौन मुअतज़ली था ?

जवाब 3352 : काज़ी अहमद बिन अबी दाऊद।

सवाल 3353 : कुर्आन को मख़लूक़ न तसलीम करने के जुर्म में इमाम अहमद बिन हंबल के साथ किया सुलूक हुआ?

जवाब 3353 : कोड़ों की ज़र्बे उस वक़्त तक जारी रहती जब तक बेहोश न हो जाते।

सवाल 3354 : हज़रत इमाम अहमद बिन हंबल रहमतुल्लाहि अलैहि पर क़ैद व बंद व सज़ाए ताज़ियाना का सिलसिला कितने माह तक जारी रहा?

जवाब 3354 : मुसलसल 28 माह तक।

सवाल 3355 : बताइये फिक़हे हंबली किस इमाम से मनसूब है?

जवाब 3355 : हज़रत इमाम अहमद बिन हंबल रहमतुल्लाहि अलैहि से।

सवाल 3356 : हज़रत इमाम अहमद बिन हंबल रहमतुल्लाहि अलैहि को कितनी हदीषें याद थी?

जवाब 3356 : तीन लाख।

मुजद्दिदीने मिल्लत

सवाल 3357 : मुजद्दिद के लिये क्या चीज़ें ज़रुरी होती है जिस की वजह से शनाख़्त की जाती है?

जवाब 3357 : एक सदी के आख़िर और दूसरी सदी के अव्वल में उस के इल्म-व-फज़्ल का शोहरह रहा हो।

सवाल 3358 : पहली सदी हिजरी के मुजद्दिद का इस्मे गिरामी बताइये?

जवाब 3358 : ख़लीफ़ए राशिद हज़रत उमर बिन अब्दुल अज़ीज रहमतुल्लाहि अलैहि।

सवाल 3359 : हज़रत उमर बिन अब्दुल अज़ीज़ रहमतुल्लाहि अलैहि की तारीख़े विसाल व विलादत बताइये?

जवाब 3359 : विलादत 9 हिजरी वफात 101 हिजरी मे हुई।

सवाल 3360 : दूसरी सदी हिजरी के मुजद्दिद के अस्माए गिरामी बताइये?

जवाब 3360 : हज़रत इमाम शाफई व सय्यदुना इमाम हसन बिन ज़्याद रहमतुल्लाहि अलैहिमा।

सवाल 3361 : तीसरी सदी हिजरी के मुजद्दिदीन के अस्माए गिरामी बताइये?

जवाब 3361 : हज़रत क़ाज़ी अब्बास बिन शुरैह शाफई, हज़रत इमाम अबुलहसन अशअ़री, हज़रत मोहम्मद बिन जरीर तिबरी रहमतुल्लाहि अलैहिम।

सवाल 3362 : चौथी सदी हिजरी के मुजद्दिदीन के अस्माए गिरामी बताइये?

जवाब 3362 : हज़रत इमाम अबू बकर बाक़िल्लानी और हज़रत अबू हामिद अस फरायेनी रहमतुल्लाहि अलैहिमा।

सवाल 3363 : पांचवीं सदी हिज्री के मुजद्दिदीन कौन हज़रात हैं?

जवाब 3363 : हज़रत क़ाज़ी फख़रुद्दीन हनफी और हज़रत इमाम मोहम्मद बिन ग़जाली रहमतुल्लाहि अलैहिमा।

सवाल 3364 : छटी सदी के मुजद्दिद का इस्मे गिरामी बताइये?

जवाब 3364 : हज़रत इमाम फख़्रुद्दीन राज़ी रहमतुल्लाहि अलैहि।

सवाल 3365 : सातवीं सदी हिजरी के मुजद्दिद का नाम क्या है?

जवाब 3365 : हज़रत इमाम तक़ी उद्दीन बिन दक़ीकुलईद रहमतुल्लाहि अलैहि।

सवाल 3366 : आठवीं सदी हिजरी के मुजद्दिदीन के अस्माए गिरामी बताइये?

जवाब 3366 : हज़रत इमाम ज़ैनुद्दीन इराक़ी, हज़रत अल्लामा शमसुद्दीन जज़री, हज़रत अल्लामा सिराजुद्दीन बुलक़ैनी रहमतुल्लाहि अलैहि।

सवाल 3367 : नवीं सदी हिजरी के मुजद्दिद के नाम बताइये?

जवाब 3367 : हज़रत इमाम जलालुद्दीन सियूती और हज़रत अल्लामा शमसुद्दीन सख़ावी रहमतुल्लाहि अलैहिमा।

सवाल 3368 : दसवीं सदी हिजरी के मुजद्दिदीन के नाम क्या आप बता सकते हैं?

जवाब 3368 : हज़रत इमाम शहाबुद्दीन रमली, मुल्ला अली क़ारी रहमतुल्लाहि अलैहिमा। (सवानेह आलाहज़रत)

सवाल 3369 : ग्यारहवीं सदी हिजरी के मुजद्दिदीन के अस्माए गिरामी बताइये?

जवाब 3369 : हज़रत इमाम रब्बानी शैख़ अहमद सर हिन्दी, हज़रत मौलाना शैख़ अब्दुलहक़ मुहद्दिस देहलवी, हज़रत अल्लामा मीर अब्दुल वाहिद बिलग्रामी रहमतुल्लाहि अलैहिम।

(सवानेह आला हज़रत)

सवाल 3370 : हज़रत मुजद्दिद अल्फे सानी रहमतुल्लाहि अलैहि ने ज़्यादा तर किस सिलसिले में ख़िदमात अन्जाम दी?

जवाब 3370 : अक्बर की कुफरियत के ख़ातिमे और दीने ईलाही के ख़िलाफ तौहीदे बारी तआला पर लिखा भी और काम भी अन्जाम दिया।

सवाल 3371 : हज़रत मुजद्दिद अल्फे सानी रहमतुल्लाहि अलैहि की विलादत कब हुई?

जवाब 3371 : 14 शव्वाल 971 हिजरी जुमा की शब में।

सवाल 3372 : हज़रत मुजद्दिद अल्फे सानी रहमतुल्लाहि अलैहि की तारीख़े विसाल बताइये?

जवाब 3372 : 26 सफर 1034 हिजरी।

सवाल 3373 : बारहवीं सदी हिजरी के मुजद्दिदीन के अस्माए गरामी बताइये?

जवाब 3373 : शहेनशाहे हिन्दुस्तान मुहैयुद्दीन औरंगज़ेब आलमगीर, शैख गुलाम नक़्शबंदी लखनवी व सय्यद शाह कलीमुद्दीन चिश्ती और क़ाज़ी मुहिब्बुल्लाह बिहारी रहमतुल्लाहि अलैहिम।

सवाल 3374 : तेरहवीं सदी हिजरी के मुजद्दिद का इस्मे गिरामी बताइये?

जवाब 3374 : हज़रत मौलाना शाह अब्दुल अज़ीज मुहद्दिस देहलवी रहमतुल्लाहि अलैहि।

सवाल 3375 : चौदहवीं सदी हिजरी के मुजद्दिदे आज़म का इस्मे गिरामी बताइये?

जवाब 3375 : इमाम अहमद रज़ा फाज़िले बरेलवी रहमतुल्लाहि अलैहि।

सवाल 3376 : सरवरे कायेनात सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के बाद शरीअते मोहम्मदिया सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की हिफाज़त और ख़िदमत किस के सपुर्द की गई?

जवाब 3376 : उल्माए रब्बानीन व मुजद्दिदीने मिल्लत के।

सवाल 3377 : मुजद्दिद किसे कहते हैं?

जवाब 3377 : जो अपने तजदीदी कारनामों से उम्मते मरहुमा का दीन और आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की सुन्नतों को ज़िन्दा करे।

❖❖❖

मेरे आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि

वादी रज़ा की, कोहे हिमाला रज़ा का है
जिस सम्त देखिये वह इलाक़ा रज़ा का है
औरों ने तो लिखा है बहुत इल्मे दीन पर
जो कुछ है इस सदी में वह तन्हा रज़ा का है
हक़ फरमाया हक़ समझाया हक़ के इलावा सब ठुकराया
हक़ की नुसरत हक़ की रिफअत हक़ की इज़्ज़त आला हज़रत

सवाल 3378 : सय्यदुना सरकार आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि की विलादत कब हुई?

जवाब 3378 : 10/शव्वाल 1272 हिजरी 14/जून 1856 ई. में।

सवाल 3379 : सरकार आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि की विलादत बरेली शरीफ के किस मुहल्ला में हुई?

जवाब 3379 : मुहल्ला जसौली में।

सवाल 3380 : आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि के वालिद माजिद का इस्मे गिरामी बताइये?

जवाब 3380 : हज़रत मौलाना नक़ी अली ख़ां रहमतुल्लाहि अलैहि।

सवाल 3381 : सरकार आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि की वालिदह माजिदह का नाम बताइये?

जवाब 3381 : हुसैनी ख़ानम बिंते असफंद यार बेग।

सवाल 3382 : सरकार आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि की ज़ौजा मुहतरमा का नाम बताइये?

जवाब 3382 : इर्शाद बैगम बिंते शैख़ अफज़ल हुसैन उसमानी।

सवाल 3383 : सय्युदना आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि का पूरा नाम क्या था?

जवाब 3383 : इमाम अहमद रज़ा ख़ां फाज़िले बरेलवी रहमतुल्लाहि अलैहि।

सवाल 3384 : आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि के शजरए नसब में किस को शुजाअत जंग का ख़िताब हासिल था?

जवाब 3384 : मोहम्मद सईदुल्लाह ख़ां को।

सवाल 3385 : इमाम अहमद रज़ा ख़ां फाज़िले बरेलवी रहमतुल्लाहि अलैहि का पैदाइशी और तारीख़ी नाम बताइये?

जवाब 3385 : पैदाइशी नाम मोहम्मद, और तारीख़ी नाम अल्मुख़तार है।

सवाल 3386 : सरकार आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि का नाम अहमद रज़ा किस ने तजवीज़ किया था?

जवाब 3386 : आप के जद्दे अमजद मौलाना रज़ा अली ख़ां रहमतुल्लाहि अलैहि ने।

सवाल 3387 : आला हज़रत रहमतुल्लाह अलैहि ने तेरहवीं सदी हिजरी का ज़माना किस क़द्र पाया?

जवाब 3387 : 38 साल 2 महीना 20 दिन।

सवाल 3388 : सय्यदुना आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि ने चौदहवीं सदी हिजरी का ज़माना किस क़दर पाया?

जवाब 3388 : 39 साल एक माह 25 दिन।

सवाल 3389 : इब्तेदा में सय्यदुना फाज़िले बरेलवी रहमतुल्लाहि अलैहि ने किस हर्फ के पढ़ने पर सुकूत फरमाया?

जवाब 3389 : लॉम अलिफ पर, फरमाया मुफरद हरूफ के बीच में मुरक्कब कहां से आ गया जब्कि मैं लॉम और अलिफ दोनों पढ़ चुका हूँ।

सवाल 3390 : सरकार आला हज़रत रहमतुल्लाह अलैहि ने नाज़रह कुर्आन पाक किस उम्र में ख़त्म फरमाया?

जवाब 3390 : चार साल की उम्र में। 1860 ई. मुताबिक 1276 हिजरी में।

सवाल 3391 : छः साल की उम्र में बज़बाने फसीह मीलाद पढ़ने वाली ज़ाते गिरामी का इस्मे गिरामी बताइये?

जवाब 3391 : सय्यदुना आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैह।

(1872 ई. रबिउल अव्वल 1278 हिजरी में)

सवाल 3392 : आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि ने किस उम्र में आलेमियत की सनद हासिल की?

जवाब 3392 : 13 साल 10 महीना 5 दिन की उम्र में।
(1869 ई. बमुताबिक़ 1286 हिजरी में)

सवाल 3393 : सय्यदुना आला हज़रत ने किस उम्र में हिदायतुन्नहो की शरेह अरबी में लिखी?

जवाब 3393 : आठ साल की उम्र में।

सवाल 3394 : मुजद्दिदेदीनो मिल्लत इमाम अहमद रज़ा ख़ां रहमतुल्लाह अलैहि ने अपने वालिद माजिद से कितने उलूम व फुनून हासिल किये?,

जवाब 3394 : 21। इल्मे कुर्आन से इब्तेदाई इल्मे हिन्दसा तक।

सवाल 3395 : सरकार आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि ने पहला फतवा किस मसला का दिया?

जवाब 3395 : रज़ाअ़त का 1869 ई. में। (अहले इल्म के नज़दीक मसला रज़ाअ़त ख़ासी अहमियत का हामिल होता है)।

सवाल 3396 : हुजूर आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि के पीर व मुर्शिद का इस्मे गिरामी बताइये?

जवाब 3396 : उस्ताजुल आरिफीन हज़रत मौलाना सय्यद आले रसूल मारहरवी रहमतुल्लाहि अलैहि।

सवाल 3397 : मुजद्दिदे आज़म इमाम अहमद रज़ा ख़ां रहमतुल्लाहि अलैह कितने उलूम व फुनून पर मुकम्मल दस्तरस रखते थे?

जवाब 3397 : उन्सठ (59)।

सवाल 3398 : सरकार आला हज़रत रहमतुल्लाह अलैहि ने बरेली शरीफ में किस मदरसा की बुन्नियाद डाली?

जवाब 3398 : जामिआ मन्ज़रे इस्लाम की (1322 हिजरी में)

सवाल 3399 : सरकार आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि के तर्जुमए कुर्आन पाक को किया कहा जाता है?

जवाब 3399 : "कन्जुल ईमान" (ईमान का ख़ज़ाना)

सवाल 3400 : सरकार आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि ने कन्जुल ईमान क्यों अता फरमाया?

जवाब 3400 : सरमाए हयात व ईमान की सलामती के लिये।

सवाल 3401 : सरकार आला हज़रत रहमतुल्लाह अलैहि का मजमुअए फतावा किस नाम से मैसूम है?

जवाब 3401 : "फतावा रज़विया" के नाम से।

सवाल 3402 : कन्जुल ईमान के मुफस्सिर का इस्मे गिरामी बताइये?

जवाब 3402 : सदरूल अफाज़िल हज़रत मौलाना सय्यद नईमुद्दीन मुरादाबादी रहमतुल्लाहि अलैह।

सवाल 3403 : फतावा रज़विया कितनी जिल्दों पर मुशतमिल है?

जवाब 3403 : 12 ज़ख़ीम जिल्दों पर।

सवाल 3404 : दौरे हाज़िर में उर्दू के शाया शुदा तर्जुमए कुर्आन पाक में सब से ज़्यादा मक़बूल और क़ाबिले एतेमाद किस का तुर्जुमा समझा जाता है?

जवाब 3404 : सरकार आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि का (कन्जुल ईमान)।

सवाल 3405 : इमाम अहमद रज़ा ख़ां रहमतुल्लहि अलैहि ने अंग्रेज़ी गौवरमेन्ट की तरफदारी करने वालों की मज़म्मत में कितनी किताबें तसनीफ कीं?

जवाब 3405 : सात किताबें, जिस में अंग्रेज़ी एजन्टों को बेनक़ाब कर दिया।

सवाल 3406 : मिर्ज़ा गुलाम अहमद क़ादयानी ने किस के इशारे पर नबुव्वत का दावा किया?

जवाब 3406 : अंग्रेज़ों के इशारे पर।

सवाल 3407 : आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि ने क़ादयानी फिर्क़ा के ख़्याले बातिला पे कितनी किताबें तसनीफ फरमाई?

जवाब 3407 : छे किताबें और एक माहनामा" क़हरूद्दयान अलल्मुरतद बक़ादियान" जारी किया।

सवाल 3408 : ज़मीन घूम रही है, आसमान कोई चीज़ नहीं है, इस्के रद में आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि ने एक किताब तसनीफ फर्माई, क्या आप उस किताब का नाम बता सकते हैं?

जवाब 3408 : "फौज़े मुबीं दर रद्दे हर्कते ज़मीन" उर्दू में 1338 हिजरी, 1919 ई०।

सवाल 3409 : आला हज़रत इमाम अहमद रज़ा ख़ान रहमतुल्लाहि अलैहि ने" अददौलतुल मक्किया" की तस्नीफ़ कहां फरमाई?

जवाब 3409 : ख़ानए कअबा में सिर्फ आठ घन्टे में। (दो हिस्सों पर मुश्तमिल है)

सवाल 3410 : सय्यदुना आला हज़रत अहमद रज़ा ख़ान रहमतुल्लाहि अलैहि के नातिया दीवान का नाम बताइये?

जवाब 3410 : हदायेके बख़्शिश।

सवाल 3411 : डॉक्टर जियाउद्दीन वाइस चान्सलर अली गढ़ किस मसला के हल के लिए जरमनी जा रहे थे जिसे आला हजरत रहमतुल्लाहि अलैहि ने हल किया?

जवाब 3411 : रियाज़ी का एक सवाल था।

सवाल 3412 : आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि का जवाब सुनकर वाइस चान्सेलर अली गढ़ ने क्या कहा?

जवाब 3412 : मैं इल्मे लदुन्नी के बारे में सुना करता था आज देख भी लिया।

सवाल 3413 : सरकार आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि इल्मे जुफर में सारी दुनिया में दुर्रे यकता थे। यह किस शख़्सियत की राय ग्रामी है?

जवाब 3413 : हुज़ूर मुहद्दिसे आज़मे हीन्द रहमतुल्लाहि अलैहि की।

सवाल 3414 : बदायूं शरीफ में शाह अब्दुल क़ादिर रहमतुल्लाहि अलैहि के उर्स के मौक़े पर सरकार आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि ने किस मौज़ूअ पर 6 घन्टे ख़िताब फरमाया?

जवाब 3414 : सूरेह वज़्ज़ुहा पर।

सवाल 3415 : सरकार आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि के पीर व मुर्शिद आप के बारे में क्या फरमाते हैं?

जवाब 3415 : अल्लाह तआला जब फर्माएगा ऐ आले रसूल मेरे लिये किया लाया है तो में अर्ज़ करूंगा "इलाही तेरे लिये अहमद रज़ा को लाया हूं"।

सवाल 3416 : सरकार आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि ने पहला हज वालिदैन के साथ किस सन में अदा फरमाया?

जवाब 3416 : 1296 हिजरी, 1878 ई० में।

सवाल 3417 : किस ज़ाते ग्रामी ने एक माह की मुद्दत में क़ुरआने पाक हिफ्ज़ कर के तरावीह की नमाज़ में सुना दिया?

जवाब 3417 : सरकार आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि ने।

सवाल 3418 : हुज्जतुल इस्लाम का लक़ब ख़ांवादए आला हज़रत में किस को अता हुआ?

जवाब 3418 : आला हज़रत के शहज़ादे अल्लामा हामिद रज़ा खां रहमतुल्लाहि अलैहि को।

सवाल 3419 : मेरे आला हज़रत अज़ीमुल बर्कत रहमतुल्लाहि अलैहि ने रिसालत पर क़लम क्यूं उठाया?

जवाब 3419 : मुजद्दिद की शान यही होती है की मिज़ाज और माहौल के मुताबिक़ अपना फरीज़ा अन्जाम दे, चूंकी उस वक़्त नामूसे रिसालत की तौहीन की जा रही थी, शरीअत व अज़मते तक़्दीस पर हम्ले होरहे थे।

सवाल 3420 : तहरीरी तौर पर फतावा हुसामुल्हरमैन के सिल्सिले में तस्दीक़ ग़ैर मुनक़सिम हिन्दुस्तान में कितने उलमाए किराम ने की?

जवाब 3420 : 268 मुफस्सिरीन व फुक़हाए इज़ाम व मुहद्दिसीने आली मक़ाम ने।

सवाल 3421 : हुसामुल्हरमैन के सिल्सिले में तस्दिक़ात करने वालों में मक्का और मदीना के कितने उलमाए किराम थे?

जवाब 3421 : 33 मुफ्तियाने इज़ाम।

सवाल 3422 : मुजद्दिदे आज़म रहमतुल्लाहेअलैहि ने कितने उलूम व फुनून पर कितनी किताबें तस्नीफ फर्माई?

जवाब 3422 : सत्तर उलूम व फुनून पर एक हज़ार से ज़ायद किताबें।

सवाल 3423 : सरकारे आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि की उस नअते पाक का एक शेअ़र सुनाओ जिस में कई ज़बानें पाई जाती हैं?

जवाब 3423 : लम याते नज़ीरु कफी नज़्रिन मिस्ले तू न शुद पैदा जाना। (अरबी, फारसी, ऊर्द, पूर्वी)

सवाल 3424 : आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि का उर्से पाक किन तारीखियों में मनाया जाता है?

जवाब 3424 : 24, 25 सफरुलमुज़फ्फर को।

सवाल 3425 : आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि ने अपने विसाल की तारीख़ कुर्आन पाक की किस आयत से अख़ज़ फरमाई?

जवाब 3425 : व यु ताफु अलैहिम बिआनियतिम मिन फिज्ज़तिंव्व अकवाब।

तर्जुमा: खुद्दाम चांदी के कटोरे और गिलास लिये उन को घेरे हैं।

सवाल 3426 : सरकारे आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि ने अपने विसाल की ख़बर कितने दिन क़ब्ल दे दी थी?

जवाब 3426 : चार माह 22 दिन क़ब्ल।

सवाल 3427 : क्या आप को मालूम है कि सरकार आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि ने अपने विसाल के आख़िरी साल में रमज़ान का रोजा कहां जारी रखा?

जवाब 3427 : भवाली पहाड़ नैनी ताल पर। चूंकि वहां का मौसम सर्द था और उस साल का रमज़ान मई जून में पड़ा था। फिर भी ज़ुअफ़ व कमज़ोरी के बाइस रुख़्सत पर अमल न किया। (जून 1921 ई. मुताबिक़ रमज़ानुलमुबारक 1239 हिजरी)

सवाल 3428 : आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि का विसाल कब हुआ?

जवाब 3428 : 25/सफर 1340 हिजरी को।

सवाल 3429 : सरकार इमाम अहमद रज़ा ख़ां रहमतुल्लाहि अलैहि का विसाल किस वक़्त हुआ?

जवाब 3429 : 2 बजकर 38 मिनट पर ऐन जुमा के वक़्त" हय्या अलल फलाह" की आवाज़ सुन कर मालिके हक़ीक़ी से जा मिले।

सवाल 3430 : बैतुलमुक़द्दस के शामी बुजुर्ग ने रहमते आलम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम को ख़्वाब में किस हालत में पाया?

जवाब 3430 : सरकारे दो आलम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम मआ असहाब किसीके मुनतज़िर थे।

सवाल 3431 : शामी बुजुर्ग के अर्ज़ क़रने पर की, या रसूलुल्लाह सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम किस का इन्तेज़ार फर्मा रहें हैं, तो क्या जवाब मिला?

जवाब 3431 : हमैं अहमद रज़ा का इन्तेज़ार है, जो हिन्दुस्तान के बरेली शरीफ़ के बाशिन्दे हैं।

सवाल 3432 : आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि की बारगाह में आने वाले शामी बुजुर्ग को क्या जवाब मिला?

जवाब 3432 : आप जिस आशिक़े रसूल की मुलाक़ात के लिए बरेली शरीफ तशरीफ लाए हैं वह 25 सफर को दुनिया से रुख़सत हो चुके हैं।

नोट:- यही तारीख़ शामी बुज़ुर्ग के ख़्वाब की थी।

सवाल 3433 : जब जंगे आज़ादी लड़ी जा रही थी उस वक़्त आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि की उम्र कितनी थी?

जवाब 3433 : सिर्फ़ एक साल की।

सवाल 3434 : क्या आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि पान भी खाया करते थे?

जवाब 3434 : जी हां! मगर बग़ैर तम्बाकू के।

सवाल 3435 : आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि का ज़रियए आम्दनी क्या था?

जवाब 3435 : ज़मीन्दारी।

सवाल 3436 : सरकार आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि जब 786 का अदद लिखा करते थे तो किस तरफ से शुरु करते थे?

जवाब 3436 : दाहिनी तरफ से।

सवाल 3437 : सरकार आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि घड़ी का टाइम किस तरह मिलाया करते थे?

जवाब 3437 : दिन को सूरज की आर रात को सितारे देख कर। (इल्मे तौक़ीत में कमाल होने की वजह से।

सवाल 3438 : सरकार आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि के उस्तादे मोहतरम ने आप की ज़िहानत देख कर क्या पुछा था ?

जवाब 3438 : सच्च मुच बता दो, किसी से कहुँगा नहीं, तुम इन्सान हो या जिन्न ? इस पर आप ने फरमाया, अल्हम्दु लिल्लाह मैं इन्सान हूँ अल्बत्ता अल्लाह का फ़ज़्ल व करम शामिले हाल है।

सवाल 3439 : सरकार आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि ने अपनी पूरी ज़िन्दगी में कितनी ज़कात अदा की?

जवाब 3439 : आप ने कभी इतनी रक़म जमा ही नहीं रखी जिस पर ज़कात वाजिब हो लिहाज़ा आप ने कभी ज़कात नहीं दी।

सवाल 3440 : सरकार आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि ने पौने तीन माह मक्का मुअज़्ज़मा में क़याम के दौरान बक़ौले खुद कितनी मिक़दार में आबे ज़मज़म पिया था?

जवाब 3440 : तक़रीबन चार मन।

सवाल 3441 : सरकार आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि का मजार मुबारक कहां वाके है?

जवाब 3441 : बरेली शरीफ मुहल्ला सौदागरान में।

सवाल 3442 : आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि ने अपने जनाज़ह के आगे ज़रिअए क़ादिरिया और एक नअत पढ़ने की वसीयत की थी बताइये वह नअत कौन सी थी?

जवाब 3442 :

कअबा के बदरुददुजा तुम पे करोरों दरुद
तैबा के शम्सुज़्ज़ोहा तुमपे करोरों दरुद।

सवाल 3443 : आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि की क़ब्र मुबारका पर अज़ान कितनी मर्तबा और क्यों दी गई?

जवाब 3443 : सात मर्तबा अज़ान आप के बड़े साहिब-ज़ादे मोहम्मद हामिद रज़ा ख़ां रहमतुल्लाहि अलैहि ने पढ़ी। चूंकि यह आप की वसीयत थी।

सवाल 3444 : क्या आप बता सकते हैं कि आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि का विसाल किस सने ई. में हुआ?

जवाब 3444 : नवम्बर 1921 ई० में।

सवाल 3445 : क्या आप बता सकते हैं कि आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि ने दूसरे हज की सआदत कब हासिल की?

जवाब 3445 : सन 1905 ई० में।

सवाल 3446 : सने ई. व हिजरी के एतबार से इमाम अहमद रज़ा रहमतुल्लाहि अलैहि की उम्र बताइये?

जवाब 3446 : 65 साल और सने हिजरी के मुताबिक़ 68 साल।

सवाल 3447 : सरकारे आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि की इज़्दुवाजी ज़िन्दगी का आग़ाज़ कब हुआ?

जवाब 3447 : 1874 ई. बउम्र 18 साल मुताबिक़ 1291 हिजरी में बउम्र 19 साल।

सवाल 3448 : किस शहेर के उल्मा ने आला हज़रत सरकार रहमतुल्लाहि अलैहि को ज़ियाउद्दीन का लक़ब अता किया?

जवाब 3448 : मक्का मुअज़्ज़मा के उल्मा ने।

सवाल 3449 : सरकारे आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि दूसरे हज के मौक़े पर वापसी में हिन्दुस्तान के किस मशहूर शहेर तशरीफ लाए?

जवाब 3449 : बम्बई और बाद में अहमदाबाद। दोनों जगहों पर एक एक माह क़्याम रहा।

सवाल 3450 : क्या आप बता सकते हैं कि आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि जिस मकान में पैदा हुए इस वक़्त किस की मिलकियत में है?

जवाब 3450 : एडवोकेट अज़्दर हुसैन की मिलकियत में हैं।

सवाल 3451 : मुहल्ला सौदागरां बरेली का वह मकान जहाँ से आला हज़रत सरकार रहमतुल्लाहि अलैहि ने इल्म के दरिया बहाए किस की मिलकियत में है?

जवाब 3451 : एक गैर मुस्लिम के।

सवाल 3452 : सरकार आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैह के मज़ारे मुक़द्दसा के सामने एक मस्जिद हैं क्या आप को उस का नाम मालूम है?

जवाब 3452 : मस्जिदे रज़ा।

सवाल 3453 : मुहल्ला घेर जाफर ख़ान बरेली की उस मस्जिद को किस ने तामीर करवाया था जहां सरकारे आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि साल में दोबार वअज़ व नसीहत के लिये तशरीफ ले जाया करते थे?

जवाब 3453 : शहेनशहे अकबर ने 986 हिजरी में। मस्जिद का नाम शाही अकबरी मस्जिद जो मिरज़ाई मस्जिद के नाम से मशहूर है।

सवाल 3454 : सरकारे आला हज़रत के पीर व मुर्शिद सय्यदुना शाह आले रसूल मारहरवी और आप के वालिदे गिरामी मौलाना नक़ी अली ख़ां (रहमतुल्लाहि अलैहिमा) का विसाल एक ही सने हिजरी में हुआ था वह कौन सा सन है?

जवाब 3454 : सन 1297 हिजरी ।

सवाल 3455 : बताइये सरकारे आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि के

आबा व अजदाद का तअल्लुक़ अफ़ग़ानिस्तान के किस इलाक़े से था?

जवाब 3455 : क़न्धार से (ख़ानदान भड़ेच)।

सवाल 3456 : सरकार आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि को आलमे इस्लाम में किन अल्क़ाब से याद किया जाता है?

जवाब 3456 : इमामे अहले सुन्नत आला हज़रत, मुजद्दिदे आज़म, फ़ाज़िले बरेलवी।

सवाल 3457 : सरकारे आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि की मुलाक़ात अल्लामा अब्दुलहक़ ख़ैराबादी से कहां हुई?

जवाब 3457 : रामपूर के नवाब कलब अली ख़ां के यहां। उस वक़्त आप की उम्र तक़रीबन 16 साल थी।

सवाल 3458 : शैख़ हुसैन बिन सालेह की फरमाइश पर उन की किताब अलजौहरतुल मज़ीयह की शरेह सरकारे आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि ने कितने अर्सा में लिखी?

जवाब 3458 : फक़त दो रोज़ में।

सवाल 3459 : सरकारे आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि मसनदे इफ्ता पर कितने अर्सा तक फाइज़ रहे?

जवाब 3459 : 54 बरस तक।

सवाल 3460 : क्या आप सय्यदुना आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि की कुन्नियत बता सकते हैं?

जवाब 3460 : अब्दुल मुसतफा।

सवाल 3461 : बताइये सरकारे आला हज़रत रहमतुल्लाह अलैहि नसलन क्या थे?

जवाब 3461 : अफगान।

सवाल 3462 : आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि के उन हम सबक़ का नाम बताइये जो अकसर फरमाया करते थे के मौलाना अहमद रज़ा की ज़िहानत का यह आलम था की उन्होंने उस्ताज़ से कभी पूरी किताब नहीं पढ़ी बल्की चौथाई हिस्सा या आधी किताब पढ़ कर ख़ुद ही समझ लिया करते थे।

जवाब 3462 : मौलाना एहसान हुसैन साहिब।

सवाल 3463 : बताइये बम्बई के इज्तिमाए अज़ीम में सरकारे आला

हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि ने पहली तक़रीर किस मौज़ूअ पर की?

जवाब 3464 : इन्ना फतहना लका फतहम मुबीना वाली आयत पर।

सवाल 3465 : क्या आप फाज़िले बरेलवी के हज्जाम का नाम बता सकते हैं?

जवाब 3465 : करीम बख़्श।

सवाल 3466 : "बिहमदि लिल्लाह! अगर मेरे क़ल्ब के दो टुकड़े किये जाएँ तो एक पर ला इलाहा इलल्लाह दूसरे पर मोहम्मदुर रसूलुल्लाह लिखा होगा" ये इर्शादे गिरामी किस बुजुर्ग हस्ती का है?

जवाब 3466 : सरकारे आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि का।

सवाल 3467 : सरकारे आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि के दौलत कदे पर आम नशिस्त कब हुआ करती थी?

जवाब 3467 : हर रोज़ नमाज़े अस्र के बाद।

सवाल 3468 : सरकारे आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि का घरेलू नाम बताइये?

जवाब 3468 : अहमद मियां।

सवाल 3469 : मुक़द्दमए बदायूँ के सिलसिले में सय्यदुना आला हज़रत के नाक़ाबिले ज़मानत वारंट जारी हुए थे बताइये क्या आप अंग्रेज़ अदालत में हाज़िर हुए थे।

जवाब 3469 : आप अदालत में हाज़िर नहीं होते थे।

(बक़ौल अतहर नईमी)

सवाल 3470 : सरकारे आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि ने वालिद माजिद से रियाज़ी के कितने तरीक़े सीखे थे?

जवाब 3470 : चार तरीक़े। जमअ, तफरीक़, ज़र्ब, तक़सीम।

सवाल 3471 : इल्मे रियाज़ी के चारों क़ायेदे सीखने के बाद मज़ीद सीखने के ख़्वाहिश मंद थे लेकिन आप के वालिद माजिद ने क्या कह कर मना कर दिया था?

जवाब 3471 : यह उलूम बारगाहे रसूलुल्लाह सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम से ख़ुद ही अता हो जाएँगे।

सवाल 3472 : बताइये हुज़ूर आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि कहां मरने के ख़्वाहिश मंद थे?

जवाब 3472 : मदीना मुनव्वरा में।

सवाल 3473 : सरकार फ़ाज़िले बरेलवी अलैहिर्रहमह चौबिस घंटों में उमूमन कितना सोया करते थे?

जवाब 3473 : तक़रीबन साढ़े चार घंटे।

सवाल 3474 : सरकारे आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि का विसाल हिन्दी माह और सन के एतबार से बताइये?

जवाब 3474 : 11/ जेठ सन 1913 बकरी को।

सवाल 3475 : आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि के जद्दे अमजद क़ंधार से हिजरत करके हिन्दुस्तान के किस शहेर में तशरीफ लाये?

जवाब 3475 : देहली में सआदत यार ख़ां के वफात तक देहली में रहे बादहू बरेली को मसकन बनाया।

सवाल 3476 : क्या आप बता सकते हैं कि मौलाना हामिद रज़ा ख़ां अपने वालिद के जानशीन कितने साल तक रहे?

जवाब 3476 : 23 साल तक।

सवाल 3477 : आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि के दादा मौलाना रज़ा अली ख़ां का सने विलादत क्या है?

जवाब 3477 : सन 1224 हिजरी।

सवाल 3478 : बताइये मौलाना रज़ा अली ख़ां रहमतुल्लाहि अलैहि का विसाल कब हुआ?

जवाब 3478 : 2/जमादिल अव्वल सन 1282 हिजरी में बउम्र 58 साल।

सवाल 3479 : सरकार आला हज़रत के वालिद माजिद मौलाना नक़ी अली ख़ां रहमतुल्लाहि अलैहि कहां और कब पैदा हुए?

जवाब 3479 : बरेली शरीफ में 30/जमादिस्सानी या यकुम रजबुलमुरज्जब सन 1246 हिजरी/ सन 1830 ई. में।

सवाल 3480 : सरकार आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि के वालिद माजिद ने मसला इम्तेनाअे नज़ीर पर एक रिसाला तहरीर फरमाया था, बताइये उस का नाम क्या है?

जवाब 3480 : "इसलाहे ज़ाते बैइन" 26 शअबानुल मुअज़्ज़म सन 1295 हिजरी को।

सवाल 3481 : आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि के दादा के हक़ीक़ी

भाई का नाम बताइये जो महाराजा जय पुर के यहां तबीबे ख़ास थे और लक़ब रईसुलहुक्मा था?

जवाब 3481 : हकीम मोहम्मद तक़ी अली ख़ां।

सवाल 3482 : सरकार आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि के दादा पीर का इस्मे गिरामी बताइये?

जवाब 3482 : हज़रत सय्यदुना शाह बरकतुल्लाह मारहरवी रहमतुल्लाहि अलैह।

सवाल 3483 : आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि की वह कौन साहिबज़ादी हैं जिन का इन्तिक़ाल आप के इन्तिक़ाल के 27 दिन बाद हुआ?

जवाब 3483 : मंझली साहिबज़ादी कनीज़ हसन।

सवाल 3484 : सरकारे आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि के वह दामाद जो हकीम भी थे उन का नाम क्या है?

जवाब 3484 : हकीम हुसैन रज़ा ख़ां इब्ने मौलाना हसन रज़ा ख़ां रहमतुल्लाहि अलैहिमा।

सवाल 3485 : सरकार आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि की पांचों साहिबज़ादियों के अस्माए गिरामी बताइये?

जवाब 3485 : मुसतफाइ बेगम, कनीज़ हसन, कनीज़ हुसैन, कनीज हसनैन, मुरतज़ाई बेगम।

सवाल 3486 : आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि के दो दामाद हुसैन रज़ा और हसनैन रज़ा का आप से ख़ान्दानी रिश्ता क्या था?

जवाब 3486 : सगे भतीजे थे।

सवाल 3487 : सरकारे आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि के पोते मौलाना इब्राहीम रज़ा ख़ां अलैहि र्रहमा की उरफियत बताइये ?

जवाब 3487 : जीलानी मियां।

सवाल 3488 : मौलाना हामिद रज़ा ख़ां रहमतुल्लाहि अलैहि की अहलिया का नाम बताइये?

जवाब 3488 : कनीज़ आयेशा जो आप की फूफी ज़ाद बहेन थीं।

सवाल 3489 : क्या आप को मालूम है हुज्जतुल इस्लाम मौलाना हामिद रज़ा ख़ां रहमतुल्लाहि अलैहि का विसाल कब हुआ?

जवाब 3489 : 17/जमादिल अव्वल सन 1362 हिजरी सन 1943 ई.

सवाल 3490 : "सुरूरुलकुलूब फी ज़िकरिल मौलूदि ल्महबूब" के मुसन्निफ का नाम क्या है?

जवाब 3490 : मौलाना नक़ी ली ख़ां रहमतुल्लाहि अलैहि। आला हज़रत अपने वालिद से अक़ीदत की वजह से अकसर यही किताब देख कर वअज़ फरमाया करते थे?

सवाल 3491 : बताइये मौलाना इब्राहीम रज़ा ख़ां रहमतुल्लाहि अलैहि की विलादत कब हुई?

जवाब 3491 : सन 1329 हिजरी में।

सवाल 3492 : आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि के साहिबज़ादे मौलाना हामिद रज़ा ख़ां ने मसला ख़त्मे नुबुव्वत पर कौन सा रिसाला तहरीर फरमाया था?

जवाब 3492 : "अस्सारिमु र्रब्बानी अला इसराफिल क़ादियानी" ऊर्दू में सन 1315 हिजरी में।

सवाल 3493 : बताइये किस किताब पर मौलाना हामिद रज़ा ख़ां रहमतुल्लाहि अलैहि का लिखा हुआ हाशिया क़लमी सूरत में मौजूद है?

जवाब 3493 : मुल्ला जलाल पर।

सवाल 3494 : सरकारे आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि के वालिद माजिद का इन्तिक़ाल कब हुआ?

जवाब 3494 : बवक़्ते ज़ोहर बरोज़ जुमेरात जीक़ादा सन 1297 हिजरी बउम्र 51 साल 5 महीने।

सवाल 3495 : बताइये मौलाना हामिद रज़ा ख़ां रहमतुल्लाहि अलैहि का इन्तिक़ाल कब हुआ?

जवाब 3495 : 17 जमादिल अव्वल सन 1362 हिजरी/सन 1943 ई. में।

सवाल 3496 : बताइये आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि ने इबतेदाई कुतुब की तहसील किस से की?

जवाब 3496 : मिर्ज़ा गुलाम क़ादिर बेग से।

सवाल 3497 : इमाम अहमद रज़ा रहमतुल्लाहि अलैहि ने उलूमे अक़लिया व नक़लिया और सनदे हदीस की तकमील किन उल्मा व मशाइख़ से की?

जवाब 3497 : (1)मौलाना अब्दुल अली रामपूरी 1303 हिजरी/1885 ई.

(2) शाह अबुलहुसैन अहमद नूरी मारहरवी 1324 हिजरी/1906 ई.
(3) शाह आले रसूल मारहरवी 1297 हिजरी /1880 ई.
(4) इमाम शाफईया शैख़ हुसैन सालेह 1302 हिजरी /1884 ई.
(5) मुफतिए हनफिया शैख़ अब्दुर्रहमान सिराज 1301 हिजरी/ 1883 ई. (6) मुफतिए शाफइया अहमद बिन ज़ैन देहलान मक्की 1299 हिजरी/ 1881 ई.।

सवाल 3498 : अद्दौलतुल मक्किया का ऊर्दू तर्जुमा किसने किया?

जवाब 3498 : मौलाना हामिद रज़ा ख़ां रहमतुल्लाहि अलैहि ने।

सवाल 3499 : मौलाना हामिद रज़ा ख़ां रहमतुल्लाहि अलैहि की नमाज़े जनाज़ा किस ने पढ़ाई?

जवाब 3499 : मौलाना सरदार अहमद साहिब ने।

सवाल 3500 : बताइये आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि की कितनी फूफियां थीं?

जवाब 3500 : तीन।

सवाल 3501 : क्या आप को मालूम है कि आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि के कितने बहेन भाई थे?

जवाब 3501 : चारः दो भाई, दो बहनें।

सवाल 3502 : सरकारे आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि के भाइयों के इस्मे गिरामी बताइये?

जवाब 3502 : मोहम्मद रज़ा ख़ां, हसन रज़ा खां (रहमतुल्लाहि अलैहिमा)

सवाल 3503 : इमामे अहलेसुन्नत के दोनों साहिबज़ादों के नाम बताइये जो आलिमे दीन थे?

जवाब 3503 : मुसतफा रज़ा खां लक़ब मुफतिए आज़मे हिन्द, हामिद रज़ा ख़ां लक़ब हुज्जतुल इस्लाम।

सवाल 3504 : आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि का सिलसिलए नसब आप के किस साहिबज़ादे से चल रहा है?

जवाब 3504 : मौलाना हामिद रज़ा ख़ा रहमतुल्लाहि अलैहि से।

सवाल 3505 : क्या आप को मालूम है कि अल्लामा अख़्तर रज़ा ख़ां साहिब इमाम अहमद रज़ा ख़ा रहमतुल्लाहि अलैहि के कौन हैं?

जवाब 3505 : पर पोते।

सवाल 3506 : हुजूर अख़्तर रज़ा खां साहिब आलमे इसलाम की कौन सी मशहूर युनिवर्सिटी से फारिग़ हैं?

जवाब 3506 : जामिया अलअज़हर क़ाहिरा मिश्र से।

सवाल 3507 : क्या आप बता सकते है कि मौलाना हामिद रजा खा रहमतुल्लाहि अलैहि की विलादत कब हूई

जवाब 3507 : सन 1875 ई० मुताबिक़ रबीउल अव्वल सन 1292 हिजरी में।

सवाल 3508 : मौलाना नक़ी अली ख़ान रहमतुल्लाहि अलैहि के वह कौन से शागिर्द हैं जो अपने अहेद की मक़बूल तरीन शख़्सियत थे और फने मुनाज़िरा में महारत रखते थे?

जवाब 3508 : अल्लामा मोहम्मद हसन इल्मी रहमतुल्लाहि अलैह।

सवाल 3509 : आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि के छोटे भाई मौलाना हसन रजा खां रहमतुल्लाहि अलैहि फन्ने शायेरी में किस के शागिर्द थे (रहमतुल्लाहं अलैहिमा)।

जवाब 3509 : फसीह उलमलिक मिर्ज़ा दाग़ देहल्वी के।

सवाल 3510 : बताइये आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि का तरजुमए कुरआन पाक सबसे पहले कहां से शाया हुआ?

जवाब 3510 : बरेली शरीफ से।

सवाल 3511 : सरकार आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि की उस किताब का नाम बताइये जिसमें आप ने अपनी इस्नादात का ज़िक्र तफसील से फरमाया है?

जवाब 3511 : अल इजाज़ातुल मुतअैइनतु लिउलमाइ मक्कता वल मदीनते।

सवाल 3512 : आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि ने किस किताब में हज़रत अमीर मआविया रज़ि यल्लाहु अन्हु के मनाक़िबे जलीला को दलाएले क़ाहिरा से साबित किया हैं?

जवाब 3512 : अल अहादीसुर रावियति लिमदहिल अमीरे मुआविया बयक वक़्त उर्दु और अर्बी में सन 1313 हिजरी।

सवाल 3513 : सरकार आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि की वह कौन सी तसनीफ है जिसमें हुजूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की शिफाअत के सिलसिले में चालीस अहादीस पेश की गई हैं?

जवाब 3513 : अस्माउल अर्बईन फीशिफाअति सय्यदिल्मुर्सलीन, अर्बी और उर्दु सन 1305 हिज़री।

सवाल 3514 : सरकार आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैह को मौलाना अबू सालेह मोहम्मद फैज़ अहमद उवेसी ने किस अन्दाज़ में ख़िराजे अक़ीदत पेश किया?

जवाब 3514 : काश इमाम बुख़ारी रहमतुल्लाहि अलैहि बक़ैदे हयात होते तो हमारे इमाम के इल्मी तबहहुर को देख कर उनके क़लम हक़ायेक़े रक़म को फरते मसर्रत से चूम लेते।

सवाल 3515 : सरकारे आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि ने अज़ाने क़ब्र के जवाज़ में एक रिसाला क़लम बंद फरमाया है उस का नाम बताइये?

जवाब 3515 : "ईज़ानुल अजरे फी अज़ानि ल्क़ब्रे" (सन 1307 हिजरी में ऊर्दू ज़बान में)

सवाल 3516 : बताइये इल्मे फिक़ा पर आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैह की कितनी तसानीफ हैं?

जवाब 3516 : एक सो पचास (150)।

सवाल 3517 : बताइये सफरुलमुज़फ्फर के आख़िरी बुध के तअल्लुक़ से अवाम में जो मशहूर है कि उसी रोज़ हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने मर्ज़ से शिफा पाई, इस बारे में सरकार आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि क्या फरमाते हैं?

जवाब 3517 : आख़िरी चहार शंब्बा (बुध) की कोई अस्ल नहीं, न उस दिन सिहत पाई सरकार सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम से साबित है अल्बत्ता उसी दिन इब्तेदा बताई जाती है।

सवाल 3518 : मुफती सिराज अहमद जो कि इब्तेदाई तअलीम से आख़िर तक वहाबी मसलक का प्रचार करते रहे उन्होंने सरकार आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि से एक मस्ला दरियाफत किया था जिस का जवाब ही उनके लिये सिराते मुसतक़ीम साबित हुआ बताइये मसला क्या था?

जवाब 3518 : ज़विल अरहाम की सिन्फे राबेअ़ का हुक्म (जबकि देवबंद, सहारनपूर, देहली और दीगर तमाम आला मराकिज़ से दरियाफत कर चुके थे।)

सवाल 3519 : मोल्वी रशीद अहमद गंगोही की तहक़ीक़ कि नोट उस

सोने चाँदी की रसीद है जो हुकूमत के पास महफूज़ है, सरकारे आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि ने कितनी वजूह से इस का रद्द फरमाया?

जवाब 3519 : 20 वजूह से।

सवाल 3520 : हज़रत रैहान रज़ा खां रहमतुल्लाहि अलैहि का विसाल कब हुआ?

जवाब 3520 : 18 "रमज़ान बरोज़ हफता सन 1405 हिजरी "सन 1985 ई०।

सवाल 3521 : मौलाना अशरफ अली थान्वी का फतवा है कि आँहज़रत सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के इस्मे मुबारक पर अंगूठे चूमना नाजायेज़ है, बताइये इमाम अहमद रज़ा रहमतुल्लाहि अलैहि ने कितनी वजूह से इस का रद्द फरमाया?

जवाब 3521 : 30 से ज़ायेद वजूह से।

सवाल 3522 : बअज़ औरतें बजुर्गों के मज़ारात पर हाज़िरी देती हैं। सरकारे आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि ने इस पर क्या फरमाया है?

जवाब 3522 : औरतों की हाज़िरी मज़ारात पर फ़ेले गुनाह है।

सवाल 3523 : बअज़ लोग मज़ारात का तवाफ़ तअज़ीम की नियत से करते हैं सरकारे आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि ने इस सिलसले में क्या फरमाया है?

जवाब 3523 : नाजायेज़।

सवाल 3524 : शबे मिअराज़ आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के नअलैन समेत अर्श पर जाने वाली रिवायत के बारे में सरकार आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि ने क्या फरमाया है?

जवाब 3524 : महेज़ बातिल व मौज़ूअ।

सवाल 3525 : कागज़ के नोट के सिलसिले में सरकारे आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि की कौन सी मअरेकतुल आरा किताब है?

जवाब 3525 : किफलुल फक़ीहि ल्फाहिम फि अेहकामे क़िर्तासि ददराहिम अरबी में सन 1324 हिजरी तक़रीबन डेढ़ दिन में लिखी गई।

नोटः इस किताब में नोट से मुतअल्लिक़ 12 सवालात थे जिसे

मक्का मुअज़्ज़मा के मौलाना अब्दुल्लाह मर्दाद और मौलाना मोहम्मद अहमद जदावी ने पेश किया था।)

सवाल 3526 : सरकार आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि ने अहकामे शरइयह की कितनी क़िस्में ब्यान फरमाई हैं?

जवाब 3526 : ग्यारह जब्कि आम तौर पर कुतुबे उसूल में सात क़िस्में ब्यान की जाती हैं।

सवाल 3527 : सरकार फ़ाजिले बरेलवी रहमतुल्लाहि अलैहि ने अपनी खुदादाद सलाहियतों की बुन्नियाद पर अहकामे शरइयह कि चार क़िस्मैं तरतीब फरमाई हैं बताइये वह कौन सी हैं?

जवाब 3527 : सुन्नते मोअक्केदा, सुन्नते ग़ैरे मोअक्कदा, इसात, ख़िलाफे औला। इन चारों क़िस्मों के ऐलावा सात अक़साम यह हैं फर्ज़, वाजिब, मुस्तहब, मोबाह, हराम, मकरुहे तहरीमी, मकरुहे तन्ज़ीही।

सवाल 3528 : सरकार आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि ने तयम्मुम के बारे में कितने उमूर सिर्फ अपने इज्तेहाद से ब्यान फरमाऐ हैं?

जवाब 3528 : एक सौ सात जबकि अदमे जवाज़ को एक सो तीस अशिया से साबित फरमाया है।

सवाल 3529 : फिक़ह का मुन्किर काफ़िर है, इस मौज़ू पर सरकार आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि की कौन सी तसनीफ़ है?

जवाब 3529 : अल्मकालुल बाहिर अन्ना मुनकिरल फिकहि ल्काफिर। (उर्दू में 1319 हिजरी)।

सवाल 3530 : सरकार आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि ने हुक़्क़ा और तम्बाकु के अहकाम पर एक मुहक़्क़ेक़ाना किताब तसनिफ़ फरमाई है, उसका नाम बताइये?

जवाब 3530 : हुक़्क़तुल मर्जाने ले मुहमि हुकमिद्दुख़ान (उर्दु में)।

सवाल 3531 : मोल्वी रशीद अहमद गंगोही ने फतावा रशीदिया में मनी ऑर्डर को हराम क़रार दिया है बताइये आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि ने जायेज़ क़रार देते हुए कौन सी किताब तसनीफ फरमाइ?

जवाब 3531 : अलमुना वद्दुरर लिमन अमदा मनी ऑर्डर (उर्दु में सन 1311 हिजरी)।

सवाल 3532 : सरकार आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि ने फिकह की किताब रद्दुल मुख़तार पर हाशिया किस नाम से लिखा है?

जवाब 3532 : जद्दुल मुम्तार के नाम से। (अरबी में सन 1326 हिजरी)।

सवाल 3533 : बताइये फतावा रज़विया सरकार आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि ने किन तीनों ज़बानों में लिखी है?

जवाब 3533 : अरबी, फार्सी और उर्दु में।

सवाल 3534 : अल्लामा इक़बाल ने हिन्दुस्तान के दो बड़े आलिमों की किताबों का अमीक़ मुतालअ किया था जिनमें हज़रत मुजद्दिद अल्फेसानी रहमतुल्लाहि अलैहि के मकतूबात थे दूसरा आप बताइये?

जवाब 3534 : फ़तावा रज़विया।

सवाल 3535 : बताइये सरकार आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि नदवतुल उल्मा कि मुख़ालिफत क्यों करते थे?

जवाब 3535 : इस लिए कि यह इदारा अंग्रेज़ हुकूमत का आलए कार बन गया था।

सवाल 3536 : सय्यद मोहम्मद मोहद्दिस कछौछवी का सरकारे आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि से क्या रि ता था?

जवाब 3536 : आप के शागिर्दे रशीद थे।

सवाल 3537 : सरकार आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि मारहरा मुतहहरा के पीर साहिब से बैअत थे, बताइये ये ख़ानिक़ाह कहां वाक़े है?

जवाब 3537 : यूपी के ज़िला ईटा में।

सवाल 3538 : क्या आप बता सकते हैं कि सरकार आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि का सिलसिलए तरीक़त कितने वास्तों से हज़रत अली रज़ि यल्लाहु अन्हु तक पहुंचता है?

जवाब 3538 : 36 वास्तों से।

सवाल 3539 : सरकार आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि के पीर व मुर्शिद का विसाल कब हुआ?

जवाब 3539 : सन 1297 हिजरी में।

सवाल 3540 : सरकार आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि अपने पीर व मुर्शिद का उर्स कब मनाया करते थे?

जवाब 3540 : माहे ज़िलहिज्जा की 17-18 को।

सवाल 3541 : सरकार आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि को अपने मुआसिरीन उल्मा व मशाइख़ में किनसे ज़्यादा लगाव था?

जवाब 3541 : मौलाना शाह फज़्लुर्रहमान गन्ज मुरादा बादी रहमतुल्लाहि अलैहि से।

सवाल 3542 : सरकारे आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि को किन सलासिले तरीक़त में इज़ाजत हासिल थी?

जवाब 3542 : (1)क़ादरिया बरकातिया जदीदह(2) क़ादरिया बरक़ातिया क़दीमा(3)क़ादरिया अहलदिया(4)क़ादरिया रज़्ज़ाक़िया (5) क़ादरिया मुनव्वरिया(6) चिश्तिया निज़ामिया क़दीमा (7) चिश्तिया महबूबिया जदीदह (8)सुहरवरदिया वाहिदिया (9)सुहरवरदिया फज़्लियह (10)नक़्श बंदिया अुलाइया सिद्दीक़िया(11)नक़ ा बंदिया अुलाइया अलविय़ा (12)बदीइया (13) अुलविया मुनासिया वग़ैरह वग़ैरह।

नोट: मुंदरजा बाला सलासिल की तफसील अलइजाज़ातुल मतीना में दर्ज है जो मौलाना हामिद रज़ा ख़ां रहमतुल्लाहि अलैहि की तरतीब है।

सवाल 3543 : इलावह सलासिले तरीक़त आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि को मुसाफिहाते अरबा की भी संदात मिली थीं, क्या आप उनके नाम बता सकते हैं?

जवाब 3543 : (1)मुसाफिहतुल जिन्नीयह (2)मुसाफिहतुलखिज़रीया (3)मुसाफिहतुल मनामीयह (4) मुसाफिहतुल मुअम्मरीया।

सवाल 3544 : बताइये सरकारे आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि ख़नवादए बरकातिया के इरादत केशों में कब शामिल हुए?

जवाब 3544 : जमादिल अव्वल सन 1924 हिजरी/सन 1877 ई. में।

सवाल 3545 : सरकार आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि ने इल्मे जुफर पर एक किताब तसनीफ फरमाई उस का नाम बताइये?

जवाब 3545 : सफरूस्सफर मिनल जुफरे बिल्जुफर।

सवाल 3546 : वह कौन से आलिमे दीन हैं जो इल्मे जुफर के हुसूल के लिये रूस से तशरीफ लाए थे?

जवाब 3546 : मौलाना अब्दुल ग़फ्फार बुख़ारी।

सवाल 3547 : मनतकियों के यहां इन्सान की तारीफ हैवाने नातिक़ है लेकिन आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि ने इस तारीफ को रद्द फरमाया है, क्यों?

जवाब 3547 : इस लिये कि यह तारीफ मलाइका पर भी सादिक़ आती है।

सवाल 3548 : सरकार आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि ने मस्लए गरदिशे ज़मीन पर बहेस फरमाते हुए किस मशहूर फल्सफी के बाज़ ख़्यालात पर शदीद नुकता चीनी की है?

जवाब 3548 : शैख़ बू अली सीना के।

सवाल 3549 : सरकार आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि ने "फौज़े मुबीन दर रद्दे हरकते ज़मीन" किताब में हरकते ज़मीन का रद्द कितनी दलीलों से दिया है?

जवाब 3549 : 105 दलीलों से।

सवाल 3550 : बताइये सरकार आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि फने शायेरी में किस के शागिर्द थे?

जवाब 3550 : किसी के नहीं।

सवाल 3551 : सरकार आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि का वह कौन सा मिस्रअ़ है जिस में आप ने फन्ने शायेरी में किसी का शागिर्द होने से इन्कार फरमाया?

जवाब 3551 : नज़्म पुरनूर रज़ा लौसे तलम्मुज़ से है पाक।

सवाल 3552 : वह कौन शहीदे जंगे आज़ादी हैं जिन की नातिया शायेरी से सरकार आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि बेहद मुतअस्सिर थे ?

जवाब 3552 : मौलाना किफायत अली काफी, सरकार आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि उन्हें सुल्ताने नअ़त कहा करते थे लेकिन मौलाना काफी अपने आप को वज़ीरे आज़म कहा करते थे।

सवाल 3553 : सरकार आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि के छोटे भाई मौलाना हसन रज़ा बरेलवी के दीवाने नअ़त का नाम बताइये?

जवाब 3554 : जौके नअ़त।

सवाल 3555 : सरकार आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि का क़सीदा सलामिया कितने अशआ़र पर मुशतमिल है?

जवाब 3555 : एक सौ बहत्तर (172) अशआ़र पर।

सवाल 3556 : आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि की वह कौन सी नात है जिसे पढ़ने वाले के लब आपस में नहीं मिलते?

जवाब 3556 :

सय्यदे कौनैन सुल्ताने जहां
ज़िल्ले यज़दां शाहे दीं अ ाआरतां (मतला)
जिस तरह होंट इस ग़ज़ल से दूर हैं
दिल से यूं ही दूर हो हर ज़न व ज़ां

सवाल 3557 : सरकार आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि का क़सीदए नूर कितने अशआर पर मुश्तमिल है?

जवाब 3557 : 58 जिसमें मतला 46 हैं।

सवाल 3558 : सरकार आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि के क़सीदह मेराजिया में कितने अश्आर हैं?

जवाब 3558 : 67 जिसे तक़रीबन ढाई घन्टा में तसनीफ फरमाया।

सवाल 3559 : बताइये सरकार आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि ने फिर्क़हाये बातिला का जो मंज़ूम रद्द फरमाया है उस का नाम क्या है?

जवाब 3559 : अल इस्तिमदादु अला अजबालिल इरतिदाद। ये पौने तीन सौ 275 अशआर पर मुश्तमिल है।

सवाल 3560 : सरकार आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि ने मौलाना फज़्ले रसूल बदायूनी रहमतुल्लाहि अलैहि की शान में कौन रिसाले तहरीर फरमाये?

जवाब 3560 : हमाइदे फज़्ले रसूल और मदाइहे फज़्ले रसूल सन 1300 हिजरी में।

सवाल 3561 : सरकार आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि ने ज़ियारते नबवी सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम से आलमे बेदारी में मुशर्रफ होने पर रौज़ऐ अनवर के मवाजह में बैठ कर जो नअ़त पढ़ी थी उसका मतलअ़ सुनाइये?

जवाब 3561 :

वह सूए लाला ज़ार फिरते हैं
तेरे दिन ऐ बहार फिरते हैं

सवाल 3562 : एक शख़्स ने सरकार आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि से दरख़्वासत की थी के नवाबे नान पारह की शान में एक क़सीदह लिख दें लेकिन आप ने इन्कार फर्मा दिया जिसका जिक्र आप के किस शेर में मिलता है?

जवाब 3562 :

करुं मदह अहले दुवल रज़ा पडे इस बला में मेरी बला।
मैं गदा हूं अपने करीम का मेरा दीन पारए नां नहीं।

सवाल 3563 : सरकार आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि ने हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैही व सल्लम के मुख़्तारे कुल होने पर दलाइल का मजमूआ पेश फरमाया है उस का नाम बताइये?

जवाब 3563 : सलतनते मुसतफा फी मलकूते कुल्लिल वरा।
(ऊर्दू में सन 1297 हिजरी)।

सवाल 3564 : सरकारे आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि का वह कौन सा रिसाला है जिस में आप ने इसमाईल देहलवी की बअज़ इबारत पर सख़्त गिरिफ्त फरमाई है?

जवाब 3564 : सुबहानुस्सुब्बूह अन ऐबी किज़ बे मक़बूह।
(सन 1307 हिजरी सन 1889 ई.)।

सवाल 3565 : सरकार आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि के उस रिसाला का नाम क्या है जिस में आप ने मोलवी इसमाईल देहलवी और उन के मुत्तबेईन के अफकार व नज़रियात का रद फरमाया है?

जवाब 3565 : अलकौकबतु शहाबिया फी कुफरियाति अबिल वहाबिया।
(ऊर्दू में सन 1312 हिजरी सन 1894 ई०)।

सवाल 3566 : सरकार आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि की सबसे पहली तसनीफ का नाम बताइये?

जवाब 3566 : शरेह हिदायतुन्नहो।
(अर्बी में सन 1280 हिजरी/सन 1864 ई. बउम्र 8 साल)

सवाल 3567 : तरावीह में 114 बार बिसमिल्लाह ब आवाज़ पढ़ने वालों के

रद में सरकारे आला हज़रत रहमतुल्लाह अलैहि ने कौन सी किताब तसनीफ फरमाई?

जवाब 3567 : इन्तिसारुलहुदा अ़न शुऊबिलहवा।
(ऊर्दू में सन 1312 हिजरी)।

सवाल 3568 : वह कौन सी तीन मुक़द्दस जगहें हैं जिन की तरफ सरकार आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि ने कभी भी पैर नहीं फैलाए?

जवाब 3568 : कअबा शरीफ, मदीना शरीफ बग़दाद शरीफ।

सवाल 3569 : सरकार आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि ने किस औरत के मरने की ख़बर एक माह पहले दी थी?

जवाब 3569 : राम पूर के नवाब की बेगम। (मौलाना हिदायत रसूल रहमतुल्लाहि अलैहि के सामने)।

सवाल 3570 : सरकारे आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि अपने यहाँ महफिले मीलाद में किन लोगों को दोगुना हिस्सा मरहमत फरमाए थे?

जवाब 3570 : सय्यदों को।

सवाल 3571 : सरकारे आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि के मशाहीरे हम अस्र हज़रात की तअदाद बताइये?

जवाब 3571 : तक़रीबन 68।

सवाल 3572 : सरकारे आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि अपने किस शागिर्द के बारे में फरमाया करते थे कि वह उलमाए ज़माना में इल्मे तौक़ीत से तन्हा वाक़िफ हैं?

जवाब 3572 : मौलाना ज़फरुद्दीन बिहारी रहमतुल्लाहि अलैह के बारे में।

सवाल 3573 : सरकारे आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि के उस अज़ीमुलमर्तबत शागिर्द का इस्मे गिरामी बताइए जिन का अदब व एहतराम आप ज़्यादा क्या करते थे?

जवाब 3573 : सय्यद मोहम्मद मुहद्दिसे आज़मे हिन्द कछौछवी रहमतुल्लाहि अलैह। (सय्यद होने की वजह से)।

सवाल 3574 : इल्मे तकसीर व जुफर में सरकारे आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि किस के शागिर्द थे?

जवाब 3574 : मौलाना अबुलहुसैन अहमद नूरी मारहरवी रहमतुल्लाहि अलैहि के जिन का विसाल सन 1324 हिजरी/सन 1904 ई. में हुआ।

सवाल 3575 : सरकार आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि के वह कौन से ख़लीफा हैं जिन्होंने आप की बारगाह में आप की शान में एक मनक़बत लिख कर पेश की थी जवाबन आप ने अपना क़ीमती जुब्बा बतौरे इनआम अता फरमाया था?

जवाब 3575 : मौलाना अब्दुल अलीम सिद्दीक़ी रहमतुल्लाहि अलैह। मनक़बत का मतलअ और मक़्तअ दर्ज ज़ेल है:

तुम्हारी शान में जो कुछ कहूं उस से सिवा तुम हो
क़सीमें जामे इरफां ऐ शहे अहमद रज़ा तुम हो
अलीमे ख़स्ता इक अदना गदा है आसताने का
करम फरमाने वाले हाल पर उस के शहा तुम हो।

सवाल 3576 : अलीगढ़ युनिवरसिटी के वाइस चांसलर डॉक्टर सर ज़ियाउद्दीन किस के हमराह सरकारे आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि की ख़िदमत में हाज़िर हुए थे?

जवाब 3576 : हज़रत मौलाना सय्यद सुलेमान अशरफ रहमतुल्लाहि अलैहि के। आप सरकार आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैह के ख़लीफा थे।

सवाल 3577 : तहरीके ख़िलाफत का आग़ाज हिन्दुस्तान में कब हुआ?

जवाब 3577 : तक़रीबन सन 1339 हिज़्री/सन 1919 ई.में।

सवाल 3578 : गांधी जी के इशारे पर जब तहरीके तर्के मवालात का आग़ाज हुआ जिस में हिन्दु मुस्लिम शीर व शकर थे। बताइये इस ख़तरनाक और मुनज़्ज़म साजिश से आगाह फरमाते हुए इमाम अहमद रज़ा रहमतुल्लाहि अलैहि ने कौन सी किताब तसनीफ फरमाई?

जवाब 3578 : अलमहज्जतुल मोतमिना फ़ी आयतिलमुमतहेनह।
(सन 1339 हिजरी/ सन 1920 ई.)।

सवाल 3579 : जिब्राइल अलैहिस्सलाम ने आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की नअत पढी, "क़ल्लबतुलमशारिक़ व मग़ारिबहा मा र-अैतु शैअन अहसना मिनका" इस का तर्जुमा फाज़िले बरेलवी की ज़बान में बताइये?

जवाब 3579 :

यही बोले सिदरह वाले चमने जहाँ के थाले
सभी मैं ने छान डाले तरे पाए का न पाया
तुझे यक ने यक बनाया तुझे हम्द है खुदाया

सवाल 3580 : इमाम अहमद रज़ा कुद्दिसा सिर्रहु किस बुजुर्ग हस्ती से बवक़्ते मुलाक़ात एक दूसरे की क़दमबोसी फरमाते थे?

जवाब 3580 : हज़रत अशरफी मियां रहमतुल्लाहि अलैहि से।

सवाल 3581 : सन 1878 ई० में क़्यामे मक्का मुअज़्ज़मा के ज़माने में इमामे शाफईया शैख़ हुसैन बिन सालेह जमलुल लैल, फाज़िले बरेलवी से मुतअस्सिर हो कर क्या फरमाते हैं?

जवाब 3581 : इन्नी लअजिदु नूरुल्लाहि मिन हाज़ल जबीन।

तर्जुमा: बेशक मैं इस (फाज़िल बरेलवी की) पेशानी में अल्लाह का नूर पाता हूँ।

सवाल 3582 : उलमाए हरमैन में से शैख़ ख़लीलुल्लाह (हाफिज़ कुतबुल हरम) फाज़िले बरेलवी के सिलसिले में क्या फरमाते हैं?

जवाब 3582 : लौ क़ीला फि हक़्क़िही इन्नहू मुजद्दिदु हाज़ल क़रन लकाना हक़्क़न व सिदक़न।

सवाल 3583 : शैख़ शामी अज़हरी अहमद दरवी दूसरी मदनी फाज़िले बरेलवी की मुहक़्क़िाना बसीरत से मुतअस्सिर हो कर क्या रक़म तराज़ हैं?

जवाब 3583 : इमामुल अइम्मा अल मुजद्दिदु लिहाज़ल उम्मा।

सवाल 3584 : डॉक्टर इक़बाल का आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि के सिलसिले में क्या तअस्सुर रहा है?

जवाब 3584 : हिंदुस्तान के इस दौरे मुतअख़्ख़िरीन में उन (फाज़िले बरेलवी) जैसा तब्बाअ़ और फक़ीह बमुश्किल मिलेगा।

सवाल 3585 : फाज़िले बरेलवी की तबीअ़त में शिद्दत की तरफ इशारह करते हुऐ डॉक्टर इक़बाल क्या फरमाते हैं?-

जवाब 3585 : "अगर यह चीज़ (शिद्दत) दरमियान में न होती तो इस दौर के अबू हनीफा कहला सकते थे।"

सवाल 3586 : **"अुकूदुद दुरियेह फी तनसीहिल फतावा अलहामिदियह" दो जिल्दों पर मुशतमिल थी, बताइये इमाम अहले सुन्नत ने कितने अर्से में हिफ्ज़ फर्मा लिया था?**

जवाब 3587 : सिर्फ एक शब में (हयाते आला हज़रत सफह 39) उन दिनों आप पीली भीत में थे।

सवाल 3588 : बताइये मुंदर्जा बाला किताब आप ने किस्से मुस्तआर ली थी?

जवाब 3588 : मौलाना वसी अहमद मुहद्दिस सूरती रहमतुल्लाहि अलैहि से।

सवाल 3589 : फाज़िले बरेलवी ने फतावारज़वियह में कितनी किताबों के अस्मा तहरीर फरमाए हैं जिन्से फतावे में सनद ली गई है?

जवाब 3589 : 99 कुतुब के अस्मा तहरीर किये हैं जिन्से क़दीम बिज़्ज़ात की सताइश और वजहे काइनात की नअत और खुलफाए राशिदीन और बअज़ औलियाए उम्मत व फुक़हाए किराम के मनाक़िब तरतीब दीए गए हैं।

सवाल 3590 : आशिके रसूल अल्लामा रेज़ा बरेलवी की फसाहत और जलालते इल्मी को देख कर उलमाए अ़रब का एक अ़ज़ीम गिरोह क्या पुकार उठा?

जवाब 3590 : यह अ़जमी नहीं बल्की अ़रबी है।

मत सहल हमें जानो फिरता है फलक बर्सों
तब ख़ाक के परदे से इन्सान निकल्ते हैं

सवाल 3591 : फाज़िले बरेलवी ने नस्र में कित्नी किताबें तस्नीफ फरमाईं?

जवाब 3591 : तक़रीबन 1000 से ज़ाऐद।

नोट: अक्सर कुतुब ज़ेवरे तबअ से आरास्ताह हो चुकी हैं और बाक़ी शामते आमाल के बाइस मन्ज़रे आम पर नहीं आसकी हैं।

सवाल 3592 : फाज़िले बरेलवी को बहरे शेअ़रो सुख़न में यक्ताए फन व यगानए रोज़गार तसव्वुर करते हुए उस्तादु शुअ़रा दाग़ दिहलवी अपने ख़यालात का इज़हार किस तरह करते हैं?

जवाब 3592 :

मुल्के सुख़न कि शाही तुमको रज़ा मुसल्लम
जिस सिम्त आगए हो सिक्के बेठादिये हैं

सवाल 3593 : वह कमाले हुस्ने हुज़ूर है की गुमाने नक़्से जहाँ नहीं यही फूल ख़ार से दूर है यही शमअ है की धुवाँ नहीं (मुन्दर्जा बाला मिस्रअ़ को सुन्कर दौरे हाज़िर के एक अहेम शाएर हफीज़ जालंधरी ने अपने ख़याल का इज़हार किन लफज़ो में क्या?)

जवाब 3593 : यह तो कोई उस्ताज़ुल असातिज़ह मालूम होते हैं, शाएरी इसी का नाम है। (अन्वारे रज़ा सफ़ह 393)

सवाल 3594 : मलिक ज़ादह मनज़ूर अहमद फ़ाज़िले बरेलवी की शेअ़र गोई पर तब्सिरह करते हुए क्या रक़्मतराज़ हैं?

जवाब 3594 : शेअ़र गोई का जो मल्का उन्हें (फ़ाज़िले बरेलवी) को हासिल था इस्की ग़म्माज़ी हदाएक़े बख़्शिश में शामिल वह नअ़तें और मंक़बतें करती हैं जो आज भी घर घर पढ़ी जाती हैं। (इमाम अहमद रज़ा नम्बर अल मीज़ान, मुंबई सफ़ह 479)

सवाल 3595 : हकीम मोहम्मद सईद देहलवी फ़ाज़िले बरेलवी के ज़ुहदो तक़्वा और रूहानी तसर्रूफ़ात को देख कर क्या फ़रमाते हैं?

जवाब 3595 : मौलाना शरीअ़त व तरीक़त दोनों के रूमूज़ से आगाह थे अगर एक तरफ़ उन के फ़तावा ने अ़रब व अ़जम में उन की दीनी बसीरत की धाक बेठादी थी तो दुस्री तरफ़ इ के रसूल ने उन की नअ़तियह शाएरी को फ़िक्र व फ़न की बलंदियों पर पहुंचा दिया था। (ख़्याबाने रज़ा सफ़ह 94)

सवाल 3596 : डॉक्टर इस्लाम संदिलवी हज़रत रज़ा बरेलवी के नअ़तियह कलाम को देख कर मुतहैयर हो कर क्या फ़रमाते हैं?

जवाब 3596 : हज़रत इमाम अहमद रज़ा ने अपनी नअ़त में ख़ुलूस की महेक भर दी है, ख़ुलूस उन के ज़ाती तज़ुरबह पर मब्नी है, उन्हों ने हर नफ़्स पर बूए मोहम्मद को महसूस क्या है और उस की मौजें हम को उन की शाएरी में रक़्साँ नज़र आती हैं।

सवाल 3597 : क्या इमामे अहले सुन्नत मौलाना अहमद रज़ा कुद्दिसा सिर्रूहू नर्म और उम्दह अख़लाक़ की तरबियत और हिदायत फ़रमाते थे।

जवाब 3597 : जी हाँ! इमाम अहमद रज़ा फ़ाज़िले बरेलवी सख़्त मिज़ाज उन लोगों के लिये थे जो क़ौम व मिल्लत को मिटाने की साज़िशी ज़ेहन व फ़िक्र रख्ते थे वरना आप लाला के जिगर की ठंडक थे नर्म मिज़ाजी, संजीदह

ज़ेहनी का यह आलम था की ग़ैरों को भी नर्म रवय्या इख़्तियार कर ने की हिदायत फरमा ते थे।

सवाल 3598 : सरकार आ़ला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि को हस्बे वसीय्यत गुस्ल किस ने दिया?

जवाब 3598 : सदरू शरीअ़ह मौलाना अमजद अ़ली रहमतुल्लाहि अलैहि और जनाब हाफिज़ अमीर हसन मुरादाबादी पुरोफीसर सूलेमान अशरफ व मौलाना अब्दुल अहद पीली भीती मौलाना सय्यद महमूद जान ने मदद की जब्की पानी डाल्ने की सआ़दत मौलाना मोहम्मद रज़ा ख़ान को हासिल हुई।

सवाल 3599 : हुज़ूर सय्यदुना फाज़िले बरेलवी रहमतुल्लाहि अ़लैहि के मवाज़ए सुजूद पर काफूर किस ने मला?

जवाब 3599 : हुज्जतुल इस्लाम मौलाना हामिद रज़ा ख़ान रहमतुल्लाहि अलैहि ने।

सवाल 3600 : सरकार आ़ला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि को कफ्न पहनाने का शर्फ किस ने हासिल किया?

जवाब 3600 : सदरूल अफाज़िल हज़रत मौलाना सय्यद नईमुद्दीन मुरादा बादी रहमतुल्लाहि अलैहि ने।

सवाल 3601 : सरकार आ़ला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि के जानाज़ह की नमाज़ किस ने पढ़ाई?

जवाब 3601 : सदरू शरीअ़ह अल्लामा हकीम मोहम्मद अमजद अ़ली रज़वी आज़मी, मुसन्निफ बहारे शरीअ़त ने बहुक्मे आ़ला हज़रत (रहमतुल्लाहि अलैहीमा)

सवाल 3602 : कुर्आन पाक का शानदार तरजुमह कंज़ुल ईमान आ़ला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैह ने कब किया?

जवाब 3602 : सन 1911 ई० में।

सवाल 3603 : ख़ानिक़ाहे रज़वियह आ़लियह बरेली शरीफ के किस जानिब मस्जिदे रज़ा वाक़ेअ़ है?

जवाब 3603 : उत्तर जानिब।

सवाल 3604 : बताइए आ़ला हज़रत को आग़ोशे लहेद में उतार ने का शर्फ किस को हासिल हुवा?

जवाब 3604 : सय्यद अज़हर अ़ली को।

क़रया ब क़रया, कू ब कू, शहेर ब शहेर, जू ब जू
तेरा ही ज़िक्र है रज़ा कूचा ब कूचा, सू ब सू

हुजूर सय्यदुना सरकार मुफ्तिए आज़मे हिन्द रहमतुल्लाहि अलैहि

सवाल 3605 : सरकार सय्यदुना मुफ्तिए आज़मे हिंद रहमतुल्लहि अलैहि के वालिद का इस्मे गिरामी बताइए?

जवाब 3605 : सरकार सय्यदुना इमाम अहमद रज़ा ख़ान रहमतुल्लाहि अलैही।

सवाल 3606 : हुजूर मुफ्तिए आज़मे हिंद रहमतुल्लहि अलैहि का अस्ल मान बताइए?

जवाब 3606 : मोहम्मद।

सवाल 3607 : सरकार मुफ्तिए आज़मे हिंद रहमतुल्लही अलैही का लक़ब क्या था?

जवाब 3607 : आले रहमान, पीर व मुर्शिद ने अबुल बरकात मुहैयुद्दीन जीलानी रखा और मुस्तफा रज़ा ख़ान से मशहूर हुए।

सवाल 3608 : सरकार मुफ्तिए आज़मे हिंद रहमतुल्लाहि अलैही की उर्फियत बताइए?

जवाब 3609 : मुस्तफा मियाँ।

सवाल 3610 : सय्यदुना मुफ्तिए आज़मे हिंद रहमतुल्लाहि अलैहि की विलादत बा सआ़दत कब हुई?

जवाब 3610 : 22 ज़िल्हिज्जा सन 1310 हिजरी में।

सवाल 3611 : उस जलीलुल क़द्र हस्ती का नाम बताओ जिस ने सन 1971 ई० में बग़ैर फोटो पास्पोर्ट हासिल किये हज का फरीज़ह अनजाम दिया?

जवाब 3611 : सय्यदुना मुफ्तिए आज़मे हिंद रहमतुल्लहि अलैह।

सवाल 3612 : मुफ्तिए आज़मे हिंद रहमतुल्लहि अलैहि के क़लम से एक लाख से ज़ायद फतावा सादिर हुवे जिन में से कुछ शाएअ़ हुवे, उन फतावा के मजमूए का माने बताइए?

जवाब 3612 : फतावा मुस्तफविय्यह, जो तीन जिलदों पर मुशतमिल है।

सवाल 3613 : सरकार मुफ्तिए आज़मे हिंद रहमतुल्लहि अलैहि दुनियाए शाएरी में किस नाम से पहचाने जाते हैं?

जवाब 3613 : नूरी के नाम से।

सवाल 3614 : हुज़ूर मुफ्तिए आज़मे हिंद रहमतुल्लहि अलैहि के नअतियह दीवान का नाम बताइए?

जवाब 3614 : सामाने बख़्शिश, उर्फ गुलिस्ताने नूरी।

सवाल 3615 : हुज़ूर मुफ्तिए आज़मे हिंद रहमतुल्लाहि अलैहि के उस नअत पाक का एक शेर सुनाओ जिसे आप ने हरम शरीफ में जारूब कशी के बाद लिखा?

जवाब 3615 :

ख़ुदा ख़ैर से लाए वह दिन भी नूरी
मदीना की गलियाँ बहारा करूं में नूरी

सवाल 3616 : एमर जेंसी के दौरान नस बनदी के अदमे जवाज़ का फत्वा किस बे बाक और निडर मुजाहिद ने दिया?

जवाब 3616 : सरकार मुफ्तिए आज़मे हिंद रहमतुल्लहि अलैहि ने।

सवाल 3617 : सरकार मुफ्तिए आज़मे हिंद रहमतुल्लाहि अलैह की नामाज़े जानाज़ह किस ने पढ़ाई?

जवाब 3617 : हज़रत अल्लामा शाह सय्यद मुख़्तार अशरफ साहेब क़िब्ला कछौछवी रहमतुल्लाहि अलैहि ने।

सवाल 3618 : सरकार मुफ्तिए आज़मे हिंद रहमतुल्लही अलैही का आख़िरी दीदार कर ने के लिये किस क़दर अहले अक़ीदत का हुजूम था?

जवाब 3618 : तक़रीबन 25 लाख (अनवारे रज़ा में यही लिखा है,) इन्सानों का सैलाब ख़िराजे अक़ीदत के लिये हाज़िर हुआ।

सवाल 3619 : हुज़ूर मुफ्तिए आज़मे हिंद रहमतुल्लाहि अलैहि की तारीख़े विसाल बताइए?

जवाब 3619 : 14 मुहर्रमुल हराम सन 1402 हिजरी, मुताबिक़ 12 नवम्बर सन 1981 ई० बरोज़ जमेअ़रात शब एक बजकर 55 मिनट पर अपने माबूदे हक़ीक़ी से जा मिले।

सवाल 3620 : सरकार मुफ्तिए आज़मे हिंद रहमतुल्लाहि अलैहि ने कितने साल की उम्र में मस्नदे इफ़्ता को जीनत बख़्शी?

जवाब 3620 : 18 साल की उम्र में और मुसल्सल 72 साल तक फतावा नवेसी का काम अनजाम देते रहे, सन 1328 हिजरी/सन 1910 ई० से।

सवाल 3621 : बताइए सरकार मुफ्तिए आज़मे हिन्द रहमतुल्लहि अलैहि ने मस्जिदे बीबी जी में कौनसा मदरसा क़ाएम फरमाया?

जवाब 3621 : मज़हरे इस्लाम।

सवाल 3622 : बताइए सरकार मुफ्तिए आज़मे हिंद रहमतुल्लहि अलैहि ने इब्तेदाई तअ़लीम किस से हासिल की थी?

जवाब 3622 : अपने बड़े भाई मौलाना हामिद रज़ा ख़ान से।

सवाल 3623 : बताइए सरकार मुफ्तिए आज़मे हिंद रहमतुल्लाहि अलैहि ने इनतेहाई तअ़लीम किस से हासिल की थी?

जवाब 3623 : सरकार आ़ला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैह से।

सवाल 3624 : सरकार मुफ्तिए आज़मे हिंद रहमतुल्लाहि अलैहि के ख़ुसुर का नाम बताइए?

जवाब 3624 : मोहम्मद रज़ा ख़ान बिरादरे इमाम अहमद रज़ा ख़ान रहमतुल्लह अलैहिमा।

सवाल 3625 : बताइए सरकार मुफ्तिए आज़मे हिंद रहमतुल्लाहि अलैहि की कितनी साहिब्ज़ादियाँ हैं?

जवाब 3625 : छे (6)।

सवाल 3626 : बताइए इमामे नअ़त गोयाँ का इन्तिसाब किस के नाम है?

जवाब 3626 : मौलाना मुस्तफा रज़ा ख़ान रहमतुल्लाहि अलैहि के।

शेर बेशए अहले सुन्नत रहमतुल्लाहि अलैहि

सवाल 3627 : हुज़ूर शेर बेशए अहले सुन्नत रहमतुल्लाहि अलैहि के वालिदे माजिद का नाम बताइए?

जवाब 3627 : अबुल हुफ्फाज़ नवाब अली ख़ान साहिब।

सवाल 3628 : शेर बेशए अहले सुन्नत रहमतुल्लाहि अलैहि का मज़ार कहाँ वाक़े है?

जवाब 3628 : पीली भीत, यूपी, नैनी ताल की तराई में जिस का पुराना नाम हाफिज़ह बाद है।

सवाल 3629 : शेर बेशए अहले सुन्नत रहमतुल्लाहि अलैहि ने अरबी की इब्तेदाई तअ़लीम कहाँ हासिल की?

जवाब 3629 : मदरसा फुर्क़ानियह लखनऊ में।

सवाल 3630 : सय्यदुना शेर बेशए अहले सुन्नत रहमतुल्लाही अलैही के मदरसा फुरक़ानियह से निकलने का सबब क्या था?

जवाब 3630 : सरकार आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि की किताब "तमहीदुल ईमान" के मुताला ने निकल्ने पर मजबूर कर दिया।

सवाल 3631 : शेर बेशए अहले सुन्नत रहमतुल्लाहि अलैहि कितनी उम्र में बरेली शरीफ तशरीफ लाए?

जवाब 3631 : 16 साल की उम्र में।

सवाल 3632 : मज़हरे आ़ला हज़रत किस का लक़ब है?

जवाब 3632 : शेर बेशए अहले सुन्नत रहमतुल्लाहि अलैहि का।

सवाल 3633 : सरकार शेर बेशए अहले सुन्नत रहमतुल्लाहि अलैहि का पुरा नाम बताइए?

जवाब 3633 : अबुल फतेह अ़ल्लामह अश्शाह मुफ्ती हशमत अ़ली ख़ान रहमतुल्लाहि अ़लैहि।

सवाल 3634 : शेर बेशए अहले सुन्नत रहमतुल्लाहि अलैहि के पीर व मुर्शिद का इस्मे गिरामी बताइए?

जवाब 3634 : सरकार आ़ला हज़रत रहमतुल्लाहि अ़लैहि।

सवाल 3635 : "अस्सवारिमुल हिंदियह" के मुसन्निफ का इस्मे गिरामी बताइए?

जवाब 3635 : मौलाना हशमत अ़ली ख़ान रहमतुललाहि अ़लैहि।

सवाल 3636 : शेर बेशए अहले सुन्नत रहमतुल्लाहि अलैहि का विसाल कब हुआ?

जवाब 3636 : 8 मुहर्रमुल हराम सन 1380 हिजरी, मुताबिक़ 3 जूलाई सन 1960 ई० बरोज़ एक शम्बा।

सवाल 3637 : हुजूर शेर बेशए अहले सुन्नत रहमतुल्लाहि अलैहि के बिरादरे मुकर्रम का इस्मे गिरामी बताइए, जो खुद बहुत बड़े आ़लिम थे?

जवाब 3637 : मुफ्ती अबु ज़्ज़फर मुहिब्बुर्रेजा महबूब अ़ली ख़ान रहमतुल्लाहि।

सवाल 3638 : शेर बेशए अहले सुन्नत रहमतुल्लाहि अलैहि की विलादत कहाँ हुई?

जवाब 3638 : लखनऊ से पुरब क़स्बा अमेठी में।

आस्मानी किताबें
कुर्आन मजीद

सवाल 3639 : दुनिया में सब से ज़ियादह पढ़ी जाने वाली किताब का नाम बताइए?

जवाब 3639 : कुर्आन मजीद।

सवाल 3640 : कुर्आन मजीद किस ज़बान में नाज़िल हुआ?

जवाब 3640 : अ़रबी ज़बान में।

सवाल 3641 : कुर्आन पाक किस पर नाज़िल हुआ?

जवाब 3641 : नबीए आख़िरूज़्ज़मां हज़रत मोहम्मद मुस्तफा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम पर।

सवाल 3642 : सब से पहले कौनसी मुकम्मल सूरेह नाज़िल हूई?

जवाब 3642 : सूरेह फातिहा।

सवाल 3643 : कुर्आन मजीद की तवील तरीन सूरेह का नाम बताइए?

जवाब 3643 : सूरेह बक़्रह।

सवाल 3644 : सूरेह बक़्रह में कितनी आयतें और रूकूअ़ हैं?

जवाब 3644 : 286 आयतें और 40 रूकूअ़ हैं।

सवाल 3645 : सूरेह बक़्रह में कितने हुरूफ हैं?

जवाब 3645 : पचीस हज़ार पाँच सौ (25500)।

सवाल 3646 : बाबुल कुर्आन, कुर्आन मजीद की किस सूरेह को कहा जाता है?

जवाब 3646 : सूरेह फातिहा को।

सवाल 3647 : सूरेह फातिहा में कितनी आयतें और कलिमे हैं?

जवाब 3647 : सात आयतें और सत्ताइस कलिमे।

सवाल 3648 : सरदारूल आयात कुर्आन मजीद की कौनसी आयत कहलाती है?

जवाब 3648 : आयतलकुरसी।

सवाल 3649 : सूरेह रहमान को क्या कहा जाता है?

जवाब 3649 : उरूसुल कुर्आन।

सवाल 3650 : जीनतुल कुर्आन, कुर्आने पाक की किस सूरेह को कहते हैं?

जवाब 3650 : सूरेह रहमान को।

सवाल 3651 : क़ल्बुल कुर्आन, कुर्आन पाक की कौनसी सूरेह का नाम है?

जवाब 3651 : सूरेह यासीन का।

सवाल 3652 : उम्मुल कुर्आन, कुर्आन पाक की कौनसी सूरेह का नाम है?

जवाब 3652 : सूरेह फातिहा का।

सवाल 3653 : कुर्आन पाक की सब से छोटी सूरेह का नाम बताइए?

जवाब 3653 : सूरतुल कौसर।

सवाल 3654 : सूरेह इख़्लास में कितनी ज़ेर हैं?

जवाब 3654 : सिर्फ एक।

सवाल 3655 : कुर्आन पाक की पहली सात सूरतें क्या कहलाती हैं?

जवाब 3655 : तिवाल।

सवाल 3656 : कुर्आन पाक में सब से कम कौनसा हर्फ इस्तेमाल हुआ है?

जवाब 3656 : हर्फ " ज़ो "।

सवाल 3657 : कुर्आन पाक का नुजूल किस महीना में हुआ?

जवाब 3657 : रम्ज़ानुल मुबारक में।

सवाल 3658 : कुर्आन पाक किस रात में नाज़िल हुआ?

जवाब 3658 : शबे क़द्र में।

सवाल 3659 : ख़ास अर्श के ख़ज़ानाह से कुर्आन पाक के कौन कौन हिस्से नाज़िल हुए?

जवाब 3659 : सूरेह फातिहा, आयतल कुर्सी, सूरेह बक़रह का आख़िरी रूकूअ़, सूरेह अल कौसर। (कन्ज़ुल आमाल सफह 495)

सवाल 3660 : कुर्आन पाक का पहला सज्दह किस पारह में है?

जवाब 3660 : नवें पारह में।

सवाल 3661 : कुर्आन पाक का दुसरा सज्दह किस पारह में है?

जवाब 3661 : तेरहवें पारह में।

सवाल 3662 : कुर्आन मजीद में तीसरा सज्दह किस पारह में है?

जवाब 3662 : चौदहवाँ पारह में।

सवाल 3663 : क्या आप को मअ़लूम है की क़ुर्आन मजीद में चौथा सज्दह किस पारह में है?

जवाब 3663 : पदंरहवाँ पारह में।

सवाल 3664 : बताइए सोलहवाँ पारह में कौनसा सज्दह है?
जवाब 3664 : पाँचवाँ।
सवाल 3665 : बताइए छटा सज्दह किस पारह में है?
जवाब 3665 : सत्तरहवें पारह में।
सवाल 3666 : बताइए कुर्आन मजीद में नवाँ सज्दह किस पारह में है?
जवाब 3666 : इक्कीस्वें पारह में।
सवाल 3667 : कुर्आन मजीद में दस्वाँ सज्दह किस पारह में है?
जवाब 3667 : तेइस्वें पारह में।
सवाल 3668 : बताइए कुर्आन मजीद में ग्यारहवाँ सज्दह किस पारह में है?
जवाब 3668 : चौबीस्वें पारह में।
सवाल 3669 : क्या आप जानते हैं की बारहवाँ सज्दह कुर्आन मजीद के किस पारह में है?
जवाब 3669 : सत्ताइस्वें पारह में।
सवाल 3670 : कुर्आन मजीद में कुल कितने कलिमे हैं?
जवाब 3670 : 77934। (अलइत्क़ान अव्वल, सफह 67)
सवाल 3671 : हुजूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के ख़त्मे नबुव्वत के सिल्सिले में कुर्आन मजीद की कित्नी आयतें दलील दे रही हैं?
जवाब 3671 : निन्नान्वे (99)
सवाल 3672 : पूरा कुर्आन मजीद एक ही दफ़अ़ नाज़िल हुआ या थोड़ा थोड़ा?
जवाब 3672 : पूरा कुर्आन मजीद 23 साल के अ़रसे में हस्बे ज़रूरत थोड़ा थोड़ा नाज़िल होता रहा।
सवाल 3673 : कुर्आन पाक की सब से पहले कौनेसी सूरेह नाज़िल हुई?
जवाब 3673 : सूरतुल अ़लक़ की चंद आयतें।
सवाल 3675 : कुर्आन पाक की कौनसी आयत है जिस में कुर्आन पाक को बिला त़हारत छूने से मना किया गया है?
जवाब 3675 : "लायमस्सुहू इल्लल मुतहहरून"।
(सूरेह वाक़िअह, पारह 27, आयत 79)
सवाल 3676 : सब से आख़िर में कुर्आन पाक की कौनसी आयत नाज़िल हुई?
जवाब 3676 : "वत्तक़ु यौमन तुरजऊना फीह"।
(अल इत्क़ान अव्वल सफह 23)

सवाल 3677 : कुर्आन मजीद की आख़िरी आयात कब और कहाँ नाज़िल हुई।

जवाब 3677 : हज्जतुल विदाअ़ के मौक़ा पर, मक्का मुकर्रमा में, 3 रबीउल अव्वल सन 11 हिजरी में।

सवाल 3678 : कुर्आन पाक की पहली आयत कहाँ नाज़िल हुई?

जवाब 3678 : ग़ारे हिरा में।

सवाल 3679 : अस्रारे इलाही और हुरूफ़े मुतशाबिहात कुर्आन पाक के किन हुरूफ़ को कहा जाता है?

जवाब 3679 : हुरूफ़े मुक़त्तेआ़त को।

सवाल 3680 : मय्यत की तदफ़ीन के बाद कुर्आन पाक की किस सूरह की आयतें तिलावत की जाती हैं?

जवाब 3680 : सूरेह बक़रह की।

सवाल 3681 : वह कौनसी सूरेह है जिस के शुरूअ़ में बिस्मिल्लाह नहीं?

जवाब 3681 : सूरेह तौबा।

सवाल 3682 : कुर्आन पाक की कौनसी सूरेह सब से आख़िर में नाज़िल हुई?

जवाब 3682 : सूरेह तौबा।

सवाल 3683 : कुर्आन पाक की कौनसी सूरतें पहली किताबों में थीं।

जवाब 3683 : आले इम्रान, कहफ़, मुल्क, क़मर।

(अल इत्क़ान जि. 1, स. 72, कंज़ुल आ़माल जि. 1, स. 593)

सवाल 3684 : कुर्आन पाक की किस सूरेह में हरफ़े "रा" का इस्तेमाल नहीं हुआ?

जवाब 3684 : सूरेह इख़लास में।

सवाल 3685 : कुर्आन मजीद में कुल कितने पारे हैं?

जवाब 3685 : तीस पारे।

सवाल 3686 : कुर्आन मजीद में कुल कितनी सूरतें हैं?

जवाब 3686 : 114 (एक सो चौदह)

सवाल 3687 : कुर्आन पाक के सज्दों में कितने सज्दे मक्की हैं और कितने मदनी?

जवाब 3687 : 13 मक्की और एक मदनी।

सवाल 3688 : कुर्आन मजीद में कुल कितने सज्दे हैं?

जवाब 3688 : 14 (चौदह)

सवाल 3689 : कुर्आन मजीद में कितनी मंज़िलें हैं?

जवाब 3689 : सात (7)।

सवाल 3690 : सोने के पतरे पर लिखा हुआ कुर्आन कहाँ मौजूद है?

जवाब 3690 : पटना के हुकूमती कुतुबखाने में जिस का वज़न डेढ़ मन है।

सवाल 3691 : कुर्आन पाक में ऐराब किस ने लगवाए?

जवाब 3691 : अबुल अस्वद वाइली ताबई रहमतुल्लाहि अलैहि ने सन 69 हिजरी में। (अलइतक़ान फी उलूमिल कुर्आन जि.2सफह 63)

सवाल 3692 : कुर्आन मजीद में कुल कितने नबियों का ज़िक्र आया है?

जवाब 3692 : छब्बीस (26)।

सवाल 3693 : सूरेह इन्आम के नुजूल के वक़्त आस्मान से कितने फरिशते नाज़िल हुवे?

जवाब 3693 : सत्तर हज़ार फरिशते (70,000)।

(अल इत्क़ान सफह 37)

सवाल 3694 : बाबुल कुर्आन, कुर्आन मजीद की किस सूरेह को कहते हैं?

जवाब 3694 : सूरेह फतेह को।

सवाल 3695 : हुजूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम अपने अहेल के बीमारों पर कौनसी सूरतें पढ़कर दम करते थे?

जवाब 3695 : सूरतुल फलक़, सूरतुन्नास।

सवाल 3696 : कुर्आन मजीद में कुल कितनी आयतें हैं?

जवाब 3696 : 6666 (छे हजार छे सो छियासठ),

नोट : आ़ला हज़रत ने कनजुल ईमान में 6236 शुमार किया है।

सवाल 3697 : तअ़व्वुज़ किसे कहते हैं?

जवाब 3697 : "अऊजु बिल्लाहि मिन शैतानिर्रजीम" को।

सवाल 3698 : तस्मिया किस को कहते हैं?

जवाब 3698 : "बिस्मिल्ला हिर्रहमा निर्रहीम" को।

सवाल 3699 : तौरेत में सूरेह मुल्क का नाम किया था?

जवाब 3699 : "अलमा़निआ़" (कनजुल आ़माल जिल्द 1, सफह 593)

सवाल 3700 : कुर्आन पाक की कौनसी आयतों का हिस्सा है जो तौरेत में सात सो (700) आयतों का दर्जा रखती है?

जवाब 3700 : सूरेह जुमा की आयत " युसब्बिहु लिल्लही माफिस्समावाती वल अरदि व हुवल अज़ीज़ुल हकीम"।

(अलइत्क़ान जिल्द 1, सफह 53)

सवाल 3701 : कुर्आन मजीद की किस सूरेह का हिस्सा हज़रत इब्राहीम व हज़रत मूसा अलैहुमस्सलाम पर नाज़िल हुआ?

जवाब 3701 : "सब्बिहिस्मा रब्बिकल आ़ला" (सूरतुल आ़ला)।

(अलइत्क़ान जिल्द 1, सफह 52)

सवाल 3702 : कुर्आन पाक में कितने काफिरों का ज़िक्र हुआ है?

जवाब 3702 : छे काफिरों का।

सवाल 3703 : कुर्आन मजीद में किन किन क़बीलों का ज़िक्र आया है?

जवाब 3703 : याजूज माजूज, आ़द, समूद, मदयन, क़ुरैश, रूम।

(अलइत्क़ान जिल्द 2, सफह 181)

सवाल 3704 : कुर्आन मजीद के आख़िरी दोनों सज्दे किस पारे में हैं?

जवाब 3704 : तीस्वें पारे में।

सवाल 3705 : कुर्आन मजीद को तीस पारों में किस सहाबी ने तक़सीम किया?

जवाब 3705 : अमीरूल मुमिनीन हज़रत उ़मर फारूक़ रज़ि यल्लाहु अ़न्हु ने।

सवाल 3708 : कुर्आन पाक की किस सूरेह का सब से ज़ियादह नाम है?

जवाब 3708 : सूरेह फातिहा का।

सवाल 3709 : कुर्आन पाक के सब से पहले हाफिज़ का इस्मे गिरामी बताइए?

जवाब 3709 : रहमते दो आ़लम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम।

सवाल 3710 : कुर्आन पाक की किस सूरेह का पढ़ना हर नामाज़ में ज़रूरी है?

जवाब 3710 : सूरेह फातिहा का।

सवाल 3711 : मदनी सूरतों की तअ़दाद बताइए?

जवाब 3711 : 28।

सवाल 3712 : मक्की सूरतों की तअ़दाद बताइए?

जवाब 3712 : 86।

सवाल 3713 : कुर्आन मजीद को ज़बानी याद कर ने वाले को क्या कहते हैं?

जवाब 3713 : हाफिज़े कुर्आन।

सवाल 3714 : कुर्आन पाक को तजवीद व तरतील से पढ़ने वाले को क्या कहते हैं?

जवाब 3714 : फ़ारसी।

सवाल 3715 : कुर्आन पाक की किस सूरेह में गज़वए बद्र का तज़्किरह आया है?

जवाब 3715 : सूरेह आले इम्रान में।

सवाल 3716 : कुर्आन पाक में सूरतों का नाम लिखने का तरीक़ा किस ने ईजाद किया?

जवाब 3716 : हज्जाज बिन यूसुफ ने। (ख़ज़ाइनुल इर्फ़ान, अल बक़रह)

सवाल 3717 : क़ुर्आन पाक की किस सूरेह का नाम दाऊद है?

जवाब 3717 : सूरेह साद का।

सवाल 3718 : सूरेह जासियह का दूसरा नाम क्या है?

जवाब 3718 : सूरेह शरीआ।

सवाल 3719 : कुर्आन मजीद की एक सूरेह का नाम राफिआ, ख़फिज़ा (मोमिनों के रूतबे बुलंद कर ने वाली है) क्या आप को मालूम है वह कौनसी सूरेह है?

जवाब 3719 : सूरेह यासीन शारीफ।

सवाल 3720 : कुर्आन मजीद की सूरेह अल क़द्र में "ख़ा" का इस्तेमाल कितनी दफ़अ़ हुआ है?

जवाब 3720 : सिर्फ एक मर्तबह।

सवाल 3721 : कुर्आन मजीद की सूरेह अल कौसर में "ता" का इस्तेमाल कितनी बार हुआ है?

जवाब 3721 : सिर्फ एक मर्तबह।

सवाल 3722 : कुर्आन पाक की वह कौनसी आयत है जिस में कुर्आन मजीद को तजवीद से पढ़ने का हुक्म है?

जवाब 3722 : "व रत्तिलिल कुर्आना तरतीला" (सूरेह मुज़्ज़म्मिल)

सवाल 3723 : सूरेह मुमिन का दूसरा नाम बताइए?

जवाब 3723 : ग़ाफिर।

सवाल 3724 : तहवीले क़िब्ला के हुक्म की आयत किस सूरेह में है?

जवाब 3724 : सूरेह बक़रह में।

सवाल 3725 : सूरेह फातिहा में कितने हुरूफ हैं?

जवाब 3725 : 104 हुरूफ।

सवाल 3726 : कुर्आन पाक को कुर्आन क्यों कहते हैं?

जवाब 3726 : कुर्आन का माना है जमा होना और कुर्आन मजीद में सारे उलूम व फुनून जमा हैं।

सवाल 3727 : नुजूले कुर्आन का ज़रिआ क्या था?

जवाब 3727 : वही।

सवाल 3728 : कुर्आन पाक में वह आयतें कितनी हैं जिन से अहकाम व मसाएल अख़ज़ किये जाते हैं?

जवाब 3728 : पाँच सो हैं, उन के इलावा फज़ाएल व ग़ैरह की हैं।
(हाशिया उसूलूश्शाशी सफह 5)

सवाल 3729 : कुर्आन मजीद की कितनी आयात और सूरतैं ऐसी हैं जो रात में नाज़िल हुईं?

जवाब 3729 : आयात्त और सूरतैं मिलाकर सिर्फ़ बारह।
(अलइत्क़ान अव्वल सफह 28)

सवाल 3730 : बवक़्ते नुजूले सूरेह फातिहा आस्मान से कितने फरिश्ते नाज़िल हुए?

जवाब 3730 : 30 हज़ार। (अलइत्क़ान अव्वल सफह 37)

सवाल 3731 : बवक़्ते नूजूले सूरेह कहफ कितने फरीतों का नुजूल हुआ?

जवाब 3731 : 70 हज़ार। (कनज़ुल आमाल अव्वल सफह 178)

सवाल 3732 : बवक़्ते नुजूले सूरेह यूनुस कितने फरीते नाज़िल हुऐ?

जवाब 3732 : 30 हज़ार। (अलइत्क़ान अव्वल सफह 38)

सवाल 3733 : कुर्आन पाक कि पहली मंज़िल कहाँ से शुरू हो कर कहाँ ख़त्म होती है?

जवाब 3733 : सूरेह फातिहा से शुरू हो कर सूरेह निसा पर ख़त्म होती है।

सवाल 3734 : कुर्आन पाक की दूसरी मंज़िल कहाँ से कहाँ तक है?

जवाब 3735 : सूरतुल माइदा से सूरतुत्तौबा तक।

सवाल 3735 : कुर्आन मजीद की तीसरी मंज़िल कहाँ से शुरू हो ती है?

जवाब 3735 : सूरेह यूनुस से।

सवाल 3736 : कुर्आन मजीद की चौथी मंज़िल की इब्तेदा किस सूरेह से हो ती है?

जवाब 3736 : सूरेह बनी इस्राईल से।

सवाल 3737 : सूरेह नूह में कुल कितने हुरूफ हैं?

जवाब 3737 : 999।

सवाल 3738 : कुर्आन मजीद की पाँचवीं मंज़िल कहाँ से शुरू होकर कहाँ ख़त्म होती है?

जवाब 3738 : सूरेह शुअ़रा से शुरू हो कर सूरेह यासीन पर ख़त्म होती है।

सवाल 3739 : सूरेह साफ्फात से कुर्आन की कौनसी मंज़िल शुरू होती है?

जवाब 3739 : छठी मंज़िल।

सवाल 3740 : कुर्आन पाक की सात्वीं और आख़िरी मंजिल कहाँ से शुरू हो कर कहाँ ख़त्म होती है?

जवाब 3740 : सूरेह "क़ाफ" से शुरू हो कर सूरेह "अन्नास" पर ख़तम होती है।

सवाल 3741 : कुर्आन पाक का तर्जुमा सब से पहले फारसी ज़बान में किस ने किया?

जवाब 3741 : हज़रत शैख़ सअ़दी रहमतुल्लाहि अलैहि ने।

(आइनए तारीख़ सफह 40)

सवाल 3742 : कुर्आन पाक का सब से पहले उर्दू तर्जुमा किस ने किया?

जवाब 3742 : शाह रफिउद्दीन ने, संन 1774 ई०।

(आइनए तारीख़ सफह 40)

सवाल 3743 : कुर्आन पाक में किस महीने का नाम आया है?

जवाब 3743 : सिर्फ माहे रमज़ान का।

सवाल 3744 : कुर्आन पाक की सूरतों में बहुत सी दुआ़ऐं हैं मगर वह कौनसी सूरेह है जो मुकम्मल दुआ़ है?

जवाब 3744 : सूरेह फातिहा।

सवाल 3745 : कुर्आन मजीद में कितने बुतों के नाम ज़िक्र किये गए हैं?

जवाब 3745 : चौदह (14)। (अलइत्क़ान दोम सफह 181)

सवाल 3746 : कुर्आन मजीद में किन फरिश्तों के नाम ज़िक्र किये गए हैं?

जवाब 3746 : 12 फरि तों के (1) जिब्राईल (2) मीकाईल (3)हारूत (4) मारूत (5) रअ़द (6) बर्क़ (7) मालिक (ख़ाज़िने जहन्नम)

(8) सजिल (9) क़ईर (10) ज़ुल क़रनैन (11) रूह (12) सकीना, अलैहिमुस्सलाम। (अलइत्क़ान दोम सफह 179)

सवाल 3747 : क़ुर्आन पाक का सातवाँ और आठवाँ सज्दह किस पारह में है?

जवाब 3747 : उन्नीस्वाँ पाराह में।

सवाल 3748 : क़ुर्आन पाक में सब से ज़ियादह इस्तेमाल किस हुरूफ का हुआ है?

जवाब 3748 : हरफे "नून"का सत्तर हज़ार मर्तबह।

सवाल 3749 : क़ुर्आन पाक में सब से ज़ियादह ज़िक्र किन पैग़म्बरों का आया है?

जवाब 3749 : हज़रत मूसा व ज़करिया अलैहुमस्सलाम का।

सवाल 3750 : क़ुर्आन पाक में "ला इलाहा इल्लल्लाह" तो कई जगह आया है, "बताइए मुहम्म दुर्रसूलुल्लाह" कितनी जगह आया है।

जवाब 3750 : सिर्फ़ एक जगह।

सवाल 3751 : सूरेह माइदह का नुज़ूल किस दिन हुआ?

जवाब 3751 : पीर के दिन।

सवाल 3752 : क़ुर्आन पाक की आयतों के इख़्तेताम पर सब से पहले कौनसी अ़लामतें मुक़र्रर की गई थीं?

जवाब 3752 : नुक़्ता, फिर मौजूदह अ़लामतें वज़अ़ की गईं।

सवाल 3753 : क़ुर्आन का लफ्ज़ी माना बताइए?

जवाब 3753 : पढ़ा हुआ।

सवाल 3754 : क़ुर्आन पाक की आयात को सब से पहले किस ने शुमार क्या?

जवाब 3754 : हज़रत आ़इशा सिद्दीकह रज़ि यल्लाहु अन्हा ने।

सवाल 3755 : नफ्स की कितनी क़िसमें हैं?

जवाब 3755 : सात 7 (1) नफ्से अम्मारा (2) नफ्से लव्वामा (3) नफ्से मुलहिमा (4) नफ्से मुतमइन्ना (5) नफ्से राज़ियह (6) नफ्से मरज़ियह (7) नफ्से कामिला।

सवाल 3756 : क़ुर्आन मजीद में ज़ेर ( ) कितनी बार आई है?

जवाब 3756 : 39582 बार।

सवाल 3757 : क़ुर्आन मजीद में पेश ( ) का इस्तेमाल कितनी दफ़अ़ हुआ है?

जवाब 3757 : 8084 मर्तबह।

सवाल 3758 : कुर्आन मजीद में मद ( ) कितनी दफ़अ़ आया है?

जवाब 3758 : 1771 मर्तबह।

सवाल 3759 : कुर्आन मजीद में तश्दीद ( ) का इस्तेमाल कितनी दफ़अ़ हुआ है?

जवाब 3759 : 1272 बार।

सवाल 3760 : कुर्आन मजीद में नुक़्ते कितने हैं?

जवाब 3760 : 105684

सवाल 3761 : कुर्आन मजीद में अलिफ कितनी बार आया है?

जवाब 3761 : 48872

सवाल 3762 : कुर्आन मजीद में "ला" कितनी बार आया है?

जवाब 3762 : 720 मर्तबह।

सवाल 3763 : कुर्आन मजीद में आयाते तहरीम की तअ़दाद क्या है?

जवाब 3763 : 250।

सवाल 3764 : कुर्आन मजीद में आयाते तस्बीह की तअ़दाद बताइए?

जवाब 3764 : 100।

सवाल 3765 : कुर्आन मजीम में या का इस्तेमाल कितनी दफ़अ़ हुआ है?

जवाब 3765 : 45919। दूसरी रवायत में 25717 आया है

सवाल 3766 : कुर्आन मजीद की आयतों में आयाते वअ़दा की तअदाद बताइए?

जवाब 3766 : 1000।

सवाल 3767 : कुर्आन मजीद में आयाते वईद कितनी हैं?

जवाब 3767 : 1000।

सवाल 3768 : कुर्आन मजीद में आयाते अम्र की तअ़दाद क्या है?

जवाब 3768 : 1000।

सवाल 3769 : कुर्आन मजीद की आयतों में आयाते इम्साल की तअ़दाद बताइए?

जवाब 3769 : 1000।

सवाल 3770 : कुर्आन मजीद में आयाते क़िसस कितनी हैं?

जवाब 3770 : 1000।

सवाल 3771 : कुर्आन मजीद में आयाते तहलील की तअ़दाद क्या है?

जवाब 3771 : 250 ।

सवाल 3772 : कुर्आन मजीद में आयाते तफरक़ा की तअ़दाद बताइए?

जवाब 3772 : 66 ।

सवाल 3773 : कुर्आन मजीद के जुमला कातिबान की तअ़दाद क्या है?

जवाब 3773 : 40 सहाबए किराम रज़ियललाहु अन्हुम।

सवाल 3774 : कुर्आन मजीद में इख़तिलाफी सज्दह की तअ़दाद बताइए?

जवाब 3774 : सिर्फ एक।

सवाल 3775 : कुर्आन पाक में किन काफिरों के नाम आए हैं?

जवाब 3775 : क़ारून, जालूत, हामान, फिरऔन, आज़र, अन्नैसी, बुश्रा (हज़रत यूसुफ अलैहिस्सलाम को कुवें से निकालने वाला)

सवाल 3776 : कुर्आन मजीद में लफ्ज़े बक्का किस शहेर के लिये इस्तेमाल हुआ है?

जवाब 3776 : शहरे मक्का के लिये।

सवाल 3777 : कुर्आन मजीद में नुक़्ते किसने लगए?

जवाब 3777 : हज्जाज बिन यूसुफ के हुक्म से नसर बिन आ़सिम लैसी और यहया बिन यअ़मर ने सन 86 हिजरी में। (रूहुल बयान, जि. 4, स. 65, आइनए तारीख़ स. 22)

सवाल 3778 : कुर्आन मजीद में कुल कितने हुरूफ हैं?

जवाब 3778 : दस लाख़ 27 हज़ार। (अल इत्क़ान अव्वल, सफह 93)

सवाल 3779 : कुर्आन मजीद में किसी औरत का नाम नहीं मगर वह कौनसी ख़ातून हैं जिन का नाम मुतअ़द्दिद जगह आया है?

जवाब 3779 : हज़रत मर्यम रज़ि यल्लाहु अन्हा।

सवाल 3780 : कुर्आन मजीद में मलक (फरि तों) का नाम कितनी दफअ़ आया है?

जवाब 3780 : 86 आयात में 88 बार आया है।

सवाल 3781 : मीरास की तक़सीम और वारिसों के हिस्से का ज़िक्र कुर्आन मजीद में कहाँ आया है?

जवाब 3781 : सूरेह निसा में।

सवाल 3782 : मुअजिज़ह शक़्कुल क़मर का ज़िक्र कुर्आन मजीद की किस सूरेह में आया है?

जवाब 3782 : सूरेह क़मर में।

सवाल 3783 : बअज़ उम्महातुल मुमिनीन के कहने पर आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने शहेद न इस्तेमाअ करने का अ़हेद कर लिया था बताइए इस का ज़िक्र कुर्आन मजीद की किस सूरेह में आया है?

जवाब 3783 : सूरेह तह़रीम में।

सवाल 3784 : शराब के हराम होने का हुक्म कुर्आन पाक की किस सूरेह में आया है?

जवाब 3784 : सूरेह अल माइदह में।

सवाल 3785: नामज़ का ताकीदी हुक्म कुर्आन मजीद में कितनी जगह आया है?

जवाब 3785 : सात सो मक़ाम पर। (700)

सवाल 3786 : लफ्ज़े अल्लाह कुर्आन मजीद में कितनी मर्तबह आया है?

जवाब 3786 : 980 मर्तबह।

सवाल 3787 : अल्लाह तआ़ला ने कुर्आन पाक में रात की क़सम कितनी मर्तबह याद फरमाया है?

जवाब 3787 : सात मर्तबह।

सवाल 3788 : कुर्आन मजीद में किन परिंदों के नाम आए हैं?

जवाब 3789 : जराद, हुदहुद, गुराब, नह़ेल, अ़नकबूत, ज़ोबाब।

सवाल 3790 : कुर्आन मजीद में किन सितारों के नाम आए है?

जवाब 3790 : शमस, क़मर, ता़रिक़, शअ़री।

सवाल 3791 : कुर्आन मजीद में कहाँ से कहाँ तक ति़वाले मुफस्सल है?

जवाब 3791 : सूरेह हुजरात से बुरूज तक और सूरेह ता़रिक़ से लमयकुन तक औसाते़ मुफस्सल है जबकी सूरेह अज़्ज़िल्जा़ल से अखी़र तक क़िसारे मुफस्सल है।

सवाल 3792 : सूरेह कुरैश में "जीम" कितनी मर्तबा इस्तेमाल हुआ है?

जवाब 3792 : सिर्फ एक बार।

सवाल 3793 : सूरेह इख़लास में 'स्वाद''कितनी दफअ़ आया है?

जवाब 3793 : सिर्फ एक दफअ़।

सवाल 3794 : सूरेह अल क़द्र में 'तो''का इस्तेमाल कितनी दफअ़ हुआ है?

जवाब 3794 : एक मर्तबह।

सवाल 3795 : सूरेह फलक़ में "गैन" का इस्तेमाल कितनी दफअ़ हुआ है?

जवाब 3795 : सिर्फ एक मर्तबह।

सवाल 3796 : सूरेह अल अस्र में "क़ाफ" और 'ख़ा" कितनी मर्तबह आए हैं?

जवाब 3796 : एक एक मर्तबह।

सवाल 3797 : कुर्आन करीम के कुल कितने नाम हैं?

जवाब 3797 : 23 नाम हैं जिन में कुर्आन के इलावह दूस्रा नाम अल फुरक़ान है।

सवाल 3798 : नुजूले कुर्आन की इबतेदा कब से हुई?

जवाब 3798 : 17 रमज़ान, बरोज़ पीर से। (ज़रक़ानी अव्वल सफह 207)

सवाल 3799 : किस सूरेह को नूर कहा गया है जो आप से पहले किसी पर नाज़िल नहीं हुई?

जवाब 3799 : सूरेह फातिहा को। (अल इत्क़ान अव्वल सफह 28)

सवाल 3800 : "वसअलु मन अरसलना मिन क़ब्लिका मिर्रूसुलिना" के नूज़ूल के वक़्त कितने फरिश्तों का नुजूल हुआ?

जवाब 3800 : 20 हज़ार। (अल इत्क़ान अव्वल सफह 37)

सवाल 3801 : क्या कुर्आन मजीद का हिफ्ज़ करना फर्ज़ है?

जवाब 3801 : हाँ! फरज़े किफाया है। (फतावा रज़विया जि. 9 निस्फ अव्वल सफह 104)

सवाल 3802 : कुर्आन करीम के नुजूल का आग़ाज़ किस सने ई. में हुआ?

जवाब 3802 : 7 अगस्त 610 ई० में।

सवाल 3803 : कुर्आन मजीद की कौनसी आयत है जो हज़रत खुबैब व ज़ैद रज़ि यल्लाहु अन्हुमा के बारे में नाज़िल हुई?

जवाब 3803 : "व मैं यशरी नफ्सहुब्तिग़ाअ मरदातिल्लाह"।

सवाल 3804 : कुर्आन मजीद में कितनी जगह दुआ मांगने की ताकीद है?

जवाब 3804 : सत्तर से ज़ाएद मक़ामात पर।

सवाल 3805 : कुर्आन मजीद में कितने मक़ामात पर ख़ैरात की ताकीद आई है?

जवाब 3805 : 150 जग्हों पर।

सवाल 3806 : बक़ौले मुहय्युद्दीन अ़रबी कुर्आने अ़ज़ीम में कितने उलूम हैं?

जवाब 3806 : सत्तर हज़ार।

सवाल 3807 : जो सूरतें मोसमे गर्मा में नाज़िल हूई उन को क्या कहते हैं?

जवाब 3807 : सूरेह सैफी।

सवाल 3808 : जो सूरतैं मोसमे सर्मा में नाज़िल हूई उन को क्या कहते हैं?

जवाब 3808 : सूरए शिताई।

सवाल 3809 : मौलाना महमूदुल हसन, मौलाना अशरफ अ़ली थानवी, मौलाना अ़बदुलकलाम आजा़द और मौलाना अबदुल माजिद दर्या बादी वग़ैरहुम के तराजिमे कुर्आन सरकार आ़ला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि के कंजुल ईमान से पहले के हैं या बाद के?

जवाब 3809 : बाद के हैं।

सवाल 3810 : क्या आप बता सक्ते हैं की सरकार आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि से तरजुमा की फरमाइश किस ने की थी?

जवाब 3810 : हज़रत मौलाना अमजद अ़ली आज़मी रहमतुल्लाहि अलैहि ने।

सवाल 3811 : क्या आप जानते हैं की कंजुल ईमान किस तरह वुजूद में आया?

जवाब 3811 : सरकार आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि तरजुमा बोलते थे और मौलाना अमजद अ़ली आज़मी रहमतुल्लाहि अलैहि लिखते जाते थे।

सवाल 3812 : "व मकरू व मकरल्लाहु वल्लाहु ख़ैरूल्माकिरीन" (पारह 3, रूकूअ़ 13) का तरजुमा मौलाना महमूदुल हसन देवबंदी ने किस तरह किया है?

जवाब 3812 : और मक्र किया उन काफिरों ने और मक्र किया अल्लाह ने और अल्लाह का दाव सब से बेहतर है।(मआज़ल्लाह)

सवाल 3813 : बताइए मेरे आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि ने मज़कूरह आयत का तरजुमा किस तरह किया है?

जवाब 3813 : और काफिरों ने मक्र किया और अल्लाह ने उन के हलाकत की खुफिया तदबीर फरमाई और अल्लाह सब से बेहतर छुपी तदबीर वाला है।

सवाल 3814 : "इन्नल मुनाफिक़ीना युख़ादिऊनल्लाहा वहुवा ख़ादिउहुम"(पारह 5, रूकूअ़ 18) का तरजुमा मौलाना महमूदुल हसन दिवबंदी ने क्या किया है?

जवाब 3814 : अलबत्ता मुनाफिक़ दग़ाबाज़ी करते हैं और अल्लाह से वही उन को दग़ा देगा। मआज़ अल्लाह जबकि दग़ा, फरेब, मक्र जैसे अलफाज़ खुदा की तरफ मंसूब करना एक संगीन जुर्म है और ऐसे मुजरिम की सज़ा क्या होनी चाहिए यह फैस्ला आप ख़ुदही करें।

सवाल 3815 : आप बताइए कि आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि ने इसी आयत का तरजुमा किस तरह पेश किया है?

जवाब 3815 : बेशक मुनाफिक़ लोग अपने गुमान में फरेब दिया चाहते हैं और वही उन्हें ग़ाफिल करके मारे गा।

सवाल 3816 : मुंदर्जा ज़ेल आयत का तरजुमा बताइए देवबंदी आ़लिम मौलाना महमूदुल हसन ने किस तरह किया है "व लम्मा यअ़लमिल्लाहुल्लज़ीना जाहदू मिंकुम व यअलमस्साबिरीन 5"?

जवाब 3816 : और अभी तक मालूम नहीं किया अल्लाह ने जो लड़ने वाले हैं तुम में और मालूम नहीं किया साबित रहने वालों को। (मआ़ज़अल्लाह) अंबिया की तंक़ीस और उन के इलमे ग़ैब से इनकार तो करते ही हैं खुदा की ज़ात में भी ग़ैब से मुनकिर नज़र आरहे हैं। तरजुमा से ऐसा लगता है की खुदा को पहले किसी बात का इल्म नहीं था जब्की वह शहे रग से भी ज़ियादह क़रीब है।

सवाल 3817 : इसी आयत का तरजुमा आ़ला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि ने किस अंदाज़ में किया है?

जवाब 3817 : और अभी अल्लाह ने तुम्हारे ग़ाज़ियों का इमतिहान न लिया और न सब्र करने वालों की आज़माइश की।

नोट : अक़्ल की गुत्थियों को सुल्झाने और क़ल्बी अम्राज़ को दूर करने के लिये देवबंदी हज़रात कन्ज़ुल ईमान पढ़ें और अपने मुतरजिमों से सवाल करें की ज़ालिम तूने क्या लिखदिया, खुद तो गुम्राह था और उसी हालत में दुनिया से चला गया और अपने पैरूकारों के लिये गुम्राह कुन नुस्ख़ा भी दे गया।

सवाल 3818 : बताइए "व वजदका दाल्लन फहदा" का तरजुमा मौलाना महमूदुल हसन देवबंदी ने क्या किया है?

जवाब 3818 : और पाया तुझको भटकता फिर राह सुझाई।

(मआज़अल्लाह)

सवाल 3819 : सरकार आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि ने इस आयत का तरजुमा किस तरह फरमाया है?

जवाब 3819 : और तुम्हें अपनी मुहब्बत में खुद रफतह पाया तो अपनी तरफ राह दी।

नोट: दोनों तर्जुमों का तक़ाबुली जाइज़ह लीजिये एक तरफ देवबंदी आ़लिम है और दुस्री जानिब आला हज़रत हैं, ज़ालिम ने उस नबी को भटका हुआ बताया जो हमारी दस्तगीरी के लिये आए, गुम्राहों को सिराते मुस्तक़ीम का पता बताने आए, इतना तो सोचा होता की जब हादी भटका और राह से बेराह होगा तो उस की क़ौम राहे रास्त पर कैसे आसक्ती है? आ़ला हज़रत ने खुद रफ्तह फरमाया जिस पर उम्मत के इज्तेमाई अक़ीदे का इत्लाक़ होता है।

सवाल 3820 : "इन्ना फतहना लका फत्हम मुबीना, लियग़फिरा लकल्लाहु मा तक़द्दमा मिनं ज़म्बिका व मा तअख़्ख़र" का तरजुमा देवबंदियों के हकीमुल उम्मत अशरफ अ़ली थानवी ने क्या किया है?

जवाब 3820 : बेशक हम ने आप को खुल्लम खुल्ला फतेह दी ताकी अल्लाह तआ़ला आप की सब अगली पिछली ख़ताऐं मआ़फ फरमादे।

(मआ़ज़अल्लाह)

सवाल 3821 : इमाम अहमद रज़ा रहमतुल्लहि अलैहि ने इस आयत का तरजुमा क्या नक़ल करवाया है?

जवाब 3821 : बेशक हम ने तुम्हारे लिये रौशन फतेह दी ताकी अल्लाह तआला तुम्हारे सबब से गुनाह बख़शे तुम्हारे अगलों के और तुम्हारे पिछलों के।

नोट : कहिये थानवी साहिब हकीमुल उम्मत बन्ने का शर्फ कैसे हासिल कर लिया था तुम्हारे नज़दीक रसूल गुनहगार, ख़ताकार और उस की ख़ताऐं फतहे मक्का के ज़रीए से आप मआफ कर वा रहे हैं लेकिन तुम्हारी ख़ताऐं कौन मआफ करवाऐगा?

हकीमुलउम्मत साहिब ने उम्मत का हकीम होने का तो हक़ अदा कर दिया लेकिन उम्मती होने के हक़ को अदा न कर सके। ऐ वहाबियो! देवबंदियो! आज तुम उसी तरजुमए कुर्आन की इशाअ़त कर रहे हो जिसके तरजुमे से रसूल दुशमनी की बू आ रही है। याद रख्खो तुम भी अपने हकीमुल उम्मत के साथ उसी वादी में जाओ गे जहाँ दर्द नाक अ़ज़ाब से दोचार होना पड़ेगा। इमामे इश्क़ व मुहब्बत आ़ला हज़रत रहमतुल्लाही अलैही फरमाते हैं।

तुझ से और जन्नत से क्या मतलब वहाबी दूर हो
हम रसूलुल्लाह के जन्नत रसूलुल्लाह की

सवाल 3822 : सरकार मुहद्दिसे आ़ज़मे हिंद कछौछवी रहमतुल्लाहि अलैहि कनज़ुल ईमान के सिलसिले में क्या फरमाते हैं?

जवाब 3822 : आ़ला हज़रत शैख़ सअ़दी के फारसी तरजुमे को सराहा करते थे लेकिन अगर शैख़ सअ़दी उर्दू ज़बान के इस तरजुमे को देख पाते तो फरमादेते तरजुमए कुर्आन दीगर अस्त व इलमे कुर्आन शैए दीगर अस्त।

सवाल 3823 : बताइए सरकार आ़ला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि ने जब तरजुमए कुर्आन किया था उस वक़्त आपकी उम्र कितनी थी?

जवाब 3823 : सन ईस्वी के मुताबिक़ 55 साल और हिजरी के मुताबिक़ 58 साल।

सवाल 3824 : अक्सर मुतरजिमीन ने नबी का तरजुमा नबी ही किया है लेकिन आ़ला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि ने इलमे लोग़त के एतबार से इसका तरजुमा क्या किया है?

जवाब 3824 : ग़ैब की ख़बरें बताने वाला।

सवाल 3825 : सरकार आ़ला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि के तरजुमए कुर्आन को इल्हामी तरजुमा किस ज़ाते गिरामी ने बताया?

जवाब 3825 : सरकार मुहद्दिसे आ़ज़मे हिंद कछौछवी रहमतुल्लाहि अलैहि ने।

सवाल 3826 : कुर्आन मजीद में किन अम्बियाए किराम के असमाए मुबारका सराहतन मज़कूर हैं?

जवाब 3826 : 1. आदम, 2. नूह, 3. इद्रीस, 4. इब्राहीम, 5. इस्माईल, 6. इस्हाक, 7. यअकूब, 8. यूसुफ, 9. लूत, 10. हूद, 11. सालेह, 12. शुऐब, 13. मूसा, 14. हारून, 15. दाऊद, 16. सुलेमान, 17. जुलकिफ्ल, 18. यूनुस, 19. इलयास, 20. अय्यूब, 21. अलयसअ, 22. ज़करिया, 23. यहया, 24. उज़ेर, 25. ईसा अलैहिमुस्सलाम, 26 हज़रत मुहम्मद मुस्तफा सल्लल्लाहु अलैही व सल्लम।

तौरेत

सवाल 3827 : तौरेत किस नबी पर नाज़िल हुआ?

जवाब 3827 : हज़रत मूसा अलैहिस्सलाम पर।

सवाल 3828 : किताबुज़्ज़ौज और किताबुल खुलूस किस किताब को कहते हैं?

जवाब 3828 : तौरेत को।

सवाल 3829 : तौरेत में सूरेह आले इम्रान का नाम क्या ह?

जवाब 3829 : तैइबह। (अल इत्कान अव्वल सफह 72)

सवाल 3830 : सूरेह कहफ को तौरेत में किस नाम से याद किया गया है?

जवाब 3830 : अल आसिलह से। (अल इत्कान अव्वल सफह 72)

सवाल 3831 : तौरेत में सूरेह कमर का नाम क्या है?

जवाब 3831 : अल मुबय्यज़ह। (अल इत्कान अव्वल सफह 72)

सवाल 3832 : तौरेत में कितनी सूरतें नाज़िल हुई?

जवाब 3832 : एक हज़ार सूरतें, हर सूरेह में एक हज़ार आयात। (हाशिया जलालैन सफह 165)

सवाल 3833 : तौरेत किस ज़बान में नाज़िल हुई?

जवाब 3833 : इब्रानी ज़बान में। (अल मलफूज़ जि. 4 स. 14)

सवाल 3834 : तौरेत किस तारीख़ में नाज़िल हुई?

जवाब 3834 : 6 रमज़ान और बअज़ ने यौमुन्नहर (दसवीं ज़िल्हिज्जा) बताया है? (अल इत्कान अव्वल सफह 41)

सवाल 3835 : तौरेत में कितनी तख़्तियाँ थीं?

जवाब 3835 : 10 तख़्तियाँ जो जन्नत के दरख़्त सिद्रा की थीं।

सवाल 3836 : तौरेत की ज़खामत किस क़द्र थी?
जवाब 3836 : सत्तर ऊंटों के बोझ के बराबर, एक जुज़ की तिलावत एक साल में होती थी। (अशअ़तुल लमआत जिल्द 1, सफह 89)

ज़बूर

सवाल 3837 : ज़बूर किस नबी पर नाज़िल हुई?
जवबा 3837 : हज़रत दाऊद अलैहिस्सलाम पर।
सवाल 3838 : ज़बूर सुहफे इब्राहीम के कितने साल बाद नाज़िल हुई?
जवाब 3838 : 3 सौ साल बाद।
सवाल 3839 : ज़बूर किस तारीख़ में नाज़िल हुई?
जवाब 3839 : 12 या 13 रमज़ान को। (हाशिया शरेह अक़ाएद सफह 101) (अलइतक़ान जिल्द 1, सफह 41 पर 18 रमज़ान लिखा है।)
सवाल 3840 : ज़बूर तौरेत के कितने साल बाद नाज़िल हुई?
जवाब 3840 : 482 साल के बाद। (अलबदायह वन्निहायह जि. 2, स. 78)
सवाल 3841 : ज़बूर में कितनी सूरतैं थीं?
जवाब 3841 : 150। (अलइतक़ान अव्वल, सफह 88)
सवाल 3842 : ज़बूर किस ज़बान में नाज़िल हुई?
जवबा 3842 : सुरयानी ज़बान में। और उम्दतुल्क़ारी अव्वल स. 35 पर इब्रानी बताया गया है ।

इंजील मुक़द्दस

सवाल 3843 : इंजील किस पैग़मबर पर नाज़िल हुई ?
जवाब 3843 : हज़रत ईसा अलैहिस्सलाम पर।
सवाल 3844 : इंजील किस तारीख़ में नाज़िल हुई?
जवाब 3844 : 4 या 12 या 13 रमज़ान को।
(उम्दतुलक़ारी शरेह बुख़ारी अव्वल सफह 76)
सवाल 3845 : इंजील ज़बूर के कितने साल बाद नाज़िल हुई?
जवाब 3845 : एक हज़ार पचास साल के बाद।
(अलबदायह वन्निहायह जिल्द 2, सफह 78)
सवाल 3846 : इंजील किस ज़बान में नाज़िल हुई?

जवाब 3846 : सुरयानी ज़बान में। (अल मलफूज़ जि. 4 स. 14)

सवाल 3847 : कुल आस्मानी किताबों की तअ़दाद बताइए?

जवाब 3847 : एक सो चार, जिन में दस सहीफे, 4 बड़ी किताबें हैं।

सवाल 3848 : चारों आस्मानी बड़ी किताबों के नाम बताइए?

जवाब 3848 : तौरेत, ज़बूर, इंजील, कुर्आन मजीद।

सवाल 3849 : कितने नबियों पर आस्मानी किताबें नाज़िल हुईं?

जवबा 3849 : आठ। (शरेह अक़ाएद सफह 101)

सवाल 3850 : सुहुफे इब्राहीम किस तारीख़ में नाज़िल हुई?

जवाब 3850 : रमज़ान की पहली तारीख़ को।

(शरेह बुख़ारी उमदतुल्क़ारी सफह 76)

सवाल 3851 : दूसरी छोटी आस्मानी किताबों को क्या कहते है ?

जवाब 3851 : सहीफे।

सवाल 3852 : आस्मानी मशहूर किन किताबों में तरमीम व तनसीख़ हो चुकी है?

जवाब 3852 : तौरेत, ज़बूर, इंजील में।

मलाइका

सवाल 3853 : चारों बड़े फरिश्तों के नाम बताइए?

जवाब 3853 : जिब्राईल, मीकाईल, इस्राफील, इज़राईल अलैहिमुस्सलाम।

सवाल 3854 : फरिश्ते क्या चीज़ हैं?

जवाब 3854 : इनसान की तरह अल्लाह तआ़ला की एक मख़लूक़ हैं लेकिन वह नूर से पैदा किये गए हैं।

सवाल 3855 : क्या हर फरिश्ते पर ईमान लाना ज़रूरी है?

जवाब 3855 : जी हाँ! सारे फरिश्तों पर ईमान लाना ज़रूरी है।

सवाल 3856 : सब से पहले ख़ानए कअ़बा का तवाफ किस ने क्या?

जवाब 3856 : फरिश्तों ने।

सवाल 3857 : फरिश्तों के क़िब्ला का नाम बताइए?

जवाब 3857 : बैतुल मअ़मूर।

सवाल 3858 : रूहुल अमीन किस फरिश्ते का लक़ब है?

जवाब 3858 : हज़रत जिब्राईल अलैहिस्सलाम का।

सवाल 3859 : आसमान पर सब से पहले अज़ान किस ने दी?

जवाब 3859 : हज़रत जिब्राईल अलैहिस्सलाम नें

सवाल 3860 : हज़रत जिब्राईल अलैहिस्सलाम का काम बताइए?

जवाब 3860 : अल्लाह का पैग़ाम अंबिया तक पहुंचाना।

सवाल 3861 : सब से पहले "सुब्हानल्लाह" किस फरिश्ते ने कहा?

जवाब 3861 : हज़रत जिब्राईल अलैहिस्सलाम ने।

सवाल 3862 : सय्यदुल मलाइका का लक़ब किस फरिश्ते को अ़ता हुआ?

जवाब 3862 : हज़रत जिब्राईल अलैहिस्सलाम को।

सवाल 3863 : हज़रत जिब्राईल अलैहिस्सलाम के घोड़े का नाम बताइए?

जवाब 3863 : हैज़ूम।

सवाल 3864 : कुर्आन पाक में हज़रत जिब्राईल अलैहिस्सलाम को किन सिफाती नामों से याद किया गया है?

जवाब 3864: रूहुल अमीन और रूहुल कुदुस से।

सवाल 3865 : हज़रत जिब्राईल अलैहिस्सलाम का अस्ल नाम बताइए?

जवाब 3865 : अब्दुल जलील, कुन्नियत अबुल फतेह।

(उम्दतुलका़री अव्वल सफह 45)

सवाल 3866 : हज़रत मीकाईल अलैहिस्सलाम किस काम पर मअ़मूर हैं?

जवाब 3866 : बारिश का इंतिज़ाम करने और जानदार मख़लूक़ को रिज़्क़ पहुंचाने पर।

सवाल 3867 : हज़रत मीकाईल अलैहिस्सलाम का अस्ल नांम बताइए?

जवाब 3867 : अब्दुर्रज़्ज़ाक़ कुन्नियत अबुल ग़नाएम है।

(उम्दतुलका़री अव्वल सफह 45)

सवाल 3868 : रहमते आ़लम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की बारगाह में हाज़िर होने वाले उस फरिश्ते का नाम बताइए जो आप से पहले और बाद में किसी के पास हाज़िर न हो सका?

जवाब 3868 : हज़रत इस्राफील अलैहिस्सलाम।

सवाल 3869 : हज़रत इस्राफील अलैहिस्सलाम का अस्ल नाम बताइए ?

जवाब 3869 : अब्दुल ख़ालिक़ कुन्नियत अबुल मनाफिख़।

(उम्दतुलका़री अव्वल सफह 45)

सवाल 3870 : हज़रत इस्राफील अलैहिस्सलाम किस काम के लिये मुवक्किल हैं?

जवाब 3870 : क़यामत के दिन सूर फूकेंगें।

सवाल 3871 : सब से पहले "सुब्हाना रब्बियल आ़ला" किसने पढ़ा?

जवाब 3871 : हज़रत इस्राफील अलैहिस्सलाम ने।

सवाल 3872 : वह कौन से फरिश्ते हैं जो मुसलमानों की क़ब्र पर क़यामत तक तस्बीह करते हैं?

जवाब 3872 : किरामन कातिबीन।

सवाल 3873 : रोज़े हश्र मैदाने हश्र की तरफ बुलाने वाले फरिश्ता का नाम बताइए?

जवाब 3873 : हज़रत इस्राफील अलैहिस्सलाम।

सवाल 3874 : हज़रत इस्राफील अलैहिस्सलाम किस जगह खड़े होकर लोगों को आवाज़ देंगे?

जवाब 3874 : बैतुल मुक़द्दस की चटान पर। (सावी जिल्द 3 सफह 56)

सवाल 3875 : हज़रत इज़राईल अलैहिस्सलाम का अस्ल नाम क्या है?

जवाब 3875 : अबदुल्जब्बार, कुन्नियत अबूयहया। (उम्दतुलक़ारी अव्वल सफह 45)

सवाब 3876 : जानदार मख़लूक़ की रूह क़ब्ज़ करने वाले फरिश्ते का नाम बताइए?

जवाब 3876 : हज़रत इज़राईल अलैहिस्सलाम।

सवाल 3877 : मलकुल मौत किस फरिश्ते का लक़ब है?

जवाब 3877 : हज़रत इज़राईल अलैहिस्सलाम का।

सवाल 3878 : बंदों के अच्छे बुरे आ़माल लिखने वाले फरिश्तों के नाम बताइए?

जवाब 3878 : किरामन कातिबीन।

सवाल 3879 : क़ब्र में सवाल करने वाले फरिश्तों के नाम क्या हैं?

जवाब 3879 : मुन्कर नकीर।

सवाल 3880 : शबे क़द्र में आ़माल का नुस्खा जिस फरिश्ता के हवाले किया जाता है उस्का नाम बताइए?

जवाब 3880 : हज़रत इस्माईल अलैहिस्सलाम।
(रूहुल मआ़नी जिल्द 3, सफह 84)

सवाल 3881 : मलाइका में हज़रत आदम अलैहिस्सलाम को सब से पहले सज्दह किन फरिश्तों ने किया?

जवाब 3881 : हज़रत जिब्राईल, मीकाईल, इस्राफील, इज़राईल अलैहि – मुस्सलाम ने, फिर मलाइका मुक़र्रिबीन ने, और यह सज्दह ज़वाले अस्र से गुरूबे आफताब तक जारी रहा।

सवाल 3882 : अ़र्श का तवाफ करने वाले और मलाइका में साहेबि सियादत कौन फरिश्ते हैं?

जवाब 3882 : करूबीं।

सवाल 3883 : हामिलीने अ़र्श यानी अ़र्श को उठाने वाले कितने फरि ते हैं?

जवाब 3883 : आठ (8)।

सवाल 3884 : क़्यामत के दिन ज़मीन समेटने वाले फरिश्ते का नाम बताइए?

जवाब 3884 : हज़रत रियाफील अलैहिस्सलाम।

सवाल 3885 : बैतुल मअ़मुर में जो फरिश्तों का क़िबला है सब से पहले कौन फरिश्ता दाख़िल हुआ?

जवाब 3885 : हज़रत इसमाईल अलैहिस्सलाम।

सवाल 3886 : फरिश्तों में सब से पहले अल्लाह तअला ने किस को पैदा फरमाया?

जवाब 3886 : हज़रत इसराफील अलैहिस्सलाम को।

सवाल 3887 : मीहं (पानी) बरसाने की ख़िदमत पर माअमुर फरिशते का नाम बताइये?

जवाब 3887 : हज़रत रअद अलैहिस्सलाम, हाथ में आग का कोड़ा है जिसका नाम साइक़ा है उसी कोड़े की चमक को बर्क़ और बिजली कहते हैं।

सवाल 3888 : फरिशते इन्सान से कितने हिस्से ज़्यादह हैं?

जवाब 3888 : नौ हिस्से। (माहनामा आला हज़रत दिसम्बर सन 1982 ई०)

सवाल 3889 : बताइये फरिशते कैसे हैं?

जवाब 3889 : लतीफ जिस्म रखते हैं और नूर से पैदा किये गए हैं।
(तकमीलुल ईमान सफह 9)

सवाल 3890 : दोज़ख़ पर अज़ाब देने के लिये कौन फरिशते मुक़र्रर हैं?

जवाब 3890 : ज़बानिया। (ज़रक़ानी जिल्द 6 सफह 82)

नमाज़ अफ़्ज़लुल इबादात

मुनव्वर है वह दिल जिस में इलाही ज़िक्र तेरा है
नहीं जिस दिल में तेरी याद उस दिल में अंधेरा है

सवाल 3891 : किन वक़्तों में नमाज़ पढ़ना मम्नूअ़ है?
जवाब 3891 : तुलूअ़ए आफताब, ज़वाले आफताब, गुरूबे आफताब।
सवाल 3892 : दुआए कुनूत किस नमाज़ में पढ़ी जाती है?
जवाब 3892 : नमाज़े वित्र में।
सवाल 3893 : तरावीह की नमाज़ किस महीने में पढ़ी जाती है?
जवाब 3893 : रमज़ानुल मुबारक में।
सवाल 3894 : नमाज़े तरावीह कितनी रकअ़त पढ़ी जाती है?
जवाब 3894 : 20 रकअ़त।
सवाल 3895 : मग़रिब की कितनी रकअ़त और कब पढ़ी जाती है?
जवाब 3895 : बादे गुरूबे आफताब सात रकअ़त।
सवाल 3896 : नमाज़े मग़रिब में कितनी रकअ़तें फर्ज़ हैं?
जवाब 3896 : 3 रकअ़त।
सवाल 3897 : नमाज़ में रुकूअ़ में जाकर क्या पढ़ते हैं?
जवाब 3897 : सुब्हाना रब्बियल अज़ीम।
सवाल 3898 : नमाज़ में सज्दह में जाकर क्या पढ़ते हैं?
जवाब 3898 : सुब्हाना रब्बियल आला।
सवाल 3899 : नमाज़ में बादे तशहहुद जो दरूद शरीफ पढ़ते हैं उसे क्या कहते हैं?
जवाब 3899 : दरूदे इब्राहीमी।
सवाल 3900 : ज़ोहर की नामज़ कुल कितनी रकअ़त पढ़ी जाती है?
जवाब 3900 : 12 (बारह)।
सवाल 3901 : नमाज़े ज़ोहर में फर्ज़ कितनी रकअ़त है?
जवाब 3901 : चार रकअ़त (4)।
सवाल 3902 : फज्र नमाज़ में कितनी रकअ़तें और कौन कौनसी पढ़ी जाती हैं?
जवाब 3902 : 4 रकअ़त, 2 सुन्नत 2 फर्ज़।
सवाल 3903 : इशा में कुल कितनी रकअ़तें पढ़ी जाती हैं?
जवाब 3903 : 17 सत्रह रकअ़तें।
सवाल 3904 : नमाज़े वित्र किस वक़्त की नमाज़ में पढ़ी जाती है?

जवाब 3904 : इशा में।
सवाल 3905 : पाँचों वक़्त की नमाज़ों के नाम बताइए?
जवाब 3905 : फज्र, ज़ोहर, अ़स्र, मग़रिब, इशा।
सवाल 3906 : नामज़ शुरू करने के वक़्त कानों तक हाथ उठा कर क्या कहते हैं?
जवाब 3906 : अल्लाहु अक्बर।
सवाल 3907 : कानों तक हाथ उठा कर अल्लाहु अक्बर कहते हुवे हाथ बांधने के अ़मल को क्या कहा जाता है।
जवाब 3907 : तक्बीरे तहरीमा।
सवाल 3908 : एक या एक से ज़ाएद रकअ़तें हो जाने के बाद जमाअ़त में शामिल होने वाले नमाज़ी को क्या कहते हैं?
जवाब 3908 : मस्बूक़।
सवाल 3909 : नामज़ की हालत में कोई ग़लती या कमी बेशी हो जाने पर किया क्या जाता है?
जवाब 3909 : सज्दह सह्व।
सवाल 3910 : नामज़े अ़स्र में फर्ज़ नामज़ कितनी रकअ़त पढ़ी जाती है?
जवाब 3910 : चार रकअ़त।
सवाल 3911 : सज्दह सह्व में कितने सज्दह होते हैं?
जवाब 3911 : दो सज्दे।
सवाल 3912 : सज्दए तिलावत में कितने सज्दे हैं?
जवाब 3912 : सिर्फ एक।
सवाल 3913 : नमाज़ की हालत में घुटने तक झुक्ने के अ़मल को क्या कहते हैं?
जवाब 3913 : रुकुअ़।
सवाल 3914 : ईदैन की नामज़ें फर्ज़ हैं या वाजिब?
जवाब 3914 : वाजिब।
सवाल 3915 : नामज़े ईदैन में कितनी ज़ाएद तक्बीरें पढ़ी जाती हैं?
जवाब 3915 : हनफी में छे और शाफई में बारह तक्बीरें।
सवाल 3916 : इमाम के पीछे नामज़ पढ़ने वाले को क्या कहते हैं?
जवाब 3916 : मुक़्तदी।
सवाल 3917 : मुसाफिर की नमाज़ का नाम बताइए?

जवाब 3917 : नामज़े क़स्र।

सवाल 3918 : वह कौन सी नमाजें हैं जिन के लिये अज़ान नहीं?

जवाब 3918 : नमाज़े जनाज़ह और ईदैन की नमाजें।

सवाल 3919 : मस्जिद में दाख़िल होते वक़्त कौनसी नमाज़ पढ़ी जाती हैं?

जवाल 3919 : तहिय्यतुल मस्जिद।

सवाल 3920 : मस्जिद में दाख़िल होते वक़्त पहले कौनसा पाँव अन्दर दाख़िल करना चाहिये?

जवाब 3920 : दायाँ (सीधा) और बाहर निकल्ते वक़्त पहले बायाँ (उल्टा) पाँव निकाल्ना चाहिये।

सवाल 3921 : इमाम के पीछे नमाज़ पढ़ने के अ़मल को क्या कहते हैं?

जवाब 3921 : इक़्तेदा।

सवाल 3922 : नमाज़ पढ़ते वक़्त जो चीज़ साम्ने रख्खी जाती है आड़ की ग़र्ज़ से उसको क्या कहते हैं?

जवाब 3922 : सुत्रह।

सवाल 3923 : बग़ैर रूकूअ़ व सुजूद के कौनसी नामज़ पढ़ी जाती है?

जवाब 3923 : नमाज़े जनाज़ह।

सवाल 3924 : नाबालिग़ बच्चे पर नमाज़ फर्ज़ है की नहीं?

जवाब 3924 : नमाज़ फर्ज़ नहीं है मगर पढ़ने पर आमादह करना चाहिये।

सवाल 3925 : बारिश की त़लब के लिये कौनसी नमाज़ पढ़ी जाती है?

जवाब 3925 : नमाज़े इस्तिस्क़ा।

सवाल 3926 : क़स्र नमाज़ किसे कहते हैं?

जवाब 3926 : चार रकअ़त नमाज़ फर्ज़ को हालते सफर में दो रकअ़त नमाज़ पढ़ने का नाम क़स्र है।

सवाल 3927 : आशूरह की नामज़ कितनी रकअ़त पढ़ी जाती है?

जवाब 3927 : चार रकअ़त।

सवाल 3928 : नामज़ में सूरेह फातिहा का पढ़ना कैसा है?

जवाब 3928 : वाजिब।

सवाल 3929 : सज्दह कितने तरह का होता है?

जवाब 3929 : दो क़िस्म का, एक सज्दए इबादत जिस में मक़्सूद बंदगी हो और दूस्रा सज्दए तहिय्यत जिस में मस्जूद की तअ़ज़ीम होती है।

सवाल 3930 : रात में पढ़ी जाने वाली दोनों नमाज़ों के नाम बताइए?

जवाब 3930 : मग़रिब व इशा।

सवाल 3931 : वह कौनसी नमाज़ है जिस के लिये दो अज़ानें पढ़ी जाती हैं?

जवाब 3931 : नमाज़े जुमा।

सवाल 3932 : रोज़े जुमा को जुमा क्यों कहते हैं?

जवाब 3932 : इस दिन नमाज़ियों का इज्तिमाअ़ होता है?

सवाल 3933 : जुमा की नमाज़ कितनी रक्अ़त पढ़ी जाती है?

जवाब 3933 : 14 रक्आ़त।

सवाल 3934 : सूरज गहन की नमाज़ का नाम क्या है?

जवाब 3934 : नमाज़े कुसूफ।

सवाल 3935 : चाँद गहन की नामज़ का नाम क्या है?

जवाब 3935 : नामज़े ख़ुसूफ।

सवाल 3936 : नमाज़े पंजगाना की फर्ज़ियत कब हुई ?

जवाब 3936 : जब रहमते आ़लम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम मेअ़राज तश्रीफ ले गए।

सवाल 3937 : नमाज़ में हाथ बांधकर खड़े होने के अ़मल को क्या कहते हैं?

जवाब 3937 : क़याम।

सवाल 3938 : सूरज के रौशन होने के बाद क़ब्ले ज़वाल कौनसी नामज़ पढ़ी जाती है?

जवाब 3939 : चाश्त।

सवाल 3940 : नमाज़े अव्वाबीन कब पढ़ी जाती है?

जवाब 3940 : बादे नमाज़े मग़रिब।

सवाल 3941 : बादे तुलूअ़े आफ्ताब कौनसी नमाज़ पढ़ी जाती है?

जवाब 3941 : नमाज़े इश्राक़।

सवाल 3942 : निस्फ शब में बेदार होकर जो नामज़ पढ़ी जाती है उसका नाम बताइए?

जवाब 3942 : नमाज़े तहज्जुद।

सवाल 3943 : नमाज़े जनाज़ह मुसलमानों पर फर्ज़ है या वाजिब?

जवाब 3943 : फर्ज़े किफ़ाया है, बस्ती के अगर एक शख़्स ने भी पढ़ ली तो सब बरीउज़्ज़िम्मा वर्ना सब गुनहगार।

सवाल 3944 : बताइए नमाज़े जनाज़ह की इब्तिदा किस से हुई?

जवाब 3944 : हज़रत आदम अलैहिस्सलाम से, फरिश्तों ने नमाज़े जनाज़ह पढ़ी। (फतावा रज़्विया दोम, सफह 467)

सवाल 3945 : बताइए नमाज़े जनाज़ह में कहाँ खड़ा होना अफ्ज़ल है?

जवाब 3945 : आख़िरी सफ में। (फतावा रज़्विया दोम, सफह 468)

सवाल 3946 : उस नमाज़ी को क्या कहते हैं जो निय्यत बांधने से ले कर सलाम फेरने तक इमाम की इक़्तिदा में रहाहो?

जवाब 3946 : मुद्रिक।

सवाल 3947 : अकेले नमाज़ पढ़ने वाले नमाज़ी को क्या कहते हैं?

जवाब 3947 : मुंफरिद।

सवाल 3948 : किस सूरत में नंगे सर नमाज़ पढ़ना वाजिब है?

जवाब 3948 : मर्द को हालते इहराम में। (कुतुबे आम्मा)

सवाल 3949 : दाख़िले मस्जिद की उस जगह का नाम बताइए जहाँ नमाज़ पढ़ना मक्रूह है?

जवाब 3949 : जिस जगह को अपने लिये ख़ास कर लिया हो। (अल अश्बाह वन्नजाएर सफह 402)

सवाल 3950 : सब से पहले कौन सी नमाज़ पढ़ी गई?

जवाब 3950 : नमाज़े ज़ुहर।

सवाल 3951 : वह कौन सा नमाज़ी है जिस के लिये पंज वक़्ता नमाज़ में अलहम्दु पढ़ना हराम है?

जवाब 3951 : मुक़्तदी। (फतावा रज़्विया सोम, सफह 247)

सवाल 3952 : कब तीन मुक़्तदी न हों तो नमाज़ नहीं हो सक्ती?

जवाब 3952 : जुमा में। (दुर्रे मुख़्तार, शामी अव्वल सफह 545)

सवाल 3953 : कअ़बतुल्लाह की जानिब मुंह कर के नमाज़ पढ़ने का हुक्म कब मिला?

जवाब 3953 : सन 2 हिज्री, माहे शअ़बान में, बरोज़ पीर, नमाज़े ज़ुहर से।

सवाल 3954 : नमाज़ की फर्ज़ियत कब हुई?

जवाब 3954 : सन 12 नुबुव्वत में।

सवाल 3955 : उस नमाज़ का नाम बताओ जिस में क़हक़हा लगाने से वज़ू नहीं टूटता?

जवाब 3955 : नमाज़े जनाज़ह।

सवाल 3956 : सब से पहले जुमा के दिन का जुमा नाम किसने रख्खा?

जवाब 3956 : हज़रत कअ़ब बिन लुवा रज़ि यल्लाहु अ़न्हू ने।

सवाल 3957 : रहमते आ़लम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम पर कितने वक़्त की नमाज़ फर्ज़ थी?

जवाब 3957 : छे वक़्त की (तहुज्जुद भी)।

सवाल 3958 : नमाज़ की निय्यत करने के बाद सब से पहले क्या पढ़ा जाता है?

जवाब 3958 : सना।

सवाल 3959 : नमाज़ में रुकूअ़ के बाद सीधा खड़ा हाने के अ़मल का नाम क्या है?

जवाब 3959 : क़ौमा।

सवाल 3960 : नमाज़ में बैठकर घुटने पर हाथ रख्कर तशहहुद पढ़ने के अ़मल को क्या कहते हैं?

जवाब 3960 : क़अ़दा।

सवाल 3961 : बुलंद आवाज़ से क़ेरत वाली नमाज़ को क्या कहते हैं?

जवाब 3961 : जिहरी नमाज़।

सवाल 3962 : कौनसी नमाज़ों की क़ज़ा पढ़ी जाती है?

जवाब 3962 : सिर्फ फर्ज़ नमाज़ और वित्र, लेकिन फज्र की क़ज़ा अगर दोपहर से क़ब्ल पढ़ेंगे तो सुन्नत व फर्ज़ दोनों पढ़ें वर्ना सिर्फ फर्ज़ की।

सवाल 3963 : वाजिबाते नामज़ बताइए कितने हैं?

जवाब 3963 : अट्ठारह (18)।

सवाल 3964 : नमाज़ में कितनी सुन्नतें हैं?

जवाब 3964 : तेईस (23)

सवाल 3965 : बताइए नमाज़े ईद का वक़्त कब से कब तक है?

जवबा 3965 : सवा नेज़े पर सूरज बुलंद होने के वक़्त से निस्फुन्नहार शरई तक।

सवाल 3966 : नमाज़े जनाज़ह की कितनी शरतें हैं?

जवाब 3966 : पाँच, मय्यत का मुसलमान होना, मय्यत का पाक होना, कफन का पाक होना, सर ढका होना, मय्यत का नमाज़ियों के साम्ने रखा होना।

सवाल 3967 : नमाज़े इस्तिस्का पढ़ने का वाक़िआ किस सने हिजरी में पेश आया?

जवाब 3967 : सन 6 हिजरी में,) (ज़ियाउन्नबी चहारुम, स. 167)

सवाल 3968 : नमाज़े कुसूफ (सूरज गहन की नमाज़) कब शुरूअ़ हुई?

जवाब 3968 : सन 6 हिजरी में।

सवाल 3969 : नमाज़ की शरतैं कितनी क़िस्म पर कौन कौनसी हैं?

जवबा 3969 : नमाज़ की शरतैं दो क़िस्म पर है। एक नमाज़ फर्ज़ होने की, दूसरी नमाज़ सहीह होने की।

जवाब 3970 : नमाज़ फर्ज़ होने की शरतें बताइये?

जवाब 3970 : छे शरतैं हैं: तहारत, सत्रे औरत, इस्तिक़्बाले क़िब्ला, वक़्त, निय्यत और तक्बीरे तहरीमा।

सवाल 3971 : फराइज़े नमाज़ बताइए?

जवाब 3971 : सात: तक्बीरे तहरीमा, क़याम, क़िरत, रुकूअ़, सुजूद, क़ादए अख़ीरह, ख़ुरूज बिसुनेही।

सवाल 3972 : नमाज़े जनाज़ह में कितने फराइज़ होते हैं?

जवाब 3972 : दो, चार बार अल्लाहु अक्बर कहना, क़याम यानी खड़ा रहना।

सवाल 3973 : किस सूरत में अल्हम्दु कहने से नमाज़ न होगी?

जवाब 3973 : ख़ुशी की ख़बर पर।

सवाल 3974 : मुक़्तदी के तक्बीरे तहरीमा कहने से नमाज़ कब न होगी?

जवाब 3974 : मुक़्तदी ने अगर तक्बीरे तहरीमा में लफ्ज़े अल्लाहु इमाम के साथ कहा और अक्बर को इमाम से पहले ख़त्म कर दिया।

सवाल 3975 : किस तरह बात करने से नमाज़ नहीं टूटती है?

जवाब 3975 : सर या हाथ के इशारह से बात करने से नमाज़ नहीं टूटती।

सवाल 3976 : वह कौनसी नमाज़ है जिस में औरत मर्द के बराबर खड़ी होजाए तो मर्द की नमाज़ फासिद न होगी?

जवाब 3976 : नमाज़े जनाज़ह। (बहारे रीअ़त चहारुम, स. 156)

सवाल 3977 : एक मुसलमान ने अपनी ज़मीन में मस्जिद बनाकर वक़्फ कर दिया और अपनी मिल्कियत से भी अलग कर दिया मगर वह मस्जिद न हुई, बताइए उसकी क्या सूरत है?

जवाब 3977 : अगर मस्जिद ऐसी जगह बनाई जहाँ आबाद नहीं हो सक्ती। (फतावा रज़्विया जि. 6, स. 478)

सवाल 3978 : वह कौन सा तेल है जिस का मस्जिद में जलाना हराम है?
जवाब 3978 : मिट्टी का तेल, अगरचे बू ज़ाएल करदी जाए।
(फतावा रज़्विया जिल्द 3, सफह 598)

सवाल 3979 : किस शख़्स को दुआए क़नूत पढ़ना वित्र की नमाज़ में मना है?
जवाब 3979 : जो शख़्स तीसरी रक्अत में शामिल हुआ हो।
(बहारे शरीअत चहारुम, सफह 7)

सवाल 3980 : फज्र की नमाज़ में भी दुआए क़नूत पढ़ना कब जाइज़ है?
जवाब 3980 : जब्की बहुत बड़ा हादिसा पेश आए।
(बहारे शरीअत चहारुम, सफह 7)

सवाल 3981 : किस शख़्स पर ईदुल अज़्हा की नमाज़ वाजिब नहीं है?
जवाब 3981 : हुज्जाजे किराम पर।

सवाल 3982 : वह कौनसा इमाम है जिस को इशा की आख़िरी रकअतों में बुलंद आवाज़ से क़ेरात करने का हुक्म है?
जवाब 3982 : वह इमाम जो इशा की अव्वल दोनों रक्अतों में सूरेह मिलाना भूल गया हो तो वह सूरेह फातिहा और सूरेह बुलंद आवाज़ से पढ़ेगा। (शरेह विक़ाया अव्वल मजीदी स. 149)

सवाल 3983: वह कौनसी आयतें हैं जिन का बअज़ नमाजों में पढ़ना मकरूह है?
जवाब 3983 : सज्दह की अयतें, ईदैन और जुमा और हर सिर्री नमाज़ में।

सवाल 3984 : इमाम और मुक़्तदी सब की नमाज़ें बा जमाअत हुई, फिर इमाम ने कौनसा ऐसा काम किया की जिस से सिर्फ इमाम ने दोबारह नमाज़ पढ़ी?
जवाब 3984 : नमाज़ पढ़ने के बाद इमाम मुरतद होगया और उसी नमाज़ के वक़्त मुसलमान होगया तो सिर्फ इमाम दोबारह नमाज़ पढ़ेगा।

सवाल 3985 : कौन सी सूरत में आमीन कहने से नमाज़ टूट जाती है?
जवाब 3985 : छींक आने पर दूस्रे को यरहमुकुल्लाह कहने पर छींकने वाले ने आमीन कहदी।

सवाल 3986 : किस सूरत में इमाम के साथ सलाम फेरने पर नमाज़ जाती रहे गी?
जवाब 3986 : जिस की रक्अतें छूट गइहों उसकी क़स्दन इमाम के साथ सलाम फेरने से नमाज़ टूट जाएगी। (बहारे शरीअत चहारुम स. 54)

सवाल 3987 : वह कौनसा कपड़ा है जिस को पहेन कर नमाज़ पढ़ना जाइज़ नहीं?

जवाब 3987 : चुराया हुआ या धोबी वग़ैरह के यहाँ से बदला हुआ कपड़ा।

सवाल 3988 : किस सूरत में जिस तरफ चाहे मुंह कर के नमाज़ पढ़ सक्ता है?

जवाब 3988 : कअ़बा शरीफ की इमारत के अंदर।

(फतावा आलमगीरी अव्वल सफह 59)

सवाल 3989 : वह कौनसी नमाज़ैं हैं जिस में क़िरत करना अफ्ज़ल है?

जवाब 3989 : फज्र की दो रक्अ़त सुन्नत में और मग़रिब की नमाज़ में।

सवाल 3990 : वह कौनसी नमाज़ है जिसे तुलूअ व ग़ुरूब और ज़वाल के वक़्त पढ़ना जाइज़ है?

जवाब 3990 : नमाज़े जनाज़ह अगर इन्हीं वक़्तों में लाया गया हो और अगर पहले से तय्यार मौजूद है तो जाइज़ नहीं।

(फतावा आलमगीरी अव्वल सफह 59)

सवाल 3991 : वह कौनसी सूरत है की नमाज़ी ने क़स्दन क़िब्ला की तरफ नमाज़ नहीं पढ़ी और उस्की नमाज़ हो गई?

जवाब 3991 : नफ्ल नमाज़ मुसाफिर ने सवारी पर जान बूझ कर क़िब्ला की तरफ नहीं पढ़ी बल्की जिस रुख़ पर सवारी जा रही थी नमाज़ पढ़ली चूंकी नफ्ल के लिये इस्तिक़बाले क़िब्ला शर्त नहीं। (हिदायह अव्वल सफह 130)

सवाल 3992 : एक शख़्स ने चारों सिम्त नमाज़ पढ़ी और उस्की नमाज़ हो गई ?

जवाब 3992 : जिस शख़्स पर क़िब्ला मुश्तबहा हो गया यानी जिस तरफ यक़ीन हुआ नमाज़ शुरूअ़ करदी फिर राए बदल गई घूम गया, फिर राए बदल गई घूम गया, ऐसाही चारों तरफ नमाज़ पढ़ी।

सवाल 3993 : नाक में पानी ड़ालना और कुल्ली करना कब जाइज़ नहीं?

जवाब 3993 : नमाज़ का वक़्त तंग हो या पानी कम हो।

(अल अश्बाह वन्नज़ाएर सफह 91)

सवाल 3994 : वह कौनसा शख़्स है जिस पर नमाज़ फर्ज़ है मगर वज़ू नहीं और न तयम्मुम?

जवाब 3994 : दोनों हाथ पाँव कटे हों और चेहरा ज़ख़्मी हो।

सवाल 3995 : सलातुल ख़ौफ का आग़ाज़ किस सने हिजरी में हुआ?

जवाब 3995 : माहे जमादिल आख़िर सन 5 हिजरी में।

(ज़ियाउन्नबी जिल्द 4 सफह 98)

सवाल 3996 : नमाज़े ख़ौफ सब से पहले किस मौक़ा पर पढ़ी गई?

जवाब 3996 : सरिय्या बनी ग़ित्फान के मौक़ा पर।

(ज़ियाउन्नबी जिल्द 4 सफह 331)

सवाल 3997 : नमाज़े क़स्र की हद बताइए?

जवाब 3997 : साढ़े सत्तावन मील, चाहे सवार हो या पैदल।

सवाल 3998 : चल्ती रेल में कौन कौनसी नमाज़ें पढ़ी जा सक्ती हैं?

जवाब 3998 : फराइज़ और वाजिबात के इलावह सब नमाज़ें।

सवाल 3999 : बताइए तहज्जुद की नमाज़ कितनी रकअ़त है?

जवाब 3999 : कम से कम दो, मुतवस्सित चार, ज़ियादह से ज़ियादह आठ, सुन्नत यह है की दो दो रकअतें पढ़ी जाएं।

सवाल 4000 : सब से पहले नमाज़े फज्र किस ने अदा की?

जवाब 4000: हज़रत आदम अलैहिस्सलाम ने, सुबह होने की खुशी में।

सवाल 4001 : हज़रत इब्राहीम अलैहिस्सलाम ने अपने फरज़ंद इस्माईल अलैहिस्सलाम की जान महफूज़ रहने और कुबूलियत की खुशी में कौनसी नमाज़ अदा फरमाई?

जवाब 4001 : नमाज़े ज़ुहर। (तहावी)

सवाल 4002 : नमाज़े अ़स्र सब से पहले किस ने अदा की?

जवाब 4002 : हज़रत उ़ज़ैर अलैहिस्सलाम ने, सौ बरस मुर्दह रहने के बाद ज़िंदा होने पर।

सवाल 4003 : ईदुल्फित्र की नमाज़ बा जमाअ़त और सदक़ए फित्र के अहकामात कब नाफिज़ हुवे?

जवाब 4003 : फरवरी सन 624 ई० में।

सवाल 4004 : हज़रत दाऊद अलैहिस्सलाम ने तौबा की कुबूलियत पर कौनसी नमाज़े शुक्राना पढ़ी?

जवाब 4004 : नमाज़े मग़रिब, जब्की चार रकअ़त की निय्यत की थी लेकिन खूशी में तीन ही पर सलाम फेर दिया। (तहावी)

सवाल 4005 : नमाज़े इशा सब से पहले किस ने अदा फरमाई?

जवाब 4005 : रहमते आलम सल्लल्लाहु अलैही व सल्लम ने। (नईमुलइर्फान)

सवाल 4006 : किस सूरत में नंगे सर नमाज़ पढ़ना मक्रूह है?

जवाब 4006 : जबकी नमाज़ की तह्क़ीर मक़्सूद हो।

(बहारे शरीअ़त सोम सफह 167)

सवाल 4007 : बे नमाज़ी क़ैद में ड़ाला जाए ता वक़्ते की तौबा करे किस का फतवा है?

जवाब 4007 : हज़रत इमाम अबू हनीफा रहमतुल्लाही अलैही का।

सवाल 4008 : किस इमाम ने बे नमाज़ी को वाजिबुल क़त्ल क़रार दिया?

जवाब 4009 : हज़रत इमाम शाफई रहमतुल्लाही अलैह ने।

सवाल 3010 : तरके नमाज़ को कुफ्र किस इमाम ने फरमाया?

जवाब 4010 : हज़रत इमाम अहमद बिन हंबल रहमतुल्लाहि अलैहि ने।

सवाल 4011 : सूल्ताने इस्लाम बे नमाज़ी के क़त्ल का हुक्म दे, किस का फरमान है?

जवाब 4011 : हज़रत इमाम मालिक रहमतुल्लाहि अलैहि का।

सवाल 4012 : बे नमाज़ी को मुसलमानों के क़ब्रिस्तान में दफ्न करने से किस ने मना फरमाया है ?

जवाब 4012 : हज़रत सरकारे ग़ौषे आज़म रहमतुल्लाही अलैही ने।

❖❖❖

रमज़ानुल मुबारक और उस्के तअ़ल्लुक़ से

सवाल 4013 : रमज़ानुल मुबारक के रोज़े किस सने हिजरी में फर्ज़ हुए?

जवाब 4013 : सन 2 हिजरी में और बअ़ज़ ने सन 3 हिजरी बताया है।

सवाल 4014 : माहे सियाम किस महीना को कहा जाता है?

जवाब 4014 : रमज़ानुल्मुबारक को।

सवाल 4015 : रोज़े को अ़रबी में क्या कहा जाता है?

जवाब 4015 : सौम।

सवाल 4016 : शहरुल्लाह किस महीना को कहा जाता है?

जवाब 4016 : रमज़ान शरीफ को।

सवाल 4017 : सय्यदु शुहूर किस महीना को कहा जाता है?

जवाब 4017 : रमज़ानुल मुबारक को।

सवाल 4018 : नमाज़े ईद से क़ब्ल मुसलमान जिस सदक़ा को अदा करते हैं उसे क्या कहते हैं?

जवाब 4018 : सदक़ए फित्र।

सवाल 4019 : हज़ार महीने से बेहतर व अफज़ल कौनसी रात कही जाती है?

जवाब 4019 : शबे क़द्र।

सवाल 4020 : रोज़ा खोलने के अमल को क्या कहा जाता है ?

जवाब 4020 : इफ्तार।

सवाल 4021 : रोज़ा की निय्यत से सुबह सादिक़ से क़ब्ल खाने पीने के अमल को क्या कहा जाता है?

जवाब 4021 : सिहरी।

सवाल 4022 : शबे क़द्र किस महीना में आती है?

जवाब 4022 : रमज़ानुल मुबारक में।

सवाल 4023 : सदक़ए फित्र कब वाजिब हुआ?

जवाब 4023 : जिस साल रोज़ा फर्ज़ हुआ।

सवाल 4024 : रोज़हदार जन्नत के किस दर्वाज़े से जन्नत में दाख़िल होंगे?

जवाब 4024 : बाबुर्रय्यान से।

सवाल 4025 : साल के महीना की किन तारीख़ों में रोज़ा रखना हराम है?

जवाब 4025 : (ईदुलफित्र), यकुम शव्वाल, ज़िल्हिज्जा की दस्वीं, गियारहवीं बारहवीं और तेरहवीं को।

सवाल 4026 : ज़कात की फर्ज़ियत किस सन में हुई ?

जवाब 4026 : सन 3 हिजरी में।

सवाल 4027 : सूद की हुर्मत किस सन में हुई?

जवाब 4027 : सन 9 हिजरी में।

सवाल 4028 : रमज़ान का नाम रमज़ान क्यों है?

जवाब 4028 : रमज़ाम माख़ुज है रम्ज़ से (बमअ़ना जलना) चूंकी यह महीना भी गुनाहों को जला देता है या यह की पैरों का जलना चुंकी रमज़ान भी तकलीफे नफ्स और जलन का सबब है।

सवाल 4029 : रमजानुल मुबारक के रोज़े किस सने ईस्वी में फर्ज़ हुवे?

जवाब 4029 : सन 623 ई० में।

सवाल 4030 : साल में एक रात ऐसी भी आती है जिस में समुंदरों का पानी मीठा हो जाता है बताइए वह कौनसी रात है?

जवाब 4030 : शबे क़द्र।

सवाल 4031 : हज़रत जिब्राईल अलैहिस्सलाम सिदरतुल मुंतहा से फरिश्तों की फौज ले कर ज़मीन पर उतरते हैं और चार झंडे लाते हैं एक गुंबदे ख़ज़रा पर, दूसरा बैतुल मुक़द्दस पर तीस्रा खानए कअ़बा पर, चौथा तूरे सीना पर नसब करते हैं बताइये किस रात में ऐसा होता है?

जवाब 4031 : शबे क़द्र में।

सवाल 4032 : किस सूरत में थूक निगलने से रोजा टूट जाता है?

जवाब 4032 : दूसरे का थूक या अपनाही हाथ में ले कर निगलने से।
(फतावा आ़लमगीरी अव्वल मिस्री सफह 190)

सवाल 4033 : किस सूरत में औरतों को रोज़ा रखना हराम है?

जवाब 4033 : औरतों को हैज़ व निफास की हालत में।
(फतावा आ़लमगीरी अव्वल मिस्री सफह 36)

सवाल 4034 : सब से पहले कौनसा रोजा फर्ज़ हुआ?

जवाब 4034 : यौमे आ़शूरा का।

वजू तयम्मुम और अज़ान के तअ़ल्लुक़ से

सवाल 4035 : वजू के लिये पानी न हो तो मिट्टी से चेहरा और हाथ को पाक करने के अ़मल का नाम बताइए?

जवाब 4035 : तयम्मुम।

सवाल 4036 : अजा़न कहने का आगा़ज़ किस सन में हुआ?

जवाब 4036 : सन 2 हिजरी में जब्की बअ़ज़ ने सन 4 हिजरी बताया है।

सवाल 4037 : अजा़न कहने वाले को क्या कहते हैं?

जवाब 4037 : मुअज़्ज़िन।

सवाल 4038 : मुकब्बिर किसे कहते हैं?

जवाब 4038 : तक्बीर कहने वाले को।

सवाल 4039 : अस्सलातु ख़ैरुम्मिनन्नौम किस वक़्त की अज़ान में कहा जाता है?

जवाब 4039 : अज़ाने फज्र में।

सवाल 4040 : सुन्नत तरीक़े से हाथ मुंह पाँव और सर का मसह करने के अमल को क्या कहते हैं?

जवाब 4040 : वजू।

सवाल 4041 : वजू में गर्दन और सर पे हाथ फेर ने के अमल का नाम बताओ?

जवाब 4041 : मसह।

सवाल 4042 : वजू किन किन इबादतों के लिये फर्ज़ और मुस्तहब है?

जवाब 4042 : कुर्आन मजीद छूने के लिये फर्ज़ है और ज़बानी पढ़ने के लिये मुस्तहब है।

सवाल 4043 : साहिबुल अज़ान किस सहाबी का लक़ब है?

जवाब 4043 : हज़रत अब्दुल्लाह बिन ज़ैद रज़ि यल्लाहु अन्हु का।

सवाल 4044 : तयम्मुम के अहकाम कब नाज़िल हुए?

जवाब 4044 : ग़ज़्वए बनी मुस्तलिक़ के दौरान शाअ़बान सन 5 हिजरी, दिसम्बर सन 626 ई० में।

सवाल 4045 : दुनिया में सब से ज़ियादह कौनसी आवाज़ सुनी जाती है?

जवाब 4045 : अज़ान।

सवाल 4046 : वजू का हुक्म कुर्आन के किस पारह में आया है?

जवाब 4046 : छटे पारह में।

सवाल 4047 : वह कौनसा तयम्मुम है जिस से कोई नमाज़ नहीं पढ़ सकता?

जवाब 4047 : जो काम की इबादत मक़्सूद न हो जैसे दाख़िलए मस्जिद, तिलावते कुर्आन, अज़ान व इक़ामत।

(शरेह विक़ाया मजीदी स. 91)

सवाल 4048 : वह कौनसा तयम्मुम है जिस से एक नमाज़ के बाद दूसरी नमाज़ पढ़ना जाइज़ नहीं?

जवाब 4048 : ईदैन या नमाज़े जनाज़ह के ख़ौफ से किया जाने वाला तयम्मुम। (फतावा रज़विया अव्वल स. 582)

नोट: अवाम में म हूर है कि वजू जो नमाज़े जनाज़ह के लिये किया गया उस से दूसरी नमाज़ नहीं पढ़ सक्ते यह ग़लत है।

सवाल 4049 : अज़ान देना किन किन वक़्तों में सुन्नते मुअक्किदह है?

जवाब 4049 : पंज वक़्ता और नमाज़े जुमा के लिये।

(हिदाया अव्वलीन सफह 70)

सवाल 4050 : मुअज़्ज़िन की फज़ीलत हदीस की रोशनी में बताइए?

जवाब 4050 : अगर लोगों को मालूम होता की अज़ान कहने में कितना सवाब है तो उस पर बाहम तलवारें चल्तीं। (बहारे शरीअत)

सवाल 4051 : अज़ान में कुल कितने कलिमे हैं?

जवाब 4051 : अज़ाने फज्र में 17, बाक़ी में 15।

सवाल 4052 : सब से पहले अज़ान किसने दी?

जवाब 4052 : हज़रत आदम अलैहिस्सलाम ने।

सवाल 4053 : औरतों को अज़ान कहना कैसा है?

जवाब 4053 : मक्रूहे तहरीमी।

सवाल 4054 : आयते वज़ू कहाँ नाज़िल हुई?

जवाब 4054 : मदीना मुनव्वरा में मगर वज़ू मक्का में ही फर्ज़ हो चुका था।

सवाल 4055 : इबादत से क़ब्ल अगली उम्मत के लोग क्या करते थे?

जवाब 4055 : अगली उम्मतों में भी वज़ू के अहकाम नाज़िल थे वह वज़ू ही करते थे।

सवाल 4056 : आयते वज़ू किस सूरेह में है?

जवाब 4056 : सूरेह माइदा में।

सवाल 4057 : फराइज़े वज़ू बताइए कितने हैं?

जवाब 4057 : चार, चेहरा का धोना, दोनों हाथ कोहनियों समेत धोना, चौथाई हिस्सा सर का मसह करना, टख़्नों तक दोनों पाँव का धोना।

सवाल 4058 : शाफई मस्लक में वज़ू के कितने फराइज़ हैं?

जवाब 4058 : छे, निय्यत, चेहरा का धोना, दोनों हाथ कोहनियों समेत धोना, सर का मसह करना, टख़्नों तक दोनों पाँव का धोना, तरतीब।

सवाल 4059 : फराइज़े तयम्मुम बताइए कितने हैं?

जवाब 4059 : तीन, दिल से निय्यत करना, तमाम मुंह पर हाथों का फेरना, दोनों हाथों का कोहनियों समेत मसह करना।

सवाल 4060 : सब से पहले अज़ान किस वक़्त कही गई?

जवाब 4060 : फज्र के वक़्त।

सवाल 4061 : अज़ान में कितने फराइज़ हैं?

जवाब 4061 : सिर्फ दो, हय्या अ़लस्सलाह और हय्या अ़लल्फलाह।

सवाल 4062 : वह कौनसी जगह है जहाँ बग़ैर मुसल्ला बिछाए नमाज़ पढ़ना जाइज़ मगर वहाँ तयम्मुम करना नाजाइज़ है?

जवाब 4062 : उस ज़मीन पर जो धूप या हवा से पाक हो।

(शरेह विकाया अव्वल मजीदी सफह 90)

सवाल 4063 : पानी के इस्तेमाल पर क़ादिर है फिर भी तयम्मुम करना जाइज़ है इस्की सूरत क्या है?

जवाब 4063 : नमाज़े जनाज़ह या ईदैन की नमाज़ें छूट जाने का ख़ौफ हो मगर नमाज़े जनाज़ह में वली का तयम्मुम करना जाइज़ नहीं। (फतावा आ़लमगीरी मिस्री अव्वल सफह 29)

❖❖❖

गुस्ल व तहारत और नजासतें

सवाल 4064 : गुस्ल की कितनी क़िस्में हैं?

जवाब 4064 : चार, फर्ज़, वाजिब, सुन्नत, मुस्तहब।

सवाल 4065 : फराइज़े गुस्ल कितने और कौन कौनसे हैं?

जवाब 4065 : तीन, कुल्ली करना, अच्छी तरह नाक में पानी पहुंचाना, पूरे बदन पर इस्क़दर पानी बहाना कि कहीं खुश्क न रह जाए।

सवाल 4066 : नजासत की कितनी क़िस्में हैं?

जवाब 4066 : दो क़िस्में, नजासते ग़लीज़ा, नजासते ख़फीफा।

सवाल 4067 : कपड़े में लगी हुई नजासत किस तरह पाक की जासक्ती है?

जवाब 4067 : कपड़े को तीन मरतबह पानी से खूब धोकर अच्छी तरह निचोड़े तो कपड़ा पाक हो जाता है?

सवाल 4068 : मस्लके शाफई में गुस्ल के कितने फराइज़ हैं?

जवाब 4068 : दो, निय्यत और तमाम बदन पर पानी बहाना।

सवाल 4069 : वह कौनसा पानी है की पाक है मगर उस से वज़ू नाजाइज़ है?

जवाब 4069 : माए मुस्तअ़मल। (फतावा रज़विया अव्वल सफह 272)
सवाल 4070 : वह कौनसा पानी है की वज़ू जाइज़ है मगर पीना हराम है?
जवाब 4070 : जिस में मेंडक या पानी का जानवर मरा हो और अज्ज़ा पानी में मिले हों। (बहारे शरीअ़त दोम सफह 52)
सवाल 4071 : किस सूरत में पाख़ाना पेशाब नजिस नहीं होते हैं?
जवाब 4071 : पाख़ाना पेशाब जब तक जिस्म के अंदर होते हैं।
सवाल 4072 : वह कौनसी चीज़ है जो एक के लिये पाक और दूस्रे के लिये नापाक है?
जवाब 4072 : शहीद का ख़ून ख़ूद उस्के लिये पाक है और दूस्रों के लिये नापाक है। (अल अश्बाह वन्नज़ाएर सफह 86)
सवाल 4073 : वह कौनसा ग़ुस्ल है जिस में एक ही फर्ज़ है?
जवाब 4073 : मय्यत का गुस्ल पूरे बदन पर पानी बहाना।

क़यामत व हश्र व नश्र

सवाल 4074 : क़यामत किस दिन को कहते हैं?
जवाब 4074 : जिस दिन हज़रत इस्राफील अलैहिस्सलाम सूर फूकेंगे।
सवाल 4075 : दज्जाल की पहचान क्या होगी ?
जवाब 4075 : उस्की पेशानी पर काफ, फा, रा, लिखा होगा। मोमिनीन देख्ते ही पहचान लेंगे।
सवाल 4076 : दुनिया में वह कौनसी दो जगहें हैं जहाँ दज्जाल का गुज़र न हो सकेगा?
जवाब 4076 : मक्का और मदीना शरीफ। (तिर्मिज़ी शरीफ दोम सफह 48)
सवाल 4077 : ख़लीफए मेहदी रज़ि यल्लाहु अन्हु का जुहूर कहाँ होगा ?
जवबा 4077 : खानए कअ़बा में, अहले ईमान उन्हें पहचान लेंगे।
सवाल 4078 : साहिबुज़्ज़मां किस का लक़ब है?
जवाब 4078 : हज़रत इमामे मेहदी रज़ि यल्लाहु अन्हु का।
सवाल 4079 : हज़रत मेहदी रज़ि यल्लाहु अन्हु किस की औलाद में से होंगे?
जवाब 4079 : हज़रत इमाम हसन मुज्तबा रज़ियल्लाहु अन्हु की।
सवाल 4080 : मरने के बाद हश्र बरपा होने तक के ज़माने को क्या कहते हैं?
जवाब 4080 : आ़लमे बरज़ख़।

सवाल 4081 : क़ुर्आन पाक में क़्यामत के दिन का ज़िक्र किन नामों से क्या गया है?

जवाब 4081 : यौमुद्दीन, यौमुलहिसाब, यौमुलक़ियामह, यौमुलफ़ज़्ल, यौमुलआख़िर।

सवाल 4082 : क़्यामत के दिन दोज़ख़ के ऊपर जिस पुल से गुज़र होगा उस्का नाम बताइए?

जवाब 4082 : पुलसिरात़।

पाट वह कुछ धार यह कुछ ज़ार हम
या इलाही क्यूं कर उतरें पार हम

सवाल 4083 : सूर किस दिन फूंका जाए गा?

जवाब 4083 : क़्यामत के दिन।

सवाल 4084 : क़्यामत किस दिन क़ाएम होगी?

जवाब 4084 : यौमे आ़शूराह जुमा के दिन।

सवाल 4085 : सूर फूंके जाने का तज़्क़िरह क़ुर्आन हकीम की सूरेह मुदस्सिर में किस नाम से क्या गया है?

जवाब 4085 : नाक़ूर से। (सूरे इस्राफील अ़र्श के नीचे है जिस्की लम्बाई तीन सो साल की राह है)

सवाल 4086 : क़्यामत के दिन सूर कितनी मर्तबह फूंका जाए गा?

जवाब 4086 : दो मर्तबह।

सवाल 4087 : आसमान व ज़मीन कब फना होंगे?

जवाब 4087 : क़्यामत आने पर।

सवाल 4088 : मैदाने महशर किस ज़मीन पर क़ाएम होगा?

जवाब 4088 : मुल्के शाम की ज़मीन पर। (मिश्कात शरीफ दोम सफह 472)

सवाल 4089 : ज़मीन से अल्लाह तआ़ला एक अ़जीब शक्ल का जानवर पैदा फरमाएगा क्या आप उस्का नाम बता सक्ते हैं?

जवाब 4090 : दाब्बतुल अर्ज़।

सवाल 4090 : दाब्बतुल अर्ज़ कहाँ से निक्लेगा?

जवाब 4091 : कोहे सफा से।

सवाल 4091 : उस अ़जीब शक्ल के जानवर का नाम बताइए जो मूसा अलैहिस्सलाम के अ़सा से ईमान दारों की पेशानी पर ख़त खींचेगा?

जवाब 4091 : दाब्बतुल अर्ज़।

सवाल 4092 : क़बरों से लोग कब उठेंगे?
जवाब 4092 : जब हज़रत इस्राफील अलैहिस्सलाम सूर फूकेंगे।
सवाल 4093 : याजूज माजूज कौ़म का इख़्राज कब होगा?
जवाब 4093 : कुरबे क़यामत।
सवाल 4094 : किस दिन साहिबे क़ब्र अज़ाब से महफूज़ रहते हैं?
जवाब 4094 : जुमा के दिन।
सवाल 4095 : क़यामत के दिन एक ऐसा जानवर पैदा होगा जो इनसानों से बातें करेगा क्या आप उस्का नाम बता सक्ते हैं?
जवाब 4095 : दाब्बतुल अर्ज़।
सवाल 4096 : हज़रत ईसा अलैहिस्सलाम दज्जाल को कहाँ क़त्ल करेंगे?
जवाब 4096 : बैतुल मुक़द्दस के क़रीब शहरे उर के दर्वाज़े पर।

जन्नत और जन्नती

वास्ता प्यारे का ऐसा हो की जो सुन्नी मरे
यूं न फरमाऐं तेरे शाहिद की वह फाजिर गया

सवाल 4097 : जन्नत की सब से बेहतरीन और उम्दह शराब का नाम बताइए?
जवबा 4097 : तस्नीम।
सवाल 4098 : जन्नत की पाकीज़ा और खुबसूरत औरतें किस नाम से याद की जाती हैं?
जवाब 4098 : हूर से।
सवाल 4099 : सल्सबील किस का नाम है?
जवाब 4099 : जन्नत की एक नहेर का।
सवाल 4100 : मोमिन की मौत पर ज़मीन व आसमान कितने दिन तक रोते हैं?
जवाब 4100 : बीस रोज़ तक।
सवाल 4101 : मोमिन की मौत पर ज़मीन क्यों रोती है?
जवाब 4101 : इस लिये की मोमिन रुकूअ़ व सुजूद से ज़मीन आबाद रख्ता है।
सवाल 4102 : मोमिनीन की मौत पर आसमान क्यूं रोता है?
जवाब 4102 : इस लिये की मोमिन की तस्बीह आसमान पर पहुंचती है।
सवाल 4103 : जन्नत में जन्नतियों को सब से ज़ियादह खुशी कब होगी?

जवाब 4103 : दीदारे इलाही से मुशर्रफ होने पर।

सवाल 4104 : जन्नत में मोमिनों के ख़ेमे किस तरह होंगे?

जवाब 4104 : मोती की तरह जिस्के अंदर गहराई बनी हुई है ऊपर लम्बाई 60 मील चौड़ाई भी 60 मील होगी।

सवाल 4105 : जन्नत के फल किस तरह होंगे?

जवाब 4105 : बाहम मुशाबह और ज़ाएके में जुदा जुदा।

सवाल 4106 : क्या जन्नत में बाज़ार भी होगा?

जवाब 4106 : जी हाँ! एक बाज़ार भी होगा जिस में लोग जुमा के दिन शरीक होंगे।

सवाल 4107 : जन्नत की चारों नहरों के नाम बताइए?

जवाब 4107 : पानी की नहेर, दूध की नहेर, शरबत की नहेर, शहेद की नहेर।

सवाल 4108 : जन्नत की तमाम नहेरों में सब से बड़ी और मशहूर कौनसी नहेर है?

जवाब 4108 : हौज़े कौसर, रहमते आलम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के उम्मतियों को ख़ास है।

सवाल 4109 : सब से कम दर्जे के जन्नती के लिये कितने ख़िदमतगार होंगे?

जवाब 4109 : दस हज़ार।

सवाल 4110 : जन्नती औरतों की ख़िदमत पे मअ़मूर ख़िदमतगारों को क्या कहते हैं?

जवाब 4110 : ग़िलमाँ।

सवाल 4111 : हूराने जन्नत की ख़ासियत बताइए?

जवाब 4111 : अगर कोई हूर दुनिया में मुंह निकाल कर झांके तो पूरी ज़मीन खुश्बू से मुअ़त्तर हो जाए और चांद सूरज की रोशनी ग़ाइब हो जाए।

सवाल 4112 : मोमिनीन जन्नत के दर्वाज़े तक कैसे पहुंचेंगे?

जवाब 4112 : सफेद ऊंटनी पर सवार हो कर।

सवाल 4113 : जन्नत की खुश्बू कैसी होगी?

जवाब 4113 : इंतेहाई शानदार और सौसाल के फासिले से पाई जाएगी।

सवाल 4114 : अहले जन्नत किस क़द्र तवीलुल क़ामत होंगे?

जवाब 4114 : 60 हाथ लम्बे।

सवाल 4115 : जन्नत की वुस्अ़त के बारे में बताइए?

जवाब 4115 : आसमान व ज़मीन के बराबर।

सवाल 4116 : जन्नत में कितने दरवाज़े हैं?

जवाब 4116 : आठ दरवाज़े हैं।

सवाल 4117 : जन्नतियों के लिबास किस तरह होंगे?

जवाब 4117 : बारीक रेशम के सफेद कपड़े और दबीज़ कपड़े रेशम और चांदी के कंगन पहनाए जाएंगे?

सवाल 4118 : जन्नते अ़दन किसे कहते हैं?

जवाब 4118 : यह ऐसी जन्नत है जहाँ अल्लाह के दोस्तों का ठिकाना होगा और वहाँ वह नवाज़े जाएंगे।

सवाल 4119 : जन्नत की ज़मीन और दीवारें कैसी होंगी?

जवाब 4119 : मिट्टी ज़ाफरान की, कंकरीयाँ मोतियों और याकूत की, गारा मुश्क का जब्की ईंटें सोने चाँदी की।

सवाल 4120 : जन्नत में मोमिनीन के महेल कैसे होंगे?

जवाब 4120 : मोती याकूत और ज़बरजद के।

सवाल 4121 : जन्नत के उस दरख़्त का नाम बताइए जिसका साया हर जन्नत में होगा?

जवाब 4121 : तूबा।

सवाल 4122 : दरख़्ते तूबा जिस जन्नत में वाके़अ है उसका नाम बताइए?

जवाब 4122 : जन्नते अ़दन।

सवाल 4123 : जन्नत के दारोग़ा का नाम बताइए?

जवाब 4123 : रिज़वान।

सवाल 4124 : मोमिन का दाख़िला जन्नत में किस तरफ से होगा?

जवाब 4124 : अ़र्श के दाहिने तरफ से।

सवाल 4125 : जन्नतुल मावा को अल्लाह तआ़ला ने किस चीज़ से पैदा फरमाया?

जवाब 4125 : नूर से।

सवाल 4126 : जन्नत में कुल कितने दरजे हैं?

जवाब 4126 : सौ 100।

सवाल 4127 : जन्नत में सब से पहले किस का दाख़िला होगा?

जवाब 4127 : रहमते आ़लम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम का।

सवाल 4128 : किस दरख़्त का पानी उम्मते मुहम्मदिया से पहले किसी नबी की उम्मत को पीने के लिये मयस्सर न होगा?

जवाब 4128 : दरख़्ते तूबा का पानी है जिसे एक घूँट पीने से कभी प्यास न लगेगी।

सवाल 4129 : जन्नत में जन्नतियों को अल्लाह तआ़ला का दीदार किस दिन होगा?

जवाब 4129 : जुमा के दिन।

दोज़ख़ और दोज़ख़ी

सवाल 4130 : दोज़ख़ में कितने दरवाज़े हैं?

जवाब 4130 : सात (7)

सवाल 4131 : जन्नत और दोज़ख़ के दरमियानी जगह को क्या कहते हैं?

जवाब 4131 : आ़राफ।

सवाल 4132 : दोज़ख़ के निचले तब्क़े का नाम बताइए?

जवाब 4132 : हाविया।

सवाल 4133 : दोज़ख़ के तब्क़ए दोएम का नाम क्या है?

जवाब 4133 : जह़ीम।

सवाल 4134 : सक़र दोज़ख़ का कौनसा तब्क़ा है?

जवाब 4134 : तीसरा।

सवाल 4135 : दोज़ख़ के चौथे तब्क़े का नाम बताइए?

जवाब 4135 : लज़ा।

सवाल 4136 : दोज़ख़ के पांचवें तब्क़े का नाम बताइए?

जवाब 4136 : हतमा।

सवाल 4137 : दोज़ख़ के छटे तब्क़े का नाम बताइए?

जवाब 4137 : सईर।

सवाल 4138 : दोज़ख़ का सातवाँ तब्क़ा कौनसा है?

जवाब 4138 : जहन्नम।

सवाल 4139 : दोज़ख़ में कितने फरिश्ते ख़िदमत अंजाम देते हैं?

जवाब 4139 : उन्नीस (19)

सवाल 4140 : दोज़ख़ के दरबान का नाम बताइए?

जवाब 4140 : मालिक।

सवाल 4141 : जहन्नमी जहन्नम के दारोग़ा को पुकारेंगे तो कितने साल के बाद जवाब पाएंगे?

जवाब 4141 : एक हज़ार साल के बाद।

सवाल 4142 : अहले जहन्नम की खूराक बताइए?

जवाब 4142 : थूहड़ का फल जो ख़बीष और कड़वा होगा।

सवाल 4143 : थूहड़ किस क़दर कड़वापन रखता है?

जवाब 4143 : एक क़तरह ज़मीन में टपकादिया जाए तो अहले दुनिया की ज़िंदगी ख़राब हो जाए।

सवाल 4144 : दोज़ख़ के सिल्सिले में बताइए?

जवाब 4144 : दोज़ख़ ऐसा मक़ाम है जिस में तरह तरह के अज़ाबात होंगे, मसलन सांप, बिच्छू वग़ैरह।

सवाल 4145 : दोज़ख़ की आग में ज़ियादह शिद्दत कब पैदा होगी?

जवाब 4145 : रोज़े क़्यामत समुंदरों के आग बन जाने से।

सवाल 4146 : काफिर जहन्नम में किस तरफ से ड़ाले जाएंगें?

जवाब 4146 : अ़र्श के बाऐं जानिब से।

सवाल 4147 : जहन्नम के सियाह धुवें को किस नाम से याद किया गया है?

जवाब 4147 : यहमूम से।

सवाल 4148 : जहन्नम में एक कुंवाँ है उस्का नाम बताइए?

जवाब 4148 : अल फलक़।

सवाल 4149 : दोज़ख़ किस दिन गरम नहीं की जाती?

जवाब 4149 : जुमा के दिन।

सवाल 4150 : दोज़ख़ के एक दरवाज़ह से दूसरे दरवाज़े तक कितनी मसाफत है?

जवाब 4150 : सत्तरह हज़ार बर्स की राह की।

सवाल 4151 : बताइए दोज़ख़ का अदना अ़ज़ाब क्या है?

जवाब 4151 : आग की जूतियाँ, दोज़ख़ की आग दुनिया की आग से सत्तर दर्जा गर्मी में ज़ियादह है।

❖❖❖

मसाइल व अक़ाइद

सवाल 4152 : ईमान किसे कहते हैं?

जवाब 4152 : जिन बातों का यक़ीन करना हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम से क़तई और यक़ीनी तौर पर साबित है उन बातों की तस्दीक़ करना। (शरेह फिक़ह अक्बर लेअ़ली क़ारी सफह 86)

सवाल 4153 : कुफ्र किसे कहते हैं?

जवाब 4153 : जिन बातों का पेश करना हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम से क़तई तौर पर साबित है उन में से किसी एक का इनकार करना। (बैज़ावी शरीफ सफह 23)

सवाल 4154 : ज़िक्र कितनी तरह के होते हैं?

जवाब 4154 : तीन क़िस्म के, ज़िक्र बिल्लिसान, ज़िक्र बिल्क़ल्ब, ज़िक्र बिल्जवारेह।

सवाल 4155 : क्या वली सहाबी के रुतबह को पहुंच सक्ता है?

जवाब 4155 : वली कितना ही मरतबा वाला क्यूं न हो किसी सहाबी के मक़ाम व मरतबा को नहीं पहुंच सक्ता।

सवाल 4156 : आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने सहाबए किराम के बारे में क्या फरमाया है?

जवाब 4156 : सहाबी को बुरा न कहो अगर तुम में कोई उहद पहाड़ के बराबर सोना ख़र्च करे मगर उनके बराबर नहीं पहुंच सक्ता।

सवाल 4157 : हज़राते शैख़ैन सय्यदुना अबू बकर व सय्यदुना उमर फारूक़ रज़ि यल्लाहु अन्हुमा पर तबर्रा करना कैसा है?

जवाब 4157 : यक़ीनन कुफ्र है, फुक़हाए किराम के नज़दीक।

सवाल 4158 : रवाफिज़ की तक्फीर कैसी है?

जवाब 4158 : उनके अक़ाएदे कुफरिया की वजह से तक्फीर वाजिब है।

सवाल 4159 : क़ुर्आन मजीद को नाक़िस मान्ना कैसा है?

जवाब 4159 : कुफ्र है।

सवाल 4160 : क़ुर्आन मजीद के किसी हर्फ या ज़ेर ज़बर का तग़य्युर व तबद्दुल तस्लीम करने वाला कैसा है?

जवाब 4160 : यक़ीनन काफिर है।

सवाल 4161 : ग़ैरे नबी को नबी से अफ्ज़ल बताना कैसा है?

जवाब 4161 : कुफ्र है।

सवाल 4162 : राम और रहीम एक ही नाम हैं ऐसा कहना कैसा है?
जवाब 4162 : कुफ्र है।
सवाल 4163 : माल व अस्बाब का जो हिस्सा शरई तौर पर ग़रीबों और मुहताजों में तक़सीम किया जाता है उसे क्या कहते हैं?
जवाब 4163 : ज़कात।
सवाल 4164 : फिक़हे हनफी में बच्चे बच्चियाँ कितने साल में बालिग़ हो जाते हैं?
जवाब 4164 : 18 साल में लड़के और 17 साल में लड़की बालिग़ हो जाते हैं और तमाम उलमा के नज़दीक दोनों 15 साल में बालिग़ हो जाते हैं।
सवाल 4165 : आ़ला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि ने तक़्वा की कितनी क़िस्में बताई हैं?
जवाब 4165 : सात, कुफ्र से बचना, बद मज़हबी से बचना, गुनाहे कबीरह से बचना, गुनाहे सग़ीरह से महफूज़ रहना, शुबहात से बचना, शहवात से बचना ग़ैर की तरफ इल्तिफात से बचना।
सवाल 4166 : मरदों के लिये अंगूठी चांदी की कितने वज़न की दुरुस्त है?
जवाब 4166 : साढ़े चार माशा से कम की।
सवाल 4167 : कुफ्फार की दोस्ती व मवालात कैसी है?
जवाब 4167 : कुफ्फार की दोस्ती ह़राम और अल्लाह के ग़ज़ब का सबब है।
सवाल 4168 : कुर्आन पाक की क़सम खाना चाहिये की नहीं?
जवाब 4168 : जी नहीं! क़सम के लिये कुर्आन नहीं है बलकी हिदायत के लिये है।
सवाल 4169 : वली किसे कहते हैं?
जवाब 4169 : जो फराएज़ से कुरबे इलाही हासिल कर के इताअ़ते इलाही में मश्गूल रहे।
सवाल 4170 : हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम का इस्मे गिरामी सुनकर क्या करना चाहिये?
जवाब 4170 : दरूद पढ़ते हुवे अंगूठे को चूम लेना चाहिये।
सवाल 4171 : वली की पहचान क्या है?

जवाब 4171 : इत्तेबाए शरीअत।

सवाल 4172 : क्या अल्लाह तआ़ला झूट बोल सक्ता है?

जवाब 4172 : हरगिज़ नहीं उस्की ज़ात पाक व बे ऐब है।

सवाल 4173: इस्लाम की बुन्नियाद कितनी चीजो पर है?

जवाब 4173 : पाँच चीजों पर, तौहीद, नमाज़, रोजा, ज़कात, हज।

सवाल 4174 : अव्वल कलिमा को क्या कहते हैं?

जवाब 4174 : कलिमए तैइब।

सवाल 4175 : दूसरे कलिमा का नाम बताइए?

जवाब 4175 : कलिमए शहादत।

सवाल 4176 : कलिमए तमजीद कौनसा कलिमा है?

जवाब 4176 : तीसरा।

सवाल 4177 : चौथे कलिमा का नाम बताइए?

जवाब 4177 : तौहीद।

सवाल 4178 : पंजुम कलिमा को क्या कहते हैं?

जवाब 4178 : इस्तिग़फार।

सवाल 4179 : छटे कलिमा को क्या कहते हैं?

जवाब 4179 : रद्दे कुफ्र।

सवाल 4180 : अल्लाह तआ़ला के साथ किसी को शरीक ठहराना कैसा है?

जवाब 4180 : शिर्क।

सवाल 4181 : अल्लाह तआ़ला की तस्बीह कौनसी मख़लूक़ करती है?

जवाब 4181 : सारी मख़लूक़, "सब्बहा लिल्लाही मा फिस्समावाती वलअर्दी" ज़मीन व आसमान अल्लाह ही की तस्बीह करते हैं।

सवाल 4182 : अल्लाह तआ़ला को एक मान्ना, नमाज़, रोज़ा करना लेकिन आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की शान में गुस्ताख़ी करना कैसा है?

जवाब 4182 : कुफ्र है।

सवाल 4183 : अल्लाह तआ़ला को भगवान, परभू, ईश्वर या अल्लाह मियाँ कहना कैसा है?

जवाब 4183 : नाजाइज़ व हराम है।

सवाल 4184 : गांधी वग़ैरह को महातमा कहना कैसा है?

जवाब 4184 : हराम है, महातमा बमअ़ना रूहे आज़म जो ख़ालिस लक़ब है जिब्राईल अमीन का। (फ़तावा रज़विया जिल्द 6 सफ़ह 174)

सवाल 4185 : अल्लाह तआ़ला को न मान्ने वाले लोग क्या कहलाते हैं?

जवाब 4185 : काफ़िर।

सवाल 4186 : मुनाफ़िक़ किसे कहते हैं?

जवाब 4186 : ईमान का दावा करके नमाज़ रोज़े का पाबंद हो लेकिन कुफ्र का एतेक़ाद रख्खे।

सवाल 4187 : लौहे महफ़ूज़ क्या चीज़ है?

जवाब 4187 : अल्लाह तआ़ला ने अ़र्श के नीचे मरवारीद से पैदा फ़रमाया है जिस पर क़्यामत तक की सारी चीज़ों का इल्म लिखा है।

सवाल 4188 : इसलाम क़ुबूल करने के बाद कुफ्र की तरफ पलट जाने वाले को क्या कहते हैं?

जवाब 4188 : मुरतद।

सवाल 4189 : मख़लूक़ात की तस्बीह बताइए?

जवाब 4190 : सुब्हानल्लाहि बिहम्दिही।

सवाल 4190 : फ़ासिक़ किसे कहते हैं?

जवाब 4191 : जो कबीरा गुनाहों का मुरतकिब हो।

सवाल 4191 : करामत किसे कहते हैं?

जवाब 4191 : अ़क़्ले इनसानी के ख़िलाफ औलिया से सादिर होने वाले हरकात व सकनात को करामत कहते हैं।

सवाल 4192 : क़ुर्आन मजीद में इनसान की अ़ज़मत का मीआर किस चीज़ को बताया गया है?

जवाब 4192 : तक़्वा को। (हुवा अक़्रबु लित्तक़्वा)

सवाल 4193 : अक्सर दाढ़ी मुंडवाने के सिल्सिले में कल्ला सौफा तअलमून कहकर बाज़ हज़रात दाढ़ी मुंडवाओ मुराद लेते हैं क्या यह दुरुस्त है?

जवाब 4193 : ऐसा कहना तहरीफे क़ुर्आन में शमिल है जो कुफ्र है। (बहारे शरीअ़त जिल्द नहुम)

सवाल 4194 : रोज़ा न रखने वाले कहदिया करते हैं कि जब ख़ुदा से परदा और डर नहीं तो लोगों से परदा और डर कैसा, बताइए ऐसा कहना किया है?

जवाब 4194 : कुफ्र है।

सवाल 4195 : होली और दीवाली पूजना, कुफ्फार के मेलों और तिवहारों में शरीक होकर उनके मज़हबी मेले और जल्सों की शान व शौकत बढ़ाना कैसा है?

जवाब 4195 : कुफ्र है।

सवाल 4196 : वज़ू के बचे हुवे पानी को फेंकना कैसा है?

जवाब 4196 : पानी को फेंकना हराम है और खड़े होकर पीना षवाब है।

सवाल 4197 : जो वज़ू नमाज़े जनाज़ह के लिये क्या गया किया उसी से दूसरी नमाज़ें पढ़ी जा सकती हैं?

जवाब 4197 : जी हाँ! उस वज़ू से हर नमाज़ पढ़ सक्ते हैं।

सवाल 4198 : किन शहरों में जुमा व ईदैन की नमाज़ें जाइज़ नहीं?

जवाब 4198 : रूस, जरमन, पुरतगाल वग़ैरह में जहाँ सलतनते इस्लामिया कभी न थी न अब है अगरचे काफिर हुकूमतें शआ़एरे इस्लाम को न रोक्ती हों। (फतावा रज़विया जिल्द सोम सफह 716)

सवाल 4199 : वह कौनसी जगह है जहाँ नमाज़े जनाज़ह जाइज़ नहीं?

जवाब 4199 : मस्जिद। (फतावा रज़विया जिल्द चहारुम सफह 57)

सवाल 4200 : एक बच्चा का सिर्फ हाथ पैर पाया गया बक़िया जानवरों ने खालिया, बताइए उस्की नमाज़े जनाज़ह में लड़की की दुआ पढ़ी जाए या लड़के की?

जवाब 4200 : ऐसे बच्चों की नमाज़े जनाज़ह पढ़ी ही न जाए।

सवाल 4201 : किस जगह मुर्दा को दफ्न करना हराम है?

जवाब 4201 : मालिक की इजाज़तज़ के बग़ैर उस्की ज़मीन में।
(फतावा रज़विया जिल्द चहारुम सफह 114)

सवाल 4202 : वह कौन से मुसलमान हैं जिन्हें ज़मीन में दफ्न नहीं किया जायेगा?

जवाब 4202 : जो समुंदर में बहरी जहाज़ या क ती पर मरजाएं और साहिल दूर हो तो उन्हें पानी में डाल दिया जाए।
(फतावा आ़लमगीरी अव्वल मिस्री सफह 149)

सवाल 4203 : वह कौन सा मुरदा है जिस्का पेट फाड़ना जाइज़ है?

जवाब 4203 : हामिला औरत मर गई और उस्के पेट में बच्चा हरकत कर

रहा है तो बच्चे को निकालने की ग़र्ज़ से उसका पेट चाक किया जाए गा।

सवाल 4204 : वह कौनसा बालिग़ मुसलमान है जिस पर ज़कात वाजिब ही नहीं?

जवाब 4204 : जो पूरे साल पागल रहा हो।

(फतावा आलमगीरी अव्वल मिस्री सफह 161)

सवाल 4205 : किस ज़ेवर पर ज़कात वाजिब नहीं?

जवाब 4205 : जो नाबालिग़ को हिबा किया गया हो।

(फतावा रज़विया जिल्द 4 सफह 418)

सवाल 4206 : किस सख़्श को सदका देने में एक के बदले सात सो का सवाब मिलेगा?

जवाब 4206 : तालिबे इलमे दीन को। (फतावा रज़विया जिल्द 4 सफह 500)

सवाल 4207 : वह कौन सा ग़रीब मुसलमान है जिस्को ज़कात की रक़म देना जाइज़ नहीं?

जवाब 4207 : माँ, बाप, दादा, दादी, नाना, नानी वग़ैरहुम। बेटा, बेटी, पोता, पोती, नवासा, नवासी, इसी तरह बनी हाशिम।

(दुर्रे मुख़्तार मअ़ शामी जिल्द दोम सफह 63, व फतावा आलमगीरी अव्वल सफ़ह 177)

सवाल 4208 : किस सूरत में मर्द को हज के लिये जाना जाइज़ नहीं जबकी रास्ता पुर अम्न हो और साहिबे इस्तिताअ़त हो?

जवाब 4208 : माँ बाप की इजाज़त के बग़ैर।

(अल अश्बाह वन्नज़ाइर सफह 332)

सवाल 4209 : माल्दार और फक़ीर में किस्का हज अफ्ज़ल है?

जवाब 4209 : ग़नी का। (अल अश्बाह वन्नज़ाइर सफह 176)

सवाल 4210 : किस सूरत में निकाह करना फर्ज़ है?

जवाब 4210 : जो शख़्स नान व नफ्क़ा और महेर की कुदरत रख्ताहो और निकाह न करने पर ज़िना के गुनाह का इम्कान हो।

सवाल 4211 : वह कौनसा आदमी है जिस्के लिये निकाह करना हराम है?

जवाब 4211 : निकाह के बाद नान व नफ्क़ा और महेर न देने का इम्कान हो या फराइज़े मुतअ़ल्लिक़ा पूरा न करने का ख़दशा हो।

सवाल 4212 : वह कौन शख़्स है जिस्को औरत की इद्दत में निकाह करना जाइज़ है?

जवाब 4212 : जिसने एक या दो तलाक़े बाइन दी तो वह उसी औरत से इद्दत में निकाह कर सक्ता है।

सवाल 4213 : औरत की इद्दत गुज़रे बग़ैर शौहर दुसरा निकाह कब नहीं कर सक्ता?

जवाब 4213 : अगर तलाक़ शुदह औरत की बहेन से निकाह करना चाहता हो।

सवाल 4214 : वह कौनसा बच्चा है जिस्का निकाह किसी सूरत में नहीं हो सक्ता?

जवाब 4214 : पेट का बच्चा। (फतावा रज़विया जिल्द 5 सफह 75)

सवाल 4215 : बीवी का दूध पीने पर क्या औरत शौहर पर हराम हो जाती है?

जवाब 4215 : ढ़ाई साल की उम्र होने से पहले अगर दूध पी लिया वरना नहीं।

सवाल 4216 : अपनी लड़की को सोते से जगाया तो बीवी हमेशा के लिये हराम हो गई, किस सूरत में ऐसा है?

जवाब 4216 : बीवी को हम्बिस्तरी के लिये जगाना चाहा तो हाथ लड़की पर पहुंच गया जो मु तहात थी तो उसे बीवी समझकर शहवत के साथ जगाया। (फतावा आ़लमगीरी मिस्री अव्वल सफह 257)

सवाल 4217 : शौहर ने अपनी बीवी को नशा की हालत में त़लाक़ दी तो क्या त़लाक़ वाक़ेअ हो जाएगी ?

जवाब 4217 : जी हाँ! शराब या भंग पीकर त़लाक़ देने से भी त़लाक़ वाक़ेअ़ हो जाएगी। (फतावा आ़लमगीरी अव्वल मिस्री सफह 313)

सवाल 4218 : किस सूरत में गेहू बेचना जाइज़ नहीं?

जवाब 4218 : गेहूं आटे से बेचना जाइज़ नहीं जैसा कि बअ़ज़ लोग चक्की वालों से गेहूं के बदले आटा लेते हैं।

सवाल 4219 : वह कौनसा जानवर है जिस्का गोश्त खाना जाइज़ है मगर बेचना जाइज़ नहीं।

जवाब 4219 : ग़ैरे मालिके निसाब ने कु़रबानी के लिये जानवर ख़रीदा तो उस्का गोश्त खाना हलाल है लेकिन बेचना जाइज़ नहीं।

(अल अश्बाह वन्नज़ाएर सफह 23)

सवाल 4220 : वह कौनसा मालदार मालिके निसाब है जिस पर कुरबानी वाजिब नहीं?

जवाब 4220 : मुसाफिर। (फतावा आलमगीरी मिस्री जि. 5 स. 257)

सवाल 4221 : वह कौनसा जानवर है जिस्का एक उज़्व पूरे तौर पर कटा है मगर उस्की कुरबानी जाइज़ है?

जवाब 4221 : ख़स्सी, उस्की कुरबानी अफ्ज़ल है।

(फतावा आलमगीरी मिस्री जिल्द 5 सफह 264)

सवाल 4222 : सहीहुल अक़ीदा आक़िल बालिग़ मुसलमान ने हलाल जानवर को बिस्मिल्लाह पढ़कर ज़बह किया फिर भी उसका गोश्त खाना हराम है, इसकी क्या सूरत है?

जवाब 4222 : अगर मुहरिम ने हालते एहराम में किसी शिकार को ज़बह किया हो।

सवाल 4223 : बताइए सोना किस वक़्त मना है?

जवाब 4223 : दिन के इब्तिदाई हिस्सा में या मग़रिब व इशा के दर्मियान। (बहारे शरीअत जि. 16 स. 70)

सवाल 4224 : किस सूरत में ख़तना करना जाइज़ नहीं?

जवाब 4224 : बालिग़ आदमी को डॉक्टर या नाई से ख़तना कराना जाइज़ नहीं क्यूं की ख़तना सुन्नत है और बालिग़ आदमी का डॉक्टर या नाई के सामने शरमगाह खोलना हराम है और सुन्नत के लिये हराम का इर्तिकाब जाइज़ नहीं।

(बहारे शरीअत जिल्द 16 सफह 201)

सवाल 4225 : किस सूरत में रिश्वत देना जाइज़ है?

जवाब 4225 : अपना हक़ पाने या ज़ुल्म दफअ़ करने के लिये।

(मिरक़ात जिल्द 4 सफह 153)

सवाल 4226 : कौनसी सूरत में मर्द को सोना इस्तेमाल करना जाइज़ है?

जवाब 4226 : सोने का बटन बग़ैर ज़ंजीर के।

(बहारे शरीअत शाँज़दहुम सफह 52)

सवाल 4227 : वह कौनसी सूरत है जिस में झूट बोलना जाइज़ है?

जवाब 4227 : अपना हक़ पाने या ज़ुलम को दफअ़ करने के लिये।

(फतावा रज़विया जि. 3 स. 192)

सवाल 4228 : वह कौनसा मुसलमान है जिस पर कुर्आन मजीद पढ़ना हराम है?

जवाब 4228 : जिस मुसलमान मर्द व औरत पर गुस्ल फर्ज़ हो।

सवाल 4229 : खुतबा बैठकर पढ़ना किस सूरत में जाइज़ है?

जवाब 4229 : खुतबए निकाह। (फतावा रज़विया जि. 5 स. 52)

सवाल 4230 : किस सूरत में हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम का इस्मे मुबारक सुनकर अंगूठों को चूमकर आँखों पर मलना मना है?

जवाब 4230 : बवक़्ते खुतबा और तिलावते कुर्आन मजीद के वक़्त। (फतावा रज़विया जि. दोम स. 417)

सवाल 4231 : वह कौन हज़रात हैं जिनकी जाएदाद का न कोई वारिस होता है और न वह किसी के जाएदाद के वारिस होते हैं?

जवाब 4231 : अंबियाए किराम।

सवाल 4232 : वह कौन शख़्स है जो किसी का वारिस नहीं होता मगर दुसरे उसकी जाएदाद के वारिस होते हैं?

जवाब 4232 : मुरतद। (अल अश्बाह वन्नज़ाएर सफह 297)

सवाल 4233 : किस सूरत में बेटा बाप की जाएदाद का वारिस नहीं हो सक्ता?

जवाब 4233 : अगर लड़के ने अपने बाप को ना हक़ क़त्ल कर दिया हो। (फतावा आलमगीरी मिस्री जिल्द 6 सफह 431)

सवाल 4234 : वह कौनसी चोरी है कि लाखों रूपये का माल चोराले मगर शरीअत हाथ काटने का हुक्म नहीं देगी?

जवाब 4234 : मस्जिद का माल है। (मलफूज़ाते आला हज़रत दोम मतबूआ लाहोर सफह 89)

सवाल 4235 : बताइए मस्जिद का फर्श ईदगाह लेजाना कैसा है?

जवाब 4235 : मम्नूअ है। (फतावा रज़विया जिल्द सोम स. 808)

सवाल 4236 : क्या मुहर्रम व सफर में निकाह किया जा सक्ता है?

जवाब 4236 : जी हाँ, किसी माह में निकाह किया जा सक्ता है। (फतावा रज़विया जिल्द 5 सफह 179)

सवाल 4237 : वह कौन लोग हैं जिनको कभी एहतलाम नहीं हुवा?

जवाब 4237 : अंबिया अलैहिमुस्सलाम। (फतावा रज़विया जि. 6 स. 171)

सवाल 4238 : वह कौन दो इबादतें हैं जो जन्नत में साथ रहेंगी?

जवाब 4238 : निकाह और ईमान। (अल अश्बाह वन्नजाएर सफह 177)

सवाल 4239 : ज़िना के गवाहों की तअ़दाद बताइए?

जवाब 4239 : चार गवाह।

सवाल 4240 : क़बरों के ऊपर अगर बत्ती, ऊद व लोबान या चिराग़ जलाना कैसा है?

जवाब 4240 : मना है।

सवाल 4241 : इब्तिदाए इसलाम में ज़िना की सजा क्या थी?

जवाब 4241 : कै़द।

सवाल 4242 : हारून रशीद ने अपनी बीवी मलकए ज़ुबैदा से कहा था कि अगर आज शाम तू मेरी सलतनत से बाहर न निकलजा तो तुझे त़लाक़, बताइए इस क़ज़िये का हल किसने किस तरह किया?

जवाब 4242 : इमाम अबू यूसुफ रहमतुल्लाहि अलैहि ने मलकए ज़ुबैदा से फरमाया तू मस्जिद में दाख़िल होजा वहाँ किसी की हुकूमत नहीं।

सवाल 4243 : वह कौनसा बच्चा है जिस्का बाप मर जाए मगर वह यतीम नहीं?

जवाब 4243 : हरामी, क्यूं की शरीअ़त ने उस्को उस्का बच्चा तस्लीम ही नहीं किया।

सवाल 4244 : फिक़्हे हनफी में महेर की मिक़्दार कितनी है?

जवाब 4244 : कम से कम दस दिरहम या उस्की क़ीमत का माल अगर इस्से कम रख्खा जाए तोभी दस दिरहम देने होंगे।

सवाल 4245 : मोमिन बच्ची का निकाह मुश्रिक से नहीं हो सक्ता, बताइए यह हुक्म कब नाज़िल हुआ?

जवाब 4245 : सन 6 हिजरी में सुलहे हुदैबिया के बाद।

(ज़ियाउन्नबी जिल्द 3 सफह 391)

सवाल 4246 : सन दो हिजरी में जो अहकाम नाफिज़ हुए उन्हें बताइए?

जवाब 4246 : तहवीले क़िब्ला, रमज़ान के रोज़े फर्ज़ हुवे, ईदुल्फित्र, से पहले सदक़ए फित्र अदा करने का हुक्म, यकुम शव्वाल को ईदगाह में इदुल्फित्र की नमाज़ की इब्तिदा, सफर में चार रकअत के बजाए दो रकअत नमाज़ पढ़ने का हुक्म, मिल्लते इस्लामिया के अग़्निया पर उन के अमवाल की जक़ात और उस के मसारिफ का तअैयुन, क़ेसास का तावान, दियतों का निज़ाम वग़ैरह। (ज़ियाउन्नबी जिल्द 3 सफह 412)

सवाल 4247 : फ़कीर किसे कहते हैं?

जवाब 4247 : जो तंग दस्त हो अगर चे रिज़्क़ कमाने पर क़ादिर हो। (ज़ियाउन्नबी जिल्द 3 सफ़ह 418)

सवाल 4248 : मिसकीन किसे कहते हैं?

जवाब 4248 : जो किसी बीमारी, बुढ़ापे की वजह से रिज़्क़ कमाने के क़ाबिल न हो। मसलन अन्धा, लेंगड़ा, अपाहिज वग़ैरह। (हवाला मुन्दरजा बाला)

सवाल 4249 : आमेलीन किसे कहते हैं?

जवाब 4249 : जो घर घर जा कर ज़कात की वसूली और नज़्म व नस्क़ करते हैं। (ज़ियाउन्नबी जिल्द 3 सफ़ह 418)

सवाल 4250 : मुतआ किसे कहते हैं?

जवाब 4250 : एक मर्द और औरत का बाहमी रज़ा मंदी से एक मुक़र्ररह मुद्दत तक एक मुतऐयन रक़म के ऐवज़ में मियां बीवी की तरह मुबाशिरत करना। (ज़ियाउन्नबी जिल्द 4 सफ़ह 267)

सवाल 4251 : मुतआ को कौन सा फ़िर्क़ा जायेज़ क़रार दे रहा है?

जवाब 4251 : शीआ फ़िर्क़ा जो इसे हज व उमरह से भी अफ़ज़ल बताते हैं जबकि इस्लाम में ज़िना क़रार दिया गया है। (ज़ियाउन्नबी जिल्द 4 सफ़ह 267)

सवाल 4252 : चोर के लिये क़तए यद की सज़ा कब नाफ़िज़ हुई?

जवाब 4253 : हिजरत के आठवें साल।

नोट: उस में अदल के तक़ाज़ों को पूरा करने के लिये ग़रीब अमीर शाहो ग़दा, आला अदना के दरमियान फ़र्क़ रवा ना रखा गया। (ज़ियाउन्नबी जिल्द 4 सफ़ह 560)

सवाल 4254 : शराब की हुरमत का क़तई हुक्म कब नाज़िल हुआ?

जवाब 4254 : जून सन 625 रबीलउल अव्वल सन 4 हिजरी को।

सवाल 4255 : वह कौन सा हाजी है कि उसे अर्फ़ा के दिन मग़रिब की नमाज़ मग़रिब के वक़्त ही पढ़ना है?

जवाब 4255 : वह हाजी जो रात को मुज़दल्फ़ा में रह गया या मुज़दल्फ़ा दूसरे रास्ते से वापस हुआ।

सवाल 4256 : एक शख़्स कलिमा न पढ़ने के बावजूद मुसलमान हो गया उस की क्या सूरत है?

जवाब 4256 : जो शख़्स कहे कि मैं ने फलां मज़हब छोड़ कर इस्लाम क़बूल कर लिया। (फतावा अफ़्रीक़ा स. 54)

सवाल 4257 : वह कौन सा मर्द है जिसको न मर्द नहला सकता है और न औरत?

जवाब 4257 : खुनसा मुशक्कल बल्कि तयम्मुम करा लिया जाएगा। (फतावा आलमगीरी अव्वल सफ़ह 150)

सवाल 4258 : सबसे पहले मुसलमानों पर कौन सा हुक्म नाज़िल हुआ?

जवाब 4258 : अल्लाह के सिवा कोई मअबूद नहीं मोहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम उस के रसूल हैं।

सवाल 4259 : किस ग़रीब मुसलमान को हज के लिये क़र्ज़ लेना लाज़िम है?

जवाब 4259 : पहले मालदार था हज फर्ज़ था माल को बर्बाद करके हज न कर सका ऐसे ग़रीब मुसलमान को हज के लिये क़र्ज़ लेना ज़रुरी है। (बहारे शरिअत)

सवाल 4260 : वह कौन सा मुसलमान है जिस का ज़बीहा नहीं खाया जाएगा?

जवाब 4260 : पागल। (फतावा आलमगीरी मिस्री अव्वल सफ़ह 189)

सवाल 4261 : इस्लाम ने किस सिलसिले की शहादत में औरतों को बिल्कुल ग़ैर मुअतबर बताया है?

जवाब 4261 : क़िसास में। (अल्बक़रह ख़ज़ायेनुल इरफान)

सवाल 4262 : बिसमिल्लाह पढ़ना किस वक़्त फर्ज़ है?

जवाब 4262 : ज़बह करते वक़्त अगरचे पूरी पढ़ना फर्ज़ नहीं।

सवाल 4263 : बिसमिल्लाह पढ़ना किस वक़्त कुफ्र है?

जवाब 4263 : शराब पीने, ज़िना करने, चोरी करने, जुवा खेलने के अवक़ात में जबकि हरामे क़तई करते वक्त पढ़ना हलाल समझे।

सवाल 4264 : इस्लाम में पड़ोसी की हद कहाँ तक है?

जवाब 4264 : चालीस घरों तक।

सवाल 4265 : जाहिल औरतों में मशहूर है के खट्टी ड़कार आने से रोज़ह टूट जाता है? किया यह दुरूस्त है

जवाब 4265 : नहीं। रोज़ह नहीं टूटता है। (फतावा रज़विया जिल्द 4 सफ़ह 577)

सवाल 4266 : कितनी आयतों को पढ़ने से वाजिब अदा हो जाता है और नमाज़ हो जाती है?

जवाब 4266 : एक ही आयत 30 हर्फ वाली पढ़ लेने से नमाज़ हो जाएगी।
(फतावा अमजदिया अव्वल सफह 79)

सवाल 4267 : अगर जुनुबी ने ज़वाल से पहले गुस्ल न किया तो उस का रोज़ह टूट जाएगा?

जवाब 4267 : जी नहीं! रोज़ह हो जाएगा हां तरके नमाज़ की वजह से सख़्त गुनाहे कबीरा का मुर्तकिब होगा।
(फतावा रज़विया जिल्द चहारुम सफह 615)

कुछ तवारीख़े इस्लाम

सवाल 4268 : यतामा के बारे में अहकामे वरासत के मुफस्सल कानून का इज्रा, सूद ख़ोरी के तर्क के लिये इब्तिदाई नसीहतें, कानूने इज़्देवाज और मुश्रिका औरतों से निकाह की ममानअत के अहकाम कब नाफिज़ हुवे?

जवाब 4268 : शव्वाल 3 हिज्री" जनवरी 625 ईस्वी में।

सवाल 4269 : बताइए हज़रत ज़ैनब व ज़ैद रज़ि यल्लाहु अन्हुमा का निकाह कब हुआ?

जवाब 4269 : ाव्वाल 2 हिज्री" फरवरी 624 ईस्वी को।

सवाल 4270 : हज़रत हफ्सा रज़ि यल्लाहु अन्हा हुजूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के अक्द मोबारका में कब आईं ?

जवाब 4270 : रबीउल अव्वल 3 हिज्री" जून 624 ईस्वी को।

सवाल 4271 : हुजूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने ज़ैनब बिन्ते खुज़ैमा से कब अक्द फरमाया?

जवाब 4271 : शव्वाल 3 हिज्री " जून 625 ईस्वी में।

सवाल 4272 : बताइए जैनब बिंन्ते खुज़ैमा रज़ि यल्लाहु अन्हा का विसाल कब हुआ?

जवाब 4272 : 625 ईस्वी में।

सवाल 4273 : सरकार सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने हज़रत उम्मे सलमा रज़ि यल्लाहु अन्हा से कब अक्द फरमाया?

जवाब 4273 : जून 625 ईसवी में।

सवाल 4274 : बताइए निज़ामे दिफाअ बर सरे अमल कब आया?

जवाब 4274 : हिजरत के सातवें साल शुरू माह में मार्च 623 ईसवी ज़िल्हिज्जा 1 हिज्री में।

सवाल 4275 : जिहाद का हुक्म कब नाज़िल हुआ?

जवाब 4275 : हिजरत के एक साल दो माह दस दिन बाद मई 622 ईसवी, 12 सफर 2 हिजरी में।

सवाल 4276 : फरीज़ए ज़कात का हुक्म कब नाज़िल हुआ?

जवाब 4276 : फरवरी 623 ईसवी में।

सवाल 4277 : सरवरे दोआ़लम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम का निकाहे मुबारिका हज़रत जुवैरिया रज़ि यल्लाहु अ़न्हा के साथ कब हुआ?

जवाब 4277 : शाबान 5 हिजरी" दिसमबर 626 ईसवी में।

सवाल 4278 : हज़रत सफिया रज़ि यल्लाहु अ़न्हा सरकार सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के अ़क़्दे मुबारिका में कब आईं?

जवाब 4278 : 1 मोहर्रम सन 7 हिजरी" मई 668 ईसवी को।

सवाल 4279 : नजाशी बादशाह ने इसलाम क़बूल किया बताइए कौनसा सन था?

जवाब 4279 : यकुम मोहर्रम 7 हिज्री"मई 628 ईसवी।

सवाल 4280 : हज़रत उम्मे हबीबा रज़ि यल्लाहु अ़न्हा हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के निकाहे मुबारका में कब आईं?

जवाब 4280 : जमादिलऊला 7 हिज्री अगस्त 628 ईसवी में।

सवाल 4281 : सरकार सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने हज़रत मैमूना रज़ि यल्लाहु अन्हा से कब निकाह फरमाया?

जवाब 4281 : ज़ीक़ादा 7 हिज्री" फरवरी 628 ईसवी में।

सवाल 4282 : हज़रत मारिया क़िब्तिया रज़ि यल्लाहु अ़न्हा का अ़क़्द सरकारे दोआ़लम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम से कब हुआ?

जवाब 4282 : जमादिलऊला 8 हिज्री " सितमबर 629 ईसवी में।

सवाल 4283 : बताइए दो सगी बहनों से एक ही वक़्त में निकाह का क़ानून कब मंसूख हुआ?

जवाब 4283 : हज़रत मूसा अलैहिस्सलाम के ज़माने से।

कुछ यादें तस्नीफात और इदारे

सवाल 4284 : अनीसुल अरवाह किस की तस्नीफ है?

जवाब 4284 : हज़रत ख़्वाजा ग़रीब नवाज़ रहमतुल्लाहि अ़लैहि की।

सवाल 4285 : सहीह मुस्लिम किस की किताब है?

जवाब 4285 : हज़रत इमाम मुस्लिम रहमतुल्लाहि अ़लैहि की।

सवाल 4286 : बहारे शरीअत किस जलीलुल क़द्र हस्ती की शोहरए आफाक़ तस्नीफ है?

जवाब 4286 : हज़रत सदरु शरीआ़ रहमतुल्लाहि अ़लैहि की जिस में तक़रीबन दस हज़ार मसाएल हैं।

सवाल 4287 : हज़रत सदरु शरीआ़ रहमतुल्लाहि अ़लैहि आ़ला हज़रत सरकार इमाम अहमद रज़ा रहमतुल्लाहि अ़लैहि की बारगाह में कितने अ़रसा रहे?

जवाब 4287 : तक़रीबन 18 साल।

सवाल 4288 : हज़रत सदरु शरीआ़ रहमतुल्लाहि अ़लैहि का अस्ल इस्मे गिरामी बताइए?

जवाब 4288 : मौलाना अमजद अ़ली रहमतुल्लाहि अ़लैहि।

सवाल 4289 : हुज़ूर सदरु शरीआ़ रहमतुल्लाहि अ़लैहि का उर्स कब होता है?

जवाब 4289 : दो ज़ुलक़ा़दा को घोसी में जो आपका मौलिद और आख़िरी आराम गाह है।

सवाल 4290 : शैख़ सअ़दी शीराज़ी रहमतुल्लाहि अ़लैहि की दोनों मश्हूर किताबों के नाम बताइए?

जवाब 4290 : गुलिस्तां, बोस्तां।

सवाल 4291 : हुज्जतुल्लाहिल बालिग़ा किस की तस्नीफ है?

जवाब 4291 : हज़रत शाह वलीयुल्लाह देहलवी रहमतुल्लाहि अ़लैहि की।

सवाल 4292 : इमाम इब्ने माजा रहमतुल्लाहि अ़लैहि की मशहूर तस्नीफ का नाम बताइए?

जवाब 4292 : सुनने इब्ने माजा।

सवाल 4293 : हज़रत इमाम दाऊद रहमतुल्लाहि अ़लैहि किस किताब की वजह से मश्हूर हुए?

जवाब 4293 : सुनने अबूदाऊद की वजह से।

सवाल 4294 : जामिउल हदीस इमाम अबू दाऊद के शगिर्द का नाम बताइए?

जवाब 4294 : हज़रत इमाम तिरमिज़ी रहमतुल्लाहि अ़लैहि।

सवाल 4295 : राहतुल कुलूब और फवाइदुल फवाइद किस की तस्नीफ है?

जवाब 4295 : महबूबे इलाही हज़रत निज़ामुद्दीन रहमतुल्लाहि अ़लैहि की।

सवाल 4296 : बशारतुल मुरिदीन किस बुजुर्ग हस्ती की तस्नीफ है?

जवाब 4296 : हज़रत मख़दूम अशरफ जहांगीर सम्नानी रहमतुल्लहि अ़लैहि की।

सवाल 4297 : हुजूर मुजाहिदे मिल्लत का अस्ल मान बताइए?

जवाब 4297 : सय्यदुना अश्शाह मौलाना हबीबुर्रहमान ख़ान क़ादरी रईसे उड़ीसा रहमतुल्लहि अ़लैहि।

सवाल 4298 : हुजूर मुजाहिदे मिल्लत का उर्स कब मनाया जाता है?

जवाब 4298 : 9 रबीउलआख़िर को।

सवाल 4299 : हिंदुसतान में उलूम व फुनून का मरकज़ी इदारह कौन सा है?

जवाब 4299 : अल जामिअ़तुल अश्रफिया मुबारकपूर।

सवाल 4300 : अल जामिअ़तुल अशराफिया अ़रबी युनीवर सिटी किस बुजुर्ग हस्ती ने क़ाएम क्या?

जवाब 4300 : हुजूर हाफिज़े मिल्लत मौलाना शाह अ़ब्दुल अज़ीज़ मुहद्दिस मुरादाबादी रहमतुल्लहि अ़लैहि ने।

सवाल 4301 : अल जामिअ़तुल अशराफिया मुबारकपूर की संगे बुन्नियाद किन बुजुरगों ने रख्खी?

जवाब 4301 : हुजूर अश्रफी मियां कछौछवी व हज़रत सदरु शरीआ़ रहमतुल्लहि अ़लैहिमा ने।

सवाल 4302 : पास्बाने मिल्लत किस जलीलुल क़द्र हस्ती का लक़ब है?

जवाब 4302 : हज़रत अ़ल्लमा मुश्ताक़ अहमद निज़ामी रहमतुल्लहि अ़लैहि का।

सवाल 4303 : शीआ़ इस्ना अशरी फिर्क़ा किस के नाम से मौसूम है?

जवाब 4303 : हज़रत इमाम जअ़फर सादिक़ रहमतुल्लहि अ़लैहि के नाम से।

सवाल 4304 : इमाम ग़ज़ाली रहमतुल्लहि अ़लैहि की विलादत कब हुई?

जवाब 4304 : सन 450 हिजरी में ज़िला तूस (खुरासान) के क़स्बा ताहिरान में (मलिक शाह सलजूक़ी स. 299)

सवाल 4305 : हुज्जतुल इसलाम इमाम ग़ज़ाली रहमतुल्लहि अ़लैहि का विसाल कब हुआ?

जवाब 4305 : सन 505 हिजरी में 14 जमादिस्सानी को क़स्बा ताहिराम में (मलिक शाह सलजूक़ी स. 304)

सवाल 4306 : शैख़ैन का लफ्ज़ अगर इलमे हदीस में बोला जाए तो कौन हज़रात मुराद होते हैं?

जवाब 4306 : हज़रत इमाम बुख़ारी व हज़रत इमाम मुस्लिम रहमतुल्लहि अ़लैहिमा।

सवाल 4307 : सिहाहे सित्ता की मशहूर किताब बुख़ारी शरीफ में कुल कितनी हदीसें हैं?

जवाब 4307 : 9882 हदीसें।

सवाल 4308 : हज़रत इमाम बुख़ारी रहमतुल्लहि अ़लैहि का अस्ल नाम बताइए?

जवाब 4308 : मोहम्मद बिन इस्माईल बिद इब्राहीम बुख़ारी रहमतुल्लहि अ़लैहि।

सवाल 4309 : इमाम बुख़ारी रहमतुल्लहि अ़लैहि कब और कहां पैदा हुए?

जवाब 4309 : मांवराउन्नहर शहेर बुख़ारा में सन 194 हिजरी में 13 शव्वाल जुमा बाद नमाज़े अस्र।

(नुज़्हतुल्क़ारी अव्वल सफह 50)

सवाल 4310 : इमाम बुख़ारी रहमतुल्लहि अ़लैहि को ज़बानी कितनी हदीषें याद थीं?

जवाब 4310 : छे लाख।

सवाल 4311 : सहीहैन हदीस की किन किताबों को कहा जाता है?

जवाब 4311 : सही बुख़ारी व सही मुस्लिम को।

सवाल 4312 : हदीस की छे मुस्तनद किताबों को क्या कहा जाता है?

जवाब 4312 : सिहाहे सित्ता।

सवाल 4313 : इमाम बुख़ारी रहमतुल्लहि अ़लैहि का विसाल कब हुआ?

जवाब 4313 : सन 256 हिजरी में।

सवाल 4314 : इमाम तिर्मिज़ी का नाम बताइए?

जवाब 4314 : मोहम्मद बिन ईसा रहमतुल्लहि अ़लैहि।

सवाल 4315 : अबू दावूद का अस्ल नाम क्या था?

जवाब 4315 : सुलैमान अशअ़स रहमतुल्लहि अ़लैहि।

सवाल 4316 : नसई का नाम बताइए क्या था?

जवाब 4316 : अहमद शोऐब रहमतुल्लहि अ़लैहि।

सवाल 4317 : बताइए इब्ने माजा का नाम क्या था?

जवाब 4317 : मोहम्मद बिन ज़ैद रहमतुल्लहि अलैहि।

सवाल 4318 : मुसलमानों की क़दीम यूनीवर सिटी का नाम बताइए?

जवाब 4318 : जामिआ़ अज़हर मिस्र।

सवाल 4319 : जामिआ़ अज़हर मिस्र में कितने तलबा को बयक वक़्त तालीम दि जाती है?

जवाब 4319 : दस हज़ार।

सवाल 4320 : हिंदुसतान में पहली मुस्लिम यूनीवर सिटी कहां वाकेअ़ है?

जवाब 4320 : यूपी अलीगाढ़ में।

सवाल 4321 : जामिआ़ अज़हर मिस्र में दीनियात के इलावा कौनसा मख़्सूस फन सिखाया जाता है?

जवाब 4321 : फन्ने क़ेरात।

सवाल 4322 : हज़रत मौलाना अब्दुलअ़लीम मेरठी रहमतुल्लहि अ़लैहि कब पैदा हुवे?

जवाब 4322 : 10 रमज़ान सन 1310 हिजरी में।

सवाल 4323 : मौलाना अमजद अ़ली रहमतुल्लहि अ़लैहि ने फिक़्ही मसाएल पर कौनसी किताब तस्नीफ फरमाकर उम्मत पर इहसान फरमाया?

जवाब 4323 : बहारे शरीअ़त।

सवाल 4324 : मौलाना अमजद अ़ली रहमतुल्लहि अ़लैहि फन्ने हदीस में किस बुलंद पाया मुहद्दिष के शागिर्द थे?

जवाब 4324 : अ़ल्लामा वसी अहमद मुहद्दिस सूरती रहमतुल्लहि अ़लैहि के।

सवाल 4325 : बताइए सदरु शरीआ़ के कितने साहिबज़ादे और कितनी साहिबजादियां थीं?

जवाब 4325 : 9 साहिब ज़ादे और तीन साहिब ज़ादियां।

सवाल 4326 : अ़ल्लामा याफई रहमतुल्लहि अ़लैहि की मशहूर तस्नीफ का नाम बताइए?

जवाब 4326 : रौज़ुर्रियाहीन नाम की किताब।

सवाल 4327 : बताइए आ़ला हज़रत का फिक़्ही मक़ाम पाकिस्तान के किस मशहूर आ़लिम की तस्नीफ है?

जवाब 4327 : अब्दुल हकीम अख़्तर शाहजहांपूरी की।

सवाल 4328 : इमाम अहमद रज़ा रहमतुल्लहि अ़लैहि की फुक़ाहत पर

"फ़ाज़िले बरेलवी का फ़िक़्ही मक़ाम" नामी किताब के मुसन्निफ़ का नाम बताइए?

जवाब 4328 : अल्लामा गुलाम रसूल सईदी पाकिस्तानी।

सवाल 4329 : आला हज़रत की सियासी बसीरत, दूर अंदेशी पर सय्यद नूर मोहम्मद क़ादरी ने कौनसा रिसाला तहरीर फरमाया है?

जवाब 4329 : आला हज़रत बरेलवी की सियासी बसीरत।

सवाल 4330 : हिंदुसतान की सियासत पर इमाम अहमद रज़ा ने एक यादगार तस्नीफ छोड़ी है आप नाम बताइए?

जवाब 4330 : आलामुल एलाम बिअन्ना हिंदुसतान दारुस्सलाम, अ़रबी में। (1360 हि.)

सवाल 4331 : बताइए सहीहुल बिहारी किस की यादगर है?

जवाब 4331 : मौलाना ज़फरुद्दीन बिहारी रहमतुल्लहि अ़लैहि की।

सवाल 4332 : मौलाना अब्दुलबारी फरंगी महल्ली की तारीख़े पैदाइश क्या है?

जवाब 4332 : 10 रबीउस्सानी सन 1295 हिज्री, वालिदे माजिद का नाम मौलाना अब्दुल वहाब है।

सवाल 4333 : क्या आप मौलाना अब्दुलबारी फरंगी महल्ली की तारीख़े वफात बता सक्ते हैं?

जवाबँ 4333 : 4 रजबुल्मुरज्जब सन 1344 हिज्री।

सवाल 4334 : हयाते आ़ला हज़रत जो चार जिल्दों पर मुश्तमिल है किस की तस्नीफ है?

जवाब 4334 : मौलाना ज़फरुद्दीन बिहारी रहमतुल्लहि अ़लैहि की।

सवाल 4335 : मुफ्ती बदरुद्दीन क़ादरी बदरे मिल्लत रहमतुल्लहि अ़लैहि ने सरकारे आ़ला हज़रत पर कौन सी किताब लिखी है?

जवाब 4335 : सवानेह आ़ला हज़रत।

सवाल 4336 : बताइए "करामाते आ़ला हज़रत" के मुसन्निफ कौन हैं?

जवाब 4336 : इक़्बाल अहमब नूरी।

सवाल 4337 : सरकार आ़ला हज़रत पर सब से पहले कौनसी किताब शाएअ़ हुई?

जवाब 4337 : मुजद्दिदे इसलाम (1959 ई० में)

सवाल 4338 : फन्ने हदीस में पहली किताब किस ने तस्नीफ फरमाई?

जवाब 4338 : हज़रत इब्ने हेज़म ने।

सवाल 4339 : क़सीदए बुरदह शरीफ किस ने नज़्म फरमाई?

जवाब 4339 : इमाम मोहम्मद बिन सईद बूसीरी रहमतुल्लाहि अ़लैहि ने।

सवाल 4340 : इमाम मोहम्मद बिन सईद बूसेरी कहां और कब पैदा हुवे?

जवाब 4340 : यकुम शव्वाल सन 608 हिज्री, मिस्र के क़स्बा वेलास में।

सवाल 4341 : मश्हूर किताब बैहक़ी के मुसन्निफ का नाम बताइए?

जवाब 4341 : अबू बकर अहमद बिन हुसैन।

सवाल 4342 : मोअल्लिफे दलाइलुल ख़ैरात का इस्मे गिरामी बताइए?

जवाब 4342 : हज़रत अब्दुल्लाह मोहम्मद बिन सुलेमान अलजज़ौली रहमतुल्लहि अ़लैहि।

सवाल 4343 : मोअल्लिफे दलाइलुल ख़ैरात हज़रत अब्दुल्लाह मोहम्मद बिन सुलेमान अलजज़ौली रहमतुल्लहि अ़लैहि के जसदे मुबारक को कितने साल के बाद कहां से कहां मुन्तक़िल क्या गया?

जवाब 4343 : 77 साल के बाद मक़ामे सूस से मुराक़श मुन्तक़िल किया गया मगर कफन तक बोसीदह न हुवा था।

सवाल 4344 : उस मुजाहिदे हुर्रियत का नाम बताइए जो अपने दोस्तों और रफीक़ों के साथ वतन की आज़ादी के लिये काला पानी (जज़ीरए इंडमान) में क़ैद व बंद की सूरत में राहिए मुल्के बक़ा हुवे?

जवाब 4344 : अ़ल्लामा फज़्ले हक़ ख़ैराबादी रहमतुल्लहि अ़लैहि, सन 1859 ई० (आज़ादी के मुजाहिद अज़: महमूदुर्रहमान सफह 35)

सवाल 4345 : अ़ल्लामा फज़्ले हक़ ख़ैराबादी की विलादत की तारीख़ बताइए?

जवाब 4345 : सन 1212 हि./सन 1797 ई०।

सवाल 4346 : हज़रत मुफ्ती शरीफुलहक़ अम्जदी अ़लैहिर्रहमा की तारीख़े विसाल बताइए?

जवाब 4346 : 11 मई सन 200) ई०।

सवाल 4347 : आ़लमी शुहरत याफ्ता दरसगाह दारुल उलूम यतीम ख़ाना सफविया करनैल गंज गोंडा यूपी जो हिफ्ज़ व क़ेरात में बे मिसाल और यक्ता है किस बुज़ुर्ग हस्ती की यादगार है?

जवाब 4347 : हुज़ूर सय्यदुना अश्शाह मश्हूदुल्लाह उर्फ अ़ब्दुल अ़लीम बक़ाई अ़लैहिर्रहमा की यादगार है।

सवाल 4348 : मज्मूअए खुतबए इलमी के मुसन्निफ का इस्मे गिरामी बताइए?

जवाब 4348 : मौलाना मोहम्मद हसन इलमी बरेलवी रहमतुल्लहि अ़लैहि।

सवाल 4349 : मौलाना मोहम्मद हसन इलमी बरेलवी रहमतुल्लहि अ़लैहि के पीर व मुर्शिद का इस्मे गिरामी बताइए?

जवाब 4349 : इमाम अहमद रज़ा खान बरेलवी के दादा मौलाना रज़ा अ़ली खान रहमतुल्लहि अ़लैहिमा।

सवाल 4350 : रज़ा अकेडमी मुंबई ने पांच अकाबिर उलमाए अहले सुन्नत की ख़िदमत में इमाम अहमद रज़ा एवार्ड पेश किया था बताइए यह तारीख़ साज़ यादगारी तक़रीब कब और कहां मुंअकिद हुई?

सवाल 4350 : 10 ़व्वाल सन 1418 हि./ 7 फरवरी 1998 ई० बमकाम हज हाउस मुंबई में।

सवाल 4351 : उन पांच अकाबिर उलमाए अहले सुन्नत के इस्मे गिरामी बताइए जिन्हें इमाम अहमद रज़ा एवार्ड पेश किया गया?

जवाब 4351 : (1) शारहे बुख़ारी हज़रत मुफ्ती मोहम्मद शरीफुलहक़ अमजदी मिस्बाही सदर दारुलइफ्ता अल जामिअ़तुल अशरफिया मुबारकपुर (2) रईसुत्तहरीर हज़रत अ़ल्लामा अरशदुल क़ाद्री बानी जामिआ़ निज़ामुद्दीन देहली (3) बहरुल उलूम मुफ्ती अब्दुल मन्नान साहिब क़िब्ला आज़मी (4) मुफतिए आज़म महाराष्ट्र हज़रत मुफ्ती गुलाम मोहम्मद साहिब क़िब्ला रज़वी नागपूरी (5) फक़ीहे मिल्लत हज़रत मुफ्ती मोहम्मद जलालुद्दीन साहिब क़िब्ला अम्जदी।

सवाल 4352 : फतावा आ़लमगीरी जो दस जिल्दों पर मुश्तमिल है किस ने कितने उलमा की मदद से मुरत्तब किया?

जवाब 4352 : औरंगज़ेब आ़लमगीर रहमतुल्लहि अ़लैहि ने चालीस जय्यद उलमा की मदद से।

सवाल 4353 : अ़ल्लामा इक़बाल की उस तस्नीफ का नाम बताइए जो उन के इन्तेक़ाल के बाद छपी?

जवाब 4353 : अरमुग़ाने हेजाज़।

❖❖❖

हज़रत तारिक़ बिन ज़ियाद व मूसा बिन नसीर रहमतुल्लहि अलैहिमा

सवाल 4354 : साहिले यूरप पर कशतियां जलाने वाले मुजाहिदीन की तअदाद क्या थी?

जवाब 4354 : सात हज़ार।

सवाल 4355 : उंदुलस में यूरप के मुल्कों को लल्कार ने वाले मुजाहिदीन के मुक़ाब्ला में यूरपी फौज की तअदाद क्या थी?

जवाब 4355 : तक़रीबन एक लाख।

सवाल 4356 : उंदुलस फतेह करने के लिये फरांस की सरहद में दाख़िल होने वाले जरनैलों के नाम बताइए?

जवाब 4356 : अमीर मूसा बिन नसीर और तारिक़ बिन ज़ियाद व यूसुफ बिन ताश्क़ीन।

सवाल 4357 : उंदुलस के साहिल पर फौज उतार कर कशतियां जलाने का हुक्म किस ने दिया?

जवाब 4357 : तारिक़ बिन ज़ियाद ने।

नोट : (तारिक़ बिन ज़ियाद की विलादत 19 जूलाई सन 681 ईसवी/ 6 ाव्वाल सन 61 हिज्री में बवक़्ते सुबह सादिक़ क़बीलए आकिफ में हुई)

सवाल 4358 : फातहे उंदुलस मूसा बिन नसीर कितने साल तक मैदाने जंग में लड़ते और कूच करते रहे?

जवाब 4358 : तक़रीबन साठ साल तक।

सवाल 4359 : दूसरे फातहे उंदुलस हज़रत मूसा बिन नसीर अमीरे अफ्रीक़ा को बेड़ियाँ पहनाकर भिकारी किस ने बनाया?

जवाब 4359 : सुलेमान बिन अब्दुलमलिक ने।

सवाल 4360 : हिंदुसतान और यूरप में मुसलमानों की अफ्वाज पहुंचाने और इसलामी परचम लहराने में मुस्लिम मुवर्रिख़ों के नज़दीक ज़्यादहतर किस का हाथ था?

जवाब 4360 : क़ुतैबा बिन मुस्लिम का जिस को सुलेमान बिन अब्दुलमलिक ने पाबंदे सलासिल किया था।

सवाल 4361 : मूसा बिन नसीर के उस बेटे का नाम बताइए जो क़ाइमुल्लैल और साइमुन्नहार थे जिनका सर क़लम करके आप के सामने कैद ख़ाना में पेश किया गया?

जवाब 4361 : अमीर अ़ब्दुल अ़ज़ीज़।

सवाल 4362 : फ़ातहे समरक़ंद किस मुजाहिद का लक़ब था?

जवाब 4362 : कुतैबा बिन मुस्लिम का।

सवाल 4363 : उन तीनों जांबाज़ अमीर व सालार का नाम बताइए जिन्हें एकही कै़द ख़ाना में मौत वाक़ेअ हुई?

जवाब 4363 : मूसा बिन नसीर, तारीक़ बिन ज़ियाद, कुतैबा बिन मुस्लिम।

❖❖❖

सुलतान नूरुद्दीन ज़ंगी व सलाहुद्दीन अय्यूबी रहमतुल्लहि अ़लैहिमा

सवाल 4364 : उस फ़ातहे बैतुल मक़द्दस का नाम बताओ जिस ने अपने जंगी चालों से मग़रेबी दुनिया को हैरत ज़दह कर दिया?

जवाब 4364 : सुलतान सलाहुद्दीन अय्यूबी बिन नज्मुद्दीन।

सवाल 4365 : सुलतान सलाहुद्दीन अय्यूबी का मज़ार कहां वाक़ेअ है?

जवाब 4365 : जामे मस्जिद दमि क़ के बाबे शुमाली पर मक़्बिरह के अंदर।

सवाल 4366 : फ़ातहे बैतुल मुक़द्दस सलाहुद्दीन अय्यूबी का विसाल कब हुआ?

जवाब 4366 : 4 मार्च 1193 ई० में।

सवाल 4367 : सुलतान सलाहुद्दीन अय्यूबी के मज़ार पर लंगर का इंतिज़ाम किस की जानिब से होता है?

जवाब 4367 : सुलताने रूम की तरफ से।

सवाल 4368 : सलीबी फरमा रवाओं और सैहूनी ताक़तों पर क़हरे इलाही बन कर सलाहुद्दीन अय्यूबी कब नाज़िल हुए?

जवाब 4368 : सन 588 हि. में।

सवाल 4369 : एक मसीही हाकिम की दावत क़ुबूल करते हुवे अय्यूबी ने उस से क्या मुतालिबा किया था?

जवाब 4369 : मेरे सिपाहियों के लिये भी वही खाना तय्यार किया जाए जो मेरे लिये तय्यार किया जाए गा।

सवाल 4370 : सुलतान नूरुद्दीन ज़ंगी जो एक आदिल और आशिके रसूल हुक्मरां थे उनकी वफात कब हुई?

जवाब 4370 : 569 हिज्री मुताबिक़ 1193 ईसवी में।

सवाल 4371 : सलाहुद्दीन अय्यूबी किस कौम से तअल्लुक़ रख्ते थे?

जवाब 4371 : कौमे कुर्द से।

सवाल 4372 : सलाहुद्दीन अय्यूबी के वालिद आप को किस की बारगाह में दुआ के लिये ले गए थे?

जवाब 4372 : सरकार गौस पाक रहमतुल्लाहि अलैहि की बारगाह में और आप ने दस्ते मोबारक सर पर फेर कर दुआ फरमाई।

सवाल 4373 : सलाहुद्दीन अय्यूबी के वालिद किस के मुरीद थे?

जवाब 4373 : सरकार गौस पाक रहमतुल्लाहि अलैहि के।

सवाल 4374 : सुलतान नूरुद्दीन बिन इमादुद्दीन जिस ने सलीबियों के हौसिले पस्त कर दियेथे बताइए उनके अलम का रंग कैसा था?

जवाब 4374 : सियाह था जिस में कढ़ाई की सूरत में कलिमा तय्यबा लिखा हुवा था।

सवाल 4375 : उस पहले मुस्लिम हुक्मरां का नाम बताइए जिस ने नामाबर कबूतरों से वसीअ पैमाने पर काम लिया?

जवाब 4375 : सुलतान नूरुद्दीन।

सवाल 4376 : सुलतान नुरुद्दीन का मजार कहां वाके है?

जवाब 4376 : दमि क़ के एक बाजार मदरसा नूरिया के एहाता के अंदर जिसे सुलतान ने खुद बनवाया था।

नोट : उस बाजार को आज कल सूकुलख़यातीन कहते हैं खूश अक़ीदह लोगों का ख़्याल है कि जो दुआ सुलतान के मजार पर मांगी जाती है ज़रूर क़बूल होती है।

तू ज़िंदा है वल्लाह तू ज़िंदा है वल्लाह
मेरे चश्मे आलम से छुप जाने वाले

फातहे सिंध मोहम्मद बिन क़ासिम रहमतुल्लहि अलैहि

सवाल 4377 : हिंदुसतान पर पहला हमला किस मुजाहिद ने किया?

जवाब 4377 : मोहम्मद बिन क़ासिम ने।

सवाल 4378 : मोहम्मद बिन क़ासिम कहां के रहने वाले थे?

जवाब 4378 : शहरे ताइफ के।

सवाल 4379 : मोहम्मद बिन क़ासिम को कहां का गवर्नर बनाया गया?

जवाब 4379 : मुल्के फ़ारस का।

सवाल 4380 : हज्जाज बिन यूसुफ ने राजा दाहिर के ज़ुल्म के ख़ातिमे के लिये किस क़बीला की औरत की फ़रयाद पर लब्बैक कहते हुए मोहम्मद बिन क़ासिम को रवाना किया था?

जवाब 4380 : क़बीलए यरबूआ की।

सवाल 4381 : हज्जाज बिन यूसुफ ने पहला फौजी दस्ता सिंध की तरफ किस की सालारी में रवाना किया?

जवाब 4381 : अ़ब्दुल्लाह बिन निब्हाल की।

सवाल 4382 : मोहम्मद बिन क़ासिम के मोहकमए जासूसी के सरबराह का नाम क्या था?

जवाब 4382 : शअ़बान सक़फी।

सवाल 4383 : दबील के क़िलअ़ पर सब से पहले पहुंचने वाले मुजाहिद का नाम बताइए?

जवाब 4383 : सअ़दी बिन खुज़ैमा कूफी।

सवाल 4384 : मोहम्मद बिन क़ासिम की फौजियों में सब से पहले किस सिपाही ने दरयाए सिंध में अपनी जान का नज़राना पेश किया?

जवाब 4384 : तुराब, जो बनी हन्ज़ला में से थे दरया की लहरों की नज़्र हो गए।

सवाल 4385 : तारीख़े सिंध के उस मुजाहिद का नाम बताइए जिस ने राजा दाहिर के फौजी हाथियों की सूंड काट कर सिपाहियों के हौसिले बुलंद कर दिये थे?

जवाब 4385 : अबू इस्हाक़ नासिरी।

सवाल 4386 : राजा दाहिर को मोहम्मद बिन क़ासिम की फौज के किस सिपाही ने हलाक किया?

जवाब 4386 : क़ासिम बिन सअ़लबा बिन अ़ब्दुल्लाह जो क़बीलए बनी तै से थे।

सवाल 4387 : मोहम्मद बिन क़ासिम ने सिंध कब फतेह किया?

जवाब 4387 : रमज़ानुल मोबारक सन 93 हिज्री में।

सवाल 4388 : मोहम्मद बिन क़ासिम ने मुलतान कब फतेह किया?

जवाब 4388 : सन 95 हिज्री में।

सवाल 4389 : फातहे सिंध व हिंदुसतान को किस ने गिरफ़्तार करवाया?

जवाब 4389 : सुलेमान बिन अ़ब्दुल मलिक ने ज़ाती इनाद की बुनियाद पर।

सवाल 4390 : मोहम्मद बिन क़ासिम बवक़्ते इन्तेक़ाल क़ैद ख़ाना कितने साल के थे?

जवाब 4390 : 22 साल के।

सवाल 4391 : मोहम्मद बिन क़ासिम के वालिद का नाम बताइए?

जवाब 4391 : क़ासिम बिन यूसुफ।

सवाल 4392 : मोहम्मद बिन क़ासिम के चचा का नाम बताओ जो फन्ने ज़रबो हरब में माहिर था?

जवाब 4392 : हज्जाज बिन यूसुफ।

सवाल 4393 : मोहम्मद बिन क़ासिम ने माले ग़नीमत का जो पांचवां हिस्सा ख़िलाफत के लिये रवाना किया उस में कौन दो चीज़ें ख़ास अहमियत की हामिल थीं?

जवाब 4393 : राजा दाहिर का कटा हुआ सर और उस्की खूबसूरत भांजी हुस्ना।

सवाल 4394 : मोहम्मद बिन क़ासिम की फौजी मिंजनीक़ 'उरूस' के निशाना बाज़ का नाम बताइए?

जवाब 4394 : जऊ़ना सलमी।

फातहे अफ़्रीक़ा यूसुफ बिन ताशिक़ीन रहमतुल्लाहि अ़लैहि

सवाल 4395 : दुर्वेश हुक्मरां यूसुफ बिन ताशिक़ीन कहां के रहने वाले थे?

जवाब 4395 : अफ्रीक़ा के।

सवाल 4396 : यूसुफ बिन ताशिक़ीन की बारगाह में उंदुलस फतेह करने की दअ़वत ले जाने वाले वफद में कौन खुसूसियत के हामिल थे?

जवाब 4396 : क़ाज़ी अबू जअ़फर।

सवाल 4397 : तारीख़े इसलाम के उस मुजाहिद का नाम बताओ जिस ने उंदुलस का मुस्तक़्बिल रौशन करने के लिये अपने बीमार बच्चे को छोड़ कर दरया में सफीना ड़ाल दिया?

जवाब 4397 : यूसुफ बिन ताशिक़ीन।

सवाल 4398 : यूसुफ बिन ताशिक़ीन के फौजियों पर ऐन हालते नमाज़े जुमा किस ने हमला किया?

जवाब 4398 : अलफान्सू ने, जिस ने पूरे उंदुलस पर क़ब्ज़ा कर रख्खा था।

सवाल 4399 : यूसुफ बिन ताशिक़ीन ने उंदुलस में जंगे ज़लाफा किस तारीख़ में लड़ी?

जवाब 4399 : माहे रमज़ान 480 हिज्री में या 479 हिज्री में।

मुसलमानों की सुनहरी तारीख़

नहीं तेरा नशीमन क़स्रे सुलतानी के गुंबद पर
तू शाही है बसेरा कर पहाड़ों की चटानों पर

सवाल 4400 : हिंदुस्तान में पहली मस्जिद किस ने कहाँ तअ़मीर करवाई?

जवाब 4400 : मोहम्मद बिन क़ासिम ने दबील में मगर अफ्सोस आज उसका निशान भी बाक़ी न रहा।

सवाल 4401 : हिंदुस्तान में सब से पहले मिंजनीक़ किस ने इस्तेअ़माल की?

जवाब 4401 : अ़रब के मुसलमानों ने।

सवाल 4402 : क़रतबा की जामे मस्जिद जो सारी दुनिया की इमारतों में गूना गूं ख़ूबियों की हामिल है उसकी बुन्नियाद किस ने रख्खी?

जवाब 4402 : अमीर अ़ब्दर्रहमान अद्दाख़िली ने।

सवाल 4403 : क़रतबा की दूसरी शानदार इमारतों में किस इमारत को फौक़ियत हासिल है?

जवाब 4403 : मदीनतुज़्ज़ोहरा जिसे उंदुलस के ख़लीफए आ़ज़म अ़ब्दुर्रहमान सालिस ने तअ़मीर करवाया।

सवाल 4404 : उस जलीलुल क़द्र शख़्सियत का इस्मे गिरामी बताइए जिसे मग़रिबी दुनिया अ़ज़ीम फल्सफी तसव्वुर करती है?

जवाब 4404 : हज़रत इमामे ग़ज़ाली रहमतुल्लाहि अ़लैहि।

सवाल 4405 : दूरबीन सब से पहले किस शख़्स ने ईजाद कि?

जवाब 4405 : अबू इस्हाक़ इब्राहीम नामी शख़्स नें।

सवाल 4406 : इलमे कीमिया का बानी और बेशुमार मुरक्केबात का मोजिद कौन शख़्स गुज़रा है?

जवाब 4406 : जाबिर बिन हयान।

सवाल 4407 : इलमे हैवानात और नबातात पर लिखी जाने वाली सब से पहनी किताब के मुसन्निफ का इस्मे गिरामी बाताइए?

जवाब 4407 : अ़ब्दुलमलिक अस्मई।

सवाल 4408 : अलजब्रा का मोजिद और अलजब्र मुकाब्ला व इलमुलहिसाब का मुसन्निफ सब से पहले कौन शख़्स हुवा?

जवाब 4408 : मोहम्मद बिन मूसा ख़्वारज़मी।

सवाल 4409 : दुनिया में टेकनिकल इंजीनिरिंग और इलमे मीकानियत पर पहली किताब किस ने लिखी?

जवाब 4409 : अहमद बिन मूसा शाकिर ने।

सवाल 4410 : ज़मीन का सहीह मुहीत़ मअ़लूम करने वाले पहले साइंस्दां का नाम बताइए?

जवाब 4410 : अबू अ़ब्बास अहमद बिन मोहम्मद कसीर।

सवाल 4411 : मुसलमानों का वह कौनसा पहला फल्सफी गुज़रा है जिस ने मग़रेबी दुनिया को हैरत ज़दह कर दिया?

जवाब 4411 : अबू यूसुफ यअ़कूब बिन इस्हाक़ कंदी।

सवाल 4412 : इलमुल कलाम के बानी का नाम बताइए?

जवाब 4412 : अ़ल्लामा अबुल हसन अश्अ़री रहमतुल्लाहि अ़लैहि।

सवाल 4413 : तिब्बे इम्दादी, मीज़ाने त़बई, अलकुहल दरयाफ्त करने वाले तिब के इमाम का नाम बताइए?

जवाब 4413 : अबू बकर मोहम्मद ज़करिया राज़ी।

सवाल 4414 : हकीम अबू नस्र मोहम्मद बिन फाराबी को किस इल्म में माहीर तस्लीम किया गया है?

जवाब 4414 : इल्मे अख़्लाक़ और इल्मे नफ्सियात में।

सवाल 4415 : इलमे नूर और आँख की पुत्ली का मुहक़्क़िक़ और केम्रा का ईजाद करने वाला कौन शख़्स गुज़रा है?

जवाब 4415 : बूअ़ली हसन इब्नुल हैसम।

सवाल 4416 : नबातात में जिंदगी, हैवानात में कुव्वते हिस और दिमाग़ी इरतिक़ा दरयाफ्त करने वाले इलमे समाजियात व नफसियात और अख़्लाक़ियात के अ़ज़ीम मुहक़्क़िक़ का नाम बताइए?

जवाब 4416 : अहमद बिन मोहम्मद अ़ली मिस्कविया।

सवाल 4417 : इलमे तबईयात और इलमुल अम्राज़ और इलमुल अदविया के फुनून का मोजिद और जामेअ़ शख़्सियत साइंस्दानों में सब से ज़्यादह किताबें लिखने वाले शख़्स का नाम बताइए?

जवाब 4417 : शैख़ हुसैन अब्दुल्लाह बिन अली सीना।

सवाल 4418 : दुनिया का पहला जुगराफियादां, माहिरे आसारे क़दीमा व अरज़ियात, बर्रे सग़ीर का पहला मोअर्रिख़ सय्याह, धातों की कसाफते इज़ाफी मालूम करने वाले साइंस्दां का नाम बताइए?

जवाब 4418 : अबू रैहान मोहम्मद बिन अहमद अल बैरूनी।

सवाल 4419 : इलमे दीन के मुजद्दिद और जदीद फल्सफए अख़्लाक़ के बानी और इलमे नफसियात व फल्सफा के अज़ीम मुहक़्क़िक़ का इस्मे गिराम बताइए?

जवाब 4419 : हुज्जतुल इसलाम अल्लामा इमाम मोहम्मद ग़ज़ाली रहमतुल्लाहि अलैहि।

सवाल 4420 : सब से पहले घड़ी किस ने ईजाद करवाई?

जवाब 4420 : ख़लीफा हारून रशीद ने।

सवाल 4421 : छपाई की मशीन के मोजिद सब से पहले कौन लोग हुवे?

जवाब 4421 : मुसल्मानाने उंदुलस।

सवाल 4422 : सब से पहले बंदूक़ किस ने बनाई?

जवाब 4422 : मीर फत्हुल्लाह शीराज़ी ने, जिस से यके बाद दीगरे पांच आवाज़ें पैदा होती थीं।

सवाल 4423 : तोपों और बारूदों को सब से पहले कहाँ के लोगों ने बनाया?

जवाब 4423 : उंदुलस के मुसलमानों ने।

सवाल 4424 : उस मुस्लिम साइंस्दां का नाम बताइए जिस ने सब से पहले फिज़ाई परवाज़ की?

जवाब 4424 : अबुलक़ासिम बिन फरनास।

सवाल 4425 : महमूद ग़ज़्नवी ने हिंदुस्तान पर कितने मंतबह हम्ला किए?

जवाब 4425 : 17 मंतबह।

सवाल 4426 : महमूद ग़ज़्नवी ने हिंदुस्तान पर कब से कबतक हुकूमत की?

जवाब 4426 : 1175 ईसवी से 1194 ईसवी तक।

सवाल 4427 : हज़रत महमूद ग़ज़्नवी रहमतुल्लाहि अलैहि ने हिंदुस्तान के खम्बायत पर हम्ला कब किया?

जवाब 4427 : 11 मार्च सन 1019 ईसवी में।

सवाल 4428 : कुत्बुद्दीन अयबक का दौरे हुकूमत बताइए?

जवाब 4428 : 1193 ईसवी से 1210 ईसवी तक।

सवाल 4429 : अलतमश जिन के दौरे इक़्तेदार को मुसलमानों की सियासी ताक़त से तअबीर किया जाता है, बताइए आपने कब से कब तक हुकूमत की?

जवाब 4429 : 1211 ईसवी से 1236 ईसवी तक।

सवाल 4430 : रज़िया बेगम देहली की तख़्त नशीन होने वाली अव्वलीन ख़ातून जिन की बहादुरी तारीख़ के सफहात का अहेम और सुनेहरा बाब तसव्वुर किया जाता है, कब से कब तक हुकूमत की?

जवाब 4430 : 1236 ईसवी से 1240 ईसवी तक।

सवाल 4431 : मुसलमानों के दौरे हुकूमत का एक अहेम बादशाह जिस ने इक़्तेदार की मरकज़ियत क़ाएम की उनका नाम और दौरे हुकूमत बताइए?

जवाब 4431 : ग़यासुद्दीन बलबल 1266 ई. से 1286 ईसवी।

सवाल 4432 : अ़लाउद्दीन ख़िलजी ने कब से कब तक हुकूमत की?

जवाब 4432 : 1296 ई. से 1316 ईसवी तक।

सवाल 4433 : मोहम्मद बिन तुग़लक़ का दौरे हुकूमत बताइए?

जवाब 4433 : 1325 ई.से 1351 ईसवी तक।

सवाल 4434 : फीरोज़ शाह तुग़लक़ सोयम ने कब से कब तक हुकूमत की?

जवाब 4434 : सन 1351 ई. से सन 1388 ई० तक।

सवाल 4435 : अ़लाउद्दीन हसन गंगू ने मोहम्मद बिन तुग़लक़ से बग़ावत करके कौनसी हुकूमत क़ाएम की?

जवाब 4435 : सन 1347 ईसवी में बहमनी सलतनत।

सवाल 4436 : शमसुद्दीन शाह का अस्ल नाम बताइए?

जवाब 4436 : शमस शाह मिर्ज़ा, कशमीर में मुसलिम हुकूमत की इब्तेदा की, दौरे हुकूमत सिर्फ तीन साल रहा, सन 1334 ईसवी से सन 1335 ईसवी तक, कशमीर से हिज्रत कर जाने वाले हिंदुवों को बुल्वाकर दोबारह बसाने का कारनामा अनजाम दिया।

सवाल 4437 : सलतनते बेजापूर की बुन्नियाद ड़ालने वाले बादशाह यूसुफ आ़दिल शाह का दौरे हुकूमत बताइए?

जवाब 4437 : सन 1489 ईसवी से 1510 ईसवी तक।

सवाल 4438 : माल्वह के पहले हुक्मरां का नाम बताइए?

जवाब 4438 : महमूद ख़िल्जी जिस ने सन 1436 ईसवी से सन 1469 ईसवी तक हुकूमत करके माल्वह को जन्नत नज़ीर बनाया।

सवाल 4439 : शहाबुद्दीन ग़ौरी ने देहली कब फतेह किया?

जवाब 4439 : सन 571 हिज्री में।

सवाल 4440 : जहाज़रानी की शुरूआत कब से हुई?

जवाब 4440 : हज़रत अमीरे मुआविया रज़ि यल्लाहु अन्हु के दौरे हुकूमत से।

सवाल 4441 : पानीपत के मैदान में लड़ी जाने वाली पहली जंग किन के दरमियान हुई?

जवाब 4441 : ज़हीरुद्दीन बाबर और इब्राहीम लोधी के बीच जिस में इब्राहीम मारा गिया। (औरंगज़ेब सफह 24)

सवाल 4442 : ज़हीरुद्दीन बाबर ने पहली जंग जो पानीपत में लड़ी थी जिस में वह फतेह मंद हुवा था उसका सने ईसवी बताइए?

जवाब 4442 : सन 1526 ईसवी (हवाला मुंदर्जा बाला)।

सवाल 4443 : ज़हीरुद्दीन बाबर ने हिंदुस्तान की शहेन शाहियत का ताज अपने सर पर कब रख्खा था?

जवाब 4443 : 26 दिसम्बर सन 1526 ईसवी में। (हवाला मुंदर्जा बाला)

सवाल 4444 : ज़हीरुद्दीन बाबर का इन्तेकाल कब हुवा?

जवाब 4444 : 26 दिसम्बर सन 1530 ईसवी में। (हवाला मुंदर्जा बाला)

सवाल 4445 : नसीरुद्दीन हुमायूँ के बाप का नाम बताइए?

जवाब 4445 : ज़हीरुद्दीन बाबर। (हवाला मुंदर्जा बाला)

सवाल 4446 : हुमायूँ को शिकश्त देकर भागने पर किस ने मज्बूर कर दिया था?

जवाब 4446 : अपनी जंगी चालों से शेर शाह सोरी ने शिकश्त की अस्ल वजह उसके बिरादरान ही थे। (औरंग ज़ेब सफह 25)

सवाल 4447 : हुमायूँ ने दोबारह तख़्तो ताज कैसे हासिल किया?

जवाब 4447 : शाहे ईरान के ईरानी लश्कर फराहम कर देने की वजह से। (औरंग ज़ेब सफह 26)

सवाल 4448 : जलालुद्दीन मोहम्मद अक्बर के वालिदैन का नाम बताइए?

जवाब 4448 : नसीरुद्दीन हुमायूँ और माँ का नाम मलका हमीदह बानो था।
(हवाला मुंदर्जा बाला)

सवाल 4449 : जलालुद्दीन अक्बर का पहला नाम बताइए क्या था?

जवाब 4449 : बदरुद्दीन, चौदहवीं शब में पैदा होने की वजह से।
(औरंग ज़ेब सफह 26)

सवाल 4450 : हिंदुस्तान के उस बादशाह का नाम बताइए जो हुरूफे तहेज्जी यानी अलिफ बा से आगे न पढ़ सका और तमाम उम्र जाहिल रहा?

जवाब 4450 : जलालुद्दीन मोहम्मद अक्बर। (औरंगज़ेब स. 27)

सवाल 4451 : अक्बर बादशाह का इन्तेक़ाल कब हुवा?

जवाब 4451 : बउम्र 63 साल सन 1605 ईसवी में।
(औरंग ज़ेब सफह 29)

सवाल 4452 : नूरुद्दीन मोहम्मद जहांगीर के बाप का नाम बताइए?

जवाब 4452 : जलालुद्दीन मोहम्मद अक्बर। (औरंग ज़ेब स. 29)

सवाल 4453 : क़िला के बुर्ज से सोने की ज़ंजीर जहांगीर ने बंधवाई थी ताकि फरयादी ज़ंजीर खींच कर बादशाह सलीम को अपनी फरयाद से आगाह कर सकें, बताइए उस ज़ंजीर का नाम किया रख्खा गया था?

जवाब 4453 : "ज़ंजीरे अ़दली" जिस में 60 घंटियां आवेज़ां थीं।
(औरंग ज़ेब सफह 30)

सवाल 4454 : जहांगीर का इन्तेक़ाल कब हुवा?

जवाब 4454 : 28 अक्तूबर 1627 ईसवी में। (औरंगज़ेब स. 32)

सवाल 4455 : शहज़ादह खुर्रम शहाबुद्दीन मोहम्मद शाह जहां कब पैदा हुवा?

जवाब 4455 : 5 जनवरी सन 1592 ईसवी बरोज़ जुमेरात लाहोर में।
(औरंग ज़ेब सफह 33)

सवाल 4456 : शाहजहां के बाप का नाम बताइए?

जवाब 4456 : नूरुद्दीन मोहम्मद जहांगीर। (हवाला मुंर्दजा बाला)

सवाल 4457 : शाह जहां कब तख़्त नशीं हुवा?

जवाब 4457 : 4 फरवरी 1628 ईसवी। (औरंग ज़ेब सफह 34)

सवाल 4458 : शाहजहां का इन्तेक़ाल कब हुवा?

जवाब 4458 : 26 रजब 1076 हिज्री। (औरंग ज़ेब सफह 192)

सवाल 4459 : सुलतान महमूद ग़ज़्नवी का विसाल कब हुवा?

जवाब 4459 : 421 हिजरी में (मलिक शाह सल्जूकी सफह 29)

सवाल 4460 : मलकए ज़ुबैदह हारून रशीद का इन्तेकाल कब हुवा?

जवाब 4460 : बग़दाद में 215 या 216 हिज्री/830 या 831 ईसवी में। (मलिक शाह सल्जूक़ी सफह 143)

❖❖❖

तवारीख़ मुतफर्रिक़ ग़ज़वात व सराया

सवाल 4461 : सरियए अबू उबैदह इब्नुलजर्राह कब वाके हुई?

जवाब 4461 : रजब सन 8 हिजरी/नवम्बर सन 629 ई. में।

सवाल 4462 : मुनकिरीने मक्का की तरफ से मुआहिदए सुलहे हुदैबिया की ख़िलाफ वर्ज़ी कब अमल में आई?

जवाब 4462 : रजब 8 हिजरी/नवम्बर 629 ई० में।

सवाल 4463 : मक्का किस सन में फतेह हुआ?

जवाब 4463 : रमज़ान 8 हिजरी/जनवरी 630 ईसवी में।

सवाल 4464 : उज़्ज़ा पर हज़रत ख़ालिद बिन वलीद रज़ि यल्लाहु अन्हु ने कब फौज कशी की ?

जवाब 4464 : 25 रमज़ान 8 हिजरी/जनवरी 630 ई० को।

सवाल 4465 : सअ़द बिन ज़ैद अश्शहली रज़ि यल्लाहु अन्हु ने मन्नात पर कब हमला किया?

जवाब 4465 : 25 रमज़ान 8 हिजरी/जनवरी 630 ई० को।

सवाल 4466 : ग़ज़वए तायेफ कब वक़ूअ पज़ीर हुआ?

जवाब 4466 : शव्वाल 8/ हिजरी यकुम फरवरी 630 ई० में।

सवाल 4467 : ग़ज़वए उसरत यानी ग़ज़वए तबूक कब पेश आया?

जवाब 4467 : रजब 9/हिजरी सितम्बर 630 ई० को।

सवाल 4468 : मक़ामे कुबा की मस्जिदे ज़ेरार का इन्हेदाम कब पेश आया?

जवाब 4468 : ग़ज़वए तबूक से वापसी पर रजब 9/हिजरी सितम्बर 630 ई० में।

सवाल 4469 : ग़ज़वए बनी कुरैज़ा कब वाक़े हुआ?

जवाब 4469 : जीक़ादह 5/हिजरी अप्रैल 627 ई० में।

सवाल 4470 : ग़ज़वए बनी लहियान कब अमल में आया?

जवाब 4470 : रबीउलअव्वल 6/ हिजरी जून 627 में।

सवाल 4471 : सरिया ज़ैद बिन हारिसा जिस में बनी सुलेम पर लश्कर-कुशी की गई कब पेश आया था?

जवाब 4471 : रबीउल आखिर 6/हिजरी सितम्बर 627 ई० में।

सवाल 4472 : कुफ्फार के तिजारती क़ाफिला के ख़िलाफ़ सरिया ज़ैद बिन हारिसा कब पेश आया?

जवाब 4472 : जमादिल अव्वल 6/हिजरी सितेमबर 627 ई० में।

सवाल 4473 : दूमतुल जुन्दल की तरफ हज़रत अब्दुर्रहमान बिन औफ रज़ि यल्लाहु अन्हु के लश्कर की रवांगी कब हुई?

जवाब 4473 : शअबान 6/हिजरी नवम्बर 627 ई० को।

सवाल 4474 : हज़रत अली बिन अबी तालिब रज़ि यल्लाहु अन्हु के लश्कर की रवांगी बनू सअद बिन बकर पर कबअमल में आई?

जवाब 4474 : शअबान 6/हिजरी नवम्बर 627 ई० में।

सवाल 4475 : बैअते रिज़वान का मआमिला कब पेश आया?

जवाब 4475 : यकुम जीक़ादा 6/हिजरी फरवरी 628 ई० को।

सवाल 4476 : मुआहिदह सुलहे हुदैबिया कब अमल में आया?

जवाब 4476 : यकुम जीक़ादा 6/हिजरी फरवरी 628 ई० में।

सवाल 4477 : सरिया ज़ातुल सलासिल कब पेश आया?

जवाब 4477 : जमादिल आख़िर 8 "हिजरी अक्तूबर 629 ई० में।

सवाल 4478 : ग़ज़वए बनी सुलेम बद्र के कितने दिन के बाद वाक़ेअ हुआ?

जवाब 4478 : सात दिन के बाद जनवरी 624 ई० को।

सवाल 4479 : ग़ज़वए बनी क़ैनीक़ाअ कब पेश आया?

जवाब 4479 : शव्वाल 2 हिजरी फ़रवरी 624 ई० में।

सवाल 4480 : ग़ज़वए सुवैक़ कब वाक़ेअ हुआ?

जवाब 4480 : जिलहिज्जा 2/हिजरी अप्रेल 624 ई० में।

सवाल 4481 : ग़ज़वए ग़ितफान कब वाक़े हुआ और उस में इस्लामी लश्कर की तअदाद क्या थी?

जवाब 4481 : ज़िलहिज्जा 2/हिजरी 25/अप्रेल 624 ई० में, तअदादे लश्कर 424 थी।

सवाल 4482 : सरियए बीरे मऊना कब वाक़ेअ हुआ?

जवाब 4482 : सफ़र 4/हिजरी मई 625 ई० में।

सवाल 4483 : ग़ज़वए बनी नुज़ैर कब पेश आया?

जवाब 4483 : रबीउल अव्वल 4/हिजरी जून 625 ई०।

सवाल 4484 : ग़ज़वए दूमतुलजुंदल कब वकूअ पज़ीर हुआ?

जवाब 4484 : रबीउल अव्वल 5/हिजरी जून 626 ई०।

सवाल 4485 : जंगे उहद मेंकिन किन बदबख़्तों ने हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम को जख़्मी किया?

जवाब 4485 : अब्दुल्लाह बिन क़ुमैया के पत्थर से रुख़सारे मुबारका लहू लहान हो गया, और उत्बा बिन अबी वक़ास ने जो पत्थर मारा उस से निचला लबे मुबारका ख़ून आलूद हो गया और आगे के दो दांत शरीफ शहीद हो गए, अब्दुल्लाह बिन शहाब ने कुहनी मुबारका को जख़्मी कर दिया था। (मदारिजु न्नुबूवा ऊर्दू तरजुमा दोम सफह 222)

सवाल 4486 : ग़ज़वए बनी मुसतलिक़ कब वाक़ेअ हुआ?

जवाब 4486 : शअबान 5/हिजरी दिसम्बर 626 ई०।

सवाल 4487 : मआशरती मुक़ातेआ किस सन में हुआ?

जवाब 4487 : यकुम मुहर्रम 7 नबवी बरोज़ मंगल 617 ई०।

सवाल 4488 : मुक़ातेआ और नज़र बंदी का ख़ातिमा कब हुआ?

जवाब 4488 : 617 ई० में।

सवाल 4489 : आम्मुल्हुज़्न कौन सा सने ई० कहलाया?

जवाब 4489 : सन 620 ई०।

सवाल 4490 : सरवरे दो आलम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने अपने गुलाम ज़ैद बिन हारिसा के हमराह सफरे तायेफ किये जहाँ से क़बाइले अरब को दावते इस्लाम का आग़ाज हुआ बताइये कौन सा सने ई. था?

जवाब 4490 : सन 620 ई०।

सवाल 4491 : हज़रत मुसअब बिन उमैर मुबल्लिग़ की हैसियत से मदीना किस सन में त रीफ ले गए?

जवाब 4491 : सन 621 ई० में।

सवाल 4492 : ग़ारे सौर से रवांगी के वक़्त कौन सा सने ई० था?

जवाब 4492 : सन 622 ई०।

सवाल 4493 : क़ुबा में दाख़िला और तअमीरे मस्जिदे क़ुबा के मौक़अ पर कौन सा सने ई० था?

जवाब 4493 : सन 622 ई०।

सवाल 4494 : सरकारे दो आलम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने मदीना में पहली नमाज़े जुमा बनी सालिम में किस सन में अदा फरमाई ?

जवाब 4494 : सन 622 ई० में।

सवाल 4495 : तअमीरे मस्जिदे नबवी किस सन में हुई?

जवाब 4495 : 19/रबीलउल अव्वल सन 1 हिजरी जुलाई 622 ई०।

सवाल 4496 : हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के फरज़ंद हज़रत इब्राहीम रज़ि यल्लाहु अन्हु का विसाल कब हुआ?

जवाब 4496 : जीक़ादा 8/हिजरी मार्च 630 ई० में।

सवाल 4497 : मदीना का नाम यसरब से बदल कर मदीनतुन्नबी कब हुआ?

जवाब 4497 : सन 622 ई० में।

सवाल 4498 : ग़ज़वए सफवान कर्ज़ नि जाबिर ज़हरी की तलाश कब वाक़ेअ हुआ?

जवाब 4498 : सन 623 ई० में।

सवाल 4499 : सरियए अब्दुल्लाह बिन जहश असदी कब अमल में आया?

जवाब 4499 : रजब 2/हिजरी नवम्बर 623 ई० में।

सवाल 4500 : हज़रत उमर फारुक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु जब बैतुलमुक़द्दस की फतेह के लिये तशरीफ ले गए तो अपना क़ायम मक़ाम किस को बनाए थे?

जवाब 4500 : हज़रत अली बिन अबी तालिब रज़ि यल्लाहु अन्हु को।
(मरदाने अरब दोम सफह 207)

सवाल 4501 : बैतुल मुक़द्दस के क़रीब नमाज़े ज़ोहर के लिए अज़ान देने के लिए ख़लीफए दोम और मुसलमानों ने किस से इसरार क्या था?

जवाब 4501 : हज़रत बिलाल हबशी रज़ि यल्लाहु अन्हु से जिन की

दर्द भरी आवाज़ से सारे मुजाहिदीन दर्द व ग़म से चीख़ उठे। (मरदाने अरब दोम सफह 213)

सवाल 4502 : अलम सब से पहले कब तैयार हुवा ?

जवाब 4502 : सन. 2 हिजरी में वह अलम हज़रत अमीर हमज़ह रज़ियल्लाहु अन्हु का था। (मरदाने अरब अव्वल सफह 94)

सवाल 4503 : सरकारे दोआलम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने अलम कितने क़िस्म का तजवीज़ फरमाया?

जवाब 4503 : दो क़िस्म का एक छोटा, एक बड़ा। छोटे का नाम रायत, यह सियाह था दूसरे का नाम लेवा, उस का रंग सफेद था। (मरदाने अरब बव्वल सफह 95)

❖❖❖

गुस्ताख़ क़लम

आज ले उन की पनाह आज मदद मांग उन से
फिर न मांनेंगे क़्यामत में अगर मान गया।

सवाल 4504 : हिन्दुस्तान में ग़ैर मुक़ल्लिद वहाबी मज़हब अंग्रेजों की शह पर किस सन. में पैदा हुआ ?

जवाब 4504 : सन 1818 ईसवी में।

सवाल 4505 : देवबन्दी आलिम की किस किताब में लिखा है कि उम्मती अमल में अंबिया से बढ़ जाते हैं? (मआज़अल्लाह)

जवाब 4505 : तहज़ीरुन्नास सफह 5 में।

सवाल 4506 : मोहम्मद या अली जिस का नाम है किसी चीज़ का मालिक व मुख़तार नहीं (मआज़अल्लाह) किस किताब में लिखा है?

जवाब 4506 : तक़वीयतुल ईमान में सफह 28 तबअ़ देवबन्द।

मुल्हिदों का शक निकल जाए हुज़ूर
जानिबे मह फिर इशारत कीजिए।

सवाल 4507 : सहाबए किराम को काफिर कहने वाला सुन्नत व जमाअ़त से ख़ारिज नहीं है किस मुफ्ती का फतवा है? (मआज़अल्लाह)

जवाब 4507 : रशीद अहमद गंगोही का। (फतावा रशीदिया जिल्द 2, सफह 141)

सवाल 4508 : बुजुर्गाने दीन का तबर्रुक खाने से दिल मुर्दह हो जाता है किस का फतवा है?

जवाब 4508 : मोलवी रशीद अहमद गंगोही का।

जुनूं का नाम ख़िरद रखलिया ख़िरद का जुनूं
जो चाहे आप का हुस्ने करिशमा साज़ करे।

सवाल 4509 : हुजूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम हमारे बड़े भाई हैं? (मआज़अल्लाह) किस किताब में लिखा है?

जवाब 4509 : तक्वीयतुल ईमान में सफह 42,राशिद कमपनी देवबन्द।

सवाल 4510 : अशरफ अली थानवी की उस किताब का नाम बताओ जिस में लिखा है कि यह कहना कि खुदा और रसूल जो चाहे गा तो यह काम हो जाएगा शिर्क है। (मआज़अल्लाह)

जवाब 4510 : बहिश्ती ज़ेवर।

सवाल 4511 : महफिले मीलाद सलाम व क़्याम को हराम कहने वाले फिर्क़ा का नाम बताओ?

जवाब 4511 : देवबन्दी, सुलह कल्ली वग़ैरह।

दुश्मने अहमद पे शिद्दत कीजिए।
मुल्हिदों की क्या मुरव्वत कीजिए।

सवाल 4512 : शादियों के मौक़ा पर सेहरा बांधना मुशरेकाना फेअल है किस जमाअत का ख़्याल है?

जवाब 4512 : वहाबी, देवबन्दी का।

सवाल 4513 : वहाबी, देवबन्दी, जमाअते इस्लामी यह सब अलग अलग फिर्क़े हैं या एक ही जमाअत है?

जवाब 4513 : एक ही पलेट फार्म की मुतअद्दिद लाईनें हैं अलग अलग नामों से मन्सूब कर के मस्लके हक़ अहले सन्नत व जमाअत से बरगशता किया जाता है।

सवाल 4514 : खुदाए पाक झूट बोल सकता है। (मआज़अल्लाह) किस रिसाला में तहरीर है

जवाब 4514 : रिसाला यकरोज़ी सफह 154 इस्माईल देहलवी बहवाला अल अज़ाबुश्शदीद।

जवाब 4515 : रसूले खुदा मर कर मिट्टी में मिल गए। (मआज़अल्लाह) अक़ायेदे बातिला की किस किताब में लिखा है?

जवाब 4515 : तक़्वीयतुल ईमान सफह 19 पर।

सवाल 4516 : आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की वुस्अते इल्म, शैतान और मलकुल मौत के मुक़ाबले में कम है किस ज़ालिम ने लिखा है? (मआज़अल्लाह)

जवाब 4516 : मोलवी रशीद अहमद गंगोही और उन के शागिर्द मोलवी ख़लील अहमद ने। (देखिये बराहीने क़ातिआ सफह 55)

ज़मीं के लाला व गुल की ख़बर नहीं जिन को
वह लोग चांद सितारों की बात कर ते हैं

सवाल 4517 : जब नज्द के बारे में बरकत की दुआ के लिये रहमते आलम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम से दरख़्वास्त की गई तो आप ने क्या फरमाया?

जवाब 4517 : नज्द से ज़ल्ज़ले और फित्ने उठेगें और वहीं से शैतान की सींग (जमाअ़त) निक्लेगी। (इमाम अहमद रज़ा ख़ान रहमतुल्लाहि अ़लैहि ने किया ही उम्दह तरजुमानी की है)

मिसले फारस ज़ल्ज़ले हों नज्द में
ज़िक्रे आयाते विलादत कीजिये

नोट : बताया जाता है कि नज्द का नाम बदल कर रियाज़ रख्खा गया है जो सऊदी का दारुल हुकूमत है।

सवाल 4518 : मोहम्मद बिन अ़ब्दुल वहाब नज्दी की उस किताब का नाम बताओ जिस का तरजुमा इस्मईल देहलवी ने किया है?

जवाब 4518 : किताबुत्तौहीद।

सवाल 4519 : मोलवी इस्माईल देहलवी का मिज़ाज कैसा था?

जवाब 4519 : शिद्दत पसंद और बिदअ़त पसंद।

सवाल 4520 : हज़रत मौलाना मख़्सूसुल्लाह मोहद्दिषे देहलवी रहमतुल्लाहि अ़लैहि ने तक़्वीयतुल ईमान के रद में कौनसी किताब लिखी है?

जवाब 4520 : मुऐइदुल ईमान।

सवाल 4521 : मोलवी इस्माईल देहलवी के बातिल नज़रियात के रद में सब से ज़ियादह किस के शाग्रिदों ने हिस्सा लिया है?

जवाब 4521 : हज़रत मौलाना अ़ब्दुल अ़ज़ीज़ मोहद्दिष देहलवी रहमतुल्लाहि अ़लैहि के।

सवाल 4522 : अ़ल्लामा अश्शह फज़्ले रसूल बदायूनी रहमतुल्लाहि

अलैहि ने तक़्वीयतुल ईमान के रद में कौनसी किताब तस्नीफ फरमाई है?

जवाब 4522 : सौतुर्रहमान अ़ला क़रनि शैतान, दुसरा नाम बवारिके मोहम्मदिया है।

सवाल 4523 : मौलाना अ़ब्दुर्रहमान फारूकी सेल्हटी आसाम ने मोलवी नज़ीर हुसैन देहलवी की किताब सुबूतुल हक़्कुल हक़ीक़ की तरदीद में जो किताब लिखी है उस का नाम बताइए?

जवाब 4523 : सैफुल अब्रारिल्मस्लूलि अ़लल्फुज्जार।(फारसी ज़बान में है)

सवाल 4524 : हज़रत मौलाना ख़ैरुद्दीन मक्की रहमतुल्लाहि अ़लैहि उलमाए मक्का की फरमाइश पर कौनसी किताब तस्नीफ फरमाई?

जवाब 4524 : नज्दी अक़ाएद के रद में "अन्नज्मु लिरजमिश्शैतान" यह किताब दस जिल्दों पर मु तमिल है।

सवाल 4525 : मौलाना ख़ैरुद्दीन मक्की रहमतुल्लाहि अ़लैहि ने अपने बेटे अबुल कलाम आज़ाद के बारे में क्या फरमाया करते थे?

जवाब 4525 : अबुल कलाम आज़ाद से ड़र लगता है क्यूं की बहुत ज़ियादह ज़िहानत बसा औक़ात गुम्राही का सबब बन जाती है।

सवाल 4526 : मोलवी अशरफ अली थानवी ने किस किताब में लिखा है कि "जैसा इलमे ग़ैब हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम को हासिल था ऐसा जानवर और पागल बल्कि ज़ैद व अमर को भी हासिल है?" (मआज अल्लाह)

जवाब 4526 : हिफ्ज़ुलईमान सफह 8।

सवाल 4527 : "मुहर्रम में जिक्रे शहादते हुसैन अलैहुमस्सलाम करना सबील लगाना शरबत पिलाना हराम है" कहाँ लिखा है?

जवाब 4527 : फतावा रशीदिया जिल्द सोम सफह 111।

सवाल 4528 : ज़ाग़े मअरुफा (कौवा) को खाने पर सवाब किस ने लिखा है?

जवाब 4528 : रशीद अहमद गंगोही ने। (फतावा रशीदिया जिल्द दोम सफह 130)

उम्र भर शौक़ से खाते रहे काला कौवा
हम ने मुर्ग़ा जो खिलाया तो बुरा मान गए

सवाल 4529 : ईदैन में मुआनक़ा और बग़लगीर होने को बिदअत किस ने क़रार दिया है?

जवाब 4529 : मोलवी रशीद अहमद गंगोही ने।

(फतावा रशीदिया जिल्द 2 सफह 154)

सवाल 4530 : मस्जिद में चारपाई बिछाना मुसाफिर मुक़ीम दोनों के लिये दुरुस्त है, कहाँ लिखा है?

जवाब 4530 : फतावा रशीदिया जिल्द दोम स. 89 पर।

सवाल 4531 : रिपोर्टर वफद ख़िलाफत कमेटी सफह 15 पर मोहम्मद बिन अब्दुलवहाब नजदी का कौन सा इक़तिबास दर्ज है?

जवाब 4531 : ऐ बाशिंदगाने हिजाज़ तुम सब हामान और फिरऔन से बढ़ कर काफ़िर हो तुम से इस तरह कि़ताल करेंगे जैसे काफिरों से किया जाता है तुम अमीर हमज़ह और अब्दुलक़ादिर के पुज़ारी हो। (मआज़ अल्लाह)

या रब हो ख़ैर इस दिले आशुफतह कार की
समझा है इज़तिराब को सूरत क़रार की

सवाल 4532 : अगर मेरे पास दस हज़ार रुपिया हो तो सब की तनख़्वाह कर दूँ फिर सब ख़ुद ही वहाबी बन जाएँगे, ऐसा कहाँ लिखा है?

जवाब 4532 : अलइफाज़ातु ल्यौमिया जिल्द दोम सफह 67 पर।

सवाल 4533 : तबलीग़ी जमाअत का इज्तिमाअ जो सूबए बिहार बितिता नाम के मशहूर क़सबा में 1968 ई० में हुआ था क्या आप बता सकते हैं कि उस का इन्तिज़ाम किस ने किस के लिये किया था?

जवाब 4533 : जन संघ महा सभाई हिन्दुओं ने मुसलमानों के लिये।

(पयामें मिल्लत कानपूर 15 फरवरी 1968 ई)

नोट : ये धर्म है उस जमाअत वालों का कि एक तरफ इसतिमदाद को बिदअत कहते हैं तो दूसरी तरफ हिन्दुओं से इज्तिमाअ के लिये मदद तलब कर रहे हैं।

ख़ुदावन्दा ये तेरे सादह दिल बंदे किधर जाएँ
कि सुल्तानी भी अैयारी है दुरवेशी भी अैयारी

सवाल 4534 : मोहम्मद बिन अब्दुलवहाब नजदी, नज्द के किस क़बीले से था?

जवाब 4534 : बनू हनफिया से जो बद क़िसमत क़बीला था। जहाँ से ज़लज़लों और फितनों ने जन्म लिया।

सवाल 4535 : नज्द का जुनूबी हिस्सा क्या कहलाता है?

जवाब 4535 : अल्आरिज़ उस का मशहूर नाम रियाज़ है जो सऊदी का पायए तख़्त है। आरिज़ को जबले आम्मा भी कहते हैं।

सवाल 4536 : वह कौन सा गिरोह है जिस का एक किनारा देहली में है तो दूसरा नज्द के रियाज़ से मिलता है?

जवाब 4536 : तबलीग़ी जमाअत।

सवाल 4537 : मौलाना मोहम्मद अली जौहर ने नज्द और नज्दियों के बारे में क्या कहा था?

जवाब 4537 : नज्द और नज्दियों का यही कारनामा है कि मुसलमानों और सिर्फ मुसलमानों के खून से उन के हाथ रंगे हुए हैं।

(मक़ालाते मोहम्मद अली सफह 37)

सवाल 4538 : वल्लाहिल अज़ीम मौलाना अशरफ अली थानवी का पैर धोकर पीना निजाते उख़रवी का सबब है, किस दिवबंदी आलिम का बेजा फरमान है?

जवाब 4538 : मोलवी आशिक़ अली मेरठी का तज़केरतु र्रशीद अव्वल सफह 113।

इतनी न बढ़ा पाकिए दामां की हिकायत
दामन को ज़रा देख ज़रा बंदे क़बा देख

सवाल 4539 : अगर कोई मर्द कमसिन औरत के साथ ज़िमा करे तो गुस्ल फर्ज़ न होगा बशर्ते कि मनी न गिरे, बहिशती ज़ेवर के किस हिससा और सफह पर लिखा है?

जवाब 4539 : जिल्द दोम सफह 12। (मआज अल्लाह)

नोट : क़ारेईन ये अजीब मसला पढ़ कर ज़रुर सर पीट लेने को जी चाहेगा लेकिन शर्म न आई हकीमुल उम्मत को ये उन का ख़्याल और मसला है जो अहलेसुन्नत व जमाअत को मुशरिक बताते हैं और क़दम क़दम पर शिर्क व बिदअत का फतवा देते हैं?

वह अंधेरा ही भला था कि क़दम राह पे थे
रोशनी लाई है मन्ज़िल से बहुत दूर मुझे।

सवाल 4540 : अंबियाए अेज़ाम अलैहि मुस्सलाम में सिर्फ इतना फर्क़ है कि अंबिया उम्मतों की तरफ मबऊस हुए हैं और ये बुज़ुर्ग मज़ान

को क़ायम करते हैं और उन को अंबिया के साथ वही निस्बत है जो छोटे भाइयों को बड़े भाइयों से, क्या आप बता सकते हैं कि किस का क़ौल है और कहाँ दर्ज है?

जवाब 4540 : सय्यद अहमद बरेलवी (देवबन्दी) का बयान है देखिये सिराते मुसतक़ीम। (मुरत्तबा शाह मोहम्मद इसमाईल सफह 37 मतबूआ मलिक सिराजुद्दीन लाहोर)

और तुम पर मरे आक़ा की इनायत न सही
नज्दियो कलमा पढ़ाने का भी एहसान गया

सवाल 4541 : तक़वियतुल ईमान, फतावा रशीदिया, फतावा इमदादिया, बहि ती ज़ेवर और हिफजुल ईमान जैसी किताबों को चौराहे पर रख कर आग दे दी जाय और साफ साफ एलान कर दिया जाय कि उन के मुन्दर्जात कुर्आन व सुन्नत के ख़िलाफ हैं, देवबन्दी जमाअत के किस आलिम का तबसिरह हैं और कहाँ नक़्ल है?

जवाब 4541 : मौलाना आमिर उसमानी (देवबन्दी) का बयान है (बहवाला ज़लज़ला मुसन्निफ अल्लामा अर्शदुल्क़ादरी मतबूआ फैसलाबाद सफह 183 ता: 185)

सवाल 4542 : मोहम्मद बिन अब्दुलवहाब नजदी अक़ायेदे बातिला और ख़्यालाते फासिदह रखता था नीज़ वह एक ज़ालिम, बिदअती, बाग़ी ख़ूँख़्वार फासिक़ था, देवबन्दी की किस किताब में लिखा है?

जवाब 4542 : अशहाबुस्साक़िब सफह 221 अज़ मौलाना सय्यद अहमद मदनी मतबूआ लाहोर।

सवाल 4543 : मुझ को दीवार के पीछे का भी इल्म नहीं है, ये इहानत आमेज़ जुमला किसने कहाँ लिखा है?

जवाब 4543 : ख़लील अहमद अंबेठवी ने (बराहीने क़ातिआ सफह 51 मतबूआ देवबन्द)।

सवाल 4544 : जरुरियाते दीन के इनकार करने वाले और अंबिया की तौहीन करने वाले को काफिर न कहना कुफ्र है, ये कहाँ लिखा है?

जवाब 4544 : अशददुलअज़ाब मुसन्निफ मोलवी मुर्तज़ा हुसैन दरभंगी नाज़िम दारुलउलूम देवबन्द सफह 9-10।

सवाल 4545 : जो शख़्स ये कहे कि किसी ग़ैरे नबी पर रसूलुल्लाह सल्लल्लहु अलैहि व सल्लम की फज़ीलत इतनी है कि जैसेबड़े भाई की फज़ीलत छोटे भाई पर होती है ऐसा शख़्स दाइरए इस्लाम से ख़ारिज है। ये फतवा किस किताब में दर्ज है?

जवाब 4545 : अल्मुहन्नद अलल्मुफन्नद सफह 23 मतबूआ कुतुब ख़ाना रहीमिया देवबन्द।

सवाल 4546 : हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम गंवार की बात सुन कर मारे दहशत के बद हवास हो गए ये जुमला कहाँ लिखा है?

जवाब 4546 : तक़वियतुल ईमान सफह 39 मतबूआ देवबन्द मुसन्निफ मोलवी इस्माईल देहलवी।

सवाल 4547 : किसी उर्स और मौलूद में शरीक होना दुरुस्त नहीं और कोई उर्स और मौलूद दुरूस्त नहीं। किस गुमराह कुन मुफती का फतवा है?

जवाब 4547 : मोलवी रशीद अहमद गंगोही का।

(फतावा रशीदिया कामिल सफह 147)

करे मुसतफा की इहानतें खुले बंदो उस पर ये जुरअतें
कि मैं क्या नहीं हूं मोहम्मदी अरे हां नहीं अरे हां नहीं

सवाल 4548 : एक मरतबा मौलाना थानवी ने नमाज़ियों के जूतों को शामियाने पर फेंक दिया था, ये हरकते नाज़ीबा कहाँ तहरीर है?

जवाब 4548 : अलइफा ज़ातु ल्यौमिया, नाशिर मकतबए दानिश देवबन्द। यूपी, जिल्द दोम, क़िस्त 10 मलफूज़ 837 सफह 457।

सवाल 4549 : मौलाना थानवी साहिब ने अपने भाई के सर पर पेशाब कर दिया था, क्या आप बता सकते हैं कि इस मज़मूम हरकत का तज़किरह कहाँ है?

जवाब 4549 : अलइफाज़ातुल्यौमिया, नाशिर मकतबए दानिश देवबन्द, यूपी जिल्द दोम क़िस्त 10 सफह 475 मलफूज़ 837।

सवाल 4550 : देवबन्दीहज़रात और अहले सुन्नत वजमाअत के दरमियान बुनियादी इख़्तिलाफात का मोजिब क्या है?

जवाब 4550 : उल्माए देवबन्द की सिर्फ वह इबारात हैं जिन में अल्लाह

तआला और नबीए करीम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की शाने अक़दस में खुली तौहीन है।

(फ़ैसला कुन मुनाज़िरह सफ़ह 6)

सवाल 4551 : अगर बिलफ़र्ज़ बादे ज़मानए नबवी सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम भी कोई नबी पैदा हो तो फिर भी ख़ातेमीय्यते मोहम्मदी में कुछ फ़र्क़ न आएगा, ये इबारत कहाँ दर्ज है?

जवाब 4551 : तहज़ीरुन्नास सफ़ह 24 मौलाना क़ासिम नानुतवी मकतबा इमदादिया देवबन्द।

सवाल 4552 : एक मुरीदे सादिक़ ख़्वाब में कलिमा ला इलाहा इल्लल्लाह अशरफ़ अली रसूलुल्लाह पढ़ताहै, मोलवी अशरफ़ अली थानवी ने मुरीद के ऐसा कलिमा पढ़ने पर क्या जवाब दिया?

जवाब 4552 : इस वाक़िया में तसल्ली थी कि जिस की तरफ़ रुजूअ करते हो वह मुत्तबअे सुन्नत है।

(रिसाला अल्इमदाद सफ़ह 35 मतबूआ थाना भवन)

सवाल 4553 : नमाज़ मे ज़िना के वस्वसे सेअपनी बीवी से मुजामिअत का ख़्याल बिहतर है और शैख़ उसी जैसे बुज़ुर्गों की तरफ़ ख़्वाह जनाबे रिसालत मआब ही हों अपनी हिम्मत लगा देना, अपने बैल और गधे की सूरत में मुसतग़रक़ होने से बुरा है। (मआज़ अल्लाह) बताइये ये ईमान सोज़ अेर गुमराह कुन इबारत कहाँ दर्ज है?

जवाब 4553 : सिराते मुसतक़ीम सफ़ह 136 मुतरजिम उर्दू इस्माईल देहलवी कुतुब ख़ाना रहीमिया देवबन्द यूपी (नोट) जबकि अहले सुन्नत व जमाअत का अक़ीदह है कि हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम जाने ईमान हैं। आप बताएँ इनसाफ़ से कि ऐसे लोगों को मोमिन कहा जाए या काफ़िर? (काफ़िर)

सवाल 4554 : तक़वियतुल ईमान की मशहूर इबारत " उस शहेनशाह की तो ये शान है कि एक आन में एक हुक्मे कुन से चाहे तो करोरों नबी और वली जिन्न फ़रिश्ता व मोहम्मद के बराबर पैदा कर ड़ाले" इस की तरदीद में किस ने कौनसी किताब लिखी है?

जवाब 4554 : ख़ातिमुल हुकमा मौलाना फ़ज़्लेहक़ ख़ैराबादी रहमतुल्लाहि अ़लैहि ने "इम्तेनाउन्नज़ीर" नामी किताब लिख्खी है

सवाल 4555 : बारगाहे अम्बिया में गुस्ताखी कुफ्र है चाहे इस से काएल की तौहीन मुराद न हो किस ने लिखा है?

जवाब 4555 : जनाब मौलाना मोहम्मद अन्वर कश्मीरी ने। (बहवाला अल हक्कुल मोबीन, सय्यद अहमद काज़मी सफह 17)

सवाल 4556 : मौलाना अशरफ अ़ली थानवी ने अपने मामूं की दाल की रेकाबी में कुत्ते का पिल्ला डाल दिया था, क्या आप बता सक्ते हैं कि मौलाना थानवी की यह शरारत कहां दर्ज है?

जवाब 4556 : अलइफाज़ातुल यौमिया, नाशिर मक्तबह देवबंद यूपी जिल्द 2, किस्त 10, मलफूज़ 837, सफह 475 पर।

न तुम सदमे हमें देते न हम फरयाद यूं करते
न खुल्ते राज़ सर बस्तह न यूं रुस्वाइयां होतीं

सवाल 4557 : धोका बाज़ी की फंकारी की तअ़रीफ करते हुवे थानवी साहेब के ख़लीफए ख़ास ख़्वाजा अ़ज़ीज़ुल हसन अपने पीरो मुर्शिद के बारे में क्या फरमाते हैं?

जवाब 4557 : हज़रत अक़दस (थानवी साहेब) किसी काम से फारिग़ होते ही तस्बीह संभाल लेते थे और बअ़ज़ औक़ात मज़ाहन फरमाते कि मैं ने इस्का नाम जाल रख्खा है क्यूं कि इसी (तस्बीह) से लोग फंस्ते हैं। (हवाला ख़ातिमतुस सवानेह अज़ ख़्वाजा अ़ज़ीज़ुल हसन नाशिर मक्तबह तालीफाते अशरफिया थाना भवन बारे दोम सफह 48)

सवाल 4558 : सन 1286 हिज्री में जब इमाम अहमद रज़ा ख़ान बरेलवी मुफ्ती बन कर अपने इलमो अ़मल का लोहा मनवारहे थे उस वक़्त अशरफ अ़ली थानवी की उम्र क्या थी?

जवाब 4558 : सिर्फ 6 साल की।

नोट : थानवी साहेब की पैदाइश सन 1280 हिज्री में हुई, अ़वाम को गुम्राह करने के लिये कहा जाता है कि मौलाना अहमद रज़ा ख़ान बरेलवी और अशरफ अ़ली थानवी एक ही इदारह (देवबंद) में ज़ेरे तअ़लीम रहे हालांकी यह बात बिलकुल ग़लत है।

सवाल 4559 : मस्ला 26 हाथ में कोई नजिस चीज़ लगी थी उस को

किसी ने ज़बान से तीन दफ़अ़ चाट लिया तो भी पाक हो जाए गा मगर चाटना मनअ़ है, बातइए कहां लिखा है?

जवाब 4559 : बहिशती ज़ेवर जिल्द दोम सफह 16।

नोट : समझ में नहीं आता कि मौलाना अशरफ अ़ली थानवी ने एक तीर से दो शिकार क्युं किये जब चाटने से नजासत ग़लाज़त दूर हो रही है तो फिर चाटना मनअ़ क्यों है, शायद यह हुक्म मख़्सूस मुरीदों और शागिर्दों के लिये रहा हो कि वक़्त पड़े तो चाट लेना। इस बुरे मज़हब पर लअ़नत हो।

सवाल 4560 : मियां बीवी के तअ़ल्लुक़ात को आहनी क़िलअ़ की तरह मज़्बूत बनाने के लिये मौलाना अशरफ अ़ली थानवी साहेब ने मुंदरजा ज़ेल मस्ला बयान फरमाया हैं, बताइए किस किताब में द्रज है?

"मियां प्रदेश में है और मुददत होगई बरसैं गुज़र गईं कि घर नहीं आया और यहां लड़का पैदा हो गया तब भी वह हरामी नहीं बल्कि उसी शौहर का है"

जवाब 4560 : बहिशती ज़ेवर जिल्द दोम सफह 26 पर द्रज है जिस से तब्लीग़ी जमाअ़त वालों के लिये आसानियां फराहम की गई हैं मगर अफसोस है कि मुंद्रजह बाला मस्लह को थानवी साहेब ने हवाले से ख़ाली क्यों रख्खा है, बहि ती ज़ेवर किताब क्या है एक अ़जाएब ख़ाना है, जिस में जिरयान, सोज़ाक, ज़ोअफे बाह व सुरअ़त और अख़्लाक़ सोज़ गुम्राह कुन तख़रीबी नुस्ख़े मौजूद हैं।

हमारे पास जो अपनों के दाग़ हैं मौजूद
बुझे बुझे हैं मगर सब चिराग़ हैं मौजूद

सवाल 4561 : अंगरेजों से जिहाद करना किसी तरह वाजिब नहीं बल्की उन पर कोई हम्ला कर रहा हो तो मुसलमानों पर फ़र्ज़ है कि वह उस से लड़े और गवर्मेंट पर आंच न आने दें, किस नें अपनी तक़रीर में कहा?

जवाब 4561 : अंगरेज़ों के छत्र छाया मोलवी इस्माईल देहलवी ने कल्कत्ता में खुले लफ्ज़ों में बयान किया और अंगरेज़ दोस्ती का षुबूत दिया। (हयाते तय्यबह सफह 523)

सवाल 4562 : देवबंदी मक्तबे फ़िक्र के हकीमुल उम्मत अशरफ अली थानवी साहेब दुनया से रुख़्सत होते वक़्त किया वसीयत करते हैं?

जवाब 4562 : मेरी बेगम साहेबा का ख़्याल रखना, मुरीदीन और मुअ़तकिदीन थोड़ा थोड़ा चंदह ही जमअ़ कर लिया करें तो उन का काम हो जाए गा।

नोट : वाह वाह सब को आख़िरी वक़्त में अल्लाह और रसूल की याद आती है और दीन व ईमान की हिफाज़त की वसिय्यत करते हैं मगर आंजनाब बीवी का ख़्याल ऐसे नाजुक वक़्त में भी नहीं छोड़ते हैं।

सवाल 4563 : इमामे अहले सुन्नत मौलाना अहमद रज़ा ख़ान बरेलवी रहमतुल्लाहि अलैहि अपने सफरे आख़िरत के मौक़ा पर क्या वसिय्यत करते हैं?

जवाब 4563 : अल्लाह व रसूल की सच्ची मोहब्बत, उन की तअज़ीम, उन के दोस्तों की ख़िदमत और उन की तक्रीम और उन के दुश्मनों से सच्ची अ़दावत, जिस से अल्लाह व रसूल की शान में अदना सी तौहीन पाओ फिर वह तुम्हारा कैसा ही प्यारा क्युं न हो फौरन उस से जुदा हो जाओ।

शिर्क ठहरे जिस में तअ़ज़ीमे हबीब
उस बुरे मज़हब पे लअ़नत कीजिए

सवाल 4564 : जमाअ़ते इस्लामी कौनसा फ़िर्क़ा है उस के बानी का नाम बताइए?

जवाब 4564 : मोलवी इस्माईल देहलवी के मान्ने वालों में एक आज़ाद ख़्याल जमाअ़त है जिस का बानी अबुल आ़ला मौदूदी है।

सवाल 4565 : तब्लीग़ी जमाअ़त कौनसा फ़िर्क़ा है?

जवाब 4565 : देवबंदियों के पेशवा मोलवी इल्यास कांधलवी ने भोले भाले मुसलमानों को फांस्ने के लिये और वहाबी बनाने के लिये एक जमाअ़त तय्यार की थी जिस्का नाम तब्लीग़ी जमाअ़त है उसी जमाअ़त के बेकार लोग चना, सत्तू की गठरी और मुसल्ला बग़ल में, तस्बीह हाथ में ले कर डगर डगर, नगर

नगर पहुंच कर मस्जिदों को मुसाफिर ख़ाना की सूरत में इस्तेमाल करते हैं और नमाज़ रोज़ह की आड़ में सीधे-साधे मुसल्मानों को गुम्राह कर ते हैं। अबतो हाल यह है कि सऊदी गवर्नमिंट के अता करदह अतियात से ग़रीब मुसलमानों का तआवुन कर के बड़ी आसानी से वहाबी बना लेते हैं।

सवाल 4566 : नेचरी मज़हब के बारे में कुछ बताइए?

जवाब 4566 : मुस्लिम यूनीवर सिटी अली गढ़ का बानी सर सय्यद अहमद ख़ान ने आज़ाद ख़याल अंगरेजों की सुहबत में रह कर तरीक़ए मग़रेबी से सरशार हो कर एक नया मज़हब फैलाया जिस का नाम उन्हों ने "ठेट इस्लाम" रख्खा और हम लोग नेचरी मज़हब कहते हैं।

सवाल 4567 : मिर्ज़ा गुलाम अहमद क़ादयानी कहां पैदा हुवा?

जवाब 4567 : सूबए पंजाब के एक क़स्बह क़ादयान में।

सवाल 4568 : बताइए नज्दी क़बीले के सरदार ने किस सने ईसवी में नज्द व हिजाज़ की बादशाहत का एलान किया था जहां से सऊदियों के दौर का आग़ाज़ होता है?

जवाब 4568 : सन 1926 ईसवी में अंगरेज़ों की हिमायत पर सऊदियों ने तुर्कों को शिकस्त दे कर ग़ासिबाना क़ब्ज़ा जमा दिया था। (माहनामा कन्ज़ुल ईमाद लाहोर मई 99)

सवाल 4569 : सऊदियों का तअल्लुक़ अरब के किस सूबे से है?

जवाब 4569 : अरब के मश्रेक़ी सूबा नज्द से जिस क़बीले ने रसूलुल्लाह सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के अहदे पाक में सब से आख़िर में इस्लाम क़बूल किया था। (हवाला मुंद्रजा बाला)

सवाल 4570 : रसूलुल्लाह सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के विसाले मुबारकह के बाद फौरन ही जो क़बीला इस्लाम से मुंहरिफ हुवा था उस का नाम बताओ?

जवाब 4570 : क़बीलए सऊद। (हवाला मुंद्रजा बाला)

सवाल 4571 : अठठारहवीं सदी के वस्त में मोहम्मद बिन अब्दुल वहाब नज्दी ने सऊदी सरपरस्ती में आलमे इस्लाम के बादशाहों और फरमांरवाओं को जो ख़ुतूत भेजे थे, बताइए उस का मज़्मून क्या था?

जवाब 4571 : अल्लाह एक है और मोहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम उस के बंदे और रसूल है मगर "मोहम्मद" की तअ़रीफ करना या तअ़ज़ीम करना ज़रूरी नहीं। (हवाला मुंदर्जा बाला)

नोट : आज भी सऊदी लहू की ख़स्लत यही है।

और तुम पर मेरे आक़ा की इनायत न सही
नज्दियो कलिमा पढ़ाने का भी इहसान गया

सवाल 4572 : वह जगह जो इस्लाम की पहली दरसगाह थी उस की मौजूदह हैसियत क्या है?

जवाब 4572 : सऊदी गर्वनमिंट ने दारे इरक़म की शनाख़्त मिटादी है अब उस जगह मोटर गाड़ियों का अश है। (हवाला मुंदर्जा बाला)

उफ रे मुन्किर यह बढ़ा जोशे तअ़स्सुब आख़िर
भीड़ में हाथ से कम बख़्त के ईमान गया

सवाल 4573 : सय्यदह आमिना रज़ि यल्लाहु अन्हा की क़ब्रे अन्वर को सऊदी गवर्नमिंट ने बुलडोज़र से मुनहदिम कर के अपनी रसूल दुश्मनी का सुबूत पेश किया है। बताइए ज़ालिम सऊदी मिसले यहूदी ने यह कारनामा कब अन्जाम दिया?

जवाब 4573 : रमज़ान 1419 हिज्री जनवरी 1999 ईसवी में, (हवाला मुंद्रजा बाला)

सवाल 4574 : मिस्र से हर साल ग़िलाफे कअ़बा तैयार हो कर बड़े जश्नो इहतेमाम के साथ आता रहा, बताइए कितनी हिज्री में ग़िलाफे कअ़बा लाहोर से तैयार होकर गया और किस के दौर में बंद हुवा?

जवाब 4574 : ग़िलाफे कअ़बा लाहोर से 1382 हिज्री में तैयार होकर गया और मलिक अ़ब्दुल अ़ज़ीज़ बिन सऊद के जुल्मो सितम की वजह से मिस्र से ग़िलाफे कअ़बा आना बंद हुवा। (माहनामा आ़ला हज़रत दिसम्बत 1997 ईसवी)

सवाल 4575 : हारिस बिन तला तला जो हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम को ईज़ा देने और हिजो करने वालों में से था, बताइए उस गुस्ताख़ को किस ने क़त्ल किया?

जवाब 4575 : हज़रत अ़ली रज़ि यल्लाहु अन्हु ने फत्हे मक्कह के दिन। (मदारिजुन्नबुव्वह जि. 2 स. 50)

सवाल 4576 : हातिब बिन बल्तआ ने कुरैश के नाम जिस औरत के हाथ ख़त रवाना किया था वह जब मुर्तद हो कर मक्कह आई तो उस को किस ने क़त्ल किया था?

जवाब 4577 : फ़त्हे मक्कह के रोज़ हज़रत अ़ली रज़ि यल्लाहु अन्हु ने।

सवाल 4578 : सत्तर असीराने बद्र में से जिन दो दुश्मने रसूल को बहुक्मे रसूलु अ़लैहिस्सलाम क़त्ल किया गया उन के नाम बताइए?

जवाब 4578 : उक़्बा बिन अबी मुश्त और नज़्र बिन हारीस।
(सीरतुन्नबी अव्वल सफ़ह 329 ताबेअ़ सईद एण्ड कम्पनी कराची)

सवाल 4579 : गुस्ताख़े रसूल अत्बा अबी अ़क्फ़ा यहूदी जिस की उम्र 120 साल थी आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने उस के क़त्ल का हुक्म किस सहाबी को दिया था?

जवाब 4579 : हज़रत सालिम बिन उमैर रज़ि यल्लाहु अन्हु को।

सवाल 4580 : मुकैस बिन रायाबा जिस ने अपने भाई की दियत लेने के बावजूद एक अन्सारी को शहीद कर दिया और मुंतद हो कर चला गया बताइए उस को किस ने क़त्ल किया?

जवाब 4580 : हज़रत तमीलह बिन अ़ब्दुल्लाह लैसी रज़ि यल्लाहु अन्हु ने।

सवाल 4581 : कया आप ऐसे गुस्ताख़े रसूल का नाम बता सक्ते हैं जो पनाह लेने की ग़रज़ से ग़िलाफ़े कअ़बह से लिपट गया था, जिस के क़त्ल का हुक्म बारगाहे रसूल अ़लैहिस्सलाम से सादिर हुवा?

जवाब 4581 : अ़ब्दुल्लाह इब्ने खुतल ।

नोट : हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के लिए फ़त्हे मक्कह के दिन क़िताल का हुक्म खुसूसी तौर से अल्लाह तआ़ला ने अ़ता फरमाया था फिर उस की हुर्मत वैसे ही लौट आई जैसी पहले थी। लिहाज़ा किसी सूरत में मक्कह में खून रेज़ी, क़िताल, ग़ारतगरी, दरख़्तों का काटना जाएज़ नहीं।
(बुख़ारी शरीफ़ जिल्द 2 सफ़ह 639 कुतुब्ख़ाना लाहोर)

ज़ालिमो महबूब का हक़ था यही
इश्क़ के बदले अ़दावत कीजिए

सवाल 4582 : ज़ेहनी टाईफाइड वाले जमाअ़ते इस्लामी के जदीद तरीन लीडर मिस्टर मौदूदी की मुंदर्जा जेल तहरीर कहां दर्ज है? "कुर्आन हकीम निजात के लिये नहीं बल्की हिदायत के लिये काफी है"

जवाब 4582 : तफ्हीमात सफह 321।

नोट : जमाअ़ते इस्लामी के अमीरे कारवां और बे लगाम लीडर के क़लमो ज़ेहन की आवारगी मुलाहिज़ह फर माकर फैस्ला खूद ही कर लीजिए।

सवाल 4583 : मेरे नज़दीक साहेबे इल्म आदमी के लिये तक़्लीद नाजाएज़ और गुनाह है बल्की इस से भी कुछ शदीद तर चीज़ है, बताइए कहां दर्ज है?

जवाब 4583 : रसाएल व मसाएल सफह 224।

सवाल 4584 : मौदूदी अपने निफाक़ की गंगा छल्काते हुऐ रक़्मतराज़ हैं" किसी को शफीअ़ या सिफारशी समझना, उसे इलाह बनाना और खुदाई में अल्लाह का शरीक ठहराना है" बताइए यह मज्हूल इबारत कहां दर्ज है?

जवाब 4584 : र्कुआन की चार बुन्नियादी इस्तेलाहें सफह 22।

नोट : मुनाफिक़त के आसेब में मुब्तेला मिस्टर मौदूदी की बहकी बहकी बातों से उन के सफ्फाकाना अ़ज़ाएम का अन्दाज़ह लगाइए, याद रहे कि जमाअ़ते इस्लामी उसी मौदूदी की तवल्लुद करदह जमाअ़त है जिस की औलाद इस्लामी क़िला में शिगाफ और ख़िरमने इस्लाम पर निफाक़ की बिज्ली गिराकर मौदूदी के जारेहाना मन्सूबे को अ़मली जामा पहनाने के लिये शबो रोज़ कोशां है।

सवाल 4585 : बताइए मिस्टर अबुल आ़ला मौदूदी कब पैदा हुआ और उस की जमाअ़त कब क़ाएम हुई?

जवाब 4585 : सितम्बर 1903 ईसवी में पैदा हुवा और मौदूदी जमाअत बनाम जमाअ़ते इस्लामी 1941 ईसवी में क़ाएम हुई और इब्ने तैमियह जैसे ख़वारिज की पैरवी की।

सवाल 4586 : बताइए हज़रत सय्यदह फातिमा रज़ि यल्लाहु अन्हा की चक्की अदावतन किस आवारह इन्सान ने तोड़ डाली?

सुल्तान अ़ब्दुल अ़ज़ीज़ इब्ने सऊद ने।

जवाब 4586 : इन्साफ से बताइए उस चक्की से क्या बुत परस्ती होती थी, अगर लोग अज़ राहे मुहब्बत उसे चुम्ते थे तो यह तौहीदे इस्लाम पर ज़र्ब किस तरह थी जब्की जर्मनी ने यह चक्की हासिल करने के लिये एक करोड़ रुपये की पेशकश की थी। इब्ने सऊद को रसूल दुश्मनी की बुन्नियाद पर अगर हज़रत फातिमा की चक्की से बग़ावत थी तो उसे किसी मिवज़ियम में रख्वा दिया होता, अहले मुहब्बत से उस चक्की की अहमियत पूछा होता जिस को काएनात की सब से अफ्ज़ल व आ़ला ज़ाते गिरामी ने अपनी बेटी सय्यदह फातिमह रज़ि यल्लाहु अन्हा को जहेज़ में दी थी।

नोट :

मगर **मदीना ढाया, मक्का ढाया, नज्दी बद खिसालो ने**
वह काफिर भी न करते जो किया इस्लाम वालों ने

(सफी लख्नवी)

इब्ने सऊद का तरीक़ए कार और यह सिल्सिला अभी भी मुख़्तलिफ उन्वानात और जदीद तअ़बीरात से जारी है। यानी पुरानी शराब नई बोतलों में जिस में इब्ने सम्आ़न नज्दी, इब्ने अ़ब्दुल वहाब नज्दी, इब्ने सऊद, इस्माईल देहलवी, रशीद अहमद गंगोही, अशरफ अ़ली थानवी, महमूदुल हसन, क़ासिम नानौतवी, ख़लील अहमद अंबेठवी, मोहम्मद इल्यास कांधलवी, मौलाना मौदूदी वग़ैरह शामिल हैं।

सवाल 4587 : वहाबिया का रद्द सब से पहले किस ने किया?

जवाब 4587 : हज़रत अ़ल्लामह फज़्ले हक़ ख़ैराबादी रहमतुल्लाहि अ़लैहि ने इस्माईल देहलवी के रद्द में एक मुस्तक़िल किताब "तहक़ीकुल फतवा इब्तालुत्तग़वा" तस्नीफ फरमाई।

सवाल 4588: मौलाना अशरफ अ़ली थानवी के उस्ताज़ ने ताज़िया की नुस्रत का फत्वा दिया, बताइए उन का नाम क्या था और यह फत्वा कहां दिया था?

जवाब 4588 : अज्मेर में मोलवी मोहम्मद याक़ूब नानौतवी ने।

(अल इफाज़ातुल यौमिया जिल्द 4 सफह 138)

नोट : अजब ढीट और बे हया हैं यह देवबंदी कि अपना वबाल दूसरे के सर डाल देते हैं। (लअ़नतुल्लाहि अ़लल्काज़िबीन)

सवाल 4589 : आल इंडिया मुस्लिम लीग ने अपने किस लीडर की तहरीक पर यह तज्वीज़ पास कराई थी कि मुसलमान गाय की क़ुरबानी मौक़ूफ करदें।

जवाब 4589 : डॉक्टर मुख़्तार अहमद अन्सारी की तहरीक पर दिसम्बर 1919 ईसवी में देहली कांग्रेस के सदर पंडित मदन मोहन माल्वियह के इशारे पर, इस तहरीक में मुसलमान लीडर हकीम अजमल पेश पेश थे।

सवाल 4590 : हकीम अजमल ख़ान ने शुहरत हासिल करने और अहले हुनूद को ख़ुश करने के लिये गाव कुशी के मौक़ूफ करने की जो तहरीक चलाई थी सरकार आ़ला हज़रत रहमतुल्लाहि अ़लैहि के एक ख़लीफा ने उस के ख़िलाफ क़लमी जिहाद किया था, आप उन का नाम बताइए?

जवाब 4590 : सय्यद सुलेमान अशरफ सरबराह इस्लामिक डीपार्टमेंट आफ अ़ली गढ़।

सवाल 4591 : सरकार आ़ला हज़रत के वह कौनसे ख़लीफा हैं जिन्हों ने मौलाना मोहम्मद अ़ली जौहर से मुलाक़ात कर के मुशरिकीने हिंद के साथ मुसलमानों के इख़्तेलातो इत्तेहाद के ख़तर नाक नताएज से आगाह फरमाया था?

जवाब 4591 : सदरुल अफाज़िल अ़ल्लामा सय्यद मोहम्मद नईमुद्दीन मुरादाबादी रहमतुल्लाहि अ़लैहि।

सवाल 4592 : तहरीके ख़िलाफत के ज़माने में हिंदुस्तान का एक बहुत बड़ा लीडर सरकार आ़ला हज़रत से मुलाक़ात का ख़्वाहिश मंद था लेकिन आपने मिल्ने से इन्कार कर दिया, आप उस लीडर का नाम बताइए?

जवाब 4592 : मिस्ट्र गांधी जी।

सवाल 4593 : सरकार आ़ला हज़रत ने हिंदू मुस्लिम इत्तेहाद के ख़िलाफ आवाज़ कब बलंद की थी?

जवाब 4593 : 1339 हिज्री, 1920 ईसवी में।

सवाल 4594 : सरकार आला हज़रत के एक नामवर ख़लीफा मौलाना सय्यद नईमुद्दीन मुरादाबादी ने हिंदू मुस्लिम इत्तेहाद की मुख़ालिफत पर एक अहेम मज़्मून लिखा था, बताइए यह मज़्मून कब शाएअ़ हुवा?

जवाब 4594 : माहनामा सिवादे आज़म मुरादाबाद में 1338 हिज्री/1919 ईसवी को। (ख़िलाफत कमेटी की फित्नह सामानियां और उलमाए अहले सुन्नत की कार गुज़ारियां)

सवाल 4595 : मौलाना अ़ब्दुलबारी फरंगी महल्ली ने सरकार आ़ला हज़रत के किन दो खुलफा के सामने अपनी ग़लती का एतेराफ किया था?

जवाब 4595 : मौलाना सय्यद मोहम्मद नईमुद्दीन मुरादाबादी व मौलाना अमजद अ़ली आज़मी रहमतुल्लाहि अ़लैहिमा के सामने।

सवाल 4596 : मौलाना मोहम्मद अ़ब्दुलबारी फरंगी महल्ली ने अपना तौबा नामा किस अख़बार में शाएअ़ कर वाया था?

जवाब 4596 : रोज़ नामा हमदम में।

सवाल 4597 : मौलाना मोहम्मद अ़ली जौहर ने मौलाना सय्यद मोहम्मद नईमुद्दीन मुरादाबादी के सामने किन अल्फाज़ में एअ़तेराफे हक़ किया था।

जवाब 4597 : आप गवाह रहें मैं आइन्दह ग़ैर मुस्लिमों से इत्तेहाद रवा न रख्खूंगा।

सवाल 4598 : मोलवी अशरफ अ़ली थानवी की किताब हिफ्ज़ुल ईमान का आ़ला हज़रत ने क्या नाम रख्खा था?

जवाब 4598 : ज़ब्तुल ईमान, क्युं कि इस किताब का मौज़ूअ़ है नबी के इल्मे ग़ैब की मुख़ालिफत।

सवाल 4599 : सरकार आ़ला हज़रत ने बर्रे सग़ीर के मश्हूर उलमाए ख़म्सह पर उन की कुफ्री एबारात की बुन्नियाद पर कुफ्र का फत्वा सादिर फरमाया था, उन के नाम बताइए?

जवाब 4599 : (1) मिर्ज़ा ग़ुलाम अहमद क़ादयानी (2) मौलाना रशीद अहमद गंगोही (3) मौलाना क़ासिम नानौतवी (4) मौलाना ख़लील अहमद अंबेठवी (5) मोलवी अशरफ अ़ली थानवी।

पांचों मुल्लाओं की कुफ्रिया एबारात वाली किताबों के नाम इस तरह हैं :

(1) अेजाज़े अहमदी वगै़रह (2) फतावा रशीदया (3) तहज़ीरुन्नास (4) बराहीने का़तेआ़ (5) हिफ्ज़ुल ईमान।

सवाल 4600 : अगर मौलाना अहमद रज़ा बअ़ज़ देवबंदी आलिमों को काफिर न कहते तो ख़ूद काफिर हो जाते, बातइए यह एअ़तेराफ किस देवबंदी आ़लिम का है?

जवाब 4600 : मौलाना हसन चांद पूरी।

नोट : अशद्दुल अ़ज़ा़ब में मोलवी मुंतजा़ हसन दरभंगवी ने मुन्द्रजह बाला जुम्लों का एअ़तेराफ किया है?

सवाल 4601 : नदवतुल उलमा के क़याम की मिटिंग कहां हुई थी?

जवाब 4601 : कानपूर में।

सवाल 4602 : नदवतुल उलमा कानपूर के किस मदरसा में का़एम किया गया था?

जवाब 4602 : मदरसा फैज़े आ़म में।

सवाल 4603 : बताइए सरकार आ़ला हज़रत की उस तहरीर का उन्वान क्या था जो आप ने नदवतुल उलमा के ख़िलाफ तहरीर फरमाई थी?

जवाब 4603 : अत्तुहफतुल हनफिय्यह लिमुआ़रेज़ति नदवतुल उलमा।

सवाल 4604 : मेरे दिल में अहमद रज़ा के लिये बेहद इहतराम है, वह हमें काफिर कहता है लेकिन इश्क़े रसूल की बिनाप़र कहता है, बताइए किस ने कहा था?

जवाब 4604 : मौलाना अश्रफ अ़ली थानवी ने।

सवाल 4605 : मिस्टर गांधी ने तरके मवालात का अेलान कांग्रेस कि तरफ से किस सन में किया था?

जवाब 4606 : 1920 ईसवी में।

सवाल 4607 : रिसाला अन्नाज़िर के उस एड़ीटर का नाम बताइए जिस ने कहा था कि अगर नबुव्वत ख़तम न हो गई होती तो महातमा गांधी नबी होते? (मआ़ज़अल्लाह)

जवाब 4607 : मौलाना ज़फरुल मलिक ने। (बहवाला आ़ला हज़रत की सियासी बसीरत)

सवाल 4608 : यह किस का कौल था कि ज़बानी जै पुकारने से कुछ नहीं होता अगर तुम हिंदू भाईयों को राज़ी करोगे तो खुदा राज़ी हो जाए गा? (मआज़अल्लाह)

जवाब 4608 : मौलाना शौकत अली का। (मदीना अख़बार बिज्नौर 21 जनवरी 1921 ईसवी बहवाला आला हज़रत की सियासी बसीरत)

सवाल 4609 : मोलवी इस्माईल देहलवी की क़ब्र कहां वाक़ेअ है?

जवाब 4609 : आंजनाब की क़ब्र नहीं बन सकी क्युं कि सरहदी पठानों ने क़त्ल किया और लाश गा़एब करदी। नोट: वहाबिया अपने आक़ा इस्माईल देहलवी को शहीद कहते हैं और दलील देते हैं कि सिख्खों ने क़त्ल किया था हालांकि कोई सबूत फराहम न कर सके अगर सिख्खों के हाथों क़त्ल होते तो अम्रितसर या पंजाब के किसी शहेर में मगर:

वह वहाबिया ने जिसे दिया है लक़ब शहीद व ज़बीह का
वह शहीदे लैलए नज्द था वह ज़बीह तेग़े ख़्यार है

(आला हज़रत)

सवाल 4610 : वहाबियों के यहां तौहीद का मआ़ना क्या है?

जवाब 4610 : अम्बियाए किराम अ़लैहिमुस्सलाम की तौहीन।

सवाल 4611 : रवाफिज़ हुब्बे अ़ली (रज़ियल्लाहु अन्हु) से क्या मअ़ना मुराद लेते हैं?

जवाब 4611 : बुग़ज़े सहाबए किराम।

सवाल 4612 : अल्लाह तआ़ला को पहले से इल्म नहीं होता कि बंदे क्या करेंगे जब बंदे कुछ करते हैं तो अल्लाह तआ़ला को इल्म होता हैं (मआ़ज़अल्लाह) बताइए कहां लिखा है?

जवाब 4612 : तफ्सीर बिलोग़तिल हैरान, सफह **157, 158**।

सवाल 4613 : लफ्ज़े रहमतुल लिल्आ़लमीन रसूलुल्लाह (सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम) की सिफते खा़स्सह नहीं है हुज़ूर अकरम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के एलावह भी दीगर बुज़ुरगों को रहमतुल लिल्आ़लमीन कह सक्ते हैं, किस ने लिखा है?

जवाब 4613 : रशीद अहमद गंगोही ने।

(फतावा रशीदिया जिल्द 2 सफह 12)

सवाल 4614 : हुजूर अक्रम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम को देवबंद के उलमा के तअल्लुक़ से उंदू ज़बान आई (मआज़अल्लाह) यह इबारत कहां दर्ज है?

जवाब 4614 : बराहीने क़ातेआ सफ़ह 26।

सवाल 4615 : नबी व रसूल सब नाकारह हैं (मआज़अल्लाह) बताइए नाकारह इन्सान इस्माईल देहलवी ने रसूल दुश्मनी का हक़ कहां अदा किया है?

जवाब 4615 : तक़्वियतुल ईमान सफ़ह 29 पर।

सवाल 4616 : नबी का हर झूट से पाक और मासूम होना ज़रूरी नहीं, कहां लिखा है?

जवाब 4616 : तस्फ़्यितुल अक़ाएद सफ़ह 25।

सवाल 4617 : बड़े यानी नबी और छोटे यानी बाक़ी सब बंदे बेख़बर और नादान हैं, किस ने लिखा है?

जवाब 4617 : इस्माईल देहलवी ने तक़्वियतुल ईमान सफ़ह 3।

सवाल 4618 : बड़ी मख़लूक़ यअनी नबी और छोटी मख़लूक़ यानी बाक़ी सब बंदे अल्लाह की शान के आगे चमार से भी ज़लील हैं, कहां लिखा है?

जवाब 4618 : तक़्वियतुल ईमान सफ़ह 14 पर।

सवाल 4619 : नबी को तागूत (शैतान) बोलना जाएज़ है (मआज़अल्लाह) कहां दर्ज है?

जवाब 4619 : तफ्सीर बिलोग़तिल हैरान, सफ़ह 43 पर।

सवाल 4620 : गाँव में जैसा दर्जा चौधरी ज़मीनदार का है वैसा दर्जा उम्मत में नबी का है (मआज़अल्लाह) किस किताब में कहां लिखा है?

जवाब 4620 : इस्माईल देहलवी की किताब तक़्वियतुल ईमान सफ़ह 61 पर।

सवाल 4621 : देवबंदी मुल्ला ने हुज़ूरे अक्रम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम को पुलसिरात से गिरने से बचा लिया (मआज़अल्लाह) मुल्ला जी की यह कहानी कहां लिखी है?

जवाब 4621 : तफ्सीर बिलोग़तिल हैरान, सफ़ह 8 पर।

सवाल 4622 : मीलाद शरीफ को कन्हैया जी के जन्म से तश्बीह किस किताब में दी गई है?

फतावा मीलाद शरीफ सफह 8, ब्राहीने कातेआ सफह 148।

जवाब 4622 : हुजूरे अकरम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम और दज्जाल

सवाल 4623 : दोनों बिज़्ज़ात हयात से मुत्तसिफ हैं जो खुसूसियत नबीए करीम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की है वही दज्जाल की है (मआज़अल्लाह) किस किताब में लिखा है?

जवाब 4623 : आबे हयात सफह 169 पर।

सवाल 4624 : हज़रत उमर फारूक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु को गाली देना अस्सी वर्ष की खालिस इबादत से अफ्ज़ल है, किस का खयाल है?

जवाब 4624 : शीआ फिरके का।

सवाल 4625 : दरूदे ताज ना पसंदीदह और पढ़ना मनाअ है, देवबंद की किस किताब में लिखा है?

जवाब 4625 : फज़ाएले दरूद शरीफ सफह 73।

सवाल 4626 : देवबंदियों के एक बुजुर्ग को हज़रत अली ने अपने हाथ से नहलाया और हज़रत फातिमह ने (उस बरहना को) अपने हाथ से कपड़े पहनाए, यह लग्व इबारत कहां दर्ज है?

जवाब 4626 : सिराते मुस्तकीम फारसी सफह 164, उर्दू सफह 280 पर।

सवाल 4627 : अल्लाह के वलियों को अल्लाह की मख़लूक़ समझ कर भी पुकारना शिर्क है, कहां लिखा है?

जवाब 4627 : तक्वियतुल ईमान सफह 7 पर।

सवाल 4628 : नमाज़े जनाज़ह के बअद दुआ मांगना ना जाएज़ है, किस का फतवा है?

जवाब 4628 : मुफ्ती जमील अहमद थानवी, जामिआ अशरफिया लाहोर का।

तुम्हारे दुश्मनों के सर कुचलने को रहें बाक़ी
गुलामाने शहे अहमद रज़ा खाँ या रसूलल्लाह
क़ादिरीयम नअरए या गौषे आज़म मी ज़नम
दम ज़ शैख़ अहमद रज़ा खाँ कुत्बे आलम मी ज़नम

नोट : गुस्ताख़ क़लम के सारे सवालात व जवाबात के मुस्तनद हवाले मौजूद हैं लिहाज़ा ज़रूरत महसूस करने वाले हज़रात जिस वक़्त चाहें रुजूअ़ कर सक्ते हैं।

मुतफर्रिक़ मुख़तलिफ़ मअ़लूमात

सवाल 4629 : अ़रबों ने सब से पहले हाथी कब देखा था?
जवाब 4629 : जंगे ज़ातुस्सलासिल के बाद।
सवाल 4630 : मस्जिदे अक़्सा को अ़रक़े गुलाब से कब धोया गया?
जवाब 4630 : सुल्तान सलाहुद्दीन अय्यूबी के बैतुल मक़्दस फतेह करने के बाद।
सवाल 4631 : जूदी पहाड़ी कहां वाक़ेअ़ है?
जवाब 4631 : कोहिस्तानी सिल्सिलए अरारात में।
सवाल 4632 : अल्लाह तआ़ला ने किस नबी की कौम को ख़ैरुल उमम फ़रमाया?
जवाब 4632 : नबीए रहमत सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की उम्मत को।
सवाल 4633 : तारीख़े इस्लाम में पहला जुमा कब अदा किया गाया?
जवाब 4633 : 12 रबीउल अव्वल सन 1 हिज्री में।
सवाल 4634 : शद्दाद ने जो जन्नत बनवाई थी उस का नाम बताइए?
जवाब 4634 : बाग़े इरम।
सवाल 4635 : अस्हाबुल उख़्दूद से कौन लोग मुराद हैं?
जवाब 4635 : जिन्हों ने दौलतो ह मत के नशे में ईमान लाने वालों को आग से लबरेज़ गड़हों में जला कर तक्लीफें पहुंचाई।
सवाल 4636 : नजरान के यहूदी बादशाह ज़ू नवास ने ईसाइयों के मज़हब तर्क न करने पर कितने लोगों को जलते हुवे गड़हों में ड़ल्वा दिया था?
जवाब 4636 : तक़रीबन 20 हज़ार ईसाइयों को।
सवाल 4637 : काहिरह, मिस्र के अ़जाएब घर में जिस फिरऔन की लाश रख्खी है उस का नाम बताइए?
जवाब 4637 : रअ़मीस।
सवाल 4638 : फ़िरऔन का लुग़वी मअ़ना बताइए?
जवाब 4638 : सूरज देवता की औलाद।
सवाल 4639 : जालूत जिसे दाऊद अलैहिस्सलाम ने क़त्ल किया उस के सिपर का वज़न बताइए?

जवाब 4639 : 30 मन।

सवाल 4640 : सलीब व हिलाल की जंगें किन के दरमियान वाक़ेअ हुई?

जवाब 4640 : मुसलमान और ईसाइयों के।

सवाल 4641 : जामेअ मस्जिद दमिश्क़ किस ने तअमीर करवाई?

जवाब 4641 : हज़रत अमीरे मोआवियह रज़ि यल्लाहु अन्हु ने।

सवाल 4642 : वह कौनसा शहेर है जहां हर मकान के अनदर नहेर जारी है?

जवाब 4642 : शहरे दमि क़।

सवाल 4643 : शहरे मिस्र के अहले पेशह के शोरो गुल की आवाज़ कितने फासिला तक जाती है?

जवाब 4643 : दस कोस तक।

सवाल 4644 : मोहम्मद अ़ली पाशा का मज़ार कहां वाक़े है?

जवाब 4644 : सलातीने मिस्र के पुराने क़िलअ की जामअ मस्जिद में।

सवाल 4645 : किस इनसान को किस इनसान की तरफ देखना इबादत है?

जवाब 4645 : बेटे को वालेदैन की तरफ।

सवाल 4646 : ज़मीन पर पहला दरख़्त किस चीज़ का हुवा?

जवाब 4646 : खुजूर का।

सवाल 4647 : अल्लाह तआ़ला ने ज़मीन को किस चीज़ पर बिछाया है?

जवाब 4647 : एक मछली की पुश्त पर जिस का नाम यहमूत है या लूतिया। (हयातुल हैवान दोम स. 382)

सवाल 4648 : उरूबह (जुमा के रोज़) जमअ कर के खुत्बह देने और नसीहत फरमाने वाले ख़ास कर हुजूरे अक्रम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम पर ईमान लाने की ताकीद करने वाले शख़्स का इस्मे गिरामी बताइए?

जवाब 4648 : हुजूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के अज्दाद में से मुर्रह बिन कअ़ब। (नुज़्हतुल क़ारी सोम सफह 299)

सवाल 4649 : जिन्नात की आबादी तख़लीक़े आदम से कितने साल क़ब्ल थी?

जवाब 4649 : दो हज़ार साल।

सवाल 4650 : शहरुल हराम के नाम से कौन महीने जाने जाते हैं?
जवाब 4650 : मोहर्रम, रजब, ज़ीक़अ़दह, ज़ुलहिज्जह।
सवाल 4651 : दुनिया की सब से पहली इबादत गाह का नाम बताइए?
जवबा 4651 : कअ़बह शरीफ।
सवाल 4652 : क़ुआन पाक में किन दो ऐसे फरिश्तों का ज़िक्र आया है जो लोगों को ऐसा इल्म सिखाते थे जिस का सीखने वाला काफिर हो जाता था?
जवाब 4652 : हारूत व मारूत।
सवाल 4653 : इमाम इस्माईल बिन इमाम जअ़फरे सादिक़ रहमतुल्लाहि अ़लैहिमा के नाम से कौन सा फिरक़ह वजूद में आया?
जवाब 4653 : फिरक़ए इस्माईलियह।
सवाल 4654 : गाय की इबादत सब से पहले किस क़ौम ने की?
जवाब 4654 : बनी इस्राईल ने।
सवाल 4655 : गाय की इबादत के लिये खूबसूरत बछड़ा किस ने बनाया था?
जवाब 4655 : सामरी जादूगर ने।
सवाल 4656 : दुनिया भर के पानी में सब से अफ्ज़ल कौनसा पानी है?
जवाब 4656 : आबे ज़म्ज़म।
सवाल 4657 : क्या आबे ज़म्ज़म से भी अफ्ज़ल कोई पानी हुवा है?
जवाब 4657 : वह पानी जो आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की उंगलियों से जारी हुआ था।

उंगलियां हैं फैज़ पर टूटे हैं प्यासे झूम कर
नदियां पंजाबे रहमत की हैं जारी वाह वाह

सवाल 4658 : दरयाए नील के किनारे सब से पहले फांसी देने वाला हाथ पाँव काटने वाला कौन शख़्स गुज़रा है?
जवाब 4658 : फिरऔन।
सवाल 4659 : तूफाने नूह के बाद हज्रे अस्वद किस पहाडी में महफूज़ रहा।
जवाब 4659 : जबले अबू कुबैस में।
सवाल 4660 : रहमते आलम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की हिजरत के कितने साल बाद सने हिजरी का नेफाज हुआ?

जवाब 4660 : पन्दरह साल के बाद।

सवाल 4661 : दुनिया में सबसे पहले ईटँ किस शख़्स ने बनवाया?

जवाब 4661 : हामान ने।

सवाल 4662 : बहरे कुल्जुम जहाँ फिरऔनमआ लश्कर गर्क़ हुआ कहाँ वाक़ेअ है?

जवाब 4662 : बहरे फारस के किनारे मावराए मिश्र जिस को उसाफ भी कहते हैं।

सवाल 4663 : बहरे कुल्जुम का अर्ज़ कितना था?

जवाब 4663 : 4 मील।

सवाल 4664 : उस सन्दूक़ का नाम बताइये जिस में तबर्रूकाते अंबिया अलैहिमुस्सलाम थे?

जवाब 4664 : ताबूते सकीना।

सवाल 4665 : ताबूते सकीना में कौन कौन से तबर्रूकात थे?

जवाब 4665 : तौरेत का अस्ल नुस्ख़ा, हज़रत मूसा अलैहिस्सलाम का असा और पैरहन शरीफ, हज़रत हारुन अलैहिस्सलाम के कपड़े और मन का मर्तबान व तमाम अंबियाए किराम की तसवीरें और साकिन व मकानात की तसवीरें।

सवाल 4666 : मुसलमानों पर हज कब फर्ज़ हुआ?

जवाब 4666 : 9 हिजरी में।

सवाल 4667 : इस्लाम और बानिए इस्लाम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लाम के ख़िलाफ जिस घर में मिटिंग होती थी उस का नाम बताइये?

जवाब 4667 : दारुन्नदवह।

ज़ालिमों! महबूब का हक़ था यही
इश्क़ के बदले अदावत कीजिये

सवाल 4668 : काफिर बादशाहों में किस ने पूरी दुनिया पर हकुमत की है?

जवाब 4668 : बुख़्ते नस्सर और नमरुद ने।

(हाशिया जलालैन सफह 40 प. 16)

सवाल 4669 : बच्चे की पैदाइश के बाद उस के सर के बाल उतार कर जो बकरह जबह किया जाता है उसको क्या कहते है?

जवाब 4669 : अक़ीक़ा।

सवाल 4670 : तीन सो गज़ का आईना जो एक बुलंद मक़ाम पर नसब किया गया किस ने बनवाया था?

जवाब 4670 : सिकन्द्र ने जिसे असकन्दरिया भी कहा जाता है।

सवाल 4671 : ज़मीन पर सबसे पहले हसद किसने किससे किया?

जवाब 4671 : क़ाबील ने हाबील से।

सवाल 4672 : अब्दुल्लाह उमैया ने दमिश्क़ की जामा मस्जिद की तअमीर में किस क़दर ख़र्च किया था?

जवाब 4672 : सत्तर ऊंट माल व दौलत।

सवाल 4673 : ताबूते सकीना किस लकड़ी का संदूक़ था?

जवाब 4673 : शमशाद नामी लकड़ी का। (ख़ज़ायेनुल इरफ़ान। अल्बक़रह)

सवाल 4674 : वह कौन सा पहाड़ है जिस के झरनों से अकसर तिलावते कुर्आने अज़ीम की आवाज़ें सुनाई पड़ती हैं?

जवाब 4674 : कोहे लेबनान।

सवाल 4675 : नमरुद बादशाह ने जिस मीनार से चढ़ कर आसमान पर जाने का दावा किया था उस का नाम बताइये?

जवाब 4675 : तले नमरुद जो नजफ अशरफ और करबलाए मुअल्ला के बीच वाक़ेअ है।

सवाल 4676 : बुख़्ते नुस्सर कौन था?

जवाब 4676 : कल्दानी नस्ल से बाबुल के तीसरे ख़ानदान का दुसरा बादशाह था।

सवाल 4677 : बुख़्ते नुस्सर कितने आदमियों को क़ैद करके बाबिल ले गया था?

जवाब 4677 : 18 हज़ार लोगों को।

सवाल 4678 : ईरान के किस दरिया में जरतश्त अपने नौ निहाल बच्चों को गुस्ल देते थे?

जवाब 4678 : दरियाए सावा में।

सवाल 4679 : फिर्क़ए मोतजिला के बानी का नाम बताइये?

जवाब 4679 : वासिल बिन अता। (शरेह अक़ायेद सफह 5)

सवाल 4680 : शीरीं के इश्क़ में फरहाद ने जिस पहाड़ को खोदा था वह किस नाम से मशहूर है?

जवाब 4680 : कोहे बे सुतून के नाम से।
सवाल 4681 : आलए कोह कनी का दस्ता किस लकड़ी का था?
जवाब 4681 : अनार की लकड़ी का।
सवाल 4682 : किस दरख़्त के बअज़ फल खून आलूद हाते हैं और बअज़ फल मअमूली अनार की तरह होते हैं?
जवाब 4682 : उस अनार का दरख़्त जो आलए कोह कनी का दस्ता बना था। (मिश्र में वाक़ेअ है)
सवाल 4683 : शहरे दमिश्क़ में कितनी मस्जिदें हुई?
जवाब 4683 : तीन सो से ज़ायद।
सवाल 4684 : मुर्दे के साथ कौन सी चीज़े होती हैं, जिन में से दो लौट आती हैं और एक साथ जाती है?
जवाब 4684 : माल, अक़ारिब और अमल। साथ जाने वाली चीज़ अमल है।
सवाल 4685 : सबसे पहले बद तरीन गुनाह हसद किस से सर्ज़द हुआ?
जवाब 4685 : आसमान पर इबलीस ने।
सवाल 4686 : सिदरतुल मुनतहा क्या चीज़ है?
जवाब 4686 : एक दरख़्त है जिसकी जड़ छटे आसमान पर है।
सवाल 4687 : यहूदियों के बुर्जुग मरने से क़ब्ल अपनी औलाद को क्या वसिय्यत करते थे?
जवाब 4687 : अगर तुम में से किसी को आख़िरी पैगम्बर का ज़माना मिले तो उनकी इत्तेबाअ़ करना।
सवाल 4688 : मक़ामे इल्लीयीन किस आसमान पर वाक़े है?
जवाब 4688 : सातवें आसमान पर अ़र्श के नीचे।
सवाल 4689 : अय्यामे अब्यज़ चांद की किन तारीख़ों को कहा जाता है?
जवाब 4689 : तेरहवीं, चौदहवीं, और पंदरहवीं तारीख़ों को।
सवाल 4690 : नामए आमाल मोमिनीन के किन हाथों में दिया जाएगा?
जवाब 4690 : सीधे यानी दाहने हाथ में।
सवाल 4691 : बाऐं हाथ में नामए आमाल किस को दिया जाएगा?
जवाब 4691 : काफिरों को।
सवाल 4692 : दुनिया के पहाड़ों में वह कौनसा पहाड़ है जो छोटा होने के बावजूद क़दरो मंज़िलत में बड़ा है?

जवाब 4692 : कोहे तूर।

सवाल 4693 : शद्दाद बादशाह के बाप का नाम बताइए?

जवाब 4693 : आ़द।

सवाल 4694 : जन्नतुल बक़ीअ के मज़ारात जिन में हज़रत सय्यदह ख़दीजतुल कुबरा रज़ि यल्लाहु अन्हा की क़ब्र भी शामिल है, सऊदी गवर्नमेंट ने किस सन में मिस्मार करवाया?

जवाब 4694 : सन 1926 ईसवी में।

सवाल 4695 : सब से पहली इस्लामी दरसगाह का नाम बताइए?

जवाब 4695 : दारे अरक़म।

सवाल 4696 : जिस दरख़्त के नीचे बैअ़ते रिज़वान हुई थी उस को अ़रब क्या कहते हैं?

जवाब 4696 : समरह।

सवाल 4697 : तदवीने हदीस का काम किस दौर से शुरू हुआ?

जवाब 4697 : बनी उमय्या के दौर से।

सवाल 4698 : इस्लामी साल का पहला महीना बताइए?

जवाब 4698 : मोहर्रमुल हराम।

सवाल 4699 : शबे बरात किस महीना में आती है?

जवाब 4699 : शअ़बानुल मोअ़ज़्ज़म में पंद्रहवीं तारीख़ को।

सवाल 4700 : मरने के बाद कलाम किन लोगों ने किया?

जवाब 4700 : हज़रत यहया अ़लैहिस्सलाम, हबीब नज्जार, हज़रत जअ़फर तय्यार, हज़रत इमाम हसन रज़ि यल्लाहु अ़न्हुम।

(हयातुल हैवान सफह 80)

सवाल 4701 : बाज़ अपनी ज़बान में क्या कहता है?

जवाब 4710 : फिलबुअ़दे मिनन्नासि उनसुन।

(लोगों से दूर रहने में राहत है)।

सवाल 4702 : मेंडक क्या कहता है?

जवाब 4702 : सुब्हाना रब्बियल कुदुस। (पाक है मेरे रब की ज़ात)

सवाल 4703 : तोता बोलता है तो क्या कहता है?

जवाब 4703 : वैलुल लिमनिद्दुनिया हम्महू।

(जिस ने दुनिया का इरादा किया वह हलाक हुवा)

सवाल 4704 : फ़ाख़्ता अपनी ज़बान में क्या कहती है?
जवाब 4704 : या लैता ज़ातुल ख़ल्कि लम युख़्लक़।
(काश कि मख़्लूक़ पैदाही न होती)

सवाल 4705 : मोर बोलता है तो क्या कहता है?
जवाब 4705 : कमा तुदीनु तुदानु। (जैसा करेगा वैसा ही भरेगा)

सवाल 4706 : गिध अपनी ज़बान में क्या कहता है?
जवाब 4706 : या इब्ने आदम इश्माइश्ता फइन्ना आख़िरुकल मौत। (ऐ आदम के बेटे जितना चाहे जी ले आख़िर मौत है)

सवाल 4707 : मुर्ग़ अपनी आवाज़ में क्या कहता है?
जवाब 4707 : उज़्कुरुल्लाह या ग़ाफ़िलून।
(ऐ ग़फ़लत में रहने वालो अल्लाह को याद करो)

सवाल 4708 : हुद हुद अपनी ज़बान में क्या कहता है?
जवाब 4708 : मन ला यरहम ला युरहम। (जो रहेम नहीं करता उसपे रहेम नहीं किया जाता)

सवाल 4709 : कुमरी बोलती है तो क्या कहती है?
जवाब 4709 : सुब्हाना रब्बियल्आला।
(मेरे रब की ज़ात बड़ी पाक और आला है)

सवाल 4710 : पानी बैठ कर पीना सुन्नत है लेकिन वह कौनसा पानी है जिस को खड़ा होकर पीने का हुक्म है?
जवाब 4710 : वज़ू का बचा हुवा पानी और आबे ज़म्ज़म।

सवाल 4711 : इन्सानों से पहले ज़मीन पर कौनसी क़ौम आबाद थीं?
जवाब 4711 : जिन्न।

सवाल 4712 : सय्यदुल अय्याम किस दिन को कहा जाता है?
जवाब 4712 : जुमा के दिन को।

सवाल 4713 : आग़ाज़े इस्लाम में जो मकान तब्लीग़े दीन का मरकज़ बना उस का नाम बताइए?
जवाब 4713 : दारे अरक़म इब्ने अरक़म मख़्ज़ूमी।

सवाल 4714 : किस ज़मीन को अहलुर्राए की ज़मीन कहा जाता है?
जवाब 4714 : सरज़मीने इराक़ को, इस लिये कि वहां के फ़क़ीह ताबई और तबए ताबई के तरबियत याफ़्ता थे।

सवाल 4715 : दौरे अ़ब्बासिया का आग़ाज़ कब हुआ?

जवाब 4715 : 14 रबीउल अव्वल 132 हिज्री से।

सवाल 4716 : ख़ारजी फिरक़े के बानी का नाम बताइए?

जवाब 4716 : जुल ख़ूवयस्रह, अस्ल नाम हिरकूस बिन ज़ोहैर था।

सवाल 4717 : नमरूद मरदूद किस से हलाक हुआ?

जवाब 4717 : मच्छर से।

सवाल 4718 : दुनिया का पहला दस्तूरूल अ़मल कब मुरत्तब हुआ और किस की क़यादत में?

जवाब 4718 : हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की क़यादत में सन एक हिज्री में।

सवाल 4719 : रहमते आ़लम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के वालिदैन जुहूरे इस्लाम से क़ब्ल ही विसाल कर गए उन के बारे में बताइए?

जवाब 4719 : बिला शको शुबहा वह जन्नती हैं।

सवाल 4720 : उस सितारे का नाम बताओ जिस से फरिश्ते शयातीन को मारते हैं?

जवाब 4720 : शहाबे सकि़ब।

सवाल 4721 : वह कौनसा बादशाह गुज़रा है जिसे उस के मालो मताअ़ के साथ ज़मीन में धंसा दिया गया?

जवाब 4721 : का़रून।

सवाल 4722 : उस परिंदे का नाम बताओ जो अंगारे खा लेता है?

जवाब 4722 : शुतुर मुर्ग़।

सवाल 4723 : वह कौनसा दरख़्त है जिस का तेल खाने पीने जलाने और दवा में भी काम आता है?

जवाब 4723 : ज़ैतून का।

सवाल 4724 : अ़रब के उन दरख़्तो के नाम बताओ जिन के तर होने के बावजूद रगड़ने से आग पैदा होती है?

जवाब 4724 : मिरिख़ और अ़फ़ार।

सवाल 4725 : यमन के उस बादशाह का नाम बताओ जो साहिबे ईमान थे और क़ौम काफिर थी?

जवाब 4725 : तुब्बअ होमैरा।

सवाल 4726 : उस पहाड़ का नाम बताओ जिस की क़सम अल्लाह ने याद फरमाई?

जवाब 4726 : कोहे तूर।

सवाल 4727 : बैतुलमअ़मूर किस आस्मान पर वाक़ेअ है?

जवाब 4727 : सातवें आस्मान पर अ़र्श के सामने काबा शरीफ के बिलमोक़ाबिल।

सवाल 4728 : बैतुलमअ़मूर के तवाफ के लिये रोज़ाना कितने फरिश्ते हाज़िर होते हैं?

जवाब 4728 : सत्तर हज़ार फरिश्ते, जो एक बार तवाफ कर लेता है उसे क़्यामत तक दोबारह मौक़ा नहीं मिलेगा।

सवाल 4729 : बैतुलमअ़मूर में अज़ान व इमामत के फराएज़ कौन फरि ते अन्जाम देते हैं?

जवाब 4729 : हज़रत इस्राफील अ़लैहिस्सलाम अज़ान देते हैं जिन की आवाज़ सातों आस्मानों के फरिश्ते सुन्ते हैं और हज़रत मीकाईल अ़लैहिस्सलाम इमामत करते हैं।

(तफ्सीरे अ़ज़ीज़ी सूरेह बक़रह सफह 310)

सवाल 4730 : अफरीक़ा मुसलमानों ने किस सने हिज्री में फतेह किया?

जवाब 4730 : सन 26 हिज्री में।

सवाल 4731 : बोहरह और ख़ोरजह अपना सातवां इमाम किस को तस्लीम करते हैं?

जवाब 4731 : हज़रत सय्यदुना इस्माईल आ़रिज बिन इमाम जअ़फर सादिक़ रहमतुल्लाहि अ़लैहिमा को।

सवाल 4732 : बनी उमय्या का दौर कब से शुरू होता है?

जवाब 4732 : हज़रत अमीरे मोआ़विया रज़ि यल्लाहु अ़न्हु के अ़हदे ख़िलाफत से। (41 हिज्री से)

सवाल 4733 : हज़रत सय्यदुना उमर फारूक़ रज़ि यल्लाहु अ़न्हु के अ़हदे ख़िलाफत में हिंदुस्तान के शहेर मुंबई में थाना बंदर गाह पर जिस सालार ने हम्ला किया था उन का इस्मे गिरामी बताइए?

जवाब 4733 : हज़रत उषमान बिन अबी आ़स रज़ि यल्लाहु अ़न्हु।

सवाल 4734 : जन्नत से निकल कर दुनिया में कौन कौनसी नहरें जारी हुई?

जवाब 4734 : जैहून, सैहून, फुरात, नील, और बाज़ ने दजला को भी बताया है। (सावी जिल्द 3 सफह 114)

सवाल 4735 : जंगे कादसिया में यज़्द गर्द की मदद में राजा दाहिर सिंध ने क्या अनोखी चीज़ भेजी थी?

जवाब 4735 : हाथी।

सवाल 4736 : बेअ़षते नबवी के दस्वीं साल को तारीख़े इसलाम में क्या कहा जाता है?

जवाब 4736 : आ़म्मुल हुज़्न।

सवाल 4737 : आ़म्मुल हुज़्न को आ़म्मुल हुज़्न क्यूं कहा जाता है?

जवाब 4737 : इस साल आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के दो ऐसे रफीक़ व ग़म्गुसार का इन्तेका़ल हुवा जिन से बड़ी तक़्वियत मिल्ती थी।

सवाल 4738 : बेअ़षते नबवी के दस्वीं साल में रहमते आ़लम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के किन दो ग़म्गुसार व रफीक़ का इन्तेका़ल हुवा?

जवाब 4738 : आप के चचा अबू तालिब और आप की जौ़जा हज़रत ख़दीजतुल कुब्रा रज़ि यल्लाहु अ़न्हा का।

सवाल 4739 : मुज़्दल्फा में एक ऐसी जगह है जहां हुज्जाजे किराम को ठहेरना मना है क्या आप को उस जगह का नाम मअ़लूम है?

जवाब 4739 : वादियुल महसर, यह वह मका़म है जहां अस्हाबे फील पर अ़ज़ाब नाज़िल हुआ था और इसी को वादियुन्नार भी कहते हैं।

सवाल 4740 : सुलहे हुदैबिया के बाद फत्हे मक्का से क़ब्ल हिज्रत करने वालों को क्या कहा जाता है?

जवाब 4740 : अस्हाबे हिज्रते सानिया।

सवाल 4741 : हेशाम बिन अ़ब्दुल मलिक के ख़िलाफ सब से पहले बग़ावत का अ़लम किस ने बलंद किया?

जवाब 4741 : हज़रत ज़ैद बिन इमाम ज़ैनुल आ़बिदीन रज़ि यल्लाहु अ़न्हुमा ने।

सवाल 4742 : दुनिया में सब से पहले कौनसा पहाड़ नमुदार हुवा?

जवाब 4742 : जबले अबू कुबैस।

सवाल 4743 : अय्यामे जाहिलीयत में जबले अबू कुबैस को क्या कहा जाता था?

जवाब 4743 : जबले अमीन।

सवाल 4744 : आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम हिजरत से क़ब्ल किस तरफ मुंह कर के नमाज़ पढ़ते थे?

जवाब 4744 : कअ़बा शरीफ की तरफ और बादे हिज्रत बैतुल मुक़द्दस की तरफ हुक्म हुआ और बादहू फिर काअ़बा शरीफ की तरफ।

सवाल 4745 : तूफ़ाने नूह अ़लैहिस्सलाम के बा़द कअ़बा शरीफ में हजरे अस्वद किस ने नसब फरमाया?

जवाब 4745 : हुज़ूर रहमते आ़लम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने।

सवाल 4746 : पैग़म्बरे आ़ज़म सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के मक़ामे विलादत पर सऊदी गवर्नमेंट ने क्या क़ाएम किया है?

जवाब 4746 : लाएब्रेरी।

सवाल 4747 : काबा शरीफ में ग़िलाफे का़बा सब से पहले किस शख़्स ने पहनाया?

जवाब 4747 : असद होमैरी ने।

सवाल 4748 : हरम शरीफ के बा़द दुनिया में सब से अफज़ल कौनसा मक़ाम है?

जवाब 4748 : हज़रत ख़दीजतुल कुब्रा रज़ि यल्लाहु अ़न्हा का वह मकान जहां हज़रत फातिमा ज़ोहरा रज़ि यल्लाहु अ़न्हा की विलादत हुई और बा़दे हिज्रत ताजदारे दो आ़लम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने आठ माह तक उसी में क़याम फर माया।

सवाल 4749 : इस्लाम में सब से पहले शराब पीने की सजा़ किस को दी गई?

जवाब 4749 : हज़रत वहशी बिन हरब रज़ि यल्लाहु अ़न्हु को।

सवाल 4750 : माँ के शिकम के अंदर बच्चा में रूह कितने दिनों बाद डाली जाती है?

जवाब 4750 : चार माह के अंदर।

सवाल 4751 : सारी दुनिया में कितनी ज़बानें बोली जाती हैं?

जवाब 4751 : 3064 (तीन हज़ार चौंसठ ज़बानें)

सवाल 4752 : दुनिया में सब से पहले ज़बान की लुक्नत किस से शुरू हुई?

जवाब 4752 : हज़रत मूसा अ़लैहिस्सलाम से।

सवाल 4753 : अल्लाह तआ़ला ने सब से पहले किस जानवर को पैदा फ़रमाया?

जवाब 4753 : मछली को। (हयातुल हैवान जिल्द 2 सफ़ह 372)

सवाल 4754 : किन जानवरों को हैज़ आता है ?

जवाब 4754 : ख़रगोश, बिज्जू , चम्गादुर को।

(हाशिया कन्ज़ुद्दक़ाएक़ सफ़ह 13)

सवाल 4755 : हज़रत आदम अ़लैहिस्सलाम के साथ कौन से जानवर आए थे?

जवाब 4755 : खुश्की में टिड्डी और तरी में मछली।

सवाल 4756 : मुर्ग़ और गदहा कब बोलते हैं?

जवाब 4756 : फ़रिश्तों को देख कर मुर्ग़ बोलते हैं और शैतान को देख कर गदहा बोलता है।(हयातुल हैवान जिल्द 2 सफ़ह 490)

सवाल 4757 : दुनिया में सब से पहले कौन सा जानवर बीमार हुआ?

जवाब 4757 : वह शेर जो कश्तिए नूह अ़लैहिस्सलाम में सवार था।

(रूहुल मआ़नी सफ़ह 53)

सवाल 4758 : हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने किन जानवरों को क़त्ल करने से मनअ़ फ़रमाया है?

जवाब 4758 : हुद हुद, चिंवटी, शहेद की मक्खी, मेंडक, सर, जो एक परिंदा है। (हयातुल हैवान जि. 2 स. 86)

सवाल 4759 : चल्ते जहाज़ों को रोकने वाली मछली का नाम बताइए?

(हयातुल हैवान सफ़ह 383)

जवाब 4759 : फ़ातूस।

सवाल 4760 : तीतर अपनी ज़बान में क्या कहता है?

जवाब 4760 : अर्रहमानु अ़लल अ़र्शिस्तवा (अल्लाह ही अ़र्श का मालिक है)। (रूहुल मआ़नी सफ़ह 172)

सवाल 4761 : वह कौनसी चीज़ है जिस में न गोश्त है न पोस्त फिर भी कलाम करती है?

जवाब 4761 : दोज़ख़।

सवाल 4762 : वह कौनसी चीज़ है जो बग़ैर गोश्त व पोस्त व ख़ून के सांस लेती है?

जवाब 4762 : सुबह।

सवाल 4763 : अल्लाह तआला की जानिब से वह कौनसा क़ासिद है जो न मर्द है न औरत न जिन न फरिश्ता?

जवाब 4763 : वह कव्वा जिस ने क़ाबील को हाबील की लाश दफ्न करने का तरीक़ा बताया। (हयातुल हैवान)

सवाल 4764 : वह कौन सी क़ब्र है जो साहिबे क़ब्र को लेकर चल्ती थी?

जवाब 4764 : हज़रत नूह अ़लैहिस्सलाम की मछली।

सवाल 4765 : इन्सानों के नाम पर बुतों के नाम ज़िक्र होने वाले मअबूदों के नाम बताइए?

जवाब 4765 : वुद्दा, सुवाअ़, यगूस, यऊक़, नस्र, यह पांचों कौमे नूह अ़लैहिस्सलाम के नेक लोग थे।

सवाल 4766 : हजरे अस्वद जन्नत के किस पत्थर का टुक्ड़ा है?

जवाब 4766 : याक़ूत का सफेद चमक्दार।

सवाल 4767 : तूफाने नूह अ़लैहिस्सलाम कहां नहीं आया था?

जवाब 4768 : सिन्ध और हिंद में। (इख़्तेलाफ है)

सवाल 4769 : क़्यामत में सब से पहले किस से हिसाब होगा?

जवाब 4769 : हज़रत जिब्रईल अ़लैहिस्सलाम से।

सवाल 4770 : किस मुल्क के बादशाह का लक़ब किस्रा होता था?

जवाब 4770 : मुल्के फारस के।

सवाल 4771 : तुर्की बादशाह का लक़ब बताइए?

जवाब 4771 : ख़ाक़ान।

सवाल 4772 : मुल्के हबश के बादशाह का लक़ब बताइए?

जवाब 4772 : नजाशी।

सवाल 4773 : हिंदुस्तानी बादशाह का लक़ब क्या होता था?

जवाब 4773 : धमी।

सवाल 4774 : शाम के बादशाहों को किस लक़ब से जाना जाता था?

जवाब 4774 : क़ैसर से।

सवाल 4775 : मैदाने महशर में जन्नत में दाख़िल होने से पहले और बाद जन्नती की ज़बान क्या होगी?

जवाब 4775 : क़ब्ले दुख़ूले जन्नत सुरयानी और बअ़दे दुख़ूले जन्नत अ़रबी।

सवाल 4776 : वह कूंवा कहां वाके है जिस का पानी पीने के बअ़द लोग मर जाते थे, आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने फरमाया लोग मुसल्मान हो गए हैं तू भी मुसल्मान हो जा?

जवाब 4776 : यमन में, बा़दहू किसी की मौत वाक़ेअ़ नहीं हुई।

सवाल 4777 : दुनिया में सब से पहले अस्पताल किस ने का़एम क्या?

जवाब 4777 : वलीद बिन अ़ब्दुल मलिक ने।

सवाल 4778 : मुग़ल बादशाहों में सब से ज़ियादह अ़सा ता हुकूमत किस ने की?

जवाब 4778 : अक्बर ने।

सवाल 4779 : अपने मक़्बिरह का डीजा़इन किस बादशाह ने खूद तय्यार करवाया था?

जवाब 4779 : अक्बर ने।

सवाल 4780 : वह कौनसी चीज़ें हैं जो थोड़ी भी हों तो ज़ियादह समझना चाहिये?

जवाब 4780 : क़र्ज़, आग, दुश्मनी, बीमारी।

सवाल 4781 : रसूलुल्लाह सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम का दुल दुल किस सहाबी के ज़माने तक ज़िन्दह रहा?

जवाब 4781 : हज़रत अमीरे मुआ़विया रज़ि यल्लाहु अ़न्हु के अ़हेद तक।

सवाल 4782 : उर्दू में सब से पहले रोज़नाम्चे किस ने तय्यार किए?

जवाब 4782 : हज़रत ख़्वाजा हसन निजा़मी रहमतुल्लाहि अ़लैहि ने।

सवाल 4783 : उर्दू की सब से पहली ग़ज़ल किस ने लिखी?

जवाब 4783 : अमीर ख़ुस्रू रहमतुल्लाहि अ़लैहि ने।

सवाल 4784 : क्या आप बता सक्ते हैं कि हारूत व मारूत दोनों फरिश्ते गुनाह सरज़द होने के जुर्म में किस कुवें में औंधे मुंह लटके हुए हैं?

जवाब 4784 : बाबिल के एक कुवें में जिस में धुवां भरा हुवा है। (बाबुल इराक़ का मश्हूर शहेर है)

सवाल 4785 : हारूत मारूत दोनों फरिश्ते अपनी ख़ता की तलाफी के लिए किस पैग़म्बर से तालिबे शिफाअ़त हुए थे?

जवाब 4785 : हज़रत इद्रीस अ़लैहिस्सलाम से।

नोट : दोनों फरिश्तों ने एक औरत पर फरेफ्ता हो कर उस के कहने पर शराब पी और उस के बुतों को सज्दह किया बाद में उस के शौहर का क़त्ल भी किया और इस्मे आज़म भी सिखा दिया।

सवाल 4786 : क्या आप को मालूम है कि मस्जिदे ज़रार जो मुनाफिक़ों ने फित्ना बरपा करने के लिए तामीर की थी उस को मिस्मार करने के लिये आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने किस को हुक्म दिया?

जवाब 4786 : हज़रत मालिक और मअन बिन औफ रज़ि यल्लाहु अन्हुमा को।

सवाल 4787 : अज़ान की इब्तेदा किस सने ईसवी में हुई?

जवाब 4787 : 20 सितम्बर 622 ईसवी से।

सवाल 4788 : फरंगियों ने मक्का मुकर्रमा पर क़ब्ज़ा कब किया था?

जवाब 4788 : 1103 ईसवी में।

सवाल 4789 : अवामी शाएर किस को कहा जाता है?

जवाब 4789 : नज़ीर अक्बराबादी को।

सवाल 4790 : क़ौमी शाएर किस शाएर को कहा जाता है?

जवाब 4790 : पंडित ब्रिज नराएन चक्बस्त को।

सवाल 4791 : शहेर इन्ताकिया के बादशाह का नाम बताइए जो हज़रत शमऊन रहमतुल्लाहि अलैहि की तब्लीग़ो तअलीम पर ईमान ले आया था?

जवाब 4791 : इन्तख़ा नामी एक बुत परस्त था।

सवाल 4792 : चांद की मंज़िलों में से किस मंज़िल का नाम गुफर है?

जवाब 4792 : पंदरहवीं मंज़िल का। (हदाएक़ बख़्शिश सफह 142)

सवाल 4793 : रौज़ए अत्हर और काबए मुअज़्ज़मह पर किस रंग का ग़िलाफ है?

जवाब 4793 : रौज़ए अत्हर पर सब्ज़ रंग और कअबा पर सियाह रंग का।

सवाल 4794 : ईदैन में नामज़ से क़ब्ल सब से पहले खुतबा किस ने दिया?

जवाब 4794 : मरवान बिन हेकम ने।

सवाल 4795 : अज़वाजे रसूल अलैहिस्सलाम ने अपने सर के बाल क्यूं क़टवाए?

जवाब 4795 : इस लिये कि उन को ज़ीनत न दी गई मगर दूसरी औरतों पर हराम है।

सवाल 4796 : हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने कुर्आन कहां से सीखा?
जवाब 4796 : अज़ल ही में सीखा।
सवाल 4797 : मुअजिज़ए शक़्कुल क़मर जब वाक़ेअ़ हुवा तो उस वक़्त हिंदुस्तान में क्या वक़्त था?
जवाब 4797 : रात के 12 बज्कर 50 मिनट थे।
सवाल 4798 : रहमते दो जहां सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की तज्हीज़ो तक्फ़ीन के लिये जो कपड़े लाए गए थे वह कहां के बने हुए थे?
जवाब 4798 : सहूल गाँव के।
सवाल 4799 : सब से पहले किस ने कितनी ज़बानें किस चीज़ पर लिखी?
जवाब 4799 : हज़रत आदम अ़लैहिस्सलाम ने अ़रबी, फारसी, इब्रानी, यूनानी, क़िब्ती, बराबरी, उंदलुसी, हिंदी वग़ैरह मिट्टी पर।
सवाल 4800 : वह कौनसी औरत है जिस के माँ बाप दोनों नहीं हैं?
जवाब 4800 : हज़रत हव्वा रज़ि यल्लाहु अ़न्हा।
सवाल 4801 : वह कौनसा जानवर है जो बग़ैर माँ बाप के पैदा हुवा?
जवाब 4801 : हज़रत सालेह अ़लैहिस्सलाम की ऊंटनी।
सवाल 4802 : वह कौनसी दोस्ती है जो कभी अलग नहीं होती?
जवाब 4802 : रूह और जिस्म।
सवाल 4803 : वह कौनसी दुश्मनी है जो कभी दोस्ती में तब्दीन नहीं हो सक्ती?
जवाब 4803 : मौत और हयात।
सवाल 4804 : मक्का मुकर्रमह और मदीना मुनव्वरह में कौन अफ्ज़ल है?
जवाब 4804 : इख़्तेलाफ है, तीनों इमामों के नज़्दीक मक्का मुर्करमह अफ्ज़ल है और इमाम मालिक के नज़्दीक मदीना मुनव्वरह अफ्ज़ल है।

ज़ीनते कअ़बा में था लाखों उरूसों का बनाओ
जल्वह फरमा यहां कौनैन का दूल्हा देखो

सवाल 4805 : अय्यामे मअ़दूदात से क्या मुराद है?
जवाब 4805 : अय्यामे तश्रीक़ बक़्रईद से तीन दिन तक।
सवाल 4806 : मगर मछ के दांत की पूजा किस मुल्क में होती है?
जवाब 4806 : श्रीलंका में।

सवाल 4807 : इस्लामी सिक्रेट्रियट के पहले सिकरेट्री जरनल कब और किस मुल्क के हुए?

जवाब 4807 : 1969 ईसवी में मलेशिया से।

सवाल 4808 : टोगू जो एक इस्लामी मुल्क है उस का दारुल हुकूमत कहां है?

जवाब 4808 : लूम में।

सवाल 4809 : इस्लामी दुनिया की तवील तरीन नहेर का नाम बताइए?

जवाब 4809 : नहरे सुइज़।

सवाल 4810 : मुस्लिम अक्सरियत की वह कौनसी जम्हूरियत है जो दो बर्रे आज़मों में बटी हुई है?

जवाब 4810 : जम्हूरियए तुर्की। (एशिया और यूरप में)

सवाल 4811 : सब से पहले सर बराहाने ममलुकत कांफरेंस कहां और कब मुंअकिद हुई?

जवाब 4811 : रिबात में 1967 ईसवी में।

सवाल 4812 : सब से पहले कअ़बा पर मिंजनीक़ चलाने वाला कौन शख़्स गुज़रा है?

जवाब 4812 : हिसैन बिन नोमैर।

सवाल 4813 : सब से पहले गुंबदे ख़ज़रा पर सब्ज़ रंग का ग़िलाफ किंस ने चढाया?

जवाब 4813 : होमैर के बादशाह ने।

सवाल 4814 : सब से पहले अपने सर पर ताज रखने वाले बादशाह का नाम बताओ?

जवाब 4814 : नमरूद।

सवाल 4815 : दुनिया की सब से शीरीं ज़बान का नाम बताओ?

जवाब 4815 : अ़रबी।

सवाल 4816 : इस्लामी सिक्का सब से पहले किस ने ईजाद किया?

जवाब 4816 : अ़ब्दुल मलिक बिन मरवान ने।

सवाल 4817 : सब से पहले नज्द में किस ने फितना बरपा किया?

जवाब 4817 : मुसैलमा कज़्ज़ाब ने।

सवाल 4818 : सब से पहले जहन्नम में कौनसा क़ातिल जाएगा?

जवाब 4818 : काबील।

सवाल 4819 : मिस्र में फातमी खुलफा का दौर कब ख़तम हुवा?

जवाब 4819 : 567 ईसवी में अल आज़िद को मअज़ूल कर के अ़ब्बासी ख़लीफा का खुत्बा पढ़ा गया।

सवाल 4820 : हिंदुस्तान में मुग़लिया ख़ानदान का आख़िरी बादशाह कौन गुज़रा है?

जवाब 4820 : बहादुर शाह ज़फर।

सवाल 4821 : दुनिया में सब से ज़ियादह जीने वाला जानवर कौनसा है?

जवाब 4821 : कछुवा।

सवाल 4822 : वह कौनसा जानवर है जो घाएल होने पर आदमी की तरह रोता है?

जवाब 4822 : रीछ (भालू)

सवाल 4823 : दुनिया में एक ऐसा मुल्क भी है जहां बच्चा पैदा करने पर इन्आम मिलता है क्या आपको उस का नाम मअ़लूम है?

जवाब 4823 : रूस।

सवाल 4824 : तौबा करना किस की सुन्नत है?

जवाब 4824 : हज़रत आदम अ़लैहिस्सलाम की।

सवाल 4825 : अपनी ख़ता पर नादिम न हो कर ज़िद पर अड़े रहना किस का अ़मल है?

जवाब 4825 : इब्लीसे लईन का।

सवाल 4826 : मक्का मुकर्रमा में सैलाब कब आया था?

जवाब 4826 : 3 दिसम्बर 1413 ईसवी में।

सवाल 4827 : उंदुलस में मुसलमानों की हुकूमत का ख़ातिमा कब हुवा?

जवाब 4827 : 2 जनवरी 1492 ईसवी में।

सवाल 4828 : बाबर ने हिंदुस्तान में मुग़ल सल्तनत कब क़ाएम की?

जवाब 4828 : 1526 ईसवी में।

सवाल 4829 : हिंदुस्तान में ईस्ट इंडिया कमपनी का क़याम कब अ़मल में आया?

जवाब 4829 : 11 जनवरी 1613 ईसवी को।

सवाल 4830 : फारसी सरकारी ज़बान ख़तम करके अंगरेज़ी को राएज कब किया गया?

जवाब 4830 : 1835 ईसवी में।

सवाल 4831 : किसी अ़रबी फारसी ख़्वां को मुलाज़िमत नहीं मिलेगी, यह फरमान किस की जानिब से कब जारी हुवा?

जवाब 4831 : 1844 ईसवी में लार्ड हार्डिंग की जानिब से।

सवाल 4832 : जुमा की छुट्टी कब ख़तम कर दी गई?

जवाब 4832 : 1857 ईसवी में।

सवाल 4833 : अ़दालते आ़लिया ख़तम करके हाई कोर्ट का क़याम कब अ़मल में आया?

जवाब 4833 : 1864 ईसवी में।

सवाल 4834 : हुजरए आ़इशा रज़ि यल्लाहु अ़न्हा का दरवाज़ा कब बंद किया गया?

जवाब 4834 : 17 रमज़ानुल मुबारक 58 हिज्री/13 जूलाई 678 ईसवी को।

सवाल 4835 : सब से पहले अ़रबी में ख़त किन लोगों ने लिखा?

जवाब 4835 : मुर्रा बिन मुर्रह, असलम बिन सिद्रह, आ़मिर बिन जेद्रह ने। (सीरतुन्नबी जि. 1 स. 13)

सवाल 4836 : हज़रत अमीरे मुआ़विआ रज़ि यल्लाहु अ़न्हु के बाद अ़ब्दुल मलिक बिन मरवान कब तख़्त नशीन हुवा?

जवाब 4836 : 65 हिज्री में। (सीरतुन्नबी जिल्द 1)

सवाल 4837 : शहरे बग़दाद की बुन्नियाद कब किस ने रख्खी ?

जवाब 4837 : ख़लीफा मन्सूर ने 767 ईसवी में।

सवाल 4838 : ख़लीफा मन्सूर शहेर बग़दाद की बुनियाद रख्ते वक़्त कुर्आन पाक की कौनसी आयत तिलावत कर रहे थे?

जवाब 4838 : "इन्नल्अर्दा लिल्लहि यूरिसुहा मंय्यशाउ मिन इबादिहि"

सवाल 4839 : हिंदुस्तान के मश्हूर शहेर अयोधिया की तारीख़ी बाबरी मस्जिद कब तअ़मीर हुई थी?

जवाब 4839 : 1528 ईसवी में।

सवाल 4840 : हिंदुस्तान के मश्हूर शहेर अयोधिया की तारीख़ी बाबरी मस्जिद कब शहीद की गई?

जवाब 4840 : 6 दिसम्बर 1992 ईसवी को।

नोट : अफसोस मुल्क की जमहूरी हुकूमत ख़ामोश तमाशाई बनी रही और शर पसंदों ने मस्जिद को शहीद कर डाला।

सवाल 4841 : बाबरी मस्जिद का ताला कब खोला गया?

जवाब 4841 : यकुम फरवरी 1986 ईसवी को ज़िला मजिस्ट्रेट ने शाम 4 बज्कर 40 मिनट पर एक तर्फा फैस्ला करके 5 बज्कर 19 मिनट पर राम जनम भूमी क़रार देते हुए ताला खोल दिया।

सवाल 4842 : वह कौनसी शए है जिसे पाकर इन्सान ज़िंदगी भर मुत्मइन रह सक्ता है?

जवाब 4842 : ईमान की दौलत।

सवाल 4843 : हुमरा असद मदीना से कितनी दूरी पर वाके़अ है?

जवाब 4843 : 8 मील की दूरी पर। (सीरतुन्नबी अव्वल स. 386)

सवाल 4844 : बाब्री मस्जिद के फर्श ने कितने सौ साल तक अल्लाह के नेक बंदों की पेशानियों का बोसा लिया?

जवाब 4844 : साढ़े चार सौ साल से ज़ाएद अ़रसा तक।

सवाल 4845 : हर उम्मत में एक फिरऔ़न होता है बताइए उम्मते मोहम्मदिया का फिरऔ़न कौन था?

जवाब 4845 : अबू जहल बिन हेशाम। (ज़ियाउन्नबी सोम स. 356)

सवाल 4846 : दुनिया का सब से बड़ा हवाई अड्डा किस इस्लामी मुल्क में है और उस का नाम क्या है?

जवाब 4846 : जद्दह (सऊदी अ़रब) का शाह अ़ब्दुल अज़ीज़ इन्टर नेशनल एयर पोर्ट।

सवाल 4847 : अस्हाबुस्सफीना के नाम से कुर्आन पाक में किन को याद क्या गया है?

जवाब 4847 : हज़रत नूह अ़लैहिस्सलाम और आप के साथियों को।

सवाल 4848 : औज बिन औक़ या उनुक़ जो आदम अ़लैहिस्सलाम की बेटी से पैदा हुआ था और तवीलुल क़ामत था, बताइए उसकी उम्र कितनी थी?

जवाब 4848 : उसकी उम्र साढ़े तीन हज़ार बर्ष की हुई और हज़रत मूसा अ़लैहिस्सलाम ने उसे मारा।

सवाल 4849 : इस्लामी तारीख़ में वह कौनसा ग़ज़्वह है जिस में सिर्फ तीन हज़ार मुजाहिदीन ने एक लाख से ज़ाएद ईसाई लश्कर को मार भगाया?

जवाब 4849 : गज़्वए मौता।

सवाल 4850 : शहरे हलब और उस का क़िलअ कितने मुजाहिदीने इस्लाम ने फतेह कर लिया था?

जवाब 4850 : सिर्फ 30 हजार मुजाहिदीन ने।

सवाल 4851 : एक जंग में सिर्फ 60 मुसलमानों ने 60 हजार रूमियों के छक्के छुड़ा दिए थे वह कौनसी जंग थी?

जवाब 4851 : जंगे यरमूक।

सवाल 4852 : सब से पहले ज़मीन पर किस की तदफीन हुई?

जवाब 4852 : हाबील की।

सवाल 4853 : मैदाने महशर में सब से पहले इन्सान से किस सिलिसले में सवाल होगा?

जवाब 4853 : नमाज़ के बारे में।

सवाल 4854 : ज़मीन पर क़त्ल सब से पहले किस की वजह से हुवा?

जवाब 4854 : औरत की वजह से।

सवाल 4855 : कानपुर मछली बाजा़र का सानिहा कब दरपेश हुआ जिस में मुसल्मानों का जानी व माली नुक़्सान हुवा?

जवाब 4855 : 1913 ईसवी में।

नोट : जामेअ़ मस्जिद का मशिरक़ी हिस्सा सड़क निकाल्ते वक़्त हुकूमत ने सड़क में दबा लिया था उस के ख़िलाफ इहतेजाज करने वालों पर 3 अगस्त 1913 ईसवी को गोलियां चलाई गई थीं।

सवाल 4856 : मुल्के पाकिस्तान कब वजूद में आया?

जवाब 4856 : 14 अगस्त 1947 ईसवी को।

सवाल 4857 : सिख़्खों ने अंगरेज़ी हुकूमत की सरपरस्ती में लाहोर की मस्जिद शहीद गंज को जुल्मन कब शहीद कर दिया था?

जवाब 4857 : 1935 ईसवी में।

सवाल 4858 : फुक़हाए किराम के नज़्दीक सोने से वज़ू टूट जाता है और मौत से गुस्ल, मगर वह कौन हज़रात हैं जिन का मआमिला इसके बर अक्स है?

जवाब 4858 : नबी की नींद से वज़ू नहीं टूटता और शहीद की मौत गुस्ल नहीं तोड़ती।

सवाल 4859 : क्या हुजूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने अपनी बेटी फातिमा रज़ि यल्लाहु अन्हा को जहेज़ में कुछ सानाम दिया था?

जवाब 4859 : जी हाँ! मगर जहेज़ नहीं था ज़रूरियाते ज़िंदगी का सामान था।

सवाल 4860 : रूसी इश्तेराकियों के मुकाब्लह में तने तन्हा डटे रहने वाले मुजाहिद का नाम बताइए?

जवाब 4860 : अन्वर पाशा मरहूम।

सवाल 4861 : अन्वर पाशा मरहूम की शहादत कब हुई?

जवाब 4861 : 1922 ईसवी में सुबह साढ़े 9 बजे।

सवाल 4862 : वह दरख़्त कहां पाया जाता है जिस से तारपीन का तेल निकाला जाता है?

जवाब 4862 : मुल्के चीन में।

सवाल 4863 : बंगाल के उस पहले गवर्नर का नाम बताओ जो दफ्तर में एक मअमूली कलर्क था?

जवाब 4863 : लार्ड कलाइव।

सवाल 4864 : कोलम्बस (अमरीका का पता लगाने वाले) का पेशा क्या था?

जवाब 4864 : कपड़ा बुन्ना।

सवाल 4865 : बताइए गिर्गिट को एक ही ज़र्ब में मारने से कितनी नेकियां मिलती हैं?

जवाब 4865 : बरिवायते हज़रत अबू हुरैरह रज़ि यल्लाहु अन्हु सौ नेकियां। (मुस्लिम शरीफ जि. 2 स. 358)

सवाल 4866 : ज़मीन का वह कौनसा हिस्सा है जो कअ़बा शरीफ बल्की अर्श व कुर्सी से भी अफज़ल है?

जवाब 4866 : ज़मीन का वह हिस्सा जो सय्यदे आलम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के जिस्मे अतहर से लगा हुवा है। (अलअश्बाह वन्नज़ाएर सफह 394)

सवाल 4867 : हिंदुस्तान के किस बादशाह को तीन रुपये में निशापुर के बाजार में फरोख्त किया गया?

जवाब 4867 : कुत्बुद्दीन ऐबक को।

सवाल 4868 : बीरबल (अक्बर का रतन) कौनसा पेशा इख़्तेयार किये था?

जवाब 4868 : रस्सियां बटने वाला था।

सवाल 4869 : चंगेज़ ख़ाँ हलाकू पहले क्या था?

जवाब 4869 : एक चरवाहा।

सवाल 4870 : दुनिया की सब से बड़ी ऊन की मारकीट कहां है?

जवाब 4870 : सिडनी (आस्ट्रेलिया) में।

सवाल 4871 : निज़ामे शम्सी के सब से हल्के सय्यारे का नाम बताओ?

जवाब 4871 : ज़ुहल।

सवाल 4872 : बताइए वह कौनसा पत्थर है जिस ने जानवर पैदा किया?

जवाब 4872 : हज़रत सालेह अलैहिस्सलाम की ऊंटनी जिस पत्थर से पैदा हुई।

सवाल 4873 : वह कौनसी औरत है जिस ने एक ही दिन में तीन घड़ियों में बच्चा जना?

जवाब 4873 : हज़रत मरयम रज़ियल्लाहु अन्हा।

सवाल 4874 : उस पुल का नाम बताओ जो दो तल्ला है जिसे जहाज़ के आने पर ऊपर उठाया जा सक्ता है?

जवाब 4874 : टावर ब्रिज (लंदन) चढ़ने के लिये लिफ्ट लगा है।

सवाल 4875 : बताइए अमरीका को आज़ादी कब मिली?

जवाब 4875 : 1876 ईसवी में।

सवाल 4876 : उरदन के सदर शाह हुसैन गद्दी पर कब बैठे?

जवाब 4876 : 1952 ईसवी में।

सवाल 4877 : पाकिस्तान के सब से पहले वज़ीरे ख़ारिजह का नाम बताइए?

जवाब 4877 : ज़फरुल्लाह ख़ान।

सवाल 4878 : सब से ज़ियादह जज़ाएर कहां पाए जाते हैं?

जवाब 4878 : इंडोनेशिया में जिन की तअ़दाद तीन हजार से ज़ियादह है।

सवाल 4879 : मुम्ताज़ महेल का इन्तेक़ाल कब हुवा?

जवाब 4879 : 1631 ईसवी में।

सवाल 4880 : ताज महल की तअ़मीर कब शुरू हुई और बनकर कब तैयार हुवा?

जवाब 4880 : 1632 ईसवी को शुरू हुई और 1650 ईसवी में बनकर तैयार हो गया।

सवाल 4881 : ताज महेल की तअ़मीर के लिये कितने मज़्दूर रोज़ाना काम करते थे?

जवाब 4881 : 20 हज़ार।

सवाल 4882 : क्या आप को मअ़लूम है कि दुनिया का सब से बड़ा क़ालीन कहां है?

जवाब 4882 : न्यू यॉर्क में जो 88 हज़ार मुरब्बअ़ फिट का है और 2 एकड़ ज़मीन पर बिछाया जा सक्ता है।

सवाल 4883 : क्या आप को मअ़लूम है ज़मीन की सूरज से कितनी दूरी है?

जवाब 4883 : 9 करोड़ 30 लाख मील।

सवाल 4884 : ज़मीन से चांद की दूरी बताइए?

जवाब 4884 : 2 लाख 38 हज़ार 857 मील।

सवाल 4885 : वह दरख़्त कहां पाया जाता है जिस की शाख़ों से बादे गुरूबे आफ्ताब से तुलूऐ आफ्ताब तक आग बरस्ती है?

जवाब 4885 : जापान में।

सवाल 4886 : क्या आप को मअ़लूम है कि ऐसा दरख़्त कहां पाया जाता है जिस के एक ही पत्ते के साया में आदमी आराम से बैठ सक्ता है?

जवाब 4886 : श्रीलंका में।

सवाल 4887 : ऐसे दरख़्त का जाए वक़ूअ़ बताइए जिस की एक पत्ती खाते ही जिस्म के बाल साफ हो जाते हैं?

जवाब 4887 : जुनूबी अफ्रीक़ा में।

सवाल 4888 : वह कौनसा जानवर है जो पानी में रहने के बावजूद भी एक बूंद पानी नहीं पीता?

जवाब 4888 : मछली।

सवाल 4889 : दुनिया की सब से बड़ी मस्जिद का नाम बताइए?

जवाब 4889 : जामअ़ मस्जिद क़ुरतबा (इस्पीन)।

सवाल 4890 : दुनिया की सब से बड़ी इबादत गाह का नाम क्या आप बता सक्ते हैं?

जवाब 4890 : ख़ानए कअ़बा।

सवाल 4891 : क्या आपको मअ़लूम है कि दरयाए नील की लम्बाई कितनी है?

जवाब 4891 : चार हज़ार मील जो अफ्रीक़ा में वाक़े है।

सवाल 4892 : दरयाए सिंध की लम्बाई बताइए?

जवाब 4892 : 1900 मील जो एशिया में है।

सवाल 4893 : दुनिया के सब से ग़रीब मुल्क का नाम बताइए ?

जवाब 4893 : भूटान।

सवाल 4894 : दुनिया में सब से ज़ियादह लड़कियां कहां पैदा होती हैं?

जवाब 4894 : रूस में।

सवाल 4895 : दुनिया में सब से ज़ियादह गेहूं की पैदावार कहां होती है?

जवाब 4895 : कनाडा में।

सवाल 4896 : दुनिया में सब से ज़्यादह चाय कहां पैदा होती है?

जवाब 4896 : हिंदुस्तान में।

सवाल 4897 : दुनिया में सब से ज़ियादह शराब कहां बन्ती है?

जवाब 4897 : फरांस में।

सवाल 4898 : दुनिया में सब से ज़ियादह ज़बानें किस मुल्क में बोली जाती हैं?

जवाब 4898 : हिंदुस्तान में।

सवाल 4899 : दुनिया में सब से ज़ियादह ऊंची इमारतें किस मुल्क में पाई जाती हैं?

जवाब 4899 : अमरीका, न्यूयॉर्क में।

सवाल 4900 : बताइए दुनिया का सब से बड़ा समंदर कौनसा है?

जवाब 4900 : बहरुल काहिल।

सवाल 4901 : दुनिया का सबसे लम्बा दरया कहां है?

जवाब 4901 : अमीज़ान में।

सवाल 4902 : दुनिया की सब से ज़ियादह सख़्त तरीन चीज़ का नाम बताइए?

जवाब 4902 : हीरा।

सवाल 4903: वह कौनसा जानवर है जो शहेद का बहुत शौक़ीन होता है?

जवाब 4903 : रीछ (भालू)

सवाल 4904 : दुनया का सब से पुराना शहेर कौनसा है?

जवाब 4904 : दमिश्क़।

सवाल 4905 : दुनिया का सब से छोटा बर्रे आज़म कौनसा है?

जवाब 4905 : आस्ट्रेलिया।

सवाल 4906 : सब से पहली किताब कहां छपी है?

जवाब 4906 : लंदन में 144 ईसवी में।

सवाल 4907 : ऐसे बक्रे कहां पाए जाते हैं जो दरख़्तों पर चढ़ जाते हैं?

जवाब 4907 : आस्ट्रेलिया में।

सवाल 4908 : किस मुल्क के बादशाह ने अपने कुत्ते को रियासत का वज़ीरे आ़ला बनाया था?

जवाब 4908 : नारवे के बादशाह ने।

सवाल 4909 : मुस्हफे उस्मानी का अस्ल नुस्ख़ा कहां मौजूद है?

जवाब 4909 : कुस्तुन्तुनिया के शाही कुतुब ख़ाने में।

सवाल 4910 : बताइए मगर मछ की उम्र कितनी होती है?

जवाब 4910 : 3 हज़ार साल।

सवाल 4911 : गिल्हरी की ज़िंदगी कितने साल की होती है?

जवाब 4911 : 200 साल की।

सवाल 4912 : वह कौनसा जानवर है जो जमाई लेता है?

जवाब 4912 : तोता।

सवाल 4913 : बताइए हिंदुस्तान में सब से बड़ा दरया कौनसा है?

जवाब 4913 : गंगा।

सवाल 4914 : किस मुल्क में ऐसा बाज़ार है जहां सिर्फ पनीर की दुकानें हैं?

जवाब 4914 : हालेंड में।

सवाल 4915 : दुनिया में शीशे के बरत़न सब से पहले किस मुल्क में बनाए गए?

जवाब 4915 : मिस्र में।

सवाल 4916 : बताइए ईदगाह के मिम्बर का मोजिद कौन है?
जवाब 4916 : मरवान बिन हेकम।
सवाल 4917 : हैदरे कर्रार का मअ़ना बताइए क्या होता है?
जवाब 4917 : पलट पलट कर हम्ला करने वाला।
सवाल 4918 : इल्मे मंतिक़ में शैख़ैन के लक़ब से कौन जाने जाते हैं?
जवाब 4918 : बू अ़ली सीना व फाराबी।
सवाल 4919 : लैला के आ़शिक़ मजनूं किस अ़ज़ीम हस्ती के रज़ाई भाई थे।
जवाब 4919 : हज़रत हसन मुज्तबा रज़ि यल्लाहु अ़न्हु के, उन का नाम क़ैस था।
सवाल 4920 : जालूत किस क़दर दराज़ था?
जवाब 4920 : उस का साया एक मील तक जाता था।
सवाल 4921 : फिरक़ए हशीशैन या हशाशीन की बुन्नियाद किस मक्कार और ज़ालिम शख़्स ने रख्खी?
जवाब 4921 : हसन बिन सबाह ने 483 हिज्री, 1092 ईसवी में।
(मलिक शाह सल्जूक़ी सफह 161)
सवाल 4922 : हसन बिन सबाह किस फिरक़ह का पैरू था?
जवाब 4922 : शीओं के फिरक़ए इस्माईलियह का जिस को फातिमिय्यह, बातिनिय्यह,सबइय्यह भी कहते हैं।(हवाला मुंदर्जा बाला)
सवाल 4923 : वह कौन लोग हैं जो सवालाते नकीरैन और अ़ज़ाबे क़ब्र से महफ़ूज़ रहते हैं?
जवाब 4923 : शबे जुमा, रोज़े जुमा और माहे रमज़ान में मरने वाले मुसल्मान। (फतावा रज़विया जि. 4 स. 124)
सवाल 4924 : गुराबे आ़सम किसे कहते हैं?
जवाब 4924 : वह कव्वा जिस के परों की नोक सफेद है।
सवाल 4925 : तअ़ज़ियत के मौक़अ पर जो खाना पकाया जाता है उसे अहले अ़रब क्या कहते हैं?
जवाब 4925 : अल वज़ीमा। (ज़ियाउन्नबी जिल्द 4 सफह 380)
सवाल 4926 : मुसाफिरों की आमद पर जो दअ़वत दी जाती है उसे अ़रब क्या कहते हैं?
जवाब 4926 : अल फक़ीअह। (ज़ियाउन्नबी जिल्द 4 सफह 380)

सवाल 4927 : मकान तामीर करने के बाद जो ज़ियाफत की जाती है उसे अ़रब क्या कहते हैं?

जवाब 4927 : अल वकीरह। (ज़ियाउन्नबी जिल्द 4 सफह 380)

सवाल 4928 : अ़रब के बादियह नशीनों ने जिन दो आलमी ताकतों को फैस्लह कुन शिकस्तें दीं उन के नाम बताइए?

जवाब 4928 : ईरान और रूम (ज़ियाउन्नबी जिल्द 4 सफह 450)

सवाल 4929 : अयोधिया में कुरबानि ए गाउ पर फसाद किस सन में हुवा था?

जवाब 4929 : 1913 ईसवी में।

सवाल 4930 : 1914 ईसवी में गाय की कुरबानी पर फसाद किस शहेर में हुवा था?

जवाब 4930 : मुज़फ्फरा बाद में।

सवाल 4931 : हिंदुस्तान के उन चारों मकामात की निशानदेही कीजए जहां 1917 ईसवी में इस कद्र बड़े पैमाने पर फसादात हुए थे जिन की नज़ीर इस दौर में नहीं मिलती?

जवाब 4931 : आगरह, शाह आबाद, बलिया, आज़मगढ़।

सवाल 4932 : गाव कुशी मौकूफ कर देने की नापाक कोशिश दस्वीं सदी हिज्री में भी हुई थी, बताइए किस के दौरे सल्तनत में?

जवाब 4932 : अक्बर बादशाह के अ़हेद में।

सवाल 4933 : हज़रत मन्सूर हल्लाज रहमतुल्लाहि अ़लैहि को तख़्ताएदार पर अनल्हक कहने की सजा कब दी गई?

जवाब 4933 : 309 हिज्री में। (तारीखुल खुलफा)

बक़िया अंबियाए किराम अलैहिमुस्सलाम

सवाल 4934 : वह कौन से नबी हैं जिन्हों ने चियुंटियों के एक गाँव को जलानेका हुकम दिया?

जवाब 4934 : शारेहीन के नज़दीक हज़रत मूसा या दाऊद अलैहुमस्सलाम हैं। (माहनामा आला हज़रत नवंबर 1999 ईसवी)

सवाल 4935 : अरब में कितने और कौन कौन से नबी मबऊस हुए?

जवाब 4935 : पाँच-हज़रत हूद, हज़रत सालेह, हज़रत इस्माईल, हज़रत

शुऐ़ब अलैहिमुस्सलाम और हमारे नबी सल्ल्ल्लाहु अलैहि व सल्ल्म। (सावी अव्वल सफह 225)

सवाल 4936 : वह कौन से नबी हैं जो अपनी ज़िन्दगी में क़ब्रे अनवर में लेट गए और वहीं उन की रूह क़ब्ज़ कर ली गई?

जवाब 4936 : हज़रत हारून अलैहिस्लाम। (जज़्बुल कुलूब सफह 55)

सवाल 4937 : दुशमन के मक्र व फरेब से हिफाज़त के लिए किन नबियों के लिए मकड़ी ने जाला बुना?

जवाब 4937 : हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के लिए ग़ारे सोर के दरवाज़े पर, हज़रत दाऊद अलैहिस्सलाम के लिये जब उन को तालूत ने क़त्ल करने का इरादा किया और वह ग़ार में जा छुपे। (हयातुल हैवान दोम सफह 166)

सवाल 4938 : वह कौन से दो पैग़म्बर हैं जो क़यामत के दिन एक ही क़ब्र से उठेंगे?

जवाब 4938 : हुज़ूर अकरम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम और हज़रत ईसा अलैहिस्सलाम। (मिशकात शरीफ दोम सफह 480)

सवाल 4939 : वह कौन से नबी हैं जो दुनिया में हज़ार साल तक रहे मगर ज़मीन का पानी नहीं पिया?

जवाब 4939 : हज़रत आदम अलैहिस्सलाम, पूरी ज़िन्दगी बारिश का पानी पीते रहे। (तफसीरे अज़ीज़ी सुरेह बक़रह सफह 172)

सवाल 4940 : हज़रत आदम अलैहिस्सलाम की ज़ाहिरी हयात में कौन कौन से नबी पैदा हुए?

जवाब 4940 : हज़रत शीस व हज़रत इदरीस अलैहुमस्सलाम। (सावी जिल्द 3, सफह 73)

सवाल 4941 : हज़रत इदरीस अलैहिस्सलाम को हज़रत आदम अलैहिस्सलाम का कितना ज़माना मिला?

जवाब 4941 : सौ 100, साल लेकिन एलाने नुबुव्वत का हुक्म आदम अलैहिस्सलाम के विसाल के दो सौ साल बाद हुआ। (सावी जिल्द 3, स. 73)

सवाल 4942 : वह कौन से नबी हैं जिन का निकाह खुद खुदा ने पढ़ा?

जवाब 4942 : हज़रत आदम अलैहिस्सलाम। (मदारिजुन्नबुव्वह दोम सफह 5)

सवाल 4943 : किस नबी के निकाह का ख़ुतबा जिब्राईल अलैहिस्सलाम ने पढ़ा?

जवाब 4943 : हज़रत शीस अलैहिस्सलाम के निकाह का ख़ुतबा।
(ज़रक़ानी अव्वल सफह 65)

सवाल 4944 : कुर्आने करीम में किन नब्यों का ज़िक्र मुब्हम तौर से आया है?

जवाब 4944 : हज़रत शमवील, हज़रत यूशअ़, हज़रत ख़िज़्र अलैहिमुस्सलाम का। (फ़तावा रज़विया जिल्द 6, सफह 61)

सवाल 4945 : कुफ्फार की तरफ सब से पहले कौन रसूल तशरीफ लाए?

जवाब 4945 : हज़रत नूह अलैहिस्सलाम।
(उम्दतुलक़ारी जिल्द 7, सफह 436)

सवाल 4946 : अरकाने हज अदा करते वक़्त सब से पहले सर किस ने मुन्डवाया?

जवाब 4946 : हज़रत इब्राहीम अलैहिस्सलाम ने।
(मुहाज़ेरतुल अवाइल सफह 131)

सवाल 4947 : क़यामत के दिन सब से पहले लिबास किस को पहनाया जाएगा?

जवाब 4947 : हज़रत इब्राहीम अलैहिस्सलाम को।
(मिशकात शरीफ दोम सफह 483)

सवाल 4948 : हज़रत इब्राहीम अलैहिस्सलाम परसब से पहले कौन ईमान लाया?

जवाब 4948 : आप की ज़ौजह हज़रत सारह रज़ि यल्लाहु अन्हा।
(मुहाज़िरतुल अवाइल सफह 33)

सवाल 4949 : सब से पहले आबे ज़मज़म किस ने नोश फरमाया?

जवाब 4949 : हज़रत इस्माईल अलैहिस्सलाम ने।
(मुहाज़िरतुल अवाइल सफह 41)

सवाल 4950 : सब से पहले घोड़े पर कौन सवार हुए?

जवाब 4950 : हज़रत इस्माईल अलैहिस्सलाम।
(हयातुल हैवान अव्वल सफह 388)

सवाल 4951 : सब से पहले फसीह अरबी में कलाम किस ने किया?

जवाब 4951 : हज़रत इस्माईल अलैहिस्सलाम ने।

सवाल 4952 : सब से पहले अम्मा बअ़द किस नबी ने कहा?
जवाब 4952 : हज़रत दाऊद अलैहिस्सलाम ने।
(मदारिजुन्नबुव्वह अव्वल सफह 435)

सवाल 4953 : दुनिया में सब से पहले चटाई बनाने का काम किस नबी ने किया?
जवाब 4953 : हज़रत सुलेमान अलैहिस्सलाम ने।
(तफसीरे अज़ीज़ी सुरेह बक़रह सफह 170)

सवाल 4954 : सब से पहले मौत की तमन्ना किस पैग़म्बर ने की?
जवाब 4954 : हज़रत यूसुफ अलैहिस्सलाम ने।
(मुहाज़िरतुल अ़वाइल सफह 100)

सवाल 4955 : सब से पहले ख़िराज किस नबी ने मुतअय्यन किया ?
जवाब 4955 : हज़रत मूसा अलैहिस्सलाम ने।
(मुहाज़िरतुल अवाइल सफह 97)

सवाल 4956 : सब से पहले नहेर किस नबी ने खुदवाई?
जवाब 4956 : हज़रत दानियाल अलैहिस्सलाम ने।
(मुहाज़िरतुल अवाइल सफह 118)

सवाल 4957 : ज़मीन में सब से पहले सयाहत किस ने की?
जवाब 4957 : हज़रत ईसा अलैहिस्सलाम ने।
(मुहाज़िरतुल अवाइल सफह 131)

सवाल 4958 : माले ग़नीमत सब से पहले किस नबी के लिए हलाल हुआ?
जवाब 4958 : नबी आख़िरूज़्ज़मां सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के लिए । (मुहाज़िरतुल अवाइल सफह 133)

सवाल 4959 : सब से पहले सर पर अ़मामा किस ने बाँधा?
जवाब 4959 : हज़रत सिकन्दर ज़ुलक़रनैन ने।
(मुहाज़िरतुल अवाइल सफह 84)

सवाल 4960 : ज़मीन पर सब से पहले गेहूँ की काश्त किस ने की?
जवाब 4960 : हज़रत आदम अलैहिस्सलाम ने।
(मुहाजिरतुल अवाइल सफह 97)

सवाल 4961 : सब से पहले रूपया, अशरफी किस ने तैयार की?
जवाब 4961 : हज़रत आदम अलैहिस्सलाम ने।
(तफसीरे अज़ीज़ी, सुरेह बक़रह सफह 170)

सवाल 4962 : सब से पहले बाल किस ने मुन्डवाया?

जवाब 4962 : हज़रत आदम अलैहिस्सलाम ने,जिब्रईल अमीन ने मूंडा।

(मुहाजि़रतुल अवाइल सफह 43)

सवाल 4963 : सब से पहले किस ने लिखा?

जवाब 4963 : हज़रत आदम अलैहिस्सलाम ने।

(मुहाजि़रतुल अवाइल सफह 27)

सवाल 4964 : सब से पहले शेर गोई किस ने की?

जवाब 4964 : हज़रत आदम अलैहिस्सलाम ने।

(मुहाजि़रतुल अवाइल सफह 29)

सवाल 4965 : सब से पहले हज किस ने किया?

जवाब 4965 : हज़रत आदम अलैहिस्सलाम ने।

(मुहाजि़रतुल अवाइल सफह 100)

सवाल 4966 : सब से पहले दाढ़ी किस के निकली?

जवाब 4966 : हज़रत शीस अलैहिस्सलाम के।

(आईनए तारीख़ सफह 49)

सवाल 4967 : सब से पहले कि़लअ़ और शहेर किस ने तअ़मीर किए?

जवाब 4967 : हज़रत शीस अलैहिस्सलाम ने।

(अलबदाय वन्निहाया अव्वल सफह 99)

सवाल 4968 : सब से पहले कुत्ता किस ने पाला?

जवाब 4968 : हज़रत नूह अलैहिस्सलाम ने कश्ती की हिफाज़त के लिए। (हयातुल हैवान दोम सफह 306)

सवाल 4969 : अंबिया में सब से पहले तिजारत किस ने की?

जवाब 4969 : हज़रत सालेह अलैहिस्सलाम ने।

(मुहाजि़रतुल अवाइल सफह 131)

सवाल 4970 : सब से पहले नअ़लैन किस ने पहनी?

जवाब 4970 : हज़रत इब्राहीम अलैहिस्सलाम ने।

(मुहाजि़रतुल अवाइल सफह 38)

सवाल 4971 : सब से पहले मेहमान नवाज़ी किस ने की?

जवाब 4971 : हज़रत इब्राहीतम अलैहिस्सलाम ने।

(ख़ाज़िन सफह 89)

सवाल 4972 : सब से पहले मिहमान खाना किस ने बनवाया?
जवाब 4972 : हज़रत इब्राहीम अलैहिस्सलाम ने।

(मुहाजिरतुल अवाइल सफह 37)

सवाल 4973 : इल्मे जुफर के मूजिद सब से पहले कौन नबी हुए?
जवाब 4973 : हज़रत इदरीस अलैहिस्सलाम।

(ख़ाज़िन जिल्द 4, सफह 202)

सवाल 4974 : बताइए हज़रत इदरीस अलैहिस्सलाम रोज़ा किस क़दर रखते थे?
जवाब 4974 : आप हमेशा रोज़ह से रहा करते थे। (ख़ाज़िन जिल्द 4, सफह 203)

सवाल 4975 : हज़रत नूह अलैहिस्सलाम के रोज़ा के तअल्लुक़ से बताइए?
जवाब 4975 : आप यौमे फित्र व यौमे अज़हा के इलावा हमेशा रोज़ह रखते थे। (अलबदाया वन्निहायह अव्वल सफह 118)

सवाल 4976 : हज़रत दाऊद अलैहिस्सलाम किस क़दर रोज़ह रखते थे?
जवाब 4976 : एक दिन रोज़ह और एक दिन इफतार।

(हवाला मुन्दरिजह बाला)

सवाल 4977 : हज़रत इब्राहीम अलैहिस्सलाम किस क़दर रोज़ा रखते थे?
जवाब 4977 : हर माह में तीन दिन। (हवाला मुन्दरिजह बाला)

सवाल 4978 : हज़रत जुलकिफ्ल अलैहिस्सलाम रोज़ा किस क़दर रखते थे?
जवाब 4978 : तमाम दिन रोज़ा और सारी रात इबादत।

(जुमल सोम सफह 142)

सवाल 4979 : बताइए हज़रत सुलेमान अलैहिस्सलाम किस कदर रोज़ा रखते थे?
जवाब 4979 : हर माह के शुरू में 3, दिन और दर्मियान में 3 दिन और आख़िर में एक दिन।

(अलबदायह वन्निहायह दोम सफह 19)

सवाल 4980 : हज़रत ईसा अलैहिस्सलाम का रोज़ा किस क़दर होता था?
जवाब 4980 : आप हमेशा रोज़ह से रहा करते थे।

(हवाला मुनदरिजह बाला)

सवाल 4981 : बताइए हज़रत आदम अलैहिस्सलाम के निकाह में गवाह कौन लोग थे?

जवाब 4981 : फरिशते। (तफसीरे अज़ीज़ि सूरए बक़रह सफह 159)

सवाल 4982 : किया हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने कभी अज़ान पढ़ी?

जवाब 4982 : एक मर्तबा हालते सफर में ज़ोहर की अज़ान" अशहदु अन्ना मुहम्मदर्रसूलुल्लाह की जगह इन्नी रसूलुल्लाह" पढ़ा। (दुर्रे मुख़्तार मअ़ रद्दुल मुहतार अव्वल सफह 280)

सवाल 4983 : 17, अंबियाए किराम ख़तना शुदह पैदा हुए उन के अस्माए गरामी बताइए?

जवाब 4983 : हज़रत आदम, हज़रत शीस, हज़रत इदरीस, हज़रत नूह, हज़रत यूसुफ, हज़रत मूसा, हज़रत शोअ़ैब, हज़रत ज़करिया, हज़रत यहया, हज़रत सालेह, हज़रत लूत, हज़रत हूद, हज़रत सुलेमान, हज़रत हन्ज़ला, हज़रत साम, हज़रत ईसा अलैहिमुस्सलाम, हुज़ूर अकरम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम। (ज़रक़ानी अव्वल सफह 126)

सवाल 4984 : वह कौन पाँच अंबिया हैं जिन की ज़बान अरबी थी?

जवाब 4984 : हज़रत इस्माईल, हज़रत हूद, हज़रत सालेह, हज़रत शोअ़ेब (अलैहिमुस्सलाम) रहमते आलम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम। (बुस्तानुल आरिफीन स. 170)

सवाल 4985 : अरबी ज़बान की इब्तेदा किस से हुई।

जवाब 4985 : हज़रत इस्माईल अलैहिस्सलाम से।
(तफसीरे अज़ीज़ी अव्वल सफह 164)

सवाल 4986 : सुरयानी ज़बान की इबतेदा किस से हुई?

जवाब 4986 : हज़रत आदम अलैहिस्सलाम से अल्लाह तआला ने तमाम चीज़ों के नाम सुरयानी ज़बान ही में सिखाए थे ताकि फरिश्ते समझ ना सकें। (अल इबरीज़ स. 127)

सवाल 4987 : तूफाने नूह के बाद अरबी ज़बान की इब्तेदा किस से हुई ?

जवाब 4987 : साम बिन नूह की औलाद ने अल्लाह तआ़ला के इल्हाम से इस ज़बान को ईजाद किया। (जज़्बुल कुलूब सफह 15)

सवाल 4988 : इबरानी ज़बान की इब्तेदा किस पैग़म्बर से हुई ?

जवाब 4988 : इबरानी ज़बान की इब्तेदा हज़रत इब्राहीम अलैहिस्सलाम से हुई। (शरेह शिफा अव्वल,सफह 497)

सवाल 4989 : हज़रत यूसुफ अलैहिस्सलाम कुल मिला कर कितनी ज़बानें जानते थे?

जवाब 4989 : 3600, 900 ज़मीन की, 900 आस्मानों की, 900 परिन्दों की, 900 कीड़े मकोड़ों की। (तफसीरे नईमी सफह 428)

सवाल 4990 : क्या आप बता सकते हैं कि हज़रत आदम अलैहिस्सलाम की तख़्लीक़ में कितना अर्सा लगा था?

जवाब 4990 : 120, साल। (रूहुल बयान अव्वल सफह 68)

सवाल 4991 : बताइए हज़रत ईसा अलैहिस्सलाम शिक्मे मादर में कितने दिन रहे?

जवाब 4991 : 8, माह। (तफसीरे जुमल 3, सफह 57)

सवाल 4992 : वह कितने अंबियाए किराम हैं जो तौरेत के हाफिज़ हुए और याद भी रखे?

जवाब 4992 : 4, हैं (1 हज़रत मूसा, 2 हज़रत यूशअ़ बिन नून, 3 हज़रत उज़ेर, 4, हज़रत ईसा अलैहिमुस्सलाम। (सावी दोम सफह 85)

सवाल 4993 : वह कौन से नबी हैं जो खुद 40 साला जवान थे मगर उन के फर्ज़न्द 120, साल के, पोते 90 साल के,बुढ़े थे?

जवाब 4993 : हज़रत उज़ेर अलैहिस्सलाम जब 100 साल के बाद दोबारह ज़िन्दह किये गए तो खुद जवान थे मगर औलाद बुढ़ी। (तफसीरे नईमी पारह 3, सफह 183)

सवाल 4994 : वह कौन से नबी हैं जिन्हों ने हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की उम्मत के हाथों दफ्न होने की तमन्ना की थी और बारगाहे खुदावन्दी में दुआ की कि उन्हें मेहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की उम्मत दफ्न करे?

जवाब 4994 : हज़रत दानियाल अलैहिस्सलाम, हज़रत मुसा अश्अ़री रज़ियल्लाहु अन्हु ने जब क़िलए तुसतर फतेह किया तो आप को ताबूत में इस हालत में पाया कि उनके तमाम जिस्म और गर्दन की रगें चल रहीं थीं फिर आप ने उन को दफ्न फरमाया था। हदीष शरीफ में सरकारे दोआलम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने फरमाया था कि जो हज़रत दानियाल

अलैहिस्सलाम का पता बता दे उसे जन्नत की बशारत है।

(अलबदायह वन्निहायह दोम 41)

सवाल 4995 : वह कौनसे नबी हैं जिन्हें पूरे रूए ज़मीन में कोई भी बुरा नहीं कहता?

जवाब 4995 : हज़रत यहया अलैहिस्सलाम।

(अल मलफूज़ दोम सफह 57)

सवाल 4996 : क्या यह सच है की जिस साल सरकार सरवरे काइनात सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम पैदा हुवे उस साल दुनिया की सारी औरतों से सिर्फ लड़के ही पैदा हुए?

जवाब 4996 : जी हाँ! अल्लाह तआला ने तमाम हामिला औरतों के लिये ऐसाही हुक्म दिया था। (मवाहिबे लदुन्नीया अव्वल सफह 21)

सवाल 4997 : बताइए हज़रत यूशअ़ अलैहिस्सलाम की उम्र क्या थी और मज़ार कहाँ है?

जवाब 4997 : उम्र 126 साल, मज़ारे पाक जबले इब्राहीम में।

(सावी अव्वल सफह 242)

सवाल 4998 : क्या आप को मालूम है की हज़रत नूह अलैहिस्सलाम को कशती बनाने का तरीक़ा किस ने सिखाया?

जवाब 4998 : अल्लाह के हुक्म से हज़रत जिब्रईले अमीन अलैहिस्सलाम ने। (सावी जि. 3, स. 96)

सवाल 4999 : कशतिए नूह अलैहिस्सलाम कितने तख़्तों से तय्यार हुई?

जवाब 4999 : एक लाख चौबिस हज़ार तख़्तों से। हर तख़्ते की पुश्त पर एक एक नबी का नाम लिखा था और आख़िरी तख़्ते पर मोहम्मदु र्रसूलुल्लाह लिखा था। सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम।

(नुज़हतुलमजालिस सफह 321)

सवाल 5000 : हुजूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के वज़ीर कितने हुए हैं?

जवाब 5000 : चार, दो आसमान पर हज़रत जिब्रइल व मीकाईल अलैहुमस्सलाम और दो ज़मीन पर हज़रत अबू बकर सिद्दीक़ व हज़रत उमर फारूक़ रज़ि यल्लाहु अन्हुमा।

(ज़रक़ानी जिल्द 6, सफह 87)

सवाल 5001 : फरिश्तों ने हज़रत आदम अलैहहिस्सलाम को कब से कब तक सजदह किया?

जवाब 5001 : जुमा के रोज़ ज़वाल से ले कर अस्र तक।
(मवाहिबे लदुन्नीया अव्वल सफह 10)

सवाल 5002 : सब से पहले हज़रत आदम अलैहिस्सलाम को सजदह किस फरिश्ते ने किया?

जवाब 5002 : हज़रत जिब्रईल अलैहिस्सलाम ने।
(मवाहिबे लदुन्नीया अव्वल सफह 10)

सवाल 5003 : कश्तिए नूह अलैहिस्सलाम में कितने तबके थे और उस में कैसे लोग सवार हुए थे?

जवाब 5003 : तीन तबके थे। तबक़ए ज़ेरीं में जानवर और दरिन्दे और हवाए अवारिज़ थे, तबक़ए औसत में चौपाए वग़ैरह, तबक़ए आला में खुद नूह अलैहिस्सलाम और आप के रुफक़ा और हज़रत आदम अलैहिस्सलाम का जस्दे मुबारका था जो औरतों और मर्दों के दर्मयान हायल था। खाने पीने का सामान और परिन्दे भी इसी में थे। (सावी जिल्द दोम सफह 182)

सवाल 5004 : हज़रत इब्राहीम ख़लीलुल्लाह अलैहिस्सलाम का लक़ब अबुलअंबिया क्यों है?

जवाब 5004 : इस लिये कि आठ अंबियाए किराम के एलावह बाक़ी सारे अंबिया आप ही की नस्ल से हैं और वह आठ अंबियाए किराम यह हैं।
(1) हज़रत आदम (2) हज़रत शीस (3) हज़रत इदरीस (4) हज़रत नूह (5) हज़रत हूद (6) हज़रत सालेह (7)हज़रत लूत (8) हज़रत यूनुस अलैहिमुस्सलाम।
(नुज़हतुलक़ारी जिल्द 6, सफह 501)

सवाल 5005 : वह कौन से नबी हैं जिन्हें अबुलअजम कहा जाता है?

जवाब 5005 : हज़रत इस्हाक़ अलैहिस्सलाम। (सावी अव्वल सफह 225)

सवाल 5006 : हज़रत आदम अलैहिस्सलाम ने अपनी उम्र में से कितने साल हज़रत दाऊद अलैहिस्सलाम को अता किए?

जवाब 5006 : 40, साल बक़ौले दीगर आठ साल।
(अलबदाया वन्निहायह अव्वल 88-87)

सवाल 5007 : हज़रत यूनुस अलैहिस्सलाम मछली के शिकम में कितने दिन रहे?

जवाब 5007 : बइख़्तेलाफे रिवायत तीन दिन या 40 दिन।

(हयातुल हैवान दोम सफह 373)

सवाल 5008 : किस नबी की दुआ से एक नबी दोबारह ज़िन्दा हो गए जोकि बच्पन में इन्तेक़ाल फरमा गए थे?

जवाब 5008 : यूनुस अलैहिस्सलाम जो 14 दिन के बाद हज़रत इलयास अलैहिस्ससलाम की दुआ से दोबारह ज़िन्दा हुए।

(सावी जि. 3, स. 73)

सवाल 5009 : क्या आप को मालूम है कि हज़रत इस्माईल हज़रत इस्हाक़ अलैहिमुस्सलाम से कितने बड़े थे ?

जवाब 5009 : 14, साल। (अल इत्कान दोम सफह 138)

सवाल 5010 : बताइए कितने अंबियाए किराम उलुल्अज़्म हैं?

जवाब 5010 : पाँच। हज़रत नूह, हज़रत इब्राहीम, हज़रत मूसा, हज़रत ईसा अलैहिमुस्सलाम और हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम।

(शरहे फिक़्हे अकबर सफह 436)

सवाल 5011 : बताइए अंबियाए किराम का दीन क्या एक ही था ?

जवाब 5011 : हाँ। लेकिन सब की शरीअतें अलग और आमाल मुख़्तलिफ थे। (अशेअतुल लमआत जि. 4,स. 458)

सवाल 5012 : बताइये अंबियाए किराम किस की उम्मत हैं?

जवाब 5012 : सारे अंबिया व मुर्सलीन अपने अ़हेद में भी बाद में भी नबिए आख़िरुज़्ज़मां सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के उम्मती हैं।

(फतावा रज़वियह जि. 9, स. 12)

सवाल 5013 : क़ौमे अरब में कितने नबी मब्ऊस हुए?

जवाब 5013 : चार। हज़रत हूद, हज़रत सालेह, हज़रत शीस अलैहिमुस्सलाम और हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम।

(तफसीरे नईमी अव्वल सफह 464)

सवाल 5014 : अचानक विसाल किन किन नबियों का हुआ है?

जवाब 5014 : हज़रत दाऊद, हज़रत इब्राहीम, हज़रत सुलेमान अलैहिमुस्सलाम का। (अल बदायह वन्निहायह दोम सफह 17)

सवाल 5015 : किन किन नबियों के नाम क़बले पैदाइश रख्खे गए ?

जवाब 5015 : सरकार सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम, हज़रत यहया,

हज़रत ईसा, हज़रत इस्हाक़, हज़रत यअक़ूब अलैहिमुस्सलाम के। (अल्इत्क़ान दोम सफ़ह 141)

सवाल 5016 : दुनिया का वह कौन इन्सान है जिस का ख़ान्दान ही नहीं ?

जवाब 5016 : हज़रत आदम अलैहिस्सलाम।।

सवाल 5017 : हज़रत आदम अलैहिस्सलाम जन्नत से आने के बाद किस पहाड़ी पर गिरयह व ज़ारी में मसरूफ रहे?

जवाब 5017 : जबले हिन्दी पर।। (माहनामा आला हज़रत अगस्त व सितम्बर 2001)

सवाल 5018 : बताइए ओस के किस हुकमरान ने हज़रत ईसा अलैहिस्सलाम को मसलूब करने का हुक्म दिया था ?

जवाब 5018 : पेलातूस ने।

सवाल 5019 : हज़रत आदम अलैहिस्सलाम के आँसू जो सरअन्दीप के जंगलों में बह गए थे अल्लाह तआला ने उस से किया पैदा फरमाया?

जवाब 5019 : दारचीनी और लउंगें। (माहनामा आला हज़रत अगस्त व सितम्बर 2001)

सवाल 5020 : बाताइए हज़रत ह़व्वा रज़ि यल्लहु अन्हा का क़द किस क़दर था और उम्र कितनी हुई?

जवाब 5020 : क़द साठ हाथ लम्बा था उम्र 997 साल की हुई। (हवाला मुन्दरिजा बाला)

बक़ियह मुतफ़र्रिक़ात

सवाल 5021 : वह कौन सा जान्वर है जो नमाज़ के लिए अज़ान कहता है?

जवाब 5021 : मुर्ग़। सरकारे दोआलम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने मुर्ग़ को बुरा कहने से मना फरमाया है। (माहनामा आला हज़रत नवंबर 1999 ईसवी)

सवाल 5022 : बाग़िए इस्लाम के सिससिले में आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि क्या फरमाते हैं?

जवाब 5022 : मुसलमानों के क़ब्रिस्तान में दफ्न करना हराम है उस की

नापाक लाश को मुरदार कुत्ते की तरह भंग्गी चमारों से ठेले में उठवा कर तंग गड़हे में पटक दें और उस पर पत्थर फेंक कर पाट दें कि यही हुक्मे शरा है।

(फतावा रज़वियह जिल्द 6, सफ़ह 38)

सवाल 5023 : मोमेनीन की रूहें अपने घरों में कब आती हैं ?

जवाब 5023 : जुमेरात शबे जुमा, ईदैन, शबेबरात, मुहर्रमुलहराम की मुक़द्दस साअ़तों में। (माहनामा आला हज़रत नवंबर 1999 ईसवी)

सवाल 5024 : अक़ायेद के इमाम कितने गुज़रे हैं ?

जवाब 5024 : दो एक हज़रत सय्येदुना इमाम अबू मन्सूर मातुरीदी दूसरे सय्यदुना इमाम अबूलहसन अशअ़री रहमतुल्लाहि अलैहिमा।

(रौज़तुल बहियह सफह 3)

नोट : दोनों इमाम बरहक़ हैं उसूले अक़ायेद में दोनों एक हैं फरूअे अक़ायेद में इख़्तिलाफ है जो कि मुहक़्क़ेक़ीन के नज़दीक लफ्ज़ी इख़्तिलाफ हैं न कि हक़ीक़ी।

सवाल 5025 : अहले सुन्नत किसे कहते हैं?

जवाब 5025 : सरकारे दोआ़लम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम, सहाबए किराम, ताबेईन, तबेताबेईन, के तरीकों पर चलने वालों को।

(तत्हीरुल जिनान,सफह 9)

सवाल 5026 : वहाबी किसे कहते हैं?

जवाब 5026 : मुहम्मद बिन अब्दुल वहाब नजदी के मानने वालों को।

(हवाल मुन्दरिजा बाला)

सवाल 5027 : राफज़ी किसे कहते हैं?

जवाब 5027 : यह एक गुमराह फिर्क़ा है जो खुलफाए सलासह की ख़िलाफत को ग़ासिबह कहते हैं और हज़राते शैख़ैन व दीगर सहाबए किराम को गालियाँ देते हैं। (बहारे शरीअत अव्वल सफह 61)

सवाल 5028 : ख़ारजी किसे कहते हैं?

जवाब 5028 : यह भी एक गुम्राह फिर्क़ा है जो जंगे सिफफैन के मौका पर ज़ाहिर हुआ। (फतावा अज़ीज़ियह, अव्वल सफह 102)

सवाल 5029 : ख़ैबर आठ क़िलओं का मजमूअह है जो एक बड़े शहेर पर मुश्तमिल है उन आठों क़िलओं के नाम बताइए?

जवाब 5029 : (1) कीसह (2) नाअ़िम (3) सअ़ब (4) शक़ (5) गुमूस (6) बतात (7) सतीह (8) सालिम, हज़रत अली रज़ि यल्लाहु अन्हु ने जिस दरवाज़े को उखाड़ कर ढाल बना कर लड़े थे वह आहनी दरवाज़ह क़िला गुमूस का था।
(सर कटाते है तेरे नाम पर मरदाने अरब, अव्वल स. 146)

सवाल 5030 : जंगे मौतह किस जगह लड़ी गई ?

जवाब 5030 : मौतह एक मौज़ह का नाम है जो शहेर बिलेक़ा के क़रीब और बैतुल मुक़द्दस से एक सो मील के फासिला पर है।
(मरदाने अरब, अव्वल सफह 148)

सवाल 5031 : सब से पहले रूई किस ने निकाली?

जवाब 5031 : अनूश बिन शीस ने। (मुहाजिरतुल अवाइल सफह 90)

सवाल 5032 : इस्लाम में सब से पहले शरीअ़त का कौन सा हुक्म मन्सूख़ हुआ?

जवाब 5032 : बैतुल मुक़द्दस का क़िब्ला होना। (ख़ाज़िन अव्वल सफह 103)

सवाल 5033 : सब से पहले जान की दियत किस के बदले में किस ने दिया?

जवाब 5033 : हज़रत अब्दुल मुत्तलिब ने हज़रत अब्दुल्लाह रज़ि यल्लाहु अन्हु के बदले में सौ (100) ऊंट।
(सीरते हलबी अव्वल सफह 22)

सवाल 5034 : क़यामत के दिन सब से पहले लोगों के दरमियान किस चीज़ का फैसिला होगा ?

जवाब 5034 : ख़ून का। (मवाहहिबे लदुनियह दोम सफह 416)

सवाल 5035 : सब से पहले दुनिया की कौन सी नेअ़मत उठाई जाएगी ?

जवाब 5035 : शहेद। (हयातुल हैवान दोम सफह 347)

सवाल 5036 : उम्मते मुहम्मदियह में सब से पहले क्या उठाई जाएगी?

जवाब 5036 : हया और अमानत। (मुहाजिरतुल अवाइल सफह 7)

सवाल 5037 : बताइए मस्जिदे नबवी में नमाज़ की अदायेगी में इमाम के किस जानिब खड़ा होने में ज़्यादह फज़ीलत है?

जवाब 5037 : बाँए जानिब क्योंकि रौज़ए मुक़द्दसा बाँए ही जानिब है।
(अशेअतुल लमआ़त अव्वल सफह 476)

सवाल 5038 : दुनिया में वह कौन सी जगहें हैं जहाँ नमाज़ पढ़ना मस्जिदे हराम से भी अफज़ल है?

जवाब 5038 : अय्यामे मिना में मिना के अन्दर, यौमे अरफा में अरफात के अन्दर, शबे मुज़्दलिफा में मुज़्दलेफा के अन्दर।
(जज़्बुल कुलूब सफह 19)

सवाल 5039 : रूए ज़मीन पर सब से पहले किस मस्जिद की तामीर हुई?
जवाब 5039 : मस्जिदे हराम की फिर मस्जिदे अक़्सा की।
(बुख़ारी शरीफ अव्वल सफह 477)

सवाल 5040 : बताइए बिजली क्या शै है ?
जवाब 5040 : अल्लाह तआ़ला ने बादलों को चलाने के लिए एक फरिश्ता मुक़र्रर कर रख्खा है जिस का नाम रअ़द है क़द में बहुत छोटा है उस के हाथ में एक बहुत बड़ा कोड़ा है जब वह बादलों को कोड़ा मारता है तो उस से आग झड़ती है उसी को बिजली कहते हैं। (फतावा रज़वियह जिल्द 11, सफह 189)

सवाल 5041 : चाँद व सूरज कहाँ हैं?
जवाब 5041 : ज़मीन व आसमान के दर्मियान एक घेरे में हैं।
(इस्लाम और चाँद का सफर, सफह 58)

सवाल 5042 : सितारे कहाँ हैं?
जवाब 5042 : ज़मीन व आसमान के दर्मियान नूरानी ज़न्जीरों में लटकी हुई क़िन्दीलों में और यह ज़न्जीरें फरिश्तों के हाथों में हैं।
(तफसीरे कबीर जिल्द 8, सफह 338)

सवाल 5043 : बताइए चाँद व सूरज का रुख़ किस तरफ है?
जवाब 5043 : रुख़ आसमान की तरफ और पीठ ज़मीन की तरफ।
(ख़ाज़िन जिल्द 7, सफह 129)

सवाल 5044 : ज़मीन चाँद से कितनी बड़ी है?
जवाब 5044 : चौगुनी। (इस्लाम और चाँद का सफर, सफह 55)
सवाल 5045 : सूरज ज़मीन से कितना बड़ा है?
जवाब 5045 : तक़रीबन तेरह लाख गुना बड़ा है।
(इस्लाम और चाँद का सफर सफह 51)

सवाल 5046 : चाँद ज़मीन से कितनी दूरी पर है?
जवाब 5046 : दो लाख मील से ज़ायद। (इस्लाम और चाँद का सफर सफह 54)
सवाल 5047 : सूरज ज़मीन से कितनी दूरी पर है?

जवाब 5047 : 9, करोड़ 30 लाख मील दूर।

(इस्लाम और चाँद का सफर सफह 51)

सवाल 5048 : वह आठ किस्म के कौन लोग हैं जिन्हें बादे मुरदन मिट्टी नहीं खाती?

जवाब 5048 : (1) अंबियाए किराम (2) शुहदाए एज़ाम(3) आलिमे दीन (4) औलियाए किराम (5) हुफ्फाज़े किराम बशर्ते कि कुर्आन के मुताबिक़ अमल हो (6) कषरत से दरूद शरीफ पढ़ने वाले (7) वह अज्साम जो कभी अल्लाह की नाफरमानी न किए हों (8) बिला उजरत अज़ान कहने वाले मुअज्ज़िनीन।

(अल मलफूज़ जिल्द 4 सफह 60)

सवाल 5049 : बताइए ज़मीन में ज़लज़ला कैसे आता है?

जवाब 5049 : जब ज़मीन में कसरत से गुनाह होने लगते हैं तो रब्बे क़दीर ग़ाफिल बन्दों की आगाही के लिए फरिश्तों को ज़मीन के हरकत देने का हुक्म देता है तो फरिश्ते तेज़ और ताक़तवर हवा, ज़मीन के अन्दर दाख़िल कर देते हैं जिस से ज़मीन हिलने लगती है। (फतावा अज़ीज़ियह दोम सफह 128)

नोट :- और सरकारे आला हज़रत रहमतुल्लाहि अलैहि यूँ फरमाते हैं कि असली सबब गुनाह है, पैदा युँ होता है कि एक पहाड़ जिस का नाम क़ॉफ है तमाम ज़मीन को मुहीत है और उस के रेशे ज़मीन के अन्दर सब जगह फैले हुए हैं जैसे बड़े दरख़्त की जड़ें दूर तक अन्दर अन्दर फैलती हैं जिस ज़मीन में ज़ल्ज़ला का हुक्म होता है वह पहाड़ अपनी उस जगह से रेशे को जुंबिश देता है ज़मीन फिर हिलने लगतती है। (फतावा रज़वियह जिल्द 11, सफह 189)

सवाल 5050 : आबे ज़म्ज़म अफज़ल है या आबे कौसर ?

जवाब 5050 : आबे कौसर। (फतावा रज़वियह अव्वल सफह 595)

सवाल 5051 : वह कौन सा पानी है जिसे मुनाफिक़ कभी भी शिकम सैर हो कर नहीं पी सकता?

जवाब 5051 : आबे ज़मज़म है। (उम्दतुलक़ारी जि. 4, स. 646)

सवाल 5052 : वह कौन सा पानी है जिस से गन्दगी दूर करना गुनाह है?

जवाब 5052 : आबे ज़मज़म। (रद्दुल मुह्तर दोम सफह 263)

सवाल 5053 : वह कौन सा पानी है जो क़्यामत के दिन नेकियों के पल्ले में तौला जाएगा?

जवाब 5053 : वज़ू का पानी। (तिर्मिज़ी शरीफ अव्वल स. 18)

सवाल 5054 : कितने समन्दर मश्हूर हैं?

जवाब 5054 : सात मगर उन में पाँच बड़े हैं।
(1) बहरे हिन्द (2) बहरे ओकिया नोस (3) बहरे शाम (4) बहरे नीतस। बहरे जुरजान। (तफसीरे कबीर दोम स. 66)

सवाल 5055 : वह कौन से जान्वर हैं जो पानी कभी नहीं पीते?

जवाब 5055 : शुतुर मुर्ग और गोह। (हयातुल हैवान अव्वल सफह 257)

सवाल 5056 : कौन सा परिन्दा अल्लाह का लशकर है।?

जवाब 5056 : टिड्डी। उस के सीने पर यह इबारत लिखी है। "नहनु जुन्दुल्लाहिल अज़ीम" (हयातुल हैवान अव्वल सफह 234)

सवाल 5057 : जन्नत में दस जान्वर दाख़िल होंगे उन के नाम बताइए ?

जवाब 5057 : हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम का बुराक़ (2) हज़रत सालेह की उंटनी (3) हज़रत इब्राहीम का गउ साला (4) हज़रत इस्माईल का मेंढा (5) हज़रत मूसा की गाय (6) हज़रत यूनुस की मछली (7) हज़रत उज़ैर का गधा (8) हज़रत सुलेमान की चियुंटी (9) हज़रत बिल्कीस का हुद हुद (10) अस्हाबे कहफ का कुत्ता (अलैहिमुस्सलाम) अल-अशबाह व न्नज़ायेर सफह 583)

सवाल 5058 : क्या मुज़ी जान्वर जहन्नम में दाख़िल हुंगे?

जवाब 5058 : जी हाँ काफिरों को अज़ाब देने के लिए मगर उन को तकलीफ न होगी साँप बिच्छू वग़ैरह।
(तफसीरे अज़ीज़ी पा. 30 स. 63)

सवाल 5059 : सब से पहले ज़मीन का कौन सा हिस्सा बना?

जवाब 5059 : जिस जगह ख़ानए कअ़बा है ज़मीन से दो हज़ार साल क़ब्ल अल्लाह तआ़ला ने बनाया फिर वहीं से फैलाई गई।
(ख़ाज़िन अव्वल सफह 94)

सवाल 5060 : ज़मीन व आस्मान में से पहले किस की तख़लीक़ हुई?

जवाब 5060 : ज़मीन की। (ज़रकानी अव्वल सफ़ह 47)

सवाल 5061 : ज़मीन अफ़ज़ल है या आस्मान?

जवाब 5061 : ज़मीन अफ़ज़ल है क्योंकि अंबियाए किराम ख़ुसूसन हमारे सरकार सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लमम का मस्कन व मदफ़न है। (जज़्बुल कुलूब सफ़ह 18)

जवाब 5062 : क्या आप को मालूम है कि कौन सी चीज़ किस दिन बनाई गई?

जवाब 5062 : इतवार के दिन ज़मीन व आस्मान के माद्दे बनाए गए, पीर के दिन सातों तबक़ ज़मीन बनी, मंगल के दिन पहाड़ों की तख़्लीक़ हुई दरिया और चश्मे जारी किए गए, बुध के रोज़ तमाम दरख़्त और वहशी जान्वर बनाए गए, जुमेरात के दिन सातों आस्मानों की तख़्लीक़ हुई,जुमा के दिन चाँद व सूरज और सितारे बनाए गए और जुमा ही को हर आस्मान पर फ़रिश्ते मुक़र्रर किए गए और उसी दिन अस्र व मग़रिब के दर्मियान हज़रत आदम अलैहिस्सलाम की तख़्लीक़ हुई। (ख़ाज़िन ह तुम सफ़ह 88)

सवाल 5063 : जान्वरों में आदतन हमल की क्या मुद्दत होती है?

जवाब 5063 : हाथी में 11 माह, उंट घोड़े गधे में एक साल, गाय भैंस में 9 माह, बकरी में 5 माह, बिल्ली में दो माह, कुत्ते में 40 दिन और तमाम परिन्दों में 21 दिन है। (रद्दुलमुहतार जिल्द 5, सफ़ह 432)

सवाल 5064 : वह कौन सा जान्वर है जिस का गोश्त खाने के बाद वज़ू करना मुस्तहब है?

जवाब 5064 : ऊंट। (दुर्रे मुख़्तार मअ रद्दुलमुहतार जिल्द 1, सफ़ह 63)

सवाल 5065 : किन औरतों से निकाह बेहतर है?

जवाब 5065 : कुंवारी से और जिस से औलाद ज़्यादह पैदा होने की उम्मीद हो। (रद्दुलमुहतार जि. 2, स. 269)

सवाल 5066 : निकाह के लिए कौन सा दिन सब से अफ़ज़ल है?

जवाब 5066 : जुमा का दिन बाइसे बरकत है उसी दिन हज़रत आदम का निकाह हज़रत हव्वा से हुआ, हज़रत यूसुफ का जुलेख़ा से, हज़रत मूसा का सफ़ूरा से, हज़रत सुलेमान का बिल्क़ीस से,

हुजूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम का हज़रते ख़दीजतुल कुब्रा व हज़रत आइशा सिद्दीक़ा से हुआ। (अलैहिमुस्सलाम, रज़ि यल्लाहु अन्हुम) (तफसीरे नईमी पारह 11, स. 171)

सवाल 5067 : बताइए हज़रत फातिमा ज़हरह रज़ि यल्लाहु अन्हा की रूह़ किस ने क़ब्ज़ की?

जवाब 5067 : रब तबारक व तआला ने, उन की तरफ फरि ता नहीं भेजा। (तफसीरे नईमी पारह हफतुम सफह 537)

सवाल 5068 : तबक़ाते जन्नत कितने और कौन कौन हैं?

जवाब 5068 : आठ हैं ।

(1) दारूल जलाल (2) दारूल क़रार (3) दारूस्सलाम (4) (जन्नते अ़दन) (5) जन्नतुल मावा (6) जन्नतुल खुल्द (7) जन्नतुल फिरदौस (8) जन्नतुन्नईम। (रूहुल बयान अव्वल, सफह 56)

सवाल 5069 : फरिश्तों ने किन किन लोगों को गुस्ल दिया?

जवाब 5069 : हज़रत आदम, हज़रत ज़करिया अलैहुमस्सलाम, हज़रत हन्ज़ला, हज़रत ह़म्ज़ह रज़ि यल्लाहु अन्हुमा को (ज़रक़ानी सोम, सफह 278)

सवाल 5070 : सब से पहले लाल कपड़े किस ने पहने?

जवाब 5070 : क़ारून ने। (मुहाज़िरतुल अवाइल सफह 86)

सवाल 5071 : सब से पहले ख़ानए कअ़बा पर रेशमी ग़िलाफ़ किस ख़ातून ने चढ़ाया?

जवाब 5071 : हज़रत अब्बास बिन अब्दुल मुत्तिलब की वालिदह ने बच्पन में आप गुम हो गए थे वालिदह ने मिन्नत मानी थी कि अगर मेरा बच्चा मिल जाए तो मैं ख़ानए कअ़बा पर रेशमी ग़िलाफ चढ़ाउँगी। (मुहाजिरतुल अवाइल सफह 42)

सवाल 5072 : सब से पहले सुरयानी ज़बान में किताब किस ने लिखी?

जवाब 5072 : नजार बिन मअ़द ने। (सीरते हलबी अव्वल स. 22)

जवाब 5073 : मक्का में हुज़ूर सल्लल्लाहु लैहि व सल्लम के ख़िलाफ जिस घर में मेटिंगें हुआ करती थीं उस की तामीर किस ने की थी?

जवाब 5073 : कुसा बिन किलाब ने नाम दरारुन्नदवह है।
(ज़रकानी अव्वल सफह 321)

सवाल 5074 : ज़मीन में सब से पहले कौन से शहेर आबाद हुए ?

जवाब 5074 : बाबिल और सोस। (मुहाजिरतुल अवाइल स. 116)

सवाल 5075 : सातों दिनों में सब से पहले किस दिन की तख़्लीक़ हुई?

जवाब 5075 : हफता के दिन की। (मुहाजिरतुल अवाइल स. 13)

सवाल 5076 : सब से पहले झूटी क़सम किस ने खाई?

जवाब 5076 : इबलीस ने। (खज़ाइनुल इर्फान)

सवाल 5077 : सब से पहले धोका बाज़ी किस ने की थी

जवाब 5077 : इबलीस ने। (खज़ाइनुल इरफ़ान)

सवाल 5078 : सब से पहले ग़ीबत किस ने की?

जवाब 5078 : इबलीस ने। (मुहाजिरतुल अवाइल सफह 114)

सवाल 5079 : सब से पहले नस्से क़तई के ख़िलाफ क़यास किस ने की?

जवाब 5079 : इबलीस ने। (खाज़िन व मुआलिम दोएम सफह 176)

सवाल 5080 : सब से पहले गिरयह वज़ारी किस ने किस लिए की?

जवाब 5080 : इबलीस ने हज़रत आदम व हव्वा अलैहिमस्सलाम को धोका देने के लिए। (ज़रक़ानी सफह 54)

सवाल 5081 : सब से पहले कुफ्र किस ने किया?

जवाब 5081 : इबलीस ने। (सावी जिल्द 4, सफह 21)

सवाल 5082 : क्या कअ़बा शरीफ के उपर से गुज़रने वाला बीमार परिन्दह शिफायाब हो जाता है?

जवाब 5082 : हाँ बीमार परिन्दह को शिफा मिल जाती है।
(सावी अव्वल सफह 150)

सवाल 5083 : बताइए तमाम नफली रोज़ों में कौन सा रोज़ह ज़्यादह बेहतर है?

जवाब 5083 : यौमे अरफा का। (फतावा रज़वियह जि. 8, स. 442)

सवाल 5084 : बताइए कअ़बा की तामीर के बाद हज़रत इब्राहीम अलैहिस्सलाम की आवाज़ पर सब से पहले लब्बैक कहाँ के लोगों ने कही?

जवाब 5084 : यमन वालों ने। (सावी जिल्द 3, सफह 83)

सवाल 5085 : सब से पहले दीनार किस ने तैयार कराया?

जवाब 5085 : सब से पहले दीनार तुब्बअ़ असग़र ने तैयार कराया। (मुसनदे इमामे आज़म सफ़ह 178)

सवाल 5086 : रूपये पर मोहर किसने लगवाई?

जवाब 5086 : हिरक़्ल ने। (उम्दतुल क़ारी अव्वल सफ़ह 93)

सवाल 5087 : सब से पहले गिरजा घर किस ने बनवाया?

जवाब 5087 : हिरक़्ल ने। (हवाला मुंदरजह बाला)

सवाल 5088 : ज़मीन पर सब से पहले चशमा व नहेर किस ने जारी किए?

जवाब 5088 : शहेन्शाह जूबाद ने। (मुहाज़िरतुल अवाइल स. 115)

सवाल 5089 : सब से पहले शराब किस ने तैयार की?

जवाब 5089 : फ़ीसा ग़ौरस ने? (मुहाज़िरतुल अवाइल सफ़ह 72)

सवाल 5090 : सब से पहले रेशम का लिबास किस ने पहना?

जवाब 5090 : क़ौमे लूत ने। (मुहाज़िरतुल अवाइल सफ़ह 85)

सवाल 5091 : सब से पहले दाढ़ी किस ने मुन्डवाई?

जवाब 5091 : क़ौमे लूत ने। (मुहाज़िरतुल अवाइल सफ़ह 85)

सवाल 5092 : सब से पहले खुदाई का दअ़वा किस बदबख़्त ने किया?

जवाब 5092 : शद्दाद ने। (तफसीरी अ़ज़ीज़ी पारह 30, सफ़ह 167)

सवाल 5093 : सब से पहले नबुव्वत का दावा किस बदबख़्त ने किया?

जवाब 5093 : हकीम ज़रतश्त या ज़रदश्त शागिर्द फ़ीसा गौरस ने। (ग़यासुल लुग़ात सफ़ह 270)

सवाल 5094 : सब से पहले काला ख़िज़ाब किस ने लगाया?

जवाब 5094 : फ़िरऔ़न ने। (जामे सग़ीर अव्वल स. 94)

सवाल 5095 : सब से पहले पक्की ईंट किस ने तैयार करवाई?

जवाब 5095 : फ़िरऔ़न ने। (सावी जिल्द 3 सफ़ह 181)

सवाल 5096 : सब से पहले आग की इबादत किस ने की?

जवाब 5096 : क़ाबील ने। (रुहुल बयान अव्वल सफ़ह 556)

सवाल 5097 : वह कौन खुश नसीब शख़्स हैं जो सरकार सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की बेअ़सते मुबारकह से एक हज़ार साल क़ब्ल आप पर ईमान लाए और उन्हों ने आप के नाम एक ख़त भी लिखा जिस में ईमान लाने की शहादत दर्ज थी?

जवाब 5097 : तुबआ़ए अव्वल हुमैरी, जिस का ख़त नसलन बादा नस्लिन मुन्तक़िल होता हुआ आप तक पहुँचा। (सावी चहारुम स. 54)

सवाल 5098 : एक शख़्स ने मदीने में एक मकान सिर्फ़ इस ग़रज़ से बनाया था कि जब सरवरे आलम सल्लल्लाहुअलैहि व सल्लम हिजरत कर के मदीना तशरीफ लाऐं तो उस में क़याम फरमाएं उन का नाम बताइए?

जवाब 5098 : तुब्अ़ऐ अव्वल हुमैरी, वह मकान वही है जिस के मालिक हज़रत अबू अय्यूब अन्सारी रज़ि यल्लाहु अन्हु हुए। (ज़रक़ानी अव्वल सफह 358)

सवाल 5099 : वह कौन से दो मुर्दे हैं कि जस का खाना हलाल है?

जवाब 5099 : मछली और टिड्डी। (माहनामा आला हज़रत नवंबर 1999)

सवाल 5100 : वह कौन से दो ख़ून हैं जिन का खाना जाइज़ है?

जवाब 5100 : कलेजी और तिल्ली। (माहनाम अला हज़रत नवंबर 1999)

सवाल 5101 : वह कौन से पाँच फ़ुवैसिक़ (फासिक़ों) हैं जिन के क़त्ल का हुक्म हरम शरीफ में भी है?

जवाब 5101 : साँप, कौआ, चूहा, काटने वाला कुत्ता, चील। एक हदीस में चील की जगह बिच्छू आया है। (हवाला मुन्दरिजा बाला)

सवाल 5102 : वह कौन सी तीन चीज़ें हैं जो रहम से पैदा नहीं हुयीं?

जवाब 5102 : हज़रत ईब्राहीम का मेंढ़ा, हज़रत सालेह की उंटनी, हज़रत मूसा का अ़सा जो साँप बन गया था। (अलैहिमुस्सलाम)।

सवाल 5103 : बताइए साइन्स किसको कहते हैं?

जवाब 5103 : सल्तनते इलाहिया में फैली हुई अशया की हक़ीक़तों की तलाश करना।

सवाल 5104 : बताइए खज़ूर के दरख़्त की पैदाइश किस से हुई?

जवाब 5104 : हज़रत आदम अलैहिस्सलाम की बक़िया मिट्टी से। (माहनामा आला हज़रत अगस्त व सितेंबर 2001)

सवाल 5105 : हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के सब से अव्वल साहेबज़ादे कौन हैं, किन से पैदा हुए और कहाँ पैदा हुए?

जवाब 5105 : हज़रत अब्दुल्लाह रज़ि यल्लाहु अन्हु हैं, मक्का में नबुव्वत से पहले हज़रत ख़दीजह रज़ि यल्लाहु अन्हा से पैदा हुए।

सवाल 5106 : सब से पहले बच्चों के फालिज, पोलियो का इलाज किस ने मालूम किया ?

जवाब 5106 : 1953 ई० में डा. जॉन्स इ० सिलक।

(माहनामा अला हज़रत दिसेंबर 1986)

सवाल 5107 : बरिवायते हज़रत अनस रज़ि यल्लाहु अन्हु किस दिन के बारे में है कि खून का दिन है।

जवाब 5107 : मंगल के मुतअल्लिक़ क्योंकि उस दिन हज़रत हव्वा को ख़ूने हैज़ आया और हज़रत आदम अलैहिस्सलाम के बेटे ने अपने भाई को क़त्ल किया। (हवाला मुन्दरिजा बाला)

सवाल 5108 : बताइए हज़रत फातिमा ज़हरा रज़ि यल्लाहु अन्हा किन चीज़ों से पाक थीं?

जवाब 5108 : इन्सानी शक्ल में हूरों की तरह हैज़ व निफास से पाक थीं।। (फतावा रज़वियाह जिल्द 9, सफह 18)

सवाल 5109 : वह कौन सा परिन्दह है जो अपनी चोंच में पानी ले कर आतिश कदए नमरूद बुझाने गया था?

जवाब 5109 : हुद हुद। (क़िससुल अंबिया, सफह 216)

सवाल 5110 : वह कौन सा परिन्दह है जो ज़मीन के अन्दर पानी का पता ऊपर से देख कर बता देता है कि यहाँ पानी है?

जवाब 5110 : हुद हुद। (क़िससुल अंबिया, सफह 216)

सवाल 5111 : बताइए क़ब्र में मुन्कर नकीर किस ज़बान में सवाल करेंगे?

जवाब 5111 : सुरयानी ज़बान में। (अल मलफूज़ जिल्द 4, सफह 14)

सवाल 5112 : बताइए फारसी ज़बान की इब्तेदा किस से हुई?

जवाब 5112 : हज़रत नूह अलैहिस्सलाम के पड़पोते हारिस बिन आसूर बिन याफिस बिन नूह से। (उमदतुल क़ारी, जिल्द 7, सफह 105)

नोट :- तुफ़ाने नूह के बाद आप की औलाद में 72 ज़बानें बोली जाती थीं। (जज़्बुल कुलूब, सफह 51)

सवाल 5113 : क्या आप बता सकते हैं कि उर्दू ज़बान की इब्तेदा कब और कहाँ से हुई?

जवाब 5113 : 1027 ईसवी में लाहोर में पैदा हुई क़दीम पंजाबी ज़बान उस की माँ है और बाजों ने कहा है कि उस की इब्तेदा 1100 ईसवी में हुई। (दास्ताने ज़बाने उर्दू, स० 96)

सवाल 5114 : हज़रत इस्राफील अलैहिस्सलाम सूर कहाँ से फूंकेंगे?

जवाब 5114 : बैतुल मुक़द्दस की एक चटान पर खड़े हो कर।
(सावी सोयम, सफह 54)

सवाल 5115 : मलकुल मौत के साथ कितने फरिश्ते होते हैं?

जवाब 5115 : 14, सात रहमत के, सात अज़ाब के।
(सावी दोयम, सफह 19)

सवाल 5116 : वह कौन से बच्चे हैं जिन की विलादत ख़ानए कअ़बा में हुई?

जवाब 5116 : हकीम बिन हिज़ाम और हज़रत अली कर्रमल्लाहु वज्हु।
(शरहे शिफा अव्वल, सफह 151)

सवाल 5117 : ज़ाहिरी शक्ल व सूरत में हुजूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के मुशाबेह कितने और कौन लोग हुए हैं ?

जवाब 5117 : 10, दस लोग वह यह हैं ।
(1) हज़रते इमामे हसन (2) हज़रत इमाम हुसैन (3) जाफर बिन अबू तालिब (4) अब्दुल्लाह बिन जाफर (5) कुशुम बिन अब्बास (6) अबू सुफियान बिन हारिस (7) मुसिलम बिन अक़ील (8) साईब बिन यज़ीद (9) अब्दुल्लाह बिन आमिर (10) काबिस बिन रबीआ और ज़मानए अख़ीर में हज़रत इमाम मेहदी सर से पाँव तक आप के मुशाबेह हुंगे, रज़ि यल्लाहु अन्हुम। (अल मलफूज़ सोयम स. 42)

सवाल 5118 : बताइए वह बच्चे कौन है जिन्हों ने गहवारे में कलाम किया?

जवाब 5118 : वह 11 हैं।
(1) हज़रत इब्राहीम (2) हज़रत यहया (3) हज़रत मरयम (4) हज़रत ईसा (5) नबिए आख़िरुज्ज़माँ (6) हज़रत यूसुफ की गवाही देने वाला बच्चा (7) हज़रत जरीज राहिब की गवाही देने वाला बच्चा (8) उस लौंडी का बच्चा जिस पर ज़मानए बनी इस्राईल में ज़िना का बुहतान लगाया गया था (9) हज़रत आसिया की ख़ादिमा का वह बच्चा जिसे खौलते हुए तेल में डाल दिया गया था (10) यहूद का वह बच्चा जिस ने अपने मां बाप के साथ हुजूर की ख़िदमत में हाज़िर

हो कर सलाम पेश किया। (अलैहिमुस्सलाम, (रज़ि यल्लाहु अनहुम.) (शरहे शिफा अव्वल, सफह 226)

सवाल 5119 : वह कौन सा बदबख़्त है जिस का नाम ना लेकर कुर्आन ने उस की कुन्नियत ज़िक्र फरमाई?

जवाब 5119 : अबू लहब। (अल इतक़ान दोयम, सफह 144)

सवाल 5120 : बताइए ख़ानए कअ़बा की तामीर में हज़रत जिब्रईल अमीन ने हज़रत इब्राहीम व इस्माईल के साथ कौन सी ख़िदमत अन्जाम दी? (अलैहिमुस्सलाम)

जवाब 5120 : इंजिनियरिंग की ख़िदमत। (ख़ाज़िन अव्वल, सफह 322)

सवाल 5121 : आतिशे नमरूद में फूंक मार कर रसूल दुशमनी का हक़ अदा करने वाल कौन सा जान्वर है?

जवाब 5121 : गिरगिट या छिपकली। (ख़ाज़िन जि. 4, स. 244)

सवाल 5122 : आतिशे नमरूद बुझाने के लिए अपने मुंह में पानी ले कर आने वाला कौन सा वफादारे पैग़म्बर जान्वर था?

जवाब 5122 : मेंढक। (हयातुल हैवान, जिल्द दोयम, सफह 86)

सवाल 5123 : बताइए यदे बैज़ा का क्या मना होता है?

जवाब 5123 : चमकता हुआ हाथ।

सवाल 5124 : बताइए तजदीदे दीन का मफहूम क्या है?

जवाब 5124 : उन में एक सिफत या चंद सिफतें ऐसी पाई जाएं जिन से उम्मते मुहम्मदिया सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम को दीनी फायेदा हो जैसे तालीम व तदरीस, वअज़ अम्र बिलमारूफ व नही अनिल मुन्कर।

सवाल 5125 : बताइए हज़रत मौलाना शाह अब्दुल अज़ीज़ मुहद्दिस देहलवी रहमतुल्लाहि अलैहि ने तक़वियतुल ईमान के तअल्लुक़ से क्या फरमाया है?

जवाब 5125 : मैं तो बिल्कुल ज़ईफ हो गया हूँ, आँखों से भी माज़ूर हूँ वरना इस किताब और इस अक़ीदए फासिद का रद भी तोहफए इसना अशरिया की तरह लिखता कि लोग देखते।

सवाल 5126 : ख़लीफए आला हज़रत, हज़रत अब्दुल अ़लीम सिद्दीक़ी मेरठी रहमतुल्लाहि अलैहिमा का मज़ारे मुबारका कहाँ वाके है?

जवाब 5126 : मदीना मुनव्वरह में।.

सवाल 5127 : बताइए मदरसए हनफिया अज़ीमाबाद बिहार के पहले सालाना इज्लास में जहाँ आला हज़रत तशरीफ फरमा थे सब से पहले मुजद्दिदे मिअते हाज़िरह के लक़ब से आला हज़रत को किस ने याद किया?

जवाब 5127 : हज़रत मौलाना अब्दुल मुक़्तदिर बदायूनी रहमतुल्लाहि अलैहि ने ।

सवाल 5128 : मन्ज़रे इस्लाम बरेली शरीफ सन 1322 हिजरी में इब्तेदाअन रहीम यार ख़ान के मकान पर क़ायम किया गया, बताइए किन दो तलबा से तालीमी आग़ाज़ हुआ?

जवाब 5128 : मौलाना जफरूद्दीन बिहारी व मौलाना अब्दुर्रशीद अज़ीमाबादी से।

सवाल 5129 : मन्ज़रे इस्लाम तारीख़ी नाम है बताइए किस ने तजवीज़ किया था?

जवाब 5129 : आला हज़रत के छोटे भाई मौलााना हसन रज़ा ख़ान ने और वही मदरसा के नाज़िमे अव्वल मुक़र्रर हुए।।

सवाल 5130 : सरकारे आला हज़रत जिस मकान में पैदा हुए जो कि आप के जद्दे अम्जद की मिलकियत में था बताइए किस ने ख़रीदा?

जवाब 5130 : हज़रत शम्स बरेलवी के वालिद माजिद मोलवी मास्टर अबुल हसन सिद्दीक़ी बरेलवी ने।

सवाल 5131 : बताइए हज़रत अस्मा बिन्ते यज़ीद बिन सकन रज़ियल्लाहु अन्हा ने जंगे यरमूक में जो ख़िलाफते फारूक़ी में हुई थी ख़ेमा की चोब से कितने यहूदियों को क़त्ल किया था?

जवाब 5131 : नौ यहूदियों को। (सहाबियाते मुबश्शेरात सफह 10)

सवाल 5132 : ग़ज़वए उहद में मशकीज़ह भर भर कर पानी पिलाने वाली सहाबियाते मुबश्शेरात के अस्माए गिरामी बताइए?

जवाब 5132 : हज़रत आइशा, उम्मे सलमा, उम्मे सलीत, उम्मे ज़्याद जब्कि और दूसरी पाँच औरतों ने ग़ज़वए ख़ैबर में मुसलमानों को मदद दी थी, रज़ियल्लाहु अन्हुन्न। (हवाला मुन्दरजा बाला)

सवाल 5133 : हज़रत उम्मे अतियह रज़ियल्लाहु अन्हा ने कितने ग़ज़वात में सहाबा के लिए खाना पकाया था

जवाब 5133 : सात ग़ज़वात में। (हवाला मुन्दरिजह बाला)

सवाल 5134 : जंगे यरमूक में जब मुसलमानों का मैमनह हटते हटते हरम के ख़ेमह गाह तक आ गया तो किन सहाबियात ने पुरजोश अशआ़र पढ़ कर लोगों को ग़ैरत दिलाई थी?

जवाब 5134 : हज़रत हिन्द और खो़ला रज़ि यल्लाहु अन्हुमा वग़ैरह ने।
(सहाबियाते मुबश्शेरात स. 11)

सवाल 5135 : फरमाने रसूल सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के मुताबिक़ कायेनात की अफज़ल व बरतर चारों ख़वातीन के अस्माए गिरामी बताइए?

जवाब 5135 : हज़रत ख़दीजह बिन्ते ख़ुवैलिद, फातिमा बिन्ते मोहम्मद सल्ललल्लाहु अलैहि व सल्लम, मरयम बिन्ते इम्रान, आसियह बिन्ते मज़ाहिम (फिरऔन की बीवी) रिज़वानुल्लाहि अलैहिन्न। (सहाबियाते मुबश्शेरात सफह 11)

सवाल 5136 : उम्मुल मुमेनीन हज़रत ख़दीजह रज़ि यल्लाहु अन्हा के शौहरे अव्वल और दोयम के नाम बताअइए।

जवाब 5136 : आप का पहला निकाह अबू हालह मालिक बिन नबाश बिन ज़ेरारह यमनी से हुआ था जब कि दूसरा निकाह अ़तीक़ बिन आइज़ बिन अब्दुल्लाह बिन मख़्ज़ूमी से हुआ था। (सहाबियाते मुबश्शेरात सफह 19)

सवाल 5137 : उम्मुल मुमेनीन हज़रत ख़दीजह रज़ि यल्लाहु अन्हा का वह मकान जिस में हिजरत तक आक़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम रिहाइश पज़ीर रहे बअ़दहू हज़रत अली मुर्तज़ा के भाई अ़क़ील बिन अबी तालिब रज़ि यल्लाहु अन्हुमा मुक़ीम रहे बताइए उन से यह घर किस ने ख़रीद कर मस्जिद तामीर करवादी और क्यामत तक सज्दह गाहे ख़लाइक़ बना दिया?

जवाब 5137 : हज़रत अमीर मुआ़वियह रज़ि सल्लाहु अन्हु ने।
(सहाबियाते मुबश्शिरात सफह 27)

सवाल 5138 : वह कौन सी उम्मुल मुमिनीन हैं जिन की तसवीर रेशम के गिलाफ में लपेट कर हज़रत जिब्राईल अलैहिस्सलाम के ज़रिये दरबारे रिसालत में पेश की गई?

जवाब 5138 : हज़रत आयेशा सिद्दीक़ह रज़ि यल्लाहु अन्हा।

(हवाला मुन्दरजह बाला)

सवाल 5139 : हज़रत ख़दीजतुल कुबरह रज़ि यल्लाहु अन्हा के बाद हरमे नबवी में दाख़िल होने वाली ख़ातून का इस्मे गिरामी बताइए ?

जवाब 5139 : हज़रत सौदह रज़ि यल्लाहु अन्हा वालिदह का नाम शमूस बिन्ते कैस बिन अम्र क़बीलह बनू नज्जार से थीं दौरे फारूक़ी में बउम्र **80**, साल विसाल हुआ।

(सहाबियाते मुबश्शेरात **74**)

सवाल 5140 : लफ्ज़े वहाबी कहाँ से निकला और किस किताब में लिखा हुआ है?

जवाब 5140 : लफ्ज़े वहाबी मोहम्मद बिन अब्दुल वहाब नजदी के वक़्त से निकला। (देखिए तर्जुमाने वहाबियह सफह **86**, मतबूअह मुफीदे आ़म आगरह सन **1300** हिजरी, मुअल्लिफ नवाब सिद्दीक़ हसन ख़ान भोपाली।)

नोटः- इसी किताब के सफह **92** में है कि सानियन लक़ब व ख़िताबे वहाबियत से ज़ाहिर है कि अस्ल वहाबी वही लोग हैं जो पैरू मुहम्मद बिन अब्दुल वहाब के हैं जिस ने **1212** हिजरी में निशान मुख़ालिफत का मुलके नज्द अरब में क़ायम किया था और खुद यह एक अरब जंगजू था उस के जो लोग मुक़ल्लिद हैं वही वहाबी म ाहूर हैं)

सवाल 5141 : और वह (मोहम्मद बिन अब्दुल वहाब नजदी) सारे जहां के मुसलमानों को काफिर समझ कर ख़ून करना और लूटना ख़ल्क़ का अच्छा जानता था किस किताब में लिखा है?

जवाब 5141 : तर्जुमाने वहाबियह सफह **80**।

सवाल 5142 : बताइए मोहम्मद बिन अब्दुल वहाब नजदी कब वासिले नारे जहन्नम हुआ?

जवाब 5142 : 1206 हिजरी में।

सवाल 5143 : जो कोई युं कहे या रसूलल्लाह, मैं आप से शफ़ाअत चाहता हूँ तो वह शख़्स मुश्रिक होगा और उस का ख़ून मुबाह होगा (मआज़अल्लाह), यह इबारत कहाँ दर्ज है?

जवाब 5143 : तोहफ़ए वहाबियह सफह 67, और इसी किताब में सफह 59 पर लिखा है कि हम ने वह तमाम कुब्बे और तमाम मक़ामात जिन की ताज़ीमन व एअ़तेक़ादन परस्तिश होती थी या जिन की तरफ़ लोग नफ़अ़ की ख़्वाहिश और नुक़सान के दफ़अ़ के लिए जाते थे मुन्हदिम क़रा दिए और क़ब्रों के ऊपर के तमाम कुब्बे वग़ैरह गिरवा दिए।

सवाल 5144 : बताइए हज़रत इमाम जाफर सादिक़ रजि अल्लाहु अन्हु की विलादत कब और कहाँ हुई?

जवाब 5144 : मदीना मुनव्वरह में बरोज़ पीर माहे रबीउल अवव्ल के आख़िरी अशरे में 83 हिजरी। (शवाहिदुन्नबुव्वह सफह 339)

सवाल 5145 : हज़रत इमाम जाफर सादिक़ रज़ि यल्लाहु अन्हु की तारीख़े विसाल बताइए?

जवाब 5145 : 15 रजबुल मुरज्जब 148 हिजरी जन्नतुल बक़ीअ़ में क़ब्रे मुबारकह वाक़ेअ़ है । (हवाला मुन्दरिजह बाला)

नोट :- बेहतर और औला यह है कि हज़रत इमामे जाफर सादिक़ रजियल्लाहु अन्हु की फातिहा कुंडे की, 15 रजबुल मुरज्जब को करें कि यह आप की तारीख़े विसाल है। वैसे तो कूंडे का फातिहा महीने की किसी भी तारीख़ में कर सकते हैं शरअ़न कोई मुज़ाइकह नहीं मगर अहसन और अफ़ज़ल यही है कि 15 रजबुल मुरज्जब को ईसाले सवाब करें।

सवाल 5146 : हज़रत उवैस क़रनी रज़ि यल्लाहु अन्हु के वालिद का इस्मे गरामी बताइए ?

जवाब 5146 : आमिर बिन जुज़अ बिन मालिक बिन अम्र।

सवाल 5147 : उवैस क़रनी रज़ि यल्लाहु अन्हु किस क़बीले से तअल्लुक़ रखते थे?

जवाब 5147 : क़बीलए मुराद से।

सवाल 5148 : हज़रत उवैस क़रनी रज़ि यल्लाहु अन्हु सरकार सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की ज़ियारत से मुशर्रफ क्यों न हो सके?

जवाब 5148 : आप की वालिदह नाबीना और ज़ईफह थीं हमेशा उन की ख़िदमत में हाज़िर रहते थे मगर हमेशा इश्के मुस्तफा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम को दिल में बसाए दीदारे मुस्तफा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की आरजू को दिल में परवान चढ़ाए रहे।

सवाल 5149 : हज़रत उवैस क़रनी रज़ि यल्लाहु अन्हु की सब से बड़ी करामत बताइए?

जवाब 5149 : हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने अपने सच्चे आशिक़ उवैस क़रनी रज़ि यल्लाहु अन्हु के कमालात की तारीफ फरमाई और नफसुर्रहमान के लक़ब से नवाज़े हैं।

सवाल 5150 : हज़रत उवैस क़रनी रज़ि यल्लाहु अन्हु का मज़ारे मुबारकह कहाँ वाक़ेअ हैं?

जवाब 5150 : (1) बन्दरगाह ज़ुबेद में (2) गरनी में (3) बग़दाद में (4) नवाहे सिन्ध, हुदूदे ठठ पकिस्तान में।

नोट:- बाज़ मुहक़्क़ेक़ीन और वाक़ेअ निगार हज़रात के मुताबिक़ आप के सात मज़ारात हैं जिन में चार वही हैं जिन का ऊपर ज़िक्र हुआ। और तीन मक़ामात का सही इल्म नहीं है।

सवाल 5151: उम्मुल मुमेनीन हज़रत ज़ैनब बिन्ते खुज़ैमह रज़ि यल्लाहु अन्हा का महेर सरकार सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने कितना अदा फरमाया?

जवाब 5151 : 400 दिरहम (सहाबियाते मुबश्शेरात, सफह 100)

सवाल 5152 : हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की हयाते मुबारकह में कौन दो उम्मुल मुमिनीन फौत हुई।

जवाब 5152 : हज़रत ख़दीजतुल कुबरा और हज़रत ज़ैनब बिन्ते खुज़ैमह रज़ियल्लाहु अन्हुमा।

सवाल 5153 : उम्मुल मुमिनीन हज़रत उममे सलमा रज़ि यल्लाहु अन्हा का अस्ल नाम बताइए?

जवाब 5153 : हिनदा बिन्ते अबी उमैयह। (सहाबियाते मुबश्शेरात, सफह 107)

सवाल 5154 : हज़रत उम्मे सलमा रज़ि यल्लाहु अन्हा की वालिदह का नाम बताओ?

जवाब 5154 : आतीकह बिन्ते आमिर बिन रबीआ। (हवाला मुन्दरजह बाला)

सवाल 5155 : उम्मुल मुमिनीन हज़रत जुवैरिया बिन्ते हारिस रज़ि यल्लाहु अन्हा ने कब विसाल फरमायो?

जवाब 5155 : सन 50 हिज़री रबीउल अव्वल में अमीर मुआवियह रज़ि यल्लाहु अन्हु के दौरे ख़िलाफत में बउम्र 70 साल नमाज़े जनाज़ह मरवान बिन हेकम ने पढ़ाई।

(सहाबियाते मुबश्शेरात सफह 152)

सवाल 5156 : उम्मुल मुमेनीन हज़रत सफियह रज़ि यल्लाहु अन्हा की वालिदह का नाम बताइए?

जवाब 5156 : बर्रह बिन्ते शमवाल जो रेफ़ाआ बिन शमवाल करज़ी की बहन थीं। (सहाबियाते मुबश्शेरात सफह 157)

सवाल 5157 : हज़रत सफीयह रज़ि यल्लाहु अन्हा ने किस हिजरी में विसाल फरमाया?

जवाब 5157 : सन 50 हिजरी में दौरे अमीर मुआवियह रज़ि यल्लाहु अन्हु।

(सहाबियाते मुबश्शेरात, सफह 166)

सवाल 5158 : उम्मुल मोमिनीन हज़रत उम्मे हबीबह रज़ि यल्लाहु अन्हा का विसाल कब हुआ?

जवाब 5158 : हज़रत अमीर मुआवियह रज़ि यल्लाहु अन्हु के दौरे हुकूमत में सन 44 हिजरी में।

सवाल 5159 : तारीख़ में पाँच ऐसी खुशनसीब कौन शख़्सियात हैं जिन की क़बरों में हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम खुद उतरे हैं ?

जवाब 5159 : (1) हज़रत ख़दीजतुल कुबरह (2) हज़रत अबब्दुल्लाह मुज़नी (3) हज़रत उम्मे रुमान (4)हज़रत फातिमा बिन्ते असद (5) और अपने बेटे की क़ब्र में जो हज़रत ख़दीजह के शिकम से थे (रज़ि यल्लाहु अन्हुम) (सहाबियाते मुबश्शेरात सफह 208)

सवाल 5160 : अबू खुबैब किस सहाबी की कुन्नियत थी?

जवाब 5160 : हज़रत अब्दुल्लाह बिन ज़ुबैर रज़ि यल्लाहु अन्हु की।

सवाल 5161 : हज़रत अस्मा बिन्ते अबू बकर रज़ि यल्लाहु अन्हुमा का विसाल कब हुआ?

जवाब 5161 : सन 73 हिजरी में बउम्र 100 साल।

सवाल 5162 : बताइए अमरीका और उस के इत्तेहादियों ने इराक़ पर बम बारी किस सन में की?

जवाब 5162 : सन 1991 ई० में (जार्ज बुश के ज़माने में)।

सवाल 5163 : अमरीका के ज़रीये लीबीयह पर बम बारी कब हुई?

जवाब 5163 : सन 1985 ई० में। (दहशतगर्द सफह 22)

सवाल 5164 : अमरीका ने लबनान पर बमबारी कब की?

जवाब 5164 : सन 1982 ई० में (हवाला मुंदरजा बाला)

सवाल 5165 : मिसरियों पर नहरे सुइज़ की वजह से इसराईल को आगे बढ़ा कर बरतानिया और फरान्स ने कब बम बारी की?

जवाब 5165 : सन 1956 ई. में। (दहशत गर्द सफह 22)

सवाल 5166 : अमरीका में वर्ल्ड ट्रेड सेंटर और पेन्टा गोन पर हमले कब हुए?

जवाब 5166 : 11, सेतंबर 2001 ई० में। (दहशतगर्द सफह 35)

सवाल 5167 : बूसेनिया पर अमरीका ने बम बारी किस सने ईसवी में की?

जवाब 5167 : सन 1998 ईसवी में (दह ातगर्द सफह 35)

❖❖❖❖❖❖❖❖❖❖
❖❖❖❖❖❖❖
❖❖❖❖❖❖
❖❖❖❖
❖❖❖
❖❖
❖
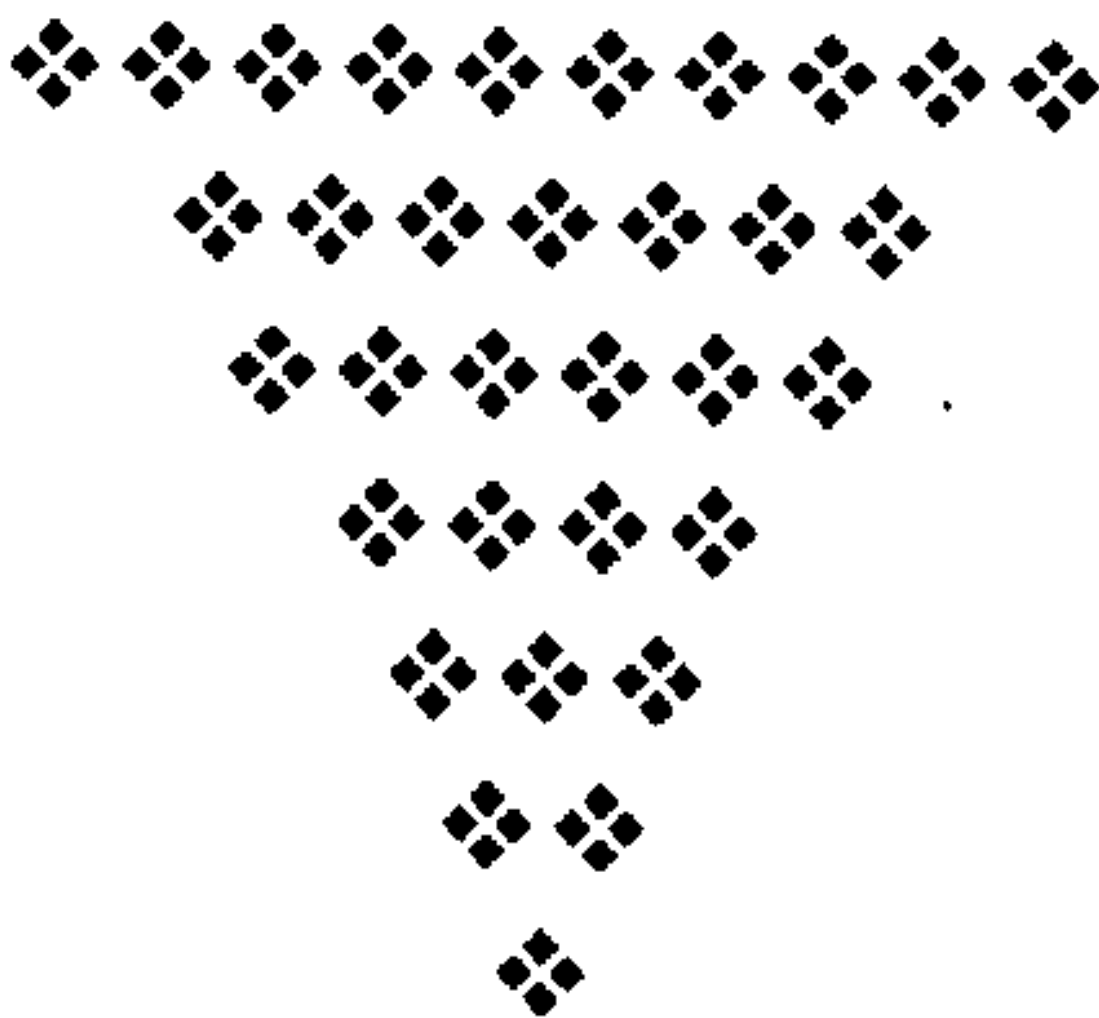
हदय-ए-सलाम

मुस्तफा जाने रहमत पे लाखों सलाम
शमऐ बज़्मे हिदायत पे लाखों सलाम
महरे चरख़े नबुव्वत पे रोशन दरूद
गुले बाग़े रिसालत पे लाखों सलाम
शहरे यारे इरम ताजदारे हरम
नौ बहारे शफाअ़त पे लाखों सलाम
अर्श ता फर्श है जिस के ज़ेरे नगीं
उस की क़ाहिर रियासत पे लाखों सलाम
हम ग़रीबों की आक़ा पे बेहद दरूद
हम फक़ीरों की षर्वत पे लाखों सलाम
जिस के आगे सरे सरवरां ख़म रहें
उस सरे ताजे रिफअ़त पे लाखों सलाम
जिस के सजदे को मेहराबे कअ़बा झुकी
उन भवों की लताफत पे लाखों सलाम
हाथ जिस सिम्त उठा ग़नी कर दिया
मौजे बहरे समाहत पे लाखों सलाम
एक मेरा ही रहमत में दावा नहीं
शाह की सारी उम्मत पे लाखों सलाम
जिस सुहानी घड़ी चमका तैबा का चाँद
उस दिलअफरोज़ साअ़त पे लाखों सलाम
आबे तत्हीर से जिस में पौदे जमे
उस रियाज़े नजाबत पे लाखों सलाम।
सय्येदह, ज़ाहिरह, तय्येबह, ताहिरह
जाने अहमद की राहत पे लाखों सलाम
उस शहीदेबला शाहे गुलगुं क़बा
बेकसे दश्ते गुर्बत पे लाखों सलाम

वह दसों जिन को जन्नत का मुज़्दह मिला
उस मुबारक जमाअ़त पे लाखों सलाम
शाफई, मालिक, अहममद,इमामे हनीफ
चार बाग़े इमामत पे लाखों सलाम
ग़ौषे आ़ज़म इमामु त्तुक़ा वल न्नुक़ा
जलवए शाने क़ुदरत पे लाखों सलाम
हिन्द के बादशाह दीन के वह मुईन
ख़्वाजए दीनो मिल्लत पे लाखों सलाम
मेरे सालार मस्ऊद पर रहमतें
ग़ाज़िए दीनो मिल्लत पे लाखों सलाम
डाल दी क़ल्ब में अज़मते मुस्तफा
सय्यदी आला हज़रत पे लाखों सलाम
शैख़ नजदी का सर काट कर रख दिया
हिम्मते आला हज़रत पे लाखों सलाम
तू ने पैदा किए कितने लअ़लो गोहर
हाफिज़े दीनो मिल्लत पे लाखों सलाम
मेरे उस्ताद माँ बाप भाई बहेन
अहले वुल्द व अ़शीरत पे लाखों सलाम
मुझसे ख़िदमत के कुदसी कहें हाँ रज़ा!
मुस्तफा जाने रहमत पे लाखों सलाम
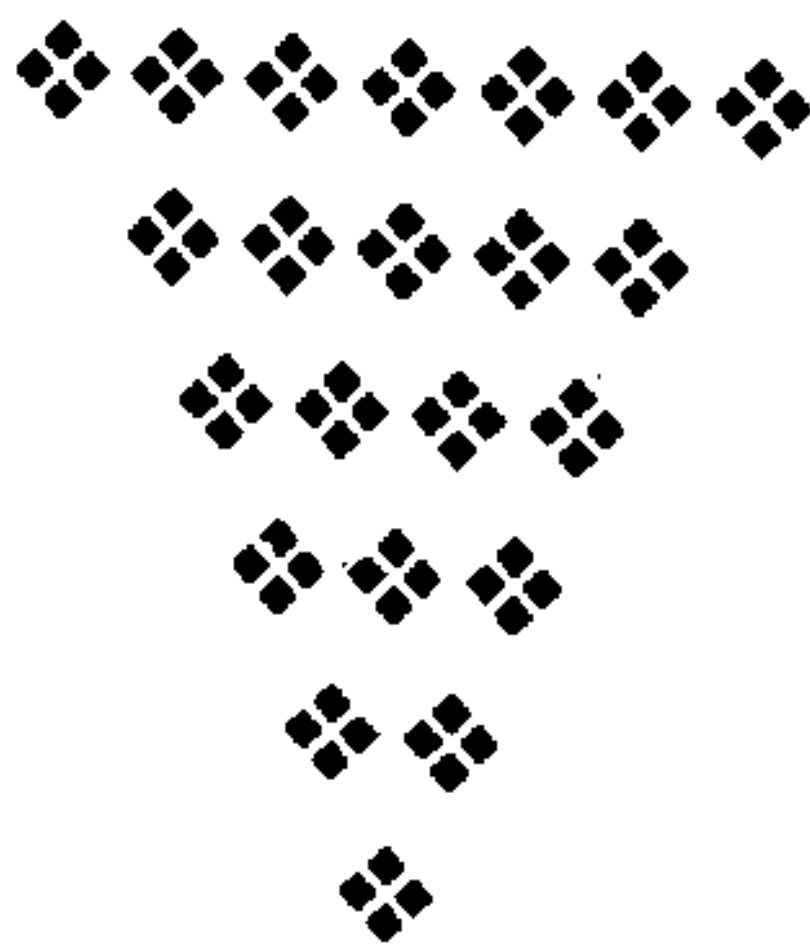
मुनाजात

या इलाही हर जगह तेरी अ़ता का साथ हो
जब पड़े मुश्किल शहे मुश्किल कुशा का साथ हो
या इलाही भूल जाऊँ नज़अ़ की तकलीफ को
शादिए दीदारे हुसने मुस्तफ़ा का साथ हो
या इलाही गोरे तीरा की जब आए सख़्त रात
उन के प्यारे मुंह की सुबहे जाँफ़िज़ा का साथ हो
या इलाही जब पड़े महशर में शोरे दारो व गीर
अम्न देने वाले प्यारे पेशवा का साथ हो
या इलाही जब ज़बानें बाहर आऐं प्यास से
साहिबे कौषर शहे जूदो अता का साथ हो
या इलाही सर्द मुहरी पे हो जब खुर्शीदे हश्र
सय्यदे बे सायह के ज़िल्ले लेवा का साथ हो
या इलाही गरमिए महशर से जब भड़कें बदन
दामने महबूब की ठन्डी हवा का साथ हो
या इलाही नामए आ़माल जब खुलने लगें
अ़ैब पोशे ख़्लक़े सत्तारे ख़्ता का साथ हो
या इलाही जब बहें आँखें हिसाबे जुर्म से
उन तबस्सुम रेज़ होंटों की दुआ का साथ हो
या इलाही जब हिसाबे ख़न्दए बेजा रुलाए
च मे गिरयाँ को शफीअ़े मुरतज़ा का साथ हो
या इलाही रंग लाएं जब मेरी बेबाकियाँ
उन की नीची नीची नज़रों की हया का साथ हो
या इलाही जब चलूँ तारीके राहे पुल सिरात
आफताबे हाशमी नुरुलहुदा का साथ हो
या इलाही जब सरे शम्शीर पर चलना पड़े
रब्बे सल्लिम कहने वाले ग़म्ज़ुदह का साथ हो

या इलाही जो दुआएँ नेक हम तुझ से करें
कुदसियों के लब से आमीं रब्बना का साथ हो
या इलाही जब रज़ा ख़्वाबे गिरां से सर उठाए
दौलते बेदार इश्क़े मुस्तफा का साथ हो।
या इलाही ले चलें जब दफ्न करने क़ब्र में
गौसुल आज़म पीर व मुर्शिद रहनुमा का साथ हो

❖ ❖ ❖

तालिबे दुआ

सिराज अहमद सिराजुल क़ादरी बहराइची

तकमील 25, सितंबर 1997 ई. बरोज़ जुमेरात

मोबाइल : 9820838925 - 9870742302

किताबियात

❖ **कन्जुल ईमान फी तर्जिमतिल कुर्आन**
इमाम अहमद रज़ा खान फाज़िलेबरैलवी रहमतुल्लहि अलैहि
❖ **ख़ज़ायेनुल इरफान**
अल्लमा सय्यद नईमुद्दीन मुरादाबादी रहमतुल्लहि अलैहि
❖ **तफसीरे नईमी**
मुफती अहमद यार ख़ाँ रहमतुल्लहि अलैहि
❖ **मुस्लिम शरीफ**
अबुल हुसैन मुस्लिम बिन अल हज्जाज कुशैरी
❖ **तिर्मिज़ी शरीफ।**
अबू ईसा मुहम्मद बिन ईसा र्तिमिज़ी
❖ **मिशकात शरीफ**
वलीयुद्दीन मोहम्मद बिन अब्दुल्लाह ख़तीब
❖ **बुख़ारी शरीफ**
इमाम मोहम्मद बिन इस्माईल बुख़ारी रहमतुल्लाहि अलैहि
❖ **शरहे मिश्कात**
अल्लामा अब्दुल हक़ मुहद्दिष देहलवी रहमतुल्लहि अलैहि
❖ **दुर्रे मुख़्तार मअ़ रद्दुल मुह्तार**
अलाउद्दीन हसकफी
❖ **रद्दुल मुह्तार**
शैख़ अमीन इब्ने आबेदीन शामी
❖ **तफसीरे कबीर**
इमाम फख़रुद्दीन मोहम्मद राज़ी
❖ **जामेअ़ सग़ीर**
अल्लामा जलालुद्दीन सियूती
❖ **अल अश्बाह वन्नज़ायेर**
शैख़ ज़ैनुद्दीन अल मारुफ बि इब्ने नुजैम
❖ **तफसीरे अज़ीज़ी**
शाह अब्दुल अज़ीज़ मुहद्दिस देहलवी
❖ **फतावा अज़ीज़ीयह**

शाह अब्दुल अज़ीज़ मुहद्दिषे देहलवी

- **शरहे फ़िक़हे अक्बर लेअली क़ारी**
  मुल्ला अली क़ारी
- **हाशियह जलालैन**
- **अल बदायह व निहायह**
  हाफिज़ अेमादुद्दीन इस्माईल बिन दमि की
- **शरहे अक़ायेद**
  अल्लामा सअ़दुद्दीन तुफताज़ानी
- **सीरते हलबी**
  अली बिन बुर्हानुद्दीन हलबी
- **मदारिजुन्नबुव्वह।** शैख़ अब्दुल हक़ मुहद्दिस देहलवी (अलहाज मुफ़्ती गुलाम मुईनुद्दीन)
- **सीरतुन्नबी कामिल**
  इब्ने हेशाम तर्जुमाः मौलाना अब्दुल जलील सिद्दीक़ी व मौलाना गुलाम रसूल मेहर
- **तारीख़े तबरी**
  तर्जुमा सय्यद मोहम्मद इब्राहीम
- **क़ेससुल क़ुर्आन**
  मौलाना मोहम्मद हिफजुर्रहमान सेवहारवी (देवबन्दी)
- **क़ुर्आन मजीद का नुज़ूले वही**
  महमूदुलहसन खुसरु
- **अनवारे मोहम्मदियह**
  इमाम अल्लामा यूसुफ बिन इस्माईल निबहानी
- **शवाहिदुन्नबुव्वह**
  हज़रतुल अल्लाम नुरुद्दीन अब्दुर्रहमान जामी। (तर्जुमाः बशीर हुसैन नाज़िम एम. ए.)
- **सेयरुल औलियह**
  सय्यद मोहम्मद मुबारक किरमानी (डा. अब्दुल लतीफ एम. ए)
- **हयाते इमाम आज़म रहमतुल्लाहि अलैहि**
  शैख़ मोहम्मद बिन अबू ज़हरा क़ाहिरा मिस्र तर्जुमाः प्रोफेसर गुलाम अहमद हरीरी।
- **तारीखुल खुलफा**
  अल्लामा जलालुद्दीन सियूती रहमतुल्लाहि अलैहि (तर्जुमा शम्स बरेलवी)

- **मिरअते मरऊदी**
  तर्जुमा मौलाना मोहम्मद सिद्दीक़ हसन बहराइची
- **सवानेह आला हज़रत**
  अल्लामा बदरुद्दीन क़ादरी गोरखपूरी रहमतुल्लाहि अलैहि।
- **फतावा रज़वियह**
  इमाम अहमद रज़ा ख़ाँ फाज़िले बरैलवी रहमतुल्लाहि अलैहि
- **हदाइक़े बख़्शिश**
  इमाम हअहमद रज़ा ख़ाँ फाज़िले बरैलवी रहमतुल्लाहि अलैहि
- **अन्वारे अहमदी**
  अल्लामा अन्वारुल्लाह हैदराबादी तलख़ीस व तर्जुमा व तसहील अल्लामा अरशदुल क़ादरी।
- **तबलीग़ी जमाअत**
  अल्लामा अरशदुल क़ादरी।
- **रफीकुल हरमैन** : मौलाना मोहम्मद इल्यास क़ादरी
- **राहतुल कुलूब इला दयारिल महबूब**
  शैख़ अब्दुल हक़ मुहद्दिस देहलवी, मुतरजिम हकीम इरफान अली पीली भीती।
- **जमाले मुस्तफा सल्लललाहु अलैहि व सल्लम**
  अब्दुल अज़ीज़ अरनी।
- **शेरे बेशए अहले सुन्नत नंबर**
  प्रोफेसर डा. गुलाम यहया अन्जुम।
- **करबला के बाद** :
  मौलाना अब्दुत्तव्वाब सिद्दीकी
- **अन्वारे मुफतिए आज़मे हिन्द**
  प्रोफेसर डा.ग़ुलाम यहया अन्जुम।
- **सहाइफे अशरफी अव्वल**
  अल्लामा अलहाज सय्यद हामिद अ रफ साहेब
- **सीरते ग़ौसुल आज़म** :
  मौलाना अब्दु रहीम क़ादरी।
- **कुर्आन, साइन्स और इमाम अहमद रज़ा**
  प्रोफेसर डा. मजीदुल्लाह क़ादरी
- **तफसीरे सावी** : शैख़ अहमद सावी
- **कन्जुद्दकाइक़**

- **सहाबियाते मुबश्शेरात** : महमूद अहमद ग़ज़न्फ़र
- **ख़ालिद बिन वलीद**
- **बाबिल का बुत शिकन** :असलम राही
- **हयातुल हैवान** : कमालुद्दीन दमीरी
- अल बदायह व न्निहायह

  इस्माईल बिन उमर बिन कसीर रहमतुल्लाहि अलैहि।
- **अन्वारे औलिया**
- **तारीख़े हरमैन शरीफ़ैन**
- **अल इतक़ान फी उलूमिल कुर्आन**

  अल्लामा जलालुद्दीन सियूती।
- **कन्जुल आमाल**

  अलाउद्दीन अली अलमुत्तक़ी बिन हुसामुद्दीन
- **अलकामिल फीत्तारीख़** :डा. कौकब नूरानी ओकाड़वी।
- **दहशत गर्द**
- **उसुदुल ग़ाबा**
- **असेहहुस्सेयर**

  सय्यद सुलेमान नदवी (देवबन्दी)
- **नशरुत्तीब**
- **अहवालुल अंबिया**
- **फतावा आलमगीरी**
- बहारे शरीअत

  मौलाना अमजद अली रहमतुल्लाहि अलैहि
- **नवाए हबीब मार्च 1988 ई०**
- **माहनामा आला हज़रत 1982 ई० से 2003 ई० तक**
- **ज़रक़ानी**

  मोहम्मद बिन अब्दुल बाक़ी जरक़ानी
- **जन्नती ज़ेवर**
- **फैसला कुन मुनाज़िरह**

  मतबूआ दारुल इशाअत फैसलाबाद
- **दावते फिक्र** : मन्शा ताबिश क़सूरी
- **मक़ालाते मोहम्मद** : अली जौहर (हिस्सा अव्वल)
- अन्वारे रज़ा
- **इमाम अहमद रज़ा नंबर अलमीज़ान**

- **ख़ियाबाने रज़ा**
- **हयाते तैयबह**
  मिर्ज़ा हैरत देहलवी मतबा फारूकी देहली
- **ज़ियाउन्नबी मुकम्मल**
  पीर मोहम्मद करम शाह अल अज़हरी
- **नुज़हतुल क़ारी शरहे बुख़ारी**
  मुफ्ती मोहम्मद शरीफुल हक़ अमजदी
- **औरंगज़ेब, अलमास एम. ए.**
- **मलिक शाह सल्जूक़ी, तालिब हाशमी**
- **तफ्हीमात सय्यद अबुल्आला मौदूदी**
- **रसायेल व मसायल**
  सय्यद अबुल्आला मौदुदी
- **कुर्आन की चार बुन्नियादी इस्तिलाहें**
  सय्यद अबुल्आला मौदूदी
- **फिकही पहेलियां**: मुफ्ती जलालुद्दीन अमजदी
- तकमीलुल ईमान
  शैख़ अब्दुल हक़ मोहददिसे देहलवी
- **रुहुल ब्यान**
  अल्लामा इस्माईल हक़्क़ी
- **अन्नाहिया अन तअने मोआवियह**
  अब्दुल अजीज़ फरहादी
- **नुरुल्अबसार फि मनाकिबे आले बैते नबीइल मुख़्तार**
  सय्यद मोमिन बिन हसन
- **मुहाज़िरतुल अवाइल**
  शैख़ अलाउद्दीन अली दुर्रतुस्सकतूरी
- **अशरफुल मोअब्बद लेआले मुहम्मद**
  अल्लामा यूसुफ निबहानी
- **ग़यासुल लुग़ात** : मोहम्मद ग़यासुद्दीन
- **मुस्नदे इमामे आज़म मअ शरहे लेअली कारी**
  बरिवायते अल्लामा हसकफी।
- **शरहे शिफा** : मुल्ला अली क़ारी
- **तबक़ातुल कुबरा** : मोहम्मद बिन सअद कातिबुल वाक़ेदी।
- **बुस्तानुल आरेफीन**

फक़ीहुल लैस शैख़ ज़ाहिद नसर बिन मुहम्मद।

❖ **अल इबरीज़** : अब्दुल अज़ीज़ दब्बाग़।

❖ **दास्ताने ज़बाने उर्दू** : डा. शौकत बज़वारी

❖ मिश्कात अस्माउर्रिजाल
वलीयुद्दीन मोहम्मद बिन अब्दुल्लाह ख़तीब।

❖ **खाज़िन** : अलाउद्दीन अली बिन मोहम्मद बग़दादी।

❖ **अशेअ़तुल लमआत** : शैख़ अबदुल हक़ मुहद्दिस देहलवी।

❖ **जज़्बुल कुलूब इला दयारिल महबूब**
शैख़ अबदुल हक़ मुहद्दिस देहलवी ?

❖ **उम्दतुल क़ारी**
अल्लामा बदरुद्दीन महमूद अ़ैनी।

❖ **तत्हीरुल जिनान अलस्सवाइकिल मोहरिकह**
शेख़ शहाबुद्दीन अहमद बिन हजर हैतमी।

❖ **रौज़तुल बहीय्या हसन बिन अ़ब्दुल मुहसिन**

❖ **जुमल** : सुलेमान बिन उमर अल अजीली

❖ **अल मलफ़ूज़**
आला हज़रत इमाम अहमद रज़ा

❖ **मोवाहिबे लिदुन्नीयह**
शहाबुद्दीन अहमद कस्तलानी

❖ **नुज़हतुल मजालिस**
अब्दु र्रहमान सफ़ूरी

❖ **क़ेससुल अंबिया**
अबू इस्हाक़ अहमद बिन मोहम्मद सअ़लबी

❖ **आईनए तारीख़**
मुख़्तार अहमद ओवैसी

❖ **इस्लाम और चाँद का सफर**
मुफती मोहम्मद शरीफुल हक़ अमजदी।

❖ **सर कटाते हैं तेरे नाम पर मरदाने अरब**
अल्लमाा अब्दुरसत्तार हमदानी।

❖ **अफकारे रज़ा सेहमाही**
मुदीर मोहम्मद ज़ुबैर क़ादरी

❖ ❖ ❖

इस्लामी हीरे यानी सुन्नी कुइज़

मौलाना मेराजुल कादरी बहराइची

नाज़ बुक डिपो